# पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय

(संसद अधिनियम संख्या 53, 1985 के तहत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

# विवरणिका 2019-20

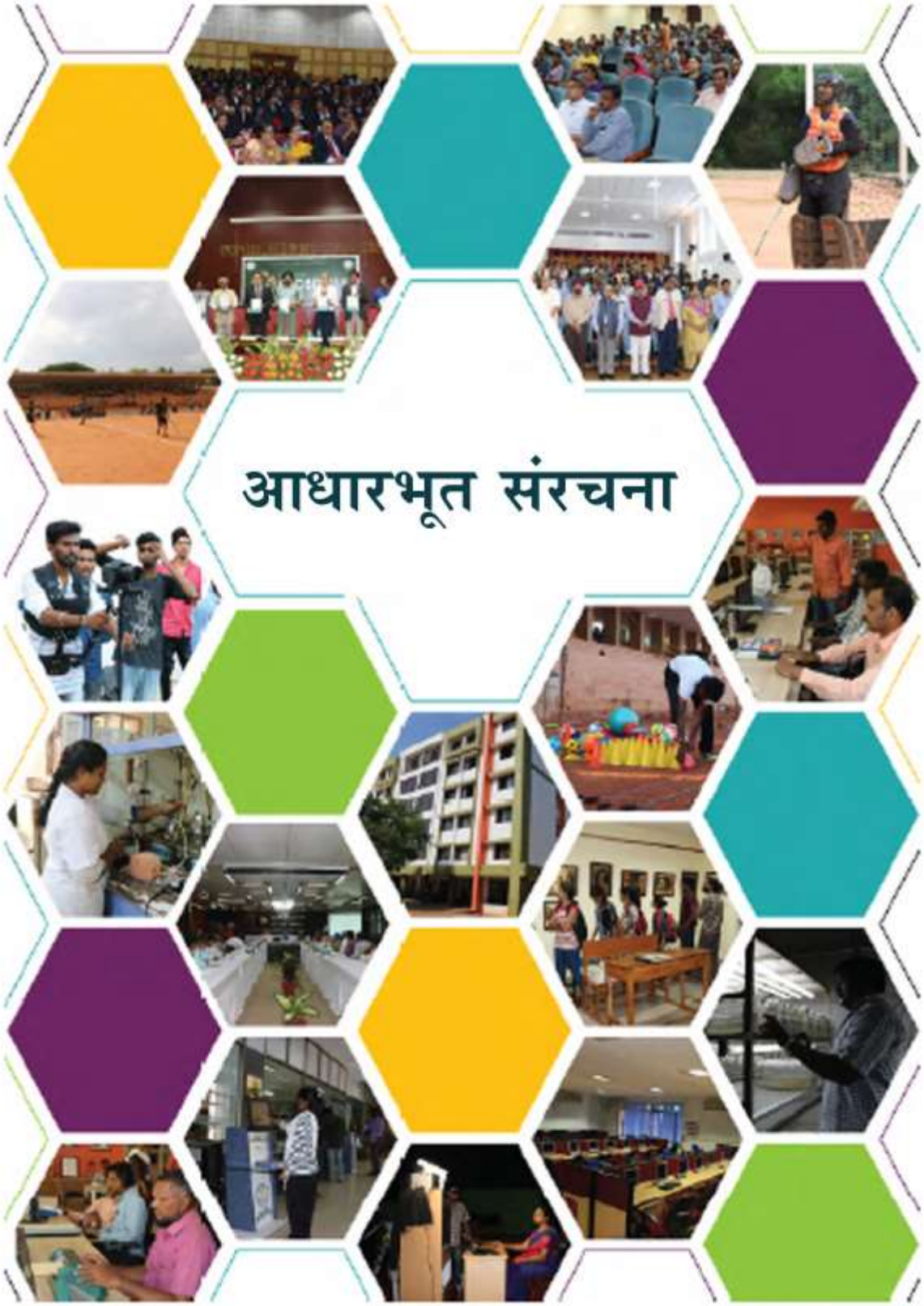
आधारभूत संरचना

# पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय

(संसद अधिनियम संख्या 53, 1985 के तहत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'ए' ग्रेड प्राप्त

## विवरणिका 2019-20

## कुलपति की ओर से....

पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के विविध कार्यक्रमों में प्रवेश की आकांक्षा लेकर आये आप सभीका हार्दिक स्वागत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है। समूची भारतीय विश्वविद्यालय-व्यवस्था में पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय का अपना एक विशिष्ट स्थान है। स्थानीय समुदाय की मांगों की पूर्ति करने के लिए निर्मित इस विश्वविद्यालय ने 1985 में अपनी स्थापना से लेकर आज तक नवाचारों की सृष्टि करने तथा राष्ट्र की आवश्यकताओं के तहत सेवा करने में अतीव निष्ठा एवं तत्परता दिखायी है। सशक्त तथा उद्योग-केंद्रित शैक्षणिक कार्यक्रमों एवं अत्याधुनिक अनुसंधान को स्थापित करके विश्वविद्यालय गर्व का अनुभव कर रहा है। हम अपने छात्रों को कुछ ऐसी शिक्षा प्रदान करते हैं जो शोध से समृद्ध हो और साथ ही साथ काम सीखने में सहायक भी हो। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के द्वारा 'ए' श्रेणी प्राप्त पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, गुणवत्ता से युक्त उच्च शिक्षा और अनुसंधान के लिए देशभर के छात्र-छात्राओं के बीच बहुत मशहूर और चहेते परिसरों में से एक है। पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय देश का ऐसा पहला विश्वविद्यालय था जिसने विकल्प आधारित क्रेडिट सिस्टम - सी.बी.सी.एस. को लागू किया। इसी सी.बी.सी.एस. की पद्धति का अनुसरण आज देश के कई अन्य विश्वविद्यालयों के द्वारा किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय में 15 विद्यापीठ, 38 विभाग, 11 केंद्र तथा 1 अध्ययन पीठ हैं और 144 से अधिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम, स्नातकोत्तर डिप्लोमा/सर्टिफिकेट और अनुसंधान कार्यक्रम विश्वविद्यालय में चलाये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में 6353 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं और इनमें विदेशी छात्र भी शामिल हैं। संप्रति विश्वविद्यालय के पास विभिन्न निधीयन एजेंसियों- यथा- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, सी.एस.आर. और डी.बी.टी. के द्वारा विशेष सहायता कार्यक्रम & एफ.आई.सी.टी. परियोजनाओं सहित 130 वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाएँ उपलब्ध हैं।

विश्वविद्यालय के दो ऑफ-कैंपस भी हैं -जिनमें एक पोर्ट ब्लेयर (अंडमान) में है। इसमें महासागर अध्ययन & समुद्री जैवविज्ञान तथा तटीय आपदा प्रबंध विभाग-ये दोनों विभाग उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय का एक स्नातकोत्तर अध्ययन केंद्र कारैकाल में उपस्थित है।

पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय का दूरस्थ शिक्षा निदेशालय सभी के लिए सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने की दिशा में कार्यरत है। निदेशालय के द्वारा प्रौद्योगिकी से युक्त दूरस्थ अधिगम-पद्धति को अपनाया गया है जिसमें आई.सी.टी. का उपयोग किया जाता है। इससे बडी संख्या में मौज़ूद दूर-दराज के उन लोगों को भी शिक्षा दिलायी जा सकती है जो विधिवत् कैंपस में रहकर शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाते, किंतु शिक्षा के प्रति बहुत लगाव रखते हैं।

पुदुच्चेरी और माहे में स्थित विश्वविद्यालय के कम्यूनिटी कॉलेज, स्थानीय लोगों की आवश्यकताओं व मांगों को दृष्टि में रखते हुए विविध व्यवसायोन्मुख बी.वॉक. कोर्सेज़, सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कार्यक्रम चलाते हैं।

संप्रति विश्वविद्यालय के साथ संबद्ध 93 महाविद्यालयों में कला, विज्ञान, शिक्षा, विधि, दंत-चिकित्सा, चिकित्सा, परा-चिकित्सा, पशु-चिकित्सा तथा अभियांत्रिकी विषयक विभिन्न कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय ने हाल ही में नेशनल चिन-यी विश्वविद्यालय, ताइवान, नेशनल चुंग चेंग विश्वविद्यालय, ताइवान, चुंगबुक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, कोरिया, टूलन विश्वविद्यालय, फ्रांस, जा जूरिक यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज़, स्विट्जरलैंड और यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट पैरिस, फ्रांस जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इनके अलावा हमारे विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाएँ हैं-

- 100% वाई-फाई से युक्त परिसर है जहाँ 100% बिजली का बैक-अप उपलब्ध है।
- 24x7 पुस्तकालय की सुविधा है।
- सारी सुविधाओं के साथ सुसज्जित 22 छात्रावास हैं।
- चौबीस घंटे चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध
- रोजगार-सहायता के लिए अतिरिक्त प्रकोष्ठ
- कम्यूनिटी रेडियो (पुदुवै वाणी)
- भारत अध्ययन कार्यक्रम

पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय का मानव संसाधन विकास केंद्र, विश्व स्तरीय मानव-संसाधन विकास केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर है और अधिगम की प्रक्रिया में उत्कृष्टता लाने के संकल्प से कार्यरत है। यह उच्च शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में गुणवत्ता और योग्यता के साथ स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक समुदायों की सेवा करने में तत्पर है। जो विद्यार्थी इस उत्कृष्ट शैक्षणिक माहौल में प्रवेश पाकर अधिगम और शोध के क्षेत्रों में सफलतापूर्वक अग्रसर होना चाहते हैं, उन सभी के लिए पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय शिक्षा एवं अनुसंधान की पावन-भूमि साबित होगा, ऐसा मेरा विश्वास है।

मैं आप सभी की शैक्षणिक गतिविधियों व प्रयासों में हर सफलता की कामना करता हूँ।

| | | |
|---|---|---|
| कुलाध्यक्ष | : | **श्री रामनाथ कोविंद**<br>महामहिम, भारत के राष्ट्रपति |
| कुलाधिपति | : | **श्री एम. वेंकय्या नायुडु**<br>माननीय, भारत के उपराष्ट्रपति |
| मुख्य कुलदेशिक | : | **डॉ. किरण बेदी,** आई.पी.एस. (सेवा निवृत्त)<br>माननीया उपराज्यपाल, पुदुच्चेरी |
| कुलपति | : | आचार्य **गुरुमीत सिंह** |

---

निदेशक (अध्ययन, शैक्षिक नवाचार & ग्रामीण पुनर्निर्माण)
**आचार्य एस. बालकृष्णन्**
निदेशक (संस्कृति & सांस्कृतिक संबंध)
**आचार्य राजीव जैन**
कुलसचिव (प्रभारी)
**डॉ. बी. चित्रा**
वित्ताधिकारी
**श्री ए.के. प्रकाश**
परीक्षा नियंत्रण अधिकारी (प्रभारी)
**डॉ. बी. चित्रा**
पुस्तकालयाध्यक्ष
**डॉ. आर. संयुक्ता**

---

## विद्यापीठों के अध्यक्ष

| | |
|---|---|
| आचार्य इलमति जानकीरामन् | **सुब्रमणिय भारती तमिल भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ** |
| आचार्य जी. आंजनेय स्वामी | **प्रबंधन विद्यापीठ** |
| आचार्य पी. धन्वंतन् | **रामानुजम् गणितीय विज्ञान विद्यापीठ** |
| आचार्य जी. गोविंदराज | **भौतिकी, रासायनिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ** |
| आचार्य पी.पी.माथुर | **जीवविज्ञान विद्यापीठ** |
| आचार्य के. श्रीनिवास | **मानविकी विद्यापीठ** |
| आचार्य वेंकट रघोत्तम् | **सामाजिक विज्ञान & अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विद्यापीठ** |
| आचार्य पी. धन्वंतन् | **अभियांत्रिकी & प्रौद्योगिकी विद्यापीठ** (प्रभारी) |
| आचार्य मुंताज बेगम् (प्रभारी) | **शिक्षा विद्यापीठ** |
| आचार्य गोपालकृष्ण पाल | **चिकित्सा विज्ञान विद्यापीठ** (प्रभारी) |
| आचार्य सी.के. रामैय्या (विद्यापीठाध्यक्ष -प्रभारी) | **प्रदर्शन कला विद्यापीठ** (प्रभारी) |
| आचार्य शिबनाथ देब | **विधि विद्यापीठ** (प्रभारी) |
| आचार्य सी.के. रामैय्या | **मीडिया &संचार विद्यापीठ** |
| आचार्य के. अन्बलगन् | **मदनजीत सिंह हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी विद्यापीठ** |

## विद्यापीठ, विभाग/ केंद्र & संबंधित विभागाध्यक्ष & केंद्रों के अध्यक्ष/ संयोजक

| | |
|---|---|
| **सुब्रमणिय भारती तमिल भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ** | डॉ. इलमति जानकीरामन् |
| **प्रबंधन विद्यापीठ** | |
| प्रबंध-अध्ययन विभाग | डॉ. आर. चित्रा शिवसुब्रमणियम् |
| प्रबंध-अध्ययन विभाग (कारैकाल परिसर) | डॉ. एस. ए. सेंथिल कुमार |
| वाणिज्य विभाग | डॉ. डी. लाजर |
| वाणिज्य विभाग (कारैकाल परिसर) | डॉ. एस. अमिलन् |
| अर्थशास्त्र विभाग | डॉ. अमरेश सामंतराय |
| पर्यटन अध्ययन विभाग | डॉ. संपद कुमार स्वाईं<br>विभागाध्यक्ष (प्रभारी) |
| बैंकिंग प्रौद्योगिकी विभाग | डॉ. एस. सुडलै मुत्तु |
| अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विभाग | डॉ. भूषण डी. सुधाकर (प्रभारी) |
| **रामानुजम् गणितीय विज्ञान विद्यापीठ** | |
| गणित विभाग | डॉ. टी. दुरैवेल |
| सांख्यिकी विभाग | डॉ. पी. धन्वंतन् |
| **भौतिकी, रसायनिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ** | |
| भौतिकी विभाग | डॉ. वी.वी. रविकांत कुमार |
| रसायन विज्ञान विभाग | डॉ. आर. वेंकटेशन् |
| पृथ्वी विज्ञान विभाग | डॉ. डी. सेंथिल नाथन् |

| | |
|---|---|
| अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग | डॉ. सुरेंद्र कुमार सिया |
| तटीय आपदा प्रबंध विभाग (प्रभारी) | डॉ. के. धरणी राजन् |

**जीवविज्ञान विद्यापीठ**

| | |
|---|---|
| जैव रसायन विज्ञान और आण्विक जीव विज्ञान विभाग | डॉ. पी.पी. माथुर |
| जैव प्रौद्योगिकी विभाग | डॉ. वी. अरुल् |
| सूक्ष्म जैविकी विभाग | डॉ. जोसफ सेल्विन (संयोजक) |
| खाद्य विज्ञान & प्रौद्योगिकी विभाग | जान डॉन बोस्को |
| पारिस्थितिकी & पर्यावरण विज्ञान विभाग | डॉ. एस. जयकुमार |
| महासागर अध्ययन & समुद्री जैवविज्ञान विभाग | डॉ. आर. मोहनराजु |
| जैव सूचनाविज्ञान केंद्र (केंद्र के अध्यक्ष) | डॉ. ए. दिनकर राव |

**मानविकी विद्यापीठ**

| | |
|---|---|
| अंग्रेजी विभाग | डॉ. एच. कल्पना |
| फ्रांसीसी भाषा विभाग | डॉ. एस. पन्नीर सेल्वमे |
| हिंदी विभाग (प्रभारी) | डॉ. सी. जयशंकर बाबू |
| संस्कृत विभाग | डॉ. के. ई. धरणीधरन् |
| दर्शनशास्त्र विभाग | डॉ. एस. इंदिरा |
| फिजिकल एजुकेशन और खेल विभाग | डॉ. पी.के. सुब्रमणियम् |
| विदेशी भाषाई केंद्र | डॉ. एस. पन्नीर सेल्वमे |
| एशियाई इसाई अध्ययन में एस्केंडे अध्ययन पीठ (संयोजक) | डॉ. एन. जोनस |

## सामाजिक विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विद्यापीठ

| | |
|---|---|
| नृविज्ञान विभाग | डॉ. ए. चेल्ला पेरुमाल् |
| समाजशास्त्र विभाग | डॉ. सुधा सीतारामन् |
| इतिहास विभाग | डॉ. के. वेणुगोपाल रेड्डी |
| सामाजिक कार्य विभाग | डॉ.आर. नलिनी |
| राजनीति & अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन | डॉ. मोहन भास्करन् पिल्लै |
| यूरोपीय अध्ययन केंद्र | डॉ. जी. चंद्रिका |
| युनेस्को – मदनजीत सिंह दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संस्थान (यूमीसार्क)/ दक्षिण एशियाई अध्ययन केंद्र | डॉ. ए. शुब्रमण्यम् राजु |
| विश्वविद्यालय अनुदान आयोग महासागर अध्ययन केंद्र (संयोजक) | -- |
| यूजीसी द्वारा प्रायोजित दक्षिणी एशियाई अध्ययन केंद्र (केंद्र के अध्यक्ष) | |
| महिला अध्ययन केंद्र (केंद्र के अध्यक्ष - प्रभारी) | डॉ. सी. अरुणा |
| सामाजिक बहिष्कार एवं समावेश नीति अध्ययन केंद्र (प्रभारी) | डॉ. एम. तनूजा |

## अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ

| | |
|---|---|
| कंप्यूटर विज्ञान विभाग (प्रभारी) | डॉ. टी. चित्रलेखा |
| कंप्यूटर विज्ञान विभाग (कारैकाल परिसर) (प्रभारी) | डॉ. जी. कुमार वेलन् |
| एलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग | डॉ. आर. नक्कीरन् |
| प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी केंद्र (केंद्र के अध्यक्ष/ प्रभारी) | डॉ. एस. गजलक्ष्मी |

**शिक्षा विद्यापीठ**

| | |
|---|---|
| वयस्क और सतत शिक्षा केंद्र | डॉ. के. देवन् |

**चिकित्सा विज्ञान विद्यापीठ (प्र.)** -

**प्रदर्शन कला विद्यापीठ** --

| | |
|---|---|
| प्रदर्शन कला विभाग | -- |

**मीडिया & संचार विद्यापीठ** डॉ. एम. शोयब मोहम्मद हनीफ

| | |
|---|---|
| एलेक्ट्रानिक मीडिया और जनसंचार विभाग (प्र.) | |
| पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग | डॉ. आर. सेवुकन् |

**मदनजीत हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी विद्यापीठ**

| | |
|---|---|
| हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी केंद्र | डॉ. बी. मोहम्मद जाफर अली |
| नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र | डॉ. ए. वडिवेल् मुरुगन् |

**विधि विद्यापीठ**

| | |
|---|---|
| विद्यापीठाध्यक्ष- महाविद्यालय विकास परिषद | डॉ. के. चंद्रशेखर राव |
| विद्यापीठाध्यक्ष- छात्र कल्याण | डॉ. डी. लाजर |
| निदेशक (प्र.)- दूरस्थ शिक्षा निदेशालय | आचार्य शिबनाथ देब |
| निदेशक (प्र.)- यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र | आचार्य वेंकट रघोत्तम् |
| प्राचार्य (प्र.)- कम्यूनिटी कॉलेज, पुदुच्चेरी परिसर | आचार्य जी. चंद्रशेखरन् |
| प्राचार्य (प्र.)- कम्यूनिटी कॉलेज, माहे केंद्र | डॉ. एस. अरुल सेल्वन् |
| केंद्रीय इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधा (प्र.) | डॉ. बाला मणिमारन् |
| केंद्रीय रखरखाव कार्यशाला | पी. काशीराजन् |
| केंद्र के अध्यक्ष - कारैकाल परिसर | डॉ. एस. अमिलन् |
| संयोजक - भारत अध्ययन कार्यक्रम | आचार्य नलिनी. जे. थंपी |
| परिसर समन्वयक- पोर्ट ब्लेयर परिसर | डॉ. एस. बालाजी |

## प्रशासनिक अधिकारी

## कुलपति - सचिवालय

| | | |
|---|---|---|
| सहायक कुलसचिव (कुलपति-सचिवालय) | : | श्रीमति एस. अलमेलु |
| आंतरिक लेखा-परीक्षा अधिकारी | : | -- |

### निदेशक (अध्ययन, शैक्षिक नवाचार & ग्रामीण पुनर्निर्माण) का कार्यालय

| | | |
|---|---|---|
| सहायक कुलसचिव (निदेशक अध्ययन, नवाचार व ग्रामीण पुनर्निर्माण) | : | वी. ज्योति मुरुगैय्यन् |

### कुलसचिव का सचिवालय

| | | |
|---|---|---|
| सहायक कुलसचिव | : | श्री एम.पी.टी. सहायराजा |
| उप कुलसचिव -(प्रशासन, शैक्षणिक & गैर शैक्षणिक, भर्ती प्रकोष्ठ) | : | डॉ. पी. मुरलीदासन् |
| सहायक कुलसचिव (प्रशासन) | : | श्री एन. गिरिधरन् |
| सहायक कुलसचिव (स्थापना- शैक्षिक) | : | श्री बी. रौद्रमूर्ति : |
| सहायक कुलसचिव (विधिक प्रकोष्ठ) | : | श्री एल. आर. फ्रांक्लिन थॉमस |
| सहायक कुलसचिव (योजना एवं विकास & पीसीआर प्रकोष्ट) | : | श्री जी. वेंगुडेश्वरने |
| सहायक कुलसचिव (क्रय & भंडार) | : | श्री पी. वैद्यनाथन् |
| सहायक कुलसचिव (शैक्षिक- प्रवेश) | : | श्री पी. राजशेखरन् |
| सहायक कुलसचिव (शैक्षिक- सामान्य) | : | श्री एन. देवनारायणन् |
| सहायक कुलसचिव (जनसंपर्क) | : | श्री के. महेश |
| लोक शिकायत अधिकारी | : | डॉ. के. देवन् |
| सहायक कुलसचिव (यातायात) | : | श्री एम. वेलायुधम् |
| सहायक कुलसचिव (परियोजना प्रकोष्ठ) | : | -- |
| सहायक कुलसचिव (विशेष आरक्षण प्रकोष्ठ) | : | श्री एन. रवि |
| सहायक कुलसचिव (आई.पी.आर. प्रकोष्ठ) | : | श्री एम. शांदिरने |

### परीक्षा नियंत्रण अधिकारी का कार्यालय

| | | |
|---|---|---|
| सहायक कुलसचिव (परीक्षा) | : | श्री. आर. सामिनाथन् |
| सहायक कुलसचिव (परीक्षा) | : | श्री एल.आर. फ्रांक्लिन थॉमस |
| सहायक कुलसचिव (परीक्षा- दूरस्थ शिक्षा केंद्र) | : | श्री एस. मुरुगैय्यन् |
| सहायक कुलसचिव (परीक्षा) | : | श्रीमति वी. रमन गीता |

### वित्त अधिकारी का कार्यालय

| | | |
|---|---|---|
| उप कुलसचिव (वित्त/ लेखा) | : | श्री आर. शेखर |
| सहायक कुलसचिव (वित्त) | : | श्री एम. वेलायुधम् |
| सहायक कुलसचिव (लेखा) | : | श्री एन. पिच्चै पांडी |
| सहायक कुलसचिव (वित्त एवं पेंशन) | : | श्री वी. पार्थ सारथी |

**सतर्कता एवं सुरक्षा स्कंध**

| | | |
|---|---|---|
| विशेष कार्य अधिकारी | : | श्री सुबाश |

**अभियांत्रिकी स्कंध**

| | | |
|---|---|---|
| कार्यकारी अभियंता (सिविल) | : | श्री एन. शंकरमूर्ति |
| सहायक अभियंता (सिविल) | : | श्री जी. रघुपति |
| सहायक अभियंता (सिविल) | : | श्री एस. वेंकटेशन् |
| सहायक अभियंता (एलेक्ट्रिकल) | : | श्री वी. मोरोगावेलो |

**संबद्ध स्कंध**

**अन्य अधिकारी**

**केंद्रीय पुस्तकालय**

| | | |
|---|---|---|
| उप पुस्तकालयाध्यक्ष | : | डॉ. यू. नागलिंगम् |
| कंप्यूटर/ सूचना वैज्ञानिक (एस.एस.) | : | श्री जेड. ऑलिर वेल् |
| सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष (एस.एस.) (यूएमआईएसएआरके) | : | श्री के. नल्ला पेरुमाल पिल्लै |
| सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष | : | डॉ. एम. भास्कर |
| सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष (पीयूसीसी) | : | श्री एन. शंकर सुब्रमणियन् |
| सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष | : | श्री जी. शिव सुब्रमणियन् |
| सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष | : | श्री शिबू के.एम. |
| सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष | : | डॉ. पी. विजय कुमार |

**कंप्यूटर केंद्र**

| | | |
|---|---|---|
| सिस्टम्स मैनेजर | : | श्री मेरी स्टेनिलैस अशोक |
| सिस्टम्स एनलिस्ट | : | श्री के.पलनिवेल् |
| प्रोग्रामर | : | श्री डब्ल्यू.जे. काले शा |

**रोजगार-सहायता प्रकोष्ठ**

| | | |
|---|---|---|
| रोजगार सहायता अधिकारी | : | डॉ. एस. के. वी. जयकुमार |

**बागवानी**

| | | |
|---|---|---|
| बागवानी विशेषज्ञ | : | डॉ. आर. मणिवण्णन् |

**चिकित्सा केंद्र**

| | | |
|---|---|---|
| मुख्य चिकित्सा अधिकारी | : | डॉ. (श्रीमति) शीला दास |
| वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी | : | डॉ. एस. महालक्ष्मी |

**मीडिया केंद्र**

| | | |
|---|---|---|
| निर्माता | : | डॉ. ए. संजीव कुमार |

**केंद्रीय रखरखाव कार्यशाला**

तकनीकी अधिकारी (श्रीणी-II) : श्री पी. काशी राजन्

**केंद्रीय इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधा**

कम्यूनिटी कॉलेज, सहायक कुलसचिव : श्री डी. बाबू

**दूरस्थ शिक्षा निदेशालय**

**फिजिकल एजुकेशन और खेल निदेशालय** :

निदेशक : डॉ. डी. सुल्ताना

सहायक निदेशक : डॉ. जी. शिवरामन्

सहायक निदेशक : डॉ. के. चंद्रशेखरन्

**जैव सूचना विज्ञान केंद्र**

सूचना अधिकारी : श्री एम. सुंदर मोहन

**दूरस्थ शिक्षा निदेशालय**

**स्पाट एडमिशन केंद्र, कम्यूनिटी कॉलेज, माहे** :

सहायक कुलसचिव : श्रीमति सी.एम. श्री कला

**छात्रावासों के वार्डन :**

| | | |
|---|---|---|
| मुख्य वार्डन (पुरुष छात्रावास) | - | डॉ. एस. सुडलै मुत्तु |
| मुख्य वार्डन (महिला छात्रावास) | - | डॉ. डी. सुल्ताना |
| उप मुख्य वार्डन, प्रथम वर्ष छात्रावास | - | डॉ. सुरेंद्र कुमार सिया |
| उप मुख्य वार्डन, द्वितीय वर्ष छात्रावास | - | डॉ. पी. बी. शंकर नारायण |
| उप मुख्य वार्डन, पीएच.डी. छात्रावास | - | डॉ. पी. श्रीधरन् |
| सहायक कुलसचिव (छात्रावास) | - | जी. वेंगुडेश्वरने |

**पुरुष छात्रावासों के वार्डन**

| | | |
|---|---|---|
| भारतीदासन् छात्रावास | - | डॉ. उज्ज्वल जना |
| कबीरदास छात्रावास | - | डॉ. ए. रमेश नायुडु |
| इलंगो अडिगल् छात्रावास व भोजनालय | - | डॉ. पी.बी. शंकर नारयण |
| सी.वी. रामन छात्रावास | - | डॉ. सी. सतीश कुमार |
| सुब्रमणिय भारती छात्रावास | - | डॉ. के. सुरेश जोसफ |
| टैगोर छात्रावास | - | श्री इफ्तिकार आलम |
| कालिदास छात्रावास | - | डॉ. संतोष मैथ्यू |
| वाल्मीकि छात्रावास | - | श्री आर पी. श्रीनिवासन् |
| कण्णदासन् छात्रावास | - | डॉ. प्रदीप कुमार परिडा |
| कंबन छात्रावास | - | श्री अनिल प्रताप गिरि |
| विदेशी-विद्यार्थी छात्रावास | - | डॉ. सी. सतीश कुमार |

| | | |
|---|---|---|
| सर्वेपल्लि राधाकृष्णन् छात्रावास | - | डॉ. राजेश गुरुराज कुंदर्गि |
| अमुदम् भोजनालय एवं ए.एस.सी. | - | श्री अजीत जायसवाल |
| मौलाना अबुल कलाम आजाद छात्रावास | - | डॉ. मांगखोल्लेन सिंगसन |
| न्यू मेगा भोजनालय | - | डॉ. ए. जोसफ केन्नडी |
| कारैकाल (पुरुष-I) | - | डॉ. जी. कुमरवेलन् |
| कारैकाल (पुरुष-II) | - | डॉ. एस. अमिलन् |
| पुरुष छात्रावास- पोर्ट ब्लेयर | - | डॉ. एस. बालाजी |

**पुरुष छात्रावासों के वार्डन**

| | | |
|---|---|---|
| मैडम क्यूरी छात्रावास व भोजनालय | - | डॉ. वेलेरी डिखर |
| गंगा छात्रावास | - | डॉ. एस. सबिया |
| यमुना छात्रावास | - | डॉ. मनीषा कुमारी |
| सरस्वती छात्रावास | - | डॉ. एस. एन. फातिमा |
| कावेरी & मदर तेरेसा भोजनालय वार्डन | - | डॉ. रेखा आर. वी. |
| कल्पना चावला & महिला अध्ययन केंद्र | - | डॉ. पोतुला सुजाता |
| श्री अरबिंदो छात्रावास | - | डॉ. लक्ष्मीमाइ मिलि |
| कारैकाल (लडकियाँ) | - | डॉ. डी. एच. मालिनी |
| महिला छात्रावास- पोर्ट ब्लेयर | - | डॉ. जी. पद्मावती |

| क्र. सं. | **विषयसूची** | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| 1. | पुदुच्चेरी | 16 |
| 2. | विश्व विद्यालय | 17 |
| 3. | गुणवत्तापूर्ण जीवन | 18 |
| 4. | सामान्य सुविधाएँ-<br>पुस्तकालय<br>कंप्यूटर केंद्र<br>केंद्रीय इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधा<br>केंद्रीय रखरखाव कार्यशाला | 19 |
| 5. | प्रवासी भारतीय और विदेशी अभ्यर्थी | 29 |
| 6. | वित्तीय सहायता | 31 |
| 7. | शिक्षण-प्रणाली | 34 |
| 8. | आवेदन प्रक्रिया एवं प्रवेश परीक्षा | 37 |
| 9. | प्रवेश परीक्षा केंद्र | 41 |
| 10. | चयन- प्रक्रिया | 42 |
| 11. | आरक्षण | 43 |
| 12. | प्रवेश संबंधी आवश्यक सूचनाएँ<br>पीएच.डी. कार्यक्रम<br>समेकित स्नातकोत्तर-पीएच. डी. कार्यक्रम<br>स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम<br>स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम | 47 |
| 13. | शुल्क | 71 |
| 14. | छात्रावास | 87 |
| 15. | व्यवहार एवं अनुशासन | 89 |
| 16. | पाठ्यक्रमों का पूरा विवरण | 91 |
| 17. | विद्यापीठ/ विभाग/ केंद्र | 95 |
| 18. | कारैकाल परिसर | 231 |
| 19. | पोर्ट ब्लेयर परिसर | 237 |
| 20. | एड-ऑन पाठ्यक्रम | 241 |
| 21 | रोजगार-सहायता प्रकोष्ठ | 244 |
| 22. | फिजिकल एजुकेशन और खेल निदेशालय | 245 |
| 23. | विश्वविद्यालय अनुदान आयोग - मानव संसाधन विकास केंद्र | 247 |
| 24. | पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय कम्यूनिटी कॉलेज | 248 |
| 25. | माहे केंद्र | 251 |
| 26. | दूरस्थ शिक्षा निदेशालय | 252 |
| 27. | शैक्षिक कैलेंडर (स्नातकोत्तर/ स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम) | 254 |
| 28. | शैक्षिक कैलेंडर (एड-ऑन पाठ्यक्रम) | 255 |
| 29. | संपर्क सूत्र | 257 |

# पुदुच्चेरी- एक परिचय

पुदुच्चेरी कोरमांडल की तटीयरेखा पर चेन्नै से दक्षिण की दिशा में 160 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। आज पुदुच्चेरी तेजी से उभरता हुआ शहर है जो इसी नाम के केंद्रशासित प्रदेश की राजधानी भी है। पुदुच्चेरी ने दो शताब्दियों पहले यहाँ बसने के लिए फ्रांसीसी लोगों को आकृष्ट किया था और आज भी यहाँ फ्रांसीसी संस्कृति और विरासत के कई निशान पाये जाते हैं। यह वह स्थान है, जहाँ तमिल के राष्ट्रकवि सुब्रमणियम् भारतीयार ने अपनी कई काव्य-कृतियों के माध्यम से स्वाधीनता-संग्राम की आग को हवा दी तथा आधुनिक तमिल साहित्य को सुसंपन्न किया। सुब्रमणिय भारतीयार के मुख्य शिष्य भारतीदासन भी पुदुच्चेरी के गौरवशाली पुत्र थे जिनकी कविताओं में सामाजिक क्रांति और नारी-मुक्ति का आह्वान किया गया।

पुदुच्चेरी में स्थित अरबिंदो आश्रम तथा फ्रेंच इन्स्टिट्यूट जैसे कई संस्थानों में बौद्धिक गतिविधियों को प्रश्रय दिया जाता है जिससे विज्ञान, भारतीय-विद्या और संस्कृति जैसे ज्ञान के विविध क्षेत्रों में अध्ययन और अनुसंधान की आवश्यकताओं की पूर्ति की जाती है। 150 वर्षों से भी पुराने रोमन रोलैंड पुस्तकालय में तमिल और फ्रांसीसी पांडुलिपियों का विशाल व सुरक्षित संग्रह है जो वाकई संस्कृति और विरासत का समृद्ध भंडार कहला सकता है। पुदुच्चेरी संग्रहालय इस शहर का एक और आकर्षण-केंद्र है जहाँ अरिकमेडु के दुर्लभ मृद्भांड (मिट्टी के बर्तन) देखे जा सकते हैं। अरिकमेडु ईस्वी की पहली शताब्दी का एक ऐतिहासिक बंदरगाह शहर था, जहाँ व्यापार व मित्रता के लिए रोम के जहाजों का आवागमन हुआ करता था।

पुदुच्चेरी में देखने लायक अन्य प्रदेश - आरोविले, समुंदर के सुंदर तट, बैकवाटर, लेक एंड गार्डन, मंदिर, गिरजाघर, मसज़िदें, कई विरासत-भवन तथा स्मारक हैं। पुदुच्चेरी पर्यटन विभाग इस संबंध में अधिक जानकारी प्रदान करता है।

# पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय

पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय अक्तूबर 1985 में संसद के अधिनियम के द्वारा संस्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय है। यह एक संबद्ध विश्वविद्यालय है जिसका अधिकार क्षेत्र- केंद्र शासित प्रदेश पुदुच्चेरी, लक्षद्वीप और अंडमान एवं निकोबार द्वीपों में फैला हुआ है। शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाओं की प्रस्तुति के द्वारा ज्ञान का प्रसार और उन्नति करना, फ्रांसीसी-अध्ययन, मानविकी व विज्ञान के विषयों में एकीकृत पाठ्यक्रमों के अध्ययन हेतु छात्रों को विशेष प्रावधान दिलाना तथा अंतर्विद्याश्रित अध्ययन और अनुसंधान को प्रोत्साहन देना विश्वविद्यालय के लक्ष्य हैं।

विश्वविद्यालय का आदर्श वाक्य 'वेर्स ला ल्यूमियर' अर्थात् 'प्रकाश की ओर' है। विश्वविद्यालय का मुख्य परिसर पुदुच्चेरी शहर से 10 किलो मीटर दूर कालापेट में, दर्शनीय बंगाल की खाडी से सटे हुए पास 800 एकड के शांत और सुंदर वातावरण में स्थित है। विश्वविद्यालय के लिए 'कारैकाल' और पोर्ट ब्लेयर में भी परिसर मौजूद हैं जहाँ संप्रति स्नातकोत्तर और डॉकोरल कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। भारत और विदेशों के कई विख्यात शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग और संकाय-विकास हेतु विश्वविद्यालय ने एम.ओ.यू. स्थापित किये हैं। विश्वविद्यालय की मुख्य विशेषताओं में कुछ इस प्रकार हैं-

- एड-ऑन कोर्सेज़
- कमजोर वर्गों के छात्रों के लिए रेमेडिएल कोचिंग
- दिव्यांग छात्रों के लिए निःशुल्क शिक्षा का प्रावधान

## गुणवत्तापूर्ण जीवन

**पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय की कुछ अनोखी विशेषताएँ :**

- 100% वाई-फाई से युक्त परिसर
- 100% बिजली का बैक-अप उपलब्ध
- परिसर में 100% नेटवर्क उपलब्ध
- रिमोट एक्सिस से संपन्न पुस्तकालय
- अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ तथा इन्स्ट्रुमेंटेशन
- सभी भवनों में रैंप और लिफ्ट की सुविधाएँ
- सौर लाइटिंग की व्यवस्था
- अत्याधुनिक एवं मुफ्त डे-केयर सेंटर किंडर-गार्टन
- 24 घंटे अस्पताल एवं एंबुलेंस की सुविधा
- खेल-कूद की अत्याधुनिक सुविधाएँ
- छात्राओं के लिए बिना किराये के छात्रावासों की व्यवस्था
- दिव्यांगों के लिए आवास सहित पूरी तरह से मुफ्त शिक्षा

# सामान्य सुविधाएँ

**पुस्तकालय**

विश्वविद्यालय पुस्तकालय की स्थापना '**आनंद रंगपिल्लै**' के नाम पर की गयी थी, जो फ्रांसीसी शासन के दौरान पुदुच्चेरी के गवर्नर रह चुके **लार्ड डूप्लिक्स** के अनुवादक थे। पुस्तकालय की स्थापना 1986 में की गयी थी और तबसे लेकर पिछले तेईस वर्षों से एक ज्ञान संसाधन-केंद्र के रूप में इसका परिवर्तन हुआ है जो संकाय-सदस्यों, शोध-कर्मियों तथा छात्रों की सूचना एवं अनुसंधानपरक आवश्यकताओं की पूर्ति कर रहा है। पुस्तकालय का लक्ष्य शिक्षा को बढावा देना और अनुसंधान को सुविधाजनक बनाना है। अपने लक्ष्य के अनुरूप यह अपनी आधारभूत संरचना और सूचना सेवाओं में बडे विस्तार की प्रक्रिया से गुजर रहा है।

**कार्य-समय :** केंद्रीय पुस्तकालय सप्ताह के दिनों में सुबह 8.30 से– रात 10.00 बजे तक और पुस्तकालय उपभवन वाचनालय सप्ताह के दिनों में सुबह 8.30 से – मध्य रात्रि 12.00 बजे तक और सप्ताहांत, अवकाश व छुट्टियों के समय पर सुबह 9.30 से – मध्य रात्रि 12.00 बजे तक कार्य करता है।

**सदस्यता :** पुस्तकालय में संकाय-सदस्यों, छात्रों, शोध-छात्रों तथा गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों को मिलाकर 6903 सदस्य हैं। इन सदस्यों के अलावा अन्य शैक्षणिक संस्थानों और अनुसंधान संगठनों से सूचना और अनुसंधान उपकरणों की खोज में रत विद्वानों और आगंतुकों को भी केंद्रीय पुस्तकालय आकर्षित करता है।

**पुस्तकों का संचयन :** विश्वविद्यालय-पुस्तकालय का पुस्तक-संग्रह बडा विशाल है जिसमें पारंपरिक सूचना संसाधनों के साथ धीरे-धीरे इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की संख्या भी बढ रही है। पुस्तकालय का कुल पुस्तक-संचयन (मुद्रित एवं ई पुस्तके) 5,15,603 तक बढ़ गया है। इनमें कुल मुद्रित पुस्तकें 2,36,384 हैं तथा 2,79,219 ई-पुस्तकों को समाविष्ट किया गया है।

**मुद्रित पुस्तकों का ब्योरा-** पुस्तकें (मुद्रित) 2,14,053 जिसमें शोध-ग्रंथ 779 शोध-प्रबंध- 4962, जर्नल आर्काईव्ज़- 13,553 यूएन दस्तावेज़-2,854 तथा वर्तमान जर्नल 183 हैं।

**ई-संसाधनों का ब्योरा-** ई-जर्नल- 26,119 ई-डाटाबेस 36 ई- शोध-प्रबंध- 1484, ई-पुस्तकें – 1,85,926 वीडियोज़- 61,879 वीडियो वक्तव्य- 3,679 अकादमिक फिल्में 96 हैं। पुस्तकालय में प्रतियोगिता-परीक्षाओं के लिए संग्रहीत विशेष पुस्तकों की बहुत मांग है।

**सेवाएँ –**पुस्तकालय की सामान्य गतिविधियों के अलावा स्वचालित पुस्तकालय कई ऐसी सेवाएँ भी प्रदान कर रहा है जो कि मूल्य वर्धित सेवाएँ हैं। रिफरेल सेवाएँ, रिसर्च आउटपुट का साइटेशन विश्लेषण, इन्स्टिट्यूशनल रेपॉजिटरी, अंतर-पुस्तकालय लेन-देन (इंटर लाइब्रेरी लोन), उन्मुखीकरण कार्यक्रम, कार्यशालाएँ, संगोष्ठियाँ, सूचना उत्पाद प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम, फ्री ट्रायल, न्यूज़ फीड, ई-एलेर्ट सेवाएँ और ओपन सोर्ज की सेवाएँ आदि इन मूल्य वर्धित सेवाओं के अंतर्गत आते हैं। पुस्तकालय-पोर्टल के माध्यम से ई-संदर्भ कार्यों से संबंधित डिजिटल लाइब्रेरी के लिए एक्सिस, ई-पुस्तकें, ई-डेटाबेस, ई-जर्नल, ऑनलाइन ट्यूटोरियल और OPAC (ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग) भी उपलब्ध कराया गया है। रिमोट लॉगिन सुविधा, विश्वविद्यालय-पुस्तकालय की

एक और अनूठी सेवा है जिसके तहत दुनिया में कहीं भी रहकर दूर-दूर से भी लाइब्रेरी पोर्टल के माध्यम से 24x7 ई-संसाधनों को एक्सिस किया जा सकता है। दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए भी सूचना एक्सिस की सुविधा उपलब्ध कराना पुस्तकालय की एक विशिष्टता है और 2011 में विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय पुरस्कार जिताने में इसका बडा योगदान रहा है।

**ई-शोध सिंधु: कंसोर्टियम सर्वीस (ई.एस.एस.)-**

पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय- पुस्तकालय ई- शोध-सिंधु कंसोर्टियम का सदस्य है और लगभग 7534+ ई-पत्रिकाओं और 4 ई-डेटाबेस तक इसकी पहुँच है। एक्सिस आईपी आधारित होने के कारण विश्वविद्यालय नेटवर्क में ई-संसाधनों को पाना सुलभ और सुगम है। पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय-पुस्तकालय ई-शोधसिंधु कंसोर्टिएम के तहत भारत के 30 डॉक्यूमेंट डेलिवरी विश्वविद्यालय-पुस्तकालयों में से एक है जो देशभर के विश्वविद्यालयों के जर्नल लेख अनुरोधों को पूरा करता है।

**यू.एन. डिपॉजिटरी –** न्यूयॉर्क में स्थित यू.एन. सचिवालय के "द डैग हैमरशोल्ड लाइब्रेरी" ने 1946 से लेकर आज तक अपने डिपॉजिटरी पुस्तकालयों के माध्यम से दुनियाभर के उपयोगकर्ताओं और शोध-छात्रों के उपयोग हेतु यू.एन. दस्तावेजों के वितरण और प्रकाशन की व्यवस्था की है। विश्व के 145 देशों में लगभग 405 डिपॉजिटरी पुस्तकालय हैं तथा उनमें से 16 डिपॉजिटरी पुस्तकालय भारत के 13 शहरों में मौजूद हैं। पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय-पुस्तकालय को यू.एन. के 16 डिपॉजिटरी पुस्तकालयों में से एक होने का गौरव प्राप्त है।

**आधारभूत संरचना -** विश्वविद्यालय का पुस्तकालय चारों ओर हरियाली से आच्छादित एक खूबसूरत व प्रेरणादायक माहौल के साथ एक स्वतंत्र भवन में उपस्थित है जिसमें प्रौद्योगिकी का निरंतर विकास देखने को मिलता है। ई- संसाधनों के एक्सिस के लिए उच्च गति की बैंडविड्थ सुविधा सहित- बड़ी संख्या में कंप्यूटरों की स्थापना की गयी और मॉड्यूलर फर्नीचर के साथ रिक्त स्थानों को नया रूप दिया गया है और आधुनिक बनाया गया है। कह सकते हैं कि विश्वविद्यालय का पुस्तकालय किसी भी अंतर्राष्ट्रीय पुस्तकालय से कम नहीं है। 'पुस्तकालय उपभवन' (लाइब्रेरी एनेक्स) के नाम पर 50,000 वर्ग फुट के साथ पुस्तकालय के मुख्य भवन से अतिरिक्त एक नया भवन निर्मित है जहाँ 24 घंटे पढ़ने की सुविधा, स्कॉलर्स हब, प्रतियोगी परीक्षा पुस्तक अनुभाग, दृष्टिबाधित दिव्यांगों के लिए एक विशेष प्रयोगशाला (लुई ब्रेल सेंटर), मल्टीमीडिया व्याख्यान कक्ष, सभागार, कैफेटेरिया आदि उपलब्ध हैं। अलग-अलग विषयों से संबंधित प्रत्येक विद्यापीठ के विभागों की तत्काल संदर्भ आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 2011 में योग्य पुस्तकालय पेशेवरों द्वारा संचालित पांच विद्यापीठों के पुस्तकालयों की स्थापना संदर्भ पुस्तकालयों के रूप में की गयी थी। हमें 2012 में देश का तीसरा विश्वविद्यालय होने का गौरव प्राप्त है जिसके फलस्वरूप रेडियो फ्रिक्वेंसी एंड आइडेंटिफिकेशन (RFID) और क्लोज्ड सर्क्यूट टेलीविज़न (CCTV) के साथ निगरानी प्रणाली की स्थापना की।

**कर्मचारी-**

पुस्तकालय में सूचना-जिज्ञासुओं के लिए सर्वोत्तम संभव पुस्तकालय सेवा दिलाने के लिए योग्य और सक्षम सूचना पेशेवरों की एक टीम कार्यरत है।

पुस्तकालय अध्यक्ष -- डॉ. आर. संयुक्ता

# कंप्यूटर केंद्र

कंप्यूटर केंद्र की स्थापना UGC द्वारा वर्ष 1992 में एक मंजूरी के तहत की गई थी। पूर्णरूप से विकसित और अच्छी तरह से सुसज्जित कंप्यूटर केंद्र विश्वविद्यालय के छात्रों, शोध-छात्रों, शिक्षकों और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के उपयोग के लिए उपलब्ध है। सभी दिनों में केंद्र सुबह 9.30 बजे और रात 8.30 बजे के बीच कार्य करता है और छुट्टियों पर सुबह 9.30 बजे से लेकर शाम के 5.30 बजे तक कार्यरत है। हालाँकि अधिकांश सेवाएँ 24x7 उपलब्ध हैं।

**शैक्षिक कार्यक्रम**

कंप्यूटर केंद्र के शैक्षिक कर्मचारी विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए निम्नलिखित कार्यक्रमों के लिए थियोरी, प्रयोगशाला तथा परियोजनाओं से संबंधित निर्देशन समय समय पर प्रदान करते हैं-

- एम.टेक (कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग)
- एम.टेक (नेटवर्क और इन्फर्मेशन सेक्योरिटी)
- एम.सी.ए.
- एम.एस.सी. (कंप्यूटर विज्ञान)

**प्रशिक्षुता प्रशिक्षण**

2006 से विश्वविद्यालय का कंप्यूटर केंद्र श्रम मंत्रालय, भारत सरकार की आवश्यकताओं के अनुसार पीएएसएसए (PASSA) ट्रेड में प्रशिक्षुता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। इन प्रशिक्षुओं को पीसी इंटेग्रेशन, नेटवर्क का रखरखाव, सामान्य वेब-विकास अप्लिकेशन, ट्रबल शूटिंग इत्यादि में प्रशिक्षण दिया जाता है। उक्त कार्यक्रम में कंप्यूटर केंद्र से प्रशिक्षुओं के 10 बैच अपना प्रशिक्षण समाप्त करके निकल चुके हैं और साथ-साथ प्रशिक्षुओं को नौकरी प्राप्त करने में भी केंद्र ने सहायता की।

**सूचना प्रौद्योगिकी की आधारभूत संरचना और प्रबंधन**

पूरे विश्वविद्यालय में सूचना-प्रौद्योगिकी की आधारभूत संरचना की स्थापना व प्रबंधन के लिए केंद्र जिम्मेदार है, जैसे कि पूरे परिसर में नेटवर्क, सर्वर और आईटी सक्षम सेवाएं (IteS)।

**एकीकृत संचार नेटवर्क (ICN)**

एकीकृत संचार नेटवर्क (ICN) परिसर के पूरे समुदाय के लिए डेटा, वाइस और वीडियो सेवाएँ प्रदान कर रहा है। इसकी स्थापना और प्रबंधन का कार्य कंप्यूटर केंद्र के द्वारा संपन्न हो रहा है। संकाय-सदस्य, विद्यापीठ, विभाग, अधिकारी, पुस्तकालय, सेमिनार हॉल और क्लास रूम, हॉस्टल और क्वार्टर इंट्रानेट के साथ जुडे हुए हैं। उपरोक्त नेटवर्क पूरे विश्वविद्यालय की सूचना-संचार की प्रौद्योगिकी से संबंधित सभी सेवाओं के लिए मेरुदंड के रूप में कार्य करता है जिसके चलते विश्वविद्यालय के शिक्षण/अधिगम, अनुसंधान तथा प्रशासनिक कार्य संपन्न होते हैं।

**NMEICT / NKN**

पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय मानव-संसाधन विकास मंत्रालय की NMEICT योजना के तहत नेशनल नालेज सेंटर (NKN) के साथ 1जीबीपीएस और इंटरनेट लीज्ड लाइन (ILL) के माध्यम से जुड़ा हुआ है। इंटरनेट के अलावा, ए-व्यू का उपयोग करनेवाली ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की व्यवस्था भी उपलब्ध है जो ऑनलाइन सेमिनार, व्याख्यान, बैठकें आदि का आयोजन करने में विश्वविद्यालय की आवश्यकताओं को पूरा करती है।

**स्वर संचार की व्यवस्था (वाइस कम्यूनिकेशन)**

विश्वविद्यालय के पुराने एनॉलोग सिस्टम को एसआईपी फोन सिस्टम से स्थानांतरित किया गया है। यह डिजिटल स्वर संचार की व्यवस्था परिसर के नेटवर्क के साथ समेकित रूप से एकीकृत है और वाइस कम्यूनिकेशन को तुरंत उपलब्ध कराती है।

**कैंपस कनेक्ट वाई-फाई**

विश्वविद्यालय के कैंपस को पहली बार 2009 में वाई-फाई सक्षम बनाया गया था। हाल ही में- यानी सितंबर 2017 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तहत 'कैंपस कनेक्ट परियोजना' की स्थापना विश्वविद्यालय के लगभग सारे भवनों में की गयी। इतर भवनों में भी उक्त व्यवस्था की स्थापना का कार्य तेज़ी से चल रहा है।

**वेब सेवाएँ**

सूचना/ नोटिस / अन्य ऑनलाइन सेवाओं को अपने हितधारकों तक पहुँचाने हेतु परिसर का **द्विभाषी वेब पोर्टल** विश्वविद्यालय के लिए मुख्य के रूप में कार्य करता है। सभी सूचनाएँ, परिपत्र आदि नियमित रूप से इस पोर्टल पर प्रकाशित होते हैं। इस पोर्टल के माध्यम से विश्वविद्यालय के कर्मचारियों / छात्रों के लिए ईमेल सेवाएँ भी प्रदान की जाती हैं।

**सॉफ्ट्वेयर अनुप्रयोग & ऑनलाइन सेवाएँ :**

(विश्वविद्यालय के अंतर्गत विकसित अथवा आउटसोर्स द्वारा) सॉफ्टवेयर के विकास और सॉफ्टवेयर परिनियोजन से संबंधित विश्वविद्यालय की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए केंद्र सुविधा प्रदान करता है और एक जिम्मेदार भूमिका निभाता है जिनमें से कुछ नीचे सूचीबद्ध हैं:

संकाय के लिए ऑनलाइन अवकाश प्रबंधन प्रणाली

ऑनलाइन प्रवेश शुल्क संग्रह और छात्रावास शुल्क संग्रह

ऑनलाइन शिकायत प्रबंधन प्रणाली

ऑनलाइन कर्मचारी प्रबंधन प्रणाली

छात्रों द्वारा संकाय (आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ) का ऑनलाइन आकलन

ऑनलाइन फॉर्म -16 (टीडीएस ट्रेसेज़)

**ई लर्निंग**

Moodle ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर का उपयोग करके शैक्षणिक/ छात्र समुदाय को ई-शिक्षा की सुविधा प्रदान की जाती है। शैक्षणिक संकाय के कुछ सदस्य शिक्षण / अधिगम में इस सेवा का उपयोग प्रभावी ढंग से कर रहे हैं।

**आंतरिक प्रशिक्षण**

आईसीटी प्रणाली और उपकरणों से संबंधित जानकारी तथा उनके उपयोग से संबंधित आंतरिक प्रशिक्षण संकाय-सदस्य, शोध-छात्र समुदाय तथा छात्रों के लिए नियमित रूप से दिया जा रहा है जो अत्यंत प्रभावशाली साबित हो रहा है।

**अन्य सेवाएँ**

इलेक्ट्रॉनिक निगरानी के सफल संचालन हेतु सतर्कता और सुरक्षा स्कंध के लिए तथा बायो-मेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम (बीएएस) हेतु प्रबंधन के लिए कंप्यूटर केंद्र ही स्थापना और समर्थन कार्यों की सुविधा प्रदान करता है।

**कंप्यूटर सिस्टम**

डेल ब्लेड सर्वर, टॉवर सर्वर, एमएस विंडोज / रेड हैट/ लाइनक्स /सन सोलारिज़ आदि ऑपरेटिंग व्यवस्थाएँ कंप्यूटर केंद्र में उपलब्ध हैं।

**उपलब्ध सॉफ्टवेयर**

कंप्यूटर केंद्र में निम्नलिखित सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं -

***माइक्रोसॉफ्ट कैंपस अग्रीमेंट*** - बहुत बडी संख्या में एम.एस. के उत्पादनों को प्राप्त करने के लिए माइक्रो सॉफ्ट के साथ कैंपस अग्रीमेंट किया गया है।

***एम.एस. विंडो प्लेट्फार्म*** - एमएस विंडोज 2012/2008 / 2008R2 / एंटरप्राइज सर्वर, एमएस विंडोज 10 // 8.1 / 8.0 / 7.0, विजुवल स्टूडियो 2010/2013, बेसिक, एक्सेस और एमएस एस.क्यू.एल. सर्वर 2012/2014, एम.एस. ऑफीस अप्लिकेशन 2016/2013

***एडोब पैकेज*** - एडोब CS5 सूट / एडोब प्रोफेशनल

***डेटाबेस सदस्यता*** - CMIE डेटाबेस सदस्यता

***सोलारिस / लिनुस प्लेटफार्म*** - लिनक्स, सोलारिस, ओरेकल

***नेटवर्क प्रबंधन*** - सिस्को के एलएमएस, डी-लिंक एलाइड टेलिसिस

**अकादमिक/तकनीकी/ आईसीटी संकाय-सदस्यों का विवरण :**

**मेरी स्टानिसलास अशोक एम.ई.**

सिस्टम्स मैनेजर & अध्यक्ष

**के. पलनिवेल् एम.टेक.**

सिस्टम्स विश्लेषक

**डब्ल्यू.जे. कालेशा एम.टेक.**

प्रोग्रामर

**के. कनगलिंगम् एम.सी.ए.**

वरिष्ठ तकनीकी सहायक

**बी.रासन् एम.सी.ए.**

वरिष्ठ तकनीकी सहायक

**पी. चिन्नचामी बी.ई.**

वरिष्ठ तकनीकी सहायक

**एस. बालन् बी.टेक**

तकनीकी सहायक

# केंद्रीय इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधा-केंद्र

विज्ञान विद्यापीठों में उत्कृष्ट शिक्षण और अनुसंधान के लिए सर्वश्रेष्ठ और हर प्रकार से अत्याधुनिक उपकरणों, विभिन्न कार्यशालाओं और समर्थन-सुविधाओं की आवश्यकता होती है। संकाय, शोध-छात्र और छात्रों को आधारभूत और अनुप्रयुक्त विज्ञान के क्षेत्रों में अनुसंधान व विकास के विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धी बनने में ये उपकरण और सुविधाएँ सहायक बनते हैं।

चूँकि व्यक्तिगत स्तर पर शोधकर्ता इन शोध उपकरणों के लिए भारी शोध-निधि प्राप्त करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं, अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए साझे के आधार पर संसाधनों को समृद्ध करने के भारी लक्ष्य के साथ पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित उद्देश्यों को लेकर केंद्रीय इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधा-केंद्र (CIF) की स्थापना की है-

- एक छत के नीचे विभिन्न विज्ञान विषयों में उन्नत अनुसंधान करने के लिए तकनीकी बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और अकादमिक विभागों और स्कूलों को उनकी सेवाएँ उपलब्ध कराना।
- डेटा-अधिग्रहण तथा अत्याधुनिक उपकरणों के संचालन और रखरखाव में कर्मचारियों को मार्गदर्शन देना और प्रशिक्षण प्रदान करना।
- हमारे विश्वविद्यालय के साथ-साथ संबद्ध संस्थानों, इस प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों व उद्योगों के छात्रों, शिक्षकों और तकनीकी कर्मियों के लिए विभिन्न स्पेक्ट्रोस्कोपिक और विश्लेषणात्मक तकनीकों के उपयोग और अनुप्रयोग पर अल्पकालिक पाठ्यक्रमों / कार्यशालाओं का आयोजन करना।

यह केंद्र प्रबंधन सलाहकार समिति द्वारा शासित है, जिसमें अध्यक्ष के रूप में कुलपति , विज्ञान विद्यापीठों के विद्यापीठाध्यक्ष; विज्ञान विभागों के अध्यक्ष; बाहरी विशेषज्ञ- सदस्यों के रूप में और केंद्र प्रमुख सदस्य-सचिव के रूप में कार्यरत हैं।

केंद्रीय इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधा-केंद्र विश्लेषणात्मक उपकरणों के संचालन और रखरखाव का ध्यान रखता है और विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध संस्थानों के सभी विज्ञान-विभागों की विश्लेषणात्मक आवश्यकताओं को पूरा करता है। स्थानीय उद्योगों तथा अन्य शैक्षणिक व अनुसंधान संस्थानों के लिए नमूनों का विश्लेषण भी इस केद्र में किया जाता है।

केंद्रीय इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधा-केंद्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उपयुक्त यांत्रिक घटक-जैसे कि नमूना माउण्ट/ सेल/ अडॉप्टर इत्यादि को बनाने के लिए और हाइड्रोलिक प्रेस, कंप्रेशर्स, पंप, शीत जल संचारक आदि विश्लेषणात्मक उपकरणों के एक्सेसरीज़ की मरम्मत और रखरखाव के लिए सारी सुविधाओं से युक्त एक यांत्रिक अनुभाग भी उपलब्ध है।

**संकाय/ अधिकारी**

**डॉ. बाला मणिमारन् पीएच.डी**

आचार्य एवं अध्यक्ष (प्रभारी)

विशेषज्ञता : ऑर्गनोमेटालिक्स, नैनोस्केल मेटीरियल्ज और सूप्रामॉलीक्यूलर केमिस्ट्री

**उपलब्ध प्रमुख अनुसंधान उपकरणों का विवरण**

| क्र.सं. | उपकरण का नाम | निर्माण | मॉडल का नाम |
|---|---|---|---|
| **I. स्पेक्ट्रोस्कोपी सिस्टम** | | | |
| 1. | यूवी वीआईएस एनआईआर स्पेक्ट्रोफोटो मीटर | शिमड्जू- जापान | यूवी 3600 प्लस |
| 2. | एफटीआईआर स्पेक्ट्रो मीटर | थेर्मो- यू.एस.ए. | निकोलेट-6700 |
| 3. | स्पेक्ट्रो फ्लोरी मीटर | होरिबा-जोबिन युवान- यू.एस.ए. | फ्लोरोलोग- एफ3-111 |
| 4. | 400 मेगाहर्ट्ज एफटी-एनएमआर एवांस | ब्रूकर- बायोस्पिन | एवांस- II |
| 5. | वेवलेंथ डिस्पर्सिव एक्स-रे फ्लोरोसेंस स्पेक्ट्रोमीटर | बर्कर -एएक्सएस, जर्मनी | एस फोर- पायोनीर |
| 6. | ब्रॉड बैंड डाइलेक्ट्रिक स्पेक्ट्रोमीटर | नोवो कंट्रोल-जीएमबीएच, जर्मनी | कॉन्सेप्ट 80 |
| 7. | सर्कुलर डाइक्रोइज्म स्पेक्ट्रोमीटर | जैस्को, जापान | J815 |
| 8. | लेजर कन्फोकल रामन माइक्रोस्कोप स्पेक्ट्रोमीटर लग्नक के साथ | रेनिशा, यूके | इन्विया रामन |
| 9. | आइसोटोप अनुपात मास स्पेक्ट्रोमीटर | आइसोप्राइम लिमिटेड, यूके | आइसोप्राइम 100 |

| क्र.सं. | उपकरण का नाम | निर्माण | मॉडल का नाम |
|---|---|---|---|
| **II. क्रोमैटोग्राफी सिस्टम** | | | |
| 10. | हाई पेरफार्मेंस लिक्विड क्रोमैटोग्राफी | शिमड्ज़ू- जापान | एलए 20 |
| 11. | हाई पेरफार्मेंस थिन लेयर क्रोमैटोग्राफी सिस्टम | सीएएमएजी- यू.एस.ए. | सैंपलर-ARS4<br>डेवलपर-ADC2<br>स्कैनर-TLC4 &<br>विज़ुवलाइजर-TLC2 |
| 12. | आइरन क्रोमैटोग्राफी सिस्टम | थेर्मो साइंटिफिक- यू.एस.ए. | आई.सी.एस.-1100 |
| 13. | फास्ट प्रोटीन लिक्विड क्रोमैटोग्राफी | जीई हेल्थ केयर लाइफ साइंसेज़- यू.एस.ए. | ए.सी.टी.ए. प्यूर |
| **III. माइक्रोस्कोपी सिस्टम** | | | |
| 14. | हाई रिजोल्यूशन ट्रांसमिशन इलेक्ट्रान माइक्रोस्कोप | एफईआई-यूएसए | टेक्नई जी 2 एफ 30 एस-ट्विन |
| 15. | इलेक्ट्रान प्रोब माइक्रो एनलाइजर | केमेका- फ्रांस | SX100 |
| 16. | ईडीएक्स और केथोड ल्यूमिन्सेंस डिटेक्टर के साथ स्कैनिंग इलेक्ट्रान माइक्रोस्कोप | हिटाची- जापान | S3400N |
| **IV. फिजिकल प्रोपर्टी डिटर्मिनेशन सिस्टम** | | | |
| 17. | थेर्मल एनालिसिस सिस्टम | वाटर- टी.ए. इंस्ट्रुमेंट्स, आस्ट्रिया | TG-DTA-SDT600&<br>DSC- Q20 |
| 18. | वाइब्रेटिंग सैंपल मेग्नेटो मीटर विथ हाई & लो टेंपरेचर अटैचमेंट्स | लैकशोर - यू.एस.ए. | 7404 |
| 19. | कण आकार विश्लेषक-ज़ेटासाइज़र | मालवेर्न- यू.के. | नैनो सीरीज़ |
| 20. | भूतल क्षेत्र विश्लेषक (बीईटी सिस्टम) | मैरोमेरिटीज़- यू.एस.ए. | जेमिनि VII 2390t |
| 21. | फिजिकल प्रोपर्टी मेजरमेंट सिस्टम | क्वांटम डिजाइन- यू.एस.ए. | PPMS-II/ Evercool-II |
| **V. अन्य** | | | |
| 22. | फेम्टो सेकंड लेयर सिस्टम | न्यूपोर्ट कार्पोरेशन/ स्पेक्ट्रा लैब- यू.एस.ए. | Mai-Tai-HP 1050 |
| 23. | सेमी मैक्रो एलिमेंटर एनालाइजर | एलिमेंटर- यू.के. | वेरियो एल क्यूब |
| 24. | फ्लोरोसेंस असिस्टेड सेल सोर्टर | बीडी-बायो साइंसेज़, यू.एस.ए. | एफएसीएस. एरिया III |
| 25. | प्लेनेटरी माइक्रो मिल | फ्रिश - जर्मनी | पल्वरिसेट्टे - 7 |
| 26. | गामा रे चैंबर | बीआरआईटी -भारत | GC 5000 (सीओ-60 सोर्स) |

# केंद्रीय रखरखाव कार्यशाला

केंद्रीय रखरखाव कार्यशाला सिविल, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स से संबंधित सभी इंजीनियरिंग कार्य साकार करने के लिए एक मुख्य सुविधा-केंद्र है, और विश्वविद्यालय के शैक्षिक विभागों और केंद्रों के वैज्ञानिक अनुसंधान का समर्थन करती है। केंद्रीय रखरखाव कार्यशाल में संप्रति कार्यरत शॉप और शैक्षिक समुदाय को उनके द्वारा प्राप्त समर्थन एवं सुविधाओं का ब्यौरा इस प्रकार है-

**इलेक्ट्रोनिक्स शॉप**

इलेक्ट्रोनिक्स शॉप विश्वविद्यालय में उपलब्ध विविध इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों, सामग्री एवं सामान की मरम्मत, सर्वीसिंग और रखरखाव की सेवाएँ प्रदान करती है। इसके अलावा इलेक्ट्रोनिक्स शॉप उपयोगकर्ताओं की आवश्यकता के अनुसार आरंभिक अभिकल्प से लेकर अंतिम चरण तक गुणवत्ता और स्थिरता के साथ संकाय और छात्रों के अनुसंधान कार्य के लिए आवश्यक इलेक्ट्रोनिक मॉड्यूल का- प्रिंटेड सर्कूट बोर्ड सहित- निर्माण करता है। इलेक्ट्रॉनिक्स शॉप का स्थानंतरण, परीक्षण व मापन के उपकरणों का अधिग्रहण और पीसीबी निर्माण की सुविधा प्रगति पर है।

**मैकेनिकल शॉप**

मैकेनिकल शॉप उन्नत वैज्ञानिक और अभियांत्रिकी अनुसंधान के लिए आवश्यक मैकेनिकल मॉड्यूल के निर्माण में सेवा प्रदान करता है। इसके अलावा मैकेनिकल शॉप विश्वविद्यालय में बड़ी संख्या में उपलब्ध सभी प्रकार की मैकेनिकल सामग्री, यंत्रों व उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव की सेवा भी प्रदान करता है। मैकेनिकल शॉप सटीक मिलिंग मशीन, उच्च गति ड्रिलिंग मशीन और पोर्टेबल वेल्डिंग मशीन से सुसज्जित है। रेडियल ड्रिलिंग मशीन, शेपिंग मशीन, शीट फोल्डिंग मशीन, हाइड्रोलिक पाइप झुकने वाली मशीन और पोर्टेबल मशीन आदि बहुपरत यंत्रों को जोड़कर मैकेनिकल शॉप को और मजबूत बनाने का कार्य प्रगति पर है।मैकेनिकल शॉप ने हाल ही में गति परिशुद्धता सूक्ष्म धातु-कार्य खराद और मिनी मिलिंग मशीन का अधिग्रहण किया है।

**वेल्डिंग शॉप**

वेल्डिंग शॉप उपयोगकर्ता की विशिष्ट मांग के अनुसार धातु की वस्तुओं की वेल्डिंग छोटे और बड़े, दोनों आकार में करती है। केंद्रीय रखरखाव कार्यशाला गैस और चाप वेल्डिंग सुविधा से सुसज्जित है और हाल ही में अनकोटेड हल्के, जस्ती लौह शीट धातुओं की एक विस्तृत श्रृंखला में त्वरित और मजबूत स्पॉट वेल्डिंग के लिए संवर्धित स्पॉट वेल्डिंग (भारी और पोर्टेबल) का अधिग्रहण कर चुकी है।

**विकासाधीन अतिरिक्त सेवा शॉप**

विश्वविद्यालय के समर्थन से केंद्रीय रखरखाव कार्यशाला के लक्ष्यों और उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित अतिरिक्त सेवा शॉपों का विकास प्रगति पर है।

**उन्नत ग्लास ब्लोइंग और ग्लासवेयर फैब्रिकेशन शॉप :**

कार्य की बढ़ती मात्रा और नये विज्ञान और इंजीनियरिंग विभागों के निर्माण के अनुपात तथा छात्र-संख्या के कई गुना बढ़ने की स्थिति के अनुसार एक उन्नत ग्लास ब्लोइंग और ग्लासवेयर फैब्रिकेशन शॉप की स्थापना का कार्य प्रगति पर है। उन्नत ग्लास ब्लोइंग शॉप विश्वविद्यालय के सभी विज्ञान और इंजीनियरिंग विभागों को रिपेयरिंग और फेब्रिकेशन एडवांस्ड लेबोरेटरी ग्लासवर्क्स में सेवा प्रदान करता है और उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यों के लिए उच्चतम गुणवत्ता और शुद्धता से युक्त विशेष ग्लासवेयर का निर्माण भी करता है। उन्नत ग्लास ब्लोइंग शॉप शानदार शिल्प कौशल व अत्याधुनिक सुविधाओं और प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए सरल ग्लासवेयर से लेकर कॉम्प्लेक्स क्वार्ट्ज लेबोरेटरी के उपकरणों तक का निर्माण करता है जो जो अर्धचालक, ऑप्टिकल फाइबर, फोटोवोल्टिक, रासायनिक और अनुप्रयुक्त विज्ञान अनुसंधान में उपयुक्त होते हैं।

**फिटिंग शॉप :**

उच्च सटीकता के साथ एड्वांस्ड फिटिंग करने के लिए रेडियल ड्रिलिंग मशीन, सरफेस प्लेट्स और बेंच वाइस के साथ वर्क बेंच, सटीक डिजिटल मेजरमेंट इंस्ट्रूमेंट्स और कटिंग टूल्स का अधिग्रहण प्रगति पर है। फिटिंग और बेंच वर्क की सुविधा बहुत सटीक आयामों के साथ बनाए गए उत्कीर्ण टुकड़े में सामग्री को फिक्सिंग प्रदान करती है।

**कार्पेंटरी शॉप :**

कार्पेंटरी शॉप का मुख्य कार्य टूटी लकड़ी की फर्श, डेस्क और कक्षा के अन्य लकडी-सामग्री व खिड़कियों की मरम्मत करना, दरवाजे, टूटी खिड़की के शीशे और ब्लाइंड्स की मरम्मत करना है। यह शॉप कक्षाओं, कार्यालयों के लिए मरम्मत सेवा प्रदान करता है, और सत्र-विराम के दौरान कक्षाओं की मरम्मत की विशेष सेवा भी प्रदान करता है।

**पेंटिंग शॉप :**

पेंटिंग शॉप पुराने उपकरणों और सामग्री की सफाई और पेंटिंग पूर्ण बॉडीवर्क और डेंट मरम्मत सहित करके उनके कार्य-काल को बढाता है।

**सीएडी शॉप (कंप्यूटर एडेड डिज़ाइन शॉप)**

सीएडी शॉप उपयोगकर्ताओं को इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक और मैकेनिकल इंजीनियरिंग ड्रॉफ्टिंग की सेवाओं की पेशकश करता है। कैड वर्किंग स्टेशन, सॉफ्टवेयर और प्लॉटर का अधिग्रहण किया जा रहा है।

**बिजली की मरम्मत और सेवा शॉप :**

इलेक्ट्रिकल शॉप मोटर, पंप, पैनल बोर्ड, इलेक्ट्रिकल उपकरण के परीक्षण आदि की मरम्मत और नवीकरण में सहायता प्रदान करता है। बिजली के उपकरणों और औजारों की मरम्मत और परीक्षण के लिए आवश्यक सुविधाओं का अधिग्रहण प्रगति पर है।

**प्लास्टिक शॉप :**

प्लास्टिक शॉप वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रयोगों के संचालन के लिए उपयोगकर्ताओं की विशिष्ट मांग के अनुसार प्लास्टिक भागों के मोल्डिंग और निर्माण की सुविधा प्रदान करता है। प्लास्टिक शॉप समान और असमान प्लास्टिक भागों की वेल्डिंग के लिए प्लास्टिक वेल्डिंग की सुविधा प्रदान करता है। विभिन्न प्रकार के हाथ से काम करने वाले उपकरण, हैंड एक्स्ट्रूडर, इंजेक्शन वेल्डिंग के लिए वेल्डिंग मशीन, अल्ट्रासोनिक वेल्डिंग, गर्म गैस वेल्डिंग और गर्म सील वेल्डिंग का अधिग्रहण किया जा रहा है।

**टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन शॉप :**

परीक्षण और अंशांकन सुविधा माप उपकरणों को जांचती है और पावर कंडीशनिंग उपकरणों- यथा यूपीएस, इनवर्टर और विविध प्रकारों की बैटरी का परीक्षण करती है और अनुमोदित मानकों और विनिर्देशों के अनुपालन के संबंध में उत्पादों का

प्रमाणन करती है। परीक्षण और अंशांकन के लिए आवश्यक माप उपकरण और परीक्षण उपकरणों का अधिग्रहण किया जा रहा है।

**केंद्रीय रखरखाव कार्यशाला के तकनीकी कर्मचारी:**

**पी. काशीराजन्,** एम.ई.

तकनीकी अधिकारी जीआर - II

विशेषज्ञता: इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग

**आर. जयंती** डी.ई.सी.ई.

तकनीकी अधिकारी जीआर - II

विशेषज्ञता: इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग

**पी. विक्रमन्** एम.ए.

तकनीकी अधिकारी जीआर - II

विशेषज्ञता: इंजीनियरिंग फिटिंग कार्य

केंद्रीय रखरखाव/ अभियांत्रिकी कार्यशाला एक ऐसा स्थान है जहाँ नियमित उद्योग प्रकार और शैक्षणिक कार्यकारी के मेलन से औद्योगिक स्तर बढता है और सभी इंजीनियरिंग और तकनीकी समस्याओं का समाधान प्राप्त होते हैं। यहाँ शैक्षिक समुदाय के अनुसंधानात्मक कार्यों के लिए विशेष निर्माण कार्य संपन्न होते हैं और विश्वविद्यालय के विभागों, विविध संबद्ध संस्थानों तथा अनुभागों के लिए समर्थन व सेवा प्रदान की जाती है। इस प्रकार विश्वविद्यालय के छात्रों के शिक्षण, अधिगम और अनुसंधान कार्य के लिए अत्यंत अनुकूल माहौल का निर्माण करने में यह कार्यशाला सहायक बनती है।

**स्वास्थ्य केंद्र :**

पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय का स्वास्थ्य केंद्र छात्रों और कर्मचारियों के लाभ के लिए सीमित सुविधाओं के साथ पांडिच्चेरी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के सहयोग से चौबीसों घंटे काम करता है। आपातकालीन चिकित्सा और देखभाल के लिए एक एम्बुलेंस भी उपलब्ध है।

**बैंक :**

विश्वविद्यालय के परिसर में सभी सुविधाओं के साथ इंडियन बैंक की की एक शाखा सेवारत है। परिसर में एटीएम की सेवा भी उपलब्ध है।

**कैंटीन :**

विश्वविद्यालय के परिसर में चार कैंटीन उपलब्ध हैं।

**डाक कार्यालय :**

बचत बैंक सेवा सहित सभी डाक सेवाओं के लिए एक डाक कार्यालय परिसर में उपलब्ध है।

**परिवहन :**

कक्षाओं में हाजिर होने के लिए छात्रों को शहर से कैंपस तक परिवहन की सुविधा विश्वविद्यालय के द्वारा प्रदान की जाती है। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए इच्छुक छात्रों को प्रति सेमेस्टर 4000/- रुपये का भुगतान करना होगा । विश्वविद्यालय के परिसर में एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने के लिए इन-कैंपस ट्रिप की सुविधा भी उपलब्ध है।

**शॉपिंग कांप्लेक्स :**

विश्वविद्यालय के छात्रों, संकाय-सदस्यों व कर्मचारियों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए विश्वविद्यालय के परिसर में एक शॉपिंग कांप्लेक्स भी उपलब्ध है।

# प्रवासी भारतीय और विदेशी अभ्यर्थी

**प्रवेश :**

विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने के लिए इच्छुक स्व-सहायक विदेशी छात्र विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित फार्म में ऑनलाइन-आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश से संबंधित सभी समाचार के लिए www.pondiuni.edu.in पर देख सकते हैं। यदि लिखित परीक्षा के समय भारत में रहे तो विदेशी छात्रों का लिखित परीक्षा और/अथवा वाइवा में उपस्थित होना जरूरी है। हालाँकि प्रवेश के लिए आवेदन करते समय यदि वे विदेश में हैं तो उनको लिखित परीक्षा एवं वाइवा से छूट दी जाएगी, यदि कोई हो। भारत के बाहर के विश्वविद्यालयों से डिग्री उत्तीर्ण छात्रों को संबंधित सारे प्रमाणपत्रों की प्रतियाँ- यदि वे किसी दूसरी भाषा में हैं तो- अंग्रेजी संस्करण के साथ सत्यापित होने चाहिए और आवेदन पत्र के साथ विधिवत् संलग्न किये जाने चाहिए। **छात्र वीजा** के बिना किसी भी हालत में किसी भी विदेशी छात्र को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। प्रवेश पाने हेतु अंग्रेजी में दक्षता एक शर्त है।

**आवेदन शुल्क :**

एनआरआई और प्रवासी छात्र के लिए आवेदन शुल्क यूएस $ 100 है(यानी भारतीय मुद्रा में 7100 रुपये के बराबर हैं)। इसका ऑनलाइन में भुगतान किया जाना होगा।

**पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश :**

पीएचडी में प्रवेश के लिए आवेदकों के लिए प्रस्तावित अनुसंधान के विवरण के साथ विश्वविद्यालय को अपना आवेदन प्रस्तुत करना चाहिए। यह प्रवेश संबंधित विभाग की प्रवेश समिति की सिफारिशों और विभाग में अनुसंधान के प्रस्तावित क्षेत्र में पर्यवेक्षकों की उपलब्धता के अधीन है। इसके अलावा पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए एक वैध रिसर्च वीज़ा की आवश्यकता है।

पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय और भारत या किसी विदेश के एक अन्य विश्वविद्यालय / संस्थान के बीच एमओयू के तहत प्रवेश पाने वाले अभ्यर्थियों के लिए यदि विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी के लिए पंजीकरण संबंधी कोई विशेष नियम लागू हो अथवा जो भारत सरकार के अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक/ शैक्षिक विनिमय योजनाओं/संयुक्त राष्ट्र के निकायों के तहत चयनित हों तो उनको प्रवेश-परीक्षा लेने से छूट दी गई है।

प्रवासी भारतीयों और विदेश में निवास करने वाले / विदेश में काम करने वाले, और मास्टर की डिग्री प्राप्त करने के बाद कम से कम दस साल तक शिक्षा / अनुसंधान / उद्योग में कार्यरत अभ्यर्थियों के लिए भी प्रवेश परीक्षा से छूट दी जाती है, लेकिन उनको प्रवेश-समिति के समक्ष एक सेमिनार-प्रस्तुतीकरण करना होगा और प्रवेश-समिति उचित परीक्षण के पश्चात् अंशकालिक (बाहरी) पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की योग्यता के बारे में अपनी राय देगी। इस नियम के तहत प्रवेश समिति के द्वारा उन्हीं प्रवासी भारतीय और विदेशी अभ्यर्थियों के प्रवेश के बारे में विचार किया जायेगा जो अधिक से अधिक व्यावसायिक अनुभव रखते हों और अपने प्रकाशनों के माध्यम से वांछित शोध के लिए योग्यता साबित कर चुके हों। उनके प्रकाशनों का मूल्यांकन विभाग- समिति द्वारा होने के बाद ही उनको व्यक्तिगत तौर पर/ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक सेमिनार-प्रस्तुति के लिए बुलाया जायेगा। जो प्रवासी भारतीय और विदेशी छात्र पीएचडी (पूर्णकालिक) कार्यक्रम के लिए आवेदन करते हों और पीएचडी (पूर्णकालिक) कार्यक्रम के लिए आवश्यक पात्रता रखते हों, उनको भी प्रवेश परीक्षा से छूट दी जायेगी, लेकिन उनको प्रवेश समिति के समक्ष एक सेमिनार की प्रस्तुति करनी होगी।

**भारत-अध्ययन कार्यक्रम:**

भारत-अध्ययन कार्यक्रम (एसआईपी) के माध्यम से विश्वविद्यालय विदेशी छात्रों को क्रेडिट हस्तांतरण के आधार पर विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रमों के एक सेमेस्टर / दो सेमेस्टर का अध्ययन करने की अनुमति देता है। कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय में पढाई करने के लिए इच्छुक छात्र को कम से कम तीन महीने पहले आवेदन करना होगा। 2013 से, एस.आई.पी. ने 2/4/6 सप्ताह के अल्पकालिक अध्ययन कार्यक्रम आरंभ किये। छात्रों को यहाँ उनके आने से पहले ई-मेल के माध्यम से परामर्श दिया जाता है और पाठ्यक्रम की सामग्री उपयुक्तता व क्रेडिट तुल्यता के निर्धारण के लिए छात्रों और उनके संबंधित

सलाहकारों को उपलब्ध करायी जाती है। उनके द्वारा अर्जित क्रेडिट सेमेस्टर के बंद होने के एक महीने के भीतर उनके संबंधित संस्थानों को स्थानांतरित कर दिए जाते हैं। शैक्षणिक कार्यक्रमों के अलावा, छात्र भारत की समृद्ध संस्कृति का अनुभव भी कर सकते हैं। छात्रों को इस अवधि में उचित परामर्श भी दिया जाता है ताकि भारत में उनका प्रवास सुविधायुक्त और यादगार हो। विश्वविद्यालय-विभागों के द्वारा प्रस्तुत विस्तृत पाठ्यक्रमों के अलावा, एसआईपी अतिथि-छात्र की मांग के अनुसार/आवश्यकता के आधार पर अल्पकालिक पाठ्यक्रम भी तैयार करता है।

और अधिक जानकारी पाने और आवेदन पत्र भरने के लिए कृपया विश्वविद्यालय का वेबसाइट http://www.pondiuni.edu.in/content/study-indiaprogram देखें अथवा studyindiaprogram@gmail.com / sipcoordinator@pondiuni.edu पर ईमेल भेजें।

*सार्क देशों के छात्रों को एम.एससी. छात्रवृत्ति से संबंधित अधिक जानकारी के लिए इस सूचीपत्र का पृष्ठ 118 देखें।

# वित्तीय सहायता

**विश्वविद्यालय द्वारा देय अध्येता वृत्ति / छात्रवृत्ति :-**

**पीएच.डी. गैर-नेट अध्येता वृत्ति-यूजीसी**

विश्वविद्यालय के विद्यापीठों/ विभागों/ केंद्रों में पीएच.डी. कार्यक्रमों में भर्ती हुए सभी पूर्णकालिक शोध-छात्र रू.8000/- प्रतिमाह के अध्येता वृत्ति और प्रतिवर्ष एस आकस्मिकता अनुदान के लिए पात्र होंगे।

**स्नातकोत्तर कोर्स (मात्र 2 और 3 वर्ष के कार्यक्रम) एम.एस.सी. और एम. ए. एकीकृत पाठ्यक्रमों के लिए छात्रवृत्ति:**

**योग्यता छात्रवृत्ति**

I. स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा में उच्चतम प्रतिशत अंक प्राप्त करनवाले पहले तीन छात्र, प्रथम सत्र में क्रमशः रू.2000/-, रू.1,500/- और रू.1000/- प्रतिमाह योग्यता छात्रवृत्ति-पुरस्कार के पात्र होंगे। छात्रवृत्ति प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर देय है।*

II. बाद के सेमेस्टर के लिए समान दर पर रू.2000/-, रू.1,500/- और रू.1000/- प्रतिमाह की योग्यता छात्रवृत्ति पहले तीन छात्रों को दी जाएगी जिन्हें पिछले सेमेस्टर में उच्चतम अंक प्राप्त हुए हों।

**साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति (एम.सी.एम)**

विश्वविद्यालय की साध्य-सह-योग्यता छात्रवृत्ति (एम.सी.एम) के पुरस्कार के लिए प्रत्येक स्नातकोत्तर कार्यक्रम के 20% छात्र पात्र होंगे। छात्रवृत्ति प्रत्येक सेमेस्टर में योग्यता और छात्र के माता-पिता की आय- इन दोनों के आधार पर देय है। माता-पिता की वार्षिक आय रू. 2,50,000/- (दो लाख पचास हजार रुपये मात्र) से अधिक नहीं होनी चाहिए। छात्रवृत्ति की राशि प्रथम सत्र के लिए रू.750/- प्रतिमाह है जो प्रवेश-परीक्षा के आधार पर देय है ।

इसके अतिरिक्त, छात्रवृत्ति के पुरस्कार के लिए अभ्यर्थियों को निम्नलिखित शर्तों को भी पूरा करना होगा: (i) हर महीने कम से कम 70% की उपस्थिति होनी चाहिए। (ii) प्रत्येक सत्र के लिए पंजीकृत सभी पेपरों में उत्तीर्ण होना चाहिए। (iii) संबंधित विभागाध्यक्ष को उपर्युक्त i और ii में उल्लिखित शर्तों की पूर्ति को प्रमाणित करना होगा।

**एम.एस.सी. समुद्री जीवविज्ञान और आपदा प्रबंध के लिए छात्रवृत्ति**

सभी चयनित छात्रों को पोर्ट ब्लेयर, अंडमान में इन पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने के लिए रू.1000/- प्रतिमाह की छात्रवृत्ति प्रदान की जायेगी।

**एम.टेक. कंप्युटेशनल जीवविज्ञान के लिए छात्रवृत्ति**

सभी चयनित छात्रों को रू.8000/- प्रतिमाह की छात्रवृत्ति प्रदान की जायेगी।

**अन्य एजेंसियों के द्वारा देय अध्येता वृत्ति/ छात्रवृत्ति :**

**जूनियर रिसर्च अध्येता वृत्ति :**

यू.जी.सी./सी.एस.आई.आर. की नेट परीक्षा में उत्तीर्ण सभी शोध-छात्र, दो वर्ष तक रू. 25,000/- प्रतिमाह का जूनियर रिसर्च अध्येता वृत्ति प्राप्त करने के लिए पात्र होंगे। यू.जी.सी./सी.एस.आई.आर. के द्वारा निर्धारित कुछ शर्तों को पूरा करने के बाद इस राशि को दो वर्ष के समाप्त होने पर रू. 28,000/- प्रतिमाह तक बढ़ाया जा सकता है । वे प्रतिवर्ष यूजीसी द्वारा निर्धारित दर के अनुसार आकस्मिक अनुदान के लिए भी पात्र होंगे। किंतु यह अध्येता वृत्ति और आकस्मिक अनुदान यू.जी.सी./सी.एस.आई.आर. द्वारा अनुमोदन के अधीन हैं।

**एन.बी.एच.एम. छात्रवृत्ति :**

एन.बी.एच.एम. परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों को नेशनल बोर्ड फॉर हायर मैथमैटिक्स, मुंबई (आण्विक ऊर्जा विभाग) के द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

**भारत सरकार एस.सी/एस.टी/ओबीसी छात्रवृत्ति :**

कई राज्य-सरकारें एस.सी./एस.टी./ओबीसी समुदायों के छात्रों को भारत सरकार की छात्रवृत्ति प्रदान करती हैं।

**राजीवगांधी राष्ट्रीय अध्येता वृत्ति/ मौलाना आजाद राष्ट्रीय अध्येता वृत्ति :**

यू.जी.सी. पीएच.डी. का अनुसंधान कार्यरत अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति और ओ.बी.सी. शोध-छात्रों को राजीव गांधी राष्ट्रीय अध्येता वृत्ति और अल्पसंख्यक शोध-छात्रों को मौलाना आजाद राष्ट्रीय अध्येता वृत्ति प्रदान करता है। प्रति वर्ष उक्त अध्येता वृत्ति की आवश्यक योग्यता एवं इससे संबंधित अन्य विषयों की जानकारी यू.जी.सी. द्वारा दी जाती है।

**विश्वविद्यालय के रैंक-साधकों को स्नातकोत्तर योग्यता अध्येता-वृत्ति :**

प्रत्येक विश्वविद्यालय में स्नातक स्तर पर रैंक प्राप्त करनेवाले छात्र अपनी स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त करने के लिए इस अध्येता-वृत्ति के लिए पात्र हैं।

**पुदुच्चेरी सरकार का अध्येता वृत्ति/ योग्यता छात्रवृत्ति एवं साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति:**

विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकित पुदुच्चेरी से संबंधित छात्रों को पुदुच्चेरी सरकार योग्यता छात्रवृत्ति एवं साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति प्रदान करती है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत एम.एस.सी. जैवप्रौद्योगिकी में प्रवेश प्राप्त दो पुदुच्चेरी निवासियों/ मूलवासियों को पुदुच्चेरी सरकार के द्वारा रू. 3000/- प्रतिमाह दो अध्येता वृत्ति देय हैं।

**भारत सरकार की डी.बी.टी. विशेष निधि :**

एम.एस.सी. जैवप्रौद्योगिकी में प्रवेश प्राप्त 23 छात्रों को भारत सरकार रू. 5000/- प्रतिमाह अध्येता वृत्ति प्रदान करती है।

**मदनजीत सिंग ग्रूप छात्रवृत्ति :**

हर वर्ष SAARC देशों के सदस्य देशों से 8 छात्रों के लिए हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी में एम.टेक और 8 छात्रों के लिए एम.ए. (दक्षिण एशियाई अध्ययन) का अध्ययन करने के लिए रहन-सहन खर्चा हेतु रू. 5000/- प्रतिमाह छात्रवृत्ति का प्रावधान है, और इसके अलावा उनके लिए मुफ्त छात्रावास और शिक्षण-शुल्क की छूट की सुविधाएँ भी हैं।

**नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय :**

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एम.एन.आर.ई.) सी.जी.ई.टी. (हरित ऊर्जा केंद्र) को नोडल सेंटर के रूप में मान्यता दी है और गेट/सी.एस.आई.आर. की योग्यता के आधार पर 15 एम-टेक अध्येता वृत्ति और 5 पीएच.डी अध्येता-वृत्ति प्रदान करता है।

**जी.ए.टी.ई. छात्रवृत्ति :**

जी.ए.टी.ई. परीक्षा में उत्तीर्ण एम.टेक छात्रों को यू.जी.सी. द्वारा यह छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

सूचना :

छात्र उपर्युक्त में से मात्र किसी एक छात्रवृत्ति को पाने के लिए योग्य हैं।

# शिक्षण-प्रणाली (चाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सी.बी.सी.एस.)

हमारे विश्वविद्यालय में शैक्षिक वर्ष 1992-93 से लेकर चाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम का आरंभ किया गया है। इसके तहत छात्रों को अपनी सुविधा और रुचि के अनुसार पाठ्य-प्रणाली को रचकर अपनी आवश्यकता और मांग के अनुसार पढाई करने की पूरी स्वतंत्रता है। छात्रों को किसी भी विभाग में प्रस्तुत किसी भी पाठ्यक्रम की चुनने का प्रावधान है जब तक वे उस पाठ्यक्रम के लिए आवश्यक शर्तें पूरी करते हों और संबंधित पाठ्यक्रम प्रशिक्षक और संकाय के छात्र-सलाहकार की सहमति उन्हें प्राप्त हो। छात्र किसी भी सेमेस्टर में अधिकतम 30 क्रेडिट के अधीन जितने पाठ्यक्रम पढ सकते हैं, उतने पाठ्यक्रम ले सकते हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम एक क्रेडिट मूल्य के साथ जुड़ा हुआ है और जब छात्र पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा कर लेता है तब उसे प्राप्त होता है। विभिन्न स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में डिग्री के पुरस्कार के लिए आवश्यक न्यूनतम क्रेडिट निम्नलिखित तालिका में दिए गए हैं। शिक्षा का माध्यम सभी शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए (भाषाओं के अलावा) अंग्रेजी है।

| **क्र.सं.** | **कार्यक्रम** | **हार्डकोर कोर्स क्रेडिट** | **साफ्ट्कोर कोर्स क्रेडिट** | **कुल (डिग्री प्राप्त करने के लिए आवश्यक न्यूनतम क्रेडिट)** |
|---|---|---|---|---|
| 1 | एम.ए./ एम.एस.सी./ ई.सी.ई. एम.टेक के अलावा सभी एम.टेक/ अन्य कोई स्नातकोत्तर कार्यक्रम जो निम्न उल्लिखित नहीं हो। | 48 से 60 | 12 से 24 | 72 |
| 2 | एम.कॉम | 68 से 78 | 12 से 22 | 90 |
| 3 | सभी एम.बी.ए. कार्यक्रम | 72 से 86 | 14 से 28 | 100 |
| 4 | एम.सी.ए. | 72 से 90 | 18 से 36 | 108 |
| 5 | 5 वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम | 148 से 162 | 30 से 44 | 192 |
| 6 | एम.टेक. (ई.सी.ई.) | 53 | 21 | 74 |
| 7 | एल.एल.एम. | 43 | 0 से 03 | न्यूनतम क्रेडिट 43<br>अधिकतम क्रेडिट 46 |

1. एक शैक्षिक कार्यक्रम के तहत संचालित पाठ्यक्रम को हार्डकोर व सॉफ्ट्कोर के रूप में नामांकित किया गया है।
2. एक कोर्स विशेष के लिए हार्ड कोर के रूप में निर्दिष्ट अध्ययन-कार्यक्रम को उस कार्यक्रम में डिग्री प्राप्त करने के लिए अनिवार्य रूप से छात्र द्वारा पूरा किया जाना चाहिए। हार्ड कोर पाठ्यक्रम को किसी अन्य पाठ्यक्रम द्वारा प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता है।
3. सॉफ्टकोर पाठ्यक्रम का चयन (अ) एक विशेष कार्यक्रम के लिए सॉफ्टकोर पाठ्यक्रम के रूप में चिह्नित पाठ्यक्रमों की सूची से और (ब) अन्य विभागों के द्वारा प्रस्तुत सॉफ्टकोर के रूप में प्रस्तुत पाठ्यक्रम से करना होगा।

4. सॉफ्टकोर कोर्स में फेल होने की स्थिति में छात्र अगले सेमिस्टर में पंजीकरण कार्ड में निर्धारित कॉलम को भरकरर संकाय के छात्र- सलाहकार की स्वीकृति प्राप्त करने के बाद एक समतुल्य पाठ्यक्रम द्वारा सॉफ्टकोर पाठ्यक्रम को प्रतिस्थापित कर सकता है।
5. यदि कोई छात्र पाता है कि उसने एक सेमेस्टर में अध्ययन करने के लिए अधिक पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण कराया है, तो वह सेमेस्टर के तीसरे सप्ताह के अंत से पहले एक या अधिक पाठ्यक्रम को छोड सकता है।

पाठ्यक्रम में प्रवेश पाते ही प्रत्येक छात्र को उन पाठ्यक्रमों का विवरण देते हुए अध्ययन की योजना का एक फार्म भरना पडेगा जिन पाठ्यक्रमों का अध्ययन वह करना चाहता है। उसे प्रत्येक सेमेस्टर के आरंभ से पहले पाठ्यक्रम की उपलब्धता के आधार पर आवश्यक फार्म भरकर पाठ्यक्रम के लिए पंजीकृत करना पडता है। प्रत्येक छात्र को उसके लिए निर्धारित अंतिम तिथि पर या उससे पहले विभागाध्यक्ष को यह पंजीकरण कार्ड प्रस्तुत करना चाहिए।

**न्यूनतम उत्तीर्णता :**

'उत्तीर्ण' घोषित किये जाने के लिए, प्रत्येक छात्र को सत्रांत परीक्षाओं में अ) न्यूनतम 40% अंक प्राप्त करने चाहिए, और बी) आंतरिक मूल्यांकन और अंतिम-सेमेस्टर के अंकों को जोड़ने पर कुल 50% अंक प्राप्त करने चाहिए। स) एल.एल.एम. अध्ययनरत छात्र को 'उत्तीर्ण' घोषित किये जाने के लिए प्रत्येक निर्दिष्ट पाठ्यक्रम में कुल मिलाकर 50% अंक स्कोर करना होगा। आंतरिक और अंतिम लिखित परीक्षा में अलग-अलग न्यूनतम उत्तीर्ण अंक नहीं हैं।

**लेटर ग्रेड :**

प्रत्येक प्रश्नपत्र में छात्रों के प्रदर्शन को अंकों के साथ-साथ लेटर ग्रेड में भी अभिव्यक्त किया जाता है। भिन्नों के मामले में अंकों को निकटतम पूर्णांक तक लाया जाएगा। ग्रेड प्रदान करने हेतु श्रेणी-अंतराल का निर्धारण अधिकतम प्राप्त अंक एवं न्यूनतम उत्तीर्ण अंकों के बीच अंतर को 6 से विभाजित करके किया जा सकता है क्योंकि उपस्थित उत्तीर्ण ग्रेडों की संख्या छः है। उसका सूत्र नीचे दिया गया है:

$$K = (X-50)/6$$

जहाँ, K = वर्ग अंतराल, X = विषय में सर्वोच्च अंक। K को दो दशमलव स्थानों से कम नहीं होना चाहिए। अंक तालिका में दिये गये अंक (X-K), (X-2K), (X-3K), आदि, को निकटतम पूर्ण संख्या में दिखाया जा सकता है। निम्नलिखित तालिका के अनुसार ग्रेड दिये जा सकते हैं-

| **प्रतिशत में अंकों की सीमा** | **लेटर ग्रेड** | **जी.पी.ए./ सी.जी.पी.ए. की गणना के लिए प्वाइंट** |
|---|---|---|
| X से (X-K)+1 | A+ | 10 |
| (X-K) से (X-2K)+1 | A | 9 |
| (X-2K) से (X-3K)+1 | A- | 8 |
| (X-3K) से (X-4K)+1 | B+ | 7 |
| (X-4K) से (X-5K)+1 | B | 6 |
| (X-5K) से 50 | C | 5 |
| 50 से कम | F | 0 |
| गैरहाजिरी के कारण अनुत्तीर्ण | FA | 0 |

जिन पाठ्यक्रमों में 50 अंक और उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या 10 से कम है, तो उन पाठ्यक्रमों में नीचे दी गई तालिका के आधार पर ग्रेडिंग दी जा सकती है।

| प्रतिशत में अंकों की सीमा | लेटर ग्रेड | जी.पी.ए./ सी.जी.पी.ए. की गणना के लिए प्वाइंट |
|---|---|---|
| 81-100 | A+ | 10 |
| 71-80 | A | 9 |
| 66-70 | A- | 8 |
| 61-65 | B+ | 7 |
| 56-60 | B | 6 |
| 50 -55 | C | 5 |
| 50 से कम | F | 0 |

जी.पी.ए. और सी.जी.पी.ए. की गणना छात्र के द्वारा पंजीकृत सभी पत्रों में छात्र द्वारा प्राप्त अंकों के वेइटेज- औसत के रूप में की जाएगी। प्रत्येक पेपर के लिए क्रेडिट की संख्या ही वेइट है। उदाहरण के लिए, 4 क्रेडिट कोर्स में A ग्रेड प्राप्त करने वाला छात्र, 2 क्रेडिट कोर्स में A- ग्रेड, 3 क्रेडिट कोर्स में A + ग्रेड और 3 क्रेडिट कोर्स में F ग्रेड प्राप्त करता है तो उस छात्र का जी.पी.ए. )9x4 + 8x2 + 10x3 + 0x3) / (4 + 2 + 3 + 3) = (36+16+30+0)/ 12 = 82/12 = 6.83 होगा। अर्थात् -10.0 में से जीपीए = 6.83 होगा। सी.जी.पी.ए. की गणना भी इसी तर्ज पर छात्र के द्वारा सभी सेमेस्टरों में स्वीकृत विषयों के आधार पर की जायेगी। 9.0 और उसके बाद के सीजीपीए प्राप्त छात्र यदि किसी भी स्वीकृत पाठ्यक्रम में अनुत्तीर्ण नहीं हैं तो उनको 'विशेष योग्यता' की श्रेणी में रखा जायेगा। 6.0 और उससे अधिक सीजीपीए प्राप्त छात्रों को प्रथम श्रेणी में रखा जाएगा। 5.0 या उससे अधिक लेकिन 6.0 से कम का सीजीपीए प्राप्त छात्रों को दूसरी श्रेणी में तथा किसी भी पेपर में 50% से कम अंक प्राप्त करने वाले छात्र को एफ ग्रेड में माना जायेगा और उसे उस पेपर में असफल माना जायेगा।

एक अनुत्तीर्ण छात्र जो कक्षा में उपस्थिति की आवश्यकता को पूरा करता है और आंतरिक मूल्यांकन के अंकों में न्यूनतम 40% अंक प्राप्त करता है, उसे अगले सत्र में सत्रंत परीक्षा के लिए पंजीकरण करने के लिए अनुमति दी जा सकती है।

जो छात्र अपर्याप्त उपस्थिति और/या आंतरिक मूल्यांकन में 40% से कम अंक प्राप्त होने के कारण अनुत्तीर्ण हुए हैं, उन्हें पाठ्यक्रम जब चालू होगा तब फिर से पढना होगा।

नोट : वर्तमान में CBCS विनियमन की समीक्षा की जा रही है और इसलिए मौजूदा CBCS विनियमों में निर्धारित शर्तों में परिवर्तन किया जा सकता है।

**पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय छात्र-शैक्षणिक गतिविधि प्रबंधन-प्रणाली (पीयूएसएएमएस)**

उच्च शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों के प्रवेश से लेकर उनके बाहर जाने तक उनकी शैक्षणिक प्रगति का नवीन-पद्धतियों से युक्त प्रबंधन करना जहाँ एक ओर चुनौती है, वहीं अवसर भी है। इतनी बड़ी संख्या में छात्रों, शिक्षकों, विभागों, कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों का प्रबंधन और अधिकतम ज्ञान-प्रसार, आधारभूत संरचना की सुविधाओं और सेवाओं का सबसे अच्छा उपयोग करने के विषय में चुनौती का सामना करना पडता है तो जवाबदेही, मान्यता और अनुभव में नवाचार की संभावना ही अवसर है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय ने छात्र शैक्षणिक गतिविधि प्रबंधन- प्रणाली (पीयूएसएएमएस) का विकास किया है।

पीयूएसएएमएस सॉफ्टवेयर एक ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म है जो प्रवेश से लेकर, ऑनलाइन भुगतान के द्वारा शिक्षण शुल्क, पाठ्यक्रमों का पंजीकरण, संकाय द्वारा पंजीकरण की मंजूरी, संकाय को पाठ्यक्रम का आवंटन, समय-सारणी, कक्षा में छात्र-उपस्थिति, आंतरिक मूल्यांकन, परीक्षा शुल्क का ऑनलाइन भुगतान, अंतिम सेमेस्टर मूल्यांकन, ग्रेड के लिए अंकों का रूपांतरण, परिणामों की घोषणा, ग्रेड कार्ड निर्माण और वितरण आदि सीबीसीएस के पूरे मामले का प्रबंध करने के उद्देश्य से बनाया गया है। यह साफ्टवेयर डिफरेंशियल एक्सिस और नीड-टु-नो के आधार पर काम करता है।

वास्तविक समय के आधार पर पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों की निगरानी रखने के लिए पीयूएसएएमएस को उन सभी हितधारकों की सहायता करने के लिए तैयार किया गया है जिनमें छात्र, शिक्षक, विभागाध्यक्ष, विद्यापीठाध्यक्ष, प्रशासक और कुलपति शामिल हैं।

## आवेदन प्रक्रिया एवं प्रवेश परीक्षा

**ऑनलाइन**

विश्वविद्यालय के वेबसाइट www.pondiuni.edu.in से वहाँ दिये गये निर्देशों के अनुसार आवेदनपत्र भरने के बाद उसे प्रस्तुत करें।

**आवेदन-शुल्क**

| पाठ्यक्रम का नाम | आवेदन शुल्क (प्रति पाठ्यक्रम) | | |
|---|---|---|---|
| | अनुसूचित जाति/* अनुसूचित जनजाति* | दिव्यांग/ट्रांसजेंडर | अन्य |
| स्नातकोत्तर | 300 | नहीं | 600 |
| पीएच.डी. | 500 | नहीं | 1000 |
| एम.बी.ए. | 500 | नहीं | 1000 |

*उचित प्रमाणपत्र की प्रस्तुति के अधीन

**शासकीय चिकित्सा अधिकारी द्वारा दिये गये उचित प्रमाणपत्र की प्रस्तुति के अधीन

प्रवासी भारतीयों और विदेशी छात्रों के लिए आवेदन शुल्क यू.एस. डॉलर $ 100 है (यानी भारतीय मुद्रा में लगभग रू. 7100/-)। विश्वविद्यालय के वेबसाइट में उपलब्ध अनुदेश का पालन करने के बाद आवेदन शुल्क का भुगतान ऑनलाइन के माध्यम से ही होगा।

**आवेदन पत्र भरने की विधि :**

1. प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अलग से आवेदन करना होगा।

2. एम.बी.ए. के प्रत्याशियों को एमबीए के प्रत्येक कार्यक्रम के लिए अलग आवेदन जमा करना होगा।

3. सूचीपत्र को पूरीतरह से पढने के बाद सभी कॉलम सही जानकारी सहित भरें। अधूरी / गलत / गलत जानकारी देने से आवेदन की स्वीकृति नहीं होगी। गलत सूचना, गलत पाठ्यक्रम कोड,गलत केंद्र कोड व गलत श्रेणी (ओबीसी / एससी / एसटी / ईडब्ल्यूएस / जनरल) आदि के आधार पर बाद में कोई भी दावा स्वीकृत नहीं किया जाएगा।

4. आवेदन पत्र विश्वविद्यालय के वेबसाइट: www.pondiuni.edu.in के निर्देशों के अनुसार ऑनलाइन भरकर जमा करने होंगे।

5. आवेदन पत्र भरने में सावधानी बरतनी चाहिए। संबंधित कॉलम में सही पाठ्यक्रम दर्ज करें जो बहुत महत्वपूर्ण है।

6. सभी कॉलम सही और स्पष्ट रूप से भरे जाने चाहिए।

7. योग्यता और अंकों को भरते समय, प्रासंगिक अंक / ग्रेड प्रदान करते समय ध्यान रखा जाना चाहिए।

8. अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नै और पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के द्वारा प्रस्तुत एम.टेक. कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी के लिए जो आवेदन करना चाहते हैं , उन्हें दिये गये कॉलम पर विश्वविद्यालय की वरीयता का आदेश स्पष्ट रूप से देना चाहिए।

9. रक्षा कर्मियों को भी केवल ऑनलाइन आवेदन करना चाहिए। आवेदन शुल्क का भुगतान ऑनलाइन मोड के माध्यम से ही करना होगा। हालांकि, उन्हें ऑनलाइन आवेदन पत्र का प्रिंट आउट लेना चाहिए और निम्नलिखित पते पर संबंधित हेड क्वार्टर के माध्यम से ही भेजना चाहिए-

**सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक-प्रवेश)**

**पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, आर.वी. नगर, कलापेट, पांडिच्चेरी -605 014**

10. छात्र-आवेदक एक से अधिक पाठ्यक्रम के लिए आवेदन कर सकते हैं। किसी अन्य पाठ्यक्रम के लिए आवेदन करने से पहले, उनको यह सुनिश्चित करना होगा कि जिन पाठ्यक्रमों के लिए उन्होंने आवेदन किया, उनकी प्रवेशा-परीक्षा की तिथि व समय एक न हो। प्रत्येक पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा की तिथि और समय मानदंडों के साथ दिया गया है। इस तरह की अतिव्याप्ति के कारण किसी पाठ्यक्रम/ पाठ्यक्रमों के लिए अगर आवेदक प्रवेश परीक्षा न दे सका, तो इसके लिए विश्वविद्यालय जिम्मेदार नहीं है।

11. आवेदन पत्र भरने, शुल्क का भुगतान करने और प्रवेश परीक्षा संबंधी मामलों के बारे में स्पष्टीकरण आदि के लिए आवेदकों के लिए हेल्पडेस्क सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

12. आवेदन पत्र को ऑनलाइन में भरने और शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करने के बाद, आवेदक अपने ऑनलाइन आवेदन को विश्वविद्यालय के वेबसाइट से वहीं पर उपलब्ध निर्देशों के अनुसार डाउनलोड कर सकते हैं।

**हॉल टिकट**

हॉल टिकट आवेदन-पंजीकरण को बंद करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा अपलोड किया जाएगा। परीक्षार्थी को अपना हॉल टिकट डाउनलोड करना होगा और परीक्षा केंद्र पर प्रस्तुत करना होगा।

**ऑनलाइन आधारित प्रवेश परीक्षा -**

1. प्रवेश परीक्षा ऑनलाइन आधारित होगी। अभ्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा के लिए निर्धारित परीक्षा केंद्र के समय में रिपोर्ट करना चाहिए। हॉल टिकट और अन्य दस्तावेजों के सत्यापन के बाद, अभ्यर्थियों को परीक्षा-कक्ष में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी और हर एक आवेदक के लिए एक अलग कंप्यूटर सिस्टम, यूजर आईडी और पासवर्ड आवंटित किया जाएगा। आवश्यक निर्देशों की जानकारी पहले से ही दी जाएगी।

एक बार जब अभ्यर्थी आवंटित सिस्टम में प्रवेश करता है, तो संबंधित प्रश्न पत्र स्क्रीन पर प्रदर्शित किया जाएगा और वह विकल्प पर क्लिक करके सही उत्तर चुन सकता है। अगर अभ्यर्थी बाद में किसी विशेष प्रश्न के लिए पहले चुने हुए विकल्प को बदलना चाहते हैं, तो पुराने विकल्प को हटाया जा सकता है और नया विकल्प बनाया जा सकता है। प्रश्नों के उत्तर देने और/ या परीक्षा-कक्ष छोड़ने से पहले, अभ्यर्थी को स्क्रीन पर SUBMIT बटन पर क्लिक करके प्रश्नपत्र प्रस्तुत करना चाहिए। एक बार प्रस्तुत करने के बाद अभ्यर्थी परीक्षा फिर से लिख नहीं सकता / जारी नहीं रख सकता है। प्रश्नपत्र में 120 मिनट की अवधि में उत्तर देने के लिए 100 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे। एक सही उत्तर के लिए 4 अंक दिये जायेंगे और हर गलत उत्तर के लिए -1 का नकारात्मक अंक होगा। (अभ्यर्थियों के अनुरोध पर वर्क शीट के लिए जगह दी जायेगी।)

2. रक्षा कार्मिकों को विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित केंद्रों में से किसी एक केंद्र पर ऑनलाइन आधारित प्रवेश परीक्षा देनी होगी।

3. पीएचडी विषयों (जैसे रसायन विज्ञान, भौतिकी, आदि) के संबंध में जो विश्वविद्यालय के विभागों और संबद्ध संस्थानों (संस्थानों) में चलाये जाते हैं, अभ्यर्थियों को समान प्रवेश परीक्षा के लिए उपस्थित होना चाहिए। चयन एक सामान्य योग्यता सूची के आधार पर होगा। अभ्यर्थियों को योग्यता-सूची में उनकी स्थिति तथा आवासीय शर्तों की पूर्ति के अधीन, अपनी पसंद के अनुसार विश्वविद्यालय विभाग या संबद्ध संस्थान में शामिल होने का विकल्प दिया जायेगा। ऐसे मामलों में एक आवेदन पर्याप्त है।

**मॉक टेस्ट का विवरण :**

यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रत्येक अभ्यर्थी ऑनलाइन आधारित परीक्षा-विधि से परिचित हो, मॉक टेस्ट का प्रावधान आवेदन की अवधि के दौरान और उसके बाद वेबसाइट पर उपलब्ध है। एक अभ्यर्थी किसी भी समय, कहीं से भी किसी भी संख्या में मॉक टेस्ट ले सकता है और इस प्रकार ऑनलाइन आधारित प्रवेश परीक्षा लिखने से परिचित हो सकता है।

**प्रवेश के लिए सामान्य नियम-**

- विश्वविद्यालय में प्रवेश उन सभी के लिए खुला है जिनके पास जाति, पंथ, भाषा या लिंग के किसी भी भेदभाव के बिना निर्धारित योग्यताएँ हैं।
- छात्रों को सामान्य रूप से 10 + 2 + 3/10 + 2 + 3 + 2 प्रणाली के तहत किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री / स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करनी चाहिए, अर्थात, अभ्यर्थी को विश्वविद्यालय के प्रत्येक स्कूल / विभाग / केंद्र में प्रस्तुत स्नातकोत्तर कोर्स में प्रवेश हेतु आवेदन करने के लिए स्नातक की डिग्री प्राप्त करने में15 वर्ष तक अध्ययन करना चाहिए और पीएच.डी में प्रवेश हेतु आवेदन करने के लिए स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करने में17 वर्ष तक अध्ययन करना होगा।
- विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए न्यूनतम अर्हता-मानदंड उपयुक्त वर्गों में निर्धारित हैं। अध्ययन की अन्य प्रणाली के माध्यम से प्रवेश प्राप्त अभ्यर्थियों को अपने प्रवेश से पहले ही विश्वविद्यालय की ओर से पात्रता संबंधी प्रमाण पत्र प्राप्त करना चाहिए।
- जब तक अन्यथा विशेष रूप से नहीं कहा गया है, अभ्यर्थियों को मानविकी और सामाजिक विज्ञान विषयों के तहत पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अपने स्नातक स्तर की परीक्षा के भाग III (कोर और संबद्ध) में न्यूनतम 50% अंक प्राप्त करने चाहिए और विज्ञान विषयों के तहत पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अपने स्नातक स्तर की परीक्षा में भाग III (कोर और संबद्ध) में न्यूनतम 55% अंक प्राप्त करने चाहिए। पंचवर्षीय एकीकृत कार्यक्रमों के लिए, अभ्यर्थियों को कम से कम 50% अंकों के साथ +2 परीक्षा उत्तीर्ण करनी चाहिए। **प्रवेश के संदर्भ में पात्रता -अंकों को राउंड ऑफ नहीं किया जाएगा।** उदाहरण के लिए 49.99% को 50% के रूप में माना नहीं जायेगा।
- परिणामों की प्रतीक्षा करने वाले अभ्यर्थी भी आवेदन करने के पात्र हैं। हालांकि, ऐसे अभ्यर्थियों को 1 सितंबर 2019 को या उससे पहले निर्धारित पात्रता-मानदंड को पूरा करने के प्रमाण के रूप में मार्क शीट / डिग्री प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना चाहिए, जो कि अनंतिम प्रवेश, यदि दी गई है, तो रद्द कर दिया जाएगा।

**प्रवेश परीक्षा में अंकों की बराबरी के संदर्भ में मानदंड-**

- अंकों की बराबरी की समस्या को हल करने के लिए निम्नलिखित मानदंडों का पालन किया जाएगा, जहां अभ्यर्थी लिखित परीक्षा में समान अंक प्राप्त करते हैं:-

**स्नातकोत्तर / पीएचडी के लिए-**

(अ) पहला मानदंड : प्रवेश परीक्षा में अधिक सकारात्मक अंक वाले अभ्यर्थी।

(आ) दूसरा मानदंड : प्रवेश परीक्षा में कम नकारात्मक अंक वाले अभ्यर्थी।

(इ) तीसरा मानदंड : बारहवीं कक्षा (+ 2) या समकक्ष परीक्षा के अंक।

(ई) चौथा मानदंड : 10 वीं कक्षा या समकक्ष अंक।

(उ) पांचवाँ मानदंड : तत्समय आयु (दिनों में)।

(ऊ) छठा मानदंड : उपरोक्त पाँच मानदंडों को लागू करने के बाद अनसुलझे बने रहने के मामलों में, विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मानदंड ही लागू होंगे।

**पाँच वर्ष के एकीकृत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए -**

(अ) प्रथम मानदंड : प्रवेश परीक्षा में अधिक सकारात्मक अंक वाले अभ्यर्थी।

(आ) दूसरा मानदंड : प्रवेश परीक्षा में कम नकारात्मक अंक वाले अभ्यर्थी।

(इ) तीसरा मानदंड : 10 वीं कक्षा या समकक्ष अंक

(ई) चौथा मानदंड: तत्समय आयु (दिनों में)।

(उ) पाँचवाँ मानदंड : उपरोक्त चार मानदंडों को लागू करने के बाद अनसुलझे बने रहने के मामलों में, विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मानदंड लागू किए जाएंगे।

सभी प्रवेश अनंतिम हैं, जो निर्धारित मानदंडों के अनुसार आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन के अधीन हैं।

- यदि पर्याप्त संख्या में (कम से कम 5) छात्र उपलब्ध नहीं हैं तो कोई भी कोर्स (स्नातकोत्तर, स्नातक अथवा स्नातकोत्तर डिप्लोमा) को चलाया नहीं जा सकता।
- छात्रों को विश्वविद्यालय के माध्यम से एक समूह स्वास्थ्य बीमा (अस्पताल में भर्ती आदि) लेने की आवश्यकता होगी।
- प्रवेश प्राप्त छात्र विश्वविद्यालय के पहचान पत्र को कैंपस के अंदर रहते हुए हर समय ले जाना आवश्यक है।
- छात्रों को निर्देश दिया जाता है कि परीक्षा में उपस्थित होने के लिए 70%
- कक्षा-उपस्थिति की आवश्यकता है, इसलिए वे कक्षाओं में गैरहाजिर न हों। जिन लोगों को छात्रावासों में आवास की आवश्यकता है, उन्हें पंजीकरण और परामर्श से पहले अपने विभागों को रिपोर्ट करना होगा।
- विश्वविद्यालय किसी भी प्रशासनिक या अन्य कारणों से विज्ञापित पाठ्यक्रम की प्रस्तुति न करने का अपना अधिकार सुरक्षित रखता है।

## प्रवेश-परीक्षा केंद्रों का विवरण- कोड सहित

प्रत्येक कार्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा निम्नलिखित केंद्रों में निर्धारित समय सारणी के अनुसार आयोजित की जाएगी, बशर्ते कि दिए गए केंद्र के लिए पर्याप्त संख्या में अभ्यर्थी हों। अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन फॉर्म में वरीयता के क्रम में 2 केंद्रों को इंगित करना चाहिए। केंद्र के आबंटन के संबंध में विश्वविद्यालय का निर्णय ही अंतिम होगा।

**कोड और केंद्र का नाम**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 01 इलाहाबाद | 10 कारैकाल | 19 माहे/ तलसेरी | 28 संबलपूर |
| 02 बंगलूरु | 11 कोच्ची | 20 मुंबई | 29 श्री नगर |
| 03 भुवनेश्वर | 12 कोलकत्ता | 21 नयी दिल्ली | 30 तिरुवनंतपुरम् |
| 04 चेन्नै | 13 कोजीकोड़ | 22 वेल्लूर | 31 तिरुच्चिरापल्लि |
| 05 कोयंबत्तूर | 14 कोट्टायम् | 23 पट्ना | 32 विजयवाडा |
| 06 चंडीगढ़ | 15 काकिनाडा | 24 पोर्टब्लेयर (अंडमान) | 33 विशाखपट्टणम् |
| 07 गुवाहटी | 16 लखनऊ | 25 पुदुच्चेरी | |
| 08 हैदराबाद | 17 मदुरै | 26 पुणे | |
| 09 जयपूर | 18 मंगलूर | 27 रांची | |

## चयन – प्रक्रिया

**स्नातकोत्तर/ स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम :**

एल.एल.एम. और एम.पी.ई. को छोड़कर सभी स्नातकोत्तर/ स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों का चयन केवल निम्नलिखित परीक्षाओं के साथ प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर होगा:

1. सार्क देशों के प्रवासी अभ्यर्थी जिन्हें एमएसजी छात्रवृत्ति (संदर्भ पृष्ठ 118) के लिए चुना गया हो।

2. एम. टेक. कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी-जो कि अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नै के सहयोग से नेटवर्क शिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रस्तुत किया जाता है, में चयन पांडिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश-परीक्षा के आधार पर होगा। प्रत्येक विश्वविद्यालय को अभ्यर्थियों का आबंटन योग्यता एवं आवेदन पत्र में अभ्यर्थी के द्वारा प्रस्तुत किये गये विकल्प के आधार पर किया जाएगा। एल.एल.एम. अध्ययन कार्यक्रम में विस्तृत चयन प्रक्रिया हेतु पृष्ठ 145 देखें। एम.पी.ई.डी. में चयन प्रवेश परीक्षा और शारीरिक दक्षता की परीक्षा पर आधारित होगा।

**पीएच.डी. कार्यक्रम :**

पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश निम्नलिखित मानदंडों के अनुसार किया जाएगा:

- प्रवेश परीक्षा - 70%
- व्यक्तिगत साक्षात्कार और शैक्षणिक रिकॉर्ड - 30%
- अध्येतावृत्ति के साथ नेट / जेआरएफ उत्तीर्ण अभ्यर्थी को पीएच.डी में सीधे प्रवेश दिया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए "पीएचडी कार्यक्रम के लिए प्रवेश हेतु आवश्यक योग्यताएँ" शीर्षक अध्याय को देखें।
- पीएचडी के संबंध में साधारण श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम कट ऑफ मार्क प्रवेश संबंधित विषय के सभी अभ्यर्थियों के द्वारा प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंकों के औसत का आधा होगा। ओबीसी / एससी / एसटी / दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए अंकों की न्यूनतम कटौती साधारण श्रेणी के कट ऑफ अंक से 10% कम होगी।
- औसत के निर्धारण हेतु केवल 'शून्य 'और इसके बाद की संख्या को माना जाएगा।

**अन्य शर्तें :-**

- प्रवेश परीक्षा 2 घंटे की अवधि की होगी।
- प्रवेश परीक्षा में अभ्यर्थी की **मात्र उपस्थिति** इस विश्वविद्यालय में किसी भी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए योग्यता नहीं है। पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित पात्रता-मानदंडों को पूरा करने पर ही अभ्यर्थी को प्रवेश दिया जाएगा। भले ही एक अभ्यर्थी का नाम प्रवेश परीक्षा में उसके प्रदर्शन के आधार पर प्रवेश सूची में रखा गया हो, लेकिन पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करने पर उसे प्रवेश नहीं दिया जाएगा। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे पात्रता मानदंड को पूरा करने के बाद ही परीक्षा दें।
- यदि बाद में पाया जाता है कि अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत जानकारी गलत /अवास्तविक है अथवा यह पाया जाता है कि उम्मीदवार पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करता है तो अभ्यर्थी को दिए गए प्रवेश को किसी भी समय रद्द कर दिया जाएगा।
- प्रवेश परीक्षा के व्यक्तिगत अंक, रैंक और चयनित / प्रतीक्षासूची के अभ्यर्थियों की सूची प्रवेश अनुसूची / निर्देश के साथ विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर प्रस्तुत की जाएगी।
- चयनित / प्रतीक्षा सूची वाले अभ्यर्थियों को कोई प्रवेश-सूचना व्यक्तिगत रूप से नहीं भेजी जाएगी। इसलिए, आवेदकों को सूचना दी जाती है कि वे प्रवेश के संबंध में ताजा समाचार के लिए विश्वविद्यालय के वेबसाइट को नियमित रूप से देखते रहें।
- अंडमान केंद्र में पेश संचालित समुद्री जीव विज्ञान और आपदा प्रबंधन एम.एस.सी और पीएच.डी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए चयनित अभ्यर्थियों को लिखित रूप में एक उपक्रम विश्वविद्यालय में प्रस्तुत करना चाहिए कि वे अपनी स्वयं जोखिम पर पाठ्यक्रम में भर्ती हो रहे हैं और उन अभ्यर्थियों को लगभग रू. 5 लाख की बीमा पॉलिसी भी लेनी पडेगी। विश्वविद्यालय के पास किसी भी अध्ययन-कार्यक्रम में छात्र-संख्या को को बढ़ाने / घटाने का अधिकार है। विश्वविद्यालय प्रशासनिक कारणों से अपने किसी भी पाठ्यक्रम की प्रस्तुति नहीं करने का अधिकार भी रखता है।
- समग्र योग्यता-सूची, चयन और प्रतीक्षा सूची को विश्वविद्यालय के वेबसाईट पर प्रस्तुत किया जायेगा।

## आरक्षण

**अ.सू.जा / अ.सू.ज.जा. अभ्यर्थी :**

भारत सरकार की नीति और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार, विश्वविद्यालय के द्वारा अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम में 15% और अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों के लिए 7.5% सीटों के आरक्षण का प्रावधान किया गया है और जहाँ भी आवश्यक हो इन श्रेणियों के बीच अंतर-परिवर्तनीयता का प्रावधान भी है। अर्हता-परीक्षा में उत्तीर्ण सभी अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी अर्हता-परीक्षा में प्राप्त अंकों के प्रतिशत के बावजूद, अन्यथा निर्दिष्ट के अलावा आवेदन करने के लिए पात्र हैं। अभ्यर्थियों को अपनी जाति के बारे में एक राजस्व अधिकारी- जिसकी रैंक एक तहसीलदार से कम न हो- से एक प्रमाण पत्र लेकर प्रवेश के समय प्रस्तुत करना चाहिए।

**ओ.बी.सी. अभ्यर्थी :**

पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार ओबीसी श्रेणी (नॉन क्रीमी लेयर) के लिए 27% आरक्षण लागू कर रहा है।

**ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थी :**

भारत सरकार की नीति के अनुसार, विश्वविद्यालय दो चरणों (2019-20 और 2020-21) में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के उम्मीदवारों के लिए सभी पाठ्यक्रमों के प्रवेश में 10% आरक्षण लागू कर रहा है। प्रवेश 2019-20 के लिए, ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों के लिए 5% आरक्षण लागू किया जा रहा है। उम्मीदवारों को भारत सरकार के निर्धारित प्रारूप में, राजस्व विभाग से आवश्यक प्रमाण पत्र का प्रस्तुतीकरण करना होगा।

**दिव्यांग अभ्यर्थी**

दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए पाठ्यक्रम में 5% सीटें आरक्षित हैं। प्रत्येक दिव्यांग अभ्यर्थी को शारीरिक विकलांगता की सीमा को इंगित करते हुए सरकारी अस्पताल से प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की आवश्यकता होगी और यह भी स्पष्ट रूप से इंगित होना चाहिए कि उक्त विकलांगता किस हद तक अभ्यर्थी को उसकी पढ़ाई के मामले में बाधा डालती है। भर्ती होने से पहले विश्वविद्यालय द्वारा आवश्यक होने पर अभ्यर्थियों को एक ताजा चिकित्सा परीक्षा से गुजरना पड़ सकता है। योग्यता परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले सभी दिव्यांग अभ्यर्थी अर्हता-परीक्षा में प्राप्त अंकों के प्रतिशत के बावजूद अन्यथा निर्दिष्ट के अलावा पीजी प्रवेश के लिए आवेदन करने के लिए पात्र हैं।

**केंद्र शासित प्रदेश- पुदुच्चेरी के उम्मीदवार :**

निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में 25% सीटें पुदुच्चेरी केंद्र शासित प्रदेश के लिए आरक्षित हैं।

एम.बी.ए. (पर्यटन और यात्रा प्रबंधन)
एम.एससी. (पारिस्थितिकी और पर्यावरण विज्ञान)
एम.एससी. (भौतिकी)
एम.एससी. (जैव रसायन और आण्विक जीवविज्ञान)
एम.एससी. (कंप्यूटर विज्ञान)
एम.एससी. (एप्लाइड जियोलॉजी)
एम. ए. (अर्थशास्त्र)
एम.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी)
एम. ए. (मास कम्युनिकेशन)
एम. ए. (दक्षिण एशियाई अध्ययन)
एम.एससी. पुस्तकालय और सूचना विज्ञान
एम.एड.
एम.ए. सामाजिक कार्य
एम.टेक. (नेटवर्क और सूचना सुरक्षा)

एम.टेक. (पर्यावरण इंजीनियरिंग और प्रबंधन)

एम.एससी. (अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान)

एम.एससी. (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया)

एम.एससी. (खाद्य विज्ञान और पोषण)।

एम.सी.ए.

एम.कॉम (बिजनेस फाइनेंस)

इनके अतिरिक्त एम.बी.ए. (व्यापार प्रबंधन) पाठ्यक्रम में पुदुच्चेरी के केंद्र शासित प्रदेश पुदुच्चेरी के अभ्यर्थियों को 20% आरक्षण दिया जाता है।

एम.सी.ए. और एम.एससी. कंप्यूटर विज्ञान और एम.कॉम. (व्यापार वित्त) के संबंध में जो कि विश्वविद्यालय के कारैकाल और पुदुच्चेरी दोनों परिसरों में चलाये जाते हैं आरक्षण निम्नानुसार होंगे:

**कारैकाल परिसर:** कारैकाल के निवासियों के लिए 25% और यदि न हो तो, पुदुच्चेरी के अन्य क्षेत्रों के छात्रों के लिए।

**पुदुचेरी परिसर:** पुदुचेरी, माहे और यानाम् के निवासियों के लिए 25%, और यदि न हो तो कारैकाल के छात्रों के लिए।

एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी विषय में केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी के रहने वाले दो छात्रों को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा तैयार प्रतिभा- सूची के आधार पर आरक्षण का प्रावधान है।

जम्मू & कश्मीर के अभ्यर्थियों के लिए अतिरिक्त कोटा के तहत दो सीटों का आरक्षण :

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/ अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के निर्देशों के अनुसार, जम्मू और कश्मीर राज्य के छात्रों को प्रवेश देने के लिए निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में अतिरिक्त कोटा बनाया गया है :

1. भौतिकी, रसायन विज्ञान और अनुप्रयुक्त भू-विज्ञान में पंचवर्षीय एकीकृत एम.एससी. कार्यक्रम- 1 सीट

2. गणित, कंप्यूटर विज्ञान और सांख्यिकी में पंचवर्षीय एकीकृत एम.एससी. कार्यक्रम - 1 सीट

प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश-परीक्षा के आधार पर दिया जाएगा।

**विश्वविद्यालय के संबद्ध संस्थानों में प्रस्तुत पीएचडी कार्यक्रमों में आरक्षण :**

संबद्ध संस्थानों में दिए जाने वाले पीएचडी कार्यक्रमों के लिए क्षेत्रीय आरक्षण को संबंधित संस्थानों के तहत 'पीएच.डी. प्रवेश की आवश्यकताएँ' शीर्षक अध्याय में लिखित के अनुसार लागू किया जाएगा।

वैधानिक आरक्षण संबंधित कॉलेजों द्वारा अनुकूलित सरकारी आरक्षण के अनुसार होगा।

केंद्र शासित प्रदेश-पुदुच्चेरी के निवासियों की परिभाषा (पुदुच्चेरी से सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये संशोधनों के अधीन)

एक आवेदक को पुदुच्चेरी का निवासी तब माना जाता है, यदि वह एक भारतीय नागरिक है और निम्न मानदंडों में से कम से कम एक को संतुष्ट करता है:

(i) उन अभ्यर्थियों या उनके माता-पिता को 1-6-2019 तक कम से कम पिछले पांच वर्षों से इस केंद्र शासित प्रदेश में लगातार निवास करना चाहिए था।

(ii) वे अभ्यर्थी जिन्होंने मैट्रिक / एस.एस.एल.सी. या कोई भी अन्य सार्वजनिक परीक्षा किसी भी केंद्र शासित प्रदेश में स्थित एक मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान में से पास कर ली हो और उस उद्देश्य के लिए अर्हता-परीक्षा से पहले लगातार पाँच पूर्ववर्ती कक्षाओं के लिए उक्त 5 वर्षों के दौरान केंद्र शासित प्रदेश में निरंतर निवास के साथ अध्ययनरत हों।

(iii) केंद्र शासित प्रदेश पुदुच्चेरी के वे मूलनिवासी, जिन अभ्यर्थियों ने पुदुच्चेरी के किसी प्रदेश को अपने गृह नगर के रूप में घोषणा की हो और इसलिए उनके संबंधित प्रधान कार्यालय द्वारा प्रमाणपत्र प्राप्त किया हो। इस नेटिविटी प्रमाण पत्र को निर्धारित प्रारूप में संलग्न करना होगा।

(iv) अ) बच्चे, जिनके माता-पिता केंद्र/ राज्य सरकार के सेवक / रक्षा कार्मिक / केंद्रीय अर्द्धसैनिक बल / पूरी तरह से केंद्र सरकार द्वारा या पुदुच्चेरी प्रशासन द्वारा स्वामित्व प्राप्त सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में नियुक्त और आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि से तुरंत पहले कम से कम तीन वर्षों तक केंद्र शासित प्रदेश पुदुच्चेरी में कार्यरत कर्मचारी हों।

आ) उपरोक्त कर्मचारियों के बच्चों को एच.एस.सी/एस.एस.एल.सी. का अध्ययन करना चाहिए। केंद्र शासित प्रदेश पुदुच्चेरी में से किसी भी स्कूल में दो साल की (9 वीं और 10 वीं कक्षा) और उसी स्कूल से अर्हता-परीक्षा (एच.एस.सी/एस.एस.एल.सी.) पास करनी होगी। (जी.ओ. एम.एस. 04, पुदुचेरी दिनांक 09.02.2016 को मुख्य सचिवालय (एच.आर. और टेक. एजुकेशन), पुदुच्चेरी)।

(v) कार्रवाई में मृत अथवा अक्षम हो गए रक्षा कर्मियों के बच्चे और जिन्होंने पुदुच्चेरी को अपना गृह नगर घोषित किया है।

(vi) केंद्र शासित प्रदेश पुदुच्चेरी में स्थित फ्रांसीसी नागरिक और "पांडिच्चेरी, कराइकल, माहे और यानाम् के फ्रांसीसी प्रतिष्ठानों की संधि" की शर्तों में कवर किये गये अभ्यर्थियों का उन अभ्यर्थियों के समान ही व्यवहार किया जायेगा जो निर्धारित पुदुच्चेरी राज्य निवास के प्रमाण पत्र प्रस्तुत करते हों। ऐसे फ्रांसीसी नागरिकों को निवास प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि पुदुच्चेरी में फ्रांसीसी वाणिज्य दूतावास द्वारा इस उद्देश्य के लिए जारी "पंजीकरण प्रमाणपत्र" देना होगा। गैर-निवासियों के कोटा के तहत प्रवेश के लिए फ्रांसीसी नागरिकों के बच्चों पर विचार नहीं किया जाएगा।

**रक्षा कर्मियों के प्रवेश के संबंध में -**

1) पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में सेना और वायु सेना- कर्मियों के लिए विश्वविद्यालय के एमओयू और नियमों के अनुसार प्रत्येक के खिलाफ उल्लिखित सीटों की संख्या के मुताबिक प्रवेश प्रदान किया जाएगा।

| क्रम संख्या | पाठ्यक्रम का नाम | सीटों की संख्या |
|---|---|---|
| | **सेना के कर्मचारी** | |
| 1. | एम.ए. (दक्षिण एशियाई अध्ययन) | 10 |
| 2. | एम.बी.ए. (सभी पाँच) | प्रत्येक के लिए 2 (10) |
| 3. | सामाजिक विज्ञान और मानविकी के सभी विषयों में पीएच.डी. (बाह्य/ पूर्ण कालिक) | अधिकतम 20 प्रति वर्ष (प्रत्येक विभाग में 2 अधिकतम सीटों के अधीन( |
| 4. | दक्षिण एशियाई अध्ययन (चेयर ऑफ एक्सीलेंस) में निवासी शोध-छात्र | अधिकतम 5 प्रति वर्ष |
| | **वायुसेना कर्मचारी** | |
| 1. | एम.बी.ए. (व्यापार प्रबंधन) | 4 |
| 2. | एम.बी.ए. (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार) | 4 |
| 3. | सामाजिक विज्ञान और मानविकी के सभी विषयों में पीएच.डी. (बाह्य/ पूर्ण कालिक) | 5 |
| 4. | एम.ए. (दक्षिण ए ियाई अध्ययन) | 5 |
| 5. | दक्षिण एशियाई अध्ययन (चेयर ऑफ एक्सीलेंस) में निवासी शोध-छात्र | 5 |
| 6. | एम.टेक. (ई.सी.ई.) | 2 |
| 7. | एम.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान) | 2 |
| 8. | एम.टेक. (नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी) | 2 |

2) आबंटित सीटों की संख्या उपर्युक्त प्रत्येक विषय में स्वीकृत छात्र-संख्या से अधिक और उपरि होगी।

3) संबंधित मुख्यालयों द्वारा नामित रक्षा कर्मियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित न्यूनतम पात्रता-मानदंडों को पूरा करना होगा।

4) सभी नामांकित रक्षा कर्मियों को हालांकि प्रवेश परीक्षा लिखनी होगी। रक्षा कर्मियों के अभ्यर्थियों के बीच से इन सीटों के लिए एक अलग प्रतिभा-सूची तैयार की जाएगी।

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशों के आधार पर प्रवेश में कश्मीरी प्रवासियों की संतान के लिए रियायत:**

(i) प्रवेश की तारीख में लगभग 30 दिनों तक अधिक समय ।

(ii) न्यूनतम पात्रता आवश्यकता के अधीन कट-ऑफ प्रतिशत में 10% तक की छूट।

(iii) पाठ्यक्रम-वार 5% तक स्वीकार्य-क्षमता में वृद्धि।

(iv) तकनीकी / व्यावसायिक संस्थानों में प्रतिभा-कोटा में कम से कम एक सीट का आरक्षण।

(v) अधिवास आवश्यकताओं की छूट।

(vi) दूसरे और बाद के वर्षों में प्रवास की सुविधा।

# प्रवेश संबंधी आवश्यक सूचनाएँ

## पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए प्रवेश संबंधी आवश्यक सूचनाएँ

**शैक्षिक योग्यताएँ :- (पीएच.डी. पूर्णकालिक/ अंश कालिक) :**

अ) जिन अभ्यर्थियों ने शिक्षा के 10 + 2 + 3 + 2 प्रतिमान (या 10 + 2 + 5) के तहत अध्ययन किया है और संबंधित विषय में या संबद्ध विषय में स्नातकोत्तर डिग्री उत्तीर्ण हैं और पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के मानविकी, सामाजिक विज्ञान, प्रबंधन, वाणिज्य, विज्ञान, शिक्षा, ललित कला और भाषाओं के सभी विद्यापीठों / विभागों के द्वारा नियमों के अनुसार निर्धारित योग्यताएँ रखते हों/ जो विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत इस तरह के अन्य विषयों के तहत संबंधित विषय में समान डिग्री में न्यूनतम 55 % अंक (या समकक्ष ग्रेड) प्राप्त हों।

आ) जिन अभ्यर्थियों ने शिक्षा के 10 + 2 प्रतिमान के तहत अध्ययन किया और इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय के विद्यापीठों/संकाय के तहत विधि, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, कृषि, पशु चिकित्सा विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त हों या इस विश्वविद्यालय अथवा किसी अन्य विश्वविद्यालय के चिकित्सा / दंत चिकित्सा / पैरामेडिकल के संकायों में डॉक्टर ऑफ मेडिसिन या मास्टर ऑफ सर्जरी की डिग्री में नियमित पूर्णकालिक अध्ययन के माध्यम से, इस विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त न्यूनतम 55% अंक (या समकक्ष ग्रेड) के साथ स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त हों।

इ) जिन अभ्यर्थियों ने शिक्षा के 10 + 2 प्रतिमान के तहत अध्ययन किया है और इस विश्वविद्यालय के चिकित्सा विद्यापीठ/ संकाय में तीन साल की अवधि के मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री के लिए अर्हता प्राप्त की है या इस विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त किसी अन्य विश्वविद्यालय की न्यूनतम मान्यता 55% अंक (या समकक्ष ग्रेड) के साथ प्राप्त हों ।

ई) भारतीय या विदेशी अभ्यर्थी जिन्होंने किसी मान्यता प्राप्त विदेशी विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55% अंक (या समकक्ष ग्रेड) हासिल करते हुए स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त की हो।

उ) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर-क्रीमी लेयर)/दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए 5% अंकों की छूट, 55% से 50% या ग्रेड के बराबर छूट की अनुमति है।

**पीएच.डी. (अंशकालीन/ आंतरिक) के लिए आवश्यक अनुभव एवं अन्य शर्तें :**

अ) संबंधित विषय में डिग्री और / या स्नातकोत्तर स्तर पर कम से कम दो साल के निरंतर शिक्षण अनुभव के साथ पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त महाविद्यालय/ विश्वविद्यालय के विभागों और ऐसे अन्य संस्थानों में काम करने वाले शिक्षक अभ्यर्थी।

आ) पांडिचेरी विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र में स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्तर / पॉलिटेक्निक कॉलेजों में मान्यता प्राप्त स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षक अभ्यर्थी, जिन्होंने अपनी स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करने के बाद संबंधित विषय में कम से कम 5 साल का निरंतर शिक्षण अनुभव प्राप्त किया हो।

इ) इस विश्वविद्यालय या अन्य संबद्ध अनुसंधान संस्थानों में समयमान वेतनमान के पैमाने पर कार्यरत गैर-शिक्षण कर्मचारी, बशर्ते कि (i) अभ्यर्थी के पास स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करने के बाद कम से कम 7 वर्ष का कार्य अनुभव हो, जिसमें कम से कम दो वर्ष का संबंधित विषय में शोध का कार्यानुभव हो, जो यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं (जहाँ भी लागू हो) या मानक पत्रिकाओं में प्रकाशित दो शोध पत्रों के माध्यम से प्रमाणित हो अथवा )ii) अभ्यर्थी के पास एम.फिल के साथ कम से कम 5 वर्ष का कार्य अनुभव हो और संबंधित विषय में और यू.जी.सी. द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं (जहाँ भी लागू हो) या संबंधित विषय में मानक पत्रिकाओं में दो शोध पत्र प्रकाशित हों।

ई) अंशकालिक (आंतरिक) के नियमों के तहत अभ्यर्थियों को संबंधित विभाग में या इस विश्वविद्यालय द्वारा अनुसंधान के लिए अनुमोदित विभाग में अंशकालिक अनुसंधान कार्य करना होगा। ऐसे अंशकालिक आंतरिक अभ्यर्थियों के लिए अंतर्विद्यावर्ती अनुसंधान की अनुमति केवल अकादमिक परिषद के अध्यक्ष के अनुमोदन से ही प्राप्त होगी।

उ) अंशकालिक (आंतरिक) के नियमों के तहत प्रवेश प्राप्त अभ्यर्थियों को अकादमिक परिषद के अध्यक्ष के पूर्व अनुमोदन के बिना किसी अन्य असाइनमेंट/ रोजगार में संलग्न होना या किसी अन्य पाठ्यक्रम के अध्ययन में प्रवेश पाना मना है।

**पीएच.डी. (अंशकालीन/ बाह्य) के लिए आवश्यक अनुभव एवं अन्य शर्तें :**

अ) महाविद्यालयों / विश्वविद्यालयों व उच्च शिक्षण से संबंधित अन्य शैक्षणिक संस्थानों/ अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाओं और संगठनों के स्थायी शैक्षणिक कर्मचारी, जिनके पास कम से कम तीन वर्षों के लगातार शिक्षण/ अनुसंधान का अनुभव हो।

आ) सरकार, स्थानीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थानों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, गैर-सरकारी संगठनों में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करने के बाद न्यूनतम दस वर्ष का अनुभव रखने वाले कर्मचारी, बशर्ते कि अभ्यर्थी को अनुसंधान के संबंधित क्षेत्र में दस साल की सेवा के तहत संबंधित विषय/ अनुसंधान के क्षेत्र में कम से कम तीन निरंतर वर्षों तक शोधकार्य-अनुभव हो, और यूजीसी द्वारा अनुमोदित दो पत्र-पत्रिकाओं या मानक पत्रिकाओं या रिपोर्ट / मोनोलॉग में दो पत्र प्रकाशित हों / समकक्ष किताब या पंजीकृत पेटेंट हों।

इ) पूर्णकालिक और आंशिक कार्यक्रमों में पीएचडी करने के लिए निर्धारित स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त और शैक्षिक योग्यता की प्राप्ति के बाद भारत या विदेश में कम से कम 10 वर्षों के अनुभव से युक्त टेक्नोक्रेट, वैज्ञानिक, सामाजिक वैज्ञानिक, विद्वान और प्रशासक जो कि अनुसंधान और विकास में पर्याप्त अनुभव रखते हों और जिनके शोध-कार्य के प्रमाण के रूप में कम से कम दो शोध-पत्र यूजीसी अनुमोदित पत्रिकाओं या मानक पत्रिकाओं या रिपोर्ट / मोनोलॉग्स / समकक्ष मानक पुस्तक में प्रकाशित हों या संबंधित विषय में उपयोगी डेटा/ पेटेंट रखते हों।

**सामान्य शर्तें :**

अ) अभ्यर्थी को संबंधित विद्यापीठ/ विभाग / केंद्र में अनुसंधान के प्रस्तावित विषय पर प्रवेश समिति के समक्ष एक संगोष्ठी-प्रस्तुति करनी होगी। प्रवेश समिति/ विश्वविद्यालय अभ्यर्थी के मूल्यांकन हेतु अन्य तरीका भी अपना सकते हैं जो अभ्यर्थी के अनंतिम प्रवेश पर विचार करने का आधार भी है। प्रवेश समिति / विश्वविद्यालय को शोध करने के लिए अभ्यर्थी की क्षमता के बारे में आश्वस्त होना चाहिए।

आ) साक्षात्कार के समय बुलाए गए सभी पीएच.डी. आवेदकों को साक्षात्कार के समय वांछित शोध का एक स्पष्ट लिखित प्रस्ताव प्रस्तुत करना होगा जो पर्याप्त पृष्ठभूमि-सामग्री और अनुसंधान की प्रस्तावित रूप-रेखा से युक्त हो। अभ्यर्थी को विश्वविद्यालय द्वारा विधिवत मान्यता प्राप्त एक शोध-निर्देशक की सहमति विश्वविद्यालय क्षेत्र में ही प्राप्त करनी होगी। विश्वविद्यालय क्षेत्र के बाहर काम करने वाले अभ्यर्थियों के मामले में, डॉक्टरल समिति की सिफारिश पर विश्वविद्यालय गाइड/पर्यवेक्षक के अलावा, यदि आवश्यक हो, तो विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त एक सह-शोध-निर्देशक की अनुमति दी जा सकती है। मात्र आवश्यक शैक्षणिक एवं अन्य योग्यताओं से युक्त होना अथवा साक्षात्कार के लिए बुलाया जाना पांडिचेरी विश्वविद्यालय के पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश का आश्वाशन नहीं है और एक अधिकार के रूप में इस पर दावा नहीं किया जा सकता है।

**प्रवेश की पद्धति :**

**(पूर्णकालिक एवं अंशकालिक)**

अ) पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए प्रवेश निम्नांकित मानदंडों के अनुसार दिया जायेगा।

प्रवेश परीक्षा के लिए – 70%

व्यक्तिगत साक्षात्कार एवं अकादमिक रिकार्ड के लिए – 30%

परिच्छेद आ), इ), ई), उ) एवं ऊ) के अंतर्गत जिन अभ्यर्थियों का उल्लेख है, उनको प्रवेश परीक्षा से छूट दी जाती है।

आ) इस विश्वविद्यालय और अन्य विश्वविद्यालयों के विशेषाधिकारों के तहत के संस्थानों में काम करने वाले शिक्षक अभ्यर्थी, जो योग्य हैं, और जिनके पास संबंधित विषय में डिग्री और/ या स्नातकोत्तर स्तर पर कम से कम एक वर्ष का निरंतर शिक्षण अनुभव है और जिनको आवश्यक अवधि के लिए गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम या उसके समकक्ष कार्यक्रम के तहत अवकाश दिया गया हो, उनको पूर्णकालिक पीएचडी करने के लिए प्रवेश परीक्षा से छूट दी गयी है।

इ) उन अभ्यर्थियों के लिए प्रवेश परीक्षा से छूट दी गयी है, जिन्होंने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा/यूजीसी/ सीएसआईआर या अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के यूजीसी राजीव गांधी अध्येतावृत्ति या डीबीटी-बीआईएनसी या अल्पसंख्यकों के मौलाना आजाद अध्येतावृत्ति या डीएसटी-इनस्पायर अथवा विश्वविद्यालय के द्वारा इनके समकक्ष के रूप में मान्यता प्राप्त इस तरह की अन्य परीक्षाओं में उत्तीर्णता प्राप्त की हो और जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जे.आर.एफ.) से युक्त हों। संबंधित विद्यापीठ के विद्यापीठाध्यक्ष के अनुमोदन के साथ विभागाध्यक्ष द्वारा गठित प्रवेश समिति की सिफारिश पर इन अभ्यर्थियों को वर्ष के किसी भी समय भर्ती किया जा सकता है। जे.आर.एफ. योग्यता के बिना नेट में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा देनी होगी।

ई) पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय और भारत या विदेश के किसी विश्वविद्यालय / संस्थान के बीच एमओयू के तहत प्रवेश-प्राप्त अभ्यर्थी जहाँ विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी की डिग्री के लिए अभ्यर्थियों के पंजीकरण हेतु विशिष्ट नियम मौजूद हैं, और भारत सरकार/ संयुक्त राष्ट्र के निकायों की अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक/ शैक्षिक विनिमय योजनाओं के तहत चयनित अभ्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा से छूट है।

उ) पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के शिक्षक और संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षक अभ्यर्थी, जो अंशकालिक पीएचडी में प्रवेश पाने के लिए नेट लेक्चररशिप की परीक्षा में उत्तीर्ण हैं, उन्हें लिखित प्रवेश परीक्षा से छूट दी गयी है और वे विश्वविद्यालय/ महाविद्यालय में परिवीक्षा-अवधि पूरा करने के तुरंत बाद पंजीकरण करने के लिए पात्र हैं।

ऊ) प्रवासी भारतीयों और विदेश में निवास करने वाले / विदेश में काम करने वाले, और मास्टर की डिग्री प्राप्त करने के बाद कम से कम दस साल तक शिक्षा / अनुसंधान / उद्योग में कार्यरत अभ्यर्थियों के लिए भी प्रवेश परीक्षा से छूट दी जाती है, लेकिन उनको प्रवेश-समिति के समक्ष व्यक्तिगत तौर पर/ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक सेमिनार-प्रस्तुतीकरण करना होगा और प्रवेश-समिति उचित परीक्षण के पशचात् अंशकालिक (बाह्य) पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की योग्यता के बारे में अपनी राय देगी। इस नियम के तहत प्रवेश समिति के द्वारा उन्हीं प्रवासी भारतीय और विदेशी अभ्यर्थियों के प्रवेश के बारे में विचार किया जायेगा जो अधिक से अधिक व्यावसायिक अनुभव रखते हों और अपने प्रकाशनों के माध्यम से वांछित शोध के लिए योग्यता साबित कर चुके हों। उनके प्रकाशनों का मूल्यांकन विभाग- समिति द्वारा होने के बाद ही उनको व्यक्तिगत तौर पर/ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सेमिनार-प्रस्तुति के लिए बुलाया जायेगा। जो प्रवासी भारतीय और विदेशी छात्र पीएचडी (पूर्णकालिक) कार्यक्रम के लिए आवेदन करते हैं और पीएचडी (पूर्णकालिक) कार्यक्रम के लिए आवश्यक पात्रता रखते हों, उनको भी प्रवेश परीक्षा से छूट दी जायेगी, लेकिन उनको प्रवेश समिति के समक्ष एक सेमिनार की प्रस्तुति करनी होगी।

**छूट- श्रेणी के तहत पीएच.डी प्रवेश के लिए सूचना-**

प्रवेश परीक्षा से छूट की पात्रता प्रवेश समिति द्वारा कड़े मानदंडों पर तय की जाएगी और समिति का निर्णय इस संबंध में अंतिम होगा। प्रवेश परीक्षा की तारीखों के बाद ही प्रवेश समिति की बैठक होगी। यह देखने को मिला कि कई उम्मीदवार जिन्होंने छूट का दावा किया है, उन्हें अंततः इस तरह की छूट के लिए योग्य नहीं पाया गया है। जिन्होंने आवेदन पत्र में "प्रवेश परीक्षा से छूट" का दावा किया है उन लोगों को भी इस विषय को ध्यान में रखते हुए प्रवेश परीक्षा के लिए हॉल टिकट जारी किया जाएगा। यह अभ्यर्थियों पर निर्भर है कि वे अपने जोखिम पर यह तय करें कि प्रवेश परीक्षा लिखनी है या छूट के लिए अपने दावे पर बने रहें। संभावना है कि अभ्यर्थियों के द्वारा प्रवेश परीक्षा से छूट के दावे को प्रवेश समिति द्वारा खारिज कर दिया जा सकता है। यदि अभ्यर्थी छूट के लिए अपने दावे के बारे में बहुत स्पष्ट नहीं हैं तो उन **सभी अभ्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा लिखने की सलाह दी जाती है।**

**पीएच.डी प्रवेश परीक्षा संबंधी आवश्यक सूचनाएँ :**

| पाठ्यक्रम-कोड | विषय | प्रवेशों की संख्या | प्रवेश के लिए पात्रता-मानदण्ड | प्रवेश परीक्षा का दिनांक और समय |
|---|---|---|---|---|
| 167 | वयस्क एवं निरंतर शिक्षा | 5 | मानविकी, सामाजिक विज्ञान अथवा किसी अन्य संबंधित विषय में न्यूनतम 55% अंकों से स्नातकोत्तर डिग्री | 07.06.2019- मध्याह्न 12.30बजे से 02.30 बजे तक |
| 101 | नृविज्ञान | 4 | नृविज्ञान विषय में न्यूनतम 55% अंकों से स्नातकोत्तर डिग्री | 07.06.2019- शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 157 | अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान | 4 | मनोविज्ञान/अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विषय में न्यूनतम 55% अंकों से स्नातकोत्तर डिग्री | 07.06.2019- सुबह 09.00 से पूर्वाह्न 11.00 तक |
| 143 | एशियाई ईसाई अध्ययन | 4 | एशियाई ईसाई अध्ययन या उसके समतुल्य विषय में किसी भी विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55% अंकों से स्नातकोत्तर डिग्री | 07.06.2019- शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 146 | बैंकिंग प्रौद्योगिकी | 9* (आई.टी. 3 फाइनांस 6) | एम.बी.ए. (बैंकिंग प्रौद्योगिकी)/ एम.बी.ए.(फाइनेंस/सिस्टम्स)/ एम.कॉम (व्यापार वित्त)/ आई.आई.एम. के स्नातकोत्तर डिप्लोमा/ बैंकिंग/फाइनेंस के साथ समकक्ष प्रबंधन डिग्री/ फाइनेंस विशेषज्ञता/ एम.ई./ एम.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान/ सूचना प्रौद्योगिकी/ एम.सी.ए./ एम.एससी.(कंप्यूटर विज्ञान)/ एम.एससी. (सूचना प्रौद्योगिकी)/ अथवा सी.ए., आई.सी.डब्ल्यू.ए.आई., एसीएस., सी.ए.आई.आई.बी., आदि किसी अन्य व्यावसायिक उपाधि में न्यूनतम 60% अंकों के साथ उत्तीर्णता | 07.06.2019- शाम 04.00 बजे से शाम 06.00बजे तक |
| 102 | जैव रसायन विज्ञान | 5* | जैव रसायन विज्ञान/ आण्विक जीव विज्ञान/ जैव प्रौद्योगिकी/ सूक्ष्म जैविकी/ जैव विज्ञान/ प्राणि विज्ञान/ वनस्पति विज्ञान/ या अन्य किसी संबंधित विषय में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 08.06.2019- सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 बजे तक |
| 104 | जैव सूचना विज्ञान | 12* | जैव सूचना विज्ञान/ जैव विज्ञान/ कंप्यूटर विज्ञान/ भौतिकी/ रसायन विज्ञान/ अनुप्रयुक्त गणित विज्ञान/ सांख्यिकी/ सूचना प्रौद्योगिकी & इंजीनियरिंग या अन्य किसी संबंधित विषय में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 07.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |
| 103 | जैव प्रौद्योगिकी | 8 | कृषि विज्ञान/ जैव रसायन विज्ञान/ जैव प्रौद्योगिकी/ वनस्पति विज्ञान/ सूक्ष्म जैविकी/ पशु चिकित्सा विज्ञान/ प्राणि विज्ञान या अन्य किसी संबंधित विषय में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 09.06.2019- सुबह 09.00 से पूर्वाह्न 11.00 तक |

#जिन अभ्यर्थियों ने जे.आर.एफ. (यूजीशी नेट /सीएसआईआर-नेट/ डीबीटी-बीआईएनसी) परीक्षाओं में अर्हता प्राप्त की है उन्हें प्रवेश परीक्षा से छूट दी गयी है। वे सीधे आवेदन कर सकते हैं।

*परिवर्तन के अधीन (वृद्धि / कमी हो सकती है)

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 107 | रसायन विज्ञान | 14 | रसायन विज्ञान/ रसायनिक विज्ञान और अन्य किसी संबंधित विषय में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री भौतिक रसायन विज्ञान के क्षेत्रों में आवेदन करने के इच्छुक अभ्यर्थियों को +2 स्तर पर गणित के अध्येता होने चाहिए और सैद्धांतिक रसायन विज्ञान के क्षेत्रों में आवेदन करने के इच्छुक अभ्यर्थियों को बी.एससी. स्तर पर अनुप्रयुक्त गणित के अध्येता होने चाहिए। कार्बनिक और अकार्बनिक रसायन विज्ञान के क्षेत्रों के लिए, + 2/ बी.एससी. स्तर पर गणित अनिवार्य नहीं है। | 09.06.2019- शाम 04.00बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 105 | वाणिज्य | 4 (कारैकाल) | वाणिज्य विषय में 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 09.06.2019- शाम 04.00बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 106 | कंप्यूटर विज्ञान & इंजीनियरिंग | 9# (पुदुच्चेरी) 5 (कारैकाल) | कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग/ नेटवर्क और इंटरनेट इंजीनियरिंग/ नेटवर्क और सूचना-सुरक्षा या सूचना-प्रौद्योगिकी या एम.सी.ए./ एम.एस./ कंप्यूटर विज्ञान/ सूचना प्रौद्योगिकी/ सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में एम.एससी. अथवा समकक्ष विषय में न्यूनतम 55% अंकों से एम.ई./ एम.टेक | 09.06.2019 शाम 04.00बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 147 | आपदा प्रबंधन (पोर्ट ब्लेयर, अंडमान) | - | भूविज्ञान/ भूगोल-शास्त्र / भू भौतिकी/ रसायन विज्ञन/ भौतिकी/ गणित/ कंप्यूटर विज्ञान में एम.टेक/ एम.ई. अथवा संबंधित क्षेत्र में न्यूनतम 55% अंकों से स्नातकोत्तर डिग्री | - |
| 140 | नाटक एवं रंगमंच कलाएँ | - | नाटक एवं रंगमंच कलाओं में अथवा प्रदर्शन कलाओं में से किसी अनुशासन-क्षेत्र में न्यूनतम 55% अंकों से स्नातकोत्तर डिग्री और नाटक एवं रंगमंच कलाओं में ज्ञान व अनुभव होना चाहिए। | - |
| 110 | पृथ्वी विज्ञान | 5 | पृथ्वी विज्ञान/ अनुप्रयुक्त पृथ्वी विज्ञान/ समुद्री भूविज्ञान/ भू भौतिकी में न्यूनतम 55% अंकों से स्नातकोत्तर डिग्री | 07.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 बजे तक |
| 111 | पारिस्थितिकी & पर्यावरण विज्ञान | 4 | पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण विज्ञान में अथवा उससे संबंधित किसी विज्ञान-प्रौद्योगिकी शाखा में न्यूनतम 55% अंकों से स्नातकोत्तर डिग्री | 09.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 108 | अर्थशास्त्र | 8 | अर्थशास्त्र में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 07.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 बजे तक |
| 151 | शिक्षा | 4 | न्यूनतम 55% अंकों के साथ एम.एड./ एम.एड.(एलिमेंटरी एजुकेशन)/ एम.एड. (शिक्षा-प्रौद्योगिकी)/ शिक्षा-शास्त्र में स्नातकोत्तर-बी.एड सहित/ एम.एससी. एजुकेशन-बी.एड. सहित | 07.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 154 | इलैक्ट्रानिक मीडिया | - | इलैक्ट्रानिक मीडिया, पत्रकारिता, जनसंचार, ललित कलाएँ, दृश्य एवं प्रदर्शन कलाओं में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | - |
| 138 | इलैक्ट्रानिक्स& कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग | 5 | बी.ई./ बी.टेक डिग्री के बाद इलैक्ट्रानिक्स और कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग/ इलैक्ट्रानिक्स और टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग/ अथवा किसी अन्य संबंधित विशेषज्ञता की अर्हता -परीक्षा में न्यूनतम 55% अंकों के साथ एम.ई./एम.टेक | 07.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 बजे तक |
| 109 | अंग्रेजी | - | अंग्रेजी में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | - |
| 112 | पर्यावरण-प्रौद्योगिकी | - | किसी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विषय में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | - |
| 169 | यूरोपीय अध्ययन | - | सामाजिक विज्ञान और यूरोपीय भाषा में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | - |
| 152 | खाद्य विज्ञान और पोषण | - | खाद्य विज्ञान और पोषण/ होम साइंस/ सूक्ष्म जैविकी/ जैवप्रौद्योगिकी में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | - |
| 158 | खाद्य विज्ञान & प्रौद्योगिकी | 8 | खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी/ खाद्य अभियांत्रिकी/ खाद्य प्रौद्योगिकी फुड प्रॉसेस इंजीनियरिंग/ कृषि विज्ञान-अभियांत्रिकी/ रासायनिक अभियांत्रिकी/ सूक्ष्म जैविकी/ औद्योगिक जैवप्रौद्योगिकी/ जैवप्रौद्योगिकी में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 08.06.2019 शाम 04.00बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 113 | फ्रांसीसी भाषा | 4 | फ्रांसीसी भाषा में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 08.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 तक |

# मात्र पूर्णकालिक

| पाठ्यक्रम-कोड | विषय | प्रवेशों की संख्या | प्रवेश के लिए पात्रता-मानदण्ड | प्रवेश परीक्षा का दिनांक और समय |
|---|---|---|---|---|
| 159 | हरित ऊर्जा | 8 | हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी में एम.टेक. (2)/ नैनो प्रौद्योगिकी में एम.टेक/ या एम.एससी. (भौतिकी)/ पदार्थ विज्ञान/ रसायन विज्ञान (4)/ एम.टेक जैव प्रौद्योगिकी (1)/ मैकनिकल/ थेर्मल इंजीनियरिंग में एम.टेक या एम.ई. (1) | 09.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |
| 115 | हिन्दी | - | हिन्दी में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | - |
| 114 | इतिहास | 4 | इतिहास/ प्राचीन इतिहास और पुरातत्त्व शास्त्र में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 08.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |
| 145 | अंतर्राष्ट्रीय व्यापार | - | एम.बी.ए. (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार)/ एम.बी.ए. (विपणन, वित्त, एच.आर., टुरिजम्, सिस्टम्स)/ एम.आई.बी.ए., एम.कॉम, विदेश-व्यापार, अर्थशास्त्र अथवा अन्य किसी संबंधित विषय में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | - |
| 144 | विधि | - | विधि में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | - |
| 156 | पुस्तकालय & सूचना विज्ञान | 6 | पुस्तकालय & सूचना विज्ञान में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 07.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 बजे तक |
| 117 | प्रबंधन विशेषज्ञता<br>ऑपरेशन्स & सिस्टम्स -1<br>विपणन-6<br>एच.आर.-5<br>वित्त-2<br>बीमा/ हेल्थ केयर-2 | 11 (पुद्दुचेरी)<br>5 (कारैकाल) | व्यवसाय-प्रशासन, प्रबंधन, वाणिज्य, औद्योगिक इंजीनियरिंग, औद्योगिक प्रबंधन, उत्पादन इंजीनियरिंग, विदेश व्यापार, संचालन अनुसंधान, सांख्यिकी, सार्वजनिक प्रशासन, समाजशास्त्र, सामाजिक कार्य, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, पर्यटन, आतिथ्य, अस्पताल प्रबंधन, जनसंचार और अन्य किसी संबंधित विषय में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री । आईसीएआई, आईसीएसआई और आईसीडब्ल्यूएआई जैसे परीक्षा उन्मुख व्यावसायिक निकायों से संबद्ध अनुशासनों के अभ्यर्थियों के प्रवेश के संबंध में भी विचार किया जा सकता है। | 07.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |
| 119 | समुद्री जैव विज्ञान (पोर्ट ब्लेयर, अंडमान) | 8 | समुद्री जैव विज्ञान/ प्राणि विज्ञान/ वनस्पति विज्ञान/ जैव रसायन विज्ञान/ जैव प्रौद्योगिकी/ मत्स्य-पालन/ जैव विज्ञान के विषय में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 07.06.2019 शाम 04.00बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 155 | जन-संचार | - | जन-संचार/ पत्रकारिता/ इलैक्ट्रानिक मीडिया में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | - |
| 174 | महासागर अध्ययन | 4 | राजनीति विज्ञान/ अंतर्राष्ट्रीय संबंध/ दक्षिण एशियाई अध्ययन/ सुरक्षा अध्ययन/ अर्थ शास्त्र/ इतिहास/ समुद्री संबंधी अध्ययन में न्यूनतम 55% अंकों के साथ एम.ए. डिग्री | 08.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |
| 118 | गणित | - | गणित में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | - |

# पोर्ट ब्लेयर के विश्वविद्यालय-परिसर में स्थित महासागरीय अध्ययन एवं समुद्री जैव विज्ञान विभाग में संबंधित विषयों में पीएच.डी. प्रवेश की प्रक्रिया होगी।

| पाठ्यक्रम-कोड | विषय | प्रवेशों की संख्या | प्रवेश के लिए पात्रता-मानदण्ड | प्रवेश परीक्षा का दिनांक और समय |
|---|---|---|---|---|
| 128 | सूक्ष्म जैविकी | 6 | सूक्ष्म जैविकी/ जैव प्रौद्योगिकी/ वनस्पति विज्ञान/ जैव रसायन विज्ञान/ पशु चिकित्सा विज्ञान/ प्राणि विज्ञान/ चिकित्सा या अन्य किसी संबंधित अध्ययन-क्षेत्र में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 09.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 160 | नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी | 6 | नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी/ पदार्थ विज्ञान में एम.टेक (01); बी.टेक रासायनिक अभियांत्रिकी के साथ नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में एम.टेक (01); बी.टेक मैकनिकेल अभियांत्रिकी के साथ नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में एम.टेक (02); एम.एससी. भौतिकी के साथ एम.एससी. नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (01) एम.एससी. भौतिकी (01) – सभी डिग्री न्यूनतम 55% अंकों के साथ | 07.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 120 | दर्शन | 4 | दर्शन में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 09.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 121 | फिजिकल एजुकेशन & खेल | 18 | फिजिकल एजुकेशन & खेल में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 08.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |
| 122 | भौतिकी | 14 | भौतिकी/ पदार्थ विज्ञान और प्रौद्योगिकी में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 07.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |
| 116 | राजनीति शास्त्र & अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन | 4 | राजनीति विज्ञान/ अंतर्राष्ट्रीय संबंध/ क्षेत्र-अध्ययन/ लोक प्रशासन तथा रक्षा अध्ययन में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 08.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |
| 123 | संस्कृत | 8 | संस्कृत में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 07.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |
| 170 | सामाजिक बहिष्कार एवं समावेश नीति अध्ययन | - | नृविज्ञान/ समाज शास्त्र/ सामाजिक कार्य में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | - |
| 153 | सामाजिक कार्य | 4 | सामाजिक कार्य में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 08.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 124 | समाज शास्त्र | - | समाज शास्त्र में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | - |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 150 | दक्षिण एशियाई अध्ययन | 8 | राजनीति विज्ञान/ अंतर्राष्ट्रीय संबंध/ दक्षिण एशियाई अध्ययन/ अर्थ शास्त्र/ इतिहास/ समाज शास्त्र अथवा अन्य किसी संबंधित अनुशासन में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 07.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |
| 161 | दक्षिणी एशिया-अध्ययन | - | राजनीति विज्ञान/ अंतर्राष्ट्रीय संबंध/ दक्षिण एशियाई अध्ययन/ अर्थ शास्त्र/ इतिहास/ समाज शास्त्र/ रक्षा अध्ययन अथवा अन्य किसी संबंधित अनुशासन में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | - |
| 149 | सांख्यिकी | - | सांख्यिकी में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | - |
| 125 | तमिल | - | तमिल में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | - |
| 142 | पर्यटन अध्ययन | - | एम.बी.ए. पर्यटन, एम.टी.ए., एम.ए. (पर्यटन अध्ययन), एम.टी.एम., आतिथ्य प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिग्री, एम.बी.ए. न्यूनतम 55% अंकों के साथ | - |
| 126 | महिला अध्ययन | - | किसी भी विषय में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | - |

## पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के संबद्ध महाविद्यालयों/ संस्थानों में संचालित पीएच.डी कार्यक्रम

| पाठ्यक्रम-कोड | विषय | प्रवेशों की संख्या | प्रवेश के लिए पात्रता-मानदण्ड | प्रवेश परीक्षा का दिनांक और समय |
|---|---|---|---|---|
| **● आई.सी.एम.आर. वेक्टर नियंत्रण अनुसंधान केंद्र (वीसीआरसी) पुदुच्चेरी** | | | | |
| 129 | प्राणि विज्ञान | - | प्राणि विज्ञान/ चिकित्सा कीट विज्ञान/ लोक स्वास्थ्य कीट विज्ञान या संबंधित किसी अन्य अध्ययन-क्षेत्र में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | - |
| 107 | रसायन विज्ञान | - | रसायन विज्ञान (सामान्य/ कार्बनिक) या संबंधित किसी अन्य अध्ययन-क्षेत्र में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | - |
| **● क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र (आर.एम.आर.सी.) पोर्ट ब्लेयर, अंडमान & निकोबार द्वीप** | | | | |
| 135 | चिकित्सा कीटविज्ञान | 2 | लोक स्वास्थ्य कीट विज्ञान/ चिकित्सा कीट विज्ञान/ कीट विज्ञान/ प्राणि विज्ञान में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 07.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |
| 171 | चिकित्सा सूक्ष्म जैविकी | 6 | चिकित्सा सूक्ष्म जैविकी/ सूक्ष्म जैविकी/ अनुप्रयुक्त सूक्ष्म जैविकी/ जैव प्रौद्योगिकी/ आण्विक जैव विज्ञान में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 08.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| **क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र (आर.एम.आर.सी.) पोर्ट ब्लेयर, अंडमान & निकोबार द्वीप** | | | | |
| 136 | वनस्पति विज्ञान | 5 | वनस्पति विज्ञान या संबंधित किसी अन्य अध्ययन-क्षेत्र में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 07.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 122 | भौतिकी | 5 | भौतिकी/ पदार्थ विज्ञान और प्रौद्योगिकी में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 07.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |
| 125 | तमिल | 6 | तमिल में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 07.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 129 | प्राणि विज्ञान | 6 | संबंधित अध्ययन-क्षेत्र में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 07.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 118 | गणित | - | गणित अथवा विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष विषय में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | - |
| 105 | वाणिज्य | 4 | वाणिज्य में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातक एवं स्नातकोत्तर डिग्री | 09.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 109 | अंग्रेज़ी | 8 | अंग्रेजी में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 07.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |

## ● पांडिच्चेरी इंजीनियरिंग कॉलेज , (पी.ई.सी.) पुदुच्चेरी

*(आरक्षण केंद्र शासित प्रदेश, पुदुच्चेरी सरकार की नीति के अनुसार होगा। 75% सीटें पुदुच्चेरी के केंद्र शासित प्रदेश के अभ्यर्थियों के लिए और 25% सीटें अन्य राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित हैं।)*

| पाठ्यक्रम-कोड | विषय | प्रवेशों की संख्या | प्रवेश के लिए पात्रता-मानदण्ड | प्रवेश परीक्षा का दिनांक और समय |
|---|---|---|---|---|
| 107 | रसायन विज्ञान | 2 | रसायन विज्ञान/ रसायनिक विज्ञान/ पदार्थ विज्ञान/ अनुप्रयुक्त या औद्योगिक रसायन विज्ञान/ फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री अथवा रसायन विज्ञान के अन्य किसी संबंधित क्षेत्र में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री। भौतिक रसायन विज्ञान/ कांति रसायन विज्ञान/ पदार्थ विज्ञान के क्षेत्रों में आवेदन करने के इच्छुक अभ्यर्थियों को +2 स्तर पर गणित के अध्येता होने चाहिए और सैद्धांतिक रसायन विज्ञान के क्षेत्रों में आवेदन करने के इच्छुक अभ्यर्थियों को बी.एससी. स्तर पर संबद्ध गणित के अध्येता होने चाहिए। | 09.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 137 | सिविल इंजीनियरिंग | 9 | (अ) सिविल इंजीनियरिंग में न्यूनतम 55% अंकों के साथ या इन विषयों में विशेषज्ञता के साथ समकक्ष बी.ई./बी.टेक डिग्री और एम.ई./ एम.टेक : i) स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग ii) भू-तकनीकी इंजीनियरिंग iii) हाइड्रोलिक और जल संसाधन इंजीनियरिंग iv) महासागर इंजीनियरिंग v) पर्यावरण इंजीनियरिंग / पर्यावरण प्रौद्योगिकी / उन्नत निर्माण प्रौद्योगिकी vi) भू सूचना विज्ञान<br>आ) न्यूनतम 55% अंकों के साथ या इन विषयों में विशेषज्ञता के साथ समकक्ष बी.ई./बी.टेक डिग्री और एम.ई./ एम.टेक : ऊर्जा प्रौद्योगिकी / पर्यावरण इंजीनियरिंग / पर्यावरण प्रबंधन / जैव प्रौद्योगिकी / रासायनिक इंजीनियरिंग / औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी | 07.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |
| 141 | इलैक्ट्रिकल & इलैक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग | 14 | ईईई/ई&आई में बी.ई./बी.टेक डिग्री और इलैक्ट्रिकल & इलैक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग अथवा किसी अन्य संबंधित विशेषज्ञता-क्षेत्र में न्यूनतम 55% अंकों के साथ एम.ई./ एम.टेक | 07.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |
| 139 | मैकनिकेल इंजीनियरिंग | 10 | अ) मैकनिकेल इंजीनियरिंग में बी.ई./ बी.टेक और मैकनिकेल इंजीनियरिंग अथवा यहाँ सूचित किसी संबंधित विशेषज्ञता-क्षेत्र में न्यूनतम 55% अंकों के साथ एम.ई./ एम.टेक i) ऊर्जा इंजीनियरिंग/ प्रौद्योगिकी ii) आई.सी. इंजन्स iii) थेर्मल इंजीनियरिंग iv) रेफ्रिजिरेशन/ए.सी. इंजीनियरिंग v) इंजीनियरिंग डिजाइन vi) सीएडी vii) सीएडी/सीएएम viii) प्रोडक्ट डिजाइनिंग एंड मैन्युफेक्चरिंग ix) मैन्युफेक्चरिंग इंजीनियरिंग x.) प्रोडक्शन इंजीनियरिंग xi) फाउंडरी इंजीनियरिंग xii) वेल्डिंग तकनीकी xiii) लॉजिस्टिक्स एंड एससीएम.<br>आ) किसी भी अन्य इंजीनियरिंग विषय के साथ यहाँ सूचित विशेषज्ञता में न्यूनतम 55% अंकों के साथ एम.ई./एम.टेक i) रासायनिकी अभियांत्रिकी ii) महासागरीय अभियांत्रिकी iii) नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी iv) औद्योगिक अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन v) पर्यावरणीय अभियांत्रिकी vi) स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग vii) इंडस्ट्रियल मेटलर्जी viii) आटो मोबाइल इंजीनियरिंग ix) एयरो स्पेस इंजीनियरिंग x) मेटिरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग | 07.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |

## ● पांडिच्चेरी इंजीनियरिंग कॉलेज , (पी.ई.सी.) पुदुच्चेरी

*(आरक्षण केंद्र शासित प्रदेश, पुदुच्चेरी सरकार की नीति के अनुसार होगा। 75% सीटें पुदुच्चेरी के केंद्र शासित प्रदेश के अभ्यर्थियों के लिए और 25% सीटें अन्य राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित हैं।)*

| पाठ्यक्रम -कोड | विषय | प्रवेशों की संख्या | प्रवेश के लिए पात्रता-मानदण्ड | प्रवेश परीक्षा का दिनांक और समय |
|---|---|---|---|---|
| 118 | गणित | 4 | गणित में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 09.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 122 | भौतिकी | 6 | भौतिकी/ पदार्थ विज्ञान और प्रौद्योगिकी में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 07.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |
| 138 | इलैक्ट्रानिक्स & कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग | 22 | इलैक्ट्रानिक्स & कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग में बी.ई./बी.टेक डिग्री और इलैक्ट्रानिक्स & कम्यूनिकेशन सिस्टम्स/ इलैक्ट्रानिक्स & कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग अथवा किसी अन्य संबंधित विशेषज्ञता-क्षेत्र में न्यूनतम 55% अंकों के साथ एम.ई./ एम.टेक अथवा तत्समान परीक्षा में उत्तीर्णता | 07.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |

## ● श्री मनकुल विनायगर इंजीनियरिंग कॉलेज , पुदुच्चेरी

*(आरक्षण केंद्र शासित प्रदेश, पुदुच्चेरी सरकार की नीति के अनुसार होगा। 75% सीटें पुदुच्चेरी के केंद्र शासित प्रदेश के अभ्यर्थियों के लिए और 25% सीटें अन्य राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित हैं।)*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 139 | मैकनिकेल इंजीनियरिंग | 2 | मैकनिकेल इंजीनियरिंग में बी.ई./ बी.टेक और मैकनिकेल इंजीनियरिंग में न्यूनतम 55% अंकों के साथ एम.ई./ एम.टेक या विश्वविद्यालय द्वारा समकक्ष के रूप में मान्यता प्राप्त स्नातकोत्तर डिग्री | 07.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |

## ● भारतीय प्राणि-सर्वेक्षण (जेड.एस.आई.), पोर्ट ब्लेयर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 111 | पारिस्थितिकी | - | प्राणि विज्ञान/समुद्री जैव विज्ञान/ वन्यजीव जैवविज्ञान/ पारिस्थितिकी/ जैव विज्ञान में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | - |
| 132 | टैक्सॉनोमी | - | प्राणि विज्ञान/समुद्री जैव विज्ञान/ वन्यजीव जैवविज्ञान/ पारिस्थितिकी/ जैव विज्ञान में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | - |
| 133 | भूगोल शास्त्र | - | प्राणि विज्ञान/समुद्री जैव विज्ञान/ वन्यजीव जैवविज्ञान/ पारिस्थितिकी/ जैव विज्ञान में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | - |

## ● भारतीदासन महिला महाविद्यालय, पुदुच्चेरी

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 134 | गृह विज्ञान (सभी शाखाएँ) | 11 | गृह विज्ञान में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 07.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |

| ● **मदर तेरेसा स्वास्थ्य वैज्ञानिक स्नातकोत्तर एवं अनुसंधान संस्थान महाविद्यालय, पुदुच्चेरी**<br>*(आरक्षण केंद्र शासित प्रदेश, पुदुच्चेरी सरकार की नीति के अनुसार होगा। 75% सीटें पुदुच्चेरी के केंद्र शासित प्रदेश के अभ्यर्थियों के लिए और 25% सीटें अन्य राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित हैं।)* | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 172 | फार्मसी | 4 | फार्मसी अथवा उसके समक्ष स्नातकोत्तर डिग्री में न्यूनतम 55% अंकों के साथ उत्तीर्णता। यह डिग्री फार्मसी काउंसिल ऑफ इंडिया एवं ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित किसी संस्था से प्राप्त होनी चाहिए। | 07.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 173 | नर्सिंग | 5 | किसी भी विशेषज्ञता के साथ एम.एससी. (नर्सिंग) में न्यूनतम 55% अंकों के साथ उत्तीर्णता। इसके साथ-साथ अभ्यर्थी को किसी राज्य के नर्सिंग पंजीकरण परिषद के साथ पंजीकृत होना चाहिए। | 07.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |

** यदि कोई रिक्ति आती है, तो एससी / एसटी वर्ग के लिए लागू नहीं होने वाली सीटों की भर्ती हेतु परिवर्तन किया जा सकता है।*

| ● **नर्सिंग महाविद्यालय, पांडिच्चेरी चिकित्सा विज्ञान-संस्थान, पुदुच्चेरी**<br>*(आरक्षण अल्पसंख्यक संस्थान के लिए लागू है, प्रवेश अखिल भारतीय आधार पर हैं।)* | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 173 | नर्सिंग | 4 | किसी भी विशेषज्ञता के साथ एम.एससी. (नर्सिंग) में न्यूनतम 55% अंकों के साथ उत्तीर्णता। इसके साथ-साथ अभ्यर्थी को किसी राज्य के नर्सिंग पंजीकरण परिषद के साथ पंजीकृत होना चाहिए। | 07.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |

| ● **एकोल- फ्रांकेस-डी एक्सट्रीम- ओरिएंट, पुदुच्चेरी** | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 123 | संस्कृत | - | संस्कृत में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर अथवा आचार्य डिग्री | - |

कृपया ध्यान दें :

1) पीएचडी विषयों (जैसे रसायन विज्ञान, भौतिकी, आदि) के संबंध में जो विश्वविद्यालय के विभागों और संबद्ध संस्थान (नों) में प्रदान किए जाते हैं, उम्मीदवारों को एक सामान्य प्रवेश परीक्षा के लिए उपस्थित होना चाहिए। चयन एक सामान्य योग्यता सूची के आधार पर होगा। पात्रता और आवासीय शर्तों को पूरा करने के अधीन, उम्मीदवारों के पास योग्यता सूची में उनकी स्थिति और आवेदन में उनकी पसंद के अनुसार विश्वविद्यालय के विभाग या संबद्ध संस्थान में भर्ती होने का विकल्प रहेगा।
2) पीएचडी कार्यक्रमों के लिए उद्दिष्ट शोध-छात्र संख्या, पर्यवेक्षकों के साथ रिक्तियों की उपलब्धता के आधार पर परिवर्तन के अधीन हैं।
3) विश्वविद्यालय के साथ संबद्ध महाविद्यालयों के पीएचडी कार्यक्रमों के संबंध में, ध्यान दें कि विश्वविद्यालय द्वारा केवल प्रवेश-परीक्षा आयोजित की जाती है। इसके अलावा, चयन प्रक्रिया से संबंधित सभी कार्रवाई महाविद्यालय/ संस्थान द्वारा की जाएगी। उक्त पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश इस शर्त के अधीन है कि महाविद्यालय/ संस्थान को विश्वविद्यालय की मंजूरी हो अर्थात् शैक्षणिक वर्ष 2019-20 के लिए पीएचडी कार्यक्रमों का संचालन करने के लिए संबद्धता / मान्यता जारी है।

## स्नातकोत्तर कार्यक्रम

| पाठ्यक्रम का कोड | स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का शीर्षक और विषय | | प्रवेश-संख्या | प्रवेश के लिए पात्रता-मानदण्ड | प्रवेश परीक्षा का दिनांक और समय |
|---|---|---|---|---|---|
| 349 | एम.ए. | नृविज्ञान | 41 | किसी भी विषय में न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक डिग्री | 09.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 350 | एम.ए. | अर्थ-शास्त्र | 70 | अर्थ शास्त्र (क्वांटिटेटिव टेक्निक्स/सांख्यिकी)/ गणित/ सांख्यिकी/ संचालन अनुसंधान/ कोऑपरेशन एंड बैंकिंग में न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक डिग्री | 08.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |
| 356 | एम.ए. | अंग्रेज़ी & तुलनात्मक साहित्य | 113 | अंग्रेज़ी में भाग-III में न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक डिग्री अथवा भाग-I/ भाग-II के अंतर्गत अंग्रेज़ी में उच्च द्वितीय श्रेणी | 09.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |
| 357 | एम.ए. | फ्रांसीसी अनुवाद एवं व्याख्या | 68 | फ्रांसीसी भाषा में न्यूनतम 50% के साथ स्नातक डिग्री (या) दो वर्षों के लिए भाग-1 में फ्रांसीसी भाषा में 55% अंकों के साथ कोई भी स्नातक-डिग्री और भाग- III में मुख्य विषयों के कुल मिलाकर 50% (या) किसी विश्वविद्यालय में 3 साल के फ्रेंच (सर्टिफिकेट से लेकर एडवांस डिप्लोमा तक) या मान्यता प्राप्त संस्थान (या) सी.आई.ई.पी., पैरिस के DELF B1 के साथ भाग- III में मुख्य विषयों में 50% के कुल अंकों के साथ कोई भी स्नातक डिग्री। | 07.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |
| 409 | एम.ए. | महिला-अध्ययन | 20 | किसी भी विषय में न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक डिग्री | 08.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |
| 358 | एम.ए. | हिन्दी | 29 | हिंदी में न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक डिग्री या हिंदी एक विषय के रूप में भाग-1 या 2 के अंतर्गत किसी भी विषय में स्नातक डिग्री अथवा **भारत सरकार** द्वारा मान्यता प्राप्त स्वैच्छिक हिंदी संगठनों द्वारा प्रदान की गई किसी भी मान्यता प्राप्त डिग्री | 07.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 359 | एम.ए. | इतिहास | 52 | 50% न्यूनतम अंकों के साथ इतिहास में स्नातक की डिग्री या एक मुख्य या सहायक पेपर के रूप में इतिहास में न्यूनतम 50% अंकों के साथ बी.ए. सामाजिक विज्ञान (राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र और समाजशास्त्र) | 09.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |
| 408 | एम.ए. | मानव अधिकार एवं समावेश नीति | 20 | किसी भी विषय में न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक डिग्री | 08.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |
| 386 | एम.ए. | जन संचार | 52 | किसी भी विषय में न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक डिग्री | 08.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |
| 361 | एम.ए. | दर्शन | 35 | किसी भी विषय में न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक डिग्री | 07.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |
| 362 | एम.ए. | सिद्धांत एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध | 52 | सामाजिक विज्ञान अथवा किसी संबंधित विषय में न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक डिग्री | 08.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 399 | एम.ए. | राजनीति शास्त्र | 45 | राजनीति शास्त्र अथवा किसी भी संबंधित विषय में न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक डिग्री | 09.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |
| 363 | एम.ए. | संस्कृत | 17 | न्यूनतम 50% अंकों के साथ संस्कृत में स्नातक की डिग्री या भाग-I या भाग- II के अंतर्गत/ सामान्य / वैकल्पिक विषय के रूप में संस्कृत सहित स्नातक की डिग्री या शास्त्री/शिरोमणि/ विद्या प्रवीण आदि पारंपरिक उपाधियाँ | 07.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |
| 364 | एम.ए. | समाज शास्त्र | 45 | किसी भी विषय में न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक डिग्री | 07.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 385 | एम.ए. | दक्षिण एशियाई अध्ययन | 45 | किसी भी विषय में न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक डिग्री | 07.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |
| 366 | एम.ए. | तमिल | 68 | न्यूनतम 50% अंकों के साथ तमिल/बी.ए. साहित्य में स्नातक की डिग्री या भाग-I के अंतर्गत तमिल में 50% के न्यूनतम अंकों के साथ (तमिल के अतिरिक्त) कोई स्नातक डिग्री | 07.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |
| 367 | एम.एस सी | अनुप्रयुक्त भूविज्ञान | 23 | भूविज्ञान एक मुख्य विषय के रूप में और - गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, जैव विज्ञान- इनमें से किन्हीं दो सहायक विषयों के रूप में न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक डिग्री | 08.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |
| 388 | एम.एस सी | अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान | 59 | न्यूनतम 50% अंकों के साथ मनोविज्ञान में बी.ए./ बी.एससी. (ऑनर्स) तीन वर्ष का कोर्स अथवा तीन वर्षों में मनोविज्ञान एक विषय के रूप में न्यूनतम 50% अंकों के साथ किसी भी विषय में स्नातक डिग्री | 09.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |
| 368 | एम.एस सी | जैव रसायन विज्ञान & आण्विक जैव विज्ञान | 59 | न्यूनतम 50% अंकों के साथ जैव रसायन विज्ञान/ बी.एससी. (एम.एल.टी.)/ रसायन विज्ञान/ जैव प्रौद्योगिकी/ प्राणि विज्ञान/ सूक्ष्म जैविकी/ जैव विज्ञान या अन्य किसी संबंधित क्षेत्र में स्नातक डिग्री | 08.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 378 | एम.एस सी | जैव सूचना विज्ञान | 45 | न्यूनतम 50% अंकों के साथ भौतिकी/ रसायन विज्ञान/कंप्यूटर विज्ञान/ जैव विज्ञान से किसी संबंधित क्षेत्र में स्नातक डिग्री | 07.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 303 | एम.एस सी | जैव प्रौद्योगिकी | 25 (23*+2**) | न्यूनतम 50% अंकों के साथ कृषि विज्ञान/जैव रसायन विज्ञान/ जैव प्रौद्योगिकी/ वनस्पति विज्ञान/ सूक्ष्म जैविकी/ पशु चिकित्सा विज्ञान/ प्राणि विज्ञान या अन्य किसी संबंधित क्षेत्र में स्नातक डिग्री | - |
| 369 | एम.एस सी | रसायन विज्ञान | 52 | भाग-III में न्यूनतम 55% अंकों के साथ रसायन विज्ञान में स्नातक डिग्री। अभ्यर्थी को +2 स्तर पर गणित अध्ययन करना आवश्यक है। | 09.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |

* 23 छात्रों को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली द्वारा आयोजित अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश दिया जाता है।

** 2 छात्रों को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली द्वारा आयोजित अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा में योग्यता के आधार पर पुदुच्चेरी डोमिसाइल कोटा के तहत प्रवेश दिया जाता है।

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 370 | एम.एस सी | कंप्यूटर विज्ञान | 68 (पुदुच्चेरी) 29 (कारैकाल) | न्यूनतम 55% अंकों के साथ कंप्यूटर विज्ञान/ अप्लिकेशन्स/ सूचना प्रौद्योगिकी या किसी संबंधित क्षेत्र में स्नातक डिग्री | 08.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 379 | एम.एस सी | आपदा प्रबंधन (पोर्ट ब्लेयर में)# | 35 | न्यूनतम 55% अंकों के साथ विज्ञान के किसी अनुशासन में/ बी.ए. भूगोल शास्त्र/ बी.ई. सिविल इंजीनियरिंग/ इलैक्ट्रिकल & इलैक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्री | 08.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 371 | एम.एस सी | पारिस्थितिकी & पर्यावरण विज्ञान | 65 | न्यूनतम 55% अंकों के साथ विज्ञान, कला, मानविकी, प्रौद्योगिकी आदि किसी भी अनुशासन में स्नातक डिग्री। गणित एवं विज्ञान के विषयों में एच.एस.सी. स्तर पर कार्यात्मक जानकारी का होना आवश्यक है। | 09.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |

# छात्रों की सुविधा के लिए पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में एम.एससी. आपदा प्रबंधन के लिए प्रवेश प्रक्रिया आयोजित की जाएगी।

| पाठ्यक्रम का कोड | स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का शीर्षक और विषय | | प्रवेश-संख्या | प्रवेश के लिए पात्रता-मानदण्ड | प्रवेश परीक्षा का दिनांक और समय |
|---|---|---|---|---|---|
| 387 | एम.एससी | इलैक्ट्रानिक मीडिया | 52 | इलैक्ट्रानिक मीडिया/ पत्रकारिता/ विजुवल कम्यूनिकेशन/ विजुवल आर्ट्स/ प्रदर्शन कलाएँ/ विज्ञान अथवा किसी भी अनुशासन में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातक डिग्री और कंप्यूटर अप्लिकेशन्स में एक वर्ष का डिप्लोमा कोर्स | 07.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |
| 389 | एम.एससी | खाद्य विज्ञान एवं पोषण | 45 | खाद्य और पोषण / खाद्य प्रौद्योगिकी / खाद्य विज्ञान / क्लिनिकल न्यूट्रीशन एंड डायटिक्स ऑफ कांपोजिट/ सामान्य गृह विज्ञान / जैव रसायन विज्ञान / जैव प्रौद्योगिकी / सूक्ष्म जैविकी / रसायन विज्ञान / कृषि / डेयरी /मत्स्य पालन में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातक डिग्री अथवान्यूनतम 55% अंकों के साथ बीएएमएस | 07.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |
| 396 | एम.एससी | खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी | 20 | कृषि / कृषि इंजीनियरिंग / खाद्य प्रौद्योगिकी / गृह विज्ञान / खाद्य विज्ञान और पोषण/ खाद्य विज्ञान और गुणवत्ता नियंत्रण / क्लिनिकल न्यूट्रिशन / जैव रसायन विज्ञान / जैव प्रौद्योगिकी/ सूक्ष्म जैविकी में बी.एससी/ बी.टेक. +1/+2/पी.यू.सी. स्तर पर गणित अनिवार्य है (खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी/खाद्य प्रौद्योगिकी में बी.एससी/ बी.टेक के छात्रों के लिए छूट है।) | 09.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |
| 373 | एम.एससी | समुद्री जैव विज्ञान (पोर्ट ब्लेयर में)# | 59 | न्यूनतम 55% अंकों के साथ वनस्पति विज्ञान/ जैव रसायन विज्ञान/ जैव प्रौद्योगिकी/ मत्स्यपालन और कृषि/ सूक्ष्म जैविकी में स्नातक डिग्री | 09.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |

# पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में समुद्री जैव विज्ञान में एम.एससी. के लिए प्रवेश- प्रक्रिया होगी और छात्रों को अध्ययन-अवधि के दौरान पाठ्यक्रम कार्य के लिए पोर्ट ब्लेयर में भेजा जाएगा।

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 372 | एम.एससी | गणित | 72 | न्यूनतम 55% अंकों के साथ गणित में स्नातक डिग्री | 08.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |
| 308 | एम.एससी | सूक्ष्म जैविकी | 29 | न्यूनतम 55% अंकों के साथ सूक्ष्म जैविकी/ जैव प्रौद्योगिकी/ वनस्पति विज्ञान/ जैव रसायन विज्ञान/ बी.एससी. एम.एल.टी./ प्राणि विज्ञान/ अथवा अन्य किसी जैव विज्ञान के विषय में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातक डिग्री | 08.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |
| 374 | एम.एससी | भौतिकी | 62 | न्यूनतम 55% अंकों के साथ गणित और रसायन विज्ञान सहायक विषयों के साथ भौतिकी में स्नातक डिग्री | 08.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 314 | एम.एससी | क्वांटिटेटिव फाइनेंस | 34 | अभ्यर्थी जिसने निम्नलिखित या समकक्ष में से किसी एक में 55% या उससे अधिक अंक प्राप्त किये हों- आवेदन करने के लिए पात्र है :- बी. एससी. (गणित), बी.एससी. (सांख्यिकी), बी.कॉम/बी.बी.ए./बी.बी.एम. (गणित के साथ), बी.ए./ गणित के साथ बी.एससी. (अर्थशास्त्र/ अर्थमिति)/ इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री (कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग / सूचना प्रौद्योगिकी) या कंप्यूटर विज्ञान / कंप्यूटर अनुप्रयोगों में सूचान प्रौद्योगिकी स्नातक की डिग्री | 07.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |
| 375 | एम.एससी | सांख्यिकी | 68 | न्यूनतम 55% अंकों के साथ गणितीय सांख्यिकी एक सहायक विषय के रूप में सांख्यिकी अथवा गणित, स्नातक डिग्री | 09.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 376 | एम.टेक. | कंप्यूटर विज्ञान & इंजीनियरिंग | 27 | बी.टेक. / बी.ई. कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग/ सूचना प्रौद्योगिकी या एम.एससी. कंप्यूटर विज्ञान / सूचना प्रौद्योगिकी / सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग या कंप्यूटर विज्ञान / कंप्यूटर अनुप्रयोग / सूचना प्रौद्योगिकी या समकक्ष गणित / सांख्यिकी / भौतिकी / इलेक्ट्रॉनिक्स / अनुप्रयुक्त विज्ञान में स्नातक की डिग्री सहित न्यूनतम 55% अंकों के साथ एमसीए | 07.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |
| 310 | एम.टेक. | कंप्यूटेशनल बॉयोलोजी** | 36 (18 प्रति विश्व-विद्यालय) | 1) पांडिचेरी विश्वविद्यालय के लिए जैव सूचना विज्ञान / भौतिकी / रसायन विज्ञान / गणित / सांख्यिकी / कंप्यूटर विज्ञान / जैव प्रौद्योगिकी / जैव रसायन विज्ञान / सूक्ष्म जैविकी/पादप जैवविज्ञान / वनस्पति विज्ञान/ प्राणी-जैव विज्ञान के किसी भी संबंधित क्षेत्र में 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री<br>2) अन्ना विश्वविद्यालय और पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय दोनों के लिए- न्यूनतम 55% अंकों के साथ औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, फार्मास्युटिकल प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, केमिकल इंजीनियरिंग, लेदर, बायोइन्जिनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, सूचना विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, | 09.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |

** अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नै के सहयोग से नेटवर्क शिक्षण कार्यक्रम। अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नै में प्रवेश भी पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा पर आधारित होगा।

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग में बी.टेक/ बी.ई. डिग्री | |
| 304 | एम.टेक | इलैक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग | 34 | न्यूनतम 55% अंकों के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स/ इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेली कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग में बी.टेक/ बी.ई. डिग्री | 07.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |
| 393 | एम.टेक | पर्यावरणीय इंजीनियरिंग & प्रबंधन | 27 | न्यूनतम 55% अंकों के साथ बी.ई./बी.टेक डिग्री अथवा भौतिकी/ रसायन विज्ञान/ गणित/ जैव विज्ञान/ पर्यावरणीय विज्ञान में न्यूनतम 55% अंकों के साथ एम.एससी. गणित +2 स्तर पर एक विषय होना आवश्यक है। | 09.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |
| 306 | एम.टेक | एक्सप्लोरेशन जीयो साइंस | 9 | न्यूनतम 55% अंकों के साथ भूविज्ञान/ अनुप्रयुक्त भूविज्ञान/ समुद्री भूविज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री | 07.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |
| 307 | एम.टेक | हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी | 29*+8#(#एस. ए.एफ द्वारा प्रायोजित ) | मैकेनिकल, इलैक्ट्रानिक्स, इलैक्ट्रिकल, केमिकल इंजीनियरिंग अथवा जैव प्रौद्योगिकी में बी.ई./बी.टेक या भौतिकी, रसायन विज्ञान, पदार्थ विज्ञान, नैनो विज्ञान, कांति विज्ञान में बी.एससी. में गणित एक विषय के रूप में और अर्हता-परीक्षा में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री | 08.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |
| 305 | एम.टेक | नैनो विज्ञान & प्रौद्योगिकी | 29 | नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी/ पॉलिमर विज्ञान और इंजीनियरिंग / इलेक्ट्रिकल / इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स / इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्यूनिकेशन्स/ इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रूमेंटेशन / रासायनिक प्रौद्योगिकी / पदार्थ विज्ञान और इंजीनियरिंग / मैकेनिकल इंजीनियरिंग / धातु इंजीनियरिंग/ जैव प्रौद्योगिकी न्यूनतम 55% अंकों के साथ बी.ई. / बी / टेक। (या) भौतिकी / रसायन विज्ञान / अनुप्रयुक्त भौतिकी / अनुप्रयुक्त रसायन विज्ञान / इलेक्ट्रॉनिक्स / पदार्थ विज्ञान / नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी / जैव प्रौद्योगिकी / जैव रसायन में न्यूनतम 55% अंकों के साथ एम.एससी. | 07.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 394 | एम.टेक | नेटवर्क & सूचना सुरक्षा | 27 | कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में / सूचना प्रौद्योगिकी / इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग / इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग / इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग में बी.टेक/ बी.ई. **या** कंप्यूटर विज्ञान / सूचना प्रौद्योगिकी / सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में एम.एससी **या** स्नातक डिग्री में कंप्यूटर विज्ञान / कंप्यूटर अनुप्रयोग / सूचना प्रौद्योगिकी या समकक्ष/ गणित / सांख्यिकी / भौतिकी / इलेक्ट्रॉनिक्स / अनुप्रयुक्त विज्ञान - इनमें में प्रत्येक डिग्री में न्यूनतम 55% अंकों के साथ एम.सी.ए.। | 07.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |

* प्रवेश-प्राप्त छात्रों में, गेट योग्यता के छात्रों के लिए 15 एम.एन.आर.ई.-एन.आर.ई.एफ. छात्रवृत्ति उपलब्ध है।

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 381 | एम.बी.ए. | बैंकिंग प्रौद्योगिकी | 81 | अ) इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी(कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग/सूचना-प्रौद्योगिकी) में स्नातक-डिग्री या कंप्यूटर विज्ञान /सूचना प्रौद्योगिकी में स्नातक -डिग्री या कंप्यूटर अप्लिकेशन्स, ई.सी.ई. में बी.ई.<br>आ) इलेक्ट्रिकल & इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रूमेंटेशन/ इंस्ट्रूमेंटेशन और कंट्रोल इंजीनियरिंग/ में बी.ई. डिग्री (या)<br>इ) बी.कॉम। (कंप्यूटर अनुप्रयोग) (या)<br>ई) पी.जी.डी.सी.ए. (मात्र मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों से) के साथ न्यूनतम 55% अंक सहित कोई भी अन्य स्नातक डिग्री/डिप्लोमा<br>सूचना : अभ्यर्थी जिन्होंने निम्नलिखित विषयों में स्नातक डिग्री प्राप्त हों –<br>बी.ई./ बी.टेक इंस्ट्रुमेंटेशन एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग (आई.सी.ई.)<br>बी.कॉम (कंप्यूटर अप्लिकेशन सहित)<br>पी.जी.डी.सी.ए. सहित जिन्होंने निम्नलिखित विषयों को लेकर स्नातक डिग्री प्राप्त की हो : क) कंप्यूटर प्रोग्रामिंग ख) डाटा बेस प्रबंधन ग) कंप्यूटर नेटवर्क घ) इन्फर्मेशन सिस्टम्स/ सिस्टम अनालिसिस/ सॉफ्ट वेयर इंजीनियरिंग | 08.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |
| 397 | एम.बी.ए. | व्यापार-प्रबंधन | 153 (133 सी.ए.टी. स्कोर के आधार पर + 2अंडमान & निकोबार द्वीप+18 विदेशी एवं प्रवासी भारतीयों के लिए) | न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक डिग्री। सी.ए.टी. स्कोर, समूह चर्चा एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा। | 2018 सी.ए.टी. स्कोर के आधार पर |
| 395 | एम.बी.ए. | बीमा प्रबंधन (कारैकाल) | 45 | न्यूनतम 50% अंकों के साथ किसी विषय में स्नातक डिग्री। | 08.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |
| 382 | एम.बी.ए. | अंतर्राष्ट्रीय व्यापार | 81 | न्यूनतम 50% अंकों के साथ किसी विषय में स्नातक डिग्री। | 2018 सी.ए.टी. स्कोर के आधार पर |
| 383 | एम.बी.ए. | पर्यटन & यात्रा प्रबंधन | 80 | न्यूनतम 50% अंकों के साथ किसी विषय में स्नातक डिग्री। | 08.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |
| 351 | एम.कॉम | व्यापार वित्त | 81 (पुदुच्चेरी) 45 (कारैकाल) | न्यूनतम 50% अंकों के साथ वाणिज्य/ विदेशी व्यवसाय/ कार्पोरेट सेक्रटरीशिप/ बी.बी.ए./ बी.सी.एम./ बी.ए. को-ऑप./ बी.कॉम (एड.)/ बी.कॉम (वोकेशनल) की स्नातक डिग्री | 09.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |

<table>
<tr><td>311</td><td>एम.कॉम</td><td>एकाउंटिंग एंड टैक्सेशन</td><td>68</td><td>न्यूनतम 50% अंकों के साथ वाणिज्य अथवा किसी अन्य विषय में स्नातक स्तर पर एकाउंटिंग के साथ स्नातक डिग्री</td><td>08.06.2019<br>शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक</td></tr>
<tr><td>392</td><td>एम.एड.</td><td>मास्टर ऑफ एजुकेशन</td><td>56</td><td>किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ बी.एड./ चार वर्ष का एकीकृत बी.ए.बी.एड./ बी.एससी. बी.एड./ बी.कॉम. बी.एड.</td><td>07.06.2019<br>शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक</td></tr>
<tr><td>352</td><td>एम.सी.ए.</td><td>कंप्यूटर एप्लिकेशन्स</td><td>68<br>(पुदुच्चेरी)<br>45<br>(कारैकाल)</td><td>न्यूनतम 50% अंकों के साथ कंप्यूटर एप्लिकेशन्स/ कंप्यूटर विज्ञान/ सूचना प्रौद्योगिकी में स्नातक डिग्री अथवा वाणिज्य/ कार्पोरेट सेक्रटरीशिप/ अर्थ शास्त्र/ व्यापार प्रबंधन/ गणित/ व्यापार गणित/ सांख्यिकी में कंप्यूटर एप्लिकेशन्स एक विषय के रूप में स्नातक डिग्री या न्यूनतम 55% अंकों के साथ विज्ञान में गणित/ सांख्यिकी एक विषय के रूप में स्नातक डिग्री</td><td>09.06.2019<br>मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक</td></tr>
<tr><td>390</td><td>एम.लिब. आई.एस</td><td>मास्टर ऑफ लाइब्रेरी एंड इन्फर्मेशन साइंस</td><td>39</td><td>न्यूनतम 50% अंकों के साथ किसी भी विषय में स्नातक डिग्री</td><td>07.06.2019<br>शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक</td></tr>
<tr><td>354</td><td>एम.पी.ए.</td><td>मास्टर ऑफ पेर्फार्मिंग आर्ट्स</td><td>35</td><td>न्यूनतम 50% अंकों के साथ किसी भी विषय में स्नातक डिग्री</td><td>07.06.2019<br>मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक</td></tr>
<tr><td>377</td><td>एम.पी.एड.</td><td>फिजिकल एजुकेशन</td><td>45</td><td>न्यूनतम 50% अंकों के साथ फिजिकल एजुकेशन (बी.पी.एड.) या तत्समान विषय में स्नातक डिग्री या न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्वास्थ्य एवं फिजिकल एजुकेशन में बी.एससी.में स्नातक डिग्री<br>प्रवेश – प्रक्रिया<br>प्रतिभा एवं प्रवेश-परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर तथा निम्नलिखित शारीरिक क्षमता & खेल-प्रतिभा परीक्षा के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा :
<table>
<tr><td>क) पुरुष</td><td>महिला</td></tr>
<tr><td>100 मीटर शॉट-पुट (16 पाउंड)<br>12 मिनट दौडना/ पैदल चलना</td><td>100 मीटर शॉट-पुट (8 पाउंड)<br>8 मिनट दौ ना/ पैदल चलना</td></tr>
</table>
ख) निम्न लिखित खेलों में से किसी एक में खेल-प्रतिभा परीक्षा होगी:<br>बैडमिंटन, बास्केट बाल, क्रिकेट, फुटबाल, हैंडबाल, हॉकी, कबड्डी,खो-खो, टेन्निस और वॉली बाल (क और ख) अधिकतम अंक : 50 प्रवेश-परीक्षा की लिखित परीक्षा : 50 अंक (वस्तुनिष्ठ प्रश्न) (जिन अभ्यर्थियों ने प्रवेश-परीक्षा लिखी, वे ही शारीरिक क्षमता की परीक्षा के लिए योग्य होंगे।</td><td>09.06.2019<br>शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक शारीरिक क्षमता की परीक्षा 19 और 20 जून 2019 को पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के तिरुवल्लुवर मैदान में सुबह 7.30 बजे से आयोजित की जायेगी।</td></tr>
</table>

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 391 | एम.एस. डब्ल्यू | मास्टर ऑफ सोशल वर्क | 59 | न्यूनतम 50% अंकों के साथ किसी भी विषय में स्नातक डिग्री | 09.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |
| 312 | एल.एल. एम. | | 23 | एलएल.बी. डिग्री या इसके समकक्ष 50% से कम अंकों के साथ (अ.जा. / अ.ज.जा. के मामले में 45%) कुल 3 साल / 5 साल के बीएल / एलएलबी डिग्री कोर्स में | 09.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |

**● +2 छात्रों के लिए भौतिकी, रासायनिकी और अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ में पाँच वर्ष का एकीकृत एम.एससी. कार्यक्रम**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 380 | एम.एस सी. | अनुप्रयुक्त भूविज्ञान | 35 | गणित-भौतिकी और रसायन विज्ञान के विषयों से न्यूनतम 50% अंकों के साथ +2 में उत्तीर्ण होना चाहिए। | 07.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |
| | एम.एस सी. | रसायन विज्ञान | 35 | | |
| | एम.एस सी. | भौतिकी | 35 | | |

**● +2 छात्रों के लिए सामाजिक विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विद्यापीठ में पाँच वर्ष का एकीकृत एम.ए. कार्यक्रम**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 315 | एम.ए. | इतिहास | 23 | न्यूनतम 50% अंकों के साथ +2 में उत्तीर्ण होना चाहिए। | 07.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |
| | एम.ए. | राजनीति विज्ञान | 23 | | |
| | एम.ए. | समाज शास्त्र | 23 | | |

**● +2 छात्रों के लिए रामानुजम् गणितीय विज्ञान विद्यापीठ में पाँच वर्ष का एकीकृत एम.एससी. कार्यक्रम**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 384 | एम.एस सी. | गणित | 23 | +2 स्तर पर गणित, भौतिकी और रसायन विज्ञान विषय लेकर न्यूनतम 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए। (+2 में अन्य विषय पढकर आये विद्यार्थी इसमें अर्ह नहीं हैं। | 07.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| | एम.एस सी | कंप्यूटर विज्ञान | 23 | | |
| | एम.एस सी | सांख्यिकी | 23 | | |
| | | | | | |

## स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम हेतु निम्नसूचित शैक्षिक अर्हताओं से युक्त अभ्यर्थी जिन्होंने 10+2+3 अध्ययन-क्रम में पढ़ाई की है, आवेदन करने के लिए योग्य हैं।

| कोर्स का कोड़ | पाठ्यक्रम | प्रवेशों की संख्या | प्रवेश के लिए आवश्यक योग्यताएँ | प्रवेश परीक्षा की तिथि और समय |
|---|---|---|---|---|
| 483 | हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी | 17 | अर्हता-परीक्षा में कम से कम 55% अंकों के साथ मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, केमिकल या जैव प्रौद्योगिकी में बी.ई./बी.टेक या बी.एससी. स्तर पर रसायन विज्ञान और गणित के साथ भौतिकी, रसायन विज्ञान, पदार्थ विज्ञान, नैनो विज्ञान अथवा कांति विज्ञान में एम.एससी. | 08.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |
| 484 | अपराध विज्ञान और फोरेंसिक विज्ञान | 17 + 5 प्रायोजित | न्यूनतम 55% अंकों के साथ किसी भी विषय में स्नातक डिग्री | 07.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |
| 485 | बौद्धिक संपदा अधिकार | 17 + 5 प्रायोजित | न्यूनतम 50% अंकों के साथ किसी भी विषय में स्नातक डिग्री | 08.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 486 | फोरेंसिक नृविज्ञान | 15 | न्यूनतम 55% अंकों के साथ किसी विषय या किसी पाठ्यक्रम में स्नातक डिग्री प्राप्त अभ्यर्थी | 09.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |

### • स्व-वित्त पोषित स्नातकोत्तर कार्यक्रम

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 405 | एम.एससी. | जीनोमिक विज्ञान | 15 | न्यूनतम 55% अंकों के साथ सूक्ष्म जैविकी/ जैव प्रौद्योगिकी/ जैव रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान/ प्राणि विज्ञान/ जेनेटिक्स/ जैव सूचना विज्ञान आदि (समकक्ष) किसी जैव विज्ञान की किसी शाखा में स्नातक डिग्री अथवा कृषि/ जैव चिकित्सा विज्ञान विषयों में स्नातक डिग्री | 09.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 406 | एम.एससी. | नैनो विज्ञान & प्रौद्योगिकी | 40 | न्यूनतम 55% अंकों के साथ बी.एससी. भौतिकी/ रसायन विज्ञान/ अनुप्रयुक्त भौतिकी, अनुप्रयुक्त रसायन विज्ञान/ औद्योगिक रसायन विज्ञान/ नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी/ पॉलिमर रसायन विज्ञान या जैव प्रौद्योगिकी/ जैव रसायन विज्ञान/ जैव विज्ञान(वनस्पति विज्ञान/ प्राणि विज्ञान) | 08.06.2019 मध्याह्न 12.30 बजे से 02.30 बजे तक |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 410 | एम.टेक | कम्यूनिकेशन & इन्फर्मेशन सिस्टम्स | 21 | न्यूनतम 55% अंकों के साथ इलैक्ट्रानिक्स/ इलैक्ट्रानिक्स & कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग/ सूचना प्रौद्योगिकी/ इलैक्ट्रानिक्स एंड टेली कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग में बी.ई./बी.टेक डिग्री | 09.06.2019 शाम 04.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक |
| 401 | एम.बी.ए. | बिजिनेस अनलिटिक्स | 30 | न्यूनतम 50% अंकों के साथ बी.कॉम/बी.बी.ए./बी.सी.ए./बी.एससी. (गणित/सांख्यिकी/कंप्यूटर विज्ञान)/अथवा बी.ई./बी.टेक डिग्री<br>प्रवेश सी.ए.टी. स्कोर सहित समूह चर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार के आधार पर होंगे। | सी.ए.टी. 2018 स्कोर के आधार पर |
| 404 | एम.बी.ए. | अंशकालीन | 40 | न्यूनतम 50% अंकों के साथ किसी भी विषय में स्नातक डिग्री और दो वर्ष के कार्यानुभव सहित संप्रति किसी संस्था में कार्यरत होना आवश्यक है।<br>***पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय केंद्र में आयोजित प्रवेश-परीक्षा के आधार पर ही भर्ती होगी।***<br>एम.बी.ए. अंशकालीन कार्यक्रम के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को 22 और 23 जून को डी.एम.एस. में आयोजित समूह चर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना चाहिए। | 08.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |
| 303 | एम.एस सी. | जैव प्रौद्योगिकी[1] | 20 | न्यूनतम 55% अंकों के साथ कृषि/ जैव रसायन विज्ञान/ जैव प्रौद्योगिकी/ वनस्पति विज्ञान/ सूक्ष्म जैविकी/ पशु चिकित्सा विज्ञान/ प्राणि विज्ञान अथवा किसी संबंधित क्षेत्रों में स्नातक डिग्री | 07.06.2019 सुबह 09.00 बजे से पूर्वाह्न 11.00 तक |

[1] 20 छात्रों को पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश-परीक्षा में योग्यता के आधार पर स्व-वित्तपोषण (रू.1,00,000 / - प्रति वर्ष) के तहत प्रवेश दिया जाता है।

## शुल्क

1. निम्नलिखित शुल्क केवल विश्वविद्यालय में प्रवेश प्राप्त छात्रों के लिए ही लागू होंगे।
2. विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में पीएच.डी. हेतु प्रवेश लिए छात्रों के लिए उस संस्था द्वारा निर्णय किया हुआ शुल्क लागू होगा।

| **शुल्क तालिका: 1 – पीएच.डी. पाठ्यक्रम (पूर्णकालिक तथा अंशकालिक आन्तरिक)** | | | | | | **रूपयों में** |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **क्रम. सं** | **विषय** | **वर्ष** | | | | **बैंक खाता संख्या** |
| | | | I | II | III* | |
| 1. | शोध शुल्क प्रति वर्ष | मानविकी | 5000 | 5000 | 5000 | प्रथम वर्ष के लिए 6018625294<br>आगामी वर्षों के लिए 6659344508 |
| | | विज्ञान | 7000 | 7000 | 7000 | |
| | विदेशियों के लिए (प्रति वर्ष) एस.ए.ए.आर.सी./ विकासशील देश | मानविकी | US $ 500 | US $ 500 | US $ 500 | |
| | | विज्ञान | US $ 1000 | US $ 1000 | US $ 1000 | |
| | विकसित देश तथा अप्रवासी भारतीय | मानविकी | US $ 1500 | US $ 1500 | US $ 1500 | |
| | | विज्ञान | US $ 2500 | US $ 2500 | US $ 2500 | |
| 2. | पंजीकरण शुल्क | | 1000 | | | |
| 3. | प्रवेश शुल्क | | 500 | | | |
| 4. | मान्यता शुल्क | | 500 | | | |
| 5. | खेलकूद निधि | | 500 | 500 | 500 | प्रथम वर्ष के लिए 6018625806<br>आगामी वर्षों के लिए 6659345681 |
| 6. | स्वास्थ्य परीक्षा / सुविधा निधि | | 500 | 500 | 500 | |
| 7. | पुस्तकालय निधि | | 2000 | 2000 | 2000 | |
| 8. | उन्नत प्रयोगशाला सुविधा निधि (विज्ञान विभागों के लिए गणित, सांख्यिकी,अप्लाइड मनोविज्ञान, पुस्तकालय विज्ञान के अतिरिक्त) | | 10000 | 10000 | 10000 | |
| 9. | सुविधा विकास निधि | | 6000 | | | |
| 10. | छात्र कल्याण निधि | | 500 | 500 | 500 | |
| 11. | पूर्व छात्र संघ निधि | | 500 | | | |
| 12. | विज्ञान पाठ्यक्रम | | 2000 | | | |
| | अन्य पाठ्यक्रम | | 1000 | | | |
| 13. | आई.सी.टी. निधि तथा कम्प्यूटर | | 3000 | 3000 | 3000 | |
| 14. | स्वास्थ्य बीमा | | 283 | | | |
| 15. | विश्वविद्यालय विकास निधि | | 2000 | | | 6659355859 |
| | **कुल मानविकी** | | 23283 | 11500 | 11500 | |
| | **कुल विज्ञान** | | 36283 | 23500 | 23500 | |

** यह शुल्क शोध-प्रबंध के जमा होने तक हर वर्ष देना होगा।*

| शुल्क तालिका: 2 – पीएच.डी. पाठ्यक्रम (अंशकालिक बाह्य) | | | | | | रूपयों में |
|---|---|---|---|---|---|---|
| क्रम. सं | विषय | वर्ष | | | | बैंक खाता संख्या |
| | | | I | II | III* | |
| 1. | शोध शुल्क प्रति वर्ष | मानविकी | 5000 | 5000 | 5000 | प्रथम वर्ष के लिए 6018625294<br>आगामी वर्षों के लिए 6659344508 |
| | | विज्ञान | 7000 | 7000 | 7000 | |
| | विदेशियों के लिए (प्रति वर्ष) एस.ए.ए.आर.सी / विकासशील देश | मानविकी | US $ 500 | US $ 500 | US $ 500 | |
| | | विज्ञान | US $ 1000 | US $ 1000 | US $ 1000 | |
| | विकसित देश तथा अप्रवासी भारतीय | मानविकी | US $ 1500 | US $ 1500 | US $ 1500 | |
| | | विज्ञान | US $ 2500 | US $ 2500 | US $ 2500 | |
| 2. | पंजीकरण शुल्क | | 1000 | | | |
| 3. | प्रवेश शुल्क | | 500 | | | |
| 4. | मान्यता शुल्क | | 500 | | | |
| 5. | खेलकूद निधि | | 500 | 500 | 500 | प्रथम वर्ष के लिए 6018625806<br>आगामी वर्षों के लिए 6659345681 |
| 6. | स्वास्थ्य परीक्षा / सुविधा निधि | | 500 | 500 | 500 | |
| 7. | पुस्तकालय निधि | | 2000 | 2000 | 2000 | |
| 8. | उन्नत प्रयोगशाला सुविधा निधि (विज्ञान विभागों के लिए गणित, सांख्यिकी,अप्लाइड मनोविज्ञान, पुस्तकालय विज्ञान के अतिरिक्त) | | 10000 | 10000 | 10000 | |
| 9. | सुविधा विकास निधि | | 6000 | | | |
| 10. | छात्र कल्याण निधि | | 500 | 500 | 500 | |
| 11. | पूर्व छात्र संघ निधि | | 500 | | | |
| 12. | विज्ञान पाठ्यक्रम | | 2000 | | | |
| | अन्य पाठ्यक्रम | | 1000 | | | |
| 13. | आई.सी.टी. निधि तथा कम्प्यूटर | | 3000 | 3000 | 3000 | |
| 14. | विश्वविद्यालय विकास निधि | | 2000 | | | 6659355859 |
| | **कुल मानविकी** | | 23000 | 11500 | 11500 | |
| | **कुल विज्ञान** | | 36000 | 23500 | 23500 | |

** यह शुल्क शोध-प्रबंध के जमा होने तक हर वर्ष देना होगा।*

| शुल्क तालिका: 3 – सभी एम.ए. पाठ्यक्रम (एम.ए. अर्थशास्त्र के अतिरिक्त) | | | | | | रूपयों में |
|---|---|---|---|---|---|---|
| क्रम. सं | विषय | सत्र | | | | बैंक खाता संख्या |
| | | I | II | III | IV | |
| 1. | अध्यापन शुल्क | 1500 | 1500 | 1500 | 1500 | प्रथम सत्र के लिए 6018625294 |
| | विदेशियों के लिए (प्रति वर्ष) एस.ए.ए.आर.सी / विकासशील देश | US $ 350 | US $ 350 | US $ 350 | US $ 350 | |
| | विकसित देश तथा प्रवासी भारतीय | US $ 500 | US $ 500 | US $ 500 | US $ 500 | |
| 2. | पंजीकरण शुल्क | 300 | | | | आगामी सत्रों के लिए 6659344508 |
| 3. | प्रवेश शुल्क | 100 | | | | |
| 4. | मान्यता शुल्क | 400 | | | | |
| 5. | खेलकूद निधि | 500 | | 500 | | प्रथम सत्र के लिए 6018625806 |
| 6. | स्वास्थ्य परीक्षा / सुविधा निधि | 600 | | 600 | | |
| 7. | पुस्तकालय निधि | 1500 | | 1500 | | आगामी सत्रों के लिए 6659345681 |
| 8. | कम्प्यूटर प्रयोगशाला निधि | 2000 | | 2000 | | |
| 9. | सुविधा विकास निधि | 6000 | | | | |
| 10. | छात्र कल्याण निधि | 400 | | 400 | | |
| 11. | पूर्व छात्र संघ निधि | 200 | | | | |
| 12. | सुरक्षा जमा निधि (पुनर्देय) | 1000 | | | | |
| 13. | प्लेसमेंट गतिविधि निधि | 200 | 200 | 200 | 200 | |
| 14. | शिक्षण गतिविधि निधि | 1000 | | 1000 | | |
| 15. | डिजिटल गतिविधि निधि | 2000 | | 2000 | | |
| 16. | स्वास्थ्य बीमा | 135 | | | | |
| 17. | विश्वविद्यालय विकास निधि | 1200 | | | | 6659355859 |
| | **कुल** | 19035 | 1700 | 9700 | 1700 | |

| **शुल्क तालिका: 4 – एम.कॉम, एम.ए. अर्थशास्त्र /एम.पी.एड. /एम.एड. / एम.एल.आई.बी.आई.सी./एम.एस.डब्ल्यू./एम.पी.ए./स्नातकोत्तर डिपलोमा पाठ्यक्रम** | | | | | | **रूपयों में** |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **क्रम. सं** | **विषय** | **सत्र** | | | | **बैंक खाता संख्या** |
| | | I | II | III | IV | |
| | | | | स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए लागू नहीं। | | |
| 1. | अध्यापन शुल्क | 3000 | 3000 | 3000 | 3000 | प्रथम सत्र के लिए 6018625294 |
| | विदेशियों के लिए (प्रति वर्ष) एस.ए.ए.आर.सी / विकासशील देश | US $ 350 | US $ 350 | US $ 350 | US $ 350 | |
| | विकसित देश तथा अप्रवासी भारतीय | US $ 500 | US $ 500 | US $ 500 | US $ 500 | |
| 2. | पंजीकरण शुल्क | 300 | | | | आगामी सत्रों के लिए 6659344508 |
| 3. | प्रवेश शुल्क | 100 | | | | |
| 4. | मान्यता शुल्क | 400 | | | | |
| 5. | खेलकूद निधि | 500 | | 500 | | प्रथम सत्र के लिए 6018625806 |
| 6. | स्वास्थ्य परीक्षा / सुविधा निधि | 600 | | 600 | | |
| 7. | पुस्तकालय निधि | 1500 | | 1500 | | |
| 8. | कम्प्यूटर प्रयोगशाला निधि | 2000 | | 2000 | | आगामी सत्रों के लिए 6659345681 |
| 9. | सुविधा विकास निधि | 6000 | | | | |
| 10. | छात्र कल्याण निधि | 400 | | 400 | | |
| 11. | पूर्व छात्र संघ निधि | 200 | | | | |
| 12. | सुरक्षा जमा निधि (पुनर्देय) | 1000 | | | | |
| 13. | प्लेसमेंट गतिविधि निधि | 200 | 200 | 200 | 200 | |
| 14. | शिक्षण गतिविधि निधि | 1000 | | 1000 | | |
| 15. | डिजिटल गतिविधि निधि | 2000 | | 2000 | | |
| 16. | स्वास्थ्य बीमा | 135 / 71 | | | | |
| 17. | विश्वविद्यालय विकास निधि | 1200 | | | | 6659355859 |
| | **कुल (स्नातकोत्तर डिपलोमा पाठ्यक्रम के अतिरिक्त)** | 20535 | 3200 | 11200 | 3200 | |
| | **कुल स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम मात्र** | 20471 | 3200 | | | |

| शुल्क तालिका: 5 – सभी एम.एससी./एम.टेक पाठ्यक्रम (पाँच वर्षीय एकीकृत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तथा कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा प्रायोजित एम.एससी./एम.टेक पाठ्यक्रम के अतिरिक्त) | | | | | | रूपयों में |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | **विषय** | **सत्र** | | | | **बैंक खाता संख्या** |
| | | I | II | III | IV | |
| 1. | अध्यापन शुल्क | 3000 | 3000 | 3000 | 3000 | प्रथम सत्र के लिए 6018625294 |
| | विदेशियों के लिए (प्रति वर्ष) एस.ए.ए.आर.सी / विकासशील देश | US $ 350 | US $ 350 | US $ 350 | US $ 350 | |
| | विकसित देश तथा अप्रवासी भारतीय | US $ 500 | US $ 500 | US $ 500 | US $ 500 | |
| 2. | पंजीकरण शुल्क | 300 | | | | आगामी सत्रों के लिए 6659344508 |
| 3. | प्रवेश शुल्क | 100 | | | | |
| 4. | मान्यता शुल्क | 400 | | | | |
| 5. | खेलकूद निधि | 500 | | 500 | | प्रथम सत्र के लिए 6018625806 |
| 6. | स्वास्थ्य परीक्षा / सुविधा निधि | 600 | | 600 | | |
| 7. | पुस्तकालय निधि | 1500 | | 1500 | | |
| 8. | कम्प्यूटर प्रयोगशाला निधि | 2000 | | 2000 | | आगामी सत्रों के लिए 6659345681 |
| 9. | सुविधा विकास निधि | 6000 | | | | |
| 10. | छात्र कल्याण निधि | 400 | | 400 | | |
| 11. | पूर्व छात्र संघ निधि | 200 | | | | |
| 12. | सुरक्षा जमा निधि (पुनर्देय) | 1000 | | | | |
| 13. | उन्नत प्रयोगशाला सुविधा निधि | 2500 | | 2500 | | |
| 14. | प्लेसमेंट गतिविधि निधि | 200 | 200 | 200 | 200 | |
| 15. | शिक्षण गतिविधि निधि | 1000 | | 1000 | | |
| 16. | डिजिटल गतिविधि निधि | 2000 | | 2000 | | |
| 17. | स्वास्थ्य बीमा | 135 | | | | |
| 18. | विश्वविद्यालय विकास निधि | 1200 | | | | 6659355859 |
| | **कुल (एम.एससी./एम.टेक)** | 23035 | 3200 | 13700 | 3200 | |

| शुल्क तालिका: 6 – कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा प्रायोजित एम.एससी./एम.टेक पाठ्यक्रम | | | | | | रूपयों में |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | **विषय** | **सत्र** | | | | **बैंक खाता संख्या** |
| | | I | II | III | IV | |
| 1. | अध्यापन शुल्क | 3000 | 3000 | 3000 | 3000 | प्रथम सत्र के लिए 6018625294 |
| | विदेशियों के लिए (प्रति वर्ष) एस.ए.ए.आर.सी / विकासशील देश | US $ 350 | US $ 350 | US $ 350 | US $ 350 | |
| | विकसित देश तथा अप्रवासी भारतीय | US $ 500 | US $ 500 | US $ 500 | US $ 500 | |
| 2. | पंजीकरण शुल्क | 300 | | | | आगामी सत्रों के लिए 6659344508 |
| 3. | प्रवेश शुल्क | 100 | | | | |
| 4. | मान्यता शुल्क | 400 | | | | |
| 5. | खेलकूद निधि | 500 | | 500 | | प्रथम सत्र के लिए 6018625806 |
| 6. | स्वास्थ्य परीक्षा / सुविधा निधि | 600 | | 600 | | |
| 7. | पुस्तकालय निधि | 1500 | | 1500 | | आगामी सत्रों के लिए 6659345681 |
| 8. | कम्प्यूटर प्रयोगशाला निधि | 5000 | | 5000 | | |
| 9. | सुविधा विकास निधि | 6000 | | 6000 | | |
| 10. | छात्र कल्याण निधि | 400 | | 400 | | |
| 11. | पूर्व छात्र संघ निधि | 200 | | | | |
| 12. | सुरक्षा जमा निधि (पुनर्देय) | 1000 | | | | |
| 13. | उद्योग इंटरफेज निधि | 10000 | | 10000 | | |
| 14. | प्लेसमेंट गतिविधि निधि | 5000 | | 5000 | | |
| 15. | शिक्षण गतिविधि निधि | 1000 | | 1000 | | |
| 16. | शैक्षिक यात्रा निधि | 5000 | | 5000 | | |
| 17. | डिजिटल गतिविधि निधि | 2000 | | 2000 | | |
| 18. | स्वास्थ्य बीमा | 135 | | | | |
| 19. | विश्वविद्यालय विकास निधि | 1200 | | | | 6659355859 |
| | **कुल** | 43335 | 3000 | 39000 | 3000 | |

| शुल्क तालिका: 7 – एस.सी.ए. पाठ्यक्रम | | | | | | | | रूपयों में |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | विषय | सत्र | | | | | | बैंक खाता संख्या |
| | | I | II | III | IV | V | VI | |
| 1. | अध्यापन शुल्क | 5000 | 5000 | 5000 | 5000 | 5000 | 5000 | प्रथम सत्र के लिए 6018625294 |
| | विदेशियों के लिए (प्रति वर्ष) एस.ए.ए.आर.सी / विकासशील देश | US $ 350 | US $ 350 | US $ 350 | US $ 350 | US $ 350 | US $ 350 | |
| | विकसित देश तथा अप्रवासी भारतीय | US $ 500 | US $ 500 | US $ 500 | US $ 500 | US $ 500 | US $ 500 | |
| 2. | पंजीकरण शुल्क | 300 | | | | | | आगामी सत्रों के लिए 6659344508 |
| 3. | प्रवेश शुल्क | 100 | | | | | | |
| 4. | मान्यता शुल्क | 400 | | | | | | |
| 5. | खेलकूद निधि | 500 | | 500 | | 500 | | प्रथम सत्र के लिए 6018625806 |
| 6. | स्वास्थ्य परीक्षा / सुविधा निधि | 600 | | 600 | | 600 | | |
| 7. | पुस्तकालय निधि | 1500 | | 1500 | | 1500 | | |
| 8. | कम्प्यूटर प्रयोगशाला निधि | 5000 | | 5000 | | 5000 | | आगामी सत्रों के लिए 6659345681 |
| 9. | सुविधा विकास निधि | 6000 | | 6000 | | 6000 | | |
| 10. | छात्र कल्याण निधि | 400 | | 400 | | 400 | | |
| 11. | पूर्व छात्र संघ निधि | 200 | | | | | | |
| 12. | सुरक्षा जमा निधि (पुनर्देय) | 2000 | | | | | | |
| 13. | उद्योग अंतराफलक निधि | 10000 | | 10000 | | 10000 | | |
| 14. | प्लेसमेंट गतिविधि निधि | 5000 | | 5000 | | 5000 | | |
| 15. | शिक्षण गतिविधि निधि | 1000 | | 1000 | | 1000 | | |
| 16. | शैक्षिक यात्रा निधि | 5000 | | 5000 | | 5000 | | |
| 17. | डिजिटल गतिविधि निधि | 2000 | | 2000 | | 2000 | | |
| 18. | स्वास्थ्य बीमा | 191 | | | | | | |
| 19. | विश्वविद्यालय विकास निधि | 1200 | | | | | | 6659355859 |
| | **कुल** | **46391** | **5000** | **42000** | **5000** | **42000** | **5000** | |

| शुल्क तालिका: 8 – एल.एल.एम. पाठ्यक्रम | | | | | रूपयों में |
|---|---|---|---|---|---|
| | **विषय** | **तिमाही** | | | **बैंक खाता संख्या** |
| | | I | II | III | |
| 1. | अध्यापन शुल्क | 4000 | 4000 | 4000 | प्रथम सत्र के लिए 6018625294 |
| | विदेशियों के लिए (प्रति वर्ष) एस.ए.ए.आर.सी / विकासशील देश | US $ 350 | US $ 350 | US $ 350 | |
| | विकसित देश तथा अप्रवासी भारतीय | US $ 500 | US $ 500 | US $ 500 | |
| 2. | पंजीकरण शुल्क | 300 | | | आगामी सत्रों के लिए 6659344508 |
| 3. | प्रवेश शुल्क | 100 | | | |
| 4. | मान्यता शुल्क | 400 | | | |
| 5. | खेलकूद निधि | 500 | | | प्रथम सत्र के लिए 6018625806 |
| 6. | स्वास्थ्य परीक्षा / सुविधा निधि | 600 | | | |
| 7. | पुस्तकालय निधि | 1500 | | | |
| 8. | कम्प्यूटर प्रयोगशाला निधि | 2000 | | | आगामी सत्रों के लिए 6659345681 |
| 9. | सुविधा विकास निधि | 6000 | | | |
| 10. | छात्र कल्याण निधि | 400 | | | |
| 11. | पूर्व छात्र संघ निधि | 200 | | | |
| 12. | सुरक्षा जमा निधि (पुनर्देय) | 1000 | | | |
| 13. | प्लेसमेंट गतिविधि निधि | 200 | 200 | 200 | |
| 14. | शिक्षण गतिविधि निधि | 2000 | | | |
| 15. | डिजिटल गतिविधि निधि | 2000 | | | |
| 16. | स्वास्थ्य बीमा | 135 | | | |
| 17. | विश्वविद्यालय विकास निधि | 1200 | | | 6659355859 |
| | **कुल** | **22535** | **42000** | **42000** | |

| शुल्क तालिका: 9 – सभी पंच वर्षीय संयुक्त स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (रूपयों में) | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | **विषय** | **सत्र** | | |
| | | I | II | III |
| 1. | अध्यापन शुल्क | 3000 | 3000 | 3000 |
| | विदेशियों के लिए (प्रति वर्ष)<br>एस.ए.ए.आर.सी / विकासशील देश | US $ 350 | US $ 350 | US $ 350 |
| | विकसित देश तथा अप्रवासी भारतीय | US $ 500 | US $ 500 | US $ 500 |
| 2. | पंजीकरण शुल्क | 300 | | |
| 3. | प्रवेश शुल्क | 100 | | |
| 4. | मान्यता शुल्क | 400 | | |
| 5. | खेलकूद निधि | 500 | | 500 |
| 6. | स्वास्थ्य परीक्षा / सुविधा निधि | 600 | | 600 |
| 7. | पुस्तकालय निधि | 1500 | | 1500 |
| 8. | प्रयोगशाला निधि / कम्प्यूटर प्रयोगशाला निधि / Wet प्रयोगशाला निधि | 2000 | | 2000 |
| 9. | सुविधा विकास निधि | 6000 | | |
| 10. | छात्र कल्याण निधि | 400 | | 400 |
| 11. | पूर्व छात्र संघ निधि | 200 | | |
| 12. | सुरक्षा जमा निधि (पुनर्देय) | | | |
| | विज्ञान पाठ्यक्रम | 2000 | | |
| | अन्य पाठ्यक्रम | 1000 | | |
| 13. | उन्नत प्रयोगशाला सुविधा निधि<br>(मात्र विज्ञान पाठ्यक्रम के लिए) | 1000 | | 1000 |
| 14. | प्लेसमेंट गतिविधि निधि | 200 | 200 | 200 |
| 15. | शिक्षण गतिविधि निधि | 1000 | | 1000 |
| 16. | डिजिटल गतिविधि निधि | 2000 | | 2000 |
| 17. | स्वास्थ्य बीमा | 283 | | |
| 18. | विश्वविद्यालय विकास निधि | 1200 | | |
| | **कुल (विज्ञान)** | 22683 | 32000 | 12200 |
| | **कुल (मानविकी)** | 20683 | | 11200 |

| शुल्क तालिका: 10 – सभी एम.बी.ए. पाठ्यक्रम | | | | | | रूपयों में |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | विषय | सत्र | | | | बैंक खाता संख्या |
| | | I | II | III | IV | |
| 1. | अध्यापन शुल्क | 10000 | 10000 | 10000 | 10000 | प्रथम सत्र के लिए 6018625294 |
| | विदेशियों के लिए (प्रति वर्ष) एस.ए.ए.आर.सी / विकासशील देश | US $ 1000 | US $ 1000 | US $ 1000 | US $ 1000 | |
| | विकसित देश तथा अप्रवासी भारतीय | US $ 2000 | US $ 2000 | US $ 2000 | US $ 2000 | |
| 2. | पंजीकरण शुल्क | 300 | | | | आगामी सत्रों के लिए 6659344508 |
| 3. | प्रवेश शुल्क | 100 | | | | |
| 4. | मान्यता शुल्क | 400 | | | | |
| 5. | खेलकूद निधि | 500 | | 500 | | प्रथम सत्र के लिए 6018625806 |
| 6. | स्वास्थ्य परीक्षा / सुविधा निधि | 600 | | 600 | | |
| 7. | पुस्तकालय निधि | 1500 | | 1500 | | |
| 8. | कम्प्यूटर प्रयोगशाला निधि | 5000 | | 5000 | | आगामी सत्रों के लिए 6659345681 |
| 9. | सुविधा विकास निधि | 10000 | | 10000 | | |
| 10. | छात्र कल्याण निधि | 1000 | | 1000 | | |
| 11. | पूर्व छात्र संघ निधि | 1000 | | | | |
| 12. | सुरक्षा जमा निधि (पुनर्देय) | 2000 | | | | |
| 13. | उद्योग आंतरफलक निधि | 10000 | | 10000 | | |
| 14. | डिजिटल स्रोत निधि | 5000 | | 5000 | | |
| 15. | प्लेसमेंट गतिविधि निधि | 5000 | | 5000 | | |
| 16. | शिक्षण गतिविधि निधि | 15000 | | 15000 | | |
| 17. | शैक्षिक यात्रा निधि | 5000 | | 5000 | | |
| 18. | डिजिटल गतिविधि निधि | 2000 | | 2000 | | |
| 19. | स्वास्थ्य बीमा | 135 | | | | |
| 20. | विश्वविद्यालय विकास निधि | 1200 | | | | 6659355859 |
| | **कुल** | 75735 | **10000** | **70600** | **10000** | |

| पंच वर्षीय एकीकृत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (192 क्रेडिट) | | | | | | | रूपयों में |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सत्र | | | | | | | बैंक खाता संख्या |
| IV | V | VI | VII* | VIII** | IX* | X** | |
| 3000 | 3000 | 3000 | 3000 | 3000 | 3000 | 3000 | प्रथम सत्र के लिए 6018625294 |
| US $ 350 | US $ 350 | US $ 350 | US $ 350 | US $ 350 | US $ 350 | US $ 350 | |
| US $ 500 | US $ 500 | US $ 500 | US $ 500 | US $ 500 | US $ 500 | US $ 500 | आगामी सत्रों के लिए 6659344508 |
| | 500 | | 500 | | 500 | | प्रथम सत्र के लिए 6018625806 |
| | 600 | | 600 | | 600 | | |
| | 1500 | | 1500 | | 1500 | | |
| | 2000 | | 2000 | | 2000 | | |
| | 400 | | 400 | | 400 | | आगामी सत्रों के लिए 6659345681 |
| | 1000 | | 1000 | | 1000 | | |
| 200 | 200 | 200 | 200 | 200 | 200 | 200 | |
| | 1000 | | 1000 | | 1000 | | |
| | 2000 | | 2000 | | 2000 | | |
| 3200 | 12200 | 3200 | 12200 | 3200 | 12200 | 3200 | 6659355859 |
| | 11200 | | 11200 | | 11200 | | |

* पंच वर्षीय संयुक्त M.Sc. संगणकीय विज्ञान के लिए, VII तथा IX सत्र के शुल्क M.Sc. संगणकीय विज्ञान द्वितीय वर्ष के III सत्र के अनुसार जमा किया जायेगा।

** पंच वर्षीय संयुक्त M.Sc. संगणकीय विज्ञान के लिए, VIII तथा X सत्र के शुल्क M.Sc. संगणकीय विज्ञान द्वितीय वर्ष के IV सत्र के अनुसार जमा किया जायेगा।

कृपया पूर्व पृष्ठ पर शुल्क तालिका 6 देखें।

| शुल्क तालिका: 11 – एम.बी.ए. पाठ्यक्रम (स्व-वित्त पोषित) | | | | | | रूपयों में |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | विषय | सत्र | | | | बैंक खाता संख्या |
| | | I | II | III | IV | |
| 1. | अध्यापन शुल्क | 50000 | 50000 | 50000 | 50000 | प्रथम सत्र के लिए 6018625294 |
| | विदेशियों के लिए (प्रति वर्ष) एस.ए.ए.आर.सी / विकासशील देश | US $ 1000 | US $ 1000 | US $ 1000 | US $ 1000 | |
| | विकसित देश तथा अप्रवासी भारतीय | US $ 2000 | US $ 2000 | US $ 2000 | US $ 2000 | |
| 2. | पंजीकरण शुल्क | 300 | | | | आगामी सत्रों के लिए 6659344508 |
| 3. | प्रवेश शुल्क | 100 | | | | |
| 4. | मान्यता शुल्क | 400 | | | | |
| 5. | खेलकूद निधि | 500 | | 500 | | प्रथम सत्र के लिए 6018625806 |
| 6. | स्वास्थ्य परीक्षा / सुविधा निधि | 600 | | 600 | | |
| 7. | पुस्तकालय निधि | 1500 | | 1500 | | |
| 8. | कम्प्यूटर प्रयोगशाला निधि | 5000 | | 5000 | | आगामी सत्रों के लिए 6659345681 |
| 9. | सुविधा विकास निधि | 10000 | | 10000 | | |
| 10. | छात्र कल्याण निधि | 1000 | | 1000 | | |
| 11. | पूर्व छात्र संघ निधि | 1000 | | | | |
| 12. | सुरक्षा जमा निधि (पुनर्देय) | 2000 | | | | |
| 13. | उद्योग इंटरफेस निधि | 10000 | | 10000 | | |
| 14. | डिजिटल स्रोत निधि | 5000 | | 5000 | | |
| 15. | प्लेसमेंट गतिविधि निधि | 5000 | | 5000 | | |
| 16. | शिक्षण गतिविधि निधि | 15000 | | 15000 | | |
| 17. | शैक्षिक यात्रा निधि | 5000 | | 5000 | | |
| 18. | डिजिटल गतिविधि निधि | 2000 | | 2000 | | |
| 19. | स्वास्थ्य बीमा | 135 | | | | |
| 20. | विश्वविद्यालय विकास निधि | 1200 | | | | 6659355859 |
| | **कुल** | 115735 | 50000 | 110600 | 50000 | |

| शुल्क तालिका: 12 – एम.बी.ए. (अंश कालीन) पाठ्यक्रम (स्व-वित्त पोषित) | | | | | | | | रूपयों में |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | विषय | सत्र | | | | | | बैंक खाता संख्या |
| | | I | II | III | IV | V | VI | |
| 1. | अध्यापन शुल्क | 40000 | 40000 | 40000 | 40000 | 40000 | 40000 | प्रथम सत्र के लिए 6018625294 आगामी सत्रों के लिए 6659344508 |
| 2. | पंजीकरण शुल्क | 300 | | | | | | |
| 3. | प्रवेश शुल्क | 100 | | | | | | |
| 4. | मान्यता शुल्क | 400 | | | | | | |
| 5. | खेलकूद निधि | 500 | | 500 | | | | प्रथम सत्र के लिए 6018625806 आगामी सत्रों के लिए 6659345681 |
| 6. | स्वास्थ्य परीक्षा / सुविधा निधि | 600 | | 600 | | | | |
| 7. | पुस्तकालय निधि | 1500 | | 1500 | | | | |
| 8. | कम्प्यूटर प्रयोगशाला निधि | 5000 | | 5000 | | | | |
| 9. | सुविधा विकास निधि | 10000 | | 6000 | | | | |
| 10. | छात्र कल्याण निधि | 1000 | | 400 | | | | |
| 11. | पूर्व छात्र संघ निधि | 1000 | | | | | | |
| 12. | सुरक्षा जमा निधि (पुनर्देय) | 2000 | | | | | | |
| 13. | उद्योग इंटरफेस निधि | 10000 | | 10000 | | | | |
| 14. | डिजिटल स्रोत निधि | 5000 | | 5000 | | | | |
| 15. | शिक्षण गतिविधि निधि | 15000 | | 15000 | | | | |
| 16. | डिजिटल गतिविधि निधि | 2000 | | 2000 | | | | |
| 17. | विश्वविद्यालय विकास निधि | 1200 | | | | | | 6659355859 |
| | **कुल** | 95600 | 40000 | 90600 | 40000 | 40000 | 40000 | |

| शुल्क तालिका: 13 – एम.एससी./एम.टेक पाठ्यक्रम (स्व-वित्त पोषित) | | | | | | रूपयों में |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | विषय | सत्र | | | | बैंक खाता संख्या |
| | | I | II | III | IV | |
| 1. | अध्यापन शुल्क | 22000 | 11000 | 11000 | 11000 | प्रथम सत्र के लिए 6018625294 |
| | विदेशियों के लिए (प्रति वर्ष) एस.ए.ए.आर.सी / विकासशील देश | US $ 1000 | US $ 1000 | US $ 1000 | US $ 1000 | |
| | विकसित देश तथा अप्रवासी भारतीय | US $ 2000 | US $ 2000 | US $ 2000 | US $ 2000 | |
| 2. | पंजीकरण शुल्क | 300 | | | | आगामी सत्रों के लिए 6659344508 |
| 3. | मेट्रिकुलेशन शुल्क | 100 | | | | |
| 4. | मान्यता शुल्क | 400 | | | | |
| 5. | खेलकूद निधि | 500 | | 500 | | प्रथम सत्र के लिए 6018625806 |
| 6. | स्वास्थ्य परीक्षा / सुविधा निधि | 600 | | 600 | | |
| 7. | पुस्तकालय निधि | 1500 | | 1500 | | |
| 8. | प्रयोगशाला निधि / कम्प्यूटर प्रयोगशाला निधि /वेट प्रयोगशाला निधि | 7000 | 7000 | 7000 | 7000 | आगामी सत्रों के लिए 6659345681 |
| 9. | सुविधा विकास निधि | 6000 | | | | |
| 10. | छात्र कल्याण निधि | 400 | | 400 | | |
| 11. | पूर्व छात्र संघ निधि | 1200 | | | | |
| 12. | सुरक्षा जमा निधि (पुनर्देय) | 1000 | | | | |
| 13. | उन्नत प्रयोगशाला सुविधा निधि | 10000 | 10000 | 10000 | 10000 | |
| 14. | प्लेसमेंट गतिविधि निधि | | | 2000 | | |
| 15. | शैक्षणिक गतिविधि निधि | 10000 | 10000 | 10000 | 10000 | |
| 16. | शैक्षिक यात्रा निधि | | 2000 | | 2000 | |
| 17. | डिजिटल गतिविधि निधि | 2000 | | 2000 | | |
| 18. | सामूहिक- स्वास्थ्य बीमा | 135 | | | | |
| 19. | विश्वविद्यालय विकास निधि | 1200 | | | | 6659355859 |
| | **कुल** | 64335 | 40000 | 45000 | 40000 | |

**शुल्क भुगतान**

पीएच.डी. सहित सभी छात्रों को प्रवेश के समय पर ही विश्वविद्यालय को शुल्क देना होगा। अन्य सत्रों के लिए सत्र के आरम्भ के दस दिनों में ही शुल्क देय है। परीक्षा शुल्क कथित अन्तिम तिथि के दिन या उससे पूर्व देना होगा। यदि उपरोक्त दिनांक शनिवार, रविवार या किसि छुट्टी के अन्तर्गत हो, तो उसके अग्रिम कार्य दिवस पर शुल्क देने की अन्तिम तिथि होगी।

दिव्यांग छात्रों के लिए परीक्षा शुल्क सहित कोई भी शल्क देय नहीं है। उन्हें केवल सुरक्षा जमा निधि (पुनर्देय) तथा स्वास्थ्य बीमा की राशि देय है।

जो अ.जा / अ.ज.जा छात्र पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति अथवा उत्तम श्रेणी छात्रवृत्ति ले रहें हैं, उन्हें छात्रवृत्ति प्राप्त होती ही यथा शीघ्र शुल्क देना होगा। उन्हें इसके साथ इस सन्दर्भ में प्रवेश के समय पर एक प्रमाण पत्र देना होगा। किसी भी स्थिति में, ऐसे अ.जा /

अ.ज.जा छात्रों को प्रवेश लेने की तिथि से 90 दिनों के अन्तर्गत छात्रवृत्ति द्वारा शुल्क देना होगा। ऐसा न होने पर छात्रों को स्वयं शुल्क देना होगा अथवा उनका प्रवेश रद्द किया जायेगा।

विश्वविद्यालय परिसर के इण्डियन बैंक के जिस बचत खाते में विभन्न शुल्क / निधि / जमा राशि देय है, उनके समक्ष दिया गया है। ऑन-लाइन भुगतान सुविधा शीघ्र ही उपलब्ध की जायेगी। यदि कोई छात्र समय पर शुल्क नहीं दे पाता है, तो उसे निम्नलिखित विलम्ब शुल्क देय होगा:

अ) 5.00 रुपये प्रति दिन के दर से पहले दस दिन के लिए
आ) उसके बाद 10.00 रुपये प्रति दिन के दर से उस महीने की अन्तिम तिथि तक जिस महीने में शुल्क की अन्तिम तिथि हो।

माननीय उप-कुलपति या उनके पक्ष से कोई और अधिकारी जिसे यह दायित्व हो शैक्षिक विमर्श समिति के विमर्श पर, विशेष स्तिथि में शुल्क के किसी भी नियम पर रियायत दे सकते हैं। अग्रिम महीने से शुल्क न देने वाले छात्रों का नाम विश्वविद्यालय से निकाल दिया जायेगा। ऐसे छात्र जिनका नाम उपरोक्त सन्दर्भ में निकाल दिया गया हो उनका, पुनर्प्रवेश संकाय प्रमुख / विभागाध्यक्ष / विभाग अथवा संबन्धित केन्द्र संयोजक के आग्रह पर पूर्ण शुल्क, विलंब शुल्क तथा पुनर्प्रवेश शुल्क 1000 रुपये एवं विश्वविद्यालय विकास निधि 500 रुपये के देने पर किया जायेगा।

**शुल्क की वापसी, सुरक्षा जमा निधि इत्यादि**

किसी छात्र/छात्रा के विश्वविद्यालय छोड कर जाने पर उसके सभी प्राप्य राशि / शुल्क घटा कर सुरक्षा जमा निधि पुनर्देय है। यदि कोई छात्र/छात्रा विश्वविद्यालय छोडने पर एक वर्ष तक अपना पुनर्देय राशि नहीं लेता है/ लेती है तो, वह राशि छात्र द्वारा छात्र सहयोग निधि के लिए दान दिया हुआ माना जायेगा। एक वर्ष की समयावधि गणना छात्र के परीक्षा फल के दिनांक से अथवा जब से छात्र/छात्रा का नाम विश्वविद्यालय से निकाला गया हो उस दिनांक से (इनमें से जो दिनांक पूर्व हो) की जायेगी।

यदि कोई छात्र/छात्रा सभी शुल्क देने के बाद **01.09.2019 दिनांक पर या उससे पहले** विश्वविद्यालय छोडना चाहे तो, उसे रू. 1000/- घटाकर सभी शुल्क / राशि वापस दे दी जायेगी।

यदि किसी छात्र/छात्रा का अध्यापन शुल्क अथवा जुर्माना (यदि कोई) के साथ विश्वविद्यालय के किसी वस्तु के क्षति होने पर देय राशि देय हो, तो वह राशि उस छात्र/छात्रा की सुरक्षा जमा निधि से कम की जायेगी। यह प्रावधान विश्वविद्यालय के संबद्ध महाविद्यालयों के लिए लागू नहीं हैं।

जब तक छात्र/छात्रा अपने सभी देय राशि उक्त परीक्षा शुल्क 'कोई राशि बकाया नहीं' प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं करता/नहीं करती है, तब तक उसे परीक्षा-प्रवेश पत्र नहीं दिया जायेगा।

**शुल्क भुगतान**

पीएच.डी. सहित सभी छात्रों को प्रवेश के समय पर ही विश्वविद्यालय को शुल्क देना होगा। अन्य छमाहियों के लिए सत्र के आरम्भ के दस दिनों में ही शुल्क देय है। परीक्षा शुल्क कथित अन्तिम तिथि के दिन या उससे पूर्व देना होगा। यदि उपरोक्त दिनांके शनिवार, रविवार या किसि छुट्टी के अन्तर्गत हो, तो उसके अग्रिम कार्य दिवस पर शुल्क देने की अन्तिम तिथि होगी।
दिव्यांग छात्रों के लिए परीक्षा शुल्क सहित कोई भी शल्क देय नहीं है। उन्हें केवल सुरक्षा जमा निधि (पुनर्देय) तथा स्वास्थ्य बीमा की राशि देय है।
जो अ.जा / अ.ज.जा छात्र पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति अथवा उत्तम श्रेणी छात्रवृत्ति ले रहें हैं, उन्हें छात्रवृत्ति प्राप्त होती ही यथा शीघ्र शुल्क देना होगा। उन्हें इसके साथ इस सन्दर्भ में प्रवेश के समय पर एक प्रमाण पत्र देना होगा। किसी भी स्थिति में, ऐसे अ.जा / अ.ज.जा छात्रों को प्रवेश लेने के तिथि 90 दिनों के अन्तर्गत छात्रवृत्ति द्वारा शुल्क देना होगा। ऐसा न होने पर छात्रों को स्वयं शुल्क देना होगा अथवा उनका प्रवेश रद्द किया जायेगा।

विश्वविद्यालय प्रांगण के इण्डियन बैंक के जिस बचत खाते में विभिन्न शुल्क / निधि / जमा राशि देय है, उनके समक्ष दिया गया है। ऑनलाइन भुगतान सुविधा शीघ्र ही उपलब्ध किया जायेगा। यदि कोई छात्र समय पर शुल्क नहीं दे पाता है, तो उसे निम्नलिखित विलम्ब शुल्क देय होगा:

इ) 5.00 रुपये प्रति दिन के दर से पहले दस दिन के लिए
ई) उसके बाद 10.00 रुपये प्रति दिन के दर से उस महीने की अन्तिम तिथि तक जिस महीने में शुल्क की अन्तिम तिथि हो।

माननीय उप-कुलपति या उनके पक्ष से कोई और अधिकारी जिसे यह दायित्व हो शैक्षिक विमर्श समिति के विमर्श पर, विशेष स्तिथि में शुल्क के किसी भी नियम पर रियायत दे सकते हैं। अग्रिम महीने से शुल्क न देने वाले छात्रों का नाम विश्वविद्यालय से निकाल दिया जायेगा। ऐसे छात्र जिनका नाम उपरोक्त सन्दर्भ में निकाल दिया गया हो उनका, पुनर्प्रवेश संकाय प्रमुख / विभागाध्यक्ष / विभाग अथवा संबन्धित केन्द्र संयोजक के आग्रह पर पूर्ण शुल्क, विलंब शुल्क तथा पुनर्प्रवेश शुल्क 1000 रुपये एवं विश्वविद्यालय विकास निधि 500 रुपये के देने पर किया जायेगा।

**शुल्क की वापसी, सुरक्षा जमा निधि इत्यादि**

किसी छात्र के विश्वविद्यालय छोड कर जाने पर उसके सभी प्राप्य राशि / शुल्क घटा कर सुरक्षा जमा निधि पुनर्देय है।
यदि कोई छात्र विश्वविद्यालय छोडने पर एक वर्ष तक अपना पुनर्देय राशि नहीं लेता है तो, वह राशि छात्र द्वारा छात्र सहयोग निधि के लिए दान दिया हुआ माना जायेगा। एक वर्ष की समयावधि गणना छात्र के परीक्षा फल के दिनांक से अथवा जब से छात्र का नाम विश्वविद्यालय से निकाला गया हो उस दिनांक से (इनमें से जो दिनांक पूर्व हो) की जायेगी।

यदि कोई छात्र सभी शुल्क देने के बाद **01.09.2019 दिनांक पर या उससे पहले** विश्वविद्यालय छोडना चाहे तो, उसे 1000 रुपये घटाकर सभी शुल्क / राशि वापस दे दी जायेगी।

यदि किसी छात्र का अध्यापन शुल्क अथवा जुर्माना (यदि कोई) के साथ विश्वविद्यालय के किसी वस्तु के क्षति होने पर देय राशि देय हो, तो वह राशि उस छात्र के सुरक्षा जमा निधि कम किया जायेगा। यह प्रावधान विश्वविद्यालय के संबद्ध महाविद्यालयों के लिए लागू नहीं है।

जब तक छात्र अपने सभी देय राशि उक्त परीक्षा शुल्क संबंधी 'कोई राशि बकाया नहीं' नहीं देता, तब तक उसे परीक्षा प्रवेश पत्र नहीं दिया जायेगा।

# छात्रावास

वर्तमान में पोण्डिच्चेरी विश्वविद्यालय के परिसर में 21 छात्रावास हैं जिनमें से 13 पुरुष के लिए और 8 महिलाओं के लिए हैं। पुरुषों के तेरह छात्रावासों में नौ छात्रावास स्नातकोत्तर छात्रों के लिए और चार शोध छात्रों के लिए हैं। महिलाओं के आठ छात्रोवासों में सात स्नातकोत्तर छात्राओं के लिए और एक शोध छात्राओं के लिए हैं। काराइकाल परिसर में दो पुरुष छात्रावास और एक महिला छात्रावास है। पोर्ट ब्लेयर परिसर में एक पुरुष छात्रावास और एक महिला छात्रावास है। सीमित आवास व्यवस्था के कारण दूरस्थ छोत्रों को प्राथमिकता दी जायेगी।

**विदेशी छात्रों का छात्रावास**

विदेशी छात्रों के लिए विश्वविद्यालय में पुरुषों के लिए सुसज्जित सी.वी.रामन छात्रावास (40 कमरे) में और महिलाओं के लिए मैडम क्यूरी छात्रावास (49 कमरे) में वातानुकूलित अवातानुकूलित छात्रावास की सुविधा है। शुल्क व्यवस्था सामान्य छात्रावास के शुल्क से भिन्न है। (कृपया शैक्षणिक प्रभाग द्वारा जारी किया गया परिपत्र सं. PU/AS-II/Aca-10/SW/2012-13/1516, दिनांक 13.09.2012 देखें।)

**छात्रावास प्रवेश**

सीमित आवास व्यवस्था के कारण प्रत्येक पाठ्यक्रम में प्रवेश लिए हुए एक तिहाई छात्रों को ही छात्रावास दिया जायेगा। छात्रावास में प्रवेश, संबंधित विभागाध्यक्ष के अनुमोदन तथा मुख्य वार्डन के सहमति और कमरों के उपलब्धता पर निर्भर होगा।

**छात्रावास शुल्क**

**पुनर्देय :** सुरक्षा जमा निधि रु. 3000 (भारतीय के लिए) छात्रावास में प्रवेश लेते समय देना होगा। छात्रावास छोडने पर यह राशि, विश्वविद्यालय छात्रावास के शेष शुल्क को (यदि कोई हो तो), छोडकर अकाउंट ट्रांस्फर / अकाउंट पेयी चेक के माध्यम से रसीद के मूल प्रति को देने पर वापस दी जायोगी। किसी भी परिस्थिति में ओपन चेक नहीं दी जायेगी। अतः छात्रों के लिए यह अनिवार्य है कि वे इण्डियन बैंक, पोण्डिच्चेरी विश्वविद्यालय शाखा अपना खाता खोलें।

**अपुनर्देय :**निम्नलिखित छात्रावास शुल्क जून / जुलाइ में हर शैक्षणिक सत्र के आरंभ में देना होगा।

- स्नातकोत्तर छात्र – रु. 900/- प्रति वर्ष
- पी एच.डी – रु 1800/- प्रति वर्ष
- सामान्य सुविधा राशि – रु 700/- प्रति वर्ष
- स्थापना शुल्क – रु 300/- प्रति वर्ष
- आवेदन शुल्क (केवल प्रवेश समय पर) – रु 75/-

पोण्डिच्चेरी विश्वविद्यालय द्वारा महिला छात्राओं से एवं अ.जा / अ.ज.जा पुरुष छात्रों (राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित समुदाय प्रमाण पत्र की प्रतिलिपि जमा करना अनिवार्य है) से कमरे के किराया नहीं लिया जाता। दिव्यांग छात्रों के लिए निःशुल्क वास व्यवस्था है। दिव्यांग छात्रों को अपना भोजन शुल्क देना होगा जिसे वे बाद में छात्रावास अनुवृत्ति से ले सकते है। (इस सुविधा को पाने के लिए राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित स्वास्थ्य प्रमाण पत्र की प्रतिलिपि जमा करना अनिवार्य है।) पर सभी को अन्य राशि जैसे कि सामान्य सुविधा राशि, स्थापना शुल्क, आवेदन शुल्क तथा सुरक्षा जमा राशि देय है।

**वास काल**

छात्रावास में प्रवेश के दिनांक से स्नातकोत्तर – 2 वर्ष, पी एच.डी – 4 वर्ष, एकीकृत – 5 वर्ष।

**ध्येय :** शोध छात्रों को छोडकर सभी छात्रों को ग्रीष्म अवकाश तथा शीत अवकाश में छात्रवास खाली करना होगा। समय पर शुल्क न देने वाले छात्रों के प्रति अनुशासनिक कार्यवाही की जायेगी। छात्रों को सत्र परीक्षा लिखने से पहले छात्रावास शुल्क रसीद दिखाकर छात्रावास और भोजनालय से No due certificate लेना होगा। जिन छात्रों ने बैंक से ऋण लिया है, वे छात्रावास छोडने के समय पर सुरक्षा जमा निधि की वापसी के लिए रसीद की मूल प्रति तथा बैंक के सील के साथ अन्य रसीद की प्रतिलिपि अपने पास रखें।

**अनुशासन**

छात्रों के द्वारा विश्वविद्यालय के प्रति छात्रावास संबंधित सभी संपर्क ..... द्वारा अर्थात् संबंधित छात्रावास के वार्डन तथा मुख्य वार्डन के द्वारा ही होंगे। किसी प्रकार के विनाशक, दुष्कर्म, आपत्तिजनक व्यवहार करने पर, छात्रावास के नियमों का उल्लंघन करने पर, दुराचरण, अवज्ञा करने पर, किसी प्रकार के रैगिंग करने पर, छात्रावास शुल्क समय पर देने पर छात्र / छात्रा दण्डनीय होगा / होगी तथा उसे विश्वविद्यालय अधिकारियों द्वारा जिनका निर्णय अन्तिम होगा, छात्रावास से तथा विभाग से निकाल दिया जायेगा।

छात्रों को छात्रावास से संबंधित नियम की प्रतिलिपि छात्रावास प्रवेश के समय पर दी जायेगी।

मदिरा एवं मादक पदार्थों का सेवन गंभीर अपराध है। अतः परिसर में मादक पदार्थ तथा मदिरा का सेवन करना निषेध है। परिसर में धूम्रपान करना निषेध है। किसी भी परिस्थिति में परिसर के अन्दर आग्नेय शस्त्र लाना वर्जित है। इनमें से किसी भी प्रकार के कृत्य करने पर छात्रावास से तुरन्त बहिष्कृत कर दिया जायेगा। किसी भी बाहर के व्यक्ति अथवा पूर्व छात्र को छात्रावास में रखने पर उस छात्र पर अतिचार किया जायेगा तथा पुलिस को सौंप दिया जायेगा। अतः छात्रावास में रहने वाले छात्र बाहर के किसी भी व्यक्ति को रखने से पहले सावधान हो जायें। सूचित किया जाता है कि सार्वजनिक संपत्ति को क्षति पहुँचाना विश्वविद्यालय छात्रावास नियम के अनुसार अधिनियम 10.24 के अन्तर्गत अवैध, अनुशासनहीन तथा दुराचार है तथा **सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम** 1984 के अन्तर्गत दण्डनीय है।

**भोजनालय**

छात्रावास में प्रवेश लेने वाले सभी छात्रों को भोजनालय में भोजन दिया जायेगा। छात्रावास भोजनालय सभी छात्रों के लिए अनिवार्य है। किसी भी परिस्थिति में संबंधित छात्रावास भोजनालय के बाहर भोजन करने की अनुमति नहीं दी जायेगी। भारतीदासन और सुब्रह्मण्य भारती छात्रावास के अतिरिक्त सभी भोजनालय बाहर से व्यवस्था किए गये है। (भारतीदासन और सुब्रह्मण्य भारती छात्रावास में भोजनालय छात्रों द्वारा चलाया जाता है।) पांच सुव्यवस्थित भोजनालय (तीन पुरुष छात्रों के लिए और दो महिला छात्राओं के लिए) छात्रावास में रहने वाले छात्रों के लिए उपलब्ध है। छात्रावास भोजनालय अनुभवी तथा योग्य व्यवस्थापकों द्वारा चलाया जाता है। भोजनालय में उचित दर में भोजन दिया जाता है।

**भोजनालय शुल्क**

भोजनालय शुल्क दो किश्तों में वर्ष प्रत्येक सत्र के आरम्भ जैसे कि जून तथा जनवरी में देना होगा। भोजनालय शुल्क एक व्यक्ति का एक दिन के लिए रु.65/- है।

**पी एच.डी शोध छात्र :** पी एच.डी शोध छात्र द्वारा उपरोक्त समय सीमा के अन्दर छात्रावास शुल्क नहीं दे पाने पर विश्वविद्यालय का यह अधिकार बनता है कि उस राशि को छात्र के छात्रवृत्ति से कम कर लिया जाये।

**रैगिंग**

विश्वविद्यालय में रैगिंग करना या किसी भी प्रकार का छेड छाड करना सख्त मना है। अतः छात्रावास में छात्रों का ऐसे किसी भी प्रकार का कृत्य में व्यस्त होना मना है। रैगिंग करने से छात्र विश्वविद्यालय से बहिष्कार जैसे गंभीर दण्ड के भागी होंगे। कानून के अधीन भी यह दण्डनीय है। वरिष्ठ छात्रों द्वारा छात्रावास में छात्रों का किसी भी प्रकार का परिचयात्मक सम्मेलन नहीं होगा।

**सामान्य सुविधाएँ**

विश्वविद्यालय का स्वास्थ्य केन्द्र छात्रावास के छात्रों के लिए संपूर्ण दिन स्वास्थ्य संबंधित सुविधा प्रदान करता है। छात्रावास से विभाग, पुस्तकालय, कम्प्यूटर केन्द्र इत्यादि स्थलों तक छात्रों के आवागमन के लिए परिसर के अन्दर बस की सुविधा उपलब्ध है। इण्टरनेट की सुविधा के लिए सभी छात्रावासों में वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध है।

## व्यवहार एवं अनुशासन

इनके के प्रति पाण्डिच्चेरी विश्वविद्यालय असहिष्णुता रखता है-

अ) रैगिंग

आ) यौन उत्पीडन

पाण्डिच्चेरी विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाले छात्रों को अध्यापकगण तथा अन्य छात्रों के प्रति अपने कर्तव्य तथा उत्तरदायित्वों का पालन करना होगा। आचरण संहिता का उल्लंघन करने से छात्र अनुशासनिक दण्ड के भागी होंगे।

छात्र सभागार, रिसर्च लैब तथा परीक्षा कक्ष में मोबाइल फोन न लायें तथा कक्षाओं में इनका प्रयोग न करें।

**दुराचार**

निम्नलिखित दुराचार के अन्तर्गत माना जायेगा परन्तु यह केवल इन कृत्यों तक सीमित नहीं होगा।

अ) विश्वविद्यालय में कहीं भी कक्षाओं में बाधा उत्पन्न करना तथा अन्य छात्रों को अध्ययन करने से रोकना।

आ) परीक्षाओं में अथवा परियोजनाओं में नकल करना।

इ) वे आचरण जो विश्वविद्यालय के कार्यकरण में बाधा डाले, शिक्षण में बाधा उत्पन्न करें, अध्यापक अथवा छात्र के स्वास्थ्य में खतरा उत्पन्न करें, विश्वविद्यालय परिसर में विश्वविद्यालय के या किसी भी संपत्ति को क्षति पहुँचाना।

ई) विश्वविद्यालय परिसर में विश्वविद्यालयों अधिकारियों से पूर्व अनुमति के बिना पोस्टर लगाना, छात्र सम्मेलन / धरना / शोभायात्रा करना।

उ) परिसर में किसी भा प्रकार के मादक पदार्थ का होना।

ऊ) परिसर में किसी भा प्रकार के अवैध खाद्य पदार्थ का होना।

ऋ) विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु किसी भी प्रकार के अनुचित प्रपत्र अथवा असत्य सूचनाएँ देना।

ए) किसी भी प्रकार के हथियार का होना।

ऐ) विश्वविद्यालय से लिए हुइ सामग्रियों का न लौटाना और शुल्क न देना।

**अनुशासनिक कार्यवाही**

**निम्नलिखिन अनुशासनिक कार्यवाही के अधीन होंगे**

अ) चेतावनी

आ) किसी परियोजना पर अथवा विषय में असफलता का चिह्न

इ) एक सत्र या अधिक में निलंबन

ई) कार्यालय प्रतिलिपियों का रोकना

उ) छात्रावास आवास सहित परिसर के सुविधाओं पर रोक

ऊ) विश्वविद्यालय से निलंबन अथवा बहिष्कार

ऋ) या कोई अन्य अनुशासनिक कार्यवाही जो परिस्थिति के अनुसार विश्वविद्यालय अधिकारियों द्वारा निर्णय किया जायेगा।

**रैगिंग का निषेध**

किसी भी प्रकार का रैगिंग करना निषेध है। वरिष्ठ छात्रों द्वारा अपने से कनिष्ठ छात्रों को अपने कमरे में बुलाकर किसी भी प्रकार का परिचयात्मक सम्मेलन करना वर्जित है।

पिछले वर्षों में छह छात्रावास के छात्रों को रैगिंग के अपराध में एक वर्ष के लिए छात्रावास से बहिष्कृत किया गया।

**निवारण उपाय**

विश्वविद्यालय के एंटी-रैगिंग कमिटी में सभी संकाय प्रमुख शामिल हैं। सदस्यों की आवली उनके संपर्क संख्या के साथ विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर उपलब्ध है।

**1) एंटी-रैगिंग कमिटी**

छात्र रैगिंग के निवारण हेतु कुलसचिव / अपने संकाय प्रमुख / छात्र कल्याण के संकाय प्रमुख / मुख्य वार्डन (पुरुष तथा महिला) को सीधे सूचित कर सकते हैं।

**2) छात्र शिकायत निवारण केन्द्र**

छात्र अपनी शिकायत संकाय प्रमुख, छात्र कल्याण को सीधे सूचित कर सकते हैं।

**3) यौन उत्पीडन निवारण कमिटी**

विश्वविद्यालय में यौन उत्पीडन निवारण कमिटी का गठन किया गया है और इस कमिटी के सदस्यों जानकारी विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर उपलब्ध है। किसी प्रकार के यौन उत्पीडन की शिकायत कमिटी के अध्यक्ष अथवा किसी भी सदस्य को दिया जा सकता है अथवा कुलसचिव कार्यालय में इसके लिए रखें हुए पुस्तिका में दर्ज कराया जा सकता है।

4) **महिला प्रकोष्ठ**

महिलाओं को क्षति पहुँचाने वाले लिंग पक्षपात संबंधित शिकायत महिला-प्रकोष्ठ की अध्यक्ष अथवा सदस्य को दी जा सकती है। महिला प्रकोष्ठ के सदस्यों की जानकारी विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर उपलब्ध है।

**5)कानूनी सेवा-केंद्र**

छात्रों के हित के लिए विशेषतः उत्तर-पूर्व राज्यों के छात्रों के लिए विश्वविद्यालय में **कानूनी सेवा-केंद्र** की स्थापना की गई है।

# पाठ्यक्रमों का पूरा विवरण

| पृ.सं | |
|---|---|
| **एम.ए.** | |
| 176 | नृविज्ञान |
| 108 | अर्थशास्त्र |
| 157 | अंग्रेजी और तुलनात्मक साहित्य |
| 160 | फ्रांसीसी भाषा (अनुवाद तथा व्याख्यान) |
| 190 | महिला अध्ययन |
| 162 | हिन्दी |
| 182 | इतिहास |
| 191 | मानव अधिकार एवं समावेश नीति |
| 200 | जनसंचार |
| 166 | दर्शन |
| 184 | राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन |
| 184 | राजनीति विज्ञान |
| 164 | संस्कृत |
| 178 | समाजशास्त्र |
| 187 | दक्षिण एशियाई अध्ययन |
| 98 | तमिल |
| **एम.एससी** | |
| 132 | अनुप्रयुक्त भूविज्ञान |
| 137 | अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान |
| 141 | जैव रसायन विज्ञान और आण्विक जीव विज्ञान |
| 153 | जैव सूचना विज्ञान |
| 147 | जैव प्रौद्योगिकी (स्व-वित्त पोषित) |
| 129 | रासायनिक विज्ञान |
| 213 | कंप्यूटर विज्ञान |
| 235 | कंप्यूटर विज्ञान (कारैकाल) |
| 239 | आपदा-प्रबंधन |
| 149 | पारिस्थितिकी और पर्यावरण विज्ञान |
| 200 | इलेक्ट्रानिक मीडिया |
| 151 | खाद्य विज्ञान और पोषण |
| 151 | खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी |
| 156 | जीनोमिक विज्ञान (स्व-वित्त पोषित) |
| 237 | समुद्री जैव विज्ञान |
| 119 | गणित |
| 144 | सूक्ष्म जैविकी |
| 224 | नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी (स्व-वित्त पोषित) |
| 126 | भौतिकी |
| 123 | क्वांटिटेटिव फाइनेंस |

| | |
|---|---|
| 120 | सांख्यिकी |
| **एम.एससी. (पंच वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम)** | |
| 132 | अनुप्रयुक्त भूविज्ञान |
| 129 | रसायन विज्ञान |
| 213 | कंप्यूटर विज्ञान |
| 182 | इतिहास |
| 119 | गणित |
| 126 | भौतिकी |
| 184 | राजनीति विज्ञान |
| 178 | समाजशास्त्र |
| 120 | सांख्यिकी |
| **एम. टेक** | |
| 213 | कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी |
| 153 | कंप्यूटेशनल बायॉलोजी |
| 216 | संचार और सूचना प्रणाली (स्व-वित्त पोषित) |
| 216 | इलक्ट्रॉनिक्स और कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग |
| 217 | पर्यावरणीय अभियांत्रिकी और प्रबंधन |
| 132 | अन्वेषण और भूविज्ञान |
| 220 | हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी |
| 224 | नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी |
| 213 | नेटवर्क & सूचना सेक्यूरिटी |
| **एम.बी.ए.** | |
| 112 | बैंकिंग प्रौद्योगिकी |
| 103 | व्यापार प्रबंधन |
| 103 | बिजिनेस एनलिटिक्स (स्व-वित्त पोषित) |
| 231 | बीमा प्रबंधन |
| 116 | अंतर्राष्ट्रीय व्यापार |
| 110 | पर्यटन & यात्रा प्रबंधन |
| **एम.सी.ए., एम.कॉम., एम.एड., एम.एल.आई.बी.एस.सी., एल.एल.एम., एम.पीएड., एम.एस.डब्ल्यू, एम.पी.ए.** | |
| 213 | कंप्यूटर अप्लिकेशन्स |
| 235 | कंप्यूटर अप्लिकेशन्स (कारैकाल) |
| 172 | नाटक और रंगमंच कला |
| 100 | व्यापार वित्त |
| 231 | व्यापार वित्त (कारैकाल) |
| 100 | लेखा और कराधान |
| 208 | पुस्तकालय और सूचना विज्ञान |
| 227 | एल.एल.एम. |

| | |
|---|---|
| 193 | मास्टर ऑफ एजुकेशन |
| 172 | प्रदर्शन कला में स्नातकोत्तर शिक्षा (नाटक एवं रंगमंच कला) |
| 167 | फिजिकल एजुकेशन और खेल |
| 180 | सामाजिक कार्य में स्नातकोत्तर शिक्षा |
| **पीएच.डी.** | |
| 196 | वयस्क और निरंतर शिक्षा |
| 176 | नृविज्ञान |
| 137 | अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान |
| 170 | एशियाई ईसाई अध्ययन |
| 112 | बैंकिंग प्रौद्योगिकी |
| 141 | जैव रसायन विज्ञान और आण्विक जीव विज्ञान |
| 153 | जैव सूचना विज्ञान |
| 147 | जैव प्रौद्योगिकी |
| 129 | रसायन विज्ञान |
| 100 | वाणिज्य |
| 231 | वाणिज्य (कारैकाल) |
| 213 | कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी |
| 235 | कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी (कारैकाल) |
| 239 | आपदा-प्रबंधन |
| 172 | नाटक एवं रंगमंच कला |
| 132 | पृथ्वी विज्ञान |
| 149 | पारिस्थितिकी और पर्यावरण विज्ञान |
| 108 | अर्थशास्त्र |
| 193 | शिक्षाशास्त्र |
| 200 | इलेक्ट्रानिक मीडिया |
| 216 | इलैक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग |
| 157 | अंग्रेजी |
| 186 | यूरोपीय अध्ययन |
| 219 | पर्यावरण प्रौद्योगिकी |
| 151 | खाद्य विज्ञान और पोषण |
| 151 | खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी |
| 160 | फ्रांसीसी भाषा |
| 221 | हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी |
| 162 | हिन्दी |
| 182 | इतिहास |
| 116 | अंतर्राष्ट्रीय व्यापार |
| 208 | पुस्तकालय और सूचना विज्ञान |
| 237 | समुद्री जैव विज्ञान |
| 198 | जनसंचार |
| 103 | प्रबंधन |
| 231 | प्रबंधन (कारैकाल) |
| 119 | गणित |

| | |
|---|---|
| 224 | नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी |
| 166 | दर्शनशास्त्र |
| 167 | फिजिकल एजुकेशन और खेल |
| 126 | भौतिकी |
| 184 | राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन |
| 164 | संस्कृत |
| 191 | सामाजिक बहिष्कार एवं समावेश नीति |
| 180 | सामाजिक कार्य |
| 178 | समाजशास्त्र |
| 187 | दक्षिण एशियाई अध्ययन |
| 120 | सांख्यिकी |
| 98 | तमिल |
| 110 | पर्यटन अध्ययन |
| 190 | महिला अध्ययन |
| **स्नातकोत्तर डिप्लोमा** | |
| 221 | हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी |
| 227 | अपराध विज्ञान & फोरेंसिक विज्ञान |
| 229 | बौद्धिक संपदा अधिकार |
| 176 | फोरेंसिक नृविज्ञान |

## विद्यापीठ तथा विभाग / केन्द्र


| पृ.सं. | |
|---|---|
| 98 | **सुब्रमणिय भारती तमिल भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ** |
| 100 | **प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ** |
| 103 | प्रबंध अध्ययन विभाग |
| 106 | वाणिज्य विभाग |
| 108 | अर्थशास्त्र विभाग |
| 110 | पर्यटन अध्ययन विभाग |
| 112 | बैंकिंग प्रौद्योगिकी विभाग |
| 116 | अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विभाग |
| 232 | प्रबंधन विभाग (कारैकाल) |
| 234 | वाणिज्य विभाग (कारैकाल) |
| 118 | **रामानुजम् गणितीय विज्ञान विद्यापीठ** |
| 119 | गणित विभाग |
| 120 | सांख्यिकी विभाग |
| 125 | **भौतिकी, रसायनिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ** |
| 126 | भौतिकी विभाग |
| 129 | रसायन विज्ञान विभाग |
| 132 | पृथ्वी विज्ञान विभाग |
| 137 | अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग |
| 239 | तटीय आपदा-प्रबंध विभाग |
| 139 | **जीवविज्ञान विद्यापीठ** |
| 141 | जैव रसायन विज्ञान और आण्विक जीव विज्ञान विभाग |
| 144 | सूक्ष्म जैविकी विभाग |
| 146 | जीनोमिक विज्ञान केंद्र |
| 147 | जैव प्रौद्योगिकी विभाग |
| 149 | पारिस्थितिकी और पर्यावरण विज्ञान विभाग |
| 237 | महासागर अध्ययन और समुद्री जैव विज्ञान विभाग |
| 151 | खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग |
| 152 | जैव सूचना विज्ञान विभाग |
| 156 | **मानविकी विद्यापीठ** |
| 157 | अंग्रेजी विभाग |
| 160 | फ्रांसीसी भाषा विभाग |

| | |
|---|---|
| 162 | हिंदी विभाग |
| 164 | संस्कृत विभाग |
| 166 | दर्शन विभाग |
| 167 | फिजिकल एजुकेशन और खेल विभाग |
| 169 | विदेशी भाषा केंद्र |
| 170 | एशियाई ईसाई अध्ययन में एस्केंडे अध्ययन-पीठ |
| 171 | **प्रदर्शन कला विद्यापीठ** |
| 172 | प्रदर्शन कला विभाग |
| 175 | **सामाजिक विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विद्यापीठ** |
| 176 | नृविज्ञान विभाग |
| 178 | समाजशास्त्र विभाग |
| 180 | सामाजिक कार्य विभाग |
| 182 | इतिहास विभाग |
| 184 | राजनीति शास्त्र और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विभाग |
| 186 | यूरोपीय अध्ययन केंद्र |
| 187 | यूनेस्को मदनजीत सिंह दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संस्थान (यूएमआईएसएआरसी) & दक्षिण एशियाई अध्ययन केंद्र |
| 189 | विश्वविद्यालय अनुदान आयोग दक्षिण एशियाई अध्ययन केंद्र |
| 190 | महिला अध्ययन केंद्र |
| 191 | सामाजिक बहिष्कार एवं समावेश नीति अध्ययन विभाग |
| 192 | विश्वविद्यालय अनुदान आयोग महासागर अध्ययन केंद्र |
| 193 | शिक्षाशास्त्र विद्यापीठ |
| 196 | वयस्क और निरंतर शिक्षा केंद्र |
| 197 | चिकित्सा विज्ञान विद्यापीठ |
| 198 | **मीडिया और संचार विद्यापीठ** |
| 200 | इलेक्ट्रानिक मीडिया और जनसंचार विभाग |
| 208 | पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग |
| 212 | **अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ** |
| 213 | कंप्यूटर विज्ञान विभाग |
| 235 | कंप्यूटर विज्ञान विभाग (कारैकाल) |
| 216 | इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग |
| 218 | प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरणीय अभियांत्रिकी विभाग |
| 220 | **मदनजीत हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी विद्यापीठ** |

| | |
|---|---|
| 221 | हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी विभाग |
| 224 | नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग |
| 227 | **विधि विद्यापीठ** |
| 241 | **एड-ऑन  पाठ्यक्रम** |
| 244 | **प्लेसमेंट सेल** |
| 245 | **फिजिकल एजुकेशन और खेल निदेशालय** |
| 247 | **विश्वविद्यालय अनुदान आयोग- मानव संसाधन विकास केंद्र** |
| 248 | **पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय कम्युनिटी कॉलेज** |
| 252 | **दूरस्थ शिक्षा निदेशालय** |

# श्री सुब्रमणिय भारती तमिल भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ

**विद्यापीठाध्यक्ष (प्रभारी): आचार्य इलमती जानकीरामन**

तमिल विभाग सन् 1986 में आरम्भ किया गया। इसे सन् 2003 में श्री सुब्रमणिय भारती तमिल भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ के रूप में परिवर्तित किया गया। यह विद्यापीठ तमिल भाषा एवं साहित्य के निम्नलिखित शैक्षिक तथा शोध कार्यों के लिए कार्यरत है। प्रति वर्ष तमिल विद्यापीठ छात्रों, शोधार्थियों व संकाय-सदस्यों के लिए तमिल साहित्य में निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

1. एण्डोमेन्ट व्याख्यान : 14
2. अतिथि व्याख्यान : 25
3. भारती दिवस समारोह – राष्ट्रीय तमिल कवि सुब्रमणिय भारती-जयन्ती के उपलक्ष्य में।
4. अग्रणी तमिल संस्थाओं के विद्वानों के साथ छात्रों का पारस्परिक-सम्मेलन कार्यक्रम।
5. तमिल विद्यापीठ प्रति सप्ताह बुधवार को शोधार्थियों एवं छात्रों के हित के लिए साप्ताहिक संगोष्ठी (शोध मंच) का आयोजन करता है तथा प्रति शैक्षिक वर्ष में 2 राष्ट्रीय संगोष्ठियों / कार्यशालाओं का आयोजन करता है।
6. एम.ए. में उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को विश्वविद्यालय द्वारा छात्रवृत्ति से सम्मानित किया जाता है। विश्वविद्यालय की छात्रवृत्ति के अतिरिक्त, शोधार्थी यू.जी.सी.-नेट/ जे.आर.एफ., आर.जी.एन.एफ. आदि अन्य छात्रवृत्तियाँ एवं अध्येतावृत्तियाँ भी प्राप्त करते हैं।
7. तमिल विद्यापीठ से जुडे हुए सभी पीएच.डी. शोधार्थी विभिन्न सरकारी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों तथा निजी महाविद्यालयों में आचार्य, सह- आचार्य अथवा सहायक आचार्य के रूप में कार्यरत हैं। अधिकतर एम. ए. के छात्र विभिन्न सरकारी तथा सरकारी सहकृत विद्यालयों में अध्यापक स्नातकोत्तर सहायक के रूप में कार्यरत हैं।

विद्यापीठ में 130 से भी अधिक पीएच.डी. शोधार्थी अध्ययन कर चुके हैं। वर्तमान में 31 शोधार्थी अध्ययन कर रहें हैं तथा सभी यू.जी.सी.-जे.आर.एफ. उत्तीर्ण हैं। तमिल विद्यापीठ में 4 पोस्ट डोक्टोरल फेलोशिप शोधार्थी शोध कर रहें हैं।

यह विद्यापीठ तमिल साहित्य के विभिन्न क्षेत्रों-यथा प्राचीन तमिल व्याकरण, संगम साहित्य, सिद्ध साहित्य, इतिहास साहित्य, भक्ति साहित्य, आधुनिक साहित्य, तुलनात्मक साहित्य तथा लोक साहित्य पर गहन अध्ययन करने के लिए सुविधाएँ प्रदान करता है। साहित्यिक सिद्धान्त तथा व्याकरण इस विद्यापीठ के मुख्य क्षेत्र हैं।

तमिल विद्यापीठ में एम.ए. तथा पीएच.डी छात्रों की सुविधा के लिए 32 कंप्यूटर, इंटरनेट तथा वातानुकूल सुविधा से युक्त कंप्यूटर प्रयोगशाला का प्रावधान है। तमिल विद्यापीठ में एम.ए. तथा पी.एच.डी छात्रों की सुविधा के लिए 3000 पुस्तकों से युक्त वातानुकूलित पुस्तकालय है। तमिल विद्यापीठ में सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली तथा एल.सी.डी. प्रोजेक्टर सहित वातानुकूलित सभागार भी है।

अप्रैल 2015 से मार्च 2020 तक निम्नलिखित दो शोध क्षेत्रों में विद्यापीठ में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित विशेष सहायता कार्यक्रम (चरण - III) सक्रिय है।

**सिद्ध साहित्य तथा पाण्डुलिपि (116 लाख)**

| **शैक्षिक पाठ्यक्रम** |
|---|
| एम.ए. तमिल<br>पीएच.डी. तमिल |
| **प्रवेश परीक्षा** |
| एम.ए. प्रवेश परीक्षा में तमिल भाषा एवं साहित्य से संबंधित 100 बहुवैकल्पिक प्रश्न होंगे।<br>पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा में तमिल भाषा एवं साहित्य से संबंधित 100 बहुवैकल्पिक प्रश्न होंगे। |

**संकाय**

**आचार्य**

**आर. नलंगिल्ली, पीएच.डी.** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता: तुलनात्मक साहित्य और साहित्य सिद्धांत।

**के. इलमती जानकीरमन, पीएच.डी.** (अन्नामलै विश्वविद्यालय, चिदंबरम्)

विशेषज्ञता: सिद्ध साहित्य, धार्मिक साहित्य तथा रचनात्मक साहित्य

**एम. मदियलगन, पीएच.डी.** (विचाराधीन निलंबन) (अन्नामलै विश्वविद्यालय, चिदंबरम्)

विशेषज्ञता: आधुनिक साहित्य, साहित्यिक आलोचना तथा प्रवासी साहित्य।

**ए.तिरुनागलिंगम, पीएच.डी.**(पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)

विशेषज्ञता: लोकगीत, प्राचीन तमिल व्याकरण, मार्क्सवाद तथा साहित्य।

**सह-आचार्य**

**वी.आरुमुगम्, पीएच.डी.** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)

विशेषज्ञता: तमिल ड्रामा, थेरुक्कूत्तु, नृत्य, अभिनय, नाटक लेखन

**एम. जीवा, पीएच.डी.** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)

विशेषज्ञता: उत्तर आधुनिकतावाद, सांकेतिकता, रंगमंच कलाएँ

**सहायक-आचार्य (वरिष्ठ वेतनमान)**

**एम. करुणानिधि, पीएच.डी.** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता: लोककथा तथा पाण्डुलिपि।

**सहायक-आचार्य**

**बी. रविकुमार, पीएच.डी.** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)

विशेषज्ञता: आधुनिक साहित्य, साहित्यिक आलोचना तथा रचनात्मक साहित्य

**आर. श्रीविद्या, पीएच.डी.** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)

विशेषज्ञता: आधुनिक साहित्य, नारीवाद तथा उपनिवेशवाद

# प्रबंधन विद्यापीठ

**विद्यापीठाध्यक्ष : आचार्य जी. आंजनेय स्वामी**

**पुदुच्चेरी परिसर**

प्रबंधन अध्ययन विभाग
वाणिज्य विभाग
अर्थशास्त्र विभाग
पर्यटन अध्ययन विभाग
बैंकिंग प्रौद्योगिकी विभाग
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विभाग

**कारैकाल परिसर**

प्रबंधन विभाग
वाणिज्य विभाग

प्रबंधन विद्यापीठ (एस.ओ.एम.) परिसर के प्रतिष्ठित उत्कृष्ट विद्यापाठों में से एक है जिसका ध्यान मुख्य रूप से व्यवसाय से संबंधित पाठ्यक्रमों पर केंद्रित है। निम्नलिखित शैक्षणिक पाठ्यक्रम (स्नातकोत्तर तथा अनुसंधानात्मक) प्रबंधन विद्यापीठ के विभिन्न विभागों द्वारा प्रदान किये जाते हैं।

पूर्णकालिक पाठ्यक्रम

| विभाग | शैक्षणिक पाठ्यक्रम | स्थान |
|---|---|---|
| प्रबंधन अध्ययन विभाग | पीएच.डी.<br>एम.बी.ए.<br>एम.बी.ए. (बी.ए.)*# | मुख्य परिसर |
| | पीएच.डी.<br>एम.बी.ए. (आई.एम.)* | कारैकाल परिसर |
| वाणिज्य विभाग | पीएच.डी.<br>एम.कॉम (बी.एफ.)*<br>एम.कॉम (ए.टी.)* | मुख्य परिसर |
| | पीएच.डी.<br>एम.कॉम (बी.एफ.) | कारैकाल परिसर |
| अर्थशास्त्र विभाग | पीएच.डी.<br>एम.ए. (एसीओ) | मुख्य परिसर |
| पर्यटन अध्ययन विभाग | पीएच.डी.<br>एम.बी.ए. (टीटीएम) | मुख्य परिसर |
| बैंकिंग प्रौद्योगिकी विभाग | पीएच.डी.<br>एम.बी.ए. (बैंकिंग प्रौद्योगिकी) | मुख्य परिसर |
| अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विभाग | पीएच.डी.<br>एम.बी.ए. (आई.बी.)*<br>पीजीडीएफटी | मुख्य परिसर |

## अंशकालिक पाठ्यक्रम

| विभाग | शैक्षणिक पाठ्यक्रम | स्थान |
|---|---|---|
| प्रबंधन अध्ययन विभाग | एम.बी.ए. (पीटी)# | मुख्य परिसर |

* बी.ए. - बिजिनेस अनलिटिक्स
* आई.एम. - इंस्योरेंस मैनेजमेंट
* बी.एफ. - बिजिनेस फाइनेंस
* ए.टी. - एकाउंटिंग & टैक्सेशन
* टीटीएम - टूरिजम् & ट्रेवेल मैनेजमेंट
* बी.टी. - बैंकिंग टेक्नोलोजी
*आई.बी. - इंटरनेशनल बिजिनेस
*ईसीओ - एकॉनोमिक्स

# स्वयं वित्त पोषित कार्यक्रम

**कैट अंक के माध्यम से प्रवेश**

एम.बी.ए (व्यवसाय प्रशासन) एम.बी.ए (बिजनेस एनालिटिक्स) और एम.बी.ए (इंटरनेशनल बिजनेस) में प्रवेश नवंबर, 2018 कैट के अंकों पर आधारित होगा। इन तीन पाठ्यक्रमों के लिए पृथक आवेदन करें।

**विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश**

अन्य एमबीए कार्यक्रमों जैसे कि एमबीए (अंशकालिक), एमबीए (पर्यटन तथा यात्रा प्रबंधन), एमबीए (बीमा प्रबंधन) के लिए प्रवेश परीक्षा, प्रबंधन विद्यापीठ के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक कॉमन एडमिशन टेस्ट के माध्यम से होगा जिसमें निम्नलिखित अनुभागों होंगे।

| | | |
|---|---|---|
| खंड -ए | अंग्रेजी की सामान्य जानकारी | 20 अंक |
| खंड -बी | मात्रात्मक योग्यता | 20 अंक |
| खंड -सी | तार्किक विश्लेषण | 20 अंक |
| खंड -डी | डाटा विश्लेषण | 20 अंक |
| खंड -ई | सामान्य ज्ञान | 20 अंक |

एम.बी.ए (बैंकिंग प्रौद्योगिकी) के लिए विश्वविद्यालय द्वारा पृथक प्रवेश परीक्षा आयोजित की जायेगी जिसमें निम्नलिखित अनुभाग होंगे।

| | | |
|---|---|---|
| खंड -ए | अंग्रेजी की सामान्य जानकारी | 15 अंक |
| खंड -बी | मात्रात्मक योग्यता | 15 अंक |
| खंड -सी | तार्किक विश्लेषण & डाटा विश्लेषण | 30 अंक |
| खंड -डी | कंप्यूटर विज्ञान | 30 अंक |
| खंड -ई | सामान्य ज्ञान | 10 अंक |

अभ्यर्थी को इन सभी 4 एमबीए पाठ्यक्रम एम.बी.ए (अंशकालिक), एम.बी.ए (पर्यटन और यात्रा प्रबंधन), एम.बी.ए (बैंकिंग प्रौद्योगिकी) तथा एम.बी.ए (बीमा प्रबंधन) के लिए प्रबंधन विद्यापीठ के अधीन पृथक आवेदन करना होगा। अभ्यर्थी का चयन योग्यता तथा विश्वविद्यालय के वैधानिक नियमों के मानदंड के अनुसार किया जाएगा।

**शिक्षण तथा अनुसंधान के मुख्य क्षेत्र**

प्रबंधन विद्यापीठ शैक्षणिक कार्यक्रम में शिक्षण पर केन्द्रित यह विशेष कौशल प्रदान करता है –

- सामान्य प्रबंधन
- कार्यात्मक क्षेत्र जैसे वित्त / मानव संसाधन / विपणन प्रणाली।
- द्विपाक्षिक क्षेत्र जैसे बैंकिंग प्रौद्योगिकी / पर्यटन / बीमा तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापार।
- कॉर्पोरेट लेखा, कर व्यवस्था और व्यवसायात्मक वित्त व्यवस्था। अर्थशास्त्र सिद्धांत के प्राथमिक तथा अनुप्रयुक्त विषय।

प्रबंधन विद्यापीठ निम्नलिखित क्षेत्रों में पी.एच डी के स्तर पर शोध के लिए महत्त्व देती है।

- उत्पादन और संचालन प्रबंधन
- मानव संसाधन प्रबंधन
- विपणन रणनीति तथा ब्रांड प्रबंधन
- वित्तीय सेवाएँ और वित्तीय अभियान्त्रिकी
- बैंकिंग में कंप्यूटर अनुप्रयोग
- बीमा तथा विपत्ति प्रबंधन
- मुद्रा नीति और भारतीय रिजर्वबैंक का संचालन
- सूक्ष्म वित्त
- वस्तु व्युत्पन्न
- पर्यटन तथा आतिथ्य प्रबंधन

**आधारभूत संरचना की सुविधाएँ :**

प्रबंधन विद्यापीठ के सभी विभाग के कक्षाएँ वातानुकूलित तथा वाई-फाई से सुसज्जित हैं। योग्य पूर्णकालिक आचार्य / औद्योगिक विशेषज्ञ द्वारा समर्थन संकाय की पहचान है। हर विभाग में एक पृथक कंप्यूटर लैब है जो डोमेन विशिष्ट सॉफ्टवेयर के युक्त है।

विद्यापीठ का पृथक सभागार, पुस्तकालय तथा राज्य-कला-व्याख्यान सभागार परिसर है।

विद्यापीठ के पास उन्नत डेटाबेस जैसे कि सी.एम.आई.ई. i3 डेटा सेवा, ई संसाधनों के साथ ब्लूमबर्ग संसाधन, एच.बी.आर. केसेस, एस.पी.एस.एस. सॉफ्टवेयर, भारतीय अर्थव्यवस्था डेटाबेस, कैपिटल लाइन आदि की सदस्यता है।

**रोजगार-सहायता :**

विद्यापीठ का विशिष्ट बल छात्रों का स्थानन है। पाण्डिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत सभी प्रबंधन पाठ्यक्रम रोजगारोन्मुख हैं तथा संबंधित विभाग छात्र को नियुक्ति-प्रक्रिया की सुविधा प्रदान करते हैं।

# प्रबंधन- अध्ययन विभाग

## प्रबंधन विद्यापीठ

प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा सन् 1986 में प्रप्रथम एम.बी.ए पाठ्यक्रम आरंभ किया गया जिससे विभाग का विश्वविद्यालय में विशिष्ट स्थान है। पिछले 32 सालों से यह विभाग एम.बी.ए. पाठ्यक्रम, प्रबंधन शोध, संगठनात्मक प्रगति तथा सरकारी अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए सदा तत्पर रहा है। शैक्षणिक सत्र 2019-20 के लिए प्रबंधन अध्ययन विभाग की आधिकारिक छात्र स्वीकृति 153 है (जिसमें 133 कैट अंकों के द्वारा + 2 अण्डमान तथा निकेबार + 18 विदेशी / अप्रवासी भारतीय के लिए है)। इस विभाग के पूर्व छात्र देश तथा विदेश की सरकारी, औद्योगिक तथा शैक्षणिक संस्थाओं के उन्नत पदों पर नियुक्त हैं। प्रबंधन अध्ययन विभाग की गणना सम्मानित पत्रिकाओं द्वारा तथा अन्य संस्थाओं द्वारा भारत के उच्चतम प्रबंधन संस्थाओं में होती है। प्रबंधन अध्ययन विभाग शैक्षणिक वर्ष 2019-20 से दो वर्षीय पूर्णकालिक एम.बी.ए (बिजनेस एनालिटिक्स) और तीन साल का एम.बी.ए (अंशकालिक) स्वयं वित्त पोषित पाठ्यक्रम के अधीन दो नए एम.बी.ए शुरू कर रहा है।

**अध्ययन पाठ्यक्रम**

एम.बी.ए. व्यापार प्रबन्धन
एम.बी.ए. बिजनेस एनालिटिक्स
एम.बी.ए. (अंशकालिक) स्वयं वित्त पोषित
प्रबन्धन में पीएच. डी

**प्रवेश परीक्षा**

**प्रबन्धन अध्ययन विभाग में प्रवेश प्रक्रिया**

कैट अंक के आधार पर यह विभाग एम.बी.ए में छात्रों को प्रवेश प्रदान करता है। 1:3 के अनुपात में चयनित छात्रों को सामूहिक चर्चा एवं वैयक्तिक साक्षात्कार के लिए आमन्त्रित किया जाता है। यह प्रक्रिया प्रति वर्ष मार्च के महीने में होती है।

**प्रबन्धन विभाग में एम.बी.ए. (**बिजिनेस अनलिटिक्स- स्वयं वित्त पोषित**) के लिए प्रवेश प्रक्रिया**

प्रबन्धन विभाग, एम.बी.ए. (बिजनेस एनालिटिक्स – सेल्फ फाईनेंस) के लिए छात्रों का प्रवेश कैट अंक के आधार पर करता है। 1:3 के अनुपात में चयनित छात्रों को सामूहिक चर्चा एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए आमन्त्रित किया जाता है। यह प्रक्रिया प्रति वर्ष मार्च के महीने में होती है।

**प्रबन्धन विभाग में एम.बी.ए. (सेल्फ फाईनेंस) के लिए प्रवेश प्रक्रिया**

प्रबन्धन विभाग में एम.बी.ए. (सेल्फ फाईनेंस) में प्रवेश के लिए पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय द्वारा सार्वजनिक प्रवेश परीक्षा **केवल पांडिच्चेरी केन्द्र में** आयोजित की जायेगी जिसमें बहुविकल्पात्मक प्रश्न होंगे। प्रवेश परीक्षा के प्रश्न पत्र का प्रारूप निम्नलिखित है।

| | | |
|---|---|---|
| खंड -ए | अंग्रेजी की सामान्य जानकारी | 20 अंक |
| खंड -बी | मात्रात्मक योग्यता | 20 अंक |
| खंड -सी | तार्किक विश्लेषण | 20 अंक |
| खंड -डी | डाटा विश्लेषण | 20 अंक |
| खंड -ई | सामान्य ज्ञान | 20 अंक |

जो छात्र एम.बी.ए अंशकालिक पाठ्यक्रम के प्रवेश परीक्षा के लिए उपस्थित होंगे, उन्हें दिनांक जून 22 तथा 23 को प्रबन्धन अध्ययन विभाग में सामूहिक चर्चा तथा वैयक्तिक साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना अनिवार्य है।

**प्रबन्धन अध्ययन विभाग में डॉक्टरल शोध [पी एच.डी.] के लिए प्रवेश प्रक्रिया (पांडिच्चेरी तथा कारैकाल परिसर- दोनों में)**

पी एच.डी. के प्रवेश नियम पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के नियमानुसार हैं। पीएच.डी. शोध पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जायेगी जिसमें बहुविकल्पात्मक प्रश्न होंगे तथा चयनित छात्रों को वैयक्तिक साक्षात्कार के लिए आह्वान किया जायेगा। मुख्य रूप से प्रवेश परीक्षा में विषय होंगे: प्रबंधन का प्रयोजनमूलक क्षेत्र, व्यूह प्रबंधन, सूचना सिस्टम्स, ऑपरेशनल रिसर्च एवं शोध प्रविधि, अंग्रेजी तथा तार्किक विश्लेषण

**प्रबन्धन अध्ययन विभाग में एम.बी.ए पाठ्यक्रम के विषय में**

1. एम.बी.ए – 2 वर्ष (4 सत्र) पूर्ण कालिक पाठ्यक्रम
2. एम.बी.ए – 3 वर्ष (6 सत्र) अंशकालिक पाठ्यक्रम, स्वयं वित्त पोषित योजना के अधीन
3. एम.बी.ए बिजनेस एनालिटिक्स – 2 वर्ष (4 सत्र) पूर्ण कालांश पाठ्यक्रम स्वयं वित्त पोषित योजना के अधीन।

ये पाठ्यक्रम छात्रों को प्रबन्धन क्षेत्र में सफल करियर के लिए तैयार करता है। हालांकि पूर्ण कालिक पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष तथा अंशकालिक पाठ्यक्रम के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम सम्पूर्णतः मूलभूत विषयों के पाठन के लिए निबद्ध है। अन्तिम वर्ष में छात्रों को उनके द्वारा चयनित विशेष विषय में गभीर अध्ययन करवाया जाता है। प्रत्येक छात्र दो विशेष पाठ्यक्रम का चयन कर सकता है।

एम.बी.ए. के पाठ्यक्रम में मुख्य (कोर) तथा वैकल्पिक (इलेक्टिव) विषय प्रदान किये जाते हैं। मुख्य विषय छात्रों को प्रबन्धन के मूलभूत विषयों में वैचारिक ज्ञान प्रदान करता है। वैकल्पिक विषय छात्रों को उनके द्वारा चयनित प्रबन्धन विशेष विषय के प्रायोगिक कौशल में यथा वित्त, विपणन, मानव संसाधन, सिस्टम्स एण्ड ओपरेशन्स में समृद्ध करता है।

सभी एम.बी.ए पाठ्यक्रमों के लिए औद्योगिक क्षेत्र तथा शैक्षणिक क्षेत्र के मुख्य व्यक्तियों के द्वारा विशेष व्याख्यान, औद्योगिक यात्राओं तथा कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है।

**शोध के प्रमुख क्षेत्र**

1. विपणन
2. वित्त
3. मानव संसाधन
4. संचालन तथा आपूर्ति श्रृंखला
5. सिस्टम्स

**आधारभूत संरचना की सुविधाएँ :**

प्रबंधन अध्ययन विभाग सभागार, वातानुकूलित कक्षा, कंप्यूटर केन्द्र तथा केन्द्रिय पुस्तकालय से युक्त है।

**उद्योग नियुक्ति**

प्रमुख आई.टी/आईटीईएस, निजी तथा सरकारी बैंक, उत्पाद, सेवा, तथा तकनीकी क्षेत्र के भारतीय तथा बहुदेशीय कम्पनी विभाग के छात्रों को नियुक्ति देती हैं।

**संकाय:**

**आचार्य**

**आर. पन्नीरसेल्वम, पी एच.डी.** (अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञ: ऑपरेशन्स मैनेजमैंट, सिस्टम्स, ऑपरेशन्स रिसर्च & क्वान्टिटेटिव टेक्निकस & सिमुलेशन।

**एस. हरिहरन, पी एच.डी.** (भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली)

विशेषज्ञता: मैनेजेरियल फाइनेंस, मैनेजेरियल अकाउंटिंग, कॉर्पोरेट फाइनेंस और स्ट्रेजिक कॉस्ट अकाउंटिंग ।

**टी. नंबिराजन, पी एच.डी. (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)**

विशेषज्ञता: उत्पादन और संचालन प्रबंधन, सेलुलर विनिर्माण प्रणाली, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन,एमआईएस।

**आचार्य एवं अध्यक्ष :**

**आर. चित्रा शिवसुब्रमण्यन, पी एच.डी.** (मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै)

विशेषज्ञता: मानव संसाधन प्रबंधन, औद्योगिक संबंध और रणनीतिक प्रबंधन।

**आचार्य :**

**बी. चारुमती, पी एच.डी.** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता: लेखा और वित्तीय प्रबंधन के सभी क्षेत्र (सेक्टोरल सहित), मानव संसाधन, उद्यमिता और वित्तीय सेवाओं का मार्केटिंग।

**एस. विक्टर आनंद कुमार**, पी एच.डी. (कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: मार्केटिंग मैनेजमेंट, इंटरनेट मार्केटिंग,पर्यटन मार्केटिंग और कार्यकारी कौशल विकास।

**सह-आचार्य**

**उमा चंद्रशेखरन**, **पीएच.डी.** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)

विशेषज्ञता: मार्केटिंग, ब्रैंड प्रबंधन, सेवा तथा मार्केटिंग और संचार कौशल विकास।

**आर. काशीलिंगम, पी एच.डी.** (अलगप्पा विश्वविद्यालय, कारैकुडि)

विशेषज्ञता: वित्तीय प्रबंधन, व्यवसाय कानून, सुरक्षा विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन और उन्नत डेटा विश्लेषण।

**आर. वेंकटकुमार**, **पीएच.डी.** (वी.आई.टी. विश्वविद्यालय, वेल्लोर)

विशेषज्ञता: मार्केटिंग प्रबंधन, क्वांटिटेटिव मेथड्स, शोध प्रविधि, सांख्यिकी, संचालन अनुसंधान।

**सहायक-आचार्य**

**एल. मोतीलाल, पी एच.डी.** (उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद)

विशेषज्ञता: व्यावसायिक वातावरण, ग्राहक सेवा और संबंध प्रबंधन और सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन

**एस. रियाजुद्दीन, पीएच.डी.** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता: मानव संसाधन प्रबंधन और विपणन

**बी. राजेश्वरी, पीएच.डी**. (गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान - मानित विश्वविद्यालय, दिण्डिगल्)

विशेषज्ञता: विपणन प्रबंधन, संचालन प्रबंधन और कुल गुणवत्ता प्रबंधन।

**के. लावण्या लता, पीएच.डी.** (श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति)

विशेषज्ञता: विपणन और मानव संसाधन प्रबंधन, उद्यमिता

**जी. मदन मोहन, पीएच.डी.** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता: वित्तीय प्रबंधन, परियोजना प्रबंधन, व्यापार कानून और सामरिक प्रबंधन

# वाणिज्य विभाग
## प्रबंधन विद्यापीठ

वाणिज्य विभाग पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के अग्रणी विभागों में से एक है। पारंपरिक एम.कॉम पाठ्यक्रम से स्वयं को पृथक करता हुआ यह विभाग वाणिज्य, एम.कॉम (बिजनेस फाइनेंस) में 'फाइनेंस' पर विशेष ध्यान देते हुए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान करता है। विभाग का उद्देश्य "वित्त को संभालने के लिए आवश्यक गहन ज्ञान और पेशेवर कौशल प्रदान करना है।" चूँकि विभिन्न निगमित उद्यमों व अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में लेखांकन और कराधान पेशेवरों की आवश्यकता है, शैक्षणिक वर्ष 2011-2012 से विभाग ने एक और विशेष एम.कॉम (लेखा और वाणिज्य) कार्यक्रम का आरंभ किया। इस पाठ्यक्रम को लेखा और वाणिज्य के क्षेत्र की जानकारी रखने वाले कॉर्पोरेट क्षेत्र की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उक्त क्षेत्रों में मानव-संसाधनों को तैयार करने हेतु चार्टर्ड एकाउंटेंसी और कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंसी जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का निर्माण किया गया है।

विभाग पीएच.डी. कार्यक्रम चलाता है और लेखा, वित्त, बैंकिंग, विपणन के क्षेत्र में अनुसंधान को भी प्रोत्साहित करता है, कार्मिक प्रबंधन और अन्य संबंधित क्षेत्रों में भी विभाग का अनुसंधान कार्य चल रहा है। विभाग के पीएचडी शोध-छात्रों में से 95% को जे.आर.एफ., एम.ए.एन.एफ., आर.जी.एन.एफ. आदि छात्रवृत्तियाँ प्राप्त हैं और बाकी शोध-छात्रों को विश्वविद्यालय के द्वारा छात्रवृत्ति मिलती है।

विभाग व्याख्यान, इंटरैक्टिव सत्र, केस विश्लेषण, समकालीन विषयों पर समूह चर्चा, इंटर्नशिप प्रशिक्षण और परियोजना कार्य इत्यादि के माध्यम से ज्ञान प्रदान करता है। इसके अलावा, कैरियर मार्गदर्शन और परामर्श, संस्थान-उद्योग संपर्क कार्यक्रम, आई.सी.टी. का प्रयोग, औद्योगिक / क्षेत्र का दौरा, शैक्षिक दौरे और विश्वविद्यालयों और अन्य संस्थानों की शैक्षणिक गतिविधियों में छात्रों की भागीदारी के कारण छात्रों को व्यावहारिक जानकारी दिलाने का प्रावधान भी है। अकादमिक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए विभाग को एसएपी (डीआरएस) के तहत यूजीसी द्वारा समर्थन प्राप्त है और वित्त के समसामयिक अध्ययन-क्षेत्रों में से एक-"व्युत्पन्न तथा जोखिम प्रबंधन" पर विभाग में विशेष रूप से जोर दिया जा रहा है। एसएपी की स्वीकृति तथा द्वितीय स्तर तक इसे जारी रखना विभाग की अध्ययन एवं अनुसंधान-क्षमता और का प्रमाण है। इस विभाग के सभी संकाय-सदस्य अनुसंधान मार्गदर्शक हैं। 400 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नल व अन्य शोध-पत्रिकाओं में विभाग के संकाय-सदस्यों के शोध पत्र प्रकाशित हैं। विभाग ने अब तक 4 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 20 से अधिक राष्ट्रीय संगोष्ठियों व कार्यशालाओं का भी आयोजन किया है।

**अध्ययन- कार्यक्रम :**

**एम.कॉम** बिजिनेस फाइनेंस

**एम.कॉम** लेखांकन और कराधान

**पीएच.डी** (पूर्णकालिक एवं अंशकालिक)

**प्रवेश परीक्षा :**

एम.कॉम बिज़नेस फ़ाइनेंस और एम.कॉम एकाउंटिंग एंड टैक्सेशन के लिए प्रवेश परीक्षा में लेखांकन, बैंकिंग, संगठनात्मक व्यवहार, कराधान, बीमा, लागत, सांख्यिकी, लेखा परीक्षा, व्यापार, व्यापार के विधि संबंधी पहलू, विधि-अर्थशास्त्र, कॉर्पोरेट सेक्रेटरीशिप और सहयोग तथा विदेशी-व्यापार विषयों पर 100 बहुविकल्पीय शामिल होंगे। पीएचडी कार्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा में यूजीसी-नेट पाठ्यक्रम के अनुसार स्नातकोत्तर स्तर पर 100 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे।

**आधारभूत संरचना की सुविधाएँ :**

विभाग प्रबंधन विद्यापीठ भवन में उपस्थित है जो विशाल वातानुकूलित कक्षाएँ, ओवरहेड एलसीडी प्रोजेक्टर और 50 कंप्यूटर (इंटरनेट कनेक्शन के साथ) के साथ अच्छी तरह से सुसज्जित कंप्यूटर लैब से युक्त है। चौबीस घंटे इंटरनेट की सुविधा के साथ सीएमआईई प्रोवेस डाटा बेस, एस.पी.एस.एस. सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर सहित अनुसंधान के लिए आवश्यक अन्य प्रासंगिक सॉफ्टवेयर भी विभाग में उपलब्ध हैं। इसके अलावा, साइंस डायरेक्ट, ईबीएससीओ होस्ट आदि ऑन-लाइन पत्रिकाएँ छात्रों के लिए उपलब्ध हैं।

**प्लेसमेंट :**

वाणिज्य विभाग के छात्र विभिन्न प्रमुख कंपनियों व राष्ट्रीय शैक्षिक संस्थानों में कार्यरत हैं। हमारे छात्रों को वित्त, परामर्श लेखांकन और कराधान आदि क्षेत्रों में काम करने के लिए नियुक्त किया गया है। कइयों ने अनुसंधान अध्ययन के क्षेत्र में दाखिला लिया है। विभाग के द्वारा प्लेसमेंट की सुविधा भी दी जाती है।

**संकाय :**

**आचार्य :**

**मलबिका देव, पीएच.डी.** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: व्यापार सांख्यिकी, वित्तीय प्रबंधन,पोर्टफोलियो मैनेजमेंट, इंटरनेशनल फाइनेंस, ऑपरेशन अनुसंधान और व्युत्पन्न प्रबंधन।

**पी.नटराजन, पीएच.डी.** (अलगप्पा विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: परियोजना प्रबंधन, उद्यमिताविकास, फंड प्रबंधन और क्रियाविधि।

**आचार्य एवं अध्यक्ष :**

**डी.लजार, पीएच.डी.** (मद्रास विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: निगमित वित्त, सूक्ष्म वित्त, व्यवसाय विश्लेषण, निवेश और पोर्टफोलियो प्रबंधन, व्युत्पन्न और जोखिम प्रबंधन, प्रबंधन लेखांकन।

**सह – आचार्य :**

**वी.कविदा पीएच.डी.** (अलगप्पा विश्वविद्यालय, कारैकुडि)

विशेषज्ञता: लेखा और वित्त, बौद्धिक संपदा मूल्यांकन, अंतर्राष्ट्रीय वित्त, बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं

**सहायक आचार्य :**

**के.बी. निदेश, पीएचडी,** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: कराधान, वित्त, लेखा

**पी.एस.वेलमुरुगन, पीएच.डी.** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय)

**पीडीएफ** (अर्कांसस स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए) (असाधारण छुट्टी पर)

विशेषज्ञता : इंटरनैशनल ट्रेड, क्रेडिट इंश्योरेंस,अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन

**एस.शिजिन, पीएच.डी.** (आईआईटी, मद्रास)

विशेषज्ञता: निवेश और पोर्टफोलियो प्रबंधन, वित्तीय विवरण विश्लेषण, लेखा, सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण के तरीके

# अर्थशास्त्र विभाग

## प्रबंधन विद्यापीठ

अर्थशास्त्र विभाग को 1986 में स्थापित किया गया था। पिछले बत्तीस वर्षों में, विभाग ने भारत की अर्थशास्त्रपरक शिक्षा के नक्शे में एक जगह बना ली है। विभाग तीन कार्यों, अर्थात् शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार का निर्वहण करता है। अब तक, विभाग से बड़ी संख्या में स्नातकोत्तर साथ ही एम.फिल एवं पीएच.डी. से छात्र शिक्षित हो, बाहर निकले हैं और उनमें कइयों को देश में विविध प्रदेशों के प्रमुख संस्थानों में रोजगार प्राप्त है। विभाग, सरकार के प्रशिक्षण-अधिकारियों व निगमित क्षेत्र, विशेष रूप से अर्थमिति के क्षेत्र के लिए एक लोकप्रिय केंद्र के रूप में औ उभरकर आया है।

**अध्ययन – कार्यक्रम :**
अर्थशास्त्र में **एम.ए.** (स्नाकोत्तर)
अर्थशास्त्र में **पीएच.डी.** (पूर्णकालिक, अंशकालिक) (आंतरिक और बाहरी)

**प्रवेश परीक्षा :**
एम. ए. (स्नाकोत्तर) अर्थशास्त्र के लिए प्रवेश परीक्षा में स्नातकस्तर पर अर्थशास्त्र विषय में से 100 बहुविकल्पीय प्रश्न शामित होंगे। पीएच.डी के लिए प्रवेश परीक्षा में अर्थशास्त्र के स्नातकोत्तर स्तर पर 100 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे।

**अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र :**
विभाग के प्रमुख अनुसंधान-क्षेत्रों में विकास- अध्ययन, आर्थिक जनसांख्यिकी, पर्यावरण अर्थशास्त्र, वित्तीय अर्थशास्त्र, लिगं-अध्ययन, औद्योगिक अर्थशास्त्र, अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र,माइक्रोफाइनेंस, वित्त एवं बैंकिंग, और ओपन-इकोनॉमी, मैक्रोइकॉनॉमिक्स आदि शामिल हैं। उपरोक्त क्षेत्रों में विभाग के संकाय सदस्यों और पीएच.डी. शोधार्थियों ने बड़ी संख्या में अर्थशास्त्र में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शोध-पत्रिकाओं तथा जर्नल में अपने शोध प्रपत्र प्रकाशित किये हैं।

**प्लेसमेंट :** विभाग के पूर्व छात्र विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों और अन्य प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों में संकाय-सदस्यों के रूप में कार्यरत हैं; बहुराष्ट्रीय कंपनियों में अधिकारी/ प्रबंधक के रूप में/ बैंक, सरकारी नौकरियों और भारतीय नागरिक सेवाओं में भी कार्यरत हैं। विभाग के स्नातकोत्तर छात्र हर एक वर्ष सफलतापूर्वक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नेट/ जे.आर.एफ. और स्लेट की परीक्षाओं में उत्तीर्ण होते हैं। हमारे विभाग के अधिकांश छात्र आईआईएम, आईआईटी, अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों और अर्थशास्त्र में प्रतिष्ठित उच्च शिक्षा-संस्थानों में, अर्थात् सीडीएस, त्रिवेंद्रम; आईएसईसी, बैंगलोर; आईआईपीएस और टीआईएसएस, मुंबई; आई.एफ.एम.आर., एम.आई.डी.एस. और एम.एस.ई. चेन्नै आदि मे भी कार्यरत हैं।

**संकाय :**
**आचार्य** :
**एम.रामचंद्रन, पीएच.डी.** (हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद)
विशेषज्ञता- खुली अर्थव्यवस्था, मैक्रोइकॉनॉमिक्स, एप्लाइड अर्थमिति और सार्वजनिक अर्थशास्त्र।

**आचार्य एवं अध्यक्ष :**

**अमरेश सामंतराय, पीएच.डी.** (हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद)

विशेषज्ञता: मौद्रिक अर्थशास्त्र, मैक्रोइकॉनॉमिक्स, धन और बैंकिंग और अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र-अर्थमिति

**आचार्य** :

**वी. निर्मला, पीएच.डी.** (मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै)

विशेषज्ञता: कृषि अर्थशास्त्र, श्रम अर्थशास्त्र और लिंग अध्ययन

**सहायक आचार्य :**

**यास्मीन सुल्ताना, पीएच.डी.** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता: माइक्रोफाइनेंस, वेलफेयर इकोनॉमिक्स, लिंग- अध्ययन, स्वास्थ्य अर्थशास्त्र, इस्लामी अर्थशास्त्र

**ए. शंकरन, पीएच.डी.** (भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली)

विशेषज्ञता: औद्योगिक अर्थशास्त्र और अंत्रप्रेन्योरशिप-विकास

**एस.राजा सेतु दुरई, पीएच.डी.** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै) (असाधारण छुट्टी पर)

विशेषज्ञता: वित्तीय अर्थशास्त्र, मैक्रोइकॉनॉमिक्स और अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र- अर्थमिति

**आर. लुसोम, पीएच.डी.** (आईआईपीएस मुंबई)

विशेषज्ञता: आर्थिक जनसांख्यिकी

**सि जरोम समराज पीएच.डी.** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता: पर्यावरणीय अर्थशास्त्र और विकास अध्ययन

# पर्यटन अध्ययन विभाग
## प्रबंधन विद्यापीठ

हमारा विभाग 1991 में पर्यटन-प्रशासन विषय में स्नातकोत्तर (एम.ए.) पाठ्यक्रम का आरंभ करने वाला पहला विश्वविद्यालय-आधारित विभाग है। विभाग दो वर्षीय पूर्णकालिक एमबीए (टीटीएम) कार्यक्रम और पीएच.डी. का अनुसंधान कार्यक्रम प्रदान करता है। विभाग का एकमात्र उद्देश्य ज्ञान और कौशल के साथ सुसज्जित युवा स्नातकों और शोधकर्ताओं को तैयार करना है जो विभिन्न व्यवसायों के साथ पर्यटन और संबद्ध क्षेत्रों को जोडने, नेतृत्व करने और इन क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान-अध्ययन करने के लिए समर्थ हों। विभाग आकर्षक गतिविधियों और शैक्षिक गतिविधियों में सहयोग के लिए अपने पूर्व छात्रों के साथ घनिष्ठता बनाए रखता है।

विभाग प्लेसमेंट का त्रुटिहीन और प्रभावशाली ट्रैक रिकॉर्ड बनाए हुए है। डीटीएस.- यानी पर्यटन अध्ययन विभाग, देश का एकमात्र पर्यटन विभाग है जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा डीआरएस स्तर -II में विशेष सहायता कार्यक्रम (SAP) के साथ वित्त पोषित है। शैक्षणिक वर्ष 2015-16 से, नियमित पाठ्यक्रम के अलावा, छात्रों को पाठ्येतर व सह-पाठ्यक्रम की गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। पूर्व छात्रों, उद्योग और विश्वविद्यालय के सक्रिय समर्थन के साथ, विभाग

पर्यटन प्रबंधन शिक्षा, परामर्श और अनुसंधान में एक उत्कृष्ट-केंद्र के रूप में उभरने के लिए विभाग अथक प्रयास कर रहा है। ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीएएआई), इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (आईएटीओ) और साउथ इंडियन होटल्स एंड रेस्टोरेंट्स एसोसिएशन (एसआईएचआरए) आदि में विभाग सदस्य है।

**अध्ययन – कार्यक्रम:**

**एम.बी.ए.** (पर्यटन और यात्रा-प्रबंधन)

पर्यटन-अध्ययन में **पीएच.डी.**

**प्रवेश परीक्षा :**

एम.बी.ए. (टी.टी.एम.) कार्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा संचालित होगी और उसमें निम्नलिखित विषयों में प्रश्न शामिल होंगे।

| | | |
|---|---|---|
| **खंड-ए** | अंग्रेजी की सामान्य जानकारी | 20 अंक |
| **खंड-बी** | मात्रात्मक योग्यता | 20 अंक |
| **खंड-सी** | तार्किक विश्लेषण | 20 अंक |
| **खंड-डी** | डाटा विश्लेषण | 20 अंक |
| **खंड-ई** | सामान्य ज्ञान | 20 अंक |

अभ्यर्थियों को एम.बी.ए. (टी.टी.एम.) कार्यक्रम के लिए अलग से आवेदन करना होगा और चयन विश्वविद्यालय द्वारा योग्यता मानदंडों के आधार पर वैधानिक आरक्षण/सामान्य परामर्श के अनुसार किया जाएगा। पीएच.डी कार्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा में पर्यटन, यात्र और आतिथ्य के क्षेत्रों में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे।

**आधारभूत संरचना की सुविधाएँ :**

भौतिक और शैक्षणिक आधारभूत संरचना की सुविधाओं में अच्छी तरह से सुसज्जित वातानुकूलित क्लास रूम शामिल हैं जो सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के अत्याधुनिक उपकरणों से सक्षम हैं। इनके अतिरिक्त कंप्यूटर लैब, यात्रा संबंधी सॉफ्टवेयर, वाई-फाई सुविधा से युक्त परिसर, एलसीडी प्रोजेक्टर और अन्य मल्टीमीडिया साधन, ऑनलाइन पत्रिकाएँ, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शोध-पत्रिकाओं की सदस्यता इत्यादि सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

**सह पाठ्यक्रम गतिविधियाँ :**

पर्यटन अध्ययन विभाग सॉफ्ट-स्किल्स विकास और केरियर-दिशा निर्देशन हेतु कई कार्यक्रम आयोजित करता है। छात्रों को क्षेत्र-पर्यटन के द्वारा वास्तविक जीवन की अनुभूति दी जाती है। केस स्टडी- विश्लेषण, मस्तिष्क-व्यायाम के अभ्यास, रोल प्ले, असाइनमेंट, और प्रस्तुतियों पर पर्याप्त जोर दिया जाता है। एम.बी.ए. (टीटीएम) छात्रों को, दूसरे शैक्षणिक सत्र के पश्चात् उनके पाठ्यक्रम के अंतर्भाग के रूप में विभिन्न यात्रा संगठनों, यात्रा-कंपनियों, होटल, रिसॉर्ट्स, एयरलाइंस गंतव्य प्रबंधन-संस्थाओं में 6 से 8 सप्ताह का इंटर्नशिप-प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाता है।

**अतिरिक्त पाठयक्रम गतिविधियाँ:**

पर्यटन अध्ययन विभाग अपने साहित्यिक क्लब, इवेंट्स क्लब और सांस्कृतिक क्लब के माध्यम से छात्रों को अतिरिक्त गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। विभाग प्रतिवर्ष अपना प्रमुख कार्यक्रम-आकांक्षा- का आयोजन करता है जो कि संस्थाओं तथा उद्योगों के मेलन का एक स्वर्णिक अवसर है। विभाग के छात्र विश्व पर्यटन दिवस के उपलक्ष्य में कई कार्यक्रम आयोजित करते हैं और पी.यू.टी.एस.ए.एल. आदि पूर्व छात्र-सम्मेलन समारोह आदि कार्यक्रम भी विभाग के छात्रों के द्वारा आयोजित किये जाते हैं।

**प्लेसमेंट :**

विश्वविद्यालय के परिसर स्थानन-कार्यक्रम में आकर हमारे विभाग के छात्रों को नियमित रूप से नियुक्त करनेवाले कुछ अग्रणी- पर्यटन, यात्रा और आतिथ्य कंपनियों व संगठनों के नाम इस प्रकार हैं - थॉमस कुक, कॉक्स एंड किंग्स, ईजीएमवाई ट्रिप, पिक्यौरट्रिल, इनफिनिट सॉल्यूशंस, एफसीएम ट्रैवल सॉल्यूशंस,इंटरनेशनल ट्रैवल हाउस, जेनिथ हॉलीडे, ईजीस्टे, अक्षयभारत आदि।

**संकाय**

**आचार्य**

**जी. आंजनेय स्वामी स्वामी, पीएच.डी.** (आंध्र विश्वविद्यालय,विशाखापट्टणम्)

विशेषज्ञता: सामान्य प्रबंधन, उद्यमिता विकास और सेवा विपणन

**वाई. वेंकट राव, पीएच.डी.** (तेजपुर विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: मानव संसाधन प्रबंधन, अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन और संगठनात्मक व्यवहार

**सह आचार्य एवं अध्यक्ष :**

**सम्पद कुमार स्वैन- पीएचडी और डी.लिट** (उत्कल विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: स्थायी पर्यटन, पारिस्थितिकी पर्यटन और जिम्मेदार पर्यटन

**सहायक आचार्य**

**जितेन्द्र मोहन मिश्रा, पीएच.डी.** (एच.एन.बी. गढ़वाल विश्वविद्यालय) (असाधारण छुट्टी पर)

विशेषज्ञता: पारिस्थितिकी पर्यटन, पर्यटन के लिए लेखांकन, पर्यटन भूगोल और पर्यटन-योजना

**अनु चंद्रन आर.सी., पीएच.डी.** (केरलविश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: गंतव्य ब्रांडिंग, सांस्कृतिक पर्यटन और यात्रा पत्रकारिता

**शिबी पी.एस., पीएच.डी.** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: उडान-प्रबंधन, आतिथ्य प्रबंधन और पर्यटन उत्पाद विकास।

**शेरी अब्राहम**, पीएच.डी. (भारतीदासन विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: आतिथ्य प्रबंधन, पारिस्थितिकी पर्यटन और इवेंट मैनेजमेंट

# बैंकिंग प्रौद्योगिकी विभाग
## प्रबंधन विद्यापीठ

बैंकिंग प्रौद्योगिकी विभाग प्रबंधन के क्षेत्र में एक विशेष कार्यक्रम-एम.बी.ए.-बैंकिंग प्रौद्योगिकी की प्रस्तुति करने के लिए शैक्षणिक वर्ष 2005-06 में अस्तित्व में आया। यूजीसी ने 10 वीं योजना के दौरान अपनी अभिनव/अंतर्विद्यावर्ती योजना के तहत इसे मंजूरी दी है। शैक्षणिक वर्ष 2009-10 में विभाग में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से नियुक्त आठ संकाय-सदस्य हैं और अत्याधुनिक कंप्यूटर की प्रयोगशाला संबंधी सुविधाओं से भी विभाग युक्त है। विभाग पीएच.डी. कार्यक्रम भी प्रस्तुत करता है। एमबीए बैंकिंग टेक्नोलॉजी एक विशेष अंतर- अनुशासनात्मक कार्यक्रम है जो बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्रों में बढती तकनीकी चुनौतियों का सामना करने के लिए मुख्य रूप से बैंकिंग, वित्त और सिस्टम्स के क्षेत्रों में –भावी- प्रबंधकों के निर्माण पर केंद्रित है।

**एम.बी.ए. (बैंकिंग प्रौद्योगिकी)**

**पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ :**

1. उद्योग एकीकृत पाठ्यक्रम
2. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में दो महीने की इंटर्नशिप
3. विषय-विशेषज्ञों के द्वारा सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण
4. आईडीआरबीटी में बैंकिंग प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण
5. फॉर्च्यून 500 कंपनियों पर केस स्टडी
6. विदेशी मुद्रा और स्टॉक ट्रेडिंग प्रशिक्षण
7. ब्लूमबर्ग और सीएमआईई डेटाबेस आधारित पाठ्यक्रम

**अर्हता :**

क) इंजीनियरिंग / प्रौद्योगिकी (कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग/ सूचना प्रौद्योगिकी) में स्नातक की डिग्री या कंप्यूटर विज्ञान / सूचना प्रौद्योगिकी में स्नातक की डिग्री या कंप्यूटर अनुप्रयोगों में स्नातक या ईसीई इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी में स्नातक की डिग्री (या)

ख) इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रानिक्स और इंस्ट्रूमेंटेशन/इंस्ट्रूमेंटेशन में स्नातक डिग्री (या)

ग) बी.कॉम (कंप्यूटर अप्लिकेशन्स)

घ) अन्य कोई स्नातक डिग्री, पीजीडीसीए सहित (मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों से ही)

अभ्यर्थी को उपर्युक्त सभी स्नातक डिग्री/ डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में कम से कम 55% अंक आवश्यक हैं तथा स्नातक स्तर पर निम्नलिखित विषयों का अध्ययन किया होना अनिवार्य है :

अ) कंप्यूटर प्रोग्रामिंग

आ) डाटा आधारित प्रबंधन

इ) कंप्यूटर नेटवर्क

ई) सूचना सिस्टम/सिस्टम विश्लेषण/सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग

**इस कार्यक्रम का उद्देश्य इस प्रकार है:**

- वित्तीय बाजार, बैंकिंग संचालन, स्टॉक मार्केट संचालन, विदेशी मुद्रा बाजार, पूंजी प्रवाह, आर्बिट्रेज संचालन और व्युत्पन्न उपकरण, यूरो मुद्रा बाजार आदि के संबंध में कार्य करने की बुनियादी जानकारी प्रदान करना।
- आधुनिक व्यवसाय उद्यमों के प्रबंधन में वित्त और बैंकिंग की चुनौतियों का समाधान करने हेतु प्रबंधकीय कौशल एवं ज्ञान प्रदान करना।

- आधुनिक बैंकिंग क्षेत्र, डेटा वेयरहाउसिंग, डेटा एनालिटिक्स, सूचना सुरक्षा, क्लाउड कंप्यूटिंग, ब्लॉक चेन, मशीन लर्निंग, एजाइल टेक्नोलॉजी, आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट, सूचना प्रणाली और ऑडिट, बिजनेस इंटेलिजेंस, आदि में उपयोग की जाने वाली तकनीकों में कौशल विकसित करना।

**बैंकिंग प्रौद्योगिकी में पीएच.डी. :**

विभाग कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग तथा प्रबंधन क्षेत्रों में एक अंतर्विद्यावर्ती क्षेत्र के तहत डॉक्टरेट कार्यक्रम प्रदान करता है और प्रबंधन, बैंकिंग और वित्तीय सेवा, प्रौद्योगिकी आधारित उद्योग (बीएफएसआई) के विषयों में प्रौद्योगिकी आधारित अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। यह कार्यक्रम एम.बी.ए. (बैंकिंग प्रौद्योगिकी)/ एम.बी.ए. (फाइनेंस/सिस्टम), एम.कॉम (बिजिनेस फाइनेंस), आई.आई.एम. के पीजीडीएम/ या बैंकिंग/फाइनेंस विशेषज्ञता के साथ तत्समान प्रबंधन डिग्री/ एम.ई/ एम.टेक (कंप्यूटर विज्ञान/सूचना प्रौद्योगिकी)/ एम.सी.ए./ एम.एससी. (कंप्यूटर विज्ञान)/ एम.एससी. (सूचना प्रौद्योगिकी) अथवा सी.ए./आईसीडब्ल्यूएआई, एसीएस, सीएआईआईबी इत्यादि कोई अन्य डिग्री। इन सभी में अभ्यर्ती के संबंधित स्नातक पाठ्यक्रम में नयूनतम 60% अंकों की आवश्यकता है।

**अनुसंधान के व्यापक क्षेत्र** :

- बैंकिंग प्रौद्योगिकी प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन, बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों के प्रबंधन, वित्तीय प्रौद्योगिकी
- बैंकों में वित्तीय समावेशन, सुरक्षा विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन, डेरिवेटिव्स प्रबंधन, कॉर्पोरेट प्रशासन
- इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी, डेटा वेयरहाउसिंग एंड डेटा माइनिंग, नेटवर्क प्रबंधन, सॉफ्टवेयर आर्किटेक्चर, साइबर क्राइम तथा बिग डाटा अनालिटिक्स

**अध्ययन-कार्यक्रम :**
**एम.बी.ए.** बैंकिंग प्रौद्योगिकी
बैंकिंग प्रौद्योगिकी में **पीएच.डी.**
**प्रवेश परीक्षा :**
एम.बी.ए. बैंकिंग प्रौद्योगिकी के पाठ्यक्रम में स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय के द्वारा अलग से आयोजित की जायेगी जो निम्नलिखित विषयों पर आधारित होगी।

| | | |
|---|---|---|
| **खंड-ए** | अंग्रेजी की सामान्य जानकारी | 15 अंक |
| **खंड-बी** | मात्रात्मक योग्यता | 15 अंक |
| **खंड-सी** | तार्किक विश्लेषण & डाटा विश्लेषण | 30 अंक |
| **खंड-डी** | कंप्यूटर विज्ञान | 30 अंक |
| **खंड-ई** | सामान्य ज्ञान | 10 अंक |

अभ्यर्थियों को ऑनलाइन के माध्यम से एमबीए बैंकिंग प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम के लिए आवेदन प्रस्तुत करना होगा। योग्यता और अन्य वैधानिक आरक्षण के मानदंडों के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा।

**प्रवेश परीक्षा :**

समाचार प्रौद्योगिकी एवं वित्त - इन दोनों क्षेत्रों के छात्रों की आवश्यकताओं के अनुकूल प्रवेश परीक्षा को दो खंड बनाये गये हैं। प्रवेश परीक्षा में स्नातक स्तर के विषयों पर 100 अंक के बहुवैकल्पिक प्रश्न शामिल होंगे। सूचीबद्ध अभ्यर्थियों को प्रवेश-समिति के समक्ष अपने प्रस्तावित अनुसंधान-क्षेत्र में प्रस्तुतीकरण हेतु बुलाया जायेगा।

**आधारभूत संरचना की सुविधाएँ** :

विभाग के पास एक अच्छी तरह से सुसज्जित कंप्यूटर प्रयोगशाला है। आवश्यक सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर सीखने के लिए सभी छात्रों को नियमित कक्षाओं को पूरा करने के लिए अपने निजी लैपटॉप का उपयोग करना होगा। हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और नेटवर्क कनेक्टिविटी की विशेषताएं इस प्रकार हैं :

**हार्ड वेयर:**

- इंटेल क्सियोन सर्वर एच.पी.
- नेट सर्वर
- कार्पोरेट डाटाबेस (सीएमआईई) के लिए सर्वर
- पेंटियम-फोर वर्क स्टेशन
- एच.पी. लेजर जेट प्रिंटर्स
- एच.पी.स्कैनर

**सॉफ्टवेयर :**

- माइक्रो सॉफ्ट कैंपस कनेक्ट-एस/डब्ल्यु
- लिनक्स 9.2
- एस.पी.एस.एस., टैली, सीएमआईई प्रोवेज़
- जावा
- एम.वाई.एस.क्यू.एल.
- ओराकिल,टर्बो सी++

**नेटवर्किंग:**

- ऑप्टिकल फाइबर के द्वारा इंट्रानेट का उपयोग
- डी-लिंक 24 पोर्ट स्विचेज़
- इंटरनेट कनेक्टिविटी के लिए लीज लाइन
- सभी कंप्यूटर स्ट्रक्चर्ड केबेलिंग/वाई-फाई के माध्यम से जुडे हुए हैं।
- ओपेक सिस्टम के द्वारा डिजिटल पुस्तकालय के साथ सुसज्जित वाई-फाई सहित परिसर

  विभाग सीएमआईई जैसे निगमित डाटाबेस के साथ जुडा हुआ है और निगमित वित्त प्रयोगशाला के आयोजन हेतु हर

वर्ष उक्त डाटाबेस की सदस्यता लेता है। परिसर में इंट्रानेट के माध्यम से ऑन-लाइन अंतर्राष्ट्रीय शोध-पत्रिकाओं तथा जर्नल आदि

को उपलब्ध कराया गया है।

**शैक्षिक आधारभूत संरचना:**

- उद्योग एकीकृत पाठ्यक्रम
- 24x7 इंटरनेट उपलब्ध कैंपस
- वाईफाई कनेक्टिविटी के साथ एसी क्लास रू-
- वेब आधारित शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रत्येक छात्र द्वारा लैपटॉप का उपयोग
- फॉर्च्यून 500 संगठनों पर केस-स्टडीज़
- बैंकरों, उद्योग विशेषज्ञों एवं सॉफ्टवेयर विशेषज्ञों द्वारा अतिथि व्याख्यान
- वाणिज्यिक बैंकों में इंटर्नशिप
- लाइव स्टॉक और विदेशी मुद्रा ट्रेडिंग सत्र
- ग्रीष्म एवं शीतकालीन इंटर्नशिप की सुविधा

**रोजगार-सहायता:**

वाणिज्यिक बैंकों के अलावा, भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य वित्तीय संस्थानों, सॉफ्टवेयर कंपनियों तथा बैंकिंग, बीमा, पूंजी बाजार और बिजिनेस सोल्यूशन के क्षेत्रों में शिखर समान संगठन भी आजकल बैंकिंग प्रौद्योगिकी के छात्रों को स्वीकर करने में रुचि दिखा रहे हैं। जिन प्रमुख संगठनो व कंपनियों में हमारे विभाग के छात्रों को रोजगार प्राप्त है- उनमें से- सीटीएस., एच.सी.एल. टेक्नॉलोजीज़, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ अमेरिका, रॉयल बैंक ऑफ स्काट्लैंड, यूको बैंक, ऑरेकिल, एच.डी.एफ.सी., आई.ओ.बी., एस.बी.आई., आई.डी.बी.आई., एल.वी.बी., आईसीआईसीआई बैंक, चोलमंडलम् फाइंनेंस, इंडस इंड बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, सफिन लैब्स आदि मौजूद हैं। परिसर में रोजगार-सहायता की गतिविधियों में विभाग पर्याप्त सहायता देता है।

**संकाय:**

**आचार्य :**

**के. चंद्रशेखर राव, पीएच.डी.** (आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता : वित्तीय प्रबंधन, सुरक्षा विश्लेषण और पोर्टफोलियो मैनेजमेंट, डेरिवेटिव्स प्रबंधन और वैश्विक वित्तीय बाजार तथा अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग।

**वी. प्रसन्ना वेंकटेशन्, पीएच.डी.** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता : सॉफ्टवेयर आर्किटेक्चर, ऑब्जेक्ट ओरिएंटेड सिस्टम, मल्टी लिंगुअल सिस्टम, एजाइल सॉफ्टवेयर विकास, प्रोग्रामिंग भाषाएँ, बैंकिंग प्रौद्योगिकी प्रबंधन।

**आचार्य एवं अध्यक्ष :**

**एस. सुडलै मुत्तु, पीएच.डी** (भारतीयार विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता : लेखा, कार्पोरेट वित्त एवं सिस्टम

**आचार्य :**

**वी. मारियप्पन्, पीएच.डी.** (मदुरै कामराज विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: बैंकिंग ऑपरेशन्स, स्ट्रेटेजिक प्रबंधन, साइबर अपराध और आई.टी कानून

**सह आचार्य :**

**ए.बालकृष्णन्, पीएच.डी.** (दिल्ली विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता :

फिक्स्ड इनकम सिक्योरिटीज , सिक्योरिटी एनालिसिस और पोर्टफोलियो प्रबंधन, ट्रेजरी और डेरिवेटिव्स प्रबंधन।

**सहायक आचार्य :**

**सी. अब्दुल गफूर, पीएच.डी.** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता : बैंकिंग और अर्थ शास्त्र

**एस. जानकी रामन्, पीएच.डी.** (अन्ना विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता : डाटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग, नेटवर्क और सुरक्षा, इन्फर्मेशन सिस्टम ऑडिट

**ए. सुगंधी, एम.टेक.** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता : सूचना सुरक्षा, ऑब्जेक्ट ओरिएंटेड सिस्टम्स, परियोजना प्रबंधन

# अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विभाग
## प्रबंधन विद्यापीठ

वैश्वीकरण की प्रक्रिया ने भारत को एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभरने में सक्षम बनाया है और यह वैश्विक व्यापार के खिलाडियों से निवेश आकर्षित कर रहा है । इसी समय, बडी संख्या में भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ भी दुनिया भर में अपने अंतरराष्ट्रीय व्यापार कार्यों को बढ़ा रही हैं। इस उभरते और बदलते परिदृश्य में पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक वर्ष 2006-07 के दौरान प्रबंधन के विद्यापीठ के तहत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विभाग (डी.आई.बी.) का संस्थापन किया, जो विशेष कार्यक्रम प्रदान करता है।

**अध्ययन-कार्यक्रम**

एम.बी.ए. अंतरराष्ट्रीय व्यापार

पीएच.डी. अंतरराष्ट्रीय व्यापार

एमबीए-अंतरराष्ट्रीय व्यापार, वैश्विक स्तर पर प्रबंधन के लिए आवश्यक मुख्य दक्षताओं का अधिग्रहण करने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करता है। पारंपरिक प्रबंधन शिक्षा-संबंधी जानकारी के अलावा पाठ्यक्रम की संरचना, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के चुने हुए क्षेत्रों- यथा, व्यवसाय भू-राजनीतिक मुद्दों से लेकर, प्रबंधन तक उभरते हुए आर्थिक, अंतर्राष्ट्रीय वित्त, अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन, आतिथ्य और ग्राहक संबंध-प्रबंधन, खुदरा प्रबंधन, निर्यात और आयात प्रणाली, विदेशी भाषाओं के लिए पार-सांस्कृतिक प्रबंधन- इत्यादि क्षेत्रों में दक्षता प्रदान करता है।

प्रवेश परीक्षा

एमबीए (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार):

शैक्षणिक वर्ष 2019-20 के लिए जो विद्यार्थी एम.बी.ए. (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार) कार्यक्रम में शामिल होने की इच्छा रखते हैं, उनको IIM द्वारा संचालित कैट (कॉमन एडमिशन टेस्ट-2018( परीक्षा लिखनी चाहिए । पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय की वेबसाइट: www.pondiuni.edu में प्रवेश अधिसूचना जनवरी 2019 के मध्य में जारी की गयी है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विभाग के एमबीए-आईबी कार्यक्रम में दाखिल होने के लिए निर्देशानुसार ऑनलाइन द्वारा आवेदन करें। मार्च के तीसरे सप्ताह में कैट स्कोर के आधार पर लघु-सूचीबद्ध अभ्यर्थियों को सूचित किया जाएगा और परामर्श और प्रवेश के लिए बुलाया जाएगा ।

प्रबंधन में पीएच.डी. )अंतर्राष्ट्रीय व्यापार(

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विभाग अंतर्विद्यावर्ती शोध सहित प्रबंधन के सभी कार्यात्मक क्षेत्रों को समाविष्ट करते हुए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में पीएच.डी. कार्यक्रम चलाता है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश- विशेषज्ञता के क्षेत्र और विभाग में योग्य मार्गदर्शक के साथ उपलब्ध रिक्तियों पर आधारित है। पीएचडी कार्यक्रम के लिए चयन प्रक्रिया प्रवेश परीक्षा पर आधारित है जो एमबीए स्तर पर प्रबंधन के सभी कार्यात्मक क्षेत्रों को समेटती है। लिखित परीक्षा में लघु सूचीबद्ध अभ्यर्थियों को पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय में साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा। यह कार्यक्रम मार्केटिंग, फाइनांस, मानव संसाधन और सिस्टम्स में अत्यधिक अंतरराष्ट्रीय जोर के साथ विशेषज्ञता प्रदान करता है।

**आधारभूत संरचना- सुविधाएँ**

विद्यापीठ प्रबंधन विद्यापीठ में डी.आई.बी का संस्थापन अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ किया गया है जो पूरी तरह से छात्रों को वैश्विक नेताओं के रूप में विकसित करने के लिए सभी आधारभूत संरचना- आवश्यकताओं से सुसज्जित है। यहाँ उपलब्ध सुविधाओं में निम्नलिखित शामिल हैं:

* ऑडियो-विजुअल एड्स के साथ वातानुकूलित कक्ष

* 24x365 दिन इंटरनेट परिसर

* वाई-फाई कनेक्टिविटी के साथ क्लास रूम

* रोजगार-सहायता प्रकोष्ठ का पिछले कुछ सालों से अच्छा प्रदर्शन

* अच्छी तरह से सुसज्जित केंद्रीय पुस्तकालय

* अध्ययन अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ अध्ययन के लिए मौके

* उद्योग - अकादमिया इंटरफेस मीट

**रोजगार**

अधिकांश बहुराष्ट्रीय कंपनियों के छात्रों को भर्ती करने के संबंध में विभाग के पास रोजगार का बहुत प्रभावशाली रिकॉर्ड है। सभी योग्य छात्र रोजगार पाए थे ।

**संकाय**

**आचार्य**

**पी.श्रीधरन, पीएच.डी. (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय)**

विशेषज्ञता: अंतर्राष्ट्रीय वित्त, बैंकिंग, बीमा।

**सह आचार्य एवं अध्यक्ष**

**भूषण डी. सुधाकर, पीएच.डी. (महाराजा कृष्णकुमारसिंहजी भावनगर विश्वविद्यालय)**

विशेषज्ञता: अंतर्राष्ट्रीय विपणन, व्यवसाय संचार और बातचीत, विज्ञापन और ब्रांडिंग

**सह आचार्य**

**वाई. श्रीनिवासुलु, पीएच.डी. (आंध्र विश्वविद्यालय)**

विशेषज्ञता: मार्केटिंग मैनेजमेंट, सर्विसेज मार्केटिंग, ब्रांड प्रबंधन, औद्योगिक विपणन

**एम. भानुमति, पीएच.डी. (अविनाशीलिंगम मानित विश्वविद्यालय)**

विशेषज्ञता: स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट, ग्रीन मार्केटिंग, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र

**पी. जी. अरुल, पीएच.डी. (भारतीदासन विश्वविद्यालय, त्रिचिरापल्ली)**

विशेषज्ञता: अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और रसद, अंतर्राष्ट्रीय विज्ञापन और अनुसंधान, मानव संसाधन प्रबंधन

**सहायक आचार्य**

**राजेश विश्वनाथ, पीएच.डी. (डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय)**

विशेषज्ञता: संगठनात्मक व्यवहार, पार-सांस्कृतिक प्रबंधन, मानव संसाधन प्रबंधन

**एस.त्यागराजन, पीएच.डी. (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)**

विशेषज्ञता: क्वांटिटेटिव टेक्निक्स, ऑपरेशंस रिसर्च,विज्ञापन

# रामानुजम् गणितीय विज्ञान विद्यापीठ

विद्यापीठाध्यक्ष : प्रो. पी. धन्वंतन्

**गणित विभाग**

**सांख्यिकी विभाग**

**पंचवर्षीय एकीकृत कार्यक्रम**

2006-07 के शैक्षणिक वर्ष से, विद्यापीठ के द्वारा गणित, सांख्यिकी और कंप्यूटर विज्ञान- इन तीन अध्ययन- शाखाओं में पांच वर्ष का एकीकृत एम.एस.सी कार्यक्रम संचालित है। प्रत्येक विषय में 20 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है, अतः इस एकीकृत एम.एससी. कार्यक्रम की कुल छात्र-संख्या 60 है।

**कार्यक्रम की रूपरेखा**

रामानुजम् गणितीय विज्ञान विद्यापीठ के पाँच वर्ष के एम.एससी एकीकृत कार्यक्रम के छात्र अपने पहले तीन वर्षों में अंग्रेजी के अनिवार्य पाठ्यक्रम के अलावा एक पर्यावरण विज्ञान में और दूसरा सार्वजनिक प्रशासन के साथ गणित, सांख्यिकी और कंप्यूटर विज्ञान- इन तीनों विषयों में क्रेडिट पायेंगे। एक छात्र को कार्यक्रम के पहले तीन वर्षों में कुल 120 क्रेडिट पूरे करने होते हैं। कार्यक्रम के 4 वें और 5 वें वर्ष के छात्रों को गणित, सांख्यिकी और कंप्यूटर विज्ञान से संबंधित विभागों में पाठ्यक्रम लेना है ।

**आधार भूत सुविधाएँ:**

एकीकृत कार्यक्रम में आधुनिक ऑडियो / वीडियो सुविधाओं और अच्छी तरह से सुसज्जित कंप्यूटर प्रयोगशाला के साथ सेमिनार हॉल / क्लास रूम उपलब्ध हैं।

**प्रवेश परीक्षा**

5 वर्ष के एकीकृत कार्यक्रम के लिए चयन एक प्रवेश परीक्षा पर आधारित होगा। इसमें कुल 60 अंक होंगे। इनमें से उच्च माध्यमिक स्तरीय (यानी प्लस टू) गणित के 20 प्रश्न तथा उच्च माध्यमिक स्तरीय (यानी प्लस टू) सांख्यिकी के 20 प्रश्न होंगे जिसमें केंद्रीय प्रवृत्ति के माप, फैलाव के माप, संभाव्यता, सशर्त संभाव्यता, रैंडम वेरियबिल बाईनोमियल, पॉसन और सामान्य वितरण सहित 20 प्रश्न अंग्रेजी और सामान्य तर्क से जुडे हुए होते हैं।

## गणित विभाग

## रामानुजम् गणितीय विज्ञान विद्यापीठ

यह विभाग 1986 में स्थापित किया गया था और इसका उद्देश्य उन लोगों को प्रशिक्षण प्रदान करना है जो गणित के उन्नत क्षेत्रों में अनुसंधान और अध्ययन की ओर उन्मुख हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग - विभागीय अनुसंधान समर्थन हेतु विशेष सहायता कार्यक्रम (एसएपी) द्वारा यह विभाग समर्थित है। हमारे संकाय राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं में कार्यरत हैं।

**अध्ययन- कार्यक्रम**

एम.एससी गणित

एम.एससी गणित (पांच वर्षीय एकीकृत अध्ययन कार्यक्रम)

पीएच.डी. गणित (पूर्णकालिक)

* प्रवेश परीक्षा

एम.एससी.)गणित( में प्रवेश के लिए बी.एस.सी. (गणित) के स्तर पर 100 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

पीएचडी में प्रवेश के लिए एम.एससी. (गणित) के स्तर पर 100 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

**आधारभूत संरचना- सुविधाएँ**

विभाग में एक अलग भवन, एक संगोष्ठी हॉल, अच्छी तरह से सुसज्जित कंप्यूटर प्रयोगशाला है। कोर्स वर्क और रिसर्च के लिए विभिन्न गणितीय सॉफ्टवेअर भी उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय को कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की गणित पत्र-पत्रिकाओं की सदस्यता प्राप्त है। नेशनल बोर्ड फॉर हायर मैथमेटिक्स (NBHM) लाइब्रेरी के लिए सहायता देता है। ।

**संकाय**

**आचार्य**

**एम. सुब्बैया, पीएच.डी.** (आई.आई.टी. कानपुर)

विशेषज्ञता : हाइड्रोडायनामिक स्थिरता

**राजेश्वरी शेषाद्री, पीएच.डी. (आई.आई.एस.सी, बंगलूरु)**

विशेषज्ञता: कम्प्यूटेशनल द्रव गतिशीलता

**एस. आर. कन्नन, पीएच.डी** (आईआईटी, चेन्नै)

विशेषज्ञता: फज्जी क्लस्टरिंग इन डाटा अनालिसिस

**सहायक आचार्य एवं अध्यक्ष**

टी. दुरैवेल, पीएच.डी. (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)

विशेषज्ञता: कम्यूटेटिव बीजगणित

**सहायक आचार्य**

ए. जोसेफ कैनेडी, पीएच.डी. (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता: संयुक्त प्रतिनिधि सिद्धांत

**एस. एन. फातिमा, पीएच.डी.** (मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर)

विशेषज्ञता: संख्या सिद्धांत, विशेष कार्य

**एस. फ्रांसिस राज, पीएच.डी.** (शास्त्र विश्वविद्यालय, तंजावुर)

विशेषज्ञता: ग्राफ सिद्धांत

**आई. सुब्रमणिय पिल्लै, पीएच.डी.** (हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद)

विशेषज्ञता: टोपोलॉजिकल डाइनमिक्स

# सांख्यिकी विभाग

## [डीएसटी-एफआईएसटी और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विशेष सहायता कार्यक्रम (डीआरएस-1) विभाग]

**रामानुजम् गणितीय विज्ञान विद्यापीठ**

सांख्यिकी विभाग की स्थापना 2006 में हुई। वर्तमान में, विभाग एम.एस.सी. सांख्यिकी, एम.एस.सी. पांच साल एकीकृत (सांख्यिकी), पीएच.डी. (सांख्यिकी) कार्यक्रम, एम.एस.सी (क्वांटिटेटिव फाइनांस) कार्यक्रम चालित हैं। विभाग का लक्ष्य विभिन्न विषयों में वैज्ञानिक जांच, आंकड़ों के विश्लेषण के दौरान उत्पन्न समस्याओं के समाधान में सांख्यिकीय तकनीकों के विकास और अनुप्रयोगों में छात्रों को प्रशिक्षित करना है। यह इस तरह के डेटा के विश्लेषण में आधुनिक सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर को संभालने के लिए उचित व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है। वर्तमान परिदृश्य में, कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है जो अनुसंधान अध्ययनों से तर्कसंगत निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए आधुनिक सांख्यिकीय उपकरणों को नियोजित नहीं करता हो। और एक सांख्यिकीविद् हमेशा किसी भी अनुसंधान जांच को अंजाम देने वाली किसी भी अनुसंधान टीम का एक अनिवार्य हिस्सा है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे के विकास के लिए विभाग का समर्थन किया जाता है।

एफ.आई.एस.टी. कार्यक्रम और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के तहत भारत का - विशेष सहायता कार्यक्रम - डीआरएस-II स्तर पर संकाय सदस्य सक्रिय रूप से भाग लेते हैं तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोधकार्य से संबंधित प्रपत्र प्रकाशित करते रहे हैं। इसके अलावा, यूजीसी / डीएसटी से वित्त पोषित विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से संकाय सदस्यों के द्वारा रू. 40,000/- की अतिरिक्त धनराशि उत्पन्न की गई।

**अध्ययन-कार्यक्रम**

एम.एससी. (सांख्यिकी)

एम.एससी. सांख्यिकी (पाँच वर्ष एकीकृत)

एम.एससी. क्वांटिटेटिव फाइनांस

पीएच.डी. - सांख्यिकी (पूर्णकालिक और अंशकालिक)

*** प्रवेश परीक्षा**

एम.एस.सी. में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा का प्रश्न पत्र (सांख्यिकी) पाठ्यक्रम में निम्नलिखित ब्रेक अप के साथ 100 बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल होंगे।

सांख्यिकी: डेटा प्रस्तुति और व्याख्या, वर्णनात्मक सांख्यिकी, संबंधपरक सांख्यिकीय तरीके (गुण का सिद्धांत, सहसंबंध और प्रतिगमन), संभाव्यता सिद्धांत (बायेसियन दृष्टिकोण सहित), रैंडम वेरिएबल (बायवरी केस सहित), गणितीय अपेक्षा (सशर्त मामलों सहित), संभावना असमानता (लार्ज नंबर ला सहित), वितरण सिद्धांत (सामान्य असतत और सतत संभाव्यता वितरण), संभाव्यता वितरण (विशेष कार्यों के आधार पर), नमूना वितरण, अनुमान का सिद्धांत (अंतराल अनुमान सहित), परिकल्पना का परीक्षण (गैर पैरामीटर तरीके सहित), अनुप्रयुक्त सांख्यिकी (नमूना, SQC, प्रयोगों का डिजाइन), समय श्रृंखला विश्लेषण और सूचकांक संख्या, महत्वपूर्ण सांख्यिकी और आधिकारिक सांख्यिकी (सारे प्रश्न बी.एस.सी. स्तर पर, कुल प्रश्नों की संख्या - 75)

गणित: बीजगणित, अनुक्रम और श्रृंखला, गणित, निर्धारक, विभेदक कैलकुलस और इंटीग्रल कैलकुलस। बी.एस.सी.संबद्ध स्तर पर प्रश्न होंगे। (कुल प्रश्नों की संख्या - 25)

यूजीसी के 2016 वाले नियमों के अनुसार, पीएचडी (सांख्यिकी) कार्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा में दो भागों में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल होंगे। भाग -1: वैज्ञानिक अनुसंधान, अनुभवजन्य अनुसंधान, गणितीय और अनुप्रयुक्त सांख्यिकी के तरीके, शास्त्रीय अनुसंधान के प्रोटोटाइप, अनुप्रयुक्त अनुसंधान के प्रोटोकॉल, रैखिक बीजगणित और मैट्रिक्स सिद्धांत, आर में प्रोग्रामिंग, बहुभिन्न सांख्यिकीय विश्लेषण, प्रतिगमन विश्लेषण, समय के विषयों पर पद्धति श्रृंखला विश्लेषण और सांख्यिकीय डेटा खनन की पद्धतियाँ- इन विषयों में **शोध प्रविधि** की परीक्षा ली जाएगी। (50 अंक)

भाग -2: प्रोबेबिलिटी थियोरी, स्टैटिस्टिकल क्वालिटी कंट्रोल, डिस्ट्रीब्यूशन थियोरी, थियोरी ऑफ एस्टीमेशन, सैंपलिंग थियोरी, स्टोचस्टिक प्रॉसेस, स्टैटिस्टिकल परिकल्पनाओं का परीक्षण, एक्सपेरिमेंट्स, डिजाइन, बायोस्टैटिस्टिक्स, डिसीजन थियोरी के विषयों पर उन्नत सांख्यिकीय सिद्धांत (50 प्रश्न)। अर्थमिति, जनसांख्यिकी तकनीक, विश्वसनीयता सिद्धांत, बीमांकिक सांख्यिकी, सिमुलेशन तकनीक, तत्वों की कतार के सिद्धांत, उत्तरजीविता विश्लेषण, संचालन अनुसंधान, बायेशियन आविष्कार, इन्वेंटरी नियंत्रण सिद्धांत, डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली और गैर पैरासिटिक आविष्कार।

**आधारभूत संरचना- सुविधाएँ**

सांख्यिकी विभाग ने स्नातकोत्तर छात्रों के लिए सेमिनार हॉल, सांख्यिकीय कम्प्यूटिंग प्रयोगशालाएँ जैसी सुविधाओं के साथ विशेष रूप से सांख्यिकी विभाग के लिए नये परिसर का निर्माण किया है। इसमें विद्यार्थियों तथा शोध-छात्रों के लिए उच्चस्तरीय सांख्यिकीय प्रयोगशाला, अनुसंधान परियोजना का कार्यकारी केंद्र, एलसीडी प्रोजेक्टर के साथ कक्षाएँ और ऑनलाइन कक्षाएं चलाने के लिए इंटरनेट कनेक्टिविटी आदि सुविधाएँ हैं। सभी कंप्यूटिंग प्रयोगशालाओं में उच्च कॉनफिगरेशन वाले लगभग 70 टर्मिनल हैं जो IBM SPSS 22.0, MINITAB 17 और R-लैंग्वेज जैसे मानक सांख्यिकीय सॉफ़्टवेयर का समर्थन करते हैं। छात्रों के पास इन सॉफ्टवेयरों के उपयोग में पूरी तरह से प्रशिक्षित होने के पर्याप्त अवसर होंगे जिससे पाठ्यक्रम पूरा होने के बाद तत्काल नियुक्ति में उन्हें मदद मिलेगी। पाठ्यक्रम में सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त पेपरों का मिश्रण शामिल है। वर्तमान नौकरी-बाजार के रुझान की जरूरतों के लिए छात्रों को तैयार करना हमारे पाठ्यक्रम व कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य है। पिछले पांच वर्षों के दौरान ई-स्रोतों और ई-पत्रिकाओं के अलावा, 20 लाख से अधिक मूल्य की सांख्यिकी पुस्तकें (पाठ्य पुस्तकें और संदर्भ पुस्तकें दोनों) केंद्रीय पुस्तकालय में जोडी गयी हैं। उन्नत अध्ययनों में वर्तमान आवश्यकता और रोजगार के अवसरों में प्रतिस्पर्धी विपणन के लिए अद्यतन पाठ्यक्रम हमारी विशेषता है। एम.एस.सी. का पाठ्यक्रम छात्रों की पसंद के अनुसार वैकल्पिक विषय चुनने का व्यापक अवसर प्रदान करता है। चूंकि अद्यतन पाठ्यक्रम में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग- सी.एस.आई.आर.- नेट परीक्षा सामग्री शामिल है, नेट परीक्षा और अखिल भारतीय सेवाओं की अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों का लाभ होगा ।

**रोजगार और सर्वोत्तम अभ्यास**

एक रोजगार-सहायता प्रकोष्ठ द्वारा विभाग की रोजगार गतिविधियों का ध्यान रखा जाता है जिसमें एक छात्र सदस्य और एक संकाय सलाहकार शामिल होते हैं। रोजगार-सहायता प्रकोष्ठ हर साल कैंपस रिक्रूटमेंट कार्यकम आयोजित करता है और निजी क्षेत्र में बहुराष्ट्रीय कंपनियों और अन्य कंपनियों में पात्र छात्रों को रोजगार सुविधा देने में गर्व करता है। सभी प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ सांख्यिकी और अन्य विभागों के साथ सांख्यिकी के मुख्य क्षेत्रों व सामान्य भर्तियों में कैंपस रोजगार / भर्तियों का आयोजन कर रही हैं। हमारे छात्र निम्न लिखित पांच व्यापक क्षेत्रों में अपने करियर का विकास कर रहे हैं-

- शिक्षण और अधिगम
- अनुसंधान और उच्च शिक्षा
- प्रशासनिक रोजगार और स्व रोजगार
- परामर्श और डेटा प्रैक्टिसिंग
- सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण और कौशल विकास

विभाग विभिन्न संकाय समन्वयकों के साथ आवश्यक कार्यक्रमों एवं सह- पाठ्यक्रम गतिविधियों का आयोजन करते हुए छात्रों के समग्र विकास के लिए प्रयास कर रहा है। समन्वयकों का विवरण निम्न प्रकार से है-

- समन्वयक-पूर्व छात्र गतिविधियाँ : वर्तमान और पूर्व छात्रों के बीच बेहतर संपर्क के लिए
- समन्वयक- छात्र मामले : विश्वविद्यालय और उद्योग के बीच समन्वय हेतु
- समन्वयक- प्रख्यात आमंत्रित व्याख्यान श्रृंखला
- समन्वयक- व्याख्यान कक्ष अवसंरचना और प्रयोगशाला के अद्यतन हेतु
- समन्वयक- पुस्तकों, सॉफ्टवेयर और अन्य प्रयोगशाला- उपकरणों की खरीद हेतु;
- समन्वयक- रोजगार, कैरियर योजना और सॉफ्ट कौशल विकास;
- समन्वयक- शास्त्रीय और अनुप्रयुक्त सांख्यिकी में सांख्यिकीय प्रशिक्षण और अनुसंधान आदि।

सांख्यिकी विभाग में नियमित रूप से सम्मेलन, कार्यशालाएँ, संगोष्ठियाँ, छात्रों के लिए शैक्षिक-यात्राएँ, रोजगार गतिविधियाँ, पूर्व छात्र नेटवर्किंग, कौशल विकास कार्यक्रम, अनुसंधान और बौद्धिक गुणों का संवर्धन, सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण, आदि अनेक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। सेमेस्टर-वार अकादमिक योजना, प्रख्यात विद्वानों के साथ विशेष आमंत्रित व्याख्यान श्रृंखला, कैंपस भर्ती, कैरियर मार्गदर्शन, समग्र विकास के लिए छात्र समन्वय गतिविधियों, विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली, आंतरिक या बाहरी सॉफ्टकोर पेपरों का चयन करने की स्वतंत्रता और छात्रों के लचीलेपन के अनुसार पाठ्यक्रमों को आगे बढ़ाना आदि विभाग के पाठ्यक्रम की कुछ अन्य रोचक विशेषताएँ हैं। विभाग वर्तमान रुझानों और नौकरी-बाजार की बदलती आवश्यकताओं के साथ-साथ उभरते हुए परिवर्तनों के अनुसार शैक्षणिक अभिविन्यास और पाठ्यक्रम-संशोधन का उन्नयन कर रहा है। उपर्युक्त गतिविधियों के कार्यान्वयन हेतु विभाग औसतन एक वर्ष की अवधि के साथ अध्ययन बोर्ड की बैठकें आयोजित करता है।

**संकाय**

आचार्य एवं अध्यक्ष

**पी.धन्वंतन**, **पीएच.डी.** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता: वितरण सिद्धांत, संचालन अनुसंधान

**आचार्य**

**पी. तिरुपति राव**, **पीएच.डी.** (आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापट्टणम्(

विशेषज्ञता: स्टोचस्टिक मॉडलिंग, अनुकूलन के तरीके, सांख्यिकीय कम्प्यूटिंग और बायोस्टैटिस्टिक्स।

**सह – आचार्य**

**जे. सुब्रमणि, पीएच.डी.** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता: प्रयोगों का डिजाइन, नमूनाकरण सिद्धांत

**सहायक आचार्य**

**कृत्तिका, पीएच.डी.** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता: क्लस्टर विश्लेषण, कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क

**नवीन चंद्र, पीएच.डी.** (बनारस हिंदू विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: विश्वसनीयता का सिद्धांत

**सुदेश पुंडीर, पीएच.डी.** (पंजाब यूनिवर्सिटी)

विशेषज्ञता: एप्लाइड सांख्यिकी

**आर.विष्णु वर्धन, पीएच.डी.** (श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: बायोस्टैटिस्टिक्स, बहुभिन्नरूपी विश्लेषण, सांख्यिकीयकम्प्यूटिंग

**वी.एस. वैद्यनाथन, पीएच.डी.** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता: डेटा खनन, प्रतिगमन विश्लेषण।

# मात्रात्मक वित्त में स्नातकोत्तर डिग्री

व्यापार निर्णय लेने में सूचना अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और ऐसी जानकारी प्राप्त करने के लिए पर्याप्त डेटा की आवश्यकता होती है। यह देखा गया है कि अधिकांश संगठनों के पास निर्णय लेने के लिए आवश्यक जानकारी नहीं है और समाचार का विश्लेषण और व्याख्या करके उसे वर्गीकृत करने के लिए आवश्यक कौशल उपलब्ध न होने के कारण बाहरी पेशेवरों की मदद लेनी पडती है। तथ्य आधारित निर्णय लेने के लिए उन प्रबंधकों की आवश्यकता होती है जो वित्तीय आंकड़ों का सारांश, विश्लेषण और व्याख्या करना जानते हैं। सांख्यिकी और गणितीय उपकरणों के साथ वित्तीय विश्लेषण का उपयोग संगठन द्वारा बड़े पैमाने पर बेहतर निर्णय लेने के लिए किया जाता है।

मात्रात्मक वित्त में स्नातकोत्तर डिग्री यूजीसी का एक अभिनव और अंतर्विद्यावर्ती कार्यक्रम है जो एक विशेष पाठ्यक्रम है। इसे 2012 से रामानुजम् गणितीय विज्ञान विद्यापीठ और प्रबंधन विद्यापीठ द्वारा संयुक्त रूप से पेश किया गया है। इस पाठ्यक्रम को "इनोवेटिव प्रोग्राम - टीचिंग एंड रिसर्च इन इंटरडिसिप्लिनरी एंड इमर्जिंग एरियाज़" योजना के तहत यूजीसी के द्वारा स्वीकृति प्राप्त है। इस पाठ्यक्रम का प्राथमिक ध्यान वित्तीय विश्लेषण में सांख्यिकी और गणितीय उपकरणों के आवेदन के बारे में "कैसे " और "क्यों"- कौशल के साथ जनशक्ति का विकास करना है।

यह गणित, सांख्यिकी, अर्थमिति, कंप्यूटर विज्ञान और जोखिम प्रबंधन के मूल सिद्धांतों पर केंद्रित है। यह जटिल और तेजी से विकसित होती व्यावहारिक वित्तीय समस्याओं को हल करने हेतु सेवा उद्योग के लिए आवश्यक विश्लेषणात्मक उपकरण प्रदान करता है ।

छात्रों को वित्तीय विश्लेषक, अनुसंधान विश्लेषक, विपणन में विश्लेषिकी, संचालन अनुसंधान, बीमा और जोखिम प्रबंधन आदि व्यवसाय के कई ऊर्ध्वाधर क्षेत्रों में कॉर्पोरेट भूमिकाओं के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। यह पाठ्यक्रम छात्रों को लोकप्रिय एनालिटिक्स सॉफ्टवेयर टूल जैसे एसपीएसएस, मिनीटैब,आर-लैंग्वेज, पैथान, ई-व्यूज़, एसटीएटीए, ग्रेटी, एक्सेल के माध्यम से वित्तीय विश्लेषण, सीएमआईई-प्रोवेज़ ब्लूमबर्ग आदि के बारे में अध्ययन करने का अवसर देता है।

**किसके लिए**

यह पाठ्यक्रम उन सभी के लिए है जो वित्तीय विश्लेषक और व्यवसाय विश्लेषिकी के रूप में कैरियर बनाने का सपना देख रहे हैं और उन लोगों के लिए जो अर्थशास्त्र, मौद्रिक नीति और कॉर्पोरेट वित्त में सांख्यिकीय और गणितीय ज्ञान को लागू करने में रुचि रखते हैं। यह एक गहन कार्यक्रम है जहां छात्र उन सभी विषयों का अध्ययन करेंगे जो विश्लेषण की प्रक्रिया में आवश्यक हैं जैसे स्टॉक मार्केट और वित्तीय संस्थान, डेरिवेटिव्स मार्केट, जोखिम प्रबंधन और रणनीतियाँ, विदेशी मुद्रा बाजार आदि। सक्षम और ठोस डेटा वैज्ञानिकों को तैयार करना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।

**पाठ्यचर्या की प्रमुख विशेषताएँ:**

यह पाठ्यक्रम स्टॉक मार्केट, कमोडिटी मार्केट, फॉरेक्स मार्केट जैसे वित्तीय डेटा को संभालने तथा सांख्यिकीय और गणितीय एनालिटिक्स टूल्स के बारे में गहन ज्ञान प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जिनसे तथ्यात्मक निर्णय लिये जा सकते हों। इस कार्यक्रम के तहत पेश किए जाने वाले विषयों में डेटा साइंस, इकोनॉमेट्रिक्स, जनरल मैनेजमेंट, बिहेवियरल फाइनेंस, पोर्टफोलियो एंड डेरिवेटिव्स, रिस्क मैनेजमेंट, इंटरनेशनल फाइनेंस, टाइम सीरीज एनालिसिस और फोरकास्टिंग, फिक्स्ड इनकम सिक्योरिटीज के साथ-साथ उन्नत सांख्यिकी, गणित और सूचना प्रौद्योगिकी आदि हैं जो मॉडल बनाने में सक्षम हैं और संगठनों के वित्तीय पदों का विश्लेषण करने में सहायक हैं।

**योग्यता और प्रवेश परीक्षा**

जो स्नातकोत्तर डिग्री में प्रवेश पाना चाहते हैं, उनको विश्लेषिकी विषय सीखने में विशेष रुचि हो और स्नातक स्तर पर बी.एससी (गणित), बी.एससी. (सांख्यिकी), बी. कॉम./ बी.बी.ए./ बी.बी./ कंप्यूटर अनुप्रयोग/ सूचना प्रौद्योगिकी के हों। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अखिल भारतीय स्तर की प्रवेश परीक्षा के आधार पर एम.एस.सी. क्वांटिटेटिव फ़ाइनेंस प्रोग्राम के लिए प्रवेश दिया जाता है। प्रवेश परीक्षा सामान्य अंग्रेजी, रीजनिंग, समस्या हल और निर्णय, कंप्यूटर विज्ञान, सामान्य ज्ञान और समकालीन व्यावसायिक मुद्दों के विषयों पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों के साथ किसी भी मानक विश्वविद्यालय के अखिल भारतीय प्रबंधन प्रवेश परीक्षा (कैट /जीमैट /जी.आर.ई की तर्ज पर) के समान है।

**अद्वितीय विशेषताएँ:**

* उद्योग से जुड़े पाठ्यक्रम व पाठ्यचर्या
* कंप्यूटर लैब आधारित विषय

* फील्ड अध्ययन आधारित असाइनमेंट
* अनुभव के माध्यम से सीखने के अवसर
* इंटर्नशिप
* औद्योगिक दौरे / प्रशिक्षण मॉड्यूल

**अतिथि व्याख्यान और कार्यशालाएँ**

रोजगार और समूह चर्चाओं के संबंध में पेशेवर विद्वानों को बुलाया जाता है और आमने-सामने / आभासी कार्यशालाओं / प्रशिक्षण द्वारा समृद्ध व्याख्यान नियमित आधार पर आयोजित किए जाते हैं।

**शिक्षण अधिगम प्रक्रिया:**

यह पाठ्यक्रम क्लास रूम सत्र, ऑनलाइन सत्र, मेंटरिंग सत्र, परियोजनाओं और इंटर्नशिप के जरिए इंट्यूएटिव, इंटरएक्टिव और इनोवेटिव (I-3( की साधना पर जोर दिया जाएगा।

* इंट्यूटिव : प्रोफेसरों द्वारा व्याख्यान और उद्योगों से सहायक / अतिथि संकाय।
* इंटरएक्टिव: कंप्यूटर लैब, इंटर्नशिप, कार्यशाला और केस स्टडी
* इनोवेटिव: लाइव प्रोजेक्ट्स, उद्योग एवं व्यावहारिक जानकारी पर आधारित।

**आधारभूत संरचना की सुविधाएँ :**

इस पाठ्यक्रम को चलाने के लिए एक अलग भवन, एक संगोष्ठीक्ष और भव्य रीति से सुसज्जित कंप्यूटर प्रयोगशाला है। पाठ्यक्रम के कार्य और अनुसंधान के लिए विभिन्न सांख्यिकीय / इकोनोमेट्रिक सॉफ़्टवेयर भी उपलब्ध हैं।

**करियर**

इस कार्यक्रम के पूरा होने के बाद, छात्र निवेश बैंकिंग, धन प्रबंधन कंपनियों, प्रतिभूतियों के व्यापार जैसे वित्तीय संस्थानों और रिजर्व बैंक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड, बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण जैसे सरकारी नियामक संगठनों के लिए चयनित होने में सक्षम होंगे। उनके करियर में वित्तीय इंजीनियर, वित्तीय विश्लेषक व वित्तीय मॉडल निर्माण जैसे और पद शामिल हैं, जहाँ मात्रात्मक वित्त की उन्नत समझ की आवश्यकता होती है ।

**रोजगार**

बहुराष्ट्रीय कंपनियों, सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में नौकरी पाने हेतु विद्यार्थियों के लिए रोजगार की सेवाएँ प्रदान की जाती है। निम्नलिखित कंपनियाँ नियमित रूप से परिसर का दौरा करती हैं।

**हमारे रिक्रूटर ये हैं-**

अर्न्स्ट एंड यंग, जेपी मॉर्गन, इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ, एस एंड पी ग्लोबल, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, एसपीआई ग्लोबा, बीएनपी परिबा, आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस, मैक्स लाइफ इंश्योरेंस, सूर्योदय बैंक, एनविल शेयर और स्टॉक ब्रोकिंग, पीकेसी कंसल्टेंसी, श्री राम फाइनेंस, लर्नी टेक्नोलॉजीज।

**संयोजक**

**प्रो. पी. धनवन्थन,** प्रोफेसर, सांख्यिकी विभाग,
रामानुजम गणितीय विज्ञान विद्यापीठ, पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय,
पुदुच्चेरी।

**सह- संयोजक**

**डॉ. डी. लाजर,** प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग,
प्रबंधन विद्यापीठ, पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी।

# भौतिकी, रसायनिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ

## विद्यापीठाध्यक्ष : प्रो. जी. गोविंदराज

**भौतिकी विभाग**

**रसायन विज्ञान विभाग**

**पृथ्वी विज्ञान विभाग**

**अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग**

**तटीय आपदा प्रबंध विभाग (पोर्ट ब्लेयर)**

भौतिकी, रासायनिक और अनुप्रयुक्त विज्ञान में अंतर्विद्यावर्ती शैक्षिक और अनुसंधानात्मक गतिविधियों का संचालन करने के लिए विद्यापीठ को विशिष्ट रूप से स्थापित किया गया है। इस विद्यापीठ के विभाग भौतिकी, रसायन विज्ञान, पृथ्वी विज्ञान, आपदा प्रबंधन (पोर्ट ब्लेयर) और अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान में एम.एस.सी. (दो वर्ष), और पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करते हैं। भौतिकी, रसायन विज्ञान और पृथ्वी विज्ञान विभाग भी +2 छात्रों के लिए क्रमशः भौतिकी, रसायन विज्ञान और अनुप्रयुक्त भूविज्ञान में पांच साल की अवधि के एकीकृत एम.एस.सी. कार्यक्रम चलाते हैं ।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स, बैंगलोर और भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद के पीएचडी कार्यक्रम विद्यापीठ द्वारा एम.ओ.यू. के तहत समन्वित हैं ।

सभी विभागों में विशिष्ट संकाय और उत्कृष्ट प्रयोगशाला व कम्प्यूटेशनल सुविधाएँ उपलब्ध हैं। अनुसंधान के क्षेत्रों में 200 से अधिक शोध-छात्र कार्यरत हैं। विद्यापीठ के एम.एस.सी. छात्र राष्ट्रीय स्तर की यूजीसी-सीएसआईआर, नेट और गेट परीक्षाओं में बडी संख्या में उत्तीर्ण हैं जो विभागों के शिक्षण और अनुसंधान की गुणवत्ता को दर्शाता है। विद्यापीठ के छात्र और शोधकर्ता केंद्रीय रूप से इंस्ट्रूमेंटेशन फैसिलिटी (सीआईएफ) और लाइब्रेरी का उपयोग नियमित रूप से करते हैं ।

भौतिकी, रसायन विज्ञान और पृथ्वी विज्ञान विभाग डीएसटी-एफआईएसटी और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-विशेष सहायता कार्यक्रम द्वारा समर्थित हैं। इसके तहत परिष्कृत अनुसंधान उपकरणों की खरीद की गयी है और इनका व्यापक रूप से शिक्षण और अनुसंधान के लिए उपयोग किया जाता है। विद्यालय के संकाय सदस्यों ने विभिन्न राष्ट्रीय एजेंसियों और उद्योगों से अनुसंधान के लिए धन-राशि प्राप्त की है।

# भौतिकी विभाग

## भौतिकी, रासायनिक और अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ

भौतिकी विभाग जून 1987 में अस्तित्व में आया। विभाग स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है और भौतिकी और पदार्थ विज्ञान के अग्रणी क्षेत्रों में अनुसंधान-कार्यक्रम भी चलाता है। वित्तीय सहायता के तहत डीएसटी द्वारा विशेष फंडिंग के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी आधारभूत संरचना में सुधार (एफ.एस.आई.टी., स्तर-II) और यू.जी.सी.-एस.ए.पी. डी.आर.एस.-II कार्यक्रम के लिए विभाग को मान्यता प्राप्त है। संकाय सदस्यों ने डीएसटी, एआईसीटीई, यूजीसी, आई.एफ.सी.पी.ए.आर., एन.बी.एच.एम., डी.आर.डी.ओ., डी.ए.ई., आई.एन.एस.ए., सी.एस.आई.आर. और एन.ए.बी. जैसी विभिन्न अनुसंधान-एजेंसियों के द्वारा 25 करोड़ रुपये से अधिक के प्रमुख शोध-अनुदान प्राप्त किये हैं।

अनुसंधान गतिविधियों के परिणामस्वरूप 800 से अधिक पीर-रिव्यूड शोध-पत्रिकाओं में शोध-प्रपत्र प्रकाशित हुए हैं और साथ ही साथ विभाग के द्वारा 9 पेटेंट हासिल किये गये हैं। संकाय के सदस्यों को कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं और कई संकाय राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सलाहकार समितियों में सदस्य, फेलो तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के विशेषज्ञों के रूप में सेवारत हैं। हमारे संकाय-सदस्य प्रमुख वैज्ञानिकों के साथ भारत और विदेशों में विभिन्न प्रयोगशालाओं और उद्योगों के साथ भी जुडे हुए हैं।

**अध्ययन-कार्यक्रम**

एम.एससी भौतिकी दो वर्ष, चार विषय- विशेषज्ञताओं के साथ (कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, लेजर फिजिक्स, एस्ट्रोफिजिक्स)

एम.एससी. भौतिकी (5 वर्ष एकीकृत)

पीएच.डी.- भौतिकी और पदार्थ विज्ञान के प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक क्षेत्रों में पूर्णकालिक।

**प्रवेश परीक्षा**

प्रश्नपत्र में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे।

पांच साल के एकीकृत एम.एससी. (भौतिकी) कार्यक्रम के लिए, भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित से +2 अथवा एचएससी स्तर पर समान महत्व के साथ प्रश्न दिये जाते हैं।

दो वर्षीय एम.एससी (भौतिकी) प्रश्न स्नातक डिग्री के सभी भौतिकी और सामान्य गणित विषयों के आधार पर हैं जो मुख्यरूप से भौतिकी और आनुषंगिक रूप से गणित और रसायन विज्ञान से पूछे जाते हैं।

पीएचडी कोर्स के लिए भौतिक विज्ञान में स्नातकोत्तर अध्ययन के तहत सभी विषयों से वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाते हैं।

**प्रवेश**

उपरोक्त कार्यक्रमों में प्रवेश एक राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। सी.एस.आई.आर.-यू.जी.सी. जे.आर.एफ., एस.सी./एस.टी. के लिए राजीव गांधी अध्येतावृत्ति, अल्पसंख्यकों के लिए मौलाना आज़ाद फ़ेलोशिप और डी.एस.टी.-इनस्पाइर अध्येतावृत्ति के शोध-छात्रों को पीएच.डी. की प्रवेश-परीक्षा से छूट दी गयी है।

**अनुसंधान / रोजगार के अवसर**

विभाग के छात्रों को प्रमुख वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं के साथ-साथ बहुराष्ट्रीय कंपनियों में भी भर्ती किया गया है। हमारे छात्र जी.ए.टी.ई./ सी.एस.आई.आर.-यू.जी.सी. आदि राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में सफल रहे हैं जिसके परिणाम स्वरूप, उनको भारत और विदेशों में शोधपरक रोजगार प्राप्त हैं। विभाग ने समय-समय पर प्रख्यात भारतीय और विदेशी वैज्ञानिकों को शामिल करते हुए अनेक शोधपरक सम्मेलनों का आयोजन किय है। विश्वविद्यालय में अनुसंधानात्मक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने हेतु विभाग ने कई अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों, संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया है। भौतिकी विभाग के छात्रों व

शोध-छात्रों के लिए छात्र-सशक्तीकरण व प्रतिभा-प्रदर्शन के लिए शोध-छात्र संगोष्ठियाँ, विचारों के आदान-प्रदान के लिए चर्चा-परिचर्चा आदि कार्यक्रमों का आयोजन विभाग के द्वारा किया जा रहा है।

**अनुसंधान के क्षेत्र**

* उच्च ऊर्जा घनत्व बैटरी के लिए सामग्री
* सॉलिड स्टेट इओनिक्स
* लेजर डायनेमिक्स, नॉनलाइनियर ऑप्टिक्स और सोलिटन्स
* चुंबकत्व और चुंबकीय सामग्री
* नैनोमटेरियल्स
* कम्प्यूटेशनल बायोफिज़िक्स और सांख्यिकीय यांत्रिकी
* क्वांटम मैकेनिक्स और फील्ड थियोरी
* स्पिन्ट्रोनिक्स, मल्टीफ़ेरोनिक्स और फोटोवोल्टिक्स
* परमाणु भौतिकी
* प्लाज्मा भौतिकी
* कम्प्यूटेशनल द्रव गतिशीलता
* क्वांटम सूचना विज्ञान
* थिन फिल्म्स और प्लासोनिक्स

**आधारभूत संरचना- सुविधाएँ**

भौतिकी विभाग में शिक्षण और अनुसंधान सुविधाएँ: पाउडर एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर (पान एनलिटिक एक्सपर्ट), ए.एफ.एम./एस.टी.एम. (ब्रूकर मल्टीमोड 8), डिफरेंशियल स्कैनिंग कैलोरिमीटर (सरारा लैबसिस), वी.एस.एम., एफ.टी.आई.आर. (शिमड्जू 8700 स्पेक्ट्रोफोटोमीटर), डीसी मैग्नेट्रान्टर प्रणाली (हिंद-हिवाक), प्रतिबाधा विश्लेषक - 30 से 40 मेगाहर्ट्ज (नोवो कंट्रोल), क्रायोस्टेट के साथ हियोकी एल.सी.आर. मैटर (80 K से 400 K), पार्टिकल साइज एनालाइजर, सर्फेस एरिया एनालाइजर, ग्लोव बॉक्स-वीएसी-यूएसए, बैटरी साइकल टेस्टर, सुसाइडबिलिटी मीटर (बार्टिंगटन इंग्लैंड), हाई टेम्परेचर फर्नेस, स्पिनर मैग्नेटोमीटर (मोलस्पिन इंग्लैंड), मल्टीफ़्रेक्वेंसी अल्ट्रासोनिक इंटरफेरोमीटर, लेजर आधारित प्रयोग, कंप्यूटर प्रयोगशाला, अत्याधुनिक कम्प्यूटिंग क्लस्टर, एनडी-वाईएजी और टाइटेनियम नीलम लेजर इत्यादि उन्नत अनुसंधानात्मक सुविधाओं से युक्त बहुमूल्य एवं अत्याधुनिक उपकरण भौतिक विज्ञान विभाग के लिए उपलब्ध हैं। www.pondiuni.edu.in/cif।

**संकाय**

**आचार्य एवं अध्यक्ष**

**वी.वी. रविकांत कुमार, पीएच.डी.** (एस.वी. यूनिवर्सिटी, तिरुपति)

विषय-विशेषज्ञता : फोटोनिक क्रिस्टल फाइबर, ग्लास / ग्लास-सेरामिक्स, स्पेक्ट्रोस्कोपी, संघनित पदार्थ भौतिकी।

**आचार्य**

**एन. सत्यनारायण, पीएच.डी.** (आईआईटी, मद्रास)

विशेषज्ञता: सॉलिड स्टेट इओनिक्स एंड बैटरियों, नैनोमटेरियल्स।

**जी. गोविंदराज, पीएच.डी.** एफ.ए.एस.सी.एच. (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता: इंपेडेन्स, डाईइलेक्ट्रिक स्प्रेक्ट्रोस्कोपी, सॉलिड स्टेटलॉनिक्स

**जी. चंद्रशेखरन्, पीएच.डी.** (अन्नामलै विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: चुंबकत्व और चुंबकीय सामग्री,

**रामास्वामी मुरुगन, पीएच.डी.,** एफ.ए.एस.सी.एच. (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: लिथियम बैटरियों के लिए सामग्री, स्पिलट्रोनिक्स और मल्टीफेर्रोइक मेटीरियल्ज

**सह आचार्य**

**एस. शिवप्रकाशम, पीएचडी** (हैदराबाद विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: लेजर गतिशीलता।

**आर. शिवकुमार, पीएच.डी.** (आईआईटी, मद्रास)

विशेषज्ञता: द्रव गतिकी, कम्प्यूटेशनल फिजिक्स, हाइड्रोजन स्टोरेज मेटीरियल

**सहायक प्रोफेसर**

**ए. रमेश नायडू, एम.फिल, पीएच.डी.** (हैदराबाद विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: कॉग्निटिव न्योरोसाइंज, सैद्धांतिक संघनित पदार्थ भौतिकी
**एस. वी. एम. सत्यनारायण, पीएच.डी**. (आईजीसीएआर, कलपाक्कम)
विशेषज्ञता: कम्प्यूटेशनल बायोफिज़िक्स, सांख्यिकीय यांत्रिकी, नॉनलाइनियर डायनामिक्स, क्वांटम सूचना विज्ञान।
**आलोक शरण, पीएच.डी.** )आई.आई.टी. कानपुर)
विशेषज्ञता: लेजर, एक्स्पेरिमेंटल नॉन-लीनियर आप्टिक्स
**रवीन्द्र नाथ भौमिक पीएच.डी.** (जादवपुर विश्वविद्यालय / साहा परमाणु भौतिकी संस्थान, कोलकाता(
विशेषज्ञता: चुंबकत्व और मैग्नेटो-ट्रांसपोर्ट फेनोमिना

**बी. मुत्तुकुमार, पीएच.डी.** (साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स, कोलकाता)

विशेषज्ञता: क्वांटम यांत्रिकी और गैर-स्थानिक रिक्त स्थान पर क्षेत्र सिद्धांत

**सूरज कुमार सिन्हा, पीएच.डी.** (इंस्टीट्यूट फॉर प्लाज़्मा रिसर्च, गांधीनगर)

विशेषज्ञता: प्लाज्मा भौतिकी।

**गंगिनेनी रमेश बाबू, पीएच.डी**. (तकनीकी विश्वविद्यालय / आईएफडब्ल्यू, ड्रेसडेन, जर्मनी)

विशेषज्ञता: स्पिनट्रोनिक्स और मल्टीफेर्रोइक्स

**डी. भारती मोहन, पीएच.डी.** (हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद)

विशेषज्ञता: I-VII सेमीकंडक्टर्स, प्लास्मोनिक्स और सौर सेल।

**के.वी.पी. लता, पीएच.डी.** (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स)

विशेषज्ञता: परमाणु भौतिकी: एब-इनीशियो इलेक्ट्रॉनिक स्ट्रक्चर केलिक्युलेशन; मेसोस्कोपिक भौतिकी, सीपी आईसोलेशन, बियांड स्टैंड मॉडल

**यूजीसी-सहायक प्रोफेसर**

**युगेश्वरन सुब्रमण्यन, पीएचडी** (भारथिअर विश्वविद्यालय, कोयंबत्तूर(

विशेषज्ञता: थर्मल प्लाज्मा प्रसंस्करण, एड्वांस्ड कोटिंग्स, अपशिष्ट उपचार और स्वच्छ ऊर्जा।

सभी संकाय सदस्यों के विस्तृत शैक्षिक प्रोफाइल के लिए भौतिकी विभाग का वेबसाइट देखें-

http://www.pondiuni.edu.in/depbox/

विभाग के सभी संकाय-सदस्यों को पीएचडी के मार्गदर्शन हेतु मान्यता प्राप्त हैं।

# रसायन विज्ञान विभाग

## भौतिकी, रासायनिक और अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ

रसायन विज्ञान विभाग का आरंभ 1987 में हुआ और विभाग के द्वारा 2 वर्ष का एम.एससी. )रसायन विज्ञान(, 5 वर्षीय एकीकृत अध्ययन कार्यक्रम एम.एससी.(रसायन विज्ञान), और पीएच.डी. (रसायन विज्ञान) कार्यक्रम संचालित हैं। यह पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय में शिक्षण और अनुसंधान के मामले में सबसे अधिक उत्पादक और अत्यधिक सक्रिय विभागों में से एक है। विभाग में स्नातकोत्तर और पीएच.डी. कार्यक्रमों के लिए यूजीसी, सीएसआईआर जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं में उत्तीर्ण उच्च योग्यता के छात्र प्रवेश पाते हैं। आमतौर पर, हमारे स्नातकोत्तर छात्र सीएसआईआर जे आर एफ/, यूजीसी जे आर एफ / यूजीसी लेक्चरशिप और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण होते हैं और हमारे कुछ छात्रों को उच्च अध्ययन के लिए विदेश जाने का मौका मिलता है।

रसायन विज्ञान विभाग उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण और अंतरराष्ट्रीय मानक अनुसंधान गतिविधियों का समर्थन करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित है। रसायन विज्ञान के उच्चतम क्षेत्रों में अनुसंधान करने के लिए विभाग के पास उच्च योग्य संकाय सदस्य हैं। संकाय की वैयक्तिक प्रायोजित परियोजनाओं के अलावा डीएसटी, सीएसआईआर, यूजीसी और एआईसीटीई जैसी उच्च स्तरीय राष्ट्रीय वित्त पोषण एजेंसियाँ संकाय सदस्यों के अनुसंधान कार्य का समर्थन करती हैं।

शोध में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए संकाय सदस्यों द्वारा परिचालित अनुसंधान परियोजनाएँ, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार द्वारा एफ.आई.एस.टी. कार्यक्रम के माध्यम से भली-भांति समर्थित हैं और यूआईएसटी- विशेष सहायता कार्यक्रम- (डी.एस.ए.-I) कार्यक्रम के माध्यम से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा भी विभाग को प्रोत्साहन प्राप्त है।

संकाय सदस्य अनुसंधान में बहुत सक्रिय हैं और अत्यधिक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित करते हैं।

रसायन विज्ञान के अनुसंधानात्मक क्षेत्रों में हमारे संकाय सदस्यों के योगदान ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार और मान्यता प्राप्त की। अंतर्विद्यावर्ती और सहयोगी अनुसंधान विभाग की एक अन्य विशेषता है। संकाय और शोध छात्र अपने शोध कार्य के परिणामों को प्रस्तुत करने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों / कार्यशालाओं में सक्रिय भागीदारी लेते हैं। समय-समय पर देश और दुनिया के विभिन्न हिस्सों के विशेषज्ञ हमारे विभाग का दौरा करते हैं और विभाग द्वारा आयोजित सेमिनारों / सम्मेलनों / संगोष्ठियों के माध्यम से संकाय / छात्रों के साथ वार्तालाप करते हैं।

**अध्ययन-कार्यक्रम**

एम.एससी. रसायन विज्ञान (2 वर्ष)

एम.एससी. रसायन विज्ञान (5 वर्ष एकीकृत)

पीएच.डी. रसायन विज्ञान (पूर्णकालिक)

*** प्रवेश परीक्षा**

एम.एससी. रसायन विज्ञान - )5 वर्षीय एकीकृत): प्रश्न पत्र में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न होते हैं, जिसमें से 20 प्रश्न +2 स्तर की अंग्रेजी एवं रीजनिंग पर आधारित होते हैं और शेष 80 अंक +2 स्तर के रसायन विज्ञान, भौतिकी एवं गणित के मध्य वितरित होते हैं।

एम.एससी. रसायन विज्ञान (2 वर्ष): प्रश्न पत्र में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न होते हैं। 80 प्रश्न स्नातक स्तर पर अकार्बनिक, कार्बनिक और भौतिक रसायन विज्ञान के बीच वितरित किए जाते हैं और 20 प्रश्न अंग्रेजी और तर्क की परीक्षा से होंगे।

पीएच.डी. रसायन विज्ञान (पूर्णकालिक, अंशकालिक (आंतरिक)): प्रश्न पत्र में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न होते हैं। 80 प्रश्न स्नातकोत्तर स्तर पर अकार्बनिक, कार्बनिक और भौतिक रसायन विज्ञान के बीच वितरित हैं और 20 प्रश्न अंग्रेजी और रीजनिंग से होंगे।

**आधारभूत संरचना-सुविधाएँ**

रसायन विज्ञान विभाग के पास उत्कृष्ट कार्य संस्कृति और सुविधाएँ हैं जो रसायन विज्ञान के क्षेत्र में सबसे आगे हैं।

विभाग के द्वारा ध्यान केंद्रित क्षेत्र हैं:- ऑर्गेनिक सिंथेसिस, पॉलिमर केमिस्ट्री, ग्रीन केमिस्ट्री, एसिमिट्रिक सिंथेसिस, ड्रग डिज़ाइन और मेडिसिनल केमिस्ट्री, ऑर्गेनोमेट्रिक केमिस्ट्री, सुपरमॉलेक्युलर केमिस्ट्री, बायो-इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री,

अकार्बनिक फोटो केमिस्ट्री, नैनोमीटर, फिजिकल केमिस्ट्री, सॉलिड- स्टेट केमिस्ट्री, मैग्नेटिक रेजोनेंस, थियोरेटिकल केमिस्ट्री, फोटोकैटलिसिस, इलेक्ट्रो केमिस्ट्री, क्रिस्टल इंजीनियरिंग, इनऑर्गेनिक फोटोकैमिस्ट्री, पोर्फिरीन केमिस्ट्री।

HRMS, NMR (400 और 60 MHz), EPR (X-band), सिंगल क्रिस्टल XRD, FT-IR, GC-MS, HPLC, परमाणु अवशोषण स्पेक्ट्रोमीटर, C/H/N/S विश्लेषक, यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोमीटर, प्रतिदीप्ति स्पेक्ट्रोमीटर और चक्रीय वाल्टमीटर आदि विभाग में मौजूद साधन सुविधाएँ हैं। विभाग के पास इंट्रा और इंटरनेट सुविधाओं के लिए उत्कृष्ट कम्प्यूटेशनल सुविधा और कंप्यूटर नेटवर्किंग है। एक्सपीएस, एएफएम जैसे अत्याधुनिक उपकरण HR-TEM केंद्रीकृत सुविधा के अंतर्गत उपलब्ध हैं। प्रत्येक संकाय के पास अनुसंधान के विशिष्ट क्षेत्रों में कार्य करने के लिए अच्छी अनुसंधान सुविधाओं के साथ व्यक्तिगत प्रयोगशाला उपलब्ध हैं। अध्ययनरत शोध छात्र 'स्कोपस' 'साई-फाइंडर' जैसी कई महत्वपूर्ण ऑनलाइन पत्रिकाओं तथा डेटाबेस का अध्ययन कर सकते हैं। विभाग के संकाय सदस्य विश्वविद्यालय के अन्य विभागों/ राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं के साथ शोधपरक सहयोग देते –लेते हैं।

पीएचडी शोध-छात्रों एवं स्नातकोत्तर छात्रों के लाभ के लिए वैज्ञानिक संगोष्ठियाँ, आमंत्रित व्याख्यान और समूह-चर्चाएँ लगातार आयोजित हैं। अनुसंधानात्मक गतिविधियों को मजबूत करने के लिए विभाग भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, संगोष्ठियाँ आयोजित करता है।

**रोजगार**

विभाग से शिक्षा व अनुसंधान पूरा करके बाहर जानेवाले पीएच.डी. और एम.एससी. छात्रों को डॉ. रेड्डी अनुसंधान प्रयोगशाला, शसुन ड्रग्स, जी.वी.के. बायोसाइंसेज, एसआरएफ, आर्किड केमिकल्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड आदि उच्च स्तरीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं व अग्रणी दवाई कंपनियों में रोजगार मिलता है। शोध छात्रों व स्नातकोत्तर छात्रों ने कैम्पस साक्षात्कार के साथ-साथ सीधे संपर्क के माध्यम से रोजगार पाया। कई शोध छात्रों को पीएचडी के सफल समापन के बाद यूएसए, कनाडा, जापान और यूरोपीय देशों के प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों / संस्थानों में पोस्टडॉक्टरल पद प्राप्त हुए और उनमें से कुछ संकाय पद भी प्राप्त किये हैं। कई स्नातकोत्तर छात्र शिक्षा के उपरांत टीओईएफएल और जीआरई योग्यता प्राप्त कर, यूएसए, कनाडा और यूरोपीय विश्वविद्यालयों के कॉलेजों / विश्वविद्यालयों में पीएचडी प्रवेश प्राप्त किये हैं।

**अनुसंधान परियोजनाएँ :-**

विभाग के अलग-अलग संकाय को अपने अनुसंधानात्मक कार्य के लिए डीएसटी, सीएसआईआर, यूजीसी, एआईसीटीई आदि राष्ट्रीय स्तर की वित्तपोषण-एजेंसियों के द्वारा लगभग रू. 3.0 करोड का समर्थन प्राप्त है। विभाग को भी डीएसटी - एफआईएसटी कार्यक्रम के माध्यम से विशेष निधि के रूप में (लगभग 250 लाख रुपये) सहायता प्रदान की गयी है। हाल ही में, विभाग को यूजीसी-यूपी-एसएपी (डीएसए-आई) कार्यक्रम के माध्यम से यूजीसी द्वारा मान्यता दी गई है। और रू. 1.80 करोड़ की धनराशि मंजूर की गयी है।

**संकाय**

**आचार्य**

बिधु भूषण दास, पीएच.डी. (आईआईटी-कानपुर, कानपुर)

विशेषज्ञता: इलेक्ट्रॉनिक और चुंबकीय सामग्री, पाउडर एक्सआरडी, चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी (ईपीआर, एनएमआर) में संश्लेषण और अत्याधुनिक संरचना-संपत्ति संबंध।

के. अन्बलगन्, पीएच.डी. (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै(

विशेषज्ञता: नैनोमेटीरियल फोटोकैटलिसिस, अकार्बनिक फोटोकैमिस्ट्री, नैनोसाइज्ड फेरोमैग्नेटिक सामग्री, सर्फेज एब्सार्प्शन डाइयनमिक्स

के. तरनिक्करसु, पीएच.डी. (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता: नियंत्रित रेडिकल पॉलीमराइज़ेशन, एनीओनिक पॉलिमराइजेशन, फ्यूल सेल मेम्ब्रेन, नैनोकम्पोजिट्स, एंटी-टीबी और एंटी मलेरियल एजेंट।

**आचार्य एवं अध्यक्ष**

**आर. वेंकटेशन, पीएच.डी.** (आईआईटी-बॉम्बे, मुंबई)

विशेषज्ञता: एप्लाइड फोटो सामग्री रसायन विज्ञान, रासायनिक शिक्षा में कंप्यूटर , इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री।

**आचार्य**

**बालमणिमारन, पीएच.डी.** (आईआईटी-बॉम्बे, मुंबई)

स्पेशलाइजेशन: ऑर्गेनोमेटालिक्स, नैनोस्केल मैटीरियल्स और सूप्रामोलेक्यूलर रसायन विज्ञान।

**सी. शिवशंकर, पीएच.डी.** (आईआईएससी, बैंगलोर)

विशेषज्ञता: कैटालिसिस, ऑर्गोनोमेटिक्स, बायोइनऑर्गेनिक और कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान

**एम. बख्तादोश, पीएच.डी.** (हैदराबाद विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: स्टीरियो चयनात्मक कार्बनिक संश्लेषण, पशुचिकित्सा रसायन, हरित रसायन विज्ञान, असममित संश्लेषण

**सह आचार्य**

**जी. वासुकी, पीएच.डी.** (मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै)

विशेषज्ञता: हरित रसायन विज्ञान, स्टीरियो चयनात्मक संश्लेषण और रसायन विज्ञान शिक्षा (कंस्ट्रक्टिविस्ट लर्निंग)।

**सहायक आचार्य**

**एन. दस्तगिरी रेड्डी, पीएच.डी.** (आईआईटी-कानपुर, कानपुर)

विशेषज्ञता: मेइन ग्रूप आर्गनोमेटालिक्स, ट्रांसिशन मेटल बेस्ड होमोजिनियस कैटलिसिस

**एम. एम. बालकृष्णराजन, पीएच.डी.** (भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली)

विशेषज्ञता: रासायनिक सूचना विज्ञान

**सी.आर. रामनाथन्, पीएच.डी.** (हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद)

विशेषज्ञता: असममित संश्लेषण, ड्रग डिजाइन और डिस्कवरी

**बिनॉय कृष्णा साहा, पीएच.डी.** (हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद)

विशेषज्ञता : क्रिस्टल इंजिनियरिंग, होस्ट-गेस्ट केमिस्ट्री, पॉलीमार्फिजम्।

**एस. सबिया, पीएच.डी.** (आईआईटी-मद्रास, चेन्नै)

विशेषज्ञता: जैव-अकार्बनिक रसायन और धातु-कार्बाइन रसायन विज्ञान।

**टोका स्वू, पीएच.डी**. (नागालैंड विश्वविद्यालय, लुममी)

विशेषज्ञता: पदार्थ विज्ञान, समन्वय रसायन विज्ञान

**आर. पद्मनाभन्, पीएच.डी.** (हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद)

विशेषज्ञता: क्वांटम डायनामिक्स, उत्तेजना ऊर्जा हस्तांतरण

# पृथ्वी विज्ञान विभाग

## भौतिकी, रासायनिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ

पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय में 1994 में पृथ्वी विज्ञान विभाग की स्थापना की गयी थी। विभाग को यूजीसी-डीआरएस के स्तर पर विशेष सहायता कार्यक्रम और डीएसटी-एफआईएसटी कार्यक्रम द्वारा समर्थन प्राप्त है। विभाग में जियोक्रोनोलॉजी और आइसोटोप जियोसाइंसेज के लिए राष्ट्रीय सुविधा उपलब्ध है। विभाग विश्व स्तर के प्रशिक्षण के साथ भूवैज्ञानिकों को तैयार करने तथा अकादमिक उत्कृष्टता प्राप्त करने का प्रयास कर रहा है।

**अध्ययन कार्यक्रम**

**एम.एससी. अनुप्रयुक्त भूविज्ञान (2 वर्ष)**

**एकीकृत एम.एससी. अनुप्रयुक्त भूविज्ञान (5 वर्ष)**

एम.एससी. के ये पाठ्यक्रम पृथ्वी और पृथ्वी प्रक्रियाओं की बुनियादी समझ विकसित करने के लिए, साथ ही वैश्विक और राष्ट्रीय महत्व की समस्याओं को हल करने हेतु इस ज्ञान को लागू करने का कौशल विकास करने के उद्देश्य के साथ डिज़ाइन किए गए हैं। पाठ्यक्रम में अनुभवी संकाय द्वारा प्रस्तावित सिद्धांत पाठ्यक्रम, विश्व स्तर की प्रयोगशाला सुविधाएँ, गहन क्षेत्र-प्रशिक्षण के साथ व्यावहारिक पाठ्यक्रम शामिल हैं। इनके साथ देश में सर्वोत्तम स्थानों पर प्रशिक्षण, और परिष्कृत उपकरणों द्वारा समर्थित एक परियोजना का कार्य भी इसके साथ सम्मिलित है।

**एम. टेक. अन्वेषण भूविज्ञान (2 वर्ष)**

यह परा- एम.एससी पाठ्यक्रम 2010-11 में खनिज, पेट्रोलियम और भूजल अन्वेषण में विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य के साथ शुरू किया गया था।

**पृथ्वी विज्ञान में पीएच.डी. कार्यक्रम (पूर्णकालिक, अंश कालिक- (आंतरिक एवं बाह्य))**

अनुसंधान कार्यक्रम में अनुसंधान अभिविन्यास विकसित करने के लिए डिज़ाइन किया गया पाठ्यक्रम शामिल है, पारंपरिक और साथ ही साथ भूविज्ञान के उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य की निगरानी की जाती है।एक्सआरडी, आई.सी.पी-एईएस, आईसीपी-एम.एस, टीआईएमएस, आईआरएमएस, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप और हीटिंग -फ्रीजिंग स्टेज आदि अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाएँ विभाग में उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, भू-वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उपयोगी एक्सआरएफ, एपीएमए, कन्फोकल लेजर रामन स्पेक्ट्रोमीटर और अन्य परिष्कृत अनुसंधान उपकरण केंद्रीय इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधा-केंद्र में उपलब्ध हैं।

**प्रवेश परीक्षा**

एम.एससी. अनुप्रयुक्त भूविज्ञान के लिए चयन प्रवेश परीक्षा में प्रदर्शन पर आधारित होगा जिसमें बी.एससी. स्तर के भूविज्ञान में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल होंगे। स्तर। एकीकृत एम.एससी. अनुप्रयुक्त भूविज्ञान के लिए चयन प्रवेश परीक्षा पर आधारित होगा, जिसमें +2 स्तर के रसायन विज्ञान, गणित और भौतिकी विषयों के बीच समान रूप से वितरित 100 बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल हैं।

पीएच.डी और एम.टेक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा में एम.एससी स्तर पर भूविज्ञान में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल होंगे।

**आधारभूत संरचना की सुविधाएँ :-**

विभाग के पास परिष्कृत रूप से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ हैं तथा एम.एससी. छात्रों के व्यावहारिक पाठ्यक्रम की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ अनुसंधान के लिए भी उपकरण उपलब्ध हैं। विभाग में उपलब्ध प्रमुख सुविधाएँ नीचे सूचीबद्ध हैं:

**खनिज विज्ञान, पेट्रोलॉजी और जीवाश्म विज्ञान प्रयोगशालाएँ:**

छात्र और अनुसंधान मॉडल ध्रुवीकरण माइक्रोस्कोप के साथ द्रव समावेशन-विश्लेषण के लिए फोटोग्राफिक सुविधा के साथ हीटिंग-फ्रीजिंग चरण स्टीरियोस्कोपिक ज़ूम माइक्रोस्कोप, लेजर कण आकार विश्लेषक, एक्स-रे पाउडर डिफ्रेक्टोमीटर विश्लेषक, आइसोडायनामिक चुंबकीय विभाजक आदि विभाग में उपलब्ध हैं। एसईएम, एक्सआरएफ और ईपीएमए आदि पीलियोन्टोलॉजिकल / मिनरलोजिकल / पेट्रोलॉजिकल अध्ययन करने के लिए सीआईएफ में उपलब्ध हैं।

संग्रहालय: विभाग के पास एक भूविज्ञान संग्रहालय है जिसमें लगभग 800 शिला-निर्माण करनेवले खनिज, अयस्क खनिज, औद्योगिक खनिज, विभिन्न प्रकार की चट्टानें और जीवाश्म हैं।

भू-रासायनिक प्रयोगशाला: उन्नत विश्लेषणात्मक सुविधाएँ जैसे, आईसीपीएईएस, आईसीपी-एम.एस. उपलब्ध हैं। इस प्रयोगशाला में अन्य छोटे उपकरण जैसे फर्नेस, इलेक्ट्रॉनिक बैलेंस, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, फ्लेम फोटोमीटर, कंडक्टिविटी मीटर, पीएच मीटर, मिलीक्यू वाटर प्यूरीफायर आदि भी हैं।

आइसोटोप भूविज्ञान प्रयोगशाला: आरबी-एसआर, एसएमएनडी और यू-टीएच-पीबी जियोक्रोनोलॉजिकल और आइसोटोप अध्ययनों को पूरा करने के लिए अल्ट्रा-क्लीन प्रयोगशाला के साथ थर्मल आयनीकरण मास स्पेक्ट्रोमीटर उपलब्ध है।

आई.यू.ए.सी., नयी दिल्ली के सहयोग से इस प्रयोगशाला का उपयोग कॉस्मोजेनिक आइसोटोप अध्ययनों के लिए (10Be, 26Al) भी किया जाता है।

कम्प्यूटिंग और रिमोट सेंसिंग & जीआईएस सुविधा: विश्वविद्यालय इंट्रानेट के माध्यम से इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ पर्याप्त संख्या में कंप्यूटर और बड़ी संख्या में पत्रिकाओं और अन्य ई-स्रोतों के लिए ऑनलाइन की सुविधा उपलब्ध। ERDAS, ArcGIS, ENVI-IDL, टोटल स्टेशन माइक्रो सर्वे सी.ए.डी.डी.2010 सॉफ्टवेयर्स और रिमोट सेंसिंग व जी.आई.एस एप्लिकेशनों के लिए डिजिटल सैटेलाइट इमेज़ उपलब्ध हैं।

आई.आर.एम.एस. प्रयोगशाला: H, C, O, S की स्थिर आइसोटोप संरचना के मापन के लिए, विभिन्न प्रकार के नमूने (वाटर कार्बोनेट्स, सल्फाइड्स ऑर्गेनिक मेट्टर आदि) में एक प्रयोगशाला को केंद्रीय सुविधा के रूप में स्थापित किया गया है।

फील्ड उपकरण: ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम, सर्वेक्षण उपकरण, भूवैज्ञानिक क्षेत्र के अध्ययन हेतु एसएलआर और डिजिटल कैमरे उपलब्ध हैं।

भू वैज्ञानिक कार्यशाला: रॉक कटिंग मशीन, थिन सेक्शन तैयार मशीन, पॉलिश अयस्क ब्लॉकों के लिए माउंटिंग मशीन पतले वर्गों और अयस्क माउंट की तैयारी के लिए उपलब्ध हैं। अगेट ग्राइंडिंग पीस के साथ बॉल मिल और प्लेनेटरी मिल, नमूना तैयारी के लिए स्वचालित शीव शेकर उपलब्ध हैं।

भू भौतिकी प्रयोगशाला : जियोफोन, टेरेमीटर, पोर्टेबल मैग्नेटोमीटर और प्रतिरोधकता मीटर के साथ डिजिटल अपवर्तन भूकंपीय टाइमर उपलब्ध हैं।

स्थलाकृतिक मानचित्र और भूवैज्ञानिक मानचित्र: भारत के दक्षिणी राज्यों को समेटते हुए 1: 50000 पैमाने पर स्थलाकृतिक मानचित्रों का बड़ा संग्रह और विभिन्न पैमानों में भारतीय राज्यों, जिलों और महत्वपूर्ण खनिज भंडारों के मानचित्रों की खरीद की गई है।

**अनुसंधानात्मक गतिविधियाँ :-**

विभाग द्वारा प्रस्तुत अनुसंधान क्षेत्र भू-रसायन विज्ञान, आइसोटोप भू-विज्ञान, अयस्क भूविज्ञान, टेक्टोनिक्स, मेटामोर्फिक पेट्रोलॉजी और पेलियोक्लाइमेट अध्ययन, जल विज्ञान, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस हैं। खनिजों के ईपीआर स्पेक्ट्रोस्कोपी और पेलियोमैग्नेटिज्म के क्षेत्रों में रसायन विज्ञान और भौतिकी विभागों के साथ अंतर्विद्यावर्ती अनुसंधान-कार्य सक्रिय रूप से आगे बढ़ रहे हैं। आईआईटी और पीआरएल से जुड़े अंतर-संस्थागत सहयोगी अनुसंधान भी प्रगति पर हैं। वर्तमान में, 25 पूर्णकालिक और 2 अंशकालिक शोध-छात्र पीएचडी के लिए काम कर रहे हैं। सभी संकाय-सदस्य डीएसटी, सीएसआईआर, यूजीसी,

पीआरएल,बीआरएनएस, पीएलएएनईएक्स द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं के साथ काम कर रहे हैं। डीएसटी ने विभाग की अनुसंधान क्षमता को स्वीकार करते हुए, एफआईएसटी कार्यक्रम (`78 लाख) के तहत द्वितीय चरण के लिए धनराशि प्रदान की है और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने हाल ही में विशेष सहायता कार्यक्रम-डीआरएस (`70 लाख) के तहत धन स्वीकृत किया है।

**भू-विज्ञान और रेडियोजेनिक आइसोटोप अनुसंधान:**

विभिन्न प्रकार के अध्ययन, जैसे, आर्चियन क्रस्ट-मेंटल डेवलपमेंट, पृथ्वी का प्रारंभिक ऑक्सीकरण, दक्षिण भारतीय ग्रैन्युलिटिक टेरान्ट्स का टेक्टोनिक विकास, कार्बोनेट का पेट्रोग्रेसिस, प्रोटेरोज़ोइक सेडिमेंट्री बेसिन की उत्पत्ति और आधुनिक व प्राचीन फ्लूवियल की सिद्धता, डेल्टा और समुद्र तट तलछट और वाटर-रॉक इंटरैक्शन आदि पर अध्ययन किए जा रहे हैं। Rb-Sr, Sm-Nd और PbPb आइसोटोप रचनाएँ पूर्ण-शिला और खनिज पृथक्करणों पर नियमित रूप से एक स्वच्छ आइसोटोप भू-रासायनिक प्रयोगशाला और थर्मल अयोनाइजेशन मास स्पेक्ट्रोमीटर (TIMS, ट्राइटन - थर्मो-फिननीगन के मॉडल) और LA-ICPMS का उपयोग करके नियमित रूप से विश्लेषण किया जा रहा है। प्रतिगामी और अवसादन दर का अनुमान लगाने के लिए 10Be और 26Al आइसोटोप अध्ययन किया जाता है।

**अयस्क भूविज्ञान:**

अयस्क निर्माण के पर्यावरण और प्रक्रिया को समझने के लिए भारत और रूस में प्रसिद्ध अयस्क राशियों के अध्ययन पर कई अनुसंधान कार्यक्रम सक्रियरूप से संचालित हैं। ये अनुसंधान कार्यक्रम अच्छी तरह से सुसज्जित ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी, द्रव समावेशन, विभाग में एक्सआरडी और एल.ए.-आई.सी.पी एम.एस. प्रयोगशालाओं और केंद्रीय इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधा केंद्र में एपमा, डब्ल्यूडी-एक्सआरएफ और लेजर रमन माइक्रोप्रॉफ़ द्वारा समर्थित हैं। अयस्क निर्माण की प्रक्रियाओं को समझने के लिए आईआरएमएस का उपयोग करते हुए स्थिर आइसोटोप (हाइड्रोजन, कार्बन, नाइट्रोजन, ऑक्सीजन और सल्फर) कार्बोनेट, सल्फाइड और सल्फेट अयस्क खनिजों का विश्लेषण भी किया जा रहा है।

**रॉक वेदरिंग और सेडिमेंट जियोकेमिस्ट्री :**

अनुसंधान में सतह की पृथ्वी प्रक्रियाओं के दौरान पुनर्वितरण और सिद्धता व टेक्टॉनिक इंटरप्रेटेशन्ज में इसके उपयोग सहित आरईई-तत्व का अध्ययन शामिल है। विभिन्न जलवायु परिवर्तनों के तहत विभिन्न चट्टान प्रकारों में सूक्ष्म और स्थूल-स्तरीय भू-रासायनिक और खनिज परिवर्तनों का अध्ययन भी किया जा रहा है। अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाओं में आई.सी.पी.एम.एस., आई.सी.पी-ए.ई.एस. और ई.पी.एम.ए. द्वारा भूवैज्ञानिक नमूनों के रासायनिक पाचन और तात्विक विश्लेषण की सुविधाओं के साथ अनुसंधान किया जाता है।

**जीवाश्म विज्ञान और जलवायु अध्ययन** :

अनुसंधान में विभिन्न जलवायु जैसे कि लोजिनेसिन और डेल्टाईक तलछट और वृक्ष-धारियों के रासायनिक और समस्थानिक अध्ययनों को नियोजित करने वाली प्राचीन जलवायु का पुनर्निर्माण आदि शामिल हैं। वर्तमान परियोजनाएँ कावेरी नदी द्रोणी के पेलियोक्लाइमेट पुनर्निर्माण और पश्चिमी हिमालय के उच्च रिज़ॉल्यूशन तापमान पुनर्निर्माण से संबंधित हैं। अनुसंधान में वर्षा के दौरान वर्षा के समस्थानिक रचना के विकास को समझने के लिए आधुनिक वर्षा का समस्थानिक लक्षण-वर्णन भी शामिल है। प्रॉक्सी लक्षण वर्णन और प्रतिक्रिया विश्लेषण के लिए मॉडलिंग अध्ययन भी किया जा रहा है। अनुसंधान कार्य आई.आर.एम.एस., कण आकार विश्लेषक, एक्स.आर.डी. आदि द्वारा समर्थित है।

**रिमोट सेंसिंग और जीआईएस:**

अनुसंधानात्मक गतिविधियों में हाइपरस्पेक्ट्रल रिमोट सेंसिंग और प्लैनेटरी जियोलॉजी का उपयोग करते हुए लिथोलॉजिकल डिस्क्रिमिनेशन और खनिज लक्ष्यीकरण आदि उल्लेखनीय हैं। छवि प्रसंस्करण और जीआईएस संबंधित कार्य करने के लिए

प्रयोगशाला कम्प्यूटेशनल सुविधाओं से सुसज्जित है। सॉफ्टवेयर -ई.आर.डी.ए.एस. इमेजिन 10, ENVI4.7, ARCGIS उपलब्ध हैं।

**भूभौतिकी**

प्रोटॉन प्रिसिजन मैगनेटोमीटर और क्रस्टल मॉडलिंग "ओएसिस मोन्टाज" सॉफ्टवेयर की सहायता से तमिलनाडु के उत्तरपूर्वी हिस्से में भू-क्षेत्रीय चुंबकीय अध्ययन किया जा रहा है।

**भू-जलविज्ञान**

भूजल संसाधन आकलन और प्रबंधन में भूजल और सतही जल रसायन विज्ञान, भू-रसायन और जियोहाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग, थर्मोडायनामिक्स और स्पेसिएशन मॉडलिंग, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस अनुप्रयोग किए जा रहे हैं। फ्लेम फोटोमीटर, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, आयन चयनात्मक डिटेक्टर और प्रतिरोध उपकरण और भूजल मॉडलिंग सॉफ्टवेयर जैसे उपकरण उपलब्ध हैं।

**रोजगार के अवसर -**

विभाग का शैक्षणिक पाठ्यक्रम नेट, गेट सहित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता- परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने और एएमडी, जीएसआई, सीजीडब्ल्यूबी, एनएचपीसी, ओएनजीसी, आदि प्रमुख भू-वैज्ञानिक संगठनों में अच्छी संख्या में रोजगार पाने के लिए छात्रों की मदद करता है। निजी कंपनियाँ भी ऑन-ऑफ कैंपस रोजगार की गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को नियुक्त करती हैं।

**संप्रति विकास की गतिविधियाँ :**

आई.सी.पी-एम.एस में हाल ही में एक लेज़र एब्लेशन सिस्टम को जोडा गया है। आईआरएमएस आधारित स्थिर आइसोटोप सुविधा की स्थापना के साथ पेलियोक्लाइमेट पर अनुसंधान गतिविधियों की शुरुआत की गयी है।

**संकाय :**

**आचार्य :**

**एस. बालकृष्णन्** पीएच.डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली)

विशेषज्ञता : आईसोटोप जियोलोजी, जियो केमिस्ट्री

**एम.एस. पांडियन्,** पीएच.डी. (भारतीय खनि विद्यापीठ, धनबाद)

विशेषज्ञता : एकॉनोमिक जियोलोजी, मिनरल एक्सप्लोरेशन

**आचार्य एवं अध्यक्ष :**

**डी. सेंथिल नाथन्** पीएच.डी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड्गपूर)

विशेषज्ञता : पेलियोंटॉलोजी, सेडिमेंटॉलोजी

**आचार्य :**

**रजनीश भूटानी** पीएच.डी. (भौतिकीय अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद)

विशेषज्ञता : आईसोटोप जियोलोजी, टेक्टोनिक्स

**प्रमोद सिंह** पीएच.डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली)

विशेषज्ञता : जियोकेमिस्ट्री, सेडिमेंटॉलोजी

**सह आचार्य :**

**के.श्रीनिवास मूर्ति** पीएच.डी. (अन्नामलै विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता : हाइड्रो जियोलोजी, रिमोट सेंसिंग एंड जी.आई.एस.

**सहायक आचार्य :**

**शुभदीप भद्रा** पीएच.डी. (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड्गपूर)

विशेषज्ञता : स्ट्रक्चरल जियोलोजी, जियो केमिस्ट्री

**एस. लसिता** पीएच.डी. (कोच्चिन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता : जियो फिजिक्स (सिस्मोलोजी एंड ग्राविटी)

**मनीषा कुमारी** पीएच.डी. (मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपूर)

विशेषज्ञता : पेलिएंटोलोजी, स्ट्रेटीग्राफी, माइक्रो पेलिएंटोलोजी

**श्रेयस मनगावे** पीएच.डी. (अतिरिक्त साधारण छुट्टी पर), (महाराजा शायाजीराव विश्वविद्यालय, अहमदाबाद)

विशेषज्ञता : पेलियो क्लाइमेटोलोजी & स्टेबिल आईसोटोप जियोलोजी

**नूरुल अबसर** पीएच.डी., (अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ)

विशेषज्ञता : सेडिमेंटरी जियोकेमिस्ट्री, प्रिकेंब्रियन क्रिस्टल एवोल्यूशन & सेडिमेंटोलोजी

**के.एन.कुसुमा** पीएच.डी., (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई)

विशेषज्ञता : हाइपर स्प्रेक्ट्रल रिमोट सेंसिंग, जी.आई.एस., प्लेनिटरी जियोलोजी, जियोमॉर्फोलोजी

# अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग

## भौतिकी, रासायनिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ

विभाग को शैक्षणिक वर्ष 2007-08 में स्थापित किया गया था, जिसका उद्देश्य था- मनोविज्ञान को अधिक व्यावहारिक रूप से उन्मुख करने के लिए छात्रों को प्रशिक्षित करना और समाज की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मनोविज्ञान के सिद्धांतों को लागू करना। विभाग स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रम प्रस्तुत करता है। दो वर्ष एम.एससी. (अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान) कार्यक्रम सक्षम शिक्षकों द्वारा पढाया जाता है और छात्रों को पेशेवर क्षमता से युक्त मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों के रूप में उभरने के लिए प्रशिक्षण देता है। विभाग मानव संसाधन विकास मनोविज्ञान, नैदानिक और परामर्श मनोविज्ञान पर विशेष ध्यान देता है। विभाग अच्छी तरह से अत्याधुनिक प्रयोगशाला और सुचारुरूप से निर्मित पुस्तकालय के साथ सज्जीकृत है। पाठ्यक्रम एनजीओ और परामर्श-केंद्रों के सहयोग से अस्पतालों, उद्योगों में क्षेत्रगत काम के साथ एकीकृत है।

**मिशन**

भारतीय संदर्भ को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक प्रकृति पर एक व्यवस्थित अध्ययन करना, रोजमर्रे के जीवन की समस्याओं को हल करने के लिए मनोविज्ञान की प्रकृति पर ध्यान देना और इस प्रकार समाज और राष्ट्र की सेवा करना।

**विजन**

स्वदेशी सांस्कृतिक और मूल्य प्रणाली के संदर्भ में शिक्षण और शोध के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त एक गंतव्य के रूप में विभाग को विकसित करने के लिए सभी हित धारकों की सेवा के लिए एक अकादमिक अनुशासन के रूप में मनोविज्ञान को और मजबूत करना।

**अध्ययन कार्यक्रम -**

एम.एससी. अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान

एम.एससी. अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान में सभी छात्रों के लिए पहले दो सेमेस्टर समान होंगे। पत्रों में शामिल हैं: संज्ञानात्मक मनोविज्ञान, व्यक्तित्व के सिद्धांत, उन्नत सामाजिक मनोविज्ञान, शोध-प्रविधि, पुनर्वास मनोविज्ञान, सकारात्मक मनोविज्ञान, स्वास्थ्य मनोविज्ञान, मनोविज्ञान में सांख्यिकी, और व्यावहारिक। छात्रों को तीसरे सेमेस्टर में विशेषज्ञता के रूप में क्लिनिकल या काउंसलिंग या मानव संसाधन विकास मनोविज्ञान का चयन करना होगा।

अध्ययन-कार्यक्रम में निम्नलिखित पत्र पढाये जाते हैं:

i. नैदानिक मनोविज्ञान

साइकोपैथोलॉजी, साइकोलॉजिकल थेरेपी, कम्युनिटी साइकोलॉजी, न्यूरो साइकोलॉजी और अभ्यासगत पत्र - क्लिनिकल साइकोलॉजी

ii. मानव संसाधन मनोविज्ञान

संगठनात्मक व्यवहार, मानव संसाधन प्रबंधन, संगठनों में प्रशिक्षण और विकास, औद्योगिक संबंध और श्रम कल्याण, और अभ्यासगत पत्र - मानव संसाधन विकास मनोविज्ञान

iii. परामर्श मनोविज्ञान

परामर्श के सिद्धांत और दृष्टिकोण, परामर्श कौशल, कैरियर मार्गदर्शन और परामर्श, शैक्षिक संगठनों में परामर्श और अभ्यसगत पत्र - परामर्श मनोविज्ञान

**अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान में पीएच.डी. (पूर्णकालिक और अंशकालिक)**

विभाग में मनोविज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में पीएच.डी छात्रों का मार्गदर्शन करने के लिए अनुभवी संकाय सदस्य उपलब्ध हैं।

**प्रवेश परीक्षा :**

एम.एससी. और पीएचडी दोनों के लिए छात्रों का चयन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। इसमें मनोविज्ञान और संबद्ध विषयों पर 80 बहुविकल्पीय प्रश्न और अंग्रेजी व तर्क कौशल की परीक्षा पर

20 अंक  शामिल होंगे।

**क्षेत्रगत कार्य एवं इंटर्नशिप**

अध्ययन के दौरान छात्रों को दो इंटर्नशिप से गुजरना पड़ता है। पहले इंटर्नशिप को इंटर्नशिप -सामान्य और दूसरे इंटर्नशिप को इंटर्नशिप -विशेषज्ञता कहा जाता है। पहला इंटर्नशिप गर्मी की छुट्टी के दौरान प्रथम वर्ष के तुरंत बाद होगा, और दूसरा इंटर्नशिप चौथे सेमेस्टर के आरंभ में किया जाएगा।

**आधारभूत -संरचना की सुविधाएँ :-**

प्रयोगात्मक, संज्ञानात्मक, नैदानिक, औद्योगिक और परामर्श मनोविज्ञान के अध्ययन के लिए विभाग के पास विशाल कक्षाओं के अलावा दो अच्छी तरह से सुसज्जित व ऑडियो विजुअल की सुविधाओं से युक्त प्रयोगशालाएँ हैं। परीक्षण सामग्री के अलावा, बहु व्यवहार चिकित्सा, ईईजी अल्फा जैव प्रतिक्रिया, श्वसन, जैव प्रतिक्रिया, स्टेमर सप्रेशन, एवेरेशन थेरेपी जैसे उपकरण भी अभ्यास और अनुसंधान में उनके उपयोग हेतु प्रयोगशाला में उपलब्ध हैं।

**संकाय :**

**आचार्य एवं अध्यक्ष :**

**सुरेंद्र कुमार सिया पीएच.डी.** (दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)

विशेषज्ञता : संगठनात्मक मनोविज्ञान और पर्यावरण मनोविज्ञान, सकारात्मक मनोविज्ञान, बुजुर्ग-मनोविज्ञान

**आचार्य :**

**शिबनाथ देब पीएच.डी., डी.एससी.** (कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता)

विशेषज्ञता : नैदानिक मनोविज्ञान, स्वास्थ्य मनोविज्ञान, परामर्श मनोविज्ञान, शिशु-सुरक्षा, एच.आई.वी./एड्स सहित किशोर प्रजनन स्वास्थ्य मनोविज्ञान

**बी.रंगय्या पीएच.डी.** (मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर)

विशेषज्ञता : संज्ञानात्मक प्रक्रियाएँ, पार-सांस्कृतिक (क्रास कल्चरल) मनोविज्ञान, मानसिक स्वास्थ्य, सांख्यिकी, साइकोमेट्रिक्स

**सहायक आचार्य**

**डी. धनलक्ष्मी, पीएच.डी.** (उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद)

विशेषज्ञता: स्वास्थ्य मनोविज्ञान

**डी. भरणी कांत, पीएच.डी.** (पेरियार विश्वविद्यालय, सेलम्(

विशेषज्ञता : औद्योगिक मनोविज्ञान, परामर्श मनोविज्ञान,

**रेजॉयसन थंगल, एम.एससी.** (मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर)

विशेषज्ञता: विकासवादी मनोविज्ञान, सामाजिक जैवविज्ञान, मानव-विकास

# जीवविज्ञान विद्यापीठ

**विद्यापीठाध्यक्ष : आचार्य पी.पी.माथुर**

**जैव रसायन विज्ञान और आण्विक जीव विज्ञान विभाग**

**सूक्ष्म जैविकी विभाग**

**जीनोमिक विज्ञान केंद्र**

**जैव प्रौद्योगिकी विभाग**

**पारिस्थितिकी एवं पर्यावरणीय विज्ञान विभाग**

**महासागर अध्ययन और समुद्री जैव विज्ञान विभाग**

**खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग**

**जैव सूचना केंद्र**

जीवविज्ञान विद्यापीठ पांडिचेरी विश्वविद्यालय का एक अग्रणी विद्यापीठ है और जीव विज्ञान-अध्ययन के आधुनिक क्षेत्रों में अंतर्विद्यावर्ती अनुसंधान और शिक्षण के संचालन में देश के नवीनतम संस्थाओं में से एक है। वर्तमान में विद्यापीठ में छः विभाग और एक केंद्र है। जैव रसायन विज्ञान और आणविक जीवविज्ञान, सूक्ष्म जैविकी, जैव प्रौद्योगिकी, पारिस्थितिकी और पर्यावरण विज्ञान, समुद्री जीव विज्ञान, खाद्य विज्ञान और पोषण, खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान में एम.एससी. और पीएच.डी. कार्यक्रम प्रस्तुत किए जा रहे हैं। इनके अतिरिक्त, कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी में एम.टेक और जैव प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा भी प्रदान किए जाते हैं। इस वर्ष से एम.एससी. जीनोमिक्स विज्ञान और एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी की प्रस्तुति स्व-वित्त पोषित पद्धति के तहत की जा रही है। समुद्री जीवविज्ञान और महासागर अध्ययन का विभाग पोर्ट ब्लेयर, अंडमान निकोबार द्वीप समूह में स्थित है।

सभी विभागों में स्नातकोत्तर और शोध-छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों के साथ सुसज्जित अत्याधुनिक प्रयोगशाला की सुविधाएँ हैं। विद्यापीठ के विभिन्न विभागों में आधारभूत-संरचना और अनुसंधान परक सुविधाओं को डीबीटी, डीएस्टी-एफ.आई.एस.टी. और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विशेष सहायता-कार्यक्रम के द्वारा समर्थित किया जा रहा है। जीवविज्ञान विद्यापीठ में पशु-गृह और फूड प्रोसेसिंग पायलट प्लांट के अलावा केंद्रीय इंस्ट्रूमेंटेशन की सुविधा है। विद्यापीठ के छात्रों ने बड़ी संख्या में सीएसआईआर, यूजीसी, आईसीएमआर, आईसीएआर-नेट, डीबीटी और गेट द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्तीर्णता प्राप्त की है। छात्रों को भारत और विदेशों में प्रतिष्ठित संस्थानों / विश्वविद्यालयों और उद्योगों में रोजगार भी मिला है।

विद्यापीठ में उच्च योग्य और उत्साही संकाय-सदस्य हैं जिन्होंने भारत और विदेशों के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त किया। उनमें से कइयों को अध्येतावृत्ति ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस इंडिया और अध्येतावृत्ति ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज और अध्येतावृत्ति ऑफ रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री आदि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पहचान प्राप्त हुई है।

स्कूल के संकाय-सदस्य आशुतोष मुखर्जी मेमोरियल पुरस्कार, रॉकफेलर फाउंडेशन बायोटेक्नोलॉजी कैरियर पुरस्कार, बायोटेक्नोलॉजी ओवरसीज पुरस्कार (डीबीटी), इनोवेटिव यंग बायोटेक्नोलॉजी पुरस्कार, आईएनएसए-डीएफजी एक्सचेंज पुरस्कार, आईसीएमआर इंटरनेशनल फेलोशिप, फोगार्टी अध्येतावृत्ति, सी.एस.आई.आर.-सी.एन.आर.एस. अध्येतावृत्ति, बॉयसकैस्ट अध्येतावृत्ति, रेनैटो डल्बेको मेमोरियल पुरस्कार और यूरोपियन मॉलिक्यूलर बायोलॉजी ऑर्गनाइजेशन (EMBO) से बेस्ट रिसर्चर पुरस्कार आदि राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कई पुरस्कारों से सम्मानित हैं।

संकाय सदस्य जीव-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में बुनियादी और अनुप्रयुक्त अनुसंधान में शामिल हैं और भारत और विदेशों में अनुसंधान- सहयोग स्थापित किये हैं। उन्हें विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों / संगोष्ठियों /कार्यशालाओं में

व्याख्यान, बीज व्याख्यान और सत्राध्यक्षाता के लिए आमंत्रित किया गया है। संकाय और छात्रों ने उच्च प्रभावपूर्ण पत्रिकाओं में अपने शोध प्रपत्र प्रकाशित किये हैं और संपादकीय जिम्मेदारियों को सुचारुरूप से निभाया है।

विद्यापीठ की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक यह है कि संकाय-सदस्यों को डी.एस.टी., डी.बी.टी., विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, सी.एस.आई.आर., आई.सी.एम.आर., डी.आर.डी.ओ., ए.आई.सी.टी.ई., ए.ई.आर.बी., आयुष, बी.आर.एन.एस. पृथ्वी विज्ञाज मंत्रालय, ओ.एन.जी.सी., एम.ओ.ई.एफ. & सी.सी., इंडोइरलैंड, यूएस फिश एंड वाइल्डलाइफ सर्विस, पॉपुलेशन काउंसिल (यूएसए) और रॉकफेलर फाउंडेशन (यूएसए) जैसी कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निधीयन एजेंसियों से अत्यधिक मात्रा में धन प्राप्त हुआ है और इस माध्यम से बहुत महत्वपूर्ण शोध-सहायता प्राप्त हुई है।

# जैव रसायन विज्ञन और आण्विक जीव विज्ञान विभाग

## जीवविज्ञान विद्यापीठ

जैव रसायन विज्ञान और आण्विक जीवविज्ञान विभाग को 1987 में जीव विज्ञान विद्यापीठ के तहत जैविक विज्ञान विभाग के रूप में शुरू किया गया था और एम.एससी. तथा एम.फिल और पीएच.डी की प्रस्तुति तब से लेकर की जा रही थी। 2004 में, विभाग का नाम बदलकर जैव रसायन विज्ञान और आण्विक जीवविज्ञान विभाग कर दिया गया। तब से लेकर यह विभाग जैव रसायन विज्ञान और आण्विक जीव विज्ञान में स्नातकोत्तर और पीएच.डी. कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहा है।

विभाग ज्ञान विकास, अनुसंधान-प्रशिक्षण और व्यक्तिगत विकास के लिए सहज वातावरण प्रदान करता है। विभाग के पास संकाय-सदस्यों के रूप में शिक्षण का एक उत्कृष्ट पूरक है जो जैव रसायन विज्ञान और आण्विक जीव विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में बुनियादी और अनुप्रयुक्त अनुसंधान में शामिल हैं। संकाय-सदस्यों के पास भारतीय / विदेशी विश्वविद्यालयों / संस्थानों में शिक्षण / पोस्टडॉक्टोरल अनुसंधान का अनुभव है। विभाग में संकाय-सदस्यों ने भारतीय और विदेशी जांचकर्ताओं के साथ अनुसंधान सहयोग स्थापित किया है। संकाय सदस्य रॉकफेलर फाउंडेशन, बायोटेक्नोलॉजी कैरियर अवार्ड, बायोटेक्नोलॉजी ओवरसीज अवार्ड (डीबीटी), आईएनएसए-डीएफजी एक्सचेंज अवार्ड, आईसीएमआर इंटरनेशनल फेलोशिप, फोगार्टी फेलोशिप और सीएसआईआर सीएनआरएस फैलोशिप आदि प्राप्त कर चुके हैं। कुछ संकाय-सदस्य जनसंख्या परिषद (यूएसए), जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय (यूएसए), वर्जीनिया विश्वविद्यालय, क्लीवलैंड क्लिनिक (यूएसए), (फोगार्टी फैलोशिप) के वैज्ञानिकों के साथ भेंट कर रहे हैं, और यूएसए, जर्मनी और फ्रांस का दौरा कर चुके हैं। प्रतिष्ठित पुरस्कार जैसे, सुभाष मुखर्जी मेमोरियल इन्फार इंडिया, ओरेशन अवार्ड, आशुतोष मुखर्जी मेमोरियल अवार्ड, लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड, रेनैटो डल्बेको मेमोरियल अवार्ड, यूरोपियन मॉलिक्यूलर बायोलॉजी ऑर्गनाइजेशन (ईएमबीओ) का सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज की फैलोशिप, भारत (NASI), नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज और यंग साइंटिस्ट्स अवार्ड इत्यादि कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार संकाय-सदस्यों के द्वारा प्राप्त किये गये हैं। संकाय-सदस्य विभिन्न शैक्षणिक-कार्य एवं सम्मेलनों में भाग लेने के लिए भारत और विदेश में यात्रा करते रहे हैं। कुछ संकाय-सदस्यों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्डों में पीयर समीक्षकों के रूप में सेवा की है।

विभाग को डीएसटी के द्वारा आरंभ में 2002 से 2009 तक डीएसटी-एफआईएसटी के तहत विशेष निधीयन और स्तर-II के लिए 2018 में निरंतर समर्थन प्राप्त हुआ है। विभाग ने 2011 में यूजीसी - विशेष सहायता कार्यक्रम भी प्राप्त किया है और 2010 में डीबीटीआई-बिल्डर प्रोग्राम का विभाग भी एक हिस्सा था। विभाग के संकाय-सदस्यों ने विभिन्न राष्ट्रीय फंडिंग एजेंसियों- जैसे डीएसटी, डीबीटी, यूजीसी, सीएसआईआर, आई.सी.एम.आर., डी.आर.डी.ओ. और पर्यावरण तथा वन मंत्रालय आदि से कई करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि प्राप्त की। विभाग ने जनसंख्या परिषद (यूएसए) और रॉकफेलर फाउंडेशन (यूएसए) जैसी अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों से वित्त पोषण भी आकर्षित किया है। विभाग ने प्रजनन जीव विज्ञान में छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए क्लीवलैंड क्लिनिक, यूएसए के साथ सहयोग स्थापित किया है।

**अध्ययन कार्यक्रम-**

**एम.एससी. जैव रसायन विज्ञान और आण्विक जीव विज्ञान**

**जैव रसायन विज्ञान और आण्विक जीव विज्ञान में पीएच.डी.**

**प्रवेश परीक्षा :**

एम.एससी. और पीएचडी कार्यक्रम देश के विभिन्न केंद्रों में पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा पर आधारित हैं। परीक्षा में जैव रसायन विज्ञान और आण्विक जीव विज्ञान, प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान,

रसायन विज्ञान, जैव भौतिकी, सूक्ष्म जैविकी, जेनेटिक्स, फिजियोलॉजी और संबद्ध क्षेत्रों में 100 से अधिक बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल हैं। एम.एससी. में प्रवेश के लिए बी.एससी. स्तर पर और पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश के लिए एम.एससी. स्तर पर प्रश्न होंगे।

अनुसंधान के विशेष क्षेत्र :

- प्रजनन संबंधी एंडोक्रिनोलॉजी, विष विज्ञान
- माइक्रोबियल जैव रसायन और जैव प्रौद्योगिकी
- नैनोमेडिसिन, लीवर पुनर्जनन
- प्राकृतिक सिद्धांत, कोशिका संकेत, अपक्षयी रोग कैंसर, मधुमेह, पार्किंसंस, अल्ज़ेमियर, हार्ट और जिगर के रोग
- फाइटोमेडिसिन
- जीन डिलीवरी -लक्षित चिकित्सा, नैनो ऑन्कोलॉजी
- ट्यूमरजेनसिस एंड सेल सिग्नलिंग
- डीएनए क्षति प्रतिक्रिया, डीएनए रिपेयर
- सेलुलर और आणविक तंत्रिका विज्ञान
- एंडोक्रिनोलॉजी और एजिंग बायोकेमिस्ट्री
- सेंसोरिनुरल डिजनरेशन और सेल थेरेप्यूटिक्स; रेटिनल बायोलॉजी

**प्रयोग शालाएँ और उपस्कर संबंधी सुविधाएँ-**

विभाग के पास जैव रसायन विज्ञान एवं आण्विक जीवविज्ञान विषयों में शिक्षण एवं उन्नत अनुसंधान हेतु उत्कृष्ट इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधाओं से युक्त एक अत्याधुनिक प्रयोगशाला है। विभाग के पास *इन विट्रो* और *इन विवो* -दोनों पद्धतियों में अनुसंधान को क्रियान्वित करने की सुविधा है।

उपकरण संबंधी सुविधाओं में उच्च गति रेफ्रिजरेटेड सेंट्रीफ्यूज, अल्ट्रासेन्ट्रीफ्यूज, अल्ट्रा सोनिकेटर, पीसीआर, एलिसा, ट्रांस-ब्लाट उपकरण, गेल्डोक उपकरण, सीओ2-इनक्यूबेटर्स, फेज कंट्रास्ट माइक्रोस्कोप, यूवीवीस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, अल्ट्रा प्योर वाटर-प्यूरीफायर और कोल्ड रूम शामिल हैं।

अन्य सुविधाएँ :

- विभाग में एक सुसज्जित जंतु कोशिका संवर्धन (एनिमल सेल कल्चर) की सुविधा है।
- विभाग के पास उच्च गति की इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ एक विशेष कंप्यूटर प्रयोगशाला है।
- प्राध्यापक और छात्रों को प्रायोगिक अनुसंधान के लिए जीव विज्ञान विद्यापीठ में एनिमल हाउस की सुविधा प्रदान की जाती है।

अब तक प्राप्त विशेष अनुदान :-

- विभाग को 2018 में डी.एस.टी.-एफ.आई.एस.टी.(स्तर II) रू.149.0 लाख का समर्थन प्राप्त हुआ है।
- विभाग को 2009 में डी.एस.टी.-एफ.आई.एस.टी. का (रू. 70 लाख) समर्थन प्राप्त हुआ।
- विभाग एक सहयोगी अनुसंधान अनुदान प्राप्तकर्ता है जो नयी दिल्ली के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के आईपीएलएस कार्यक्रम के तहत पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के जैव रसायन विज्ञान और आण्विक जीवविज्ञान विभाग, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान के केंद्र, जैव सूचना विज्ञान विभाग को संयुक्त रूप से दिया जाता है।
- विभाग ने 2011 में यूजीसी-विशेष सहायता कार्यक्रम का अनुदान (रू. 45.3 लाख) प्राप्त किया है।
- विभाग को डी.एस.टी.पी.यू.आर.एस.ई. कार्यक्रम के तहत अनुदान भी प्राप्त हुआ है।

**रोजगार अभिविन्यास / कौशल निर्माण / ज्ञान सृजन :**

हमारे विभाग से हर वर्ष अच्छी-खासी संख्या में छात्र विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/सी.एस.आई.आर.-नेट परीक्षा और गेट परीक्षा में उत्तीर्ण होते हैं और भारत के अत्युत्तम अनुसंधान संस्थानों में प्रवेश पाते हैं। साथ ही हमारे कुछ छात्र जी.आर.ई/ टोफेल परीक्षा में उच्च अंक प्राप्त करते हैं और अपने पीएचडी कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए विदेशी विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेते हैं। हमारे छात्रों को फार्मास्युटिकल, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान से संबंधित कंपनियों में भी रोजगार प्राप्त हुआ है।

**संकाय :**

**आचार्य एवं अध्यक्ष :**

**पी. पी. माथुर, पीएच.डी.** (बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी)

विशेषज्ञता: प्रजनन जैव रसायन और आण्विक जीवविज्ञान, पर्यावरणीय एंडोक्रिनोलॉजी और जैव सूचना विज्ञान

**आचार्य**

**के. जीवरत्नम्, पीएच.डी.** (आईआईएससी, बंगलूरु)

विशेषज्ञता: पोषण जैव रसायन विज्ञान, सूक्ष्म जैविकी रसायन विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी

**सहायक आचार्य :**

**आर. रुक्कुमणि, पीएच.डी.** (अन्नामलै विश्वविद्यालय, चिदंबरम्)

विशेषज्ञता: कैंसर जीवविज्ञान और नैनो ऑन्कोलॉजी, लिवर विषाक्तता, फाइटोथेरेपी, आण्विक चिकित्सा, लक्षित चिकित्सा

**एस. सुधरानी, पीएच.डी.** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)

विशेषज्ञता: इम्यूनोलॉजी, अपक्षयी रोगों में कोशिका-संकेत, नैनो थेरेपी

**सी. तिरुनावुक्करसु, पीएच.डी.** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता: हेपेटोकार्सिनोजेनेसिस, नैनो मेडिसिन, लीवर रीजनरेशन

**पी. लता, पीएच.डी.** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता: प्रजनन जीवविज्ञान और फाइटोमेडिसिन

**कितलंगकी सुक्यांग, पीएच.डी.** (नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग)

विशेषज्ञता: एंडोक्रिनोलॉजी, एजिंग बायोकैमिस्ट्री

**मधु द्यावैया पीएच.डी.** (मैसूर विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: जैव प्रौद्योगिकी, डीएनए क्षति प्रतिक्रिया

**अस्मिता दासगुप्ता, पीएचडी** (जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता)

विशेषज्ञता: कोशीय एवं आण्विक तंत्रिका विज्ञान

**विश्वविद्यालय अनुदान आयोग- संकाय संवर्धन कार्यक्रम (फैकल्टी रीचार्ज प्रोग्राम)**

**यूजीसी- सहायक आचार्य :**

**सुब्बुलक्ष्मी चिदंबरम्, पीएच.डी.** (यूनिवर्सिटी ऑफ़ गोएटिंगेन, जर्मनी) विशेषज्ञता: सेंसोरिनुरल डीजनरेशन और कोशिका चिकित्सा विज्ञान; रेटिनल बायोलॉजी

# सूक्ष्म जैविकी विभाग
## जीवविज्ञान विद्यापीठ

2009 वर्ष में विभाग का आरंभ हुआ और इसे जैव रसायन विज्ञान और आण्विक जीव विज्ञाज विभाग, जीव विज्ञान विद्यापीठ के अंतर्गत रखा गया था। विभाग सूक्ष्मजैविकी के क्षेत्र में शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार में उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध है। विभिन्न अनुसंधान इकाइयों और समय-समय पर अद्यतन / पाठ्यक्रम के आधुनिकीकरण के साथ विभाग को मजबूत किया जा रहा है। पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, जीव विज्ञान विद्यापीठ के अंतर्गत सूक्ष्म जैविकी विभाग ने, अपने संकाय-सदस्यों के रूप में कई ऐसे शोधकर्ताओं को एकत्र किया है जो अपने अध्ययन-क्षेत्र में विशिष्ट हैं और "माइक्रोबायर्स" को समझने के सामान्य लक्ष्य से एकजुट होकर कार्य कर रहे हैं। संप्रति विभाग सूक्ष्म जैविकी में एम.एससी. और पीएचडी पाठ्यक्रम को प्रस्तुत कर रहा है।

चूंकि सूक्ष्म जैविकी संबंधी गतिविधियां इतनी विविध हैं, सूक्ष्म जैविकी से संबंधित अध्ययन-कार्यक्रम भी एक बहु-विषयक विषय है, जिसकी जड़ें जीव विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान और अभियांत्रिकी विषयों की होंगी। पारंपरिक सूक्ष्म जीव विज्ञान को जीव विज्ञान में अध्ययन का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र माना जाता है क्योंकि इसमें किण्वन, जैविक उपचार और जैव चिकित्सा तकनीक में काफी संभावनाएँ और विशाल कार्य-क्षेत्र है। लेकिन मानव माइक्रोबायोम परियोजना, मेटागेनोमिक्स और माइक्रोबियल जीनोम परियोजनाओं के हालिया विकास ने अगली पीढ़ी के ड्रग डिज़ाइन, आणविक रोगजनन, फ़ाइलोज़ोग्राफ़ी, स्मार्ट बायोमोलेक्युलस के उत्पादन आदि में इसके दायरे और क्षमता का विस्तार किया है। आधुनिक सूक्ष्म जैविकी ने जीनोम तकनीक, नैनोबायोटेक्नोलॉजी में अपनी जड़ों का विस्तार किया है। हरित ऊर्जा (जैव ईंधन) प्रौद्योगिकी, बायोइलेक्ट्रॉनिक आदि हाल के नवाचारों और मानव और पर्यावरणीय स्थिरता में सूक्ष्मजीवविज्ञानी दृष्टिकोण और अनुप्रयोगों के तेजी से विकास को ध्यान में रखते हुए एम.एससी. सूक्ष्म जैविकी पाठ्यक्रम को कुछ इस प्रकार बनाया गया है कि सूक्ष्म जैविकी के मूल सिद्धांतों को छात्र आसानी से समझ सकें।

**अध्ययन कार्यक्रम-**

**एम.एससी. सूक्ष्म जैविकी**

**सूक्ष्म जैविकी में पीएच.डी.**

**प्रवेश परीक्षा :**

एम.एससी. सूक्ष्म जैविकी कार्यक्रम में छात्रों का चयन देश के विभिन्न केंद्रों में पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा पर आधारित है। प्रश्नपत्र में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जिनके माध्यम से सामान्य और अनुप्रयुक्त सूक्ष्म जैविकी, जैव रसायन विज्ञान, कोशिका और आण्विक जीव विज्ञान और आनुवंशिक इंजीनियरिंग विषयों में छात्रों के मौलिक ज्ञान की परीक्षा की जायेगी।

सूक्ष्म जैविकी में पीएच.डी.: पीएचडी कार्यक्रम में यूजीसी / सीएसआईआर- नेट में उत्तीर्ण छात्रों को सीधे प्रवेश दिया जाता है। पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा के बाद तैयार की गयी सूची के अनुसार योग्यता के आधार पर शोध-छात्र पीएचडी कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं और विश्वविद्यालय अध्येता-वृत्ति प्राप्त कर सकते हैं। शोध-परियोजनाओं में चयनित शोध-छात्र यदि पीएच.डी. के लिए पंजीकरण करने के इच्छुक हैं तो उनको प्रवेश परीक्षा देनी होगी।

**अनुसंधान के मुख्य क्षेत्र :-**

संकाय सदस्य सक्रिय रूप से अनुसंधान में लगे हुए हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर की इंपेक्ट फेक्टर- शोध पत्रिकाओं में अपने शोध-प्रपत्र प्रकाशित कर रहे हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, डीएसटी-एसईआरबी, डीबीटी, डीएसटी, इंडो-आयरलैंड और

सी.एस.आई.आर. आदि निधीयन एजेंसियों के द्वारा सूक्ष्म जैविकी विभाग में परियोजनाएँ संचालित हैं। संकाय-सदस्यों की विशेषज्ञता के आधार पर अनुसंधान के निम्नलिखित मुख्य क्षेत्रों में विभागीय शोध-कार्य को बढावा दिया जा रहा है-

- मेटोजेनोमिक्स और माइक्रोबियल बायोप्रोस्पेक्टिंग।
- फंगल जेनेटिक्स और मायकोटॉक्सिकोलॉजी
- माइक्रोबियल बायोकाटलिसिस और ड्रग डिस्कवरी
- एंजाइम प्रौद्योगिकी
- होस्ट-पैथोजन इंटरेक्शन

**प्रयोगशाला और उपकरण की सुविधाएँ :-**

विभाग के पास सूक्ष्म जैविकी विषय में शिक्षण और उन्नत अनुसंधान के लिए एक उत्कृष्ट आधुनिक इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधा से युक्त अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ उपलब्ध हैं। साधन-सामग्री की सुविधाओं में लामिनार वायु प्रवाह, आटोक्लेव, माइक्रोबियल इनक्यूबेटर, बीओडी इनक्यूबेटर, हाई स्पीड रेफ्रिजरेटेड सेंट्रीफ्यूज, एचपीएलसी, अल्ट्रासेन्ट्रीफ्यूज, पीसीआर, सीओ 2-इनक्यूबेटर, माइक्रोस्कोप, यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, जल-शोधक और -80°C इत्यादि शामिल हैं। अन्य प्रमुख उपकरण केंद्रीय इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधा-केंद्र में उपलब्ध हैं।

**संकाय :**

**आचार्य & समन्वयक**

**जोसेफ सेल्विन, पीएच.डी.**(केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान,कोच्चिन)

विशेषज्ञता: मेटाजीनोमिक्स और बायोप्रोस्पेक्टिंग

**सहायक आचार्य :**

**महेश्वरन मणि, पीएच.डी.**(जस्टस लिबिग यूनिवर्सिटी, जर्मनी)

विशेषज्ञता: संक्रमण-प्रतिरक्षा, मूल कोशिका जीव विज्ञान

**शर्मिली जगताप, पीएच.डी.** (राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे)

विशेषज्ञता: एंजाइम प्रौद्योगिकी, विकासात्मक जीवविज्ञान।

**रेजिना शर्मिला दास, पीएच.डी.** (मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर)

विशेषज्ञता: फंगल जेनेटिक्स और मायकोटॉक्सिकोलॉजी।

**बूसि सिद्धार्थ, पीएच.डी.** (भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद)

विशेषज्ञता: ड्रग डिस्कवरी और माइक्रोबियल कैटलिसिस

# जीनोमिक विज्ञान केंद्र

## जीवविज्ञान विद्यापीठ

जीनोमिक विज्ञान का क्षेत्र  जीनोम सीक्वेंस तकनीकी, बायो-डेटा एनालिटिक्स और जीनोम मेडिसिन आदि उद्योगों, अकादमिक, अनुसंधान, सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों में तेजी से बढते अवसरों के साथ हाल ही में उभरा अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। जीनोमिक्स और जीव विज्ञान के अन्य संबद्ध क्षेत्र, इंजीनियरिंग, जीव विज्ञान और कंप्यूटर विज्ञान जैसे विभिन्न क्षेत्रों के ज्ञान के साथ नित्य संवर्धित है और माइक्रोबियल, पौधे और पशु जीनोम के उच्च अंकन अनुक्रम और डेटा विश्लेषण आदि के साथ तेजी से इस क्षेत्र में वृद्धि हो रही है। विशेष रूप से बिग डेटा अनालिसिस, सिंथेटिक जीव विज्ञान, जीनोम इंजीनियरिंग, ट्रांसक्रिपटॉमिक्स, प्रोटिओमिक्स, मेटाबॉलिक इंजीनियरिंग, पैंगानॉमिक्स और मेटागेनोमिक्स जैसे-'परा-जीनोमिक्स 'क्षेत्रों ने जीनोम के साथ एनकोड किए गए जैविक कार्य-क्षेत्र के अध्ययन को बढावा दिया है। यह कार्यक्रम छात्रों को जीनोम डिपॉजिटरी, उच्च थ्रूपुट अनुक्रमण / जीन एक्सप्रेशन स्टडीज, फाइलेगनेटिक विश्लेषण और जीनोम एनोटेशन तकनीकों के क्षेत्रों में सक्षम बनायेगा। शिक्षण प्रणाली और पाठ्यक्रम कुछ इस प्रकार तैयार किये गये हैं कि छात्र इस विषय के अध्ययन से जीनोम विज्ञान और प्रौद्योगिकी की उभरते वैज्ञानिक उन्नति पर गहन ज्ञान प्राप्त करके लाभान्वित होंगे।

**अध्ययन कार्यक्रम-**

**एम.एससी. जीनोमिक विज्ञान (स्व-वित्त पोषित पाठ्यक्रम)**

**प्रवेश परीक्षा :**

एम.एससी. जीनोमिक विज्ञान कार्यक्रम में छात्रों का चयन देश के विभिन्न केंद्रों में पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा पर आधारित है। प्रश्नपत्र में वस्तुनिष्ठ प्रकार के 100 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जिनके माध्यम से जीव विज्ञान के मूल सिद्धांत, बुनियादी विज्ञान, जैव रसायन विज्ञान, कोशिका और आण्विक जीव विज्ञान और आनुवंशिक इंजीनियरिंग के मूल सिद्धांतों में छात्रों के मौलिक ज्ञान की परीक्षा की जायेगी।

**प्रयोगशाला और उपकरण की सुविधाएँ :-**

सूक्ष्म जैविकी केंद्र में माइक्रोबियल जीनोमिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला और संप्रति संचालित मेराइन सिंथेटिक बायोलॉजी कार्यक्रम की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। उपलब्ध सुविधाओं में मल्टीमोड माइक्रोप्लेट रीडर, आरटी-पीसीआर मशीन, एचपीएलसी प्रेपरेटिव (शिमड्जू), एफपीएलसी केमिडॉक-जेल,इमेजिंग, जैव सुरक्षा कैबिनेट (एसको), पी.सी.आर. मशीन (एप्पेनडॉर्फ), डीप फ़्रीज़र्स (-80 और -20) (न्यू ब्रंसविक)  सीओ 2 स्पार्गिंग सुविधा से युक्त स्टैकेबल इनक्यूबेटर शेकर (स्किजनिक्स बायोटेक), वाटर प्यूरीफिकेशन सिस्टम, कूलिंग सेंट्रीफ्यूज, वैक्यूम कंसंटेटर के साथ  लीओफिलाइजर यूनिट आदि शामिल हैं। इस सुविधा का विस्तार एफटी-आईआर स्पेक्ट्रोफोटोमीटर और कम्प्यूटेशनल सुविधाओं के साथ किया जा रहा है। अन्य प्रमुख उपकरण केंद्रीय उपकरण सुविधा-केंद्र में उपलब्ध हैं।

**संकाय :**

**आचार्य और पाठ्यक्रम समन्वयक**

**जोसेफ सेल्विन, पीएच.डी.**(केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान,कोच्चिन)

विशेषज्ञता: मेटाजीनोमिक्स और बायोप्रोस्पेक्टिंग

# जैव प्रौद्योगिकी विभाग

## जीवविज्ञान विद्यापीठ

जैव प्रौद्योगिकी विभाग का संस्थापन 1992 में हुआ था और विभाग जैव प्रौद्योगिकी में एम.एससी. और पीएच.डी. कार्यक्रम चलाता है। डीबीटी, भारत सरकार एम. एससी. जैव प्रौद्योगिकी शिक्षण कार्यक्रम को मजबूत करने के लिए हमारे विभाग का समर्थन करता है। जैव प्रौद्योगिकी में अत्युत्तम अनुसंधान को बढ़ावा देने और एक आधुनिक आधार भूत संरचना की सुविधा को विकसित करने के लिए हमारे संकाय-सदस्य राष्ट्रीय (यूजीसी, डीबीटी, डीएसटी, सीएसआईआर, एआईसीटीई, एईआरबी, आईसीएमआर, बीआरएनएस और एमओईएस) और अंतर्राष्ट्रीय (रॉकफेलर फाउंडेशन और डेनिश सरकार) निधीयन एजेंसियों से अतिरिक्त अनुदान आकर्षित करते हैं। हमारे विभाग के प्रकाशन इस विभाग में किए गए अनुसंधान कार्यों को प्रमाणित करते हैं।

**अध्ययन कार्यक्रम-**

**एम.एससी.** जैव प्रौद्योगिकी

जैव प्रौद्योगिकी में **पीएच.डी.** (पूर्ण कालिक)

जैव प्रौद्योगिकी में **स्नातकोत्तर डिप्लोमा** (एड-ऑन पाठ्यक्रम)

**प्रवेश परीक्षा :**

**एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी -** जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली द्वारा आयोजित डीबीटी-जे.एन.यू. अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा (सी.ई.ई.बी) के माध्यम से उनतीस छात्रों को प्रतिभा के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। इसके अतिरिक्त, केंद्र शासित प्रदेश पुदुच्चेरी के दो मूल निवासी छात्रों को भी प्रवेश दिया जाता है, जो सी.ई.ई.बी. परीक्षा देकर कट ऑफ अंकों के साथ योग्य और शीर्ष रैंकिंग वाले हैं। डी.बी.टी.-जे.एन.यू. की प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त सभी छात्रों को रू. 5,000 / - प्रति माह की अध्येता वृत्ति प्रदान की जाती है। पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में प्रतिभा के आधार पर बीस छात्रों को स्व-वित्त पोषित पद्धति (रू.1,00,000 / - प्रति वर्ष) के तहत प्रवेश दिया जाता है।

**पीएच.डी. जैव प्रौद्योगिकी (पूर्णकालिक)-** विभाग जैव प्रौद्योगिकी में पूर्णकालिक पीएचडी कार्यक्रम चलाता है, जिसके लिए छात्रों को विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। आवश्यकता और विभाग में उपलब्ध रिक्तियों की संख्या के आधार पर पीएचडी के लिए प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या के बारे में निर्णय लिया जाता है। विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा के माध्यम से पीएचडी कार्यक्रम में भर्ती हुए छात्रों को तीन साल की अवधि के लिए रू. 8,000/- प्रति माह का वजीफा प्रदान किया जायेगा। जेआरएफ-नेट (सीएसआईआर / यूजीसी / डीबीटी / आईसीएमआर) से युक्त अभ्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा से छूट दी गयी है।

**जैव प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (एड-ऑन कोर्स)-** यह दो सत्रों का अध्ययन कार्यक्रम है जो शाम के दौरान चलाया जाता है। योग्यता के आधार पर बीस छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। योग्यता परीक्षा में प्रतिभा के आधार पर बीस छात्रों को प्रवेश दिया जाता है और विश्वविद्यालय के मानदंडों के अनुसार आरक्षण दिया जाता है।

**अनुसंधान के मुख्य क्षेत्र :-**

- रोगाणुओं, पौधों और जानवरों से औषधियों का अन्वेषण
- पादप रोगजनकों के न्यूक्लिक अम्ल
- मछली, झींगा, पोल्ट्री और कर्क में रोग नियंत्रण के लिए प्रोबायोटिक्स
- फसली-पौधों के जीनोमिक्स और जेनेटिक इंजीनियरिंग
- नोसोकोमियल संक्रमण; बैक्टीरियल पैथगेन्स; होस्ट -पैथगेन इंटरेक्शन; क्वोरम सेन्सिंग
- मूल कोशीय जीव विज्ञान

- जैविक नैनो मेटेरियल्स
- एपिजेनेटिक्स और प्रोटीन इंजीनियरिंग
- रासायनिक जीवविज्ञान

**प्राप्त विशेष अनुसंधान-अनुदान :**

विभाग को विभिन्न निधीयन एजेंसियों- जैसे डीबीटी, डीएसटी, यूजीसी, सीएसआईआर, आयुष, एईआरबी, आईसीएमआर, एमओईएस, पुदुच्चेरी सरकार और अनेक उद्योगों से अनुसंधान - अनुदान प्राप्त होता है। विभाग डी.एस.टी.-एफ.आई.एस.टी. और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विशेष सहायता कार्यक्रम आदि के द्वारा समर्थित है।

**आधारभूत-संरचना की सुविधाएँ :-**

विभाग को अत्याधुनिक सुविधाएँ- जैसे कि कोल्ड रूम, फोटो-डॉक्यूमेंटेशन, प्लांट टिशू कल्चर, बायोसैफिली, जंतु कोशिका संवर्धन और पशु गृह के साथ विशाल प्रयोगशालाओं से लैस किया गया है। विभाग के पास उच्च गति वाले रेफ्रिजरेटेड सेंट्रीफ्यूज, यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, बायोरिएक्टर सिस्टम, फ़र्मेंटर, सीओ 2 इन्क्यूबेटर्स, सीओ 2-ओ 2 इन्क्यूबेटर, इलेक्ट्रोफोरेसिस उपकरण, इलेक्ट्रोपोरेटर, जेल प्रलेखन और केमाइलिंसेंटस प्रणाली, मल्टीमोड रिएक्टर, पीसीआर, रियलटाइम पीसीआर, फ्लैश पीसीआर, फ्लैश पीसीआर, क्रोमैटोग्राफी, एचपीएलसी, जीसी, एलसीएमएस, वैक्यूम कंसंट्रेटर, टीजी और 2 डी इलेक्ट्रोफोरोसिस (आईईएफ), फ्लो साइटोमीटर, लियोफिलाइजर, ल्यूमिनोमीटर, एमएसीएस (मैग्नेटिक एक्टिव सेल सॉर्टर) फेज कॉन्ट्रास्ट, फ्लुओरेन्सिटी और इनवर्टेड माइक्रोस्कोप, -80o सी डीप फ्रीजर, अल्ट्रांसेन्यूमर स्पेक्ट्रोमीटर और माइक्रोप्लेट स्पेक्ट्रोफ्लोरोमीटर इत्यादि उपकरण भी उपलब्ध हैं।

**संकाय**

**आचार्य एवं अध्यक्ष :**

**वी. अरुल, पीएच.डी.**(मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै)

विशेषज्ञता: मत्स्य पालन, समुद्री और खाद्य जैव प्रौद्योगिकी

**आचार्य :**

**एन. शक्तिवेल्, पीएच.डी.** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता: वनस्पति जैव प्रौद्योगिकी, मोलीक्यूलर प्लांट-माइक्रोब इंटरेक्शन, जैविक नैनोमटेरियल्स

**एन. आर्मुगम्, पीएच.डी.** (दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)

विशेषज्ञता: फसली पौधों के आनुवंशिक परिवर्तन, आण्विक पौध प्रजनन

**ए. हन्ना रेचेल वासंती, पीएच.डी.**(तमिल विश्वविद्यालय, तंजावुर)

विशेषज्ञता: जैव रासायनिक फार्माकोलॉजी और विष विज्ञान, हर्बल ड्रग डेवलपमेंट

**बी. सुधाकर, पीएच.डी.** (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बैंगलोर)

विशेषज्ञता: मूल कोशीय जीव विज्ञान, नैनो बायोटेक्नोलॉजी, कर्क जीवविज्ञान

**सहायक आचार्य :**

**लता शुक्ला, पीएच.डी.** (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली)

विशेषज्ञता: वनस्पति जैव प्रौद्योगिकी, फ्री रेडिकल रिसर्च

**के. प्रशान्त, पीएच.डी.**(जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)

विशेषज्ञता : चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी, इम्यूनोलॉजी, चिकित्सा सूक्ष्म जीवविज्ञान।

**वी. वेंकटेश्वर शर्मा, पीएच.डी.**(मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता: सूक्ष्म जैविकी, माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी

**अरुणकुमार दयालन्, पीएच.डी.**(जैकब्स विश्वविद्यालय, ब्रेमेन, जर्मनी)

विशेषज्ञता: एपिजेनेटिक्स, प्रोटीन इंजीनियरिंग

# पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण-विज्ञान विभाग

## जीवविज्ञान विद्यापीठ

इस विभाग का मुख्य उद्देश्य छात्रों को समकालीन पारिस्थितिकी और पर्यावरणीय मुद्दों के परिप्रेक्ष्य में उनके ज्ञान का संवर्धन करते हुए इस विषय में उच्च गुणवत्तावाली अंतर्विद्यावर्ती शिक्षा प्रदान करना है। संकाय-सदस्यों को अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय अनुसंधान पुरस्कार और पदक प्राप्त हुए हैं। कुछ संकाय-सदस्यों को राष्ट्रीय अकादमियों और पेशेवर समाजों की अध्येता वृत्ति के लिए भी चुना गया है और वे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्डों पर सेवारत हैं।

**अध्ययन कार्यक्रम-**

**एम.एससी.** पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण-विज्ञान

पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण-विज्ञान में **पीएच.डी.** (पूर्ण कालिक)

**प्रवेश परीक्षा :**

एम.एससी. और पीएच.डी. के लिए छात्रों का चयन अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा पर आधारित है। प्रश्न पत्र में पारिस्थितिकी और पर्यावरण विज्ञान की सभी शाखाओं के साथ-साथ वनस्पति विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, जीव-वैविध्य; संरक्षण जीवविज्ञान, विकास, आनुवंशिकी, प्रभाव-आकलन, प्रदूषण और विष विज्ञान, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस, सांख्यिकी और प्राणि विज्ञान के विषयों में से 100 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे।

**अनुसंधान के मुख्य क्षेत्र :**

जैव वैविध्य और संरक्षण; पर्यावरण प्रदूषण; कृषि पारिस्थितिकी तंत्र; खरपतवार पारिस्थितिकी; भूमि उपयोग योजना; संसाधन प्रबंधन; आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी; गणितीय मॉडलिंग; मानव पारिस्थितिकी और पर्यावरणीय स्वास्थ्य; रिमोट सेंसिंग और जीआईएस; पर्यावरण-सूचना विज्ञान, समुद्री पारिस्थितिकी; तटीय क्षेत्र प्रबंधन; निर्मित आर्द्रभूमि; संरक्षण जीवविज्ञान; वनस्पति-पशु का पारस्परिक संपर्क; पक्षीविज्ञान और वन्यजीव पारिस्थितिकी।

**अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएँ :**

संकाय सदस्यों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, डीएसटी, एमओईएफ & जलवायु परिवर्तन, ओएनजीसी, रॉकफेलर फाउंडेशन, यूएस फिश एंड वाइल्डलाइफ सर्विस और अन्य निधीयन एजेंसियों से अनुसंधान परियोजनाओं के लिए धन प्राप्त हुआ।

**रोजगार :**

भारत और विदेशों में प्रसिद्ध अनुसंधान संस्थानों और विश्वविद्यालयों में, सरकारी संगठनों और गैर सरकारी संगठनों में हमारे विभाग के छात्रों को रोजगार प्राप्त हुआ।

**आधारभूत संरचना-सुविधाएँ :**

विभाग के पास परमाणु उपकरण अवशोषण स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, स्केलर ऑटो विश्लेषक, यूवी स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, जेल-तंत्र, कूलिंग हाई स्पीड सेंट्रीफ्यूज, एफटीआईआर स्टीरियोस्कोपिक माइक्रोस्कोप और फ्लेम किलोमीटर आदि परिष्कृत उपकरणों के साथ अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशाला है।

**संकाय**

**आचार्य एवं अध्यक्ष**

**एस. जयकुमार, पीएच.डी.** (भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली)

विशेषज्ञता: रिमोट सेंसिंग और जीआईएस, लैंड कवर डायनेमिक्स और मॉडलिंग, भूखंड पारिस्थितिकी, कार्बन डायनेमिक्स, पर्यावरण सूचना विज्ञान, वन पारिस्थितिकी।

**आचार्य**

**एन. पार्थसारथी, पीएच.डी.** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषजता: जीव वैविध्य एवं संरक्षण, वन पारिस्थितिकी, लिआना का जीव वैविध्य एवं पारिस्थितिकी, चिकित्सा वनस्पति संसाधन

**के. वी. देवीप्रसाद, पीएच.डी.** (पर्ड्यू यूनिवर्सिटी, यूएसए)

विशेषज्ञता: सैद्धांतिक अध्ययन, मॉडलिंग, नीति, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण विधि और नीति

**सह आचार्य**

**डी. राममूर्ति, पीएच.डी.** (अन्नामलै विश्वविद्यालय, चिदंबरम्)

विशेषज्ञता: कृषि और खरपतवार पारिस्थितिकी, औषधीय रूप से उपयोगी खरपतवार

**एस.एस.सुंदरवेल, एम. ए., प्लानिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (सीईपीटी-अहमदाबाद)**

विशेषज्ञता: पर्यावरण प्रभाव आकलन, भूखंड पारिस्थितिकी और योजना, वैश्विक परिवर्तन

**एस. एम. सुंदरपांडियन, पीएच.डी.** (मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै)

विशेषज्ञता: जैव विविधता और संरक्षण, वन पारिस्थितिकी, जलवायु परिवर्तन और कार्बन शमन, जैविक आक्रमण, जनसंख्या पारिस्थितिकी, औषधीय वनस्पति, मृदा जीवविज्ञान और प्रजनन।

**सहायक आचार्य**

**सुजा पी. देवीप्रिया, पीएच.डी.** (कोच्चिन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोच्चि)

विशेषज्ञता: फोटो कटैलिसीस, जल गुणवत्ता एवं जल शुद्धीकरण तकनीकी, पर्यावरणीय जैव प्रौद्योगिकी, ठोस अपशिष्ट शुद्धीकरण

# खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

## जीवविज्ञान विद्यापीठ

जीव विज्ञान विद्यापीठ के तहत खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (पूर्व में खाद्य विज्ञान और पोषण) वर्ष 2007 में की स्थापना के बाद खाद्य विज्ञान और पोषण और खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम और पीएचडी कार्यक्रम )2009-2010 से) चलाये जा रहे हैं। विभाग का प्रमुख उद्देश्य पूर्व निर्धारित शिक्षा, अनुसंधान और आउटरीच कार्यक्रमों को लागू करना है जो मानव स्वास्थ्य की वृद्धि करने वाली एक सुरक्षित, पौष्टिक और सस्ती खाद्य आपूर्ति प्रदान कर सकें। खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी के संकाय सदस्य विविध नेपथ्यों से आते हैं और विशिष्टताओं की एक विस्तृत श्रृंखला बनाते हैं। हम खाद्य रसायन विज्ञान, खाद्य सूक्ष्म जीव विज्ञान और खाद्य सुरक्षा, खाद्य प्रसंस्करण, खाद्य इंजीनियरिंग, खाद्य विश्लेषण, जैव प्रौद्योगिकी और जैव प्रसंस्करण, नैदानिक पोषण, जैव रासायनिक और आणविक पोषण, सामुदायिक पोषण और आहार विज्ञान के क्षेत्रों में विशेषज्ञ हैं।

**अध्ययन कार्यक्रम-**

**एम.एससी.** खाद्य विज्ञान और पोषण

**एम.एससी.** खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी

खाद्य विज्ञान और पोषण में **पीएच.डी.** (पूर्ण कालिक)

खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी में **पीएच.डी.** (पूर्ण कालिक)

**प्रवेश परीक्षा :**

एम.एससी. और पीएच.डी. के लिए छात्रों का चयन अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा पर आधारित है।

**खाद्य विज्ञान और पोषण में एम.एससी -** प्रश्न पत्र में मानव शरीरक्रिया विज्ञान, खाद्य सूक्ष्म जैविकी, जैव रसायन विज्ञान, खाद्य विज्ञान, खाद्य प्रसंस्करण अभियांत्रिकी, कृषि अभियांत्रिकी तथा संबद्ध विषयों में से 100 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे।

**अनुसंधान के मुख्य क्षेत्र-**

खाद्य प्रसंस्करण तकनीकों का उपयोग करके खाद्य उत्पाद विकास, खाद्य प्रसंस्करण के लिए गैजेट्स / मशीनरी का विकास, बायोएक्टिव फाइटोकेमिकल्स का अलगाव और विशेष तत्व, भोजन की सुरक्षा का आश्वासन, कार्यात्मक स्टार्टर संस्कृतियों, किण्वित खाद्य पदार्थ और स्टार्टर संस्कृति और मांस प्रसंस्करण पर आधारित खाद्य उत्पाद।

**आधारभूत-संरचना की सुविधाएँ -**

विभाग विशाल प्रयोगशालाओं और परिष्कृत उपकरणों के साथ सुसज्जित है। विभाग ने अत्याधुनिक खाद्य प्रसंस्करण पायलट संयंत्र का अधिग्रहण किया है। पायलट प्लांट फैसिलिटी हाउस में सेमी इंडस्ट्रियल स्केल के विभिन्न खाद्य प्रसंस्करण के उपकरण जैसे कि कैनिंग और रिटॉर्ट यूनिट, स्प्रे ड्राईंग यूनिट, मॉडिफाइड माहौल पैकिंग यूनिट, इंडस्ट्रियल बेकिंग यूनिट, फ्रीज ड्रायिंग यूनिट, ट्रे ड्रायर और अन्य छोटे उपकरणों के अलावा फ्लुइडाइज्ड बेड ड्रेसर शामिल हैं।

**संकाय**

**आचार्य एवं अध्यक्ष**

**एस. जॉन डॉन बोस्को, पीएच.डी.**(तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबत्तूर)

विशेषज्ञता: कृषि प्रक्रिया इंजीनियरिंग

**आचार्य**

**एच. प्रताप कुमार शेट्टी, पीएच.डी.**(राष्ट्रीय पोषण संस्थान / मंगलौर विश्वविद्यालय, मंगलौर)

विशेषज्ञता: खाद्य सुरक्षा, खाद्य जैव प्रौद्योगिकी

**सह आचार्य**

**एस. हरिप्रिया, पीएच.डी.**

(अविनाशलिंगम् महिला विश्वविद्यालय, कोयंबत्तूर)

विशेषज्ञता: पोषण महामारी विज्ञान, एंटीऑक्सिडेंट और फाइटोकेमिकल्स, खाद्य रसायन विज्ञान, खाद्य सुरक्षा,सामुदायिक पोषण

**सहायक आचार्य**

**नारायणसामी संगीता, पीएच.डी.** (अविनाशलिंगम् महिला विश्वविद्यालय, कोयंबत्तूर)

विशेषज्ञता: खाद्य उत्पाद विकास, चिकित्सीय पोषण, सामुदायिक पोषण

**सुनूज के.वी., पीएचडी** (मैसूर विश्वविद्यालय)विशेषज्ञता: मांस विज्ञान और खाद्य इंजीनियरिंग

**सेगल किरण, जी.डी., पीएच.डी. (भारतीदासन विश्वविद्यालय)** विशेषज्ञता: आण्विक सूक्ष्म जैविकी (जीनोम खनन)

# जैव सूचना विज्ञान केंद्र

## जीवविज्ञान विद्यापीठ

पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय में जैव सूचना विज्ञान केंद्र का आरंभ 1991 में जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार (डीबीटी) के उप वितरित सूचना केंद्र के रूप में किया गया था। केंद्र का लक्ष्य जनशक्ति को प्रशिक्षित करना और जैव सूचना विज्ञान व कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान करना है। केंद्र द्वारा की गई प्रगति को स्वीकार करते हुए, डीबीटी ने केंद्र को 2002 में पूर्ण रूप से केंद्र स्तर पर उन्नत किया और कई नये पदों को मंजूरी दी गई और अतिरिक्त धन आबंटित किया गया।

2007 से 2013 तक भारत सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, नयी दिल्ली के द्वारा हमारे केंद्र को जैव सूचना विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में पहचाना गया, और रू. 3.69 करोड़ राशि का विशेष अनुदान प्राप्त किया गया। केंद्र ने कई अनुसंधान परियोजनाओं को अपनाया और इस अनुदान के तहत जैव सूचना विज्ञान में मॉड्यूलर पाठ्यक्रम की प्रस्तुति की है।

केंद्र ने 2007 में जैव सूचना विज्ञान में एम.एससी कार्यक्रम आरंभ किया जो कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा "नवीन कार्यक्रम - अंतर्विद्यावर्ती विषयक एवं उभरते नवीन क्षेत्रों में शिक्षण व अनुसंधान" की योजना के तहत समर्थित है। केंद्र ने 2009 में जैव सूचना विज्ञान और कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान में उन्नत अनुसंधान के लिए, पीएच.डी. कार्यक्रम आरंभ किया। केंद्र ने 2012 में डीआरएस-I स्तर पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विशेष सहायता कार्यक्रम (एसएपी) भी प्राप्त किया। जैव सूचना विज्ञान केंद्र ने परिष्कृत उपकरणों की खरीद के लिए डी.एस.टी-एफ.आई.एस.टी. कार्यक्रम के तहत रू. 1 करोड़ का अनुदान भी प्राप्त किया है।

2010 में केंद्र ने एक नवीकृत कार्यक्रम-**कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी में एम.एससी.** का आरंभ किया जो कि मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै और अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नै के साथ एक नेटवर्क मोड में डीबीटी द्वारा संपूर्णतया वित्त पोषित है। यह कार्यक्रम देश में अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है और 2014 में अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नै के सहयोग से इसे कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान में एम.टेक कार्यक्रम के रूप में अपग्रेड किया गया है। केंद्र ने सहयोगात्मक अनुसंधान और पीएच.डी. दिशा निर्देश के लिए जैव सूचना विज्ञान संस्थान (आई.ओ.बी.), बैंगलोर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं । पीएच.डी. छात्र सहयोगी अनुसंधान के लिए इन प्रयोगशालाओं को देख सकते हैं और संबंधित विवरण www.bicpu.edu.in पर उपलब्ध है।

सभी छात्रों, शोध-विद्यार्थियों और संकाय-सदस्यों के लिए चौबीसों घंटे कंप्यूटिंग सुविधा प्रदान की जाती है। केंद्र ने परिष्कृत उपकरणों के साथ एक अलग वेट लैब सुविधा स्थापित की है। अधिकांश पूर्व-छात्रों को विभिन्न प्रमुख शोध संस्थानों और उद्योगों में रोजगार प्राप्त हुआ है।

पिछले कुछ वर्षों में, केंद्र ने आण्विक विकास, सिस्टम जीव विज्ञान, आण्विक मॉडलिंग, संरचनात्मक जीव विज्ञान, डेटाबेस विकास आदि के क्षेत्रों में अनुसंधान गतिविधियों का आरंभ किया है, और केंद्र के संकाय-सदस्यों व शोध-छात्रों के द्वारा कई शोध-प्रपत्र अत्यंत प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित किये गये हैं। संकाय-सदस्यों और छात्रों को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद-जेआरएफ / एसआरएफ, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, डीएसटी- संप्रेरित अनुसंधान के लिए विज्ञान-अनुसंधान में नवाचार - (इंस्पायर) और राजीव गांधी अध्येता वृत्ति आदि विभिन्न निधीयन एजेंसियों के द्वारा परियोजनाएँ/ अध्येतावृत्ति प्राप्त हैं।

विश्वविद्यालय ने सभी कक्षों के लिए पूरे यूपीएस पावर बैक-अप के साथ लगभग 35000 वर्गफुट के एक अलग अत्याधुनिक भवन के साथ केंद्र का समर्थन किया। इस भवन में 3 कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ, 13 संकाय-कक्ष, संकाय-सदस्यों के लिए 13 व्यक्तिगत अनुसंधान-प्रयोगशालाएँ, कॉमन वेट लैब, सामान्य उपकरण कक्ष, पुस्तकालय, पठन-पाठन के कक्ष और एक संगोष्ठी कक्ष उपलब्ध है।

**अध्ययन कार्यक्रम-**

**एम.एससी.** जैवसूचना विज्ञान

**एम.टेक.** कंप्यूटेशनल जीवविज्ञान

जैवसूचना विज्ञान में **पीएच.डी.**

**प्रवेश परीक्षा :**

**जैवसूचना विज्ञान में एम.एससी.**- इस कार्यक्रम के लिए छात्रों का चयन पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के द्वारा विविध केंद्रों में आयोजित प्रवेश परीक्षा के आधार पर किया जायेगा। परीक्षा में जीव विज्ञान, जैव रसायन विज्ञान, आण्विक जीवविज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, रसायन विज्ञान, जैव भौतिकी, कंप्यूटर विज्ञान, सांख्यिकी और गणित विषयों में से बहुविकल्पीय प्रश्न होते हैं।

**कंप्यूटेशनल जीवविज्ञान में एम.टेक.**- इस कार्यक्रम के लिए छात्रों का चयन पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के द्वारा विविध केंद्रों में आयोजित प्रवेश परीक्षा के आधार पर किया जायेगा। कार्यक्रम से संबंधित जानकारी समाचार-पत्रों में प्रकाशित होगी तथा www.pondiuni.edu.in, www.bicpu. edu.in and www.annauniv.edu. पर उपलब्ध करायी जायेगी। परीक्षा में जीव विज्ञान, जैव रसायन विज्ञान, आण्विक जीवविज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, रसायन विज्ञान, जैव भौतिकी, कंप्यूटर विज्ञान, सांख्यिकी और गणित विषयों में से बहुविकल्पीय प्रश्न होते हैं। इन कार्यक्रमों के लिए प्रवेश प्राप्त सभी छात्रों को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की ओर से रू. 12,500/- प्रति माह की अध्येता वृत्ति प्रदान की जायेगी।

**जैव सूचना विज्ञान में पीएच.डी.-** इस कार्यक्रम के लिए छात्रों का चयन पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के द्वारा विविध केंद्रों में आयोजित प्रवेश परीक्षा के आधार पर किया जायेगा। परीक्षा में स्नातकोत्तर स्तर पर जैवसूचना विज्ञान, कंप्यूटेशनल जीवविज्ञान, जैव रसायन विज्ञान, आण्विक जीवविज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, रसायन विज्ञान, जैव भौतिकी, कंप्यूटर विज्ञान, सांख्यिकी और गणित विषयों में से बहुविकल्पीय प्रश्न होते हैं। जिन अभ्यर्थियों ने जे.आर.एफ. (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/ सी.एस.आर.आई.-नेट/ डी.बी.टी.- बी.आई.एन.सी.) के लिए अर्हता प्राप्त की है उन्हें प्रवेश परीक्षा से छूट दी गई है। वे सीधे आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय ने सहयोगी अनुसंधान और पीएच.डी. दिशा निर्देश के लिए जैव सूचना विज्ञान संस्थान (आई.ओ.बी.), बैंगलोर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। चयनित उम्मीदवार सहयोगी परियोजनाओं के तहत आई.ओ.बी. में कार्य कर सकते हैं।

**विशेष अनुदान-**

- डीबीटी - जैव सूचना विज्ञान अनुदान (सतत योजना)
- डीबीटी - एम.टेक। कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी (सतत योजना)
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग - विशेष सहायता कार्यक्रम (2012-2017)
- डीएसटी-एफ.आई.एस.टी कार्यक्रम (2014-2019)
- डीआईटी - जैव सूचना विज्ञान में सीओई (2007 - 2013)
- डीबीटी - जैव सूचना विज्ञान में उन्नत स्नातकोत्तर डिप्लोमा (2001 -2008)
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग- अभिनव कार्यक्रम-अंतर्विद्यावर्ती विषयों में शिक्षण और अनुसंधान

**आधारभूत- संरचना की सुविधाएँ-**

**अ) कंप्यूटर और संचार सुविधा** - टेस्ला जीपीयू सर्वर, जियोन क्वाड कोर सर्वर (4), जियोन क्लस्टर सर्वर (3), इटियम सर्वर, एएमडी ऑप्टेरॉन सर्वर, विप्रो जियोन सर्वर, एचपी वर्क स्टेशन्स (5), सिलिकॉन ग्राफिक्स फ्यूल मशीन, एपिल आईमेक (2), एचसीएल लैपटॉप (5), एचसीएल / एचपी इंटेल कोर आई 5 / कोर 2 डुओ वर्कस्टेशन्स (145) - विंडोज और लिनक्स ऑपरेटिंग सिस्टम दोनों पर काम करता है। आधुनिक कंप्यूटिंग सुविधाएँ और राउंड-द-क्लॉक इंटरनेट कनेक्टिविटी की सुविधाएँ छात्रों को उनकी शैक्षणिक और अनुसंधान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रदान की जाती हैं।

**आ) वेट लैब**- केंद्र ने एक अलग वेट लैब सुविधा विकसित की है। प्रयोगशाला निम्नलिखित उपकरणों के साथ क्रियाशील है:एसपीआर बायोकोर-3000,उच्च प्रदर्शन लिक्विड क्रोमैटोग्राफी (आक्टा-एचपीसीएल),यूवीवोबिल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, एलिसा रीडर, जेल डॉक्यूमेंटेशन सिस्टम, पीसीआर थेर्मल साइक्लर, -80˚C डीप फ्रीजर, -20˚C फ्रीज़र , प्रशीतित तालिका के शीर्ष अपकेंद्रित्र, क्वार्ट्ज आसवन इकाई, जल शोधन प्रणाली, फ्रीज ड्रायर, ऊर्ध्वाधर जेल तंत्र, क्षैतिज जेल तंत्र, वेस्टर्न ब्लॉट एप्पारटुस, यूवी इल्यूमेनेटर और पीएच मीटर आदि। केंद्र में कोशिका-संवर्धन की सुविधा भी है।

**इ) सॉफ्टवेयर पैकेज-** श्रोडिंगर ग्लाइड, डिस्कवरी स्टूडियो 3.1, एम्बर 16, ऑटोडॉक, डॉक, मोडेलर, ग्रोमोस 96, वी-लाइफ, व्हाफ, ईएमबीओएसएस, बायोएडिट, फ्रेड, कंसेड, जिनेकविंस, स्टेटिस्टिका, मेगा, आर और कैस्परस्की एंड-पाइंट सेक्योरिटी -10

**ई) संसाधन और सेवाएँ-** एक अलग वेबसाइट, जिसे इन-हाउस डिज़ाइन किया गया है और वेब सर्वर में होस्ट किया गया है, www.bicpu.edu.in पर उपलब्ध है। इसका रख-रखाव केंद्र द्वारा किया जा रहा है। पाठ्यक्रम, प्रवेश, पाठ्यक्रम, संगोष्ठी अधिसूचना और प्रशिक्षुता / छात्र-वृत्ति / जेआरएफ आदि विभिन्न अवसरों के बारे में जानकारी समय-समय पर अद्यतन की जाती है। जैव सूचना विज्ञान से संबंधित उपकरण साइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त केंद्र में डोमेन नाम सर्वर (डीएनएस), डेटाबेस सर्वर, ई-बुक इंट्रानेट सर्वर, प्रॉक्सी सर्वर और क्लस्टर कम्प्यूटिंग सर्वर भी उपलब्ध हैं।

**उ) केंद्र में उपलब्ध डेटाबेस और अन्य सूचना संसाधन-**

**पुस्तकें-** केंद्र के संदर्भ पुस्तकालय में लगभग 600 पुस्तकें उपलब्ध हैं।

**पत्रिकाएँ-** साइंटिफिक अमेरिकन, सेल, करंट साइंस

**ई-जर्नल्स -** विश्वविद्यालय के पास विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के इंफोनेट जर्नल्स, साइंस डायरेक्ट, ब्लैकवेल पब्लिशर्स, ईबीएससीओ डेटाबेस आदि का एक्सिस है।

**रोजगार का विवरण**

केंद्र में प्रशिक्षित कुछ छात्रों को 2001 और 2017 के बीच निम्नलिखित संगठनों में रोजगार प्राप्त हुआ है:

**उद्योग रोजगार**

- एचसीएल सूचना प्रणाली
- टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज
- मॉलेक्यूलर कनेक्शन, बैंगलोर
- इंस्टीट्यूट ऑफ बायोइनफॉरमैटिक्स, बैंगलोर
- प्रोटीन लाउंज, भुवनेश्वर
- जेनेमिनेस, चेन्नई
- बायोबेस डेटाबेस इंडियन प्रा। लि।, बैंगलोर
- कम्प्यूटेशनल रिसर्च लैब, पुणे
- जुबिलेंट बायोसिस, बैंगलोर
- विप्रो टेक्नोलॉजीज, चेन्नै
- श्रोडिंगर, हैदराबाद
- एनजेन बायोसाइंसेज प्रा। लि।, बैंगलोर
- एबीएल सी ड्राइव, बैंगलोर
- पर्सिस्टेंट सिस्टम्स लिमिटेड, पुणे

**शिक्षण / अनुसंधान रोजगार :-**

- बुसान राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया
- स्टोनी ब्रूक विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क
- सुंगक्यंकवान विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया
- मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै
- केंद्रीय कृषि अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान, मैसूर
- इंस्टीट्यूट ऑफ माइक्रोबियल टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, चंडीगढ़
- सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, हैदराबाद
- अलगप्पा विश्वविद्यालय, कारैकुडि
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नै
- जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, नई दिल्ली
- कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल
- मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल
- एमिटी यूनिवर्सिटी
- युंगनाम विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया
- महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, हरियाणा
- तकनीकी विश्वविद्यालय म्यूनिच, जर्मनी

- ला ट्रोब विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया
- स्वाइनबर्न प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया
- लुइसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए
- इलिनोइस विश्वविद्यालय
- लिस्बन विश्वविद्यालय

**अनुसंधान के मुख्य क्षेत्र-** आण्विक विकास, सिस्टम बायोलॉजी, डीएनए-प्रोटीन सहभागिता, तुलनात्मक जीनोमिक्स, प्रोटीन संरचना मॉडलिंग, आण्विक मॉडलिंग, एक्स-रे क्रिस्टलोग्राफी, ड्रग डिजाइन, सेल सिग्नलिंग, एकल कण विश्लेषण, औषधीय रसायन विज्ञान, कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान, आणविक जीवविज्ञान

**संकाय :**

**आचार्य एवं अध्यक्ष**

**ए. दिनकर राव, पीएच.डी.**(श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति)
विशेषज्ञता: सेल सिग्नलिंग, आण्विक कीटविज्ञान और जीव रसायन विज्ञान

**आचार्य**

**बसंत के. तिवारी, पीएच.डी.** (बोस इंस्टीट्यूट, कोलकाता)
विशेषज्ञता: आण्विक विकास और सिस्टम जीवविज्ञान

**पी. टी. वी. लक्ष्मी, पीएच.डी.** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै) विशेषज्ञता: फाइटोमैटिक्स, जीनोमिक्स और प्रोटिओमिक्स, सायनोबैक्टीरिया से जैव ईंधन।

**सह आचार्य**

**आर. कृष्ण, पीएच.डी.** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)
विशेषज्ञता: एक्स-रे क्रिस्टलोग्राफी (प्रोटीन), आण्विक मॉडलिंग (प्रोटीन और डीएनए)

**सहायक आचार्य**

**एम. सुरेश कुमार, पीएच.डी.** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)
विशेषज्ञता: वायरल प्रोटीन पर संरचनात्मक अध्ययन, एंटीबॉडी, इंहीबिटर्स फॉर वायरल प्रोटीसेज

**अर्चना पान, पीएच.डी.** (जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता)
विशेषज्ञता: तुलनात्मक जीनोमिक्स, आण्विक विकास, ड्रग डिज़ाइन।

**आर. अमुदा, पीएच.डी.** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)
विशेषज्ञता: कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी, आण्विक गतिशीलता, सिमुलेशन, ड्रग डिजाइन।

**बी. सैयद इब्राहिम, पीएच.डी.** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)
विशेषज्ञता: मैक्रोमोलेक क्रिस्टलोग्राफी, प्रोटीन इंटरेक्शन एनालिसिस, विष प्रोटीन अध्ययन।

**ए. मुरली, पीएच.डी.** (श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति)
विशेषज्ञता: स्ट्रक्चरल बायोलॉजी, ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी, एकल कण विश्लेषण, नैनो-जैव प्रौद्योगिकी।

**एस. मोहने कौमर कूपर, एम.फार्मसी, पीएच.डी.** (पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़)
विशेषज्ञता: ड्रग डिजाइन और औषधीय रसायन विज्ञान-विकास।

**वी. अमुदा, पीएचडी** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय)
विशेषज्ञता: डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली, एल्गोरिदम

# मानविकी विद्यापीठ

**विद्यापीठाध्यक्ष : आचार्य के. श्रीनिवास**

**अंग्रेजी विभाग**

**फ्रांसीसी विभाग**

**हिंदी विभाग**

**संस्कृत विभाग**

**दर्शन विभाग**

**फिजिकल एजुकेशन और खेल विभाग**

**विदेशी भाषा विभाग**

**एशियाई ईसाई अध्ययन में एस्केंडे अध्ययन-पीठ**

सभी विभाग स्नातकोत्तर और पीएच.डी. कार्यक्रम चलाते हैं। विद्यापीठ विश्वविद्यालय में एक बड़ी संख्या के छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करता है और विद्यापीठ के कुछ संकाय सदस्यों ने अपने संबंधित विषयों में बहुत बड़ा योगदान दिया है और वे अपनी प्रतिभा के लिए अपने अकादमिक समुदाय में बडे सम्मान के साथ पहचाने जाते हैं। विदेशी भाषा केंद्र शाम का प्रमाणपत्र-कार्यक्रम और जापानी, फ्रेंच, स्पेनिश, जर्मन और अरबी में डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

# अंग्रेजी विभाग

## मानविकी विद्यापीठ

अंग्रेजी विभाग, विश्वविद्यालय के सबसे पुराने विभागों में से एक है और इसकी स्थापना 1986 में की गयी थी, और उस समय से, विभाग शिक्षण और अनुसंधान गतिविधि का केंद्र रहा है, जो देश भर के छात्रों और शोध-विद्यार्थियों के सभी वर्गों को सदैव आकर्षित करता हो। इस विभाग ने स्वयं को तुलनात्मक साहित्य के गढ़ के रूप में स्थापित किया है, तुलनात्मक साहित्यिक सिद्धांत के अध्ययन एवं अंग्रेजी और अन्य भाषाओं के बीच तुलनात्मक साहित्य-अध्ययन को बढ़ावा दिया। हाल के वर्षों में, अनुवाद अध्ययन, सांस्कृतिक अध्ययन, पारिस्थितिक अध्ययन, दलित अध्ययन और विकलांगता अध्ययन भी विभाग के प्रमुख अनुसंधान-क्षेत्रों के रूप में उभरकर सामने आये हैं, जो संकाय-सदस्यों और छात्रों के बीच अंतर्विद्यावर्ती और अंतर्विषयक अंतर्दृष्टि को प्रेरित करते हैं।

स्नातकोत्तर स्तर पर, अंग्रेजी विभाग कविता, नाटक, गद्य और विहित ब्रिटिश साहित्य, अमेरिकी साहित्य और अन्य राष्ट्रीय साहित्य में पाठ्यक्रम प्रदान करता है, इस प्रकार यूजीसी-नेट के उम्मीदवारों के लिए एक अच्छा प्रशिक्षण प्रदान करता है, और सभी जो परिचित होने के लिए उत्सुक हैं। खुद को प्रतिनिधि ग्रंथों के साथ। एक मजबूत सैद्धांतिक नींव दो सेमेस्टर में फैले दो साहित्यिक थ्योरी पाठ्यक्रमों के साथ रखी गई है। विभाग ईएलटी और अनुसंधान पद्धति में पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है जो अनुप्रयोग-उन्मुख हैं।

हमारे विभाग के एम. ए. कार्यक्रम का सर्वोत्कृष्ट बिंदु एक शोध परियोजना है जो छात्रों की ओर से व्यक्तिगत पहल और स्व-अध्ययन को प्रोत्साहित करती है। विशेष ऐच्छिक विषयों के साथ-साथ, अध्ययन के उभरते क्षेत्र- जैसे कि मीडिया स्टडीज, पोस्टकोलोनियल स्टडीज, और जेंडर स्टडीज, एम.ए. कार्यक्रम को पारंपरिक और आधुनिक अध्ययन का एक सही मिश्रण बनाते हैं। अन्य विभागीय छात्रों और कर्मचारियों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए विभाग की ओर से अंग्रेजी में पेशेवर संचार-क्षमता के संवर्धन हेतु एक स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (पीजीडीपीसीई) को एड-ऑन इवनिंग प्रोग्राम के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

अंग्रेजी विभाग के संकाय-सदस्य विश्वविद्यालय के विभिन्न संबद्ध अनुशासनों में तेजी से बढते एकीकृत पाठ्यक्रमों के लिए कार्यात्मक अंग्रेजी कक्षाएँ भी चलाते हैं। जैसा कि विभाग ने अपना रजत जयंती वर्ष मनाया है, इसने अपने शैक्षणिक मानकों और समुदाय और राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता को बेहतर बनाने के लिए एक अलग रास्ता तय किया है। विभाग उच्च गुणवत्ता डिग्री कार्यक्रमों, सामर्थ्य और कैरियर की संभावनाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ विभागों में से एक है, जिसका हमें गर्व है।

**अध्ययन-कार्यक्रम :-**

**एम.ए.** अंग्रेजी और तुलनात्मक साहित्य

अंग्रेजी में **पीएच.डी.** (पूर्णकालिक एवं अंशकालिक, आंतरिक एवं बाहरी)

अंग्रेजी में पेशेवर संचार क्षमता हेतु **स्नातकोत्तर डिप्लोमा** (पीजीडीपीसीई)

**प्रवेश परीक्षा :-**

**एम.ए. :-** प्रवेश परीक्षा में भारतीय विश्वविद्यालयों के स्नातक पाठ्यक्रम से सामान्य प्रकृति के 100 बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल होंगे। प्रमुख ध्यान कविता, गद्य, नाटक और साहित्यिक आलोचना पर दिया जायेगा। ब्रिटिश, अमेरिकी, कामनवेल्थ और भारतीय- अंग्रेजी साहित्य के बारे में, जो कि एक स्नातक से परिचित होने की उम्मीद की जाती है, उसका परीक्षण किया जायेगा।

**पीएच.डी.:-** भारतीय विश्वविद्यालयों के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम से तैयार किए गए 100 बहुविकल्पीय प्रश्नों के साथ, एक राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा का आयोजन होगा  जिसमें अंतर्राष्ट्रीय साहित्यिक आंदोलनों, संस्कृतियों, सैद्धांतिक दृष्टिकोण और लेखन के बारे में शोध-योग्यता और जागरूकता का मूल्यांकन करने पर अधिक जोर दिया जाएगा।

**सह पाठ्यक्रम और पाठ्येतर गतिविधियाँ**

अंग्रेजी विभाग, साप्ताहिक अनुसंधान और जर्नल अलर्ट फोरम के माध्यम से संकाय - सदस्यों और शोध-छात्र दोनों के लिए अनुसंधान गतिविधियों को साझा करने के लिए प्रोत्साहित करता है। छात्रों और अनुसंधान विद्यार्थियों को स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विभाग सक्रिय रूप से संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, अल्पकालिक पाठ्यक्रम और कार्यशालाएँ- आदि आउटरीच कार्यक्रमों का आयोजन करके अनुसंधान और अन्य कौशल विकसित करने में मग्न है। छात्रों और विषय में पारंगत विद्वानों के मध्य आपसी वार्तालाप के लिए फेलोइंग और गेस्ट फैकल्टी को प्रोत्साहित किया जाता है। 'राइटर इन रेसिडेंस' एक अनूठा कार्यक्रम है, जो 2010 में आरंभ किया गया है। इसके तहत रचनात्मक लेखकों को परिसर में निवास करने और संकाय, विद्वानों और छात्रों के साथ अपनी विशेषज्ञता और अनुभव साझा करने का अवसर दिया जाता है।

**पूर्वछात्र-संघ और रोजगार-**

विभाग का एक सक्रिय पूर्व छात्र कार्यक्रम है जहाँ छात्रों और अनुसंधान-विद्यार्थियों को मातृ-संस्था से जोड़ा जाता है। पूर्व छात्रों को विभाग के साथ स्वस्थ सक्रिय बंधन विकसित करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है और पूर्व छात्रों की बैठकें आयोजित करने के प्रयास विभाग की पहल का हिस्सा हैं। विभाग का रोजगार प्रकोष्ठ वर्तमान छात्रों और भावी नियोक्ताओं के बीच एक प्रभावी समन्वय बनाता है, जिससे हमारे छात्रों / अनुसंधान विद्यार्थियों में से 90 प्रतिशत से अधिक का रोजगार विभिन्न कॉर्पोरेट और शैक्षणिक निकायों में होता है।

**आधारभूत-संरचना**

विभाग में अच्छी तरह से सज्जीकृत हवादार कक्षाएँ और बैठने की उपयुक्त क्षमता वाले संगोष्ठी कक्ष हैं। संकाय के व्यक्तिगत कंप्यूटरों के अलावा, कार्यालय भी अत्याधुनिक कंप्यूटरों से लैस है जिसमें इंटरनेट की सुविधा है। विभाग के पास सभी आवश्यक दृश्य-श्रव्य उपकरण भी उपलब्ध हैं।

**संकाय**

**आचार्य**

**सुजाता विजयराघवन्, पीएचडी** (भारतीय पौद्योगिकी संस्थान, चेन्नै)

विशेषज्ञता: अंग्रेजी में भारतीय लेखन, अनुवाद अध्ययन, उत्तर औपनिवेशिक अध्ययन, मौखिक साहित्य और लोकगीत अध्ययन

**आचार्य एवं अध्यक्ष**

**एच. कल्पना, पीएचडी** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: कनाडाई और अमेरिकी साहित्य, महिला साहित्य, नारीवादी अध्ययन और सांस्कृतिक अध्ययन।

**आचार्य**

**क्लेमेंट सगायराज्डा लूर्डेस, पीएच.डी.** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: अंग्रेजी में भारतीय लेखन और अनुवाद अध्ययन

**टी. मार्क्स., पीएच.डी.** (मनोन्मणियम् सुंदरनार विश्वविद्यालय, तिरुनेलवेली)

विशेषज्ञता: तुलनात्मक साहित्य, नाटक, सबाल्टर्न अध्ययन और अनुवाद

**सह आचार्य**

**बीनू जचारिया, पीएच.डी.** (हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद) विशेषज्ञता: तुलनात्मक साहित्य, संचार कौशल, अमेरिकन फिक्शन

**के. रेशमी, पीएच.डी.** (अविनाशीलिंगम् विश्वविद्यालय, कोयंबत्तूर) विशेषज्ञता: नारीवादी लेखन, पारिस्थितिकी विमर्श, तुलनात्मक साहित्य और कनाडाई साहित्य।

**उज्जवल जान, पीएच.डी.** (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर) विशेषज्ञता: भारतीय सौंदर्यशास्त्र, अंग्रेजी में भारतीय लेखन, नराटोलॉजी, रंगमंच अध्ययन, क्षेत्रीय अध्ययन, साहित्यिक सिद्धांत

**सहायक आचार्य**

**लखीमई मिली, पीएचडी** (एनईएचयू, शिलांग) विशेषज्ञता: अंग्रेजी में भारतीय लेखन और अंग्रेजी भाषा- शिक्षण

**एस. विशाखा देवी, पीएच.डी.** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: तुलनात्मक साहित्य, कविता और अनुवाद अध्ययन

# फ्रांसीसी भाषा विभाग

## मानविकी विद्यापीठ

फ्रांसीसी विभाग ने भारत में फ्रांसीसी भाषागत शिक्षा और अनुसंधान में एक उच्च मानक बनाए रखने का अथक प्रयास किया है। 1987 में स्थापित फ्रांसीसी विभाग का उद्देश्य फ्रांसीसी और फ्रैंकोफोन अध्ययन के साथ-साथ स्नातकोत्तर और अनुसंधान के स्तरों पर भारत में अनुवाद अध्ययन को बढ़ावा देते हुए पुदुच्चेरी का फ्रांस के साथ ऐतिहासिक संबंध बढ़ाना और फ्रैंकोफोन देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों और सांस्कृतिक संवादों को नवीनीकृत करना है। फ्रांसीसी विभाग में हर वर्ष 100% रोजगार का कीर्तिमान है; इसके पूर्व छात्रों को भव्य रोजगार प्राप्त हुआ है, ज्यादातर शिक्षण पेशे में, या नयी दिल्ली के फ्रांसीसी दूतावास में, अथवा कॉर्पोरेट जगत की प्रतिष्ठित कंपनियों- रेनॉल्ट - निसान, कॉग्निजेंट, टीसीएस, इंफोसिस, अर्न्स्ट एंड यंग में, या एचएसबीसी, सोसाइटी गेनेरेले और ड्यूश बैंक जैसे बैंकों में भाषा विशेषज्ञों के रूप में कार्यरत हैं। फ्रांस में कई विश्वविद्यालयों के साथ हस्ताक्षर किए गए समझौता ज्ञपन के अनुसार, छात्रों और संकाय -सदस्यों का आदान-प्रदान किया गया है। 'भारत अध्ययन' प्रोग्राम के तहत, फ्रांसीसी छात्र हमारे विश्वविद्यालय में पढ़ाई करने के लिए आते हैं, और फ्रांसीसी विभाग उनके और विश्वविद्यालय के अन्य विभागों के बीच एक संपर्क-सूत्र के रूप में कार्य करता है जहाँ वे पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने जाते हैं।

हर वर्ष, विभाग द्वारा प्रस्तावित एम.ए. फ्रेंच और बेसिक फ्रेंच पाठ्यक्रमों में प्रवेश की मांग बढ़ रही है। पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय का यह फ्रांसीसी विभाग विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का विशेष सहायता कार्यक्रम (एस.ए.पी.) प्राप्त करने वाला प्रथम भारतीय फ्रांसीसी अध्ययन-संस्थानों में से एक है; और उक्त परियोजना अब अपने द्वितीय चरण में प्रवेश कर चुकी है। अब तक इसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से एक करोड़ की राशि प्राप्त हुई है। फ्रांसीसी विभाग को एम.ओ.ओ.सी. पर फ्रेंच मॉड्यूल के लिए स्वयम्-अर्पित द्वारा 'राष्ट्रीय संसाधन केंद्र' के रूप में भी नामित किया गया है।

**अध्ययन कार्यक्रम-**

**एम.ए.** फ्रांसीसी (अनुवाद एवं व्याख्यान)

फ्रांसीसी में **पीएच.डी** (पूर्णकालिक एवं अंशकालिक, आंतरिक एवं बाहरी)

**प्रवेश परीक्षा :-**

**एम.ए.** फ्रांसीसी (अनुवाद एवं व्याख्यान) हेतु प्रवेश परीक्षा में प्रश्न-पत्र फ्रांसीसी भाषा, साहित्य एवं सभ्यता पर आधारित 100 बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित होगा।

फ्रांसीसी में **पीएच.डी** के लिए आयोजित होनेवाली लिखित परीक्षा में फ्रांसीसी भाषा, साहित्य एवं सभ्यता पर आधारित 100 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे।

**फ्रांसीसी देश के विश्वविद्यालयों के साथ संबंध-**

एम. ए. छात्र किसी भी एक प्रकार के पाठ्यक्रमों की प्रस्तुति करते हुए फ्रांस देश के उन विश्वविद्यालयों में से किसी एक में एक या दो शैक्षणिक सत्रों के लिए अपनी पढ़ाई कर सकते हैं, जिन्होंने पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के साथ एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किए हैं। हर वर्ष, नयी दिल्ली स्थित फ्रांसीसी दूतावास द्वारा हमारे विभाग से उत्तीर्ण छात्रों को एक वर्ष की अवधि के लिए फ्रांस देश के विभिन्न क्षेत्रों के विद्यालयों में अंग्रेजी भाषा सिखाने का अवसर प्रदान किया जाता है। इससे उन्हें फ्रांसीसी विश्वविद्यालयों में कुछ पाठ्यक्रम-अध्ययन करने का मौका भी मिलता है, और फ्रांस देश की जीवन शैली की जानकारी भी मिल जाती है। भारत में वापस आकर, वे अपने पेशेवर जीवन में सफल हो सकते हैं।

**रोजगार के अवसर**

सभी छात्र, अपने स्नातकोत्तर अधिगम के पश्चात्, रेनॉल्ट, एचएसबीसी, टीसीएस, सीटीएस, एचपी, विप्रो, फोर्ड, जीई, ब्रिटिश एयरवेज, आदि कंपनियों में सहायक आचार्य, शिक्षक, अनुवादक और कार्यकारी अधिकारी के रूप में रोजगार प्राप्त कर रहे हैं।

**आधारभूत संरचना की सुविधाएँ**

विभाग के पास भाषा के शिक्षण के लिए अभिकल्पित ऑडियो और वीडियो उपकरण हैं, साथ ही साथ ब्राउज़िंग सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं।

**संकाय**

**आचार्य एवं अध्यक्ष :**

**एस. पन्नीरसेल्वमे, पीएच.डी.**(पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)

विशेषज्ञता: फ्रांसीसी भाषा, फ्रांसीसी भाषाविज्ञान, अनुवाद और एक विदेशी भाषा के रूप में फ्रेंच का शिक्षण।

**आचार्य**

**नलिनी जे. थम्पी, पीएच.डी.** (केंद्रीय अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा संस्थान, हैदराबाद)

विशेषज्ञता: फ्रांसीसी और फ्रैंकोफोन साहित्य, तुलनात्मक साहित्य, और महिला लेखन

**सह - आचार्य**

**सी. तिरुमुरुगन, पीएच.डी**. (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)

विशेषज्ञता: फ्रांसीसी और तुलनात्मक साहित्य, अनुवाद

**सहायक आचार्य**

**शर्मिला आचारिफ, पीएचडी** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)

विशेषज्ञता: फ्रांसीसी साहित्य और तुलनात्मक साहित्य

**जयपाल शर्मिली, पीएच.डी.** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: फ्रांसीसी और फ्रैंकोफोन साहित्य

**रितु त्यागी, पीएचडी** (लुइसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए)

विशेषज्ञता: फ्रांसीसी और फ्रैंकोफोन साहित्य, महिला लेखन, ऑटोफिक्शन और प्रवासी-साहित्य अध्ययन

# हिंदी विभाग

## मानविकी विद्यापीठ

हिंदी विभाग की स्थापना 1993 में की गई थी। विभाग गुणवत्तापूर्ण शिक्षा कार्यक्रमों की प्रस्तुति कर रहा है और यह हिंदी भाषा और साहित्य के विभिन्न क्षेत्रों-और हिंदी के अनुप्रयुक्त तथा कार्यात्मक पहलुओं जैसे अनुवाद, मीडिया, तुलनात्मक अध्ययन, भाषा प्रौद्योगिकी आदि समकालीन विषयों में गहन अध्ययन और अनुसंधान की सुविधा प्रदान करता है। हिंदी विभाग का पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मॉडल सिलेबस पर आधारित है और अकादमिक निकाय के उचित अनुमोदन के साथ विशेषज्ञों के परामर्श से समय-समय पर इसे अद्यतन किया जाता है। विभाग के संकाय सदस्यों ने समकालीन प्रासंगिकता और उभरते हुए नये क्षेत्रों के आधार पर पाठ्यक्रम तैयार किये हैं जो कि वैकल्पिक और सॉफ्ट कोर पाठ्यक्रम के रूप में प्रस्तुत किये जाते हैं। इन पाठ्यक्रमों में से कुछ स्वभावतः अंतर्विद्यावर्ती हैं और अपने कैरियर के विकास के लिए छात्रों के कौशल का पोषण करने में सक्षम हैं। कुछ पाठ्यक्रम अंग्रेजी माध्यम में भी प्रस्तुत किये जाते हैं। विभाग भारतीय भाषाओं में कंप्यूटिंग के क्षेत्र में ई-साक्षरता को फैलाने और शिक्षण, अधिगम व मूल्यांकन की प्रक्रिया में नवीन प्रथाओं को अपनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आईसीटी एकीकृत शिक्षण, संगोष्ठी, इंटरेक्टिव कक्षाएँ, समूह चर्चा, आंतरिक और बाहरी मूल्यांकन पद्धति शिक्षण और अधिगम को समृद्ध बनाने में सहायक हैं। विभाग एमओओसीएस विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जो परिसर के छात्रों को खुले ऑनलाइन-शिक्षण और मिश्रित शिक्षण अनुभव के लिए कई अवसर प्रदान करता है।

**अध्ययन-कार्यक्रम :**

**एम.ए.** हिंदी

**पीएच.डी** हिंदी (पूर्णकालिक एवं अंशकालिक (आंतरिक एवं बाहरी))

प्रयोजनमूलक हिंदी एवं अनुवाद में **स्नातकोत्तर डिप्लोमा** (शाम का पाठ्यक्रम)

बहुभाषिक कंप्यूटिंग एवं भाषा-प्रौद्योगिकी में **स्नातकोत्तर डिप्लोमा** (शाम का पाठ्यक्रम और एड-ऑन कोर्स)

**प्रवेश परीक्षा-**

**एम.ए. -** प्रवेश परीक्षा में हिंदी भाषा, साहित्य, साहित्यिक आलोचना और समकालीन विकास पर आधारित स्नातक स्तर के 100 बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल होंगे।

**पीएचडी:** प्रवेश परीक्षा में हिंदी भाषा, साहित्य, साहित्यिक आलोचना, अनुसंधान योग्यता और समकालीन विकास पर आधारित स्नातकोत्तर स्तर के 100 बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल होंगे।

**आधारभूत संरचना -सुविधा**एँ

विभाग में आधारभूत संरचना की अच्छी सुविधाएँ हैं, जिनमें इंटरैक्टिव क्लास रूम, इंटरनेट के साथ कंप्यूटर और वाई-फाई सुविधाएं और शैक्षिक उत्कृष्टता हेतु शिक्षकों और छात्रों की सहायता के लिए आईसीटी शिक्षण उपकरण उपलब्ध हैं।

**उद्देश्य एवं लक्ष्य -**

हिंदी विभाग का विजन और मिशन भाषा और साहित्य के क्षेत्र में अनुसंधान-विद्यार्थियों और छात्रों की दक्षता और क्षमता को बढ़ाना है। विभाग बहु-विषयक सहभागिता को सुविधाजनक बनाकर रचनात्मक वातावरण और सीखने के माहौल की परिकल्पना करता है। विभाग का उद्देश्य विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना है। एफएम रेडियो, विभाग से प्रकाशित पत्रिका और भित्ति-पत्रिका में भागीदारी के माध्यम से रचनात्मक लेखन और सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाता है।

**अनुसंधान और विस्तार गतिविधियाँ**

संकाय-सदस्य विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से वित्त पोषित प्रमुख अनुसंधान-परियोजनाओं में भागीदार हैं और ई-साक्षरता फैलाने, राष्ट्रीय पत्रिकाओं में ई-सामग्री, रेफरी को विकसित करने व संपादन जैसी विस्तार-गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं और कई राष्ट्रीय समितियों में सदस्य हैं।

**विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की समापित प्रमुख अनुसंधान परियोजना :** - "हिंदी के विकास के लिए आईसीटी: शिक्षण, अधिगम और हिंदी भाषा व साहित्य का उपयोग करने में आईसीटी का उपयोग : व्यापक अध्ययन।"

**प्लेसमेंट :**

केंद्र सरकार और राज्य सरकार के विभिन्न संगठनों में, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, सरकारी संस्थाओं व संगठनों में, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, मीडिया और प्रकाशन संस्थाओं में अनुवादक, हिंदी अधिकारी, संपादक के रूप में और शिक्षकों के रूप में विभिन्न स्तरों के शैक्षिक संस्थानों में हिंदी में स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त छात्रों की व्यापक गुंजाइश है। जिन्होंने पीएच.डी. डिग्री और नेट की परीक्षाओं में उत्तीर्ण हैं, वे विभिन्न महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा के संस्थानों में प्लेसमेंट के लिए योग्य हैं।

हमारे छात्र देश भर के विभिन्न राज्यों से प्रतिनिधित्व करते हैं। कई छात्रों ने यूजीसी-नेट और जेआरएफ परीक्षाओं उत्तीर्ण हैं। हमारे छात्रों को विभिन्न सरकारी स्कूलों, संगठनों, विश्वविद्यालयों, बैंकों और अन्य संगठनों में अच्छा रोजगार प्राप्त हुआ है। छात्रों को उनके ज्ञान और कौशल का पोषण करने के उद्देश्य से विशेष अभिविन्यास और परामर्श कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं जिससे उनका बेहतर रोजगार सुनिश्चित हो सके।

**संकाय**

**सह - आचार्य**

**एस. पद्मप्रिया**, **एम.फिल।**, **पीएच.डी.** (श्री.वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति)

विशेषज्ञता: आधुनिक हिंदी साहित्य, दृश्य मीडिया और हिंदी, लिंग और सांस्कृतिक अध्ययन, कार्यात्मक हिंदी और अनुवाद

**सहायक आचार्य**

**प्रमोद मीणा**, **एम.फिल**, **पीएच.डी. (इग्नू, दिल्ली)** ]असाधारण छुट्टी पर[

विशेषज्ञता: सिनेमा और मीडिया अध्ययन, भाषाविज्ञान और हिंदी नाटक, दलित और आदिवासी अध्ययन

**सहायक आचार्य एवं अध्यक्ष (प्रभारी)**

**सी. जया शंकर बाबू**, **पीएच.डी.** (मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर)

विशेषज्ञता: पत्रकारिता एवं अभिनव मीडिया अध्ययन, प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद, तुलनातमक अध्ययन, भाषा-प्रौद्योगिकी, आईसीटी एवं साइबर व्याख्यान

# संस्कृत विभाग

## मानविकी विद्यापीठ

संस्कृत विभाग ने 7 अगस्त 1988 से कार्य करना शुरू किया और इसका उद्देश्य उन छात्रों को प्रशिक्षित करना है जो वेदांत, न्याय, योग, व्याकरण, साहित्य और साहित्यिक आलोचना के साथ-साथ भारतीय शिक्षा प्रणाली और समकालीन भारतीय वास्तविकता और समकालीन पश्चिमी विचार दोनों क्षेत्रों में शोध और अध्यापन की दिशा में उन्मुख हैं। दर्शनशास्त्र, भाषा विज्ञान, साहित्यिक आलोचना की प्रणालियों में भारतीय परंपराओं के अनुसंधान में विभाग महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। एम.आई.एल. के तहत 5 साल के एकीकृत छात्रों के लिए संस्कृत को एक भाषा के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इसके अतिरिक्त, विभाग पांडुलिपि शास्त्र और पुरालेख-विज्ञान पर स्नातकोत्तर डिप्लोमा चलाता है, विरासत ग्रंथों और पांडुलिपियों के रखरखाव और संरक्षण की जिम्मेदारी लेता है, 'ग्रंथ लिपि' आदि लिपियों का ज्ञान प्रदान करता है। शिक्षण, अधिगम और मूल्यांकन प्रक्रिया में सर्वोत्तम प्रथाओं के द्वारा तथा सप्ताह के अंत में संगोष्ठियों व समूह चर्चा और शिक्षण में आईसीटी के उपयोग के माध्यम से छात्रों और शोधकर्ताओं को प्रशिक्षित करने का उद्देश्य पूरा किया जाता है। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सामान्य अध्ययन और नेट / जे.आर.एफ. के लिए शिक्षण भी प्रदान किया जाता है।

**अध्ययन-कार्यक्रम :**

**एम.ए.** संस्कृत

**पीएच.डी** संस्कृत (पूर्णकालिक एवं अंशकालिक (आंतरिक एवं बाहरी))

पांडुलिपि शास्त्र एवं पुरालेख विज्ञान में **स्नातकोत्तर डिप्लोमा** (एड-ऑन पाठ्यक्रम)

**प्रवेश परीक्षा-**

**एम.ए. -** प्रवेश परीक्षा में गद्य, पद्य, नाटक, इतिहास-काव्य एवं अलंकार- इन विषयों पर बी.ए. संस्कृत अथवा 'शास्त्री' स्तर के 100 बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल होंगे। जो छात्र एम.ए. संस्कृत में प्रवेश पाना चाहते हैं, उनको स्नातक स्तर पर 50% अंकों का होना अनिवार्य है।

पीएचडी में प्रवेश  प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है, जो निम्नलिखित क्षेत्रों में स्नातकोत्तर के स्तर पर 100 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे। योग्यताधारी स्नातकोत्तर डिग्री में उम्मीदवारों का न्यूनतम 55% अंक होना आवश्यक है।

**नाटक:**

अभिज्ञानशाकुन्तलम्, मृच्छकटिकम्, उत्तररामचरितम्

**कविता**

रघुवंश (1-2) और कुमारसंभवम् (5), मेघदूतम्

**व्याकरण**

संज्ञा, संधि, करक, समास, भाषाविज्ञान और निरुक्त

**अलंकार**

काव्यदर्शन, ध्वन्यालोक, रसगंगाधर और नाट्यशास्त्र (6)

**दर्शन**

वेदांतसार, तर्क संग्रह, सांख्य कारिका, योगसूत्र, उपनिषद (कठ, ईशावास्य और श्वेताश्वतर)

**सामान्य संस्कृत**

**आधारभूत संरचना की सुविधाएँ-**

विभाग में शिक्षकों और छात्रों को उनकी शैक्षणिक एवं अनुसंधानात्मक लक्ष्यों की पूर्ति के लिए इंटरएक्टिव क्लास रूम, एलसीडी और अन्य शिक्षण सहायक सामग्री सहित आधारभूत संरचना की अच्छी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। विभाग के पास एक छोटा विभागीय पुस्तकालय और साथ ही विद्यापीठ का पुस्तकालय है। पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के मुख्य पुस्तकालय में संस्कृत में

पुस्तकों का एक बड़ा संग्रह है। सौंदर्यात्मक रूप से सज्जीकृत और पूरी तरह से सुसज्जित मानविकी विद्यापीठ का संगोष्ठी कक्ष, नियमित रूप से व्याख्यान और संगोष्ठियों के आयोजन के लिए स्थान प्रदान करता है। अनुसंधान विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर, ब्रॉडबैंड कनेक्शन और वाई-फाई सुविधाओं सज्जित एक कक्ष भी उपलब्ध है।

**संकाय**

**आचार्य**

**सी. एस. राधाकृष्णन् पीएच.डी. (मद्रास विश्वविद्यालय)**

विशेषज्ञता: काव्यशास्त्र, पांडुलिपि शास्त्र, इंडोलोजी और विशिष्टाद्वैत

**जे. कृष्णन्, पीएच.डी. (मद्रास विश्वविद्यालय)**

विशेषज्ञता: अद्वैत वेदांत और न्याय

**आचार्य एवं अध्यक्ष**

**के. ई. धरणीधरन्, विद्यावरिधि (नयी दिल्ली)**

विशेषज्ञता: न्यया, मीमांसा, अद्वैत और विशिष्टाद्वैत

**आचार्य**

**चक्रधर बेहरा, पीएच.डी.** (पुणे विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: वेदांत, सांख्य, योग, भाषाविज्ञान और साहित्य

**सहायक आचार्य**

**अनिल प्रताप गिरि, पीएचडी** (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली)

विशेषज्ञता: भारतीय काव्यशास्त्र, व्याकरण, नव्य न्याय की भाषा व प्रविधि एवं भाषाविज्ञान

# दर्शनशास्त्र विभाग

## मानविकी विद्यापीठ

दर्शनशास्त्र विभाग ने शैक्षणिक वर्ष 1989-90 से कार्य करना आरंभ किया। संप्रति विभाग दर्शनशास्त्र में एम. ए. और पीएच.डी. कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहा है। शिक्षण और अनुसंधान के महत्वपूर्ण क्षेत्र है: तत्व-विज्ञान (पूर्वी और पश्चिमी), ज्ञान-मीमांसा (पूर्वी और पश्चिमी) और सामाजिक दर्शन (पूर्वी और पश्चिमी) हैं।

**अध्ययन - कार्यक्रम-**

दर्शन में **एम. ए.**

दर्शन में **पीएच.डी.**: पूर्णकालिक और अंशकालिक (आंतरिक और बाहरी)

**प्रवेश परीक्षा**

एम.ए. में प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा में स्नातक स्तर के 100 बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल होंगे।

पीएच.डी. प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा में स्नातकोत्तर स्तर के 100 बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल होंगे।

**संकाय-**

**आचार्य**

**के. श्रीनिवास**, **पीएच.डी.** (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली)

विशेषज्ञता: विश्लेषणात्मक दर्शन, ज्ञान-मीमांसा (भारतीय और पश्चिमी), दर्शन का वैज्ञानिक शास्त्र और आधुनिक तर्क

**बी. आर. शांता कुमारी**, **पीएच.डी.**(पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)

विशेषज्ञता: अद्वैत, सौंदर्यशास्त्र, शास्त्रीय भारतीय दर्शन, धर्म और संस्कृति

**आचार्य एवं अध्यक्ष**

**एस. इंदिरा**, **पीएच.डी.** (श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति)

विशेषज्ञता: समकालीन भारतीय दर्शन, गांधी दर्शन, योग दर्शन, सामाजिक दर्शन और अनुप्रयुक्त नैतिकता

# फिजिकल एजुकेशन और खेल विभाग

# मानविकी विद्यापीठ

फिजिकल एजुकेशन और खेल विभाग ने अगस्त 1987 से कार्य करना आरंभ किया।

**अध्ययन - कार्यक्रम-**

फिजिकल एजुकेशन में **एम.पी.एड.**

फिजिकल एजुकेशन और खेल में **पीएच.डी.**: पूर्णकालिक और अंशकालिक (आंतरिक और बाहरी)

**प्रवेश परीक्षा**

एम.पी.एड. में प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा में बी.एससी. फिजिकल एजुकेशन, बी.पी.एड, बी.पी.ई. स्तर के 100 बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल होंगे।

अ) शारीरिक दृढता - 3 परीक्षाएँ (व्यावहारिक) = 25 अंक

आ) खेलों में दक्षता (व्यावहारिक) = 25 अंक

[2]शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षण 19 और 20 जून 2019 को तिरुवल्लुवर स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा, समय: सुबह 7.30 बजे से शाम के 5.00 बजे तक, शारीरिक शिक्षा और खेल विभाग, पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय।

* छात्रों को निम्नलिखित प्रमाण पत्र लाने होंगे:

i) मान्यता प्राप्त चिकित्सा अधिकारी से शारीरिक दृढता का प्रमाणपत्र

ii) सामुदायिक प्रमाण पत्र

iii) योग्यता प्रमाण पत्र

इ) प्रवेश परीक्षा (सैद्धांतिक) = 50 अंक

कुल = 100 अंक

**पीएच.डी.:** प्रवेश परीक्षाओं के प्रश्नों में एम.पी.एड./ एम.पी.ई. / एम.पी.ई.सी. के स्तर पर अनुसंधान पद्धतियाँ, प्राथमिक सांख्यिकी, व्यायाम-शरीर क्रिया विज्ञान, मापन-शिक्षा, फिजिकल एजुकेशन में मापन व मूल्यांकन , बायो-मैकेनिक्स और काइन्सियोलॉजी, फिजिकल एजुकेशन का इतिहास, खेल मनोविज्ञान, खेलों के प्रशिक्षण की पद्धतियाँ व सामान्य ज्ञान, खेल-चिकित्सीय शास्त्र और खेल-प्रबंधन, इत्यादि विषयों पर आधारित 100 बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल होंगे।

**आधारभूत संरचना की सुविधाएँ :**

विभाग क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, टेनिस, कबड्डी, हॉकी, हैंडबॉल और खो-खो- इन खेलों के लिए अच्छी सुविधाएँ प्रदान करता है। विभाग के पास एक अच्छा आउट-डोर स्टेडियम है जिसमें सिंडर ट्रैक, मल्टी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, टर्फ विकेट क्रिकेट मैदान, एक फिजिकल फिटनेस सेंटर और फिजियोथेरेपी लैब और कंप्यूटर लैब है।

**संकाय**

**आचार्य एवं अध्यक्ष :**

**पी. के. सुब्रमण्यम्, पीएच.डी.** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी(

विशेषज्ञता : फिजिकल एजुकेशन, शोध-प्रविधि, शरीर गति शास्त्र, सांख्यिकी, योग और वॉलीबॉल।

**आचार्य**

**डी. सुल्ताना, पीएच.डी.** (अलगप्पा विश्वविद्यालय, कारैकुडि)

विशेषज्ञता: शारीरिक शिक्षा, मापन और मूल्यांकनव्र बास्केटबॉल, शोध-प्रविधि, व्यायाम शरीर क्रिया विज्ञान, और योग

[2] *इन पाठ्यक्रमों के लिए दिव्यांग अभ्यर्थी आवेदन नहीं कर सकते हैं।*

**जी. वसंती**, **पीएच.डी.** (अन्नामलै विश्वविद्यालय, अन्नामलै नगर)

विशेषज्ञता : फिजिकल एजुकेशन, खेल-मनोविज्ञान, मापन और मूल्यांकन, खेल चिकित्सीय शास्त्र, स्वास्थ्य- फिटनेस और वेलनेस, वॉली बॉल, टेबल टेनिस और योग

**एम. एलयराजा**, **पीएच.डी.** (अन्नामलै विश्वविद्यालय, अन्नामलै नगर)

विशेषज्ञता : फिजिकल एजुकेशन, फिजियोलॉजी ऑफ स्पोर्ट्स ट्रेनिंग, व्यायाम और रोग प्रबंधन, खेल और मल्टीमीडिया, टेनिस & क्रिकेट

**जी.विनोद कुमार**, **पीएचडी** (मनोन्मणियर सुंदरनार विश्वविद्यालय, तिरुनेलवेली)

विशेषज्ञता : फिजिकल एजुकेशन, खेल चिकित्सीय शास्त्र, खेलों में बायोमैकेनिक्स, फिजिकल एजुकेशन में अनुसंधान की पद्धतियाँ, शारीरिक रचना और शरीर विज्ञान, एप्लाइड काइन्सियोलॉजी, खेल मनोविज्ञान और योग, एथलेटिक्स और फुटबॉल।

**सह -आचार्य**

**के. तिरुमौरौगन**, **एम.फिल**

विशेषज्ञता: शारीरिक शिक्षा, खेल प्रबंधन, खेल जैव यांत्रिकी, हॉकी और योग

**सहायक आचार्य**

**आर. राम मोहन सिंह**, **पीएच.डी.** (भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुच्चिरापल्लि)

विशेषज्ञता: शारीरिक शिक्षा, खेल मनोविज्ञान, प्रशिक्षण की पद्धतियाँ, अनुसंधान की पद्धतियाँ, क्रिकेट और फिटनेस **&** वेलनेस

**ए. प्रवीण**, **पीएच.डी.** (तमिलनाडु फिजिकल एजुकेशन और खेल विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता: शारीरिक शिक्षा, खेल प्रबंधन, प्रशिक्षण की पद्धतियाँ, व्यायाम शरीर क्रिया विज्ञान और पोषण, ट्रैक और फील्ड और फुटबॉल

**एस. जगदीश्वरी**, **पीएच.डी.** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)

विशेषज्ञता: फिजिकल एजुकेशन, फिजिकल एजुकेशन की पद्धतियाँ, खेल चिकित्सीय विज्ञान, शोध प्रविधि, हैंडबॉल और योग शिक्षा और बॉल बैडमिंटन

# विदेशी भाषा केंद्र
# मानविकी विद्यापीठ

वर्तमान युग में तेजी से आगे बढती दुनिया में इसकी बहु-भाषाई संपर्क-सूत्रों को निर्मित करने की अपरिहार्य स्थिति में छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जून 2009 में एक नवीकृत परियोजना के रूप में विदेशी भाषा केंद्र को आरंभ किया गया था। वैश्वीकरण और वाणिज्यिक आपसी ताल-मेल के इस युग में, विदेशी भाषा सीखना हमेशा प्रयोजनकारी होगा जो किसी भी छात्र की रोजगार के अवसरों को अवश्य बढावा देता है। व्यापारिक आदान-प्रदान के अलावा, वैज्ञानिक और तकनीकी दस्तावेजों का अनुवाद करने की आवश्यकता भी दिनों दिन बढती जा रही है, और निश्चित रूप से, विदेशी भाषाओं के प्रसिद्ध साहित्य का अनुवाद होना भी उतना ही जरूरी है। संगीत की दुनिया में भी, विशेष रूप से अरबी और लैटिन अमेरिकी देशों के कई गीतों के शब्दों को समझने का आग्रह है। विदेशी फिल्मों के डबिंग करने की आवश्यकता भी अक्सर महसूस की जा रही है।

**अध्ययन कार्यक्रम :**

एड-ऑन इवनिंग सर्टिफिकेट ऑफ प्रोफिशिएंसी कोर्स (2 सेमेस्टर के लिए):

- फ्रांसीसी
- जापानी
- जर्मन
- स्पैनिश
- अरबी
- चीनी
- कोरियाई

**संकाय**

**केंद्र-अध्यक्ष :**

**एस. पन्नीरसेल्वमे, पीएच.डी.** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)

और उपरोक्त हर एक विदेशी भाषा के लिए **सुयोग्य अतिथि संकाय**

# एशियाई ईसाई अध्ययन में एक्सेंडे अध्ययन-पीठ

## मानविकी विद्यापीठ

यह धर्मदाय-अध्ययन पीठ वर्ष 2004 में स्थापित किया गया था। अध्ययन-पीठ का मुख्य उद्देश्य एशिया में अन्य धार्मिक, सांस्कृतिक और दार्शनिक विचारों के संबंध में ईसाई धर्म के अध्ययन पर शोधकर्ताओं का मार्गदर्शन करना है। भारत बहु-धार्मिक मान्यताओं का राष्ट्र है, इस प्रसंग में ईसाई धर्म और भारत के अन्य प्रमुख धर्मों की मान्यताओं और उनकी दार्शनिक बारीकियों में व्यवस्थित अनुसंधान के कार्यकलाप इस राष्ट्र की जनता में ही नहीं, बल्कि एशिया की जनता में भी एक सौहार्दपूर्ण सह-अस्तित्व की सुविधा निश्चित रूप से प्रदान कर सकते हैं। चूंकि एक स्पष्ट धर्म के सिद्धांतों और नियमावली में विश्वास रखना विशेष रूप से व्यक्तिगत है, सभी धर्मों की विशिष्टताओं की तर्कसंगत प्रशंसा और उनके प्रति सहिष्णुता मात्र ही सार्वभौमिक भाईचारे और एकजुटता का सही माहौल प्रदान कर सकती है। इस प्रकार, अध्ययन-पीठ दर्शनशास्त्र विभाग के सहयोग से पीएच.डी. कार्यक्रम चलाता है।

**अध्ययन कार्यक्रम :**

एशियाई ईसाई अध्ययन में **पीएच.डी** (पूर्ण कालिक)

**प्रवेश परीक्षा :**

पीएच.डी में प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा में ईसाई धर्म के सामान्य परिचय और ईसाई धर्म के पवित्र ग्रंथों पर प्राथमिक स्तर के 100 बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल होंगे।

**संकाय**

**केंद्र-अध्यक्ष :**

**आचार्य डॉ. एन. जोनास, पीएच.डी.** (यूनिवर्सिटा अर्बानियाना, रोम, इटली)

विशेषज्ञताएँ :- अस्तित्ववाद, फेनोमेनोलोजी, यहूदी धर्म एवं ईसाई धर्म

**अतिरिक्त संकाय :**

**आचार्य के. श्रीनिवास,**

दर्शन विभाग

# प्रदर्शन कला विद्यापीठ

## विद्यापीठाध्यक्ष (प्रभारी) : आचार्य सी.के. रामैया

**श्री शंकरदास स्वामिगल प्रदर्शन कला विद्यापीठ** की स्थापना वर्ष 1988-89 में हुई थी और 2007-08 के शैक्षिक वर्ष में **प्रदर्शन कला विद्यापीठ** के रूप में इसका नाम-परिवर्तन किया गया था। अपनी स्थापना से लेकर, प्रदर्शन कला विद्यापीठ ने थिएटर, सामाजिक कार्य और शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन कैरियर पाने हेतु छात्रों को प्रशिक्षित करते हुए अपनी गतिविधियों में निर्देश और विस्तार की उत्कृष्टता के प्रति स्वयं को समर्पित किया है। विद्यापीठ का लक्ष्य छात्रों को जीवन के सभी क्षेत्रों में ज्ञान प्रदान करके उनकी प्रतिष्ठा को आगे बढ़ाना और प्रदर्शन कला के क्षेत्र में उनकी साधना को अधिक सृजनात्मक बनाना है। विद्यापीठ में ही प्रदर्शन कला विभाग शामिल है। विभाग रंगमंच कला में एम.पी.ए., नाटक और रंगमंच कला में पीएच.डी. और पीजीडीटीए, यानी - रंगमंच कला में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (शाम के एड-ऑन कोर्स के रूप में) चलाता है।

# प्रदर्शन कला विभाग

प्रदर्शन कला विभाग शैक्षिक वर्ष 1988-89 से कार्यरत है और रंगमंच कला में एम.पी.ए., नाटक और रंगमंच कला में पीएच.डी. और पीजीडीटीए, यानी - रंगमंच कला में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (शाम के एड-ऑन कोर्स के रूप में) चलाता है।

**अध्ययन कार्यक्रम :**

**एम.पी.ए. –** नाटक और रंगमंच कला

नाटक और रंगमंच कला में **पीएच.डी.** पूर्णकालिक & अंशकालिक (आंतरिक और बाहरी)

**पीजीडीटीए -** रंगमंच कला में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (शाम के एड-ऑन कोर्स के रूप में)

**प्रवेश परीक्षा :**

**एम.पी.ए. – नाटक और रंगमंच कला :-**

एम.पी.ए. कार्यक्रम में भर्ती होने के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों को पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित अंकों के साथ किसी भी विषय में स्नातक होना चाहिए। उक्त प्रवेश परीक्षा में स्नातक स्तर पर सामान्य विज्ञान, इतिहास, कला और संस्कृति, विश्व रंगमंच, भारतीय रंगमंच, क्षेत्रीय रंगमंच और उनकी उपलब्धियों व प्रमुख हस्तियों पर आधारित 100 बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल होंगे। (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध एम.पी.ए.- नाटक और रंगमंच कला की आदर्श प्रश्नावली का अध्ययन करें)

**पीएच.डी – नाटक और रंगमंच कला :-**

अभ्यर्थियों के पास पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित अंकों के साथ नाटक और रंगमंच कला में स्नातकोत्तर डिग्री होनी चाहिए। प्रवेश परीक्षा में नाटक और रंगमंच कला/ प्रदर्शन अध्ययन / मीडिया कला और स्नातकोत्तर स्तर पर संबंधित विषय (नाटक और रंगमंच कला में एमए) पर आधारित 100 बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल हैं। (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध पीएच.डी- नाटक और रंगमंच कला की आदर्श प्रश्नावली का अध्ययन करें)प्रवेश परीक्षा में अर्हता प्राप्त करने के बाद, उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए प्रवेश समिति के समक्ष उपस्थित होना चाहिए। पीएच.डी.प्रवेश समितिनाटक और रंगमंच कला की पीएचडी में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों के अनुसंधान कौशल और नाटक और रंगमंच में उनकी प्रतिभा के आधार पर उनकी पात्रता तय करेगी। पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार अभ्यर्थी को नाटक और रंगमंच कला में पीएच.डी डिग्री हेतु अंग्रेजी में अपना शोध-प्रबंध लिखने के लिए पर्याप्त ज्ञान होना चाहिए। । यदि प्रवेश समिति को लगता है कि कोई रैंक सूची से संतुष्ट नहीं है, तो अभ्यर्थियों को समग्र मेरिट सूची में से साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाया जा सकता है।

**विभाग के प्रमुख अध्ययन-क्षेत्र** :

- अभिनय, निर्देशन और प्रदर्शन संबंधी अध्यतन-क्षेत्रों में शोध-प्रविधि ।
- प्रदर्शन में संप्रति उत्कृष्ट आंदोलन और उनकी प्रासंगिकता
- समाज में संस्कृति के विकास हेतु प्रदर्शन को एक माध्यम के रूप में विकसित करना
- शिक्षा और समुदाय-विकास में रंगमंच का महत्व
- प्रदर्शन-पद्धतियों की नवीनतम शोध-प्रविधियों का महत्व
- अंतर-सांस्कृतिक प्रदर्शन और मीडिया प्रथाओं के लिए संभावनाओं की खोज
- प्राचीन तमिल साहित्य, शिलालेख और मूर्तिकला के माध्यम से तमिल रंगमंच का अध्ययन
- पारंपरिक कलाओं से आधुनिक रंगमंच कला का विन्यास
- प्रदर्शन कला से संबंधित अंतर्विद्यावर्ती अनुसंधान का संचालन
- परंपरागत और आधुनिक रंगमंच प्रथाओं के साथ प्रयोग

**लक्ष्य और उद्देश्य :**

विभाग का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'प्रदर्शन परंपरा 'के तहत सर्वोत्तम शोध पद्धतियों को विभिन्न प्रकार की प्रस्तुतियों, विभिन्न तकनीकों, शैलियों और प्रणालियों के साथ विकसित करना है, जो पाठ्यक्रम के भाग के रूप में रचनात्मक संचार के रूप में कार्यरत हैं। छात्रों को भारत की सांस्कृतिक विरासत के बारे में अधिक जानकारी प्रदान करना भी विभाग का लक्ष्य है, और छात्रों को यह महसूस कराने के लिए मार्गदर्शन दिया जाता है कि वे भारत के शानदार अतीत सांस्कृतिक इतिहास के उत्तराधिकारी हैं। चूंकि रंगमंच की कला वैज्ञानिक और कलात्मक निर्माण का एक उत्पाद-अंग है, पाठ्यक्रमों को कुछ इस प्रकार संरचित किया जाता है कि छात्रों को एक स्पष्ट अंतर्विषयक दृष्टिकोण प्रदान किया जा सके, जिसमें मानव जीवन के सभी पहलुओं

को शामिल किया जा सके और मंच व अन्य माध्यमों के द्वारा प्रदर्शन की सभी संभावनाओं का पता लगाया जा सके। यह छात्रों को अभिनय कला, निर्देशन, रंगमंच तकनीक और डिजाइन, अनुप्रयुक्त रंगमंच, सामुदायिक रंगमंच और अंतर-विद्यावर्ती नाटक आदि रचनात्मक कौशल की विविध पद्धतियों को विकसित करने के लिए प्रदर्शन कला-प्रस्तुतियों और अन्य संबंधित विषयों के गौरवशाली इतिहास की अधिक जानकारी के लिए एक मंच प्रदान करता है।

**रोजगार की संभावनाएँ :**

विभाग के छात्र अपना कोर्स पूरा होने के बाद, विद्यालयों और कॉलेजों में नाटक-शिक्षक और सांस्कृतिक सह-समन्वयकों/प्रशिक्षकों के रूप में काम कर सकते हैं। वे गीत एवं नाटक प्रभाग, दक्षिण क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र, सरकारी विकास परियोजनाओं, सामाजिक चेतना से संबंधित परियोजनाओं आदि सरकारी विभागों में; गैर-सरकारी संस्थाओं में, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और स्कूलों में, थिएटर-रिपर्टरीज क्षेत्र के साथ-साथ सरकारी और निजी उपग्रह टीवी और फिल्म उद्योग में अभिनय, निर्देशन और डिजाइनिंग के क्षेत्रों में नौकरी के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। उत्तीर्ण होकर बाहर निकलनेवाले अन्य छात्र भी रंगमंच विशेषज्ञों के रूप में प्रदर्शन कला और संबंधित विषयों के क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से अपने शोध कार्य को आगे बढा सकते हैं।

पिछले 30 वर्षों के दौरान, स्कूल ने सांस्कृतिक केंद्र के रूप में एक ऐसी राष्ट्रीय प्रतिष्ठा स्थापित की है, जहाँ युवा लोग रंगमंच और रंगमंच से संबंधित कला, लाइव और डॉक्यूमेंट्री प्रोडक्शंस, विज्ञापन और गति चित्रों के लिए विविध संगठनों/ सांस्कृतिक संस्थानों की आवश्यकताओं के अनुरूप योग्यता और कौशल प्राप्त करते हैं। शिक्षा और सामुदायिक सशक्तीकरण में रंगमंच के महत्व में विभिन्न नीतियों का विकास करना, सामाजिक सरोकारों के बीच जागरूकता पैदा करना, नई तकनीकों का महत्व और प्रदर्शन प्रथाओं में नए मीडिया के साथ चुनौतियों का सामना करते हुए पार-सांस्कृतिक प्रदर्शन और मीडिया प्रथाओं के लिए संभावनाएं प्रदान करना आदि विभाग की विशेषताएँ हैं। विभाग प्राचीन तमिल साहित्य के माध्यम से तमिल रंगमंच के इतिहास का अध्ययन, पारंपरिक कला से आधुनिक रंगमंच कला का विकास, शिलालेख और मूर्तिकला विन्यास और प्रदर्शन कला से संबंधित अंतर्विद्यावर्ती अनुसंधान-कार्यक्रम आयोजित करना, इत्यादि विषयों पर भी ध्यान केंद्रित करता है।

**गतिविधियाँ :**

- प्रदर्शन कला विद्यापीठ के छात्र हर साल 20-25 नाटकों का मंचन करते हैं।
- हमारे छात्र विश्वविद्यालय के अंदर और बाहर विविध वृत्तचित्रों, फिल्मों, नाटक प्रस्तुतियों, फिल्म अभिनय आदि में भी सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।
- हाल ही में छात्रों और शिक्षकों ने "बारम"(बोझ) नामक एक तमिल फीचर फिल्म में अभिनय किया, जिसे 2018 में गोवा अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ तमिल फिल्म पुरस्कारों में से एक घोषित किया गया और इसे यूनेस्को गांधी पुरस्कार 2019 में नामांकित भी किया गया।
- प्रदर्शन कला विद्यापीठ के छात्रों के द्वारा विश्वविद्यालय के अंदर और बाहर के छात्रों व शोध-छात्रों के सभी व्यावसायिक कार्यों को समेटते हुए 2018 से 'थियेटरॉन' नामक एक ऑनलाइन मासिक पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है।
- प्रत्येक वर्ष के छात्र और शोधार्थी अपने पाठ्यक्रम के भाग के रूप में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच और फिल्म समारोहों में भाग लेते हैं।
- प्रदर्शन कला विद्यापीठ अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की भागीदारी लेकर कई कार्यशालाओं का आयोजन करता है और छात्रों और शोधार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संगोष्ठियों की व्यवस्था भी करता है।
- समझौता-ज्ञापन और सहयोग
- आईजीएनसीए (इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र) नई दिल्ली के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षरित है।
- जेआईपीएमईआर और प्रदर्शन कला विद्यापीठ, व पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो स्टेशन-पुदुवै वाणी के साथ एक अन्य समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित है।

**उद्योग के लिए विद्यापीठ का योगदान :**

प्रदर्शन कला विद्यापीठ ने क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर बहुत योगदान दिया है और इसके पूर्वछात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न शीर्ष स्तर के पदों पर रोजगार प्राप्त है जिसका विवरण निम्नलिखित है-

• सरोजिनी नायुडु रंगमंच कला विद्यापीठ, हैदराबाद विश्वविद्यालय, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, नाटक एवं रंगमंच विद्यापीठ, केरल, संस्कृति और रचनात्मक अभिव्यक्ति विद्यापीठ, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली इत्यादि संस्थानों में शिक्षाविद।

• कई छात्र रंगमंच के अभिनेता एवं विशेषज्ञ

• कई छात्र सिनेमा क्षेत्र में तमिल अभिनेता, मलयालम अभिनेता, मलयालम अभिनेत्री, तमिल गायक के रूप में कार्यरत हैं।

• विभाग के कुछ पूर्व छात्र टीवी मीडिया और फिल्म संस्थानों- यथा, पुदुच्चेरी दूरदर्शन, एशियानेट सैटेलाइट कम्युनिकेशंस लिमिटेड केरल, पुणे फिल्म संस्थान, के.आर.नारायणन राष्ट्रीय फिल्म संस्थान, केरल में कार्यरत हैं।

• कई छात्रों ने राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली से स्नातक डिग्री पास की है। किया जाता है।

• कई छात्रों ने सिंगापुर के इंटरकल्चरल थिएटर एक्टिंग इंस्टीट्यूट से स्नातक डिग्री हासिल की है।

**संकाय**

**सहायक आचार्य**

**के. आर. राजा रविवर्मा, पीएच.डी.** (मद्रास विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता : अभिनय, अभिनय का प्रशिक्षण, नृत्य एवं नृत्य निर्देशन, रंगमंचीय युद्ध कला, प्रायोगिक रंगमंच, लोक रंगमंच एवं लोकनृत्य।

**शरवणन् वेलु, पीएच.डी.** (तमिल विश्वविद्यालय)

*** बाल साहित्य अकादमिक पुरस्कार विजेता** 2016

विशेषज्ञता: बाल रंगमंच, रंगमंच और शिक्षा, विशेष रूप से बच्चों के लिए लेखन और रचनात्मक लेखन।

**अनुदेशक :**

**पी. मुरुगेशन, एम.ए., एम.फिल.** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: लोक रंगमंच, शास्त्रीय और लोक संगीत, रंगमंच संगीत, मेकअप और कॉस्टयूम डिजाइन, सेट डिजाइन और स्वर व भाषण।

**एल. वी. नागभूषण राव, पीएच.डी.** (हैदराबाद विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: रंग-अभिकल्प, रंग-सज्जा, मास्क मेकिंग, प्रॉपर्टी डिज़ाइन, रंगमंच प्रबंधन और अनुप्रयुक्त रंगमंच।

## सामाजिक विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विद्यापीठ

## विद्यापीठाध्यक्ष : आचार्य वेंकट रघोत्तम

**नृविज्ञान विभाग**

**समाजशास्त्र विभाग**

**सामाजिक कार्य विभाग**

**इतिहास विभाग**

**राजनीति व अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विभाग**

**यूरोपीय अध्ययन केंद्र**

**यूनेस्को मदनजीत सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ साउथ एशिया रीजनल कोऑपरेशन )UMISARC) और सेंटर फॉर साउथ एशियन**

**स्टडीज यूजीसी सेंटर फॉर सदर्न एशिया स्टडीज**

**महिला अध्ययन केंद्र**

**सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अध्ययन केंद्र**

**महासागर अध्ययन केंद्र ( विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अध्ययन केंद्र)**

विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित ये पाठ्यक्रम बहुत ही नवीन एवं चुनौतीपूर्ण हैं और विश्वविद्यालय के इन सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक पाठ्यक्रमों से भारत के विभिन्न प्रदेशों के विद्यार्थियों के साथ-साथ विदेशों से प्रवेश प्राप्त पूर्व विद्यार्थी भी संयुक्त राष्ट्र अमेरीका एवं यूरोप सहित विकासशील देशों के श्रम बाजारों में उच्च पद हासिल कर पाये हैं।

# नृविज्ञान विभाग
## समाज विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विद्यापीठ

नृविज्ञान विभाग की स्थापना 1999 में की गयी। यह विभाग सामाजिक-सांस्कृतिक नृविज्ञान, भौतिक नृविज्ञान, चिकित्सा नृविज्ञान एवं दृश्य नृविज्ञान के क्षेत्रों में गहन प्रशिक्षण एवं अनुसंधान की सुविधा प्रदान करता है। यह विभाग पाठ्यक्रम के अंतर्गत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ग्रामीण अध्ययन एवं शहरी आबादी नृवंशविज्ञान फील्ड कार्य के क्षेत्रों में उन्नत अनुसंधान एवं प्रशिक्षण के लिए इच्छुक उम्मीदवारों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से स्थापित है।

**अध्ययन-कार्यक्रम**

**एम.ए.** नृविज्ञान
**पी एच.डी.** नृविज्ञान
**स्नातकोत्तर डिप्लोमा-** फोरेंसिक नृविज्ञान

विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित ये पाठ्यक्रम बहुत ही नवीन एवं चुनौतीपूर्ण हैं और विश्वविद्यालय के इन सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक पाठ्यक्रमों से भारत के विभिन्न प्रदेशों के विद्यार्थियों के साथ-साथ विदेशों से प्रवेश प्राप्त पूर्व विद्यार्थी भी संयुक्त राष्ट्र अमेरीका एवं यूरोप सहित विकासशील देशों के श्रम बाजारों में उच्च पद हासिल कर पाये हैं।

**एम.ए.:** प्रवेश परीक्षा में भारतीय समाज व संस्कृति, सामान्य ज्ञान एवं अंग्रेजी भाषा के सामान्य ज्ञान से संबंधित 100 बहुवैकल्पिक प्रश्न दिये जायेंगे।

**पी एच.डी.: पी एच.डी. की प्रवेश परीक्षा के अंतर्गत** नृविज्ञान में स्नातकोत्तर स्तर के 100 बहुविकल्पीय प्रश्न दिये जायेंगे।
स्नातकोत्तर डिप्लोमा: स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा में सामान्य नृविज्ञान से संबंधित 100 बहुविकल्पीय प्रश्न दिये जायेंगे।

**विशेष अनुदान**

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद आदि से प्रमुख अनुसंधान परियोजनाएँ प्राप्त की गयी हैं।

**आधारभूत संरचना की सुविधाएँ**

- पुस्तकालय में भारी मात्रा में पुस्तक, पत्रिकाएँ एवं प्रतिवेदन संग्रहीत हैं।
- छात्रों एवं शोधार्थियों के लिए इंटरनेट सुविधा से युक्त कंप्यूटरों की उपलब्धता
- भौतिक नृविज्ञान संबंधी प्रयोगशाला

**रोजगार हेतु अभिमुखीकरण**

विभाग के विद्यार्थियों को भारत के नृविज्ञान सर्वेक्षण, सामाजिक व आदिवासी कल्याण विभाग एवं गैर-सरकारी संगठनों (एन.जी.ओ.) में रोजगार मिलता है।

**संकाय सदस्य**

**आचार्य एवं अध्यक्ष :**

ए चेल्लपेरुमाल, पी एच.डी. (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेष अध्ययन: सामाजिक-सांस्कृतिक नृविज्ञान, धर्म नृविज्ञान, आदिवासी लोकसंगीत एवं पारंपरिक काव्यधारा

**सह-आचार्य**

**जेसुरत्नम देवरपल्लि, पीएच.डी.** (आंध्र विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश)

विशेष अध्ययन: सामाजिक-सांस्कृतिक नृविज्ञान, परिस्थिति नृविज्ञान

अध्ययन-परिमिति: चिकित्सा नृविज्ञान

**सहायक आचार्य :**

**वेलेरी डिखेर पीएच.डी.** (एन.ई.एच.यू. शिल्लांग)

विशेषज्ञता : सामाजिक-सांस्कृतिक नृविज्ञान, पारिस्थितिकी-नृविज्ञान

अध्ययन-परिमिति : आर्थिक नृविज्ञान एवं लिंग अध्ययन

**अजीत जायसवाल, पी एच.डी.** (दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)

विशेष अध्ययन: भौतिक/जैविक नृविज्ञान, फोरेंसिक पुरातत्वविज्ञान, पोषक नृविज्ञान, जनसंख्या व जनसांख्यिकी अध्ययन

अध्ययन परिमिति: स्वास्थ्य नृविज्ञान, व्यावसायिक जोखिम व सार्वजनिक स्वास्थ्य

राजेश गुरुराज कुंडर्गी, पी एच.डी.

(कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड)

विशेष अध्ययन: सामाजिक-सांस्कृतिक नृविज्ञान, चिकित्सा नृविज्ञान

अध्ययन परिमिति: नृ-जनसांख्यिकी अध्ययन, संज्ञानात्मक नृविज्ञान, गुणात्मक अनुसंधान पद्धति एवं लिंग अध्ययन

# समाजशास्त्र विभाग

## सामाजिक विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विद्यापीठ

समाजशास्त्र विभाग स्थापना वर्ष जनवरी 1993 के बाद रजत जयंती समारोह मना रहा है। शैक्षणिक वर्ष 1993-94 से विद्यार्थियों को एम.ए. व पी एच.डी. में प्रवेश दिया गया और 1996-97 से एम.फिल. पाठ्यक्रम शुरु किया गया। 2009-10 से ग्रामीण विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा शुरु किया गया। ढाई दशकों की अवधि में, विभाग द्वारा बड़ी संख्या में देश के विभिन्न हिस्सों के प्रतिभा संपन्न विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया। विभाग ने अपने स्थापन-काल से विषय की परंपरा के आधार पर अंत:विषयक ढांचे के निर्माण में उन्नत समाजशास्त्रीय सिद्धांतों एवं पद्धतियों को अपनाते हुए आधुनिक सामाजिक जीवन की कठिनाइयों पर ध्यानकेंद्रित किया है। छात्र-छात्राओं को कड़े प्रशिक्षण के माध्यम से गहन अध्ययन, सैद्धांतिक पक्ष एवं अनुसंधान कौशल की प्राप्ति हेतु अभिप्रेरित किया जाता है। छात्रों एवं संकाय सदस्यों के अनुसंधान क्षेत्रों के अंतर्गत समाज एवं संस्कृति पर आर्थिक विकास का प्रभाव, कमजोर तबकों की समस्याएँ, लिंग व समाज, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण संबंधी मामले, सामाजिक आंदोलन, अल्पसंख्यक अध्ययन आदि जन समस्याओं से संबंधित मामले बृहद मात्रा में शामिल हैं।

विभाग छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक, नागरिक सेवाओं, सक्रियतावाद एवं तार्किकता विषयों तक ही सीमित न करते हुए रोजगार के विभिन्न अवसर प्राप्त करने के योग्य बनाता है।

पूर्व-छात्र छात्राओं को प्रतिष्ठित सरकारी एवं भारतीय व विदेशी निगमित संगठनों में रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं।

**अध्ययन- कार्यक्रम**

**एम.ए.** समाजशास्त्र

**एम.ए.** समाजशास्त्र (पाँच वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम)

**पी एच.डी.** समाजशास्त्र

**प्रवेश परीक्षा**

**एम.ए.:** एम.ए. की प्रवेश परीक्षा में स्नातक पूर्व समाजशास्त्र व अंग्रेजी पाठ्यक्रम से 100 बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जायेंगे।

**एम.ए. (पाँच वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम):** प्रश्नपत्र में सामान्य ज्ञान, अंग्रेजी भाषा के सामान्य ज्ञान एवं समाज विज्ञान से संबंधित 100 बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जायेंगे।

**पी एच.डी.:** पी एच.डी प्रवेश परीक्षा में एम.ए. स्तर के सामान्य समाजशास्त्र, समाजशास्त्रीय सिद्धांतों, भारतीय समाज एवं अनुसंधान प्रविधि से संबंधित 100 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

**सुविधाएँ**

- इंटरनेट सुविधा सहित कंप्यूटर प्रयोगशाला
- पुस्तकालय में भारी मात्रा में पुस्तकों, पत्रिकाओं एवं प्रतिवेदनों का संग्रह
- आधुनिक अनुदेशी उपकरणों से लैस कक्षा

**संकाय सदस्य**

**आचार्य**

**बिभूति भूषण मोहंती, पी एच.डी.**(संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर)

विशेष अध्ययन: कृषि-भूमि परिवर्तन, आर्थिक समाजशास्त्र व समाजशास्त्रीय विकास

**के. गुलाम दस्तगीर, पी एच.डी.** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेष अध्ययन: जल समाजशास्त्र, ग्रामीण विकास समाजशास्त्र, लिंग समाजशास्त्र, धार्मिक अल्पसंख्यकों का समाजशास्त्र

**आचार्य व अध्यक्ष**

**सुधा सीतारामन, पी एच.डी.** (आई.एस.ई.सी. बंगुलूरु)

विशेष अध्ययन: धर्म समाजशास्त्र व धार्मिक अल्पसंख्यक; सामाजिक आंदोलन समाजशास्त्र

**सह-आचार्य**

**सी अरुणा, पी एच.डी.** (भारतीयार विश्वविद्यालय, कोयंबत्तूर)

विशेष अध्ययन: लिंग अध्ययन, सोशल नेटवर्क एवं प्रवास अध्ययन

**प्रदीप कुमार परिडा, पी एच.डी.** (उत्कल विश्वविद्यालय, भुबनेश्वर)

विशेष अध्ययन: समाजशास्त्रीय विकास, आपदा समाजशास्त्र एवं शैक्षिक समाजशास्त्र

**सह-आचार्य**

**मेन्सी एम.  पी एच.डी.** (केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम)

विशेष अध्ययन: प्रवास अध्ययन, सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं समाजशास्त्रीय विकास

**इम्तिरेंला लोंगकुमरे, पी एच.डी.** (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

विशेष अध्ययन: लिंग अध्ययन, सामग्री संस्कृति अध्ययन एवं धर्म समाजशास्त्र, सांस्कृतिक अध्ययन, मीडिया समाजशास्त्र

# सामाजिक कार्य विभाग
## सामाजिक विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विद्यापीठ

अक्टूबर, 2007 में स्थापित इस विभाग का आशय सामाजिक कार्य के व्यवसायियों एवं विद्वानों को नवीन, अंतर्विद्यावर्ती अध्यापन के तौर-तरीकों से अवगत कराने, अनुसंधान कराने, एवं समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में उत्प्रेरक का कार्य करने में एक अग्रणी संस्थान बनना है।

**अध्ययन कार्यक्रम**

**सामाजिक कार्य में स्नातकोत्तर (एम.एस. डब्ल्यू)**

**पीएच. डी.** (सामाजिक कार्य)

पूर्णकालिक व अंशकालिक (आंतरिक व बाहरी(

**प्रवेश परीक्षा**

एम.एस. डब्ल्यू में प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित प्रवेश परीक्षा पर आधारित होगा। एम.एस. डब्ल्यू पाठ्यक्रम हेतु सामाजिक कार्य – स्नातक स्तर के (20 प्रश्न), सामान्य ज्ञान (20 प्रश्न), तर्क योग्यता (15 प्रश्न), उच्च विद्यालय अंकगणित (15 प्रश्न), अंग्रेजी भाषा के शब्द-भंडार (20 प्रश्न) एवं अंग्रेजी भाषा के गद्यांश आधारित प्रश्न (10 प्रश्न) आदि विषयों से 100 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे।

पीएच डी कार्यक्रम के प्रश्नपत्र में सामाजिक कार्य के विभिन्न क्षेत्रों से 100 बहुविकल्पीय प्रश्न भी दिये जायेंगे।

**अनुसंधान एवं अध्यापन के लक्षित क्षेत्र**

सामुदायिक विकास, मानसिक स्वास्थ्य, सार्वजनिक स्वास्थ्य, परिवार एवं बच्चे, आपदा प्रबंधन, वृद्ध सेवा, लिंग अध्ययन, मानव संसाधन प्रबंधन, निगमित सामाजिक दायित्व, व्यावसायिक सामाजिक कार्य एवं विकलांग सामाजिक कार्य

**शैक्षिक दृष्टिकोण**

एम.एस. डब्ल्यू पाठ्यक्रम सामुदायिक विकास, मानव संसाधन प्रबंधन एवं चिकित्सा व मनोचिकित्सा सामाजिक कार्य एवं परिवार व शिशु कल्याण में विशेष अध्ययन की सुविधा प्रदान करता है। एम.एस. डब्ल्यू के विद्यार्थी, कक्षा आधारित शिक्षण के अलावा विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठनों, उद्योगों व अस्पतालों में सहयोगी एवं ब्लॉक फील्डवर्क में भाग लेंगे। इस व्यावहारिक प्रशिक्षण से विद्यार्थी व्यावसायिक सामाजिक कार्य कौशल, मूल्य एवं नैतिक ज्ञान प्राप्त करेंगे।

**अनिवार्य कार्य अभिमुखीकरण**

- एम.एस. डब्ल्यू प्रथम वर्ष के विद्यार्थी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने के तुरंत बाद सामाजिक कार्य व्यवसाय हेतु अभिप्रेरित किये जायेंगे। कार्यक्रम की अवधि 10 दिन होगी। अभिमुखीकरण कार्यक्रम में उपस्थिति अनिवार्य है।
- एम.एस. डब्ल्यू पाठ्यक्रम में सहयोगी एवं ब्लॉक फील्डकार्य, ग्रामीण शिविर, अध्ययन दौरा, विस्तार कार्य शामिल हैं, जो सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य हैं। विद्यार्थियों को उपरोक्त फील्ड गतिविधियों के व्यय- वहन स्वयं करना होगा।

**रोजगार**

सामाजिक कार्य के स्नातकों के लिए विभिन्न क्षेत्रों – विकास, सरकार, सार्वजनिक क्षेर, स्वास्थ्य, निगमित, एवं राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय निधीयन अभिकरणों में रोजगार की भारी संभावनाएँ हैं। हमारे विद्यार्थियों को भारत डाईनामिक्स लिमिटेड, बी.एच.ई.एल, कैटरपिल्लर, आई सी डी एस, टी सी एस, फोर्ड, हेल्पेज इंडिया, इस्रो, इंटेलिजेंस ब्यूरो, जे आई पी एम ई आर, एन.आई.एम.एच.ए.एन.एस जैसे अग्रणी संगठनों में रोजगार प्राप्त है।

**संकाय**

**आचार्य व अध्यक्ष**

**आर. नलिनी**, **पीएच.डी** (दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

विशेष अध्ययन: सामाजिक कार्य एवं कार्यस्थल, निगमित सामाजिक दायित्व, सामाजिक कार्य अनुसंधान, लिंग व कार्य, महिला एवं विकलांग, शैक्षणिक संस्थानों में सामाजिक कार्य

**आचार्य**

**ए शहीन सुल्ताना**, **पीएच.डी** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेष अध्ययन: चिकित्सा व मनोचिकित्सा सामाजिक कार्य, परिवार व बच्चों के साथ सामाजिक कार्य, शिशु सेवा व विकास, व्यक्तिगत समाज कार्य एवं परामर्श, विद्यालय समाज कार्य, समाज नीति एवं समाज कल्याण प्रशासन, महिला व युवा कल्याण

**सह-आचार्य**

के. अन्बु, पीएच.डी. (भारतीयार विश्वविद्यालय, कोयंबत्तूर)

विशेष अध्ययन: सामाजिक कार्य एवं कार्यस्थल, मानव संसाधन प्रबंधन, औद्योगिक संबंध, सामुदायिक सामाजिक कार्य, किशोर व युवा के साथ सामाजिक कार्य, सामाजिक कार्य अनुसंधान

**सहायक आचार्य**

**सी सतीश कुमार**, **पीएच.डी** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेष अध्ययन: सामुदायिक विकास, तटीय क्षेत्र प्रबंधन संबंधी मानव आयाम, शिशु व पर्यावरण

**पी.बी. शंकर नारायण**, **पीएच.डी** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुचेरी)

विशेष अध्ययन: मानव संसाधन प्रबंधन, श्रम कल्याण एवं श्रम कानून, आपदा प्रबंधन, एच आई वी/एड्स के क्षेत्र में सामाजिक कार्य, लिंगभेद एवं एलजीबीटी

**इफ्तेखार आलम**, **पीएच.डी** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुचेरी)

विशेष अध्ययन: वृद्धावस्था संबंधी सामाजिक कार्य, आजीविका संवर्धन, सामाजिक उद्यमिता एवं सामुदायिक विकास

# इतिहास विभाग
## सामाजिक विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विद्यापीठ

इतिहास विभाग की स्थापना निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ दिसंबर 1987 में हुई:

- भारत के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक इतिहास में अध्ययन एवं शोध की सुविधा प्रदान करना
- भारत की बौद्धिक परंपरा व सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करना
- भारत के अलावा अन्य देशों के इतिहास की खोज करना
- इतिहास लेखन एवं इतिहास दर्शन का अध्ययन कराना
- ऐतिहासिक लेखन के सिद्धांत एवं व्यवहार का ज्ञान प्रदान करना

**अध्ययन कार्यक्रम**

**एम.ए.** इतिहास
**एम.ए.** इतिहास (5 वर्ष एकीकृत)
**पीएच.डी.** इतिहास

**प्रवेश परीक्षा**

**एम.ए.** इतिहास (2 वर्ष):

स्नातक स्तर पर 2 घंटे की प्रवेश परीक्षा के आधार पर उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। प्रश्नपत्र में भारत के प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास के संबंध में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न देकर विद्यार्थियों के व्यापक ज्ञान की जाँच की जाएगी।

**एम.ए.** इतिहास (5 वर्ष एकीकृत):

+2 स्तर पर दो घंटे की प्रवेश परीक्षा के आधार पर उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। प्रश्नपत्र में सामाजिक विज्ञान विषय से संबंधित 100 बहुविकल्पीय प्रश्न दिये जायेंगे।

**पीएच.डी** इतिहास(पूर्णकालिक):

सनातकोत्तर स्तर पर 2 घंटे की अवधि की प्रवेश परीक्षा के आधार पर उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। प्रश्नपत्र में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जिससे विद्यार्थियों की ऐतिहासिक विश्लेषण क्षमता एवं समीक्षात्मक अध्ययन तथा इतिहास लेखन की गहरी जानकारी, भारत के इतिहास एवं भारत के पुरातत्व विज्ञान की जाँच की जाएगी।

**आधारभूत संरचनात्मक सुविधाएँ**

विभाग, आई.सी.टी. एकीकृत अध्यापन हेतु स्मार्ट क्लास रूम की सुविधा से लैस है। विभाग में एल सी डी प्रोजेक्टर, पब्लिक एड्रस सिस्टम्स आदि जैसे सभी अत्याधुनिक उपकरण हैं। श्यामपट्ट के अलावा पॉवरपाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से भी अध्यापन किया जाता है। विद्यार्थियों को समूह-चर्चा एवं वैयक्तिक संगोष्ठियों के माध्यम से संप्रेषण कौशल बढ़ाने हेतु अभिप्रेरित किया जाता है। पुरातात्विक, पुरालेख एवं ऐतिहासिक विवरण संग्रहण, विश्लेषण एवं रिपोर्ट लेखन में अद्यतन सर्वेक्षण एवं खनन उपस्कर उपयोग में लाये जाते हैं। विश्वविद्यालय में विभाग के विद्यार्थियों के लिए पूर्ण रूप से लैस कंप्यूटर प्रयोगशाला की केंद्रीकृत सुविधा उपलब्ध है, जो अतिरिक्त मूलसंरचनात्मक सुविधा है।

**आमंत्रित व्याख्यान एवं फील्ड ट्रिप**

विभाग द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ आयोजित की जाती हैं और इतिहास के चयनित विषयों पर उच्च ज्ञान प्रदान कराने के उद्देश्य से पूरे शैक्षणिक वर्ष के दौरान प्रतिष्ठित विद्वानों को व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया जाता है। प्रतिवर्ष समीपवर्ती महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विद्यार्थियों द्वारा फील्ड ट्रिप कराये जाते हैं। विभाग के विद्यार्थियों को भारत के विभिन्न हिस्सों में महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के इतिहास विभागों और भारत के पुरातात्विक सर्वेक्षण एवं राज्य के पुरातत्व विज्ञान एवं संग्रहालय विभागों में अध्यापकों के रूप में रोजगार के अवसर प्रदान होते हैं।

**एसएपीडीआरएस- चरण II**

विभाग की स्थापना विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विशेष सहयोग कार्यक्रम के अधीन की गयी और अभी चरण II में है। डी.आर.एस II में ध्यानकेद्रित क्षेत्र 'कोरोमंडल और मालाबार तट )औपनिवेशिक काल के प्रारंभिक ऐतिहासिक काल( के संदर्भ में भारत और भारत महासागर' है।

**संकाय**

**आचार्य**

**वेंकट रघोत्तम**, **पीएच.डी** (हवाई विश्वविद्यालय, होनोलूलु)

विशेष अध्ययन: दक्षिण भारत का मध्यकालीन इतिहास, इतिहास लेखन, मध्यकालीन इतिहास

**के राजन**, **पीएच.डी** (मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर)

विशेष अध्ययन: दक्षिण भारत पुरातत्व विज्ञान, कार्य-क्षेत्रगत पुरातत्व विज्ञान, प्रारंभिक ऐतिहासिक पुरातत्व शास्त्र एवं भारतीय पुरालेख

**जी चंद्रिका**, **पीएच.डी** (अन्नामलै विश्वविद्यालय, अन्नामलै नगर)

विशेष अध्ययन: आधुनिक इतिहास, आधुनिक भारत का बौद्धिक इतिहास, इतिहास लेखन एवं महिला इतिहास

**आचार्य एवं अध्यक्ष**

के वेणुगोपाल रेड्डी, पीएच.डी (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

विशेष अध्ययन: आधुनिक इतिहास, भारत का आर्थिक इतिहास, भारत का राष्ट्रीय आंदोलन एवं श्रम इतिहास

**आचार्य**

**एन चंद्रमौली**, **पीएच.डी** (तेलुगु विश्वविद्यालय, हैदराबाद)

विशेष अध्ययन: भारत का प्राचीन इतिहास, कार्य-क्षेत्रगत पुरातत्व विज्ञान, दक्षिण भारत का पुरातत्व विज्ञान, भारत की प्रस्तर कला, भारत का मुद्राशास्त्र एवं भारतीय पुरालेख

**सहायक आचार्य**

**पाओखोलाल हाओकिप**, **पीएच.डी** (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

विशेष अध्ययन: आधुनिक इतिहास, विदेशी दास व्यापार, प्रवासी अध्ययन, उत्तर पूर्व भारत और उत्तर पश्चिम बर्मा और नरसंहार अध्ययन का औपनिवेशिक इतिहास

## राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विभाग

## सामाजिक विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विद्यापीठ

विभाग की प्रमुख विशेषताएँ निम्नवत हैं:

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विशेष सहायक कार्यक्रम डी आर एस-II स्तर
- प्रतिष्ठित विदेशी और भारतीय विश्वविद्यालयों के समन्वय से कार्यक्रमों का आयोजन
- संगोष्ठियों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं व पुनश्चरण कार्यक्रमों के माध्यम से प्रतिष्ठित भारतीय व विदेशी विद्वानों के साथ विचार-विमर्श
- अंतर्राष्ट्रीय संबंधों, सामान्यत: विषय क्षेत्र एवं खासकर दक्षिण एशिया अध्ययन के क्षेत्रों में शिक्षण व शोध को बढ़ावा
- भारत के विदेश और सुरक्षा नीतियों के निर्माताओं के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की सैद्धांतिक समझ के लिए नीतिगत इनपुट
- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साउथ एशियन स्टडीज शीर्षक से सारगर्भित पत्रिकाओं का प्रकाशन
- विभाग में शिक्षण एवं शोध कार्यक्रमों के ध्यानकेंद्रित क्षेत्रों में सारगर्भित पुस्तिकाओं का प्रकाशन

**अध्ययन कार्यक्रम**

**एम.ए.** राजनीति व अंतर्राष्ट्रीय संबंध (2 वर्ष)
**एम.ए.** राजनीति विज्ञान (2 वर्ष)
**एम.ए.** राजनीति विज्ञान (5 वर्ष एकीकृत)
**पीएच.डी** राजनीति व अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन (पूर्णकालिक व अंशकालिक (आंतरिक व बाह्य))
**स्नातकोत्तर डिप्लोमा- मानव अधिकार** (एड-ऑन)

**प्रवेश परीक्षा**

**एम.ए. राजनीति व औद्योगिक संबंध** (दो वर्ष)

चयन प्रवेश परीक्षा के आधार पर होगा, जिसमें समकालीन अंतर्राष्ट्रीय संबंध (50), भारतीय इतिहास व राजनीति (25), राजनीति सिद्धांत और विचार (25) से 100 बहुविकल्पीय प्रश्न दिये जायेंगे।

**एम.ए. राजनीति विज्ञान** (दो वर्ष)

स्नातक स्तर पर दो घंटे की अवधि की प्रवेश परीक्षा के आधार पर चयन किया जाएगा। प्रश्नपत्र में भारतीय राजनीति (50), अंतर्राष्ट्रीय राजनीति (25), राजनीतिक विचार और सिद्धांत एवं सामयिक मामलों (25) से 100 बहुविकल्पीय प्रश्न दिये जायेंगे।

**एम.ए. राजनीति विज्ञान** (पाँच वर्ष एकीकृत)

प्रश्न पत्र में सामान्य ज्ञान, अंग्रेजी भाषा के सामान्य ज्ञान, समाज विज्ञान एवं तर्कशक्ति विषयों से 100 बहुविकल्पीय प्रश्न दिये जायेंगे।

**पीएच.डी कार्यक्रम** : उक्त कार्यक्रम में अभ्यर्थियों का चयन दो घंटे की अवधि की प्रवेश परीक्षा के आधार पर होगा। प्रश्नपत्र में अंतर्राष्ट्रीय संबंध (35), भारतीय राजनीति (35), राजनीति सिद्धांत एवं विचार (15) शोध प्रविधि (15) विषयों से स्नातक परीक्षा के स्तर पर 100 बहुविकल्पीय प्रश्न दिये जायेंगे।

**शिक्षण व शोध के ध्यानकेंद्रित क्षेत्र :**

भारत की विदेश एवं सुरक्षा नीति, भारतीय राजनीति प्रणाली, राजनीति सिद्धांत, राजनीतिक अर्थव्यवस्था का विकास, लोक प्रशासन, दक्षिण एशियाई सहयोग एवं शांति तथा विवाद समाधान विषयों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

**आधारभूत संरचना की सुविधाएँ :**

विभाग के पास संवादपरक कक्षाओं, स्मार्ट क्लास रूम और शिक्षण संबंधी अन्य सहायक सामग्री सहित बेहतर आधारभूत संरचना की सुविधाएँ हैं, जो शिक्षकों और छात्रों को शैक्षणिक उत्कृष्टता की प्राप्ति एवं विकास में सहयोग प्रदान करती हैं।

**संकाय**

**आचार्य एवं अध्यक्ष**

**मोहनन् भास्करन् पिल्लै, पीएच.डी** (केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेंद्रम)

विशेष अध्ययन: भारत की विदेश नीति, दक्षिण एशियाई अध्ययन, राजनीतिक सिद्धांत, विकास अध्ययन, शोध प्रविधि

**आचार्य**

**पी मूर्ती, पीएच.डी** (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

विशेष अध्ययन: शांति, नि:शस्त्रीकरण, विज्ञान व प्रौद्योगिकी, राष्ट्र निर्माण व मानव संसाधन प्रबंधन

**पी लाजरस सम्राज, पीएच.डी** (अन्नामलै विश्वविद्यालय)

विशेष अध्ययन: भारत-संयुक्त राष्ट्र अमेरीकी संबंध, आतंकवाद, भारत सरकार व राजनीति

**सह-आचार्य**

**एन के कुमारेशन राजा, पीएच.डी** (मद्रास विश्वविद्यालय) (असाधारण छुट्टी पर)

विशेष अध्ययन: लोक प्रशासन, सार्वजनिक नीति व अभिशासन एवं भूमि प्रशासन

**सहायक आचार्य**

**जी रोज, एम.फिल.** (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

विशेष अध्ययन: अंतर्राष्ट्रीय संगठन, अंतर्राष्ट्रीय संबंध सिद्धांत

**प्रमोद कुमार पीएच.डी** (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

विशेष अध्ययन: केंद्रीय एशियाई व रूसी अध्ययन, ऊर्जा संरक्षा एवं निरंतर विकास

# यूरोपीय अध्ययन केंद्र
## सामाजिक विज्ञान व अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विद्यापीठ

**शिक्षण और अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र** :

पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के यूरोपीय अध्ययन केंद्र के पास मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पहल की वित्तपोषित अनुसंधान परियोजना योजना एस.पी.ए.आर.सी.(शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग- संवर्धन- योजना) है, जो भारत और वैश्विक स्तर के शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों को अकादमिक व अनुसंधान सहयोग के अवसर प्रदान करती है। लॉज़ेन विश्वविद्यालय, स्विट्जरलैंड और फ्रांस के पेरिस 13 विश्वविद्यालयों के सहयोग से "विकास लक्ष्य तैयार करने, कार्ययोजना व कार्यनीति बनाने हेतु : भारत व यूरोप के बीच चर्चा" पर एक संयुक्त शोध परियोजना का आरंभ किया गया है। भारत के तुलनात्मक इनपुट से यूरोपीय संघ के चुनिंदा देशों के इस सहयोगात्मक अनुसंधान के महत्वपूर्ण क्षेत्र निम्नलिखित हैं:

- लैंगिकता और सतत विकास
- लैंगिकता व अभिशासन का बेहतर अभ्यास
- सार्वजनिक नीति पहल
- विदेश नीति पहल
- संवैधानिक और कानूनी ढांचे
- बहुराष्ट्रीय लैंगिकता एवं मानव अधिकार

**अध्ययन के कार्यक्रम**

**पीएच.डी** यूरोपीय अध्ययन

**प्रवेश परीक्षा**

**पीएच.डी** हेतु , प्रश्न पत्र में अंतर्राष्ट्रीय संबंध, यूरोपीय इतिहास, यूरोपीय विदेश नीति, यूरोपीय राजनीति, यूरोपीय अर्थव्यवस्था, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के वर्तमान मामलों, अनुसंधान पद्धति और सामान्य अंग्रेजी के 100 बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल होंगे।

**केंद्र का उद्देश्य**

- सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक व्यवधानों और रणनीतिक विशिष्टताओं सहित यूरोप की समग्र समझ को बढ़ावा देना
- यूरोपीय अध्ययन की गतिविधियों का केंद्र तैयार करना
- सिद्धांत और नीति उन्मुख अध्ययन और अनुसंधान का अनुसरण करना

**केंद्र का दृष्टिकोण**

- भारत में यूरोपीय अध्ययन हेतु उत्कृष्ट केंद्र बनना
- अंतर्विद्यावर्ती शिक्षण व अनुसंधान हेतु मंच प्रदान करना
- भारत एवं यूरोप में यूरोपीय अध्ययन केंद्रों के साथ नेटवर्क विकसित करना
- भारत में यूरोपीय संघ की दृश्यता बढ़ाना

**आधारभूत संरचना की सुविधाएँ :**

अकादमिक उत्कृष्टता के अंवेषण में शिक्षकों व छात्रों सहायता हेतु इस केंद्र में एल सी डी और अन्य शिक्षण सहायक सामग्री की अच्छी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

**प्रलेखन केंद्र**

केंद्र में प्रलेखन केंद्र का उद्घाटन 3 मार्च 2014 को केंद्र द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर किया गया था । यहाँ छात्रों, स्कॉलरों व संकाय सदस्यों के उपयोगार्थ यूरोपीय अध्ययन से जुड़े कई पहलुओं और भारत-यूरोपीय संघ के संबंधों पर पुस्तकें और दस्तावेज हैं।

**संकाय**

**प्रो जी चंद्रिका,** प्रभारी यूरोपीय अध्ययन केंद्र और मुख्य अन्वेषक, एस.पी.ए.आर.सी

**डॉ पाखोलाल हाओकिप** सह-प्रधान अन्वेषक, एस.पी.ए.आर.सी

## यूनेस्को मदनजीत सिंह दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संस्थान और दक्षिण एशियाई अध्ययन केंद्र
## सामाजिक विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विद्यापीठ

विश्वविद्यालय ने ग्यारहवीं योजना के दौरान शैक्षणिक वर्ष 2008-2009 के समय देश में पहली बार दक्षिण एशियाई अध्ययन केंद्र में दक्षिण एशियाई अध्ययन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एम.ए.) शुरू किया। 2008 से, दक्षिण एशिया फाउंडेशन (एस.ए.एफ) इस पाठ्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए मदनजीत सिंह ग्रुप (एम.एस.जी.) के माध्यम से 16 छात्रवृत्तियों के रूप में छात्रों को (प्रत्येक सार्क देश से दो- एक पुरुष, एक महिला) केंद्र को समर्थन मिल रहा है। पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय में दक्षिण एशियाई अध्ययन में शिक्षण और अनुसंधान को यूनेस्को मदनजीत सिंह दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संस्थान )MISARC) की स्थापना के लिए 20 जून, 2009 को पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय और एस.ए.एफ. के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने से बड़ी सहूलियत मिली है। वर्ष 2010 में, संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के मदनजीत सिंह दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संस्थान सहित एस.ए.एफ. द्वारा स्थापित उत्कृष्टता के सभी संस्थानों के साथ जुड़ने के लिए सहमति व्यक्त की। इसलिए, अब इसे यू.एम.आई.एस.ए.आर.सी. (यू यानी यूनेस्को) के रूप में नाम दिया गया है। इस प्रकार संस्थान वास्तव में अब वैश्विक हो गया है।

---

भारत के तत्कालीन प्रधान मंत्री डॉ.मनमोहन सिंह ने 29 जून 2012 को सार्क देशों के बीच शांति और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए संस्थान उद्घाटित व समर्पित किया। दक्षिण एशियाई अध्ययन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम के पाठ्यक्रम को अंतर्विद्यावर्ती दृष्टिकोण से दक्षिण एशियाई इतिहास, समाज, संस्कृति, अर्थव्यवस्था, शासन और राजनीति आदि का अत्याधुनिक ज्ञान प्रदान करने के लिए विशिष्ट रूप से डिजाइन किया गया है। छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे न केवल दक्षिण एशिया के विषय में विवादास्पद मुद्दों को समझने के लिए ज्ञान का व्यापक आधार विकसित करें, बल्कि उनके समाधान और अपने क्षेत्र में शांति और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक समग्र परिप्रेक्ष्य तैयार करें। यह संस्थान इंटरनेशनल एशियन जर्नल ऑफ साउथ एशियन स्टडीज के प्रकाशन के साथ-साथ विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा, प्रख्यात विद्वानों, राजनयिकों और नीति निर्माताओं, आदि से नियमित अतिथि व्याख्यान कराता है और परिष्कृत शैक्षिक बहस के लिए एक व्यापक शोध मंच प्रदान करता है। यह संस्थान शैक्षणिक वर्ष 2010-11 से पीएच.डी कार्यक्रम संचालित कर रहा है।

**अध्ययन के कार्यक्रम**

**एम. ए.** एशियन एशियन स्टडीज
**पीएच.डी** . दक्षिण एशियाई अध्ययन

- **प्रवेश परीक्षा :**
  दक्षिण एशियाई अध्ययन **एम. ए.** हेतु, प्रश्न पत्र में समकालीन दक्षिण एशियाई समाज, संस्कृति, राजनीति, अर्थव्यवस्था और विदेश नीति आदि क्षेत्रों से बहुविकल्पीय 100 प्रश्न होंगे।
  **पीएच.डी** हेतु, प्रश्न पत्र में समकालीन अंतरराष्ट्रीय और दक्षिण एशियाई मामलों, राजनीतिक प्रणालियों, अर्थव्यवस्था, इतिहास और दक्षिण एशियाई देशों की विदेश नीति और अनुसंधान पद्धति के क्षेत्रों से 100 बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल होंगे।

**शिक्षण और अनुसंधान के ध्यान केंद्रित क्षेत्र**

राजनीतिक चिंतन, अंतर्राष्ट्रीय संबंध सिद्धांत, समकालीन अंतर्राष्ट्रीय संबंध, दक्षिण एशिया में सरकार और राजनीति, दक्षिण एशियाई देशों की विदेश नीति, दक्षिण एशिया में दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग, शांति, स्थिरता और सुरक्षा, वैश्विक मामलों के साथ-साथ दक्षिण एशिया में आर्थिक विकास, समाज, संस्कृति और दक्षिण एशिया का इतिहास।

**संस्थान के उद्देश्य**

- लैंगिक समानता के आधार पर भारतीय छात्रों सहित दक्षिण एशियाई छात्रों को यात्रा, आवास और ट्यूशन फीस सहित कम से कम 16 पूर्णत: भुगतान की जाने वाली एम.ए.स जी छात्रवृत्ति प्रदान करना।

- छात्रों को साधन-सह-योग्यता आधारित छात्रवृत्ति।
- निधियों की उपलब्धता के आधार पर पीएच.डी हेतु अनुसंधान-अध्येतावृत्ति प्रदान करना।
- प्रतिष्ठित विदेशी और भारतीय विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग और विनिमय कार्यक्रम।
- सेमिनारों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं और व्याख्यान श्रृंखलाओं के माध्यम से प्रतिष्ठित भारतीय और विदेशी विद्वानों के साथ मेलजोल।
- दक्षिण एशियाई अध्ययन और कला एवं साहित्य के सांस्कृतिक विषयों हेतु विशेष, बड़ा पुस्तकालय।
- देश व विदेश में दक्षिण एशियाई अध्ययन के अन्य केंद्रों के साथ नेटवर्किंग के माध्यम से दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय सहयोग पर अनुसंधान के लिए एक केंद्र बनाना।
- प्रतिभावान लेखकों, संगीतकारों, नृत्य कलाकारों एवं अन्य कलाकारों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक विकास को बढ़ाना।
- शांति, क्षेत्रीय सहयोग और विकास को बढ़ावा देने के लिए विशेषत: भारत और सामान्यत: दक्षिण एशियाई देशों के नीति निर्माताओं को नीतिगत इनपुट प्रदान करना।

**आधारभूत संरचना की सुविधाएँ**

हमारे संस्थान में इंटरनेट कनेक्शन से युक्त कंप्यूटर प्रयोगशाला (28 सिस्टम), एल.सी.डी. प्रोजेक्टर आदि के साथ अच्छी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध हैं, ताकि शिक्षकों और छात्रों को अकादमिक उत्कृष्टता हासिल करने में मदद मिल सके। संस्थान में अत्याधुनिक ऑडियो-विज़ुअल सुविधाओं से लैस और अच्छी तरह से सुसज्जित क्लास रूम, ऑडिटोरियम और सेमिनार हॉल के साथ-साथ एक वातानुकूलित भव्य यू.एम.आई.एस.ए.आर.सी. का भवन है। संस्थान ने शिक्षकों, शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए एक अलग पुस्तकालय विकसित किया है, ताकि वे केंद्रीय पुस्तकालय के साथ-साथ इस पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं का भी उपयोग कर सकते हैं।

**एम.एस.जी. अध्येतावृत्ति हेतु भारतीय छात्रों का चयन**

- विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के आधार पर भारतीय छात्रों का चयन होगा।
- केंद्र किसी भी समय अध्येतावृत्ति की समाप्ति का अधिकार रखता है।
- अध्येतावृत्ति की निरंतरता का निर्णय छात्र के अनुशासन, उपस्थिति, शैक्षणिक गतिविधियों और समग्र आचरण प्रदर्शन के आधार पर लिया जाएगा ।

**संकाय सदस्य**

**आचार्य और केंद्र-अध्यक्ष:**

**ए सुब्रमण्यम राजू, पीएच.डी** (हैदराबाद विश्वविद्यालय)

*विशेषज्ञता:* दक्षिण एशियाई राजनीति और सुरक्षा के मुद्दे, व्यापक सुरक्षा, समुद्री और ऊर्जा सुरक्षा मुद्दे, भारत-अमेरिका और भारत-श्रीलंका संबंध।

**सह – आचार्य**

**डी पुरुषोत्तमन्, पीएच.डी** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय)

*विशेषज्ञता:* दक्षिण एशिया में संस्कृति व सुरक्षा मुद्दे/दक्षिण एशिया में भारत-नेपाल संबंध/जलवायु परिवर्तन।

**सहायक आचार्य**

**सन्तोष मैथ्यू, पीएच.डी**, (महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम)

*विशेषज्ञता:* अंतर्राष्ट्रीय संगठन, राजनीतिक अर्थव्यवस्था, तुलनात्मक राजनीति।

**एस आई हुमायूँ, पीएच.डी** (मद्रास विश्वविद्यालय)

*विशेषज्ञता:* दक्षिण एशिया में गैर-पारंपरिक सुरक्षा मुद्दे, समुद्री सुरक्षा मामले।

## विश्व विद्यालय अनुदान आयोग केंद्र, दक्षिणी एशिया अध्ययन

## सामाजिक विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विद्यापीठ

जून 2005 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के क्षेत्रीय अध्ययन कार्यक्रम के तहत स्वीकृत, यह केंद्र पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विद्यापीठ की अकादमिक इकाई के रूप में कार्य करता है। यह केंद्र दक्षिणी एशिया सहित दक्षिणी एशिया, पूर्वी एशिया के कुछ हिस्सों और दक्षिण-पूर्व एशिया से संबंधित शैक्षणिक गतिविधियों और अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करता है जो मलक्का की खाड़ी के होर्मुज और जलडमरूमध्य के बीच का क्षेत्र है। अपने कार्यक्रमों के निर्माण और समन्वय में, केंद्र विश्वविद्यालय के कुलपति की अध्यक्षता वाले एक अंत:विषयी सलाहकार समिति की देखरेख में संचालित होता है।

**उद्देश्य :**

अध्ययन के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक और रणनीतिक क्षेत्र के आयामों की व्यापक समझ को बढ़ावा देना। भारत के आर्थिक, सामरिक और राजनीतिक हितों को आगे बढ़ाने वाली नीतियों को तैयार करने में नीति नियोजकों के लिए महत्वपूर्ण रूप से महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करना; और क्षेत्रों के बीच मुद्दों और समस्याओं के तुलनात्मक अध्ययन पर जोर देने के साथ अनुसंधान को बढ़ावा देना।

**अध्ययन के कार्यक्रम**

**पीएच.डी** दक्षिणी एशिया अध्ययन

# महिला अध्ययन केंद्र
## सामाजिक विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विद्यापीठ

जुलाई 1999 में स्थापित यह केंद्र, महिला अध्ययन में पीएच.डी कार्यक्रम संचालित करता है। समग्रत: इस केंद्र में महिला अध्ययन का दृष्टिकोण बहु-विषयी है। केंद्र का मुख्य उद्देश्य हर क्षेत्र में महिलाओं के मुद्दों के प्रति एक महत्वपूर्ण जागरूकता और संवेदनशीलता का निर्माण करना है। **इस पाठ्यक्रम में लैंगिक भेदभाव के बिना सभी छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।** इस लैंगिक अध्ययन हेतु एक सम्यक दृष्टिकोण परिकल्पित है, जिससे महिलाओं के शैक्षणिक विकास और सशक्तीकरण की भावना मजबूत होती है और जो महिला सशक्तीकरण की परिभाषा में अंतर्निहित प्रमुख उद्देश्य महिलाओं को आगे बढ़ाना एवं समाज में उन्हें उचित स्थान दिलाने के सापेक्ष है।

**अध्ययन कार्यक्रम**

**एम.ए.** महिला अध्ययन

**पीएच.डी** महिला अध्ययन (पूर्णकालिक और अंशकालिक) (आंतरिक व बाहरी)

- **प्रवेश परीक्षा**

**एम.ए.:** एम.ए. महिला अध्ययन की प्रवेश परीक्षा में सामान्य रूप से महिलाओं के मुद्दों पर 100 बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल होंगे।

**पीएच.डी:** पीएच.डी कार्यक्रम की प्रवेश परीक्षा में 100 बहु विकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे। यह स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षा है। अभ्यर्थियों को सामान्य रूप से महिला अध्ययन के परिप्रेक्ष्य व महिलाओं के सामान्य मुद्दों की अच्छी समझ होना आवश्यक है। उनसे नारीवादी सिद्धांत और नारीवादी अनुसंधान पद्धति से सामान्य परिचय की अपेक्षा की जाती है।

**अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र**

- महिला सशक्तीकरण
- लिंगभेद निर्मूलन
- नारीवादी सिद्धांत और उनका अनुप्रयोग
- महिला केंद्रित पहल
- महिलाओं को हाशिए पर रखने वाले सामाजिक-सांस्कृतिक कारक
- महिलाओं हेतु/के कानूनी अधिकार
- इतिहास में महिलाओं की भूमिकाओं का पुनर्गठन
- लैंगिक रूढ़िवादिता
- मीडिया में महिलाओं का प्रतिनिधित्व
- महिलाओं के प्रति हिंसा
- भारतीय महिलाओं के मुद्दे
- महिलाएँ और कार्य
- महिला व प्रकृति, पारिस्थितिकीपरक-नारीवादी दृष्टिकोण

**सुविधाएँ :**

केंद्र में सीखने व अनुसंधान हेतु माहौल तथा सुविधाएं हैं। विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के अलावा, केंद्र में शिक्षण और सीखने हेतु आवश्यक जैसे कंप्यूटर, एल सी डी प्रोजेक्टर, ऑडियो-विज़ुअल आदि सुविधाएं हैं।

**संकाय**

**सह आचार्य एवं अध्यक्ष (प्रभारी)**

**सी अरुणा, पीएच.डी** (भारतीयार विश्वविद्यालय, कोयंबत्तूर)

*विशेषज्ञता:* लैंगिक अध्ययन, वृद्ध-विज्ञान, सामाजिक नेटवर्क

**सहायक आचार्य**

**आशिता, पीएच.डी** (बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी)

*विशेषज्ञता:* नारीवादी सिद्धांत, तीसरी दुनिया में नारीवाद, लैंगिक अध्ययन।

# सामाजिक बहिष्कार और समावेश नीति अध्ययन केंद्र
# सामाजिक विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विद्यापीठ

अपनी स्थापना, 2009 के बाद से पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय का सामाजिक बहिष्कार और समावेशी नीति अध्ययन केंद्र शिक्षण, अनुसंधान व विस्तार की गतिविधियों को संचालित करने में सक्रिय है। दसवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान इस केंद्र की परिकल्पना व स्थापना शिक्षण और अनुसंधान के माध्यम से विषमताओं और भेदभाव से तैयार की गयी असमानताओं में प्रतिनिधित्व द्वारा सुधारने के लिए स्वयं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा किया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने दसवीं पंचवर्षीय योजना के दिशा-निर्देशों में इन केंद्रों की स्थापना के क्रम में यह माना कि इस तरह की विषम संरचनाएँ 'हमारे समाज की व्यापक विशेषता रही हैं' जो विशेष रूप से भारी तादाद में हासिए पर पड़ी आबादी के बहिष्कार को बढ़ावा देती हैं। इस सामाजिक बहिष्कार और समावेशी नीति अध्ययन केंद्र का लक्ष्य सिद्धांत और नीति के सहयोग से सामाजिक बहिष्कार और प्रचोदन की जांच करके लोकतांत्रिक प्रक्रिया में योगदान देना है। इस शैक्षणिक वर्ष 2019-20 में केंद्र ने अपने लक्ष्य को और आगे ले जाते हुए मानवाधिकार और समावेशी नीति और सामाजिक विज्ञान के एक नये अंतर्विद्यावर्ती स्नातकोत्तर कार्यक्रम की शुरुआत की है । मानवाधिकार और समावेशी निति में एम.ए. केंद्र तथा विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निकायों जो मानवाधिकारों की रक्षा करते हैं और समावेशी नीति को बढ़ावा देते हैं- की अपेक्षाओं के अनुरूप है।

- **अध्ययन कार्यक्रम**

  **एम. ए.** मानवाधिकार व समावेशी नीति

  **पीएच.डी** स्नातकोत्तर अनुशासन में )सामाजिक बहिष्कार व समावेशी नीति की विशेषज्ञता के साथ)

- **प्रवेश परीक्षा**

  **एम. ए. मानवाधिकार एवं समावेशी नीति (2 वर्षीय( हेतु** :

  अभ्यर्थियों का चयन 2 घंटे की अवधि और 100 बहुविकल्पीय प्रश्न वाली अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के आधार पर किया जाएगा। इस परीक्षा में मानवाधिकार से जुड़े विशेष मुद्दों पर सामान्य ज्ञान के प्रश्न पूछे जाएंगे।

  **पीएच.डी हेतु :** प्रवेश परीक्षा में अनुसंधान पद्धति, नृ-विज्ञान व समाजशास्त्र के सिंद्धांत और स्नातकोत्तर स्तर के समाजशास्त्रीय और नृ-विज्ञान सिद्धांतों पर 100 बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल होंगे।

  **आधारभूत संरचना की सुविधाएँ:** केंद्र में छात्र व स्कॉलरों हेतु मुफ्त व अच्छी इंटरनेट सुविधा उपलब्ध हैं।

  **संकाय**

  **सहायक आचार्य और केंद्र अध्यक्ष (प्रभारी)**

  **तनूजा मुम्मिडी, पीएच.डी**. )मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै(

  *विशेषज्ञता:* नृविज्ञान - आर्थिक और पारिस्थितिक नृविज्ञान की अवधारणा; अनुसूचित जनजाति- अधिकारों और विकास नीति के मुद्दे।

  **सहायक आचार्य**

  **ए. चिदंबरम, पीएच.डी.** )भारतियार विश्वविद्यालय, कोयंबत्तूर(

  *विशेषज्ञता:* सामाजिक कार्य - सामुदायिक विकास; विकलांगता और शिक्षा; पुन:उत्पादक बाल स्वास्थ्य।

# विश्वविद्यालय अनुदान आयोग महासागर अध्ययन केंद्र
# सामाजिक विज्ञान व अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विद्यापीठ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग महासागर अध्ययन केंद्र सेंटर फॉर मैरीटाइम स्टडीज )सी.एम.एस.( की स्थापना शैक्षणिक वर्ष 2014-15 के दौरान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अपने क्षेत्रीय अध्ययन कार्यक्रम के तहत की गयी थी। भारत के नये समुद्री उद्देश्यों को पूरा करने के उद्देश्य से सी.एम.एस. प्रासंगिक नीतियों और तंत्रों की निगरानी करता है। सी.एम.एस. महासागर अध्ययन में पीएच.डी एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स का संचालन करता है।

- **अध्ययन कार्यक्रम**

  **पीएच.डी** महासागर अध्ययन

  **स्नातकोत्तर डिप्लोमा** महासागर अध्ययन में )एड-ऑन(

  **प्रमाण-पत्र कोर्स** महासागर अध्ययन में )एड-ऑन)

- **प्रवेश परीक्षा :** पीएच.डी हेतु प्रश्न पत्र में अंतर्राष्ट्रीय संबंध, विदेश नीति, महासागर अध्ययन मामले एवं अनुसंधान प्रविधि से जुड़े 100 बहुविकल्पिय प्रश्न होंगे।

**उद्देश्य**

भारत के राष्ट्रीय हितों के मद्देनजर यह केंद्र निम्नलिखित क्षेत्रों पर अनुसंधान, शिक्षण और अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देता है। भारत की रणनीतिक स्थिति को देखते हुए आई.ओ.आर. के पूर्व-पश्चिम एससीएलओसीएस में यह केंद्र समुद्री स्थितियों से निपटने के लिए अन्य तटीय राज्यों के साथ एस एल ओ सी, व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और सहकारी संबंधों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भारत की भूमिका पर अध्ययन को बढ़ावा देता है।

1. पड़ोसियों के साथ समुद्री क्षेत्राधिकार, संसाधन, सहयोग और संघर्ष
2. भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए गैर-पारंपरिक खतरे: समुद्री डकैती, समुद्री आतंकवाद, पर्यावरण संबंधी खतरे
3. मैरीटाइम कनेक्टिविटी बढ़ाने, मर्चेंट शिपिंग, समुद्री अवसंरचना का विकास, राष्ट्रीय समुद्री विकास नीति, विदेशी सहयोग वाले उद्यम।
4. भारत और हिंद महासागर सुरक्षा व्यवस्था
5. भारत और क्षेत्रीय पहल

**दृष्टि**

- भारत में महासागर अध्ययन के उत्कृष्ट केंद्र के रुप में उभरने व बाद में महासागर अध्ययन संस्थान बनना
- अंतर्विद्यावर्ती शिक्षण और अनुसंधान हेतु मंच प्रदान करना
- अन्य संस्थानों के साथ नेटवर्क विकसित करना।
- भारत में समुद्री मामलों/मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करना।

**संकाय**

**आचार्य और समन्वयक**

**ए. सुब्रमण्यम राजू, पीएच.डी. )हैदराबाद विश्वविद्यालय(**

*विशेषज्ञता:* दक्षिण एशियाई राजनीति और सुरक्षा मुद्दे, व्यापक सुरक्षा, समुद्री और ऊर्जा सुरक्षा मुद्दे, भारत-श्रीलंका संबंध।

# शिक्षाशास्त्र विद्यापीठ

## विद्यापीठाध्यक्ष: आचार्य मुमताज बेगम

शिक्षाशास्त्र विभाग की स्थापना वर्ष 2007 में एक अलग विभाग में स्नातकोत्तर की शिक्षा देने हेतु की गयी थी। वर्ष 2009 में पूर्ण विकसित संकाय सदस्यों की नियुक्ति के पश्चात इसके कामकाज का विस्तार किया गया। एस.आर. सी. बैंगलुरू द्वारा मान्यताप्राप्त एम.एड. कार्यक्रम के अलावा यह विभाग शिक्षाशास्त्र विषय में पीएच.डी प्रदान करता है तथा अन्य बहु विषयी कार्यक्रम संचालित करता है।

दक्ष संकाय सदस्यों के माध्यम से यह विभाग भावी शिक्षकों की क्षमता-वृद्धि और शिक्षक प्रशिक्षकों की क्षमता-निर्माण के कार्यक्रम आयोजित करके उन्हें बेहतर अवसर प्रदान करता है। इसकी विशेषज्ञता में शैक्षिक प्रौद्योगिकी, शिक्षक-शिक्षा, शिक्षा का अर्थशास्त्र, शैक्षिक योजना एवं प्रशासन, मूल्यपरक शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा एवं मार्गदर्शन तथा परामर्श आदि शामिल हैं। शिक्षाशास्त्र के प्रमुख क्षेत्रों के मद्देनजर एवं अंतर्विद्यावर्ती पद्धति में शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु संयुक्त रुप से पीएच.डी. कार्यक्रम चलाया जाता है। संकाय सदस्यों के पास व्यापक शिक्षण और अनुसंधान का अनुभव है और उनके कई शोध पत्र और पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। वे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में निर्णायक भी रहे हैं और राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समितियों में सदस्य भी हैं।

**कीर्तिमान**

शिक्षाशास्त्र विभाग को वर्ष 2012-13 में आयोजित विद्यालयीन शिक्षा व शिक्षक-शिक्षण की अखिल भारतीय प्रतियोगिता में शिक्षा के क्षेत्र में अभिनव प्रयास और प्रयोगों के लिए एन.सी.ई.आर.टी. पुरस्कार मिला। वर्तमान विद्यापीठाध्यक्ष और विभागाध्यक्ष को वर्ष 2013 के प्रतिष्ठित कॉमनवेल्थ अध्येतावृत्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया और उन्होंने उपरोक्त पुरस्कार पोस्ट डॉक्टरल अवार्ड लिवरपूल जॉन मूरेस विश्वविद्यालय से प्राप्त किया। वे यूजीसी के इंटर यूनिवर्सिटी कंसोर्टियम की एसोसिएट रही हैं और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडी, शिमला में तीन बार अपनी एसोसिएटशिप पूरी की हैं। उन्होंने 3 अंतर्राष्ट्रीय और 3 राष्ट्रीय साझेदारों के साथ मिलकर वर्ष 2016-2019 तक "सी.सी.आई.एल @ इंडिया" उपाधि के तहत इरास्मस + प्रोजेक्ट ग्रांट प्राप्त किया है।

- **अध्ययन कार्यक्रम**

  **एम.एड.** शिक्षाशास्त्र में स्नातकोत्तर (दो वर्षीय) एन.सी.टी.ई. 2014 के नए निबंधनों अनुरुप सेकेंडरी एवं सीनियर सेकेंडरी से संबंधित स्तरों पर विशेष अध्ययन के विषय दिए जाते हैं।

  **पीएच.डी** शिक्षाशास्त्र
  (पूर्णकालिक व अंशकालिक आंतरिक व बाह्य)

  **स्नातकोत्तर डिप्लोमा** अध्यापन कौशल (सायंकालीन कोर्स में शामिल), यह किसी स्नातक को कामकाजी शिक्षकों, अनुसंधानकर्ताओं तथा उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों को पढ़ाने की क्षमता में विस्तार हेतु दो सायंकालीन सत्रों में आयोजित होता है।

- **प्रवेश परीक्षा**

  **एम.एड.** कार्यक्रम हेतु अभ्यर्थियों का चयन अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर की जाती है। प्रश्नपत्र में सामान्यत: शिक्षाशास्त्र के स्नातक स्तर पर (बी.एड. पाठ्यक्रम) अध्ययन-सामग्री आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न होते हैं।

  **पीएच.डी** कार्यक्रम हेतु प्रश्नपत्र में पूछे जाने वाले प्रश्न बहुविकल्पीय होंगे और अनुसंधान प्रविधि एवं सांख्यिकी के साथ-साथ शिक्षाशास्त्र के मूलभूत विषयों से से संबंधित होंगे, जो सामान्यतया किसी भी एम.एड. कार्यक्रम के अध्ययन सामग्री पर आधारित होंगे।

**आधारभूत संरचना की सुविधाएँ**

शिक्षा विद्यापीठ में नवीनतम गैजेट्स, इंटरनेट और लैन कनेक्टिविटी, शैक्षिक सॉफ्टवेयर, डेटा विश्लेषण सॉफ्टवेयर से लैस एक विशेष मल्टी-मीडिया प्रयोगशाला है। कक्षाओं को डीएलपी प्रोजेक्टर, होम थियेटर, विज़ुअलाइज़र और इंटरएक्टिव व्हाइट बोर्ड से सुसज्जित किया जाता है जो पाठ्यक्रम संचालन के दौरान छात्रों और शिक्षकों दोनों द्वारा उपयोग किया जाता है। स्कूल में एक मनोविज्ञान प्रयोगशाला है जिसमें विभिन्न पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों के शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों के लिए 400 से अधिक मनोवैज्ञानिक परीक्षण और सामग्री उपलब्ध हैं। केंद्रीय पुस्तकालय में मौजूद 2600 शीर्षकों वाली किताबों में से शिक्षाशास्त्र और तत्संबंधित विषयों से जुड़ी 4500 से अधिक पुस्तकें हैं। ई.आर.आई.सी. के पूरे पाठ्यक्रम के साथ-साथ 10 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ई-पत्रिकाएं उपलब्ध हैं।

यूरोपीय संघ ने कंटेंट एंड लैंग्वेज इंटीग्रेटेड लर्निंग सी.एल.आई.एल@ इंडिया परियोजना-अनुदान के तहत अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र बनाने के लिए वित्तीय सहयोग दिया है, जिसका उद्घाटन 10.11.2017 को हुआ था। केंद्र में कई कंप्यूटर और अन्य संबंधित उपकरण हैं जिनका उपयोग एम.एड प्रशिक्षुओं और अन्य शिक्षकों जो समय-समय पर प्रशिक्षण हेतु आते हैं - द्वारा किया जाता है।

**अनुसंधान और विस्तार गतिविधियाँ**

संकाय सदस्यों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, डी.एस. टी, आई सी एस एस आर, एन.सी.ई.आर.टी, एस.एस. ए. और अन्य राष्ट्रीय संस्थानों से वित्त पोषित परियोजनाओं पर काम किया है / कर रहे हैं। संकाय के सभी सदस्यों को पीएच.डी - मार्गदर्शन की मान्यता प्राप्त है। शिक्षाशास्त्र के क्षेत्र में अब तक 26 शोधार्थियों को पीएच.डी. की डिग्री प्रदान की जा चुकी है। पूर्णकालिक पीएच.डी. शोधार्थियों को विभिन्न प्रकार के अनुसंधान फैलोशिप और छात्रवृत्ति प्राप्त हो रही हैं जिनमें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-जे आर एफ, एम.ए. एन एफ, आर जी एन एफ तथा पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय छात्रवृत्ति शामिल हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और आई सी एस एस आर ने एस ओ ई मेंटरशिप फैकल्टी के अंतर्गत 06 पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च फेलो )पीडीएफ) का चयन किया है। वे लोग 2015 से शोध-सह-अध्यापन की गतिविधियों में शामिल हैं।

**उपलब्धियाँ**

शिक्षाशास्त्र विभाग ने वर्ष 2011 से पांच वर्षों के लिए यूजीसी, नई दिल्ली के विशेष सहायता कार्यक्रम )एस.ए.पी. डी.आर.एस.-I) के तहत अनुदान प्राप्त किया है।

डॉ. मुमताज बेगम इरास्मस योजना के तहत यूरोपीय संघ द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त परियोजना सी एल आई एल@इंडिया की प्रधान समन्वयक हैं।

डॉ के श्रीकला बर्लिन, जर्मनी में अपने पोस्ट डॉक्टरल कार्य हेतु हम्बोल्ट छात्रवृत्ति से काम कर रही हैं।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की शिक्षक शिक्षण योजना पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन )पी.एम.एम.एम.एन.एम.टी.टी.), पहल के तहत अनुदान प्राप्त करने और अभिनव शिक्षक-शिक्षा कार्यक्रम संचालित करने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है।

**हमारे पूर्व छात्रों का नियोजन**

हर साल अच्छी संख्या में छात्र विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-जे आर एफ- नेट परीक्षा पास करते हैं और लेक्चररशिप के लिए पात्र बनते हैं। स्थापना के बाद से ही एम.एड. में अनुसंधान कार्य हो रहा है । यहाँ के शोधार्थी डी.आई.ई.टी, शिक्षाशास्त्र के कॉलेजों, शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालयों, विभागों )राज्य और केंद्र दोनों स्तर पर(, सरकारी स्कूलों और अन्य संबद्ध विभागों में रोजगार प्राप्त कर चुके हैं।

**संकाय**

**विद्यापीठाध्यक्ष और विभागाध्यक्ष**

**मुमताज बेगम, पीएच.डी** (मद्रास विश्वविद्यालय) विशेषज्ञता: शिक्षक शिक्षा, ईएलटी, व्यावसायिक शिक्षा, विशेष शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा, उच्च शिक्षा, समावेशी शिक्षा, लैंगिक शिक्षा, शैक्षिक प्रशासन और नेतृत्व, न्यूरो भाषाविज्ञान।

**आचार्य**

**एम. बालमुरुगन, पीएच.डी** (अन्नामलै विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: गणित शिक्षा, शैक्षिक योजना व प्रशासन, शिक्षक शिक्षण, संज्ञानात्मक मनोविज्ञान, अनुसंधान-पद्धति, मूल्यपरक शिक्षा एवं शिक्षाशास्त्र में सांख्यिकी

**के.चेल्लमणि, पीएच.डी** (अलगप्पा विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: अनुसंधान पद्धति, प्रायोगिक अभिकल्पन, मनोचिकित्सक, न्यूरो - भाषाविज्ञान, संज्ञानात्मक विज्ञान, पोर्टफोलियो लेखन, अंग्रेजी भाषा शिक्षण और शिक्षक शिक्षा

**सह – आचार्य**

**श्रीकला ई, पीएच.डी** (क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, मैसूर, एन.सी.ई.आर.टी)

*विशेषज्ञता:* शिक्षाशास्त्र का समाजशास्त्र, मिश्रित अध्ययन, विशेष शिक्षा, उच्च शिक्षा और स्कूल शिक्षा।

**सहायक आचार्य**

**विजयकुमार आर, पीएच.डी** (शिक्षा, बैंगलोर विश्वविद्यालय)

*विशेषज्ञता:* मूलभूत शिक्षाशास्त्र, शिक्षा की मल्टी-मीडिया प्रौद्योगिकी, शिक्षक शिक्षण, पर्यावरण शिक्षा व मार्गदर्शन एवं परामर्श।

# वयस्क एवं निरंतर शिक्षा केंद्र

## शिक्षा विद्यापीठ

वर्ष1989 में स्थापित यह केंद्र वयस्क और सतत शिक्षा (अंतर्विषयी) में पीएच.डी कराता है। यह केंद्र शिक्षाशास्त्र विभाग के अधीन है और गहन प्रशिक्षण एवं फील्ड आउटरीच गतिविधियों के लिए सुविधाएं प्रदान करता है। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य साक्षरता, जनसंख्या शिक्षा, विस्तार कार्यक्रम, युवा विकास, सामाजिक समस्याओं और सामाजिक मुद्दों के प्रति महत्वपूर्ण जागरूकता पैदा करना है। यहाँ पढ़ाई के लिए एक समग्र दृष्टिकोण की परिकल्पना की गयी है।

- **अध्ययन का कार्यक्रम**

**पीएच.डी** वयस्क एवं निरंतर शिक्षा – अंतर्विद्यावर्ती अनुसंधान (पूर्णकालिक और अंशकालिक)

- **प्रवेश परीक्षा**

पीएच.डी में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षाओं के प्रश्न पत्र में सामान्य ज्ञान, सामान्य अंग्रेजी, अनुसंधान पद्धति और सांख्यिकी के क्षेत्रों में बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल होंगे।

**अनुसंधान गतिविधियाँ :**

वर्तमान में चार रिसर्च स्कॉलर्स वयस्क और निरंतर शिक्षा में पीएच.डी कर रहे हैं। पूर्णकालिक शोधार्थी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-जे आर एफ, आई सी एस एस आर अध्येतावृत्ति और विश्वविद्यालय छात्रवृत्ति प्राप्त कर रहे हैं। निम्नलिखित क्षेत्रों में शोध हेतु ध्यान केंद्रित किया गया है;

- विस्तार, फील्ड आऊटरीच एवं सामुदायिक विकास
- सतत शिक्षा
- गैर-पारंपरिक शिक्षा
- सामाजिक मुद्दे व सामाजिक समस्याएँ, तथा
- युवा विकास

**आधारभूत संरचना :**

कंप्यूटर, ओवरहेड प्रोजेक्टर, रंगीन टेलीविजन, डीवीपी, एलसीडी प्रोजेक्टर, नि: शुल्क इंटरनेट उपयोग

**संकाय**

**आचार्य और केंद्र अध्यक्ष :**

**के देवन, पीएच.डी** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय)

*विशेषज्ञता*: नृविज्ञान, युवा सेवाएं, सामाजिक समस्याएं, विस्तार और फील्ड आउटरीच गतिविधियां, सामाजिक मुद्दे और सामुदायिक विकास

## चिकित्सा विज्ञान विद्यापीठ

### विद्यापीठाध्यक्ष )प्रभारी(: डॉ. गोपाल कृष्ण पाल

विश्वविद्यालय संप्रति सीधे तौर पर चिकित्सा विज्ञान विभाग के माध्यम से कोई कार्यक्रम नहीं संचालित कर रहा है।

# मीडिया व संचार विभाग

## विद्यापीठाध्यक्ष आचार्य चेन्नुपाटि के. रामैय्या

**इलेक्टॉनिक मिडिया व जन संचार विभाग**

**पुस्तकालय व सूचना विज्ञान विभाग**

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग, जनसंचार विभाग और पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग (डी.एल.आई.एस.) को मीडिया एवं संस्कृति, मीडिया उत्पादन, पत्रकारिता, फिल्म, टेलीविजन और रेडियो, सूचना विज्ञान, ज्ञान प्रबंधन और पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के ज्ञानपरक व निरंतर विस्तारित होने वाले क्षेत्र को समझने की प्रेरणा के साथ शैक्षणिक वर्ष 2007-08 से आरंभ किया गया था। । प्रारंभ में तीनों विभाग भौतिकी, रसायन और अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग अधीन थे। इन सभी विषयों की युग्मित-संबंध प्रकृति को देखते हुए, तीनों विभागों को अब 'द स्कूल ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन' नामक एक एकल परिवृत्त में रखा गया है। इसके अलावा, तीनों विषयों ने शिक्षण और अनुसंधान के मामले में समानता साझा की है, और दुनिया भर के विश्वविद्यालयों में संचार और सूचना विज्ञान के संश्लेषण में इसका सबूत मिलता है। अब मीडिया और संचार विभाग में i) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और जन संचार विभाग, और ii) पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग शामिल हैं। वर्ष 2012 में जनसंचार विभाग और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के संयोजन से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और जनसंचार विभाग (डी ई एम और एम सी) को बनाया गया था। यह विभाग जन संचार में एम.ए. एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में एम.एससी. जैसे दो स्नातकोत्तर, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में पीएच.डी, जनसंचार में पीएच.डी कार्यक्रम संचालित करता है। पुस्तकालय और सूचना विभाग वर्ष 2007 से विज्ञान (डी.एल.आई.एस.) लाइब्रेरी एवं सूचना में एम.ए.ल आई एस कार्यक्रम संचालित करता है और वर्ष 2009-10 से लाइब्रेरी ऑटोमेशन एंड नेटवर्किंग )पी.जी.डी.एल.ए.एन.) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा 2010 से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों के अनुसार पीएच.डी, वर्ष 2018-19 से एम.ए.ल आई ए कार्यक्रम का नाम संशोधित करके एम.एल.आई.बि.आई.एससी. रखा गया है।

मीडिया व संचार विभाग, विश्वविद्यालय के उभरते अंतर्विद्यावर्ती शैक्षणिक संस्थाओं में से एक है। विभाग के पाठ्यक्रम में व्यापक रुप से डिजिटल मीडिया और संस्कृति, प्रिंट हेतु पत्रकारिता, रेडियो, टेलीविजन और इंटरनेट, मीडिया उत्पादन, दृश्य संचार और दृश्य संस्कृति, फिल्म अध्ययन, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान और प्रौद्योगिकी शामिल हैं। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समुदायों के साथ-साथ उद्योगों की जरूरतों को पूरा करने हेतु ज्ञानवान विद्वान एवं कौशलपूर्ण जनशक्ति तैयार करना इसका मुख्य उद्देश्य है। इस विभाग का मुख्य लक्ष्य शिक्षण, अनुसंधान सेवाओं और नवाचार सहित सभी मामलों में उत्कृष्टता प्राप्त करना है। उसी उद्देश्य के साथ यह विभाग विविध सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाले स्नातकोत्तर छात्रों को अभिनव पाठ्यक्रम के माध्यम से ज्ञान प्रदान करता है।

**अनुसंधान के ध्यान केंद्रित क्षेत्र :**

**डी.ई.एम. और एम.सी.**

शोध के ध्यान केंद्रित क्षेत्र में निम्नलिखित शामिल हैं;

- राजनीतिक संचार
- फिल्म अध्ययन व दृश्य संस्कृति
- फिल्म दार्शनिकता
- डिजिटल मीडिया व संस्कृति अध्ययन

- डिजिटल कला, डिजिटल मानवता
- स्वास्थ्य संचार
- विकास संचार
- टेलीविजन व रेडियो अध्ययन
- मीडिया का राजनीतिक अर्थशास्त्र/नई मीडिया
- शैक्षणिक संचार/तकनीक समर्थित शिक्षण
- पर्यावरण संचार

**डी.एल.आई.एस.**

शोध के ध्यान केंद्रित क्षेत्र में निम्नलिखित शामिल हैं;

- आई.सी.टी. अप्लिकेशन इन लाइब्रेरी साइंस
- डिजिटल लाइब्रेरी
- ई-पब्लिशिंग
- हाइपरटेक्स्ट एण्ड मल्टीमीडिया
- ज्ञान प्रबंधन
- विरासत व संस्कृति संवाद
- विद्यालयीन पुस्तकालय

**आधारभूत संरचना :**

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया व जन संचार विभाग के पास अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा है, जो वीडियो उत्पादन, ऑडियो और वीडियो संपादन के साथ-साथ 2 डी और 3 डी एनिमेशन, ग्राफिक डिजाइन, इन्फोग्राफिक्स, प्रिंट जर्नलिज्म और डिजिटल जर्नलिज्म आदि के लिए सहायक मल्टीमीडिया लैब है।

विभाग में एलसीडी प्रोजेक्टर और पब्लिक एड्रेस सिस्टम, कैंपस में वाई-फाई सुविधा, ई-बुक्स, ई-जर्नल्स और इंस्टीट्यूशनल रिपॉजिटरी, इन विषयों पर नवीनतम पुस्तकों के साथ सुसज्जित कमरे हैं। दोनों विभाग भारत और विदेशों के प्रख्यात शिक्षाविदों द्वारा अध्ययन भ्रमण, कार्यशाला, सेमिनार और अतिथि व्याख्यान जैसे कई आयोजन करते हैं।

**रोजगार के अवसर :**

मीडिया और संचार पेशेवरों की मांग निरंतर बढ़ती ही रहती है और विभिन्न उद्योगों में छात्रों को अनेक असाइनमेंट मिलते रहते हैं जिनमें पत्रकारिता उद्योग (प्रिंट/टेलीविजन/डिजिटल/रेडियो), विज्ञापन, जन संपर्क एवं निगमित संचार, डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट राइटिंग, ई-लर्निंग, शामिल हैं। ग्राफिक डिजाइन और 2 डी/ 3 डी एनिमेशन, यू आई/यूएक्स डिजाइनिंग, वेब डिजाइनिंग, तकनीकी लेखन, एनजीओ, फिल्म निर्माण, वृत्तचित्र फिल्म निर्माण, गेम डिजाइनिंग आदि कुछ नाम हैं, साथ ही एल आई एस पोस्टग्रेजुएट्स को पारंपरिक पुस्तकालयों और सूचना केंद्रों और कॉर्पोरेट क्षेत्रों में लाइब्रेरियन, सूचना वैज्ञानिक, नॉलेज मैनेजर्स, कैटलॉगर्स, इंडेक्सर्स, इंफॉर्मेशन एनालिस्ट्स, रेफरेंस सर्विसेज स्पेशलिस्ट, कंसल्टेंट्स आदि के रूप में भी रखा जाता है। जो लोग विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-नेट या एस ई टी परीक्षा उत्तीर्ण होते हैं, वे अकदमिक में प्रवेश पाने के पात्र होते हैं। जो लोग विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-जे आर एफ की अर्हता रखते हैं, वे अपने चुने हुए क्षेत्र में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अध्येतावृत्ति के साथ अपने डॉक्टरेट शोध हेतु आगे बढ़ सकते हैं।

# इलेक्ट्रॉनिक मीडिया व जन संचार विभाग

## मीडिया एवं संचार विद्यापीठ

सन् 2007 में स्थापित यह विभाग जन संचार में एम.ए. एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में एम.एससी.- दो पाठ्यक्रम संचालित करता है। विभाग का प्रमुख उद्देश्य छात्रों को पत्रकारिता, टेलीविजन उत्पादन, रेडियो उत्पादन, विज्ञापन, जनसंपर्क, फिल्म अध्ययन, डिजिटल मीडिया, विकास संचार, मीडिया और संस्कृति अध्ययन, फोटोग्राफी और ऑडियो और वीडियो संपादन के क्षेत्र में प्रशिक्षित करना है। हमारा उद्देश्य प्रभावी संचार और समालोकनात्मक चिंतन शैली से युक्त अत्याधुनिक मीडिया पेशेवरों का संपोषण करना है। हम मूल्यों और सिद्धांतों में एक मजबूत नींव के साथ युवा सोच तैयार करने की दिशा में काम करते हैं, ताकि वे मानव समाज के विकास में सक्रिय हस्तक्षेप कर सकें।

- **अध्ययन कार्यक्रम**
  **एम.ए.** जन संचार
  **पीएच.डी** जन संचार
  **एम.एससी.** इलेक्ट्रॉनिक मीडिया
  **पीएच.डी** इलेक्ट्रॉनिक मीडिया
- **प्रवेश परीक्षा**
  **एम.ए.** जन संचार
  प्रवेश परीक्षा में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न होते हैं जो मीडिया संचार और समाज, मीडिया कानून के मूल सिद्धांतों, मीडिया करंट अफेयर्स, पत्रकारिता, विज्ञापन, कॉर्पोरेट संचार, मीडिया इतिहास और डिजिटल मीडिया व संचार के हालिया रुझानों की समझ से संबंधित होते हैं।
  **एम.एससी. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया**
  प्रवेश परीक्षा में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न होते हैं जो मीडिया, संचार, इलेक्ट्रॉनिक और न्यू मीडिया, मीडिया और सोसाइटी, विजुअल कम्युनिकेशन, विजुअल कल्चर, टेलीविज़न, सिनेमा, ग्राफिक्स और एनीमेशन, सौंदर्यशास्त्र, ध्वनि, मीडिया प्रबंधन और विज्ञापन से जुड़े होते हैं।
  **पीएच.डी.**
  जनसंचार और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के डॉक्टरेट कार्यक्रमों में जे आर एफ छात्रों को सीधे प्रवेश मिलता है। किन्हीं दो कार्यक्रमों में प्रवेश पाने के इच्छुक गैर-जे आर एफ छात्रों को राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में शामिल होना पड़ता है। जन संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के कोर्स में पढ़ाए जाने वाले विषयों में से 100 बहु विकल्पिय प्रश्न पूछे जाते हैं।
  **गतिविधियाँ**
  **प्रिंट/ टेलीविजन/डिजिटल पत्रकारिता**
  छात्रों को अभ्यास-आधारित पत्रकारिता में ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से विभाग "द इनक्वायरर" नाम की एक पत्रिका का प्रकाशन करता है और "द इनक्वायरर" का डिजिटल संस्करण भी प्रकाशित करता है, जिसे http://www.puinquirer.edu.in/ पर एक्सेस किया जा सकता है।
- **टेलीविजन और रेडियो उत्पादन**

  छात्रों द्वारा वृत्तचित्र और छोटी अवधि के वीडियो कार्यक्रम तैयार किए जाते हैं। वे सामाजिक रूप से प्रासंगिक मीडिया परियोजनाओं जुड़े रहते हैं। इसी तरह, छात्र पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के एक एफ एम सामुदायिक रेडियो स्टेशन पुदुवई वाणी के लिए कार्यक्रम बनाते हैं। वे कार्यक्रमों का उत्पादन करने के लिए आस-पास के समुदाय को भी सुविधा प्रदान करते हैं जिससे सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित होती है। छात्र पॉडकास्टिंग के साथ-साथ प्रायोगिक वीडियो और ऑडियो प्रोग्राम भी तैयार करते हैं।

**फोटो जर्नलिज्म / फोटोग्राफी**

छात्रों को फोटो पत्रकारिता पर गहन प्रशिक्षण दिया जाता है और प्रदर्शनी आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसके अलावा, वे विभिन्न प्रकार की फोटोग्राफी में शामिल होते हैं।

**अतिथि व्याख्यान और कार्यशालाएँ:**

छात्र वृत्तचित्र और छोटी अवधि के वीडियो कार्यक्रम तैयार करते हैं। वे सामाजिक रूप से प्रासंगिक मीडिया परियोजनाओं के साथ जुड़ते हैं।

**फोटो पत्रकारिता:**

छात्रों को फोटो पत्रकारिता में गहन प्रशिक्षण दिया जाता है और प्रदर्शनियों को आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

**अतिथि व्याख्यान और कार्यशालाएँ:**

मीडिया और संचार से संबंधित विभिन्न विषयों पर छात्रों के सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मीडिया पेशेवरों और शिक्षाविदों के साथ-साथ मीडिया के जानकारों द्वारा नियमित रूप से कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है।

**समझौता ज्ञापन और सहयोग:**

- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं जन संचार विभाग, पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुचेरी, भारत, और टूलॉन विश्वविद्यालय, टूलॉन, फ्रांस के यू एफ आर इंगेमीडिया के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया है। यह समझौता ज्ञापन छात्रों और संकाय सदस्यों का विनिमय, सहयोगी सम्मेलनों का आयोजन, दोनों विश्वविद्यालयों के बीच डॉक्टरेट छात्रों के सह-मार्गदर्शन आदि को संभव बनाता है।
- एक और समझौता ज्ञापन आई जी एन सी ए (इंदिरा गाँधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट्स(, नई दिल्ली के साथ हुआ है।
- पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के **पुदुवै वाणी** सामुदायिक रेडियो स्टेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन जिपमर के साथ हुआ है।

**उद्देश्य:**

**एम.ए. जन संचार**

- पत्रकारिता, फिल्म, प्रसारण, विज्ञापन, जन संपर्क और डिजिटल मीडिया में अभ्यास केंद्रित सैद्धांतिक ज्ञान और पेशेवर विशेषज्ञता में दक्षता हेतु।
- उच्च अध्ययन के लिए आगे आने वाले इच्छुक छात्रों को सुविधा प्रदान करने हेतु अनुसंधान में मजबूत आधार प्रदान करना।
- व्यापक रुप से छात्रों को सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक मुद्दों पर समालोकनात्मक सोच रखने में सक्षम बनाना।

**एम.एससी इलेकट्रोनिक मीडिया**

- छात्रों को जनसंचार माध्यमों से जुड़ी प्रणालियों, प्रक्रियाओं, संस्कृतियों को समझने और इंटरेक्टिव टेलीविजन और न्यू मीडिया पर विशेष रुप से सक्षम बनाना।
- श्रव्य-दृश्य प्रस्तुतियों, ग्राफिक डिजाइन, एनिमेशन और फिल्म निर्माण पर व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करना।
- श्रव्य-दृश्य मीडिया में महत्वपूर्ण अनुसंधान कौशल से परिचित करना और परिचय देना ।

**CAMPBUZZ - कैम्पस समाचार बुलेटिन**

छात्रों को टेलीविजन पत्रकारिता उद्योग के लिए खुद को तैयार करनेके लिए समाचार बुलेटिन बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यूनिवर्सिटी कैंपस न्यूज़ बुलेटिन CAMPBUZZ को PUCAMPBUZZ के यू ट्यूब चैनल पर अपलोड किया जाता है।

**फिल्म फेस्टिवल, लघु फिल्म प्रतियोगिताएं और फिल्म स्क्रीनिंग**

हर साल आई.ए.डब्ल्यू.आर. टी, विज्ञान प्रसार और अन्य निकायों के सहयोग से फिल्म समारोह आयोजित किए जाते हैं। ऐसी गतिविधियाँ छात्रों को फिल्मों के बारे में साक्षरता कौशल विकसित करने में उपयोगी होती हैं। इसके अलावा, इससे छात्रों में अपने स्वयं के वृत्तचित्र और लघु फिल्मों का निर्माण करने में भी रुचि पैदा होती है।

**शिक्षा शास्त्र**

दुनिया भर में आई. सी. टी. और सॉफ्टवेयर टूल्स उच्च शिक्षा के लिए प्रासंगिक और अपरिहार्य हो चुके हैं। विभाग इंटरैक्टिव एम.ओ.ओ.सी. और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के निर्माण में डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने की पहल को समृद्ध करता रहता है क्योंकि हम मल्टीमॉडल लर्निंग के पक्षधर हैं। मल्टीमॉडल लर्निंग शिक्षार्थियों को प्रभावशाली तरीके से सामग्री के साथ जोड़ता है। मीडिया विभाग के नाते हम शिक्षण पर बहुत ध्यान देते हैं और छात्रों के सीखने की बदलती शैली एवं उपकरणों और मंचों के व्यापक उपयोग को ध्यान में रखते हुए दृश्य, श्रव्य और पाठ्यक्रमको एक साथ जोड़ने का प्रयास करते हैं। हम मिश्रित शिक्षण पद्धतियों को हासिल करने का प्रयास करते हैं, ताकि छात्रों को तौर-तरीकों और शिक्षाशास्त्र के संदर्भ में विकल्प प्रदान किया जा सके। अभी डी ई एम.ए.म सी फोटो जर्नलिज्म और मीडिया लॉ तथा आचार नीति पर एम.ओ.ओ.सी. पाठ्यक्रम विकसित कर रहा है जिसे दुनिया भर में बड़े पैमाने पर छात्र समुदाय के लिए लागू किया जाना है।

**इंटर्नशिप**

दूसरे और तीसरे सेमेस्टर के दौरान गर्मी की छुट्टियों में प्रत्येक छात्र किसी मीडिया संगठन में कम से कम चार सप्ताह के लिए इंटर्नशिप करता है। इंटर्नशिप पूरा होने के बाद, छात्र इंटर्नशिप के दौरान प्राप्त अनुभव पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं। मीडिया हाउसों से प्राप्त प्रशिक्षण उन्हें उद्योग की आवश्यकताओं की ओर उन्मुख करने में विशेष सहायक सिद्ध होते हैं।

**मीडिया उत्पादन**

मीडिया के अभिसरण हेतु छात्रों को एक मंच के माध्यम से विभिन्न प्रकार के मीडिया के अनुप्रयोग से अवगत कराया जाना आवश्यक होता है। पहले सेमेस्टर में छात्र मीडिया प्रोडक्शन करते हैं जिसमें लैब जर्नल प्रोडक्शन, फोटो जर्नलिज्म और प्रिंट मीडिया के लिए रिपोर्टिंग, लेखन और संपादन शामिल होते हैं। वे चार सेमेस्टर में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और अन्य पाठ्यक्रमों के लिए रेडियो प्रोडक्शन, टेलीविजन प्रोडक्शन, वेब जर्नलिज्म, रिपोर्टिंग, राइटिंग और एडिटिंग के साथ जुड़ते हैं। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के छात्र एकल और मल्टी-कैमरा सेट-अप, ई-लर्निंग, ग्राफिक डिजाइन, 3 डी एनीमेशन, वृत्तचित्र और लघु फिल्म निर्माण, वेब विकास आदि के उपयोग करते हुए विभिन्न शैलियों से जुड़ते हैं।

**नियोजन**

छात्रों को समाचार संगठनों, विज्ञापन एजेंसियों, जनसंपर्क फर्मों, समाचार वेबसाइटों, टेलीविजन समाचार चैनलों, फिल्म उद्योग, ई-लर्निंग कंपनियों, समाचार पत्रों, डिजिटल मार्केटिंग कंपनियों, गैर-सरकारी संगठनों में और शैक्षणिक संस्थानों में नियुक्तियाँ मिलती हैं जिसमें गैर-तकनीकी और तकनीकी नौकरियां भी शामिल हैं। इन छात्रों का नियोजन करने वाली कंपनियां में एचपी, फ्लिपकार्ट, ओरेकिल, टाइम्स ऑफ इंडिया, द न्यू इंदियन एक्सप्रेस, सीटीएस, टीसीएस, थिंक वाई मी नाट, सन टीवी, न्यूज़7, एक्सेंचर आदि शामिल हैं।

**संचालित परियोजनाएँ:**

1. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित *परियोजना राजनीतिक मध्यस्थता संचार और आम चुनाव से संबंधित: संसदीय चुनाव 2014 के दौरान मीडिया की नजर* – प्रमुख अन्वेषक डॉ एस अरुलसेल्वन।
2. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा *सोशल मीडिया और नैतिकता पर प्रमुख परियोजनाओं की मंजूरी से : पांडिच्चेरी और तमिलनाडु में बच्चों और युवाओं में नैतिकता के निर्माण हेतु सामाजिक-तकनीकी दृष्टिकोण* – प्रमुख अन्वेषक डॉ एम शुएब मोहम्मद हनीफ।

**एम.ओ.ओ.सी. परियोजनाएँ**

1. मीडिया कानून और नैतिकता - डॉ एस अरुलसेल्वन
2. फोटो पत्रकारिता और समाचार लेखन-डॉ.रधिका खन्ना

**विशेष घटनाक्रम :**

विभाग नियमित अंतराल पर सेमिनार, कार्यशालाएं, प्रदर्शनियां, फिल्म समारोह और अन्य कार्यक्रमों का आयोजित करता रहता है। पिछले तीन वर्षों के उल्लेखनीय घटनाक्रमों में से कुछ निम्नलिखित में शामिल हैं:

- डाक्यूमेंटरी एवं लघु फिल्म समारोह
- ए सी टी-टी एन पी व अन्य राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों के साथ मिलकर अकादमिक सेमिनार
- छात्रों द्वारा आयोजित फोटो प्रदर्शनियाँ
- टीवी जर्नलिज्म, साउंड, एनिमेशन, एडिटिंग, ई-कंटेंट, इंडस्ट्री के विशेषज्ञों के साथ वेब डिज़ाइन पर वर्कशॉप।
- रवींद्रनाथ टैगोर, रमन और स्पोर्ट्सफोटोग्राफी पर तीन प्रदर्शनियों का आयोजन।

**आधारभूत संरचना :**

विभाग के पास ग्राफिक और वेब डिजाइनिंग, ऑडियो और वीडियो संपादन पर छात्रों को प्रशिक्षित करने हेतु नवीनतम उपकरणों से सुसज्जित बेहतर मीडिया लैब और स्टूडियो है। इन उपकरणों में प्रसारण गुणवत्ता वाले ऑडियो और वीडियो उपकरण और पेशेवर डिजिटल एस एल आर कैमरे आदि शामिल हैं। कक्षाओं को एल सी डी प्रोजेक्टर और डी टी एच कनेक्शन जैसे शिक्षण सहायक उपकरण से सुसज्जित किया गया है जो छात्रों को वर्तमान मामलों से 24X7 दिन खुद को अप-टू-डेट रखने में सक्षम बनाता है। विभाग में उपलब्ध प्रमुख सुविधाएं और सहायक उपकरण निम्नलिखित हैं।

पीएच.डी के रिसर्च स्कॉलरों की पढ़ाई के लिए के अनुकूल वातावरण प्रदान करने हेतु वाई-फाई सुविधा संपन्न एक अलग से कमरा बनाया गया है।

**ए) वीडियो प्रोडक्शन स्टूडियो**

विभाग के पास उद्योग की शैली और सजावट से भरपूर एक अत्याधुनिक प्रोडक्शन स्टूडियो है। यह ई एम आर सी के साथ मिलकर एक और बैग स्टूडियो का संचालन करता है। दोनों स्टूडियो में वीडियो उत्पादन प्रक्रियाओं के लिए सबसे अत्याधुनिक उपकरण हैं। इंडोर शूटिंग, सिंगल और मल्टी-कैमरा प्रोडक्शन, डबिंग और न्यूज बुलेटिन एंकरिंग कुछ ऐसे अभ्यास हैं जो स्टूडियो में होते हैं, इसके अलावा, ऑडियो रिकॉर्ड करने के लिए दो ऑडियो बूथ हैं।

**बी) मल्टीमीडिया लैब**

मल्टीमीडिया लैब में 80 हाई-एंड कंप्यूटर सिस्टम हैं। लैब में सहायक सॉफ्टवेयर भी है जिसमें एडोब उत्पाद, यू लीड वीडियो स्टूडियो 11 एवं साउंड फोर्ज 9, कूल एडिट प्रो आदि शामिल हैं। यहाँ एक अलग संपादन सूट स्पेस है जहाँ 10 छात्रों को वीडियो संपादन करने की सुविधा है जो वीडियो उत्पादन के हिस्से के रूप में उपलब्ध है। एविड मोजो एसडी, मैक प्रो के साथ एफ.सी.पी. और डी.सी.पी वेलॉसिटी एचडी वीडियो संपादन कार्य हेतु भी केंद्र में सुविधा उपलब्ध है।

**सी( सामुदायिक रेडियो स्टेशन - पुडुवई वाणी एफ एम 107.8 मेगाहर्ट्ज**

पुदुवै वाणी विश्वविद्यालय परिसर में सामुदायिक एफएम रेडियो सुविधा है। यह विश्वविद्यालय परिसर से 20 किमी के दायरे के क्षेत्र को कवर करते हुए एफएम 107.8 मेगाहर्ट्ज पर काम करता है। यह स्टेशन तमिल और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में कार्यक्रम प्रसारित करता है। मीडिया के छात्र रेडियो कार्यक्रमों के उत्पादन में प्रशिक्षण लेते हैं जिसमें रेडियो स्क्रिप्ट लिखना, वॉयस मॉड्यूलेशन करना और एक एफ एम रेडियो चैनल पर लाइव प्रसारण करना शामिल है। यह स्टेशन सी आर एस में देश का प्रथम स्टेशन है जिसमें रेडियो प्रोडक्शन के लिए दो सुइट्स और ट्रांसमिशन और लाइव ब्रॉडकास्ट के लिए एक सुइट्स उपलब्ध है। एफ एम सामुदायिक रेडियो स्टेशन ने 500 घंटे से अधिक के ऑडियो/रेडियो सामग्री का उत्पादन किया है जो स्वास्थ्य, शिक्षा से लेकर मनोरंजन की थीम पर किसी भी रेडियो स्टेशन के माध्यम से प्रसारण के लिए उपयुक्त हैं।

**संकाय**

**सहायक आचार्य एवं प्रभारी**

**एम. शोयब मोहम्मद हनीफ, पीएच.डी** (मनोन्मणियम् सुंदरनार विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: जर्नलिज्म (प्रिंट एंड डिजिटल), डिजिटल मीडिया एंड कल्चर स्टडीज़, डिजिटल आर्ट एंड डिजिटल ह्यूमैनिटीज़, अफेक्ट एंड इंटरफेस स्टडीज़, कन्वर्जेंस एंड एलगोरिदमिक जर्नलिज़्म, गेम स्टडीज़ एंड ई-लर्निंग

**सह आचार्य**

**एस.अरुल सेल्वन, पीएच.डी** (मदुरै कामराज विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: राजनीतिक संचार, संचार अनुसंधान, प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षा, तमिल पत्रकारिता (प्रिंट और वेब), रेडियो अध्ययन।

**डी.निवेदिता, पीएच.डी** (मदर टेरेसा महिला विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: फिल्म स्टडीज, टीवी प्रोडक्शन, फिल्म सेमोटिक्स, स्क्रिप्ट राइटिंग, फिल्म डायरेक्शन, कॉस्मेटोलॉजी, फिक्शन एंड नॉन फिक्शन फिल्म मेकिंग।

**रीडर**

**एस आनंद लेनिन वथानायगम, पीएच.डी** (मनोन्मणियम् सुंदरनार विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: दृश्य संचार डिजाइन, प्रकाशन और डिजाइन, फोटोग्राफी और डिजिटल इमेजिंग, शैक्षिक संचार और पर्यावरण संचार

**सहायक आचार्य**

**राधिका खन्ना, पीएच.डी** (जामिया मिलिया इस्लामिया)

विशेषज्ञता: पत्रकारिता, फोटोजर्नलिज्म, निगमित संचार, वृत्तचित्र, आई.सी.टी. के माध्यम से शिक्षा, जन संवाद एवं जीवन शैली, फिल्म अध्ययन, सामाजिक परिवर्तन हेतु संचार, रंगमंच-शिक्षा।

**समरजीत कचारी, पीएच.डी** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: विकास संचार, रेडियो उत्पादन, पत्रकारिता, संचार सिद्धांत।

**ए. मुत्तमिल, एम.फिल.** )अन्ना विश्वविद्यालय(

विशेषज्ञता: टीवी प्रोडक्शन, फिल्म स्टडीज, वीडियोग्राफी, शॉर्ट फिल्म एंड डॉक्यूमेंट्री, 3D स्टीरियोस्कोपी, वर्चुअल रिकॉर्डिंग, वर्चुअल रियलिटी, साउंड रिकॉर्डिंग फॉर टीवी

**वी. शांति सिरी, पीएच.डी** (मदर टेरेसा महिला विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: विज़ुअल आर्ट्स, पेंटिंग, प्रिंट मेकिंग एंड डिज़ाइन, ग्राफिक डिज़ाइन, एनिमेशन, विज़ुअल मीडिया एंड डिज़ाइन।

**टी. बाल शरवणन्, पीएच.डी** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता: मीडिया, प्रदर्शन और संस्कृति अध्ययन, टेलीविजन उत्पादन, नाटक और रंगमंच कला, गैर-रेखीय संपादन, प्रकाश डिजाइन, प्रोजेक्शन डिजाइन, निर्देशन

# ई.एम.एम.आर.सी - शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र

## मीडिया और संचार विद्यापीठ

**अध्यक्ष (प्रभारी) डॉ. एस.अरुल सेल्वन**

शिक्षा में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के उपयोग की क्षमता को महसूस करते हुए तथा देश में उच्च शिक्षा की जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) ने शैक्षिक संचार (सी ई सी) के लिए एक कंसोर्टियम की स्थापना की और विभिन्न विश्वविद्यालयों में उच्च शैक्षिक टेलीविजन चैनल, व्यास और वेब के माध्यम से ई-सामग्री व टेलीविजन शैक्षिक कार्यक्रम सॉफ्टवेयर तैयार करने हेतु शैक्षिक और मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र स्थापित किया है।

पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय में ई एम.ए.म आर सी ऐसा मीडिया सेंटर का 20 वां केंद्र है। नए स्टूडियो हेतु कर्मचारियों की भर्ती, उपकरणों की खरीद एवं ध्वनि विज्ञान से संबंधित सुविधाओं की स्थापना का काम चल रहा है। ई एम.ए.म आर सी के निर्माण से बहुत पहले शैक्षणिक वर्ष 2007-2008 के दौरान एक मल्टीमीडिया प्रोडक्शन सेंटर की स्थापना की गयी थी, जिसका उद्घाटन 29 मार्च 2008 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष आचार्य सुखदेव थोराट ने किया था। अत्याधुनिक वीडियो उत्पादन सुविधाओं से लैस यह केंद्र एक आत्मनिर्भर उत्पादन केंद्र है, जो सक्रिय रूप से शैक्षिक वीडियो वृत्तचित्र निर्माण, एनीमेशन फिल्म निर्माण, ई-व्याख्यान, दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम, शैक्षणिक स्टाफ कॉलेज कार्यक्रम और विश्वविद्यालय के महत्वपूर्ण शैक्षणिक घटनाओं के प्रलेखन के उत्पादन में लगी हुई हैं।

इस केंद्र ने विभिन्न विषयों के 65 वृत्तचित्र, 3 एनीमेशन फिल्म, 15 ई-व्याख्यान का निर्माण किया है। केंद्र ने जनवरी से दिसंबर 2017 के दौरान 125 कार्यक्रम और 15 एम.ओ.ओ.सी. व्याख्यान भी दर्ज किए हैं। इसके अलावा, केंद्र ने वर्तमान कुलपति प्रो गुरमीत सिंह के कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय गान हेतु एक दृश्य वृत्तचित्र और "पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय-एक गंतव्य" पर एक वृत्तचित्र भी तैयार किया है। बोर्ड की दूसरी बैठक 27.09.2018 को और मैसिव ओपेन ऑनलाइन कोर्स पर दिनांक 28.09.2018 को एक कार्यशाला आयोजित की गयी।

पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो गुरमीत सिंह ने नवंबर 2017 में जबसे अपना पद ग्रहण किया है तबसे पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के ई एम आर सी में एम.ओ.ओ.सी. पाठ्यक्रम के डिजाइन, विकास और वितरण को एक गति प्राप्त हुई है। । संकाय सदस्यों को नए एम.ओ.ओ.सी. पाठ्यक्रम विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और छात्रों के नामांकन हेतु प्रेरित किया जाता है। “स्वयं” मंच के माध्यम से एम.ओ.ओ.सी. पाठ्यक्रम संचालित होते हैं। वर्ष 2018-19:के दौरान पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय में ई एम.ए.म आर सी ने निम्नलिखित विषयों में छह एम.ओ.ओ.सी. पाठ्यक्रमों को मंजूरी दी है।

**प्राणि विज्ञान :**

1. शीर्षक : जीव विज्ञान के लिए जैव प्रक्रिया प्रौद्योगिकी
2. समुद्री जैवप्रौद्योगिकी

**हिंदी**

3. शीर्षक : भाषा प्रौद्योगिकी का परिचय
4. शीर्षक : प्रयोजनमूलक हिंदी

**पत्रकारिता**

5. फोटो पत्रकारिता
6. मीडिया कानून और नीति

**इस केंद्र के पुरस्कार प्राप्त कुछ वृत्त चित्र :**

**20वीं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-सी.ई.सी. शैक्षणिक वीडियो प्रतियोगिता (2009-10)**

1. 'दि साल्वेस ऑफ दि लैंप – सर्वोत्तम सिनेमाटोग्रफी और सर्वोत्तम आलेखन
2. प्रनथनम-कृति-प्रवन्नु (भावी पीढ़ी के लिए विरासत का संरक्षण) – सर्वोत्तम एनिमेशन

**21वीं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-सी ई सी शैक्षणिक वीडियो प्रतियोगिता (2010-11)**

1. दि टू सर्ववैवर (होर्सेशू क्राब) – वर्ष के दौरान कार्यक्रम का सर्वोत्तम निर्माता : श्री जे ए संजीव कुमार, पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय
2. दि टू सर्ववैवर (होर्सेशू क्राब) – सर्वोत्तम कथानक,

   कथानक का लेखक/आलेखक : डॉ जयंत मिश्रा, पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय
3. शिल्क दि क्वीन ऑफ फैबर – सर्वोत्तम केमैरा कार्य

   केमैरा मैन : श्री जी शिवकुमार, पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय
4. फ्रेंच फ्राग्रेंस एट पुदुच्चेरी – सर्वोत्तम संपादन

   संपादक : श्री एस बालमुरुगन, पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, नकद पुरस्कार : ₹ 25,000/-
5. दि ट्री – एनिमेशन में सर्वोत्तम कार्यक्रम

   एनिमेशन : सुश्री एम मानमती, पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, नकद पुरस्कार : ₹ 50,000/-

**सिनेमा उत्सवों में चयनित वृत्त चित्र**

**"प्रकृति सिनेमा उत्सव 2008", पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय**

1. जिंगी फोर्ट

**"प्रकृति सिनेमा उत्सव 2010", जोधपुर**

1. दि ब्राइड ऑफ अरवान
2. दि सेल्वेस ऑफ लैंप
3. दि किल्लर डस्ट

**"प्रकृति सिनेमा उत्सव 2011", त्रिपुरा**

1. मार्गदर्शी सिद्मा
2. दि मोडर्न मुनि

**"प्रकृति सिनेमा उत्सव 2012", मैसूर**

1. दि नाइट वारियर्स
2. अरियलुर रॉक्स
3. प्रोबियोटिक्स "ए वेल्यू ऑफ बयोटेक"
4. दि ऑफ्ट ऑफ ब्रोंज

**"प्रकृति सिनेमा 2013", कालिकट**

1. शेर द पेइन (श्री जे ए सजीव कुमार द्वारा निर्मित) – सर्वोत्तम वृत्त चित्र के रूप में चयनित

**"प्रकृति सिनेमा 2014", कोलकाता**

1. टू लाइफ
2. मोबाइल सोलार पॉवर
3. नानोबयोटिक्स : "ए होप फर क्योर"
4. रैनवाटर हार्वेस्टिंग

**विज्ञान प्रसार, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग – राष्ट्रीय विज्ञान चलचित्र मेला 2013", कोलकाता**

1. दि नाइट वारियर्स – श्री एस बालमुरुगन को लोकप्रिय विज्ञान श्रेणी में स्वर्ण बीवर पुरस्कार के तहत पुरस्कृत
2. दि रैन वाटर हार्वेस्टिंग – विज्ञान और प्रौद्योगिकी श्रेणी से संबंधित लघु चित्र के तहत चयनित और सूचीबद्ध किया गया और श्री एम इय्यनर को प्रतिभा प्रमाणपत्र प्रदान किया गया ।

**विज्ञान प्रसार, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग – राष्ट्रीय विज्ञान चलचित्र मेला 2014", बंगलूरू**

1. हार्से-शू क्रेब – श्री जे ए संजीव कुमार को रजत बीवर ट्रॉफी पुरस्कार तथा ₹ 50,000/- का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।
2. मोबाइल सोलार पावर – श्री एस बालमुरुगन को कांस्य बीवर ट्रॉफी पुरस्कार तथा ₹ 30,000/- का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।

**विज्ञान प्रसार, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग – राष्ट्रीय विज्ञान चलचित्र मेला 2015"**

1. टू लाइफ
2. वेर याम आई
3. नानोबयोटिक्स : "ए होप फर क्योर"

**22वीं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग – सी ई सी शैक्षणिक वीडियो प्रतियोगिता (2015-16)**

1. वीड्स ऑफ फ्यूचर, निर्माणात्मक अनुसंधान (विशेष उल्लेखन) आचार्य अरुल, जैवप्रौद्योगिकी विभाग, पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय

**निर्माता समूह :**

1. श्री ए संजीव कुमार, एम.ए. (संचार) – निर्माता
2. श्री एस बालमुरुगन, एम.एससी., एम.ए., एम.फिल., पी.जी.डी.ई.एम – निर्माण सहायक
3. श्री जी शिव कुमार, एम.ए., डी टी सी – केमेरा मैन
4. श्री एम अय्यनर, एम.एससी., एम.ए., एम.फिल., डी एफ टेक – तकनीकी सहायक
5. सुश्री एम मनमती, एम.बी.ए., पी.जी.डी.ए.एम. – ग्राफिक सहायक
6. श्री डी दुरैविजयन, बी एस सी, डी.ई.सी.सी., चित्रण सहायक
7. श्री एम उमेशन, एम.ए., बी.एलआईएस.सी, पी.जी.डी.टी.वी., आई.टी.आई – मीडिया तकनीशियन
8. श्री वी मीनाक्षी सुंदरम, ई एंड टीसी में डिप्लोमा, आई.टी.आई – मीडिया तकनीशियन

# पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग
# मीडिया और संचार विद्यापीठ

पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग की शुरुआत शैक्षणिक वर्ष 2007-08 के दौरान की गयी। इस विभाग द्वारा पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में व्यवसायिक स्नातकोत्तर डिग्री और पुस्तकालय सूचना विज्ञान में डॉक्टरेट की उपाधि दिए जाते हैं। इसके अलावा शाम में पुस्तकालय स्वचालन और नेटवर्किंग (पी.जी.डी.एल.ए.एन.) स्नातकोत्तर डिप्लोमा की अतिरिक्त पाठ्यक्रम की सुविधाएँ भी उपलब्ध है। पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चार सेमेस्टर सहित दो वर्षों का होता है । 10+2+3 प्रणाली के अंतर्गत मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी स्नातक डिग्री में सफल और पार्टIII (मुख्य विषयों में) के कुल अंकों में से कम से कम 50% अंक प्राप्त अभ्यर्थी इस पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन प्रस्तुत करने के पात्र होंगें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति/दिव्यांग श्रेणियों के उम्मीदवारों के मामले में विश्वविद्यालय द्वारा समय समय पर जारी दिशा निर्देशों के अनुसार अंकों के प्रतिशत में छुट दी जाएगी ।

अभ्यर्थी इस पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन प्रस्तुत करने के पात्र होंगें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति/दिव्यांग श्रेणियों के उम्मीदवारों के मामले में विश्वविद्यालय द्वारा समय समय पर जारी दिशा निर्देशों के अनुसार अंकों के प्रतिशत में छुट दी जाएगी ।

- **अध्ययन-कार्यक्रम**

पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में पीएच.डी- पूर्णकालिक और अंशकालिक( आंतरिक और बाह्य)

पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री (पूर्णकालिक- दो वर्ष)

पी.जी.डी.एल.ए.एन.(पुस्तकालय स्वचालन और नेटवर्किंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा–अतिरिक्त पाठ्यक्रम–1वर्ष (केवल शाम में)

- **प्रवेश परीक्षा**

**पीएच.डी**

पीएच.डी कार्यक्रम में प्रवेश योग्य शोध गाइड के पास उपलब्ध रिक्तता और शोधार्थि द्वारा चयनित विशेष शोध क्षेत्र के आधार पर होता है। इच्छुक अभ्यर्थी को विश्वविद्यालय द्वारा पीएच.डी में नामांकन के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में शामिल होना होगा। लिखित परीक्षा में बीएलआईएस और एमएलआईएस/पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के आधार पर 100 बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल होते हैं। प्रश्न पत्र में वर्तमान कार्यकलाप, भाषा कौशल आदि पर भी कुछ प्रश्न शामिल होगें।

अधिक जानकारी के लिए हमारे विश्वविद्यालय के वेबसाईट http://www.pondiuni.edu.in/admissions/eligibility.htm को देखें।

**एम.एलआईबी.आई.एससी.**

इस पाठ्यक्रम में प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवारों को मई के अंतिम सप्ताह या जून के प्रथम सप्ताह या विश्वविद्यालय द्वारा जारी तारीख को विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो घंटे की लिखित परीक्षा में शामिल होना होगा । लिखित परीक्षा में उम्मीदवारों की बौद्धिक क्षमता, अभिक्षमता और सामान्य ज्ञान से संबंधित 100 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगें। प्रश्न सामान्य ज्ञान, पुस्तकों, लेखकों, पुस्तकालायों, सूचना संसाधनों, पढने की आदतों और अन्य संबद्ध क्षेत्रों से लिए जाएंगें।

**पी.जी.डी.एल.ए.एन.**

कोई प्रवेश परीक्षा नहीं। न्युनतम 45% अंक के साथ उत्तीर्ण कोई भी स्नातक आवेदन प्रस्तुत करने के लिए पात्र है।

**पीएच.डी :** पीएच.डी पाठ्यक्रम शैक्षणिक वर्ष 2010-2011के दौरान शुरु किया गया जिसके तहत विविध पाठ्यक्रम यानि पूर्ण-कालिक और अंश-कालिक माध्यम (आंतरिक और बाह्य) उपलब्ध है।

**प्रमुख उद्देश्य**

- पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के क्षेत्र में स्वतंत्र और मौलिक शैक्षणिक शोध किए जाने के लिए शोधार्थियों की क्षमता को प्रदर्शित करना ।
- पुस्तकालयाध्यक्ष के कार्य सक्षमता में विकास के माध्यम से शोधार्थियों को तैयार करना जो बदलते परिवेश की चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सके ।

- प्रभावी शिक्षक, शोधकर्ता, संकाय सदस्य, पेशेवर आदि बनाने के लिए प्रत्येक अभ्यर्थी की दक्षता और आवश्यक कौशल को विकसित करना।
- सृजनात्मकता, विश्लेषणात्मक सोच, सुक्ष्मतम विश्लेषण और अभिनव समस्या समाधान तकनीक को बढाबा देना ताकि वर्तमान समय में पुस्तकालय कार्मिकों के समक्ष समस्याओं और कठिनाईयों से पार पाया जा सके और
- मानक विशेषज्ञ समिक्षित शैक्षणिक प्रकाशन में उनके शोध के परिणाम को स्थान देने में सहायता प्रदान करना

**पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री (एम.एलआईबी.आई.एससी.)**

एम. एलआईबी. आई. एससी. दो वर्षों का समग्र पाठ्यक्रम है जिसमें 75 क्रेडिट अंक होते हैं और यह तृतीय सेमेस्टर में इनटर्नशीप सहित चार सेमेस्टर का होता है जबकि अंतिम सेमेस्टर में प्रोजेक्ट कार्य करना होता है। यह पाठ्यक्रम बी एल आई एस(एक वर्ष)+एम.ए.ल आई एस(एक वर्ष) के समान है।

**प्रमुख उद्येश्य**

- देश और विदेश में पुस्तकालय और सूचना केंद्र में उच्चतम पदों को पाने के इच्छुक व्यक्तियों को आवश्यक बेहतर कौशल एवम प्रशिक्षण प्रदान करना।
- बदलती स्थिति के लिए पुस्तकालय और सूचना पेशेवर को तैयार करना।
- शिक्षार्थी को सूचना और समाज में इसके संचार के मूल अवधारणा से परिचय कराना।
- सूचना प्रक्रिया तकनीक की शिक्षा प्रदान करना और विविध खोज तकनीक की सहायता से प्रभावी रूप से सूचना पाने की क्षमता को विकसित करना।
- विविध सूचना प्रणालियों की सेवाओं और गतिविधियों से शिक्षार्थियों को अवगत कराना और संवेष्टन और समेकन तकनीक से परिचय कराना।
- शोध के विविध पद्धति और तकनीक से परिचय कराना
- शिक्षार्थी को अवगत कराना और पुस्तकालय और सूचना केंद्र से संबंधित नवीन प्रौद्योगिकी के विकास के प्रमुख मामलों के समाधान हेतु सक्षम बनाना।
- ओपेन सोर्स सॉफ्टवेयर के प्रयोग से आई.सी.टी. आधारित कौशल प्रदान करना जिससे कि स्वचालन और नेटवर्क परिवेश में सक्षमता पूर्वक कार्य कर सके और
- पुस्तकालय और सूचना केंद्रों को प्रभावी रूप से प्रबंधन हेतु शिक्षार्थियों को आधुनिक टुल्स और तकनीक की जानकारी देना।

## पुस्तकालय स्वचालन और नेटवर्किंग (पी.जी.डी.एल.ए.एन.) – एड-ऑन पाठ्यक्रम में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

पी.जी.डी.एल.ए.एन. पाठ्यक्रम शैक्षणिक वर्ष 2009-2010 के दौरान शुरु किया गया। 20 क्रेडिट अंक के इस पाठ्यक्रम में दो सेमेस्टर हैं। इसके लिए केवल शाम को 05.30 से 07.30 के दौरान कक्षाएं आयोजित किए जाते हैं।

**प्रमुख उद्देश्य**

- पुस्तकालय और सूचना केंद्रों में आई.सी.टी. के उपयोग से संबंधित ज्ञान और कौशल प्रदान करना।
- स्वचालित परिवेश में पुस्तकालायों द्वारा पुस्तकालय स्वचालन और सेवाएं प्रदान करने की मूल आवश्यकताओं की जानकारी देना।
- के ओ एच ए-पुस्तकालय स्वचालन हेतु ओपेन सोर्स सॉफ्टवेयर की मदद से पुस्तकालय रख-रखाव से संबंधित विविध गतिविधियों को सिखाना और उससे पूर्ण परिचित कराना।
- सूचना प्रणाली के इकाईयों की स्वयं जानकारी प्राप्त करना और एक सूचना प्रणाली को डिजाइन और विकसित करने का ज्ञान प्राप्त करना।
- नेटवर्किंग और इंटरनेट तकनीक की जानकारी और कौशल प्राप्त करना।
- इंटरनेट में उपलब्ध सूचना संसाधनों के विशेष संदर्भ के साथ कौशल विकसित करना।
- वेब आधारित विषय विकास कौशल को प्राप्त करना
- डिजिटल पुस्तकालय ओपेन सोर्स सॉफ्टवेयर "डिस्पेश" और "जीएसडीएल" को सीखना और उससे पूर्ण परिचित होना और
- किसी स्वचालित पुस्तकालय या सूचना केंद्रों में किसी प्रकार के कार्यकलाप/सेवाएं के प्रचालन में विश्वास को विकसित करना।

**आधारभूत संरचना की सुविधाएँ**

वास्तविक और शैक्षणिक मूलसंरचनाओं में एल सी डी प्रोजेक्टर सहित पी ए प्रणाली युक्त कक्षाएं, इंटरनेट सुविधा और आवश्यक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर शिक्षण टुल्स के साथ आधुनिक कंप्यूटर लेब, परिसर में वाई-फाई की सुविधा, ई-बुक कि सुविधा, ई-जर्नल और संस्थान की पुस्तकालय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नल और पत्रिकाओं की उपलब्धता, पुस्तकालय और सुचना विज्ञान पर अद्यतन पुस्तक, परिसर में छात्र और छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रावास आदि शामिल हैं । विभाग द्वारा अध्य्यन दौरे ,कार्यशाला, सेमिनार, भारत और विदेशी अतिथियों के साथ सत्रों का आयोजन जैसे कई अन्य गतिविधियाँ भी चलाई जाती हैं ।

**रोजगार के अवसर**

एम. एलआईबी. आई. एससी. कार्यक्रम एक व्यवसायिक डिग्री है। रोजगार के क्षेत्र में पुस्तकालय विशेषज्ञों की बहुत मांग है। एम.ए.ल आई एस / एम. एलआईबी. आई. एससी. स्नातकोत्तर पारंपरिक पुस्तकालय व सूचना केंद्रों और साथ साथ निगमित क्षेत्रों में पुस्ताकालयाध्यक्ष, सूचना वैज्ञानिक, ज्ञान प्रबंधक, केटालोगर, इंडेक्सर, सूचना विश्लेषक, संदर्भ सेवा विशेषज्ञ, परामर्श दाता आदि पदों पर चयनित किए जाते हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-नेट में सफल विद्यार्थी विश्वविद्यालय के सहायक पुस्ताकालयाध्यक्ष या किसी महाविद्यालय में पुस्ताकालयाध्यक्ष के रूप में प्रवेश पा सकते हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग- जे आर एफ सफल विद्यार्थी पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान के अवसर का लाभ उठा सकते हैं। पी.जी.डी.एल.ए.एन. की डिग्री और स्वचालन और नेटवर्किंग का ज्ञान प्राप्त विद्यार्थी को रोजगार में वरीयता दी जाएगी । हमारे नियोक्ताओं में एल आई एस स्कुल,सभी प्रकार के पुस्तकालय और सुचना केंद्र, टी सी एस,आई एस बी जैसे निगमित कंपनियाँ शामिल हैं।

**एम. एलआईबी. आई. एससी. का पाठ्यक्रम संरचना**

एम. एलआईबी. आई. एससी. का पाठ्यक्रम संरचना नीचे प्रस्तुत है:

**सिद्धांत**

पुस्तकालय, संचार और समाज, संदर्भ और सूचना के स्रोत, ज्ञान समेकन, सूचना प्रबंधन हेतु आई.सी.टी., पुस्तकालय और सूचना केंद्रों का प्रबंधन, सूचना प्रणाली और सेवाएं, आई एल एम.ए.स और डिजीटल पुस्तकालय, सूचना अभिवेदन और खोज, शोध पद्धति,सॉफ्ट स्किल, ज्ञान प्रबंधन,इलेक्ट्रोनिक स्रोत प्रबंधन।

विद्यार्थी को द्वितीय सत्र से उपलब्ध एक या अधिक वैकल्पिक विषयों को चुनना होगा। वैकल्पिक विषयों में जन पुस्तकालय प्रणाली, परिरक्षण और संरक्षण, विद्यालय पुस्तकालय प्रणाली, तकनीक लेखन, वस्तु रूप विज्ञान, वेब तकनीक, सूचना उत्पाद और सेवाएं का विपणन, सूचना विज्ञान, ई-प्रकाशन, इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट आदि शामिल हैं।

**अभ्यास**

एम. एलआईबी. आई. एससी. का अभ्यास पाठ्यक्रम: सूचना तकनीक अभ्यास जिसमें के ओ एच ए, जी एस डी एल, डीस्पेस और ड्रुपल, ज्ञान संरचना-एक: डी डी सी के अनुसार वर्गीकरण पद्धति, इडी 22, ज्ञान संरचना-दो: एएसीआर-2 के तहत प्रसुचीकरण पद्धति, परियोजना और इंटर्नशीप।

**परियोजना और इंटर्नशीप**

पाठ्यक्रम के एक हिस्सा के रूप में विद्यार्थी को एक परियोजना पर पूरा कार्य करना होगा और किसी ख्यातिप्राप्त पुस्तकालय/सूचना केंद्र में द्वितीय और तृतीय सत्र के बीच के ग्रीष्म कालीन छुट्टी के दौरान एक माह के लिए इंटर्नशीप करना होगा ।

**संकाय**

आचार्य

**चेन्नुपाटि के रमेश,पीएच.डी** (लाबोरो विश्वविद्यालय,यू.के.)

*विशेषज्ञता : पुस्तकालय और सूचना सेवाएं में आई.सी.टी. का उपयोग*, मल्टी मीडिया, हाइपरटेक्स्ट, ई-लर्निंग, युसर इंटरफेस, ह्युमन कंप्युटर इंटरेकसन, वेब/ई-प्रकाशन, आर्चिवल इनफोरमेटिक्स,स्वास्थ्य सेवा सूचना, स्कुल पुस्तकालय

सहायक आचार्य और प्रमुख

**आर. सेवुकन, पीएच.डी** (अन्नामलै विश्वविद्यालय)

*विशेषज्ञता* : पुस्तकालय स्वचालन, साइंटोमेट्रीक्स, शैक्षणिक पुस्तकालय प्रणाली, शोध पद्धति, व्यवहारीय सूचना, पुस्तकालय में आई.सी.टी. का उपयोग।

**सहायक आचार्य**

**रेखा रानी वर्गिस,पीएच.डी** (केलीकट विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता*: पुस्तकालय में सुचना प्रौद्योगिकी* , संस्थान के  पुस्तकालय ,सुचना प्राप्ति, मेंगखोलेन सिंसन पीएच.डी के साथ अध्ययन(नोर्थ ईस्ट हिल विश्वविद्यालय),

विशेषज्ञता *:सुचना तकनीक का विपणन*, ज्ञान प्रबंधन,ई- जर्नल

**एम. लीलाधरन, एम.फिल.**(अन्नामलाई विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता *: सूचना प्राप्ति,* साइंटोमेट्रीक्स*, ज्ञान व्यवस्था*

# अभियांत्रिकी व प्रौद्योगिकी विद्यापीठ

**विद्यापीठाध्यक्ष (प्रभारी) : आचार्य पी धन्वंतन्**

**कंप्यूटर विज्ञान विभाग**

**इलेक्ट्रानिक्स विज्ञान विभाग**

**प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरणीय अभियांत्रिकी केंद्र**

पूरे विश्व में वृद्धि और विकास के लिए शसक्त पर्यावरण मैत्री प्रणाली हेतु विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई पद्धतियों पर कार्य किया जाना आवश्यक हैं। इस विद्यापीठ द्वारा विश्वविद्यालय के शैक्षणिक इकाइयों और इसके सहबद्ध अभियांत्रिकी महाविद्यालयों के कार्यकलापों को भी नियंत्रित करता है, जहाँ उत्कृष्ट मूलसंरचना और सुविधाओं के साथ कई स्नातक पूर्व, स्नातकोत्तर और पीएच.डी. पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। आगामी वर्षों में इस अभियांत्रिकी विद्यापीठ से कई नये केंद्र जुड़ेंगे और व्यापक प्रतिभागिता तथा सहयोग के लिए अनुसंधान व विकास क्षेत्र में राष्ट्रीय सुविधाएँ उपलब्ध की जाएगी। इन इकाइयों के साथ कार्य करने और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए उद्योगों को आमंत्रित किया जाता है।

# कंप्यूटर विज्ञान विभाग
# अभियांत्रिकी व प्रौद्योगिकी विद्यापीठ

इस विभाग के आशय में विविध स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के माध्यम से कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी तथा सूचना प्रौद्योगिकी में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना शामिल है। इसके द्वारा कंप्यूटर विज्ञान अभियांत्रिकी और सूचना प्रौद्योगिकी के विविध उन्नत क्षेत्रों में अनुसंधान करने हेतु शोधार्थियों के लिए उपयुक्त माहौल प्रदान किया जाता है।

- **अध्ययन-कार्यक्रम**

**एम.एससी** कंप्यूटर विज्ञान (विश्वविद्यालय का प्रधान परिसर व कारैकाल परिसर)
**एम.सी.ए.** विश्वविद्यालय का प्रधान परिसर व कारैकाल परिसर
**एम.एससी.** कंप्यूटर विज्ञान (पाँचवर्षीय एकीकृत)
**एम टेक** कंप्यूटर विज्ञान व अभियांत्रिकी
**एम टेक** नेटवर्क व सूचना संरक्षा
**पीएच.डी** कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी (पूर्णकालिक, अंशकालिक (आंतरिक व बाह्य)

- **प्रवेश परीक्षा**

**एम.एससी. कंप्यूटर विज्ञान :** प्रवेश परीक्षा में निष्पादन के आधार पर एम.एससी. पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है। प्रवेश परीक्षा बहुविकल्पीय होता है। प्रश्न पत्र में 20 प्रश्न सामान्य अंकगणित व गणितीय क्षमता और डाटा स्ट्रक्चर्स, कलन गणित, डिजिटल तार्किक, कंप्यूटर संगठन, प्रचालन प्रणाली, सिस्टम सॉफ्टवेयर, सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी, कंप्यूटर नेटवर्क्स, डी बी एम.ए.स, प्रोग्रामिंग भाषाएँ (सी और सी + +) और कंप्यूटर विज्ञान से संबंधित डोमैन में हाल ही की पद्धतियों से संबंधित 80 प्रश्न होंगे।

**एम. सी. ए.:** प्रवेश परीक्षा में अभ्यर्थी के निष्पादन के आधार पर एम.सी.ए. पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है। प्रवेश परीक्षा बहुविकल्पीय होता है। प्रश्न पत्र में कंप्यूटर विज्ञान से संबंधित डोमैन और प्रोग्रामिंग भाषा (सी) में तार्किक क्षमता, गणितीय क्षमता और सामान्य ज्ञान से संबंधित विषयों के 80 प्रश्न शामिल होंगे।

**एम.टेक. कंप्यूटर विज्ञान और एम.टेक. नेटवर्क व सूचना सुरक्षा :** लिखित परीक्षा में 100 बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न होते हैं। 80 प्रश्नों में डाटा स्ट्रक्चर्स और कलन गणित, कंप्यूटर आर्किटेक्चर, प्रचालन प्रणालियाँ और सिस्टम सॉफ्टवेयर, माइक्रोप्रोसेसर्स, डी बी एम.ए.स, नेटवर्क्स, कंपैलर्स, आटोमाटा और फार्मल भाषाएँ, एआई, ग्राफिक्स, सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी, प्रोग्रामिग भाषाएँ (सी, सी++ और जावा) और कंप्यूटर विज्ञान संबंधी डोमैन में हाल ही की पद्धतियाँ आदि विषय शामिल होते हैं।

**पीएच.डी :** प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार में अभ्यर्थी के निष्पादन के आधार पर पीएच.डी में प्रवेश दिया जाता है। प्रवेश परीक्षा में डाटा स्ट्रक्चर्स और कलन गणित, कंप्यूटर आर्किटेक्चर, प्रचालन प्रणालियाँ और सिस्टम सॉफ्टवेयर, माइक्रोप्रोसेसर्स, डी बी एम.ए.स, नेटवर्क्स, कंपैलर्स, आटोमाटा और फार्मल भाषाएँ, एआई, ग्राफिक्स, सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी, प्रोग्रामिग भाषाएँ (सी, सी++ और जावा) और कंप्यूटर विज्ञान संबंधी डोमैन में हाल ही की पद्धतियाँ आदि कंप्यूटर विज्ञान से संबंधित विषयों से 100 बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल किए जाते हैं।

**विद्यार्थी गतिविधियाँ :-**

दि कंप्यूटर विज्ञान छात्र संघ, पी आई एक्स ई एल व्याख्यान और विद्यार्थी बैठकों के आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों के कौशल को विकसित करने का अवसर प्रदान करता है। विभाग के पूर्व छात्रों द्वारा विद्यार्थियों के कौशल को अद्यतन करने के लिए आवधिक तौर पर नए विषयों पर व्याख्यान दिए जाते हैं।

**रोजगार**

विद्यार्थियों के सदस्य और संकाय के सलाहकार से गठित रोजगार प्रकोष्ठ द्वारा विभाग की रोजगार गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। रोजगार प्रकोष्ठ द्वारा प्रतिवर्ष परिसर में भर्ती कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और आई बी एम, एच सी एल, विप्रो,

इनफोसिस, टी सी एस, वेरिजोन, आई टी सी, सी टी एस, हनीवेल, आईगेट आदि जैसे एम.ए.न सी में पात्र विद्यार्थियों के लिए रोजगार सुविधा प्रदान की जाती है और इसमें संस्थान की स्थिति गौरवशाली है।

**संकाय**

**आचार्य**

**आर. सुब्रमणियन, पीएच.डी** (आई आई टी दिल्ली)

विशेषज्ञता : मूल्यांकनीय कलन गणित व क्लाउड कंप्यूटिंग

**पी. ध्वचेलवन, पीएच.डी** (अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता : सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी व अनुकूलतम कलन गणित

**सह आचार्य व विभागाध्यक्ष**

**टी. चित्रलेखा, पीएच.डी** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता : सूचना संरक्षा व डाटा विज्ञान

**सह आचार्य**

**एस.शिव सत्या, पीएच.डी** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)

विशेषज्ञता : मूल्यांकनीय कलन गणित, बेतार कंप्यूटिंग व स्पाटियल डाटा मैनिंग

**सहायक आचार्य**

**आर.पी. शीनिवासन्, एम.सी.ए., एम.फिल.** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता : सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी और डाटाबेस प्रबंधन प्रणालियाँ

**के. विजयानंद, पीएच.डी** (आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश)

विशेषज्ञता : प्राकृतिक भाषा प्रोफेसेंग

**टी. शिव कुमार, पीएच.डी** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)

विशेषज्ञता : डाटाबेस प्रबंधन प्रणाली व कंप्यूटर नेटवर्क्स

**आर.सुनीता, पीएच.डी** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)

विशेषज्ञता : सैद्धांतिक कंप्यूटर विज्ञान और ज्ञान अभियांत्रिकी

**पोतुला सुजाता, पीएच.डी (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)**

विशेषज्ञता : सूचना पुनरोद्धार, बहुभाषीय प्रणाली व डाटाबेस प्रौद्योगिकियाँ

**के. सुरेश जोसफ, पीएच.डी (अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नै)**

विशेषज्ञता : प्रचालन प्रणाली व सॉफ्ट कंप्यूटिंग

**एम. सत्या, एम.टेक (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)**

विशेषज्ञता : सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी

**के.एस. कुप्पुसामी, पीएच.डी (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)**

विशेषज्ञता : मानव कंप्यूटर समन्वय व एक्सिसबिलिटी कंप्यूटिंग

**एस.के.वी. जयकुमार, पीएच.डी (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)**

विशेषज्ञता : वेब सर्वीसेज कंप्यूटिंग, क्लाउड कंप्यूटिंग व डाटा विज्ञान

**वी. उमा, पीएच.डी (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)**

विशेषज्ञता : आर्टिफिशियल इंटिलिजेंस, डाटा मैनिंग, मशीन अधिगम व गहन अधिगम

**पी. शांति बाला, पीएच.डी (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)**

विशेषज्ञता : वितरित कंप्यूटिंग प्रणालियाँ, ज्ञान अभियांत्रिकी और कंप्यूटर नेटवर्क

**एम.नंदिनी, पीएच.डी (भारतीयार विश्वविद्यालय, कोयंबत्तूर)**

विशेषज्ञता : आर्टिफिशियल इंटिलिजेंस, सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी, मूल्यांकनीय कलन गणित व संयुक्त अनुकूलतम

**टी.वेंगटरत्नम, पीएच.डी (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)**

विशेषज्ञता : वितरित कंप्यूटिंग व प्रकृति प्रभावित कलन गणित

**एस.रवि, पीएच.डी (एम.ए.स विश्वविद्यालय, तिरुनेल्वेली(**

विशेषज्ञता: इमेज प्रोसेसिंग, कलन गणित, बयो-मेट्रिक सिस्टम्स, प्रचालन प्रणालियाँ व मेडिकल इमेजिंग

# इलेक्ट्रानिक्स अभियांत्रिकी विभाग
# अभियांत्रिकी व प्रौद्योगिकी विद्यापीठ

ग्यारहवीं योजना के तहत शैक्षणिक वर्ष 2010-11 में स्थापित अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ के अंतर्गत प्रथम अभियांत्रिकी विभाग इलेक्ट्रानिक्स अभियांत्रिकी विभाग है। विभाग के प्रथम उद्देश्य के तहत योग्य तकनीकी व्यक्तियों की बढ़ती माँग की पूर्ति करने के लिए इलेक्ट्रानिक्स और संचार अभियांत्रिकी के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान प्रदान करना शामिल है। इस विभाग द्वारा इलेक्ट्रानिक्स और संचार अभियांत्रिकी विषयों में एम टेक तथा डॉक्टर ऑफ फिलासफी नामक दो पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। सैद्धांतिक तथ्यों की दिशा में विद्यार्थियों को अभिप्रेरित करना तथा इलेक्ट्रानिक्स और संचार अभियांत्रिकी के क्षेत्र में नवीन प्रौद्योगिकी के साथ विद्यार्थियों को पर्याप्त ज्ञान देना इस विभाग के ध्येय तथा लक्ष्य है।

- **अध्ययन-कार्यक्रम**

**एम.टेक. :** (इलेक्ट्रानिक्स तथा संचार अभियांत्रिकी)

(अवधि: 2 वर्ष – पूर्णकालीन)

**एम. टेक. :** (संचार और सूचना प्रणाली)

(अवधि: 2 वर्ष – पूर्णकालीन) (स्व-वित्तीय पोषण पद्धति)

**पीएच.डी :** (इलेक्ट्रानिक्स तथा संचार अभियांत्रिकी)
(पूर्णकालीन/अंशकालीन)

- **प्रवेश परीक्षा**

**एम. टेक. पाठ्यक्रम :**

देश के विविध केंद्रों में पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के प्रवेश परीक्षा में परिणामों के आधार पर विद्यार्थियों का चयन किया जाता है। प्रश्न पत्र में स्नातक पूर्व स्तर के अभियांत्रिकी गणित विज्ञान, भौतिक और इलेक्ट्रानिक्स व संचार अभियांत्रिकी/सूचना प्रौद्योगिकी विषयों में से 100 बहुविकल्पी प्रश्न शामिल होंगे।

**पीएच.डी** (इलेक्ट्रानिक्स एण्ड संचार अभियांत्रिकी)

पूरे देश के विविध प्रदेशों में पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार में निष्पादन के आधार पर पीएच.डी पाठ्यक्रम के लिए विद्यार्थियों का चयन किया जाता है। प्रवेश परीक्षा के प्रश्न पत्र में प्रोबेबिलिटी और स्टोकेस्टिक प्रक्रिया और स्नातकोत्तर स्तर पर इलेक्ट्रानिक्स और संचार अभियांत्रिकी के सभी प्रमुख क्षेत्रों से 100 बहुविकल्पी प्रश्न होंगे।

**अनुसंधान कार्य के लिए ध्यान केंद्रित क्षेत्र**

- एंटीनास
- डिजिटल संकेत और इमेज प्रक्रिया
- एम ई एम.ए.स/एन ई एम.ए.स
- माइक्रोवेव और मिल्लीमीटर-वेव अभियांत्रिकी
- नेटवर्क और सूचना संरक्षा
- ऑप्टिकल संचार और उपकरण
- वीएलएसआई डिजाइन
- बेतार संचार और नेटवर्क्स

**आधारभूत संरचनात्मक सुविधाएँ**

**उपकरणों का विवरण :**

- अनलॉग एण्ड डिजिटल संचार प्रशिक्षक किट
- आर्बिटरी वेवफाम जेनरेटर
- डिजिटल संकेत प्रोसेसर प्रशिक्षक किट
- डीएसओ (200 एम.ए.च जड और 500 एम.ए.च जड)
- माइक्रोकंट्रोलर आधारित प्रणाली डिजाइन प्रशिक्षक किट
- माइक्रोस्ट्रिप एंटीना प्रशिक्षक किट
- मिक्सड सिग्नल ओसिल्लोस्कोप (1 जी एच जड)

- वेक्टर नेटवर्क विश्लेषक (90 के एच जड से 3 जी एच जड)
- जैलिंक्स एफ पी जी ए प्रशिक्षक किट
- ए आर एम प्रोसेसर किट
- वेक्टर नेटवर्क विश्लेषक (100 के एच जड-8 जी एच जड)
- स्पेक्ट्रम विश्लेषक (100 के एच जड-8 जी एच जड)

**कंप्यूटर सुविधाएँ**

विश्वविद्यालय के कंप्यूटर केंद्र में उपलब्ध कंप्यूटिंग सुविधा के अतिरिक्त इलेक्ट्रानिक्स अभियांत्रिकी विभाग में निम्नलिखित सुविधाओं के साथ अलग से कंप्यूटर प्रयोगशाला हैं:

- एच पी – डेस्कटॉप कंप्यूटर्स - 30 सं
- आई ई3डी-मेंटर ग्राफिक्स - 3 प्रयोक्ता
- मेटलेब आर 2012बी - 30 प्रयोक्ता
- ओआर सी ए डी पी सी बी सूट - 30 प्रयोक्ता
- जीलिंक्स (वी एच डी एल/वी ईआर आई एल ओ जी) - 25 प्रयोक्ता
- क्वालनेट - 1 प्रयोक्ता

**विद्यार्थी गतिविधियाँ**

विद्यार्थियों के इन्नोवेशन माइंड्स ऑफ प्रोफेशनल असोसियेशन क्रियेटिंग टेक्नालॉजीज (इंपैक्ट) नामक तकनीकी संघ विविध संस्थाओं के युवा को समेकित करके अपने नवीनतम विचारों को आपस में बाँटने और अपने तकनीकी तथा वैयक्तिक कौशल को विकसित करने में एक मंच प्रदान करता है। इससे विद्यार्थियों को कक्षा में सीखने से दूर अपनी प्रतिभा निखारने और आगामी प्रद्योगिकियों के साथ उनको जोड़ने में सहयोग मिलता है।

**अनुसंधान गतिविधियाँ**

विभाग के संकाय सदस्यों को ए आई.सी.टी. ई, डी एस टी, एम ओ डी और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग जैसे विविध निधीयन अभिकरणों से अपने अनुसंधान को जारी करने के लिए अनुसंधान अनुदान प्राप्त हुआ।

**रोजगार गतिविधियाँ :**

विश्वविद्यालय के रोजगार प्रकोष्ठ द्वारा विभाग के विद्यार्थी सदस्य और संकाय के समन्वयक के साथ विभाग के रोजगार गतिविधियों का अनुश्रवण किया जाता है। कंपनियों/उद्योगों में बेहतर रोजगार प्राप्त करने हेतु रोजगार प्रकोष्ठ के माध्यम से पात्र विद्यार्थियों को पर्याप्त अवसर उपलब्ध किए जाते हैं।

**छात्रवृत्ति**

विश्वविद्यालय के अध्येतावृत्ति के साथ, शोधार्थियों को इन्सपाइर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग गेट, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-नेट/जे आर एफ, एम.ए.न ए एफ, विश्वेश्वरय्या छात्रवृत्ति, आर.जी.एन.एफ. आदि अध्येतावृत्तियों का प्रावधान है।

**संकाय**

**सह आचार्य व विभागाध्यक्ष**

**आर. नक्कीरन, पीएच.डी (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)**

विशेषज्ञता : ऑप्टिकल संचार, बेतार संचार, एंटीनास और इलेट्रोमैग्नेटिक्स

**सहायक आचार्य**

**पी. शामुन्दीश्वरी, पीएच.डी (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी)**

विशेषज्ञता : बेतार संचार और नेटवर्क्स, बेतार सुरक्षा, कंप्यूटर नेटवर्क्स और ऑप्टिकल संचार

**टी. षण्मुगनाथम, पीएच.डी (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्था, तिरुचिरापल्ली)**

विशेषज्ञता : एंटीनास, माइक्रोवेव एण्ड मिल्लीमीटर – वेव इंजीनियरिंग, एम ई एम.ए.स/एन ई एम.ए.स

**के. अनुसूधा, पीएच.डी (वी आई टी विश्वविद्यालय, वेल्लूर)**

विशेषज्ञता : डिजिटल सिग्नल और इमेज प्रोसेसिंग

स्टेनोग्राफिक टेक्निक्स – डिजिटल वाटरमार्किंग एण्ड फोरेनसिक इमेज एनालशिस

# प्रदूषण नियंत्रण व पर्यावरणीय अभियांत्रिकी केंद्र
# अभियांत्रिकी व प्रौद्योगिकी विद्यापीठ

वर्ष 1991 में स्थापित इस केंद्र में अनुप्रयुक्त पर्यावरणीय अनुसंधान, शिक्षण और औद्योगिक परामर्श से संबंधित व्यापक संस्कृति विकसित की गयी। भारत और विदेशों के सीमांत अनुसंधान क्षेत्रों में प्रशिक्षित कई कुशल पीएच.डी और एम.टेक उपाधि प्राप्त संकाय केंद्र की मानवशक्ति को अनुभवी बनाने में प्रमुख रूप से सहयोग दिए हैं। इससे उनके नियंत्रणाधीन चालू प्रयोगशालाओं/इकाइयों को अनुसंधान व विकास की उच्च अवस्था प्राप्त करने की दिशा में नये सिरे से आगे बढ़ने तथा नये अवसर प्रदान करने के प्रयास में गति आयी है। प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय पुरस्कार, प्रमुख शिक्षा/पेशेवार निकायों की अध्येतावृत्तियों के लिए चयन और प्रतिष्ठात्मक तकनीकी पत्रिकाओं के संपादकीय मंडल में नामांकन आदि प्रयासों के माध्यम से मान्यता प्राप्त हुई। पर्यावरणीय अभियांत्रिकी (अभियंता संस्था द्वारा प्रदत्त) में राष्ट्रीय डिजाइन पुरस्कार, दि यंग इंजीनियर अवार्ड और उत्कृष्ट महिला अभियंता के लिए सुमन शर्मा पुरस्कार, आई आई टी आर के शासित मंडल में नामांकन और अन्य प्रमुख संस्थाओं तथा पर्यावरण मैत्री प्रक्रिया विकास में अग्रगामी अनुसंधान के लिए बेहतर आलेख के प्रस्तुतीकरण के क्रम में पुरस्कार की प्राप्ति सहित हाल ही में मान्यताएँ प्राप्त हुईं।

अब तक इस केंद्र के विज्ञान, पर्यावरणीय विज्ञान व प्रौद्योगिकी, जैव-संसाधन प्रद्योगिकी, जोखिमयुक्त पदार्थों की पत्रिका, जैवरसायन अभियांत्रिकी पत्रिका, पर्यावरणीय नमूने व सॉफ्टवेयर, अनुप्रयुक्त ऊर्जा, स्वच्छ उत्पादन पत्रिका, अक्षय तथा स्थाई ऊर्जा समीक्षाएँ, प्रक्रिया उद्योगों में क्षति की रोकथाम की पत्रिका, ट्रान्स आई सीएचईएम (यू के), ट्रान्स एआईसीएचई (यू.एस.ए.) आदि उच्च प्रभावी-कारक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 250 से अधिक आलेख प्रकाशित हुए। इस केंद्र द्वारा वैश्विक स्तर पर सरकारी विभागों, उद्योग और शैक्षणिक संस्थाओं को विशेषज्ञों की सलाह उपलब्ध की जाती है। रसायनिक और पर्यावरणीय अभियांत्रिकी के क्षेत्र में कई प्रकाशन उत्कृष्ट माने गए हैं।

नवीकरण शिक्षण और पाठ्यक्रम में विकास जैसे केंद्र के प्रयासों के परिणामस्वरूप आक्सफर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, प्रेनटिस-हाल, ओरियंट लॉगमैन, स्प्रिंजर, एल्सेवियर, अकडमिक प्रेस आदि द्वारा 39 प्रचलित पाठ्यपुस्तकों और संदर्भ पुस्तकों का प्रकाशन हुआ। यहाँ के शिक्षण की गुणवत्ता को विद्यार्थियों द्वारा उच्चतर रैंक दिया गया और अध्यापक दिवस के अवसर पर इसके दो संकाय सदस्य प्रतिभा प्रमाणपत्रों से पुरस्कृत हैं।

**आधारभूत संरचनात्मक सुविधाएँ :**

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा केंद्र के लिए एक सटैंड-एलोन भवन हेतु विशेष रूप से निधियों की व्यवस्था की गयी। ए आई.सी.टी. ई द्वारा पर्यावरणीय जैव-प्रौद्योगिकी हेतु विशेष सहायता प्रदान करने के साथ कंप्यूटर-सहायतायुक्त पर्यावरणीय प्रबंधन इकाई की स्थापना की गयी। अधिक संख्या में आयोजित अनुसंधान व विकास परियोजनाओं के परिणामस्वरूप केंद्र की मूलसंरचना के तहत उपयुक्त प्रयोगशाला और क्षेत्र उपकरण जोड़े गए। सुविधाओं में भौगोलिक सूचना प्रणाली (जी आई एस), पर्यावरणीय अनुश्रवण और प्रभाव का आंकलन, प्रदूषण नियंत्रण (खासकर जैवप्रक्रिया अभियांत्रिकी के साथ), जोखिम का आंकलन, कंप्यूटर सहायतायुक्त पर्यावरणीय प्रबंधन और कंप्युटेशनल फ्ल्यूइड डैनमिक्स शामिल हैं।

**अनुसंधान व विकास परियोजनाएँ :**

केंद्र को डी बी टी, डी एस टी, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, सी एस आई आर और एम ओ डब्ल्यू आर जैसे प्रमुख प्रायोजक अभिकरणों का सहयोग प्राप्त हुआ।

**अध्ययन- कार्यक्रम**

**एम टेक :** पर्यावरणीय अभियांत्रिकी व प्रबंधन

**पीएच.डी :** पर्यावरणीय प्रौद्योगिकी

विद्यार्थियों की सर्वांगीण व्यवसायिक तरक्की और जीवन की वास्तविक परिस्थितियों के प्रति उन्हें अभिज्ञ बनाने के विचार से उनके महत्व के आधार पर पाठ्यक्रमों का निर्धारण किया गया है।

सिद्धांत, तकनीकी और अनुप्रयुक्त पर्यावरणीय अध्ययन में विद्यार्थियों को प्रवीण बनाने के अलावा, ये कार्यक्रम उनके संप्रेषण और प्रबंधकीय कौशल के विकास के आशय से भी तैयार किए गए हैं। केंद्र कभी भी दिए गए समय में कई प्रमुख अनुसंधान व विकास तथा औद्योगिक परामर्श परियोजनाओं के तहत समकालीन पर्यावरणीय समस्याओं को सुलझाने का प्रयास किया जाता है, जिससे विद्यार्थियों को भी व्यवसाय के वास्तविक जीवन की माँगों से परिचित होने तथा अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलता है। परिणामस्वरूप, केंद्र में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को देश और विदेश में उद्योग के क्षेत्र में और साथ ही शैक्षणिक ओर से भी अग्रगामी बनने का सुअवसर प्राप्त हुआ है।

**प्रवेश परीक्षा**

**एम टेक :** (पर्यावरणीय अभियांत्रिकी व प्रबंधन)/

**पीएच.डी :** पर्यावरणीय प्रौद्योगिकी। प्रवेश परीक्षा में भौतिक, रसायन, गणित और पर्यावरण अध्ययन के विषयों से संबंधित 100 बहुविकल्पी प्रश्न होंगे।

**रोजगार**

**संकाय सदस्यों के रूप में :**

इस केंद्र से पीएच.डी उपाधि प्राप्त अभ्यर्थी बिट्स पिलानी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-रूरकी, दि मेमोरियल विश्वविद्यालय ऑफ न्यू फौंडलैंड, कनड़ा, एमजी विश्वविद्यालय, कोट्टयम, पेट्रोलियम विश्वविद्यालय, देहरादून आदि प्रतिष्ठित संस्थाओं में उत्कृष्ट रैंक के साथ संकाय सदस्य के रूप में चयनित हुए हैं। पीएच.डी उपाधि प्राप्त अभ्यर्थी सूचना प्रौद्योगिकी तथा रसायन उद्योगों में उच्च पदों पर कार्यरत हैं।

**औद्योगिक संस्थाओं में :**

इस केंद्र से एम टेक उपाधि प्राप्त अभ्यर्थी सीआरआई, सी.पी.सी.एल, कोल इंडिया लिमिटेड और हिंदुस्तान लीवर सहित कई उद्योगों में अविलंब रोजगार प्राप्त किए हैं। उन्हें प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा भी प्राथमिकता दी गयी। कई विद्यार्थी आई आई टी या यू एस ए/यू के के प्रमुख विश्वविद्यालयों में डॉक्टरल अध्ययन हेतु प्रवेश पाए हैं।

**संकाय**

**सहायक आचार्य व केंद्र के अध्यक्ष (प्रभारी)**

**एस. गजलक्ष्मी, पीएच.डी** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता : जैवप्रक्रिया प्रौद्योगिकी, पर्यावरणीय जैवप्रौद्योगिकी, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

**सहायक आचार्य**

**तस्नीम अब्बासी, पीएच.डी** (अन्ना विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता : जल व पर्यावरणीय अभियांत्रिकी, प्रक्रिया सुरक्षा, प्रोसेस मोडलिंग एण्ड सिम्युलेशन

**एस. सुडलै, एम.टेक. (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय)**

विशेषज्ञता : पर्यावरणीय अभियांत्रिकी

# मदनजीत हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी विद्यापीठ

## विद्यापीठाध्यक्ष (प्रभारी) : आचार्य के. अन्बलगन्

**हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी केंद्र**
**नैनोविज्ञान तथा प्रौद्योगिकी केंद्र**

वर्तमान ऊर्जा की माँग की अधिकतम पूर्ती रसायन प्रज्वलन के माध्यम से ऊर्जा के रसायनिक स्रोतों से हो रही है। कोयला, तेल और प्राकृतिक गैस जैसे पारंपरिक जैव इंधन के प्रज्वलन से कई पर्यावरणीय खतरे उत्पन्न होते हैं, जिनसे वैश्विक ऊष्मीकरण में वृद्धि होती है और दिन-प्रतिदिन ऐसे जैव इंधनों के भंडार समाप्त हो रहे हैं। हमारी धरती के संरक्षण के साथ अक्षय ऊर्जा के संसाधनों के उपयोग के लिए वर्तमान ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को हरित तथा स्वच्छ अक्षय संसाधनों के लिए उन्नयन करना है। सूरज की रोशनी, वायु, ज्वार आदि जैसे प्राकृतिक पुनर्भरणीय स्रोतों के उपयोग में शामिल कोई ऊर्जा प्रौद्योगिकी हरित और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियाँ मानी जाती है।

भारत देश 'अक्षय ऊर्जा देश' उपयोग सूची में द्वितीय स्थान पर प्राप्त किया है। विकसित देशों की तुलना में, भारत में प्रति व्यक्ति की ऊर्जा खपत अभी भी बहुत कम है, हालाँकि ऊर्जा की माँग बढ़ रही है। साथ ही, भारत देश में संपदा, सूर्य, वायु, समुद्र की लहरें और बायोमास जैसे कभी समाप्त नहीं होनेवाले ऊर्जा की उपलब्धता है। इसके अलावा, लगभग विश्व के कुल कठोर कोयला के 12% मात्रा के साथ विश्व में भारत को तृतीय स्थान प्राप्त है। हालाँकि, उपलब्ध भंडार सामनयतः निम्न गुणवत्ता के अंतर्गत है।

भारत देश में राष्ट्रीय सौर लक्ष्य के तहत वर्ष 2022 तक अक्षय ऊर्जा के संसाधनों से 100 जी डब्ल्यू उत्पादन का लक्ष्य बनाया गया है। भारत में प्रौद्योगिकियों में बढ़नेवाली ऊर्जा की माँग, महत्वपूर्ण रूप से ऊर्जा कटौतियों के बराबर ऊर्जा संसाधनों का प्रवर्धन नहीं हो रहा है। साथ ही, सौर, वायु तथा बायोमास के साथ यहाँ कुछ अन्य पर्यावरण मैत्री और अक्षय ऊर्जा स्रोत हैं, जिससे किसी भी तरीकों से ऊर्जा का उपयोग किया जा सकता है। ऊर्जा के रसायनिक स्रोत, हाईड्रोजन ऊर्जा, भूगर्भीय तापीय ऊर्जा, सतही परिवहन के लिए वैकल्पिक इंधन, इनमें से कुछ हैं। इसके अलावा, अक्षय स्रोतों से प्राप्त ऊर्जा के क्षेत्र में ऊर्जा के भंडारण, वितरण और प्रबंधन के लिए अनुसंधान की अत्यंत आवश्यकता है। बैटरी जैसे दक्ष ऊर्जा भंडारण उपकरण के निर्माण, ऐसे पदार्थों से करना चाहिए, जो कम वजन के, दीर्घ समय तक चलनेवाला, पुनःप्रभारीय, टिकाऊ, कम खर्चीले और तैयारी में आसान हों। वैसे ही उत्पादन के स्थान से उपयोग किए जानेवाले स्थान तक ऊर्जा का वितरण भी इस प्रकार हों, जिससे कि किसी भी प्रकार की क्षति न हों और उस उपकरण के प्रहस्तन करनेवालों को किसी भी प्रकार का जोखिम न हों। यह हरित ऊर्जा उत्पादन के विकास, भंडारण और वितरण ही ऊर्जा के भविष्य की चुनौतियों के समाधान का एक मात्र विकल्प है।

इस प्रकार, नैनो पदार्थ विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ हरित ऊर्जा विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में भारत और विदेशों में उपलब्ध अनुभव का उपयोग करने हेतु उच्चतर शिक्षा स्तर पर गंभीर रूप से अध्ययन तथा अनुसंधान करना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही, विकासशील अक्षय ऊर्जा उद्योग की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में मानव संसाधन भी अपरिहार्य मुद्दा है। इस संदर्भ में, हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी और नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के नाम से दो समग्र इकाइयों के साथ मदनजीत हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी विद्यापीठ की स्थपाना की गयी।

फिलहाल, विद्यापीठ में निम्नलिखित अनुप्रयोग अनुसंधान कार्यों के अंतर्गत डाय-एण्ड क्वांटम-डॉट-सेन्सिटाइज्ड सोलार सेल, सौर तापीय ऊर्जा उपकरण, अपशिष्ट से बायोमास और जैव ऊर्जा, ठोस ऑक्साइड फ्यूयल सेल सहित फ्यूयल सेल्स, जैव इंधन सेल/माइक्रोबियल फ्यूयल सेल, लिथियम-एण्ड सोडियम-अयान बैटरी, लिथियम-अयान केपासिटर सहित सूपरकेपासिटर्स, हाइब्रिड ऊर्जा – भंडारण उपकरण, पर्यावरणीय तथा स्वास्थ्य के लिए जैव पदार्थ, थिन फिल्म उपकरण आदि सक्रिय रूप से आयोजित किए जा रहे हैं। ऊर्जा परिवर्तन के साथ भंडारण के लिए पॉलीमर्स तथा नानोकंपोसिट पदार्थों का उपयोग करते हुए महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है।

विद्यापीठ में निम्नलिखित स्नातकोत्तर और अनुसंधान पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं :

- एस.एससी - नैनो विज्ञान व प्रौद्योगिकी
- एम.टेक. – हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी
- एम.टेक. – नैनो विज्ञान व प्रौद्योगिकी
- पीएच.डी - हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी
- पीएच.डी - नैनो विज्ञान व प्रौद्योगिकी
- स्नातकोत्तर डिप्लोमा - हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी

वर्तमान में, विद्यापीठ में प्रौद्योगिकी तथा अनुसंधान गतिविधियों में 12 सक्रिय संकाय सदस्य नियुक्त हैं। दोनों केंद्रों में उत्कृष्ट शिक्षक तथा अनुसंधान सुविधाएँ उपलब्ध हैं। संबद्ध केंद्रों से अन्य जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

# हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी केंद्र
# मदनजीत हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी विद्यापीठ

ऊर्जा उत्पादन, संरक्षण और उपयोग में पर्यावरणीय स्वच्छ पद्धतियों में शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने की दृष्टि से मदनजीत हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी केंद्र के तत्वावधान में वर्ष 2010 में हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी (सी-जी ई टी) केंद्र की स्थापना की गयी। इस केंद्र द्वारा संचालित हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी में एम टेक पाठ्यक्रम का दक्षिण एशिया फाउंडेशन (एस ए एफ) द्वारा आंशिक रूप से समर्थन प्राप्त है। इसे नवीन और अक्षय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त है तथा इस केंद्र को नोडल केंद्र के रूप में अनुमोदन भी प्राप्त है। हाल ही में, एस ए एफ ने भी इस केंद्र को उत्कृष्ट केंद्र के रूप में मान्यता दी। इस केंद्र द्वारा सोलार फोटोवोल्टैक, सोलार थर्मल, ऊर्जा भंडारण, फ्यूयल सेल्स, बयो-फ्यूयल्स, वायु ऊर्जा, महासमुद्री ऊर्जा, रसायनिक ऊर्जा, ऊर्जा संरक्षण आदि के लिए नानोप्रौद्योगिकी के उपयोग ऊर्जा उत्पादन के सभी क्षेत्रों में अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाता है। इस केंद्र के संकाय शिक्षण देने, परामर्श देने और हरित ऊर्जा के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य करने के लिए दक्ष हैं। यह केंद्र अक्षय ऊर्जा के सभी क्षेत्रों में गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण में शामिल है। फोटोवोलटैक, सोलार-थर्मल में विविध वैकल्पिक ऊर्जा उत्पादन करनेवाली संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन किया गया है। इसके अतिरिक्त, सोलार थर्मल डिवाइजेस और पॉवर प्लांट इंजीनियरिंग से संबंधित विशेष उद्योगों के साथ समझौता ज्ञापन की प्रक्रिया प्रगतिशील है।

- **अध्ययन-कार्यक्रम**

**एम. टेक -** हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी

**पीएच.डी -** हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी

हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी में **स्नातकोत्तर डिप्लोमा**

- **प्रवेश परीक्षा**

**एम टेक :**

पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित होनेवाले अखिल भारतीय स्तर के प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। प्रवेश परीक्षा में प्रतिभावान अभ्यर्थी 'एस ए एफ-अध्येतावृत्ति'[3] के लिए पात्र होंगे। इसके अतिरिक्त, एम.टेक.जी.ई.टी करने के लिए गेट उत्तीर्ण 15 उम्मीदवर के लिए एम.एन.आर.ई अध्येतावृत्ति उपलब्ध है। प्रवेश परीक्षा में गणित, भौतिक, रसायन, पदार्थ विज्ञान अभियांत्रिकी और बयो-प्रौद्योगिकी से 100 बहुविकल्पी प्रश्न होंगे।

**पीएच.डी :** एम.ए.न आर ई – गेट/सी एस आई आर योग्यता रखनेवाले विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा अध्येतावृत्ति (जे आर एफ) उपलब्ध है (अधिकतम 5 अध्येतावृत्ति)। अंतर विषय क्षेत्र होने के कारण, प्रवेश परीक्षा में हरित प्रौद्योगिकी, गणित, भौतिक, रसायन, जीव विज्ञान और अभियांत्रिकी क्षेत्र से संबंधित 100 बहुविकल्पी प्रश्न होंगे।

**हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा**

सीजीईटी में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित नवीनतम कार्यक्रम के तहत एक वर्षीय हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम है। प्रवेश परीक्षा में हरित प्रौद्योगिकी, गणित, भौतिक, रसायन, जीव विज्ञान और अभियांत्रिकी विषय से संबंधित 100 बहुविकल्पी प्रश्न होंगे।

**ध्यान केंद्रित क्षेत्र**

वर्तमान में हमारे केंद्र में निम्नलिखित ध्यान केंद्रित क्षेत्र है:

- सौर तापीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी
- सौर फोटोवोलटिक प्रौद्योगिकी
- जैव-ऊर्जा प्रौद्योगिकी
- ऊर्जा पदार्थ विकास
- ऊर्जा परिवर्तन और भंडारण प्रौद्योगिकी
- हरित प्रज्वलन प्रौद्योगिकी

[3] *www.southasiafoundation.org

**आधारभूत संरचना :**

अद्यतन सुविधाओं और मुलसंरचना के साथ सी-जी ई टी की स्थापना कार्य जारी है। वर्तमान में केंद्र के प्रयोगशाला में निम्नलिखित हाई-टेक उपस्कर उपलब्ध हैं:

- I-V विशेषीकरण सुविधा के साथ वर्ग ए ए ए 10 x 10 सी एम2 सोलार सन सिम्युलेटर
- इलेक्ट्रो-नानोफैब्रिकेशन और बैटरी व सूपर केपासिटर विशेषीकरण के लिए प्रतिक्रिया विश्लेषण इकाई सहित इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन
- सोलार इर्रडियेशन मापन और विश्लेषण के लिए ऑप्टिकल पैरानोमीटर
- बी ई टी सतह क्षेत्र विश्लेषक
- माइक्रोवेव सिंथसाइजर
- ईंधन विशेषीकरण और विश्लेषण के लिए सी-5000 बोम्ब केलोरीमीटर
- स्पिन कोटिंग यूनिट
- एच2 और ओ2 उत्पादन के लिए इलेक्ट्रोलिशिस यूनिट
- पी ई एम फ्यूयल सेल
- स्प्रे डिपोजिशन प्रणाली
- टूब्यूलर डिफ्यूजन फर्नेस
- उच्च-तापमान ओवेन
- मूल अणु जीव विज्ञान और जीव रसायनिक सुविधा
- अल्ट्रासोनिक बाथ
- -40$^0$ सेंट्रीग्रेड फ्रीजर
- फोटोइलेक्ट्रोकेमिकल सेल
- ओर्सात उपकरण
- सौर तापीय गैजेट

इस केंद्र का विश्वविद्यालय के अन्य विभागों और समीप की संस्थाओं के साथ समन्वय है, ताकि केंद्र में उपलब्ध उपकरण और सुविधाओं को साझा किया जा सकें।

**एम.टेक कार्यक्रम**

इस कार्यक्रम में ऊर्जा उत्पादन, वितरण, उपयोग, हरित नानोटेक्नॉलॉजी, कंबष्षन प्रौद्योगिकी, ऊर्जा का अपशिष्ट, जैव इंधन आदि वैकल्पिक ऊर्जा संसाधन से संबंधित विषय शामिल हैं। इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य अक्षय ऊर्जा और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी में प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देना है और कौशल मानव शक्ति को वैज्ञानिक तथा तकनीकी रूप से सृजन करना शामिल हैं। यह पाठ्यक्रम चार सत्रों सहित दो वर्षों की अवधि के लिए तैयार किया गया है। सैद्धांतिक और अनुभव के साथ तकनीकी स्तर पर दोनों रूपों में विषयों को समझाने के आशय से सॉफ्ट वेयर और हार्ड वेयर दोनों पद्धतियों में पाठ्यक्रम की संरचना की गयी। इसके अतिरिक्त, कुछ ब्रिज कोर्स भी होंगे। ज्यादातर प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम ऊर्जा और नमूने पर होंगे। द्वितीय तथा तृतीय सत्र के पाठ्यक्रम ऊर्जा, पर्यावरण, रसायन, प्रबंधन और अन्य जी ई टी से संबंधित क्षेत्रों से संबंधित होंगे। विद्यार्थी अपने पृष्ठभूमि तथा रुचि के अनुरूप पाठ्यक्रमों का चयन कर सकते हैं। प्रत्येक सिद्धांत पाठ्यक्रम में वैयक्तिक या समूह आधारित परियोजना विषय होगा।

**पीएच.डी पाठ्यक्रम**

फोटोवोल्टैक्स, ऊर्जा पदार्थ, ऊर्जा भंडारण, ऊर्जा उपकरण, फ्यूयल सेल्स, हरित रसायन, जैव ऊर्जा, सोलार कानसेंट्रेटर्स और अन्य सौर तापीय उपकरण तथा हाइब्रीड स्वच्छ ऊर्जा प्रणालियों के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी विकास के क्षेत्रों में अनुसंधान व विकास करने के लिए सी जी ई टी द्वारा पीएच.डी पाठ्यक्रम चलाया जाता है। वर्तमान में, केंद्र में अंशकालीन (आंतरिक व बाह्य) पीएच.डी में प्रवेश पर विचार नहीं किया जाता है। पीएच.डी पाठ्यक्रम में केवल नियमित तौर पर पाठ्यक्रम उपलब्ध है।

**हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा**

यह दो सत्रों के पाठ्यक्रम के रूप में संरचित है। प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम में फोटोवोलटिक, सौर तापीय, वायु और जैव ऊर्जा प्रणालियों से संबंधित विषयों पर विद्यार्थियों को कार्य और प्रयोगशाला अनुभव प्रदान किए जाते हैं। इसमें अतिरिक्त सॉफ्टकोर पाठ्यक्रम के माध्यम से अन्य संबद्ध विषयों में निपुण बनने का अवसर देता है। द्वितीय सत्र उद्योग/शैक्षणिक संस्थाओं में

पूर्णकालीन संक्षिप्त शोध परियोजना है। यह संक्षिप्त अक्षय ऊर्जा कार्यक्रम उद्यमी कौशल विकास तथा औद्योगिक कार्य अभिमुखीकरण के लिए उपयुक्त है।

**अनुसंधान परियोजनाएँ**

केंद्र को नया अक्षय ऊर्जा मंत्रालय (एम.ए.न आर ई-एन आर ई एफ), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नवीकरण कार्यक्रम और दक्षिण एशिया फाउंडेशन (एस ए एफ) द्वारा शिक्षण तथा अनुसंधान गतिविधियों में समर्थन प्राप्त है। इसके अतिरिक्त, वैयक्तिक रूप से संकाय सदस्यों की परियोजनाएँ एस ई आर बी, एम.ए.न आर ई, डी एस टी, सी एस आई आर और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समर्थित हैं।

**रोजगार**

उभरनेवाले स्वच्छ तथा अक्षय ऊर्जा क्षेत्रों में हरित प्रौद्योगिकी में एम टेक स्नातक के लिए रोजगार के अवसर बढ़े हैं, जहाँ राष्ट्रीय तथा बहुराष्ट्रीय उद्योग वैकल्पिक ऊर्जा उत्पादन और उपयोग से संबंधित अपने व्यापार कार्यकलापों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

**संकाय**

**सह आचार्य व विभागाध्यक्ष**

**बी.मुहम्मद जाफर अली, पीएच.डी** (आई.आई.एससी, बंगलूरू)

विशेषज्ञता : नैनो जैव प्रौद्योगिकी, फोटोकेटलिशिस, बयोफोटोनिक्स, बयोसेन्सर और सिस्टम्स जीव विज्ञान

**सह आचार्य**

**पी. एलुमलै, पीएच.डी** (आई आई एस सी, बंगलूरू)

विशेषज्ञता : लिथियम बैटरीस, सूपर केपासिटर्स, फ्यूयल सेल्स और ऑटोमोटिव सेंसर्स

**पी. तिलकन्, पीएच.डी** (अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता : सेमीकंडक्टर नानोस्ट्रक्चर्स: वृद्धि, डिवाइज फैब्रिकेशन और विशेषणीय; सोलार सेल मेटीरियल्स और डिवाइज फैब्रिकेशन्स, सोलार सेल पॉवर प्लांट डिजाइन और विकास

**सहायक आचार्य :**

**आर. अरुण प्रसाद, पीएच.डी** (अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता : ऊर्जा पदार्थ और स्थिरता विकास : सौर और केटलिटिक हाइब्रिड पदार्थ

**प्रशांत रवींद्रन, पीएच.डी** (इंदोवेन प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, दि नीदरलैंड्स)

विशेषज्ञता : नानोटेक्नोलॉजी/फोटोनिक्स : अनुकूलतम कांति अवशोषण के लिए नैनो पदार्थों का विकास, रिफ्लेक्शन कंडक्शन और डाइ संवेदनीय सोलार सेल में पृथकीकृत

**ए. श्रीकुमार, पीएच.डी (कोच्चि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोच्चि)**

विशेषज्ञता : सौर तापीय ऊर्जा उपकरण, सौर शीतलन और तापीय ऊर्जा भंडारण

# नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्र
# मदनजीत हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकी विद्यापीठ

नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्र की स्थापना वर्ष 2010 में की गयी और इसके द्वारा विश्वविद्यालय के अन्य विज्ञान और अभियांत्रिकी विभागों के समन्वय से कार्य किया जाता है। इस केंद्र में नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में क्रमशः एम टेक और पीएच.डी पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं और इस शैक्षणिक वर्ष से इस केंद्र में नैनो विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में एम.एससी. पाठ्यक्रम आरंभ किया जाएगा और यह नया पाठ्यक्रम स्व वित्त प्रबंधन पद्धति के आधार पर चलाया जाएगा। सभी संकाय सदस्य उच्च अनुसंधान योग्यताओं के साथ नैनो तथा प्रौद्योगिकी जैसे उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान आयोजन की क्षमता रखते हैं। इस केंद्र के संकाय सदस्य द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 400 से ज्यादा अनुसंधान शोध आलेख प्रस्तुत किए जा चुके हैं तथा 20 से ज्यादा मदों पर पेटेंट प्राप्त किए गए हैं। यह केंद्र डी एस टी-एस ई आर बी, डी एस टी-एम ई एस, डी एस टी-सी ई आर आई, डी एस टी-एन एम, सी एस आई आर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-डी ए ई, डी आर डी ओ, आई सी एम आर और ए आई.सी.टी. ई जैसे विविध निधीयन अभिकरणों से 8 करोड़ रुपए से ज्यादा निधीयन अनुसंधान परियोजनओं पर कार्य कर रहा है। इस केंद्र के पूर्व विद्यार्थी राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय दोनों संस्थाओं में विविध अधिगम और अनुसंधान क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं, जो विश्वविद्यालय के लिए गौरवशाली हैं।

- **अध्ययन-कार्यक्रम**

**एम.एससी** नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी
**एम टेक** नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी
**पीएच.डी** नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी

- **प्रवेश परीक्षा**

एम.एससी. व एम टेक : पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित होनेवाले राष्ट्रीय स्तर के प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। प्रश्न पत्र में स्तानक पूर्व स्तर के मूल विज्ञान (गणित/भौतिक/रसायन/जैव प्रौद्योगिकी/पदार्थ विज्ञान व अभियांत्रिकी) विषयों में से 100 बहुविकल्पी प्रश्न दिए जाएँगे।

**पीएच.डी :** पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रवेश परीक्षा (70% वेइटेज) और साक्षात्कार (30% वेइटेज) के आधार पर होता है और प्रश्न पत्र में स्नातक पूर्व और स्नातकोत्तर स्तर पर गणित, भौतिक, रसायनिक, जैव-प्रौद्योगिकी, पदार्थ विज्ञान और अभियांत्रिकी विषयों से समान संख्या में प्रश्न शामिल किए जाएँगे। सी एस आई आर-विश्वविद्यालय अनुदान आयोग जे आर एफ/एस आर एफ, डी एस टी-इनस्पैर अध्येतावृत्ति में उत्तीर्ण उम्मीदवारों को पीएच.डी पाठ्यक्रम के प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा लिखने से छूट दी जाएगी।

**शिक्षण में ध्यान केंद्रित क्षेत्र :**

शिक्षण में ध्यान केंद्रित क्षेत्र निम्नवत हैं :

- नैनो संरचना पदार्थ के भौतिक और रसायनिक
- फ्यूयल सेल, सोलार सेल, बैटरीस और सूपरकेपासिटर्स जैसी स्वच्छ ऊर्जा प्रणालियों के लिए नैनो संरचना पदार्थ
- सोलार फोटोवोल्टैस- डी एस एस सी, क्यू डी एस एस सी व पी एस सी
- जैव-पदार्थ
- ऊंड हीलिंग मेटीरियल
- टिश्यू इंजीनियरिंग केलिए स्काफोल्ड
- 2डी-मेटीरियल्स : ग्राफिने
- धातु, धातु ऑक्सीकृत हिटेरो-संरचना
- 2डी मेटीरियल्स भूतल और अंतःफलक का अध्ययन
- नैनो-जैव प्रौद्योगिकी
- पॉलिमर्स और नानो कंपोजिट्स
- कंप्यूटर मोडलिंग व सिम्युलेशन
- नानो स्ट्रक्चर फैब्रिकेशन और डिवैज
- सर्वेस इंजीनियरिंग
- नानो-इलेक्ट्रानिक्स

- नानो-फोटोनिक्स
- नानो-मैग्नटिजम
- हाई-के पदार्थ
- गैस सेंसर व बयो-सेंसर
- नानो-फिल्टर्स/मेम्ब्रानेस
- नानो-केटलिस्ट्स
- नानो-मैग्नेटिक मेटीरियल्स
- नानो-कोटिंग्स

**आधारभूत संरचनात्मक सुविधाएँ**

इस केंद्र में नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में शिक्षण और अनुसंधान हेतु व्यवस्थित प्रयोगशालाएँ और यांत्रीकरण सुविधाएँ हैं। मूलसंरचनागत सुविधाओं में मोडलिंग एण्ड सिम्युलेशन स्टडीज, एक्स-रे डिफ्राक्टोमीटर, नानो-इंडेंटर, ए सी-इंपिडेंस विश्लेषक सहित इलेक्ट्रोकेमिकल वर्क स्टेशन, ई-बीम और थर्मल इवापरेशन कोटिंग यूनिट, यू वी-विजबुल स्पेक्ट्रोमीटर, स्पेक्ट्रोफ्ल्यूरोमीटर, जे-वी मापन प्रणाली के साथ सोलार सिम्युलेटर, अल्ट्रासोनिक-होमोजीनिजर, हाई स्पीड सेंट्रिफ्यूज, वाटर प्यूरिफयर, क्वार्ट्ज डबुल डिस्टिलेशन यूनिट, इलेक्ट्रोस्पिन्निंग यूनिट, बाल मिल्लिंग, ग्लोव बॉक्स, एयर ओवेन, डिजिटल इलेक्ट्रोनिक बेलेंस, प्रिसिशन स्पिन व डिप कोटिंग यूनिट, हाई टेंपरेचर ट्यूबुलर एण्ड मफल फर्नेस, एल सी जेड मीटर आदि के साथ 26 कंप्यूटर प्रणालीयुक्त हाई एण्ड कंप्यूटिंग क्लस्टर शामिल हैं। आगे, विश्वविद्यालय के केंद्रीय यांत्रीकरण सुविधा (सी आई एफ) में कुछ अधिक प्रमुख उपस्कर उपलब्ध हैं।

**अनुसंधान गतिविधियाँ**

संकाय सदस्य यह केंद्र डी एस टी-एस ई आर बी, डी एस टी-एम ई एस, डी एस टी-सी ई आर आई, डी एस टी-टी एस जी, डी एस टी-एन एम, सी एस आई आर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-डी ए ई, डी आर डी ओ, आई सी एम आर और ए आई.सी.टी. ई जैसे विविध निधीयन अभिकरणों से 8 करोड़ रुपए से ज्यादा अनुसंधान निधियाँ प्राप्त की। इसके अतिरिक्त, केंद्र के विकास के लिए विश्वविद्यालय ने 5 करोड़ रुपए का अनुदान किया।

**संकाय**

**सह आचार्य व केंद्र के अध्यक्ष**

**ए. वडिवेल मुरुगन, पीएच.डी** (पुणे विश्वविद्यालय व सीएसआईआर राष्ट्रीय रसायन प्रयोगशाला, पुणे), यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास, आस्टीन, टेक्सास, यूएसए से **पीडीएफ**

विशेषज्ञता : पदार्थों का रसायन, नोवेल सिंथशिस, स्ट्रक्चर-प्रोप पदार्थ का रसायन, नोवेल सिंथशिस, स्ट्रक्चर – गुण – स्वच्छ ऊर्जा संरक्षण भंडार के लिए अति सूक्ष्म संरचित कार्यकारी पदार्थ का निष्पादन संबंध, पॉलिमर आधारित ऑर्गानिक-इनार्गानिक नानोहाइब्रिड्स, डाय सेंसिटाइज्ड, पेर्वोस्काइट और थिन फिल्म सोलार सेल, लिथियम, सोडियम-अयान बैटरीस, सूपरकेपासिटर्स, फ्यूइल सेल के लिए इल्ट्रोकेटलिस्ट और नॉनो-बयोटेक्नॉलॉजी एण्ड बयो-इमेजिंग

सह आचार्य

**ए सुब्रमनिया, पीएच.डी** (अलगप्पा विश्वविद्यालय व सीएसआईआर-सेंट्रल इलेक्ट्रोकेमिकल रीसर्च इनिस्टिट्यूट, कारैकुडि(

विशेषज्ञता : लि-अयान बैटरीस, ना-अयान बैटरीस, सूपरकेपासिटर्स, आई टी-एस ओ एफ सी, डी एस एस सी, क्यू डी एस एस सी, गैस सेंसर्स, मेटल मैट्रिक्स नानोकंपोजिट्स, जल शुद्धीकरण के लिए नानो-फिल्टर्स/मेंबरेन्स,

फंक्शनल नानोकोटिंग्स, ऊंड हीलिंग के लिए इलेक्ट्रोस्पन मेंबरेन्स, फल व सब्जियों के संरक्षण हेतु उपाय, धातु के लिए जंगरहित पैकिंग पदार्थ

**सहायक आचार्य**

**के. सुरेश बाबु, पीएच.डी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, चेन्नै)**

विशेषज्ञता : सर्फेस इंजीनियरिंग, फ्यूयल सेल के लिए मेटीरियल्स, केटालशिस और हाई टेंपरेचर ऑक्सीडेशन प्रोटेक्शन, बयो-नानो इंटेरेक्शन

**पी. तंगदुरै, पीएच.डी (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)**

विशेषज्ञता : सेमिकंडक्टिंग व सेरामिक ऑक्साइड्स का नानोस्ट्रक्चर्स, अयोनिक कंडक्टर्स, हाइ के-मेटीरियल्स, मेटल सिरामिक कांपोजिट्स, थिन फिल्मस, बल्क व नानोस्ट्रक्चर्ड मेटीरियल्स के लिए ट्रांसमिशन इलेट्रोन माइक्रोस्कोपी, एम ओ एस डिवाइज, ऑप्टिकल मेटीरियल्स

**एस.कण्णन्, पीएच.डी (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)**

विशेषज्ञता : सिंथशिस, स्ट्रक्चरल केरेक्टराइजेशन एंड इन विट्रो ईवेल्युयेशन ऑफ बयोमेटीरियल्स, सिरामिक/मेटल नानोकंपोजिट्स, फैब्रिकेशन ऑफ स्काफोल्ड्स फर इश्यू इंजीनियरिंग अप्लिकेशन्स

डी एस टी-इनस्पैर संकाय :

**डॉ. के. विजयरंगमुत्तु, पीएच.डी (दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)**

विशेषज्ञता : 2डी – मेटीरियल्स: ग्राफिनि, एम ओ एस2, ब्लाक फोस्फरस, 2डी-मेटीरियल्स, मेटल और मेटल ऑक्साइड हिटिरो-स्ट्रक्चर्स, सर्फेस एण्ड इंटरफेस स्टडी ऑफ 2डी मेटीरियल्स, केमिकल सेंसर और बयो-सेंसर

# विधि विद्यापीठ

**विद्यापीठाध्यक्ष (प्रभारी) : आचार्य शिबनाथ देब**

विधि विद्यापीठ द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2014-15 से परिसर में एक वर्ष के स्नातकोत्तर कानून (एल.एल.एम.) के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और अनुसंधान में ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। वर्तमान में, 1. निगमित और प्रतिभूति कानून 2. बौद्धिक संपदा कानून और 3. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून जैसे तीन विशेष विषयों पर संकाय की उपलब्धता के आधार पर चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली में पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं।

**मूलसंरचनागत ढांचा** :

विधि विद्यापीठ बृहद डी डी ई भवन के द्वितीय तल में अवस्थित है। इस विद्यापीठ में शिक्षण अधिगम गतिविधियों के लिए आवश्यक आधारभूत संरचनात्मक सुविधाएँ हैं।

आई.सी.टी. सुविधाएँ

विद्यापीठ में वाई-फाई सुविधा युक्त लगभग 15 कंप्यूटर हैं।

- **अध्ययन-कार्यक्रम**

एल.एल.एम. (निगमित और प्रतिभूति कानून)

एल.एल.एम. (बौद्धिक संपदा कानून)

एल.एल.एम. )अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून)

क्रिमिनोलॉजी व फोरेंसिक विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

बौद्धिक संपदा अधिकार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

- **प्रवेश परीक्षा**

**एल.एल.एम. :** प्रवेश परीक्षा में अंग्रेजी और संप्रेषण-20%, भारत का संविधान-30%, न्यायशास्त्र-20%, संविदा-10%, अंतर्राष्ट्रीय कानून व मानव अधिकार – 10%, संपत्ति कानून व बौद्धिक संपत्ति कानून का हस्तांतरण-5% और कंपनी कानून – 5% विषयों से 100 बहुविकल्पी प्रश्न होंगे।

**अपराध विज्ञान और फोरेंसिक विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा** : प्रवेश परीक्षा में अंग्रेजी और संप्रेषण-20%, भारत का संविधान-35%, आई पी सी-15%, क्रिमिनोलॉजी-10%, किशोर कानून-5%, फोरेंसिक विज्ञान-5%, सीआरपीसी-5% और प्रमाणन-5% विषयों से 100 बहुविकल्पी प्रश्न होंगे।

**बौद्धिक संपदा अधिकार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा** : प्रवेश परीक्षा में अंग्रेजी और संप्रेषण-20%, भारत का संविधान-35%, संपत्ति कानून-10%, आई.पी.आर. (मूल भावनाएँ) -30%, वर्तमान ज्ञान-20% विषयों से 100 बहुविकल्पी प्रश्न होंगे।

**चयन प्रक्रिया:**

राष्ट्रीय स्तर के प्रशासन परीक्षा, समूह चर्चा प्रस्तुतीकरण और वैयक्तिक साक्षात्कार के आधार पर निम्नलिखित अनुसार चयन किया जाएगा :

चरण – 1 : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनिवार्य बनाए गए मानकों के अनुसार 100 अंकों के लिए प्रवेश परीक्षा होगी:

| क्र सं | मद | टिप्पणियाँ | चयन-सूची की प्राथमिकता |
|---|---|---|---|
| 1 | लिखित परीक्षा; मात्र बहुविकल्पी प्रकार (अनिवार्य) | किसी भी प्रकार के विकल्प के बिना कुल 100 प्रश्न। सही उत्तर लिखने से प्रत्येक प्रश्न को 4 अंक दिए जाते हैं। गलत उत्तर के लिए 1 अंक की कटौती लागू होगी। | 400 अंकों में से प्राप्त अंकों को 70 अंकों में परिवर्तित किए जायेंगे। |
| 2 | उद्देश्य का विवरण (एस.ओ.पी) (अनिवार्य) | 500 शब्दों से कम और मात्र अंग्रेजी में लिखा अभ्यर्थी के निजी हस्त लेखन की हार्ड प्रति समन्वय को भेजा जाएगा। अभ्यर्थी द्वारा अनिवार्य रूप से ऑनलाइन आवेदन के विवरण प्रस्तुत किया जाना होगा। | 10 अंक |
| 3 | प्रकाशन, यदि कोई हों तो | उद्देश्य के विवरण सहित संबद्ध प्रमाणों से स्वप्रमाणित नकल प्रतियों को संलग्न करना होगा। चरण-॥ के मूल्यांकन के समय संबद्ध मूल प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। **अंकों का आबंटन :** अधिकतम 10 अंकों को निर्धारित करते हुए राष्ट्रीय स्तर के लिए 1 अंक प्रति प्रकाशन और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के लिए 2 अंक प्रति प्रकाशन। | 10 अंक |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 4 | कार्य अनुभव, यदि कोई हों तो | उद्देश्य के विवरण सहित संबद्ध प्रमाणों से स्वप्रमाणित नकल प्रतियों को संलग्न करना है। चरण-॥ के मूल्यांकन के समय संबद्ध मूल प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। **<u>अंकों का आबंटन :</u>** अधिकतम 10 अंकों को निर्धारित करते हुए राष्ट्रीय स्तर के लिए 1 अंक प्रति प्रकाशन और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के लिए 2 अंक प्रति प्रकाशन। | 10 अंक |
| | | कुल | 100 अंक |

प्रवेश परीक्षा के लिए ऊपर संदर्भित अनुसार प्राप्त अंकों के आधार पर चरण-॥ के लिए उम्मीदवारों की चयन सूची बनायी जाएगी।

चरण–II समूह चर्चा, प्रस्तुतीकरण और वैयक्तिक साक्षात्कार (दि.25.04.2015 को कार्यसूची मद सं.2015.03.13 द्वारा विधि विद्यापीठ के विशेष अध्ययन मंडल की तीसरी बैठक में जारी संकल्पना के अनुसार) :

| क्र सं | मद | टिप्पणियाँ | अंक |
|---|---|---|---|
| 1 | समूह चर्चा | समूह चर्चा शुरू होने के 15 मिनटों के पूर्व चर्चा के लिए विषय दिया जाएगा | 10 अंक |
| 2 | प्रस्तुतीकरण | उम्मीदवारों द्वारा चयनित विषय पर अधिकतम 10 मिनट का समय दिया जाएगा। प्रस्तुतीकरण में पॉवरपाइंट स्लाइड्स का प्रयोग अनिवार्य नहीं है। | 10 अंक |
| 3 | वैयक्तिक साक्षात्कार | सामान्य ज्ञान और कौशल आदि विषय पर साक्षात्कार होगा | 10 अंक |
| | | कुल | 30 अंक |

अंतिम प्रतिभा -सूची की तैयारी के लिए मापदंड :

| क्र सं | मद | अंक | टिप्पणियाँ |
|---|---|---|---|
| 1 | चरण-I – प्रवेश परीक्षा | 70 | 400 अंकों में से प्राप्त अंकों को 70 अंकों में परिवर्तित किए जाएँगे। |
| 2 | चरण-II – समूह चर्चा, प्रस्तुतीकरण और वैयक्तिक साक्षात्कार | 30 | - |
| 3 | योग कुल (चरण-I +चरण -II ( | 100 | - |

**एस ओ एल में एल.एल.एम. पाठ्यक्रम के बारे में :**

एल.एल.एम. कार्यक्रम तीन सत्रों में विभाजित एक वर्ष की अवधि का पाठ्यक्रम है। विद्यार्थियों को छः अनिवार्य और छः ऐच्छिक विषयों में कठोर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। तीसरे सत्र में उन्हें प्रकाशन योग्य गुणवत्तापूर्ण एक शोध निबंध प्रस्तुत करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त, पाठ्यक्रम के अध्ययन के दौरान कम से कम छः हफ्ते का इंटर्न करना होगा।

यदि कोई वकील अभ्यर्थी एल.एल.एम. पाठ्यक्रम में प्रवेश लेना चाहते हैं तो, उन्हें पाठ्यक्रम के अध्ययन की अवधि के दौरान अपने प्रेक्टीस को छोड़ना अनिवार्य होगा।

विद्यापीठ में विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली का अनुपलान किया जाता है। अनिवार्य पाठ्यक्रमों के अलावा, विद्यापीठ में प्रत्येक के विशेष विषय से संबंधित विशेषीकृत विषयों के अध्ययन का भी प्रावधान है। विद्यार्थी अधिक एवं अद्यतन जानकारी के लिए विश्वविद्यालय का वेबसाइट देखें।

**क्रिमोनोलॉजी एवं फोरेंसिक में स्नातकोत्तर डिप्लोमा**

अपराध और समाज पर इसका प्रभाव की संकल्पना के बारे में ज्ञान प्रदान करना, अपराध के व्यवहार संबंधी पहलू, अपराध से संबंधित कानून और वैज्ञानिक संचयन तथा अपराध के सिद्धांतों की स्थापना के लिए अपराध की जगह पर साक्ष्यों का विश्लेषण पहल इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है।

इस पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषय शामिल किए जाते हैं:

1. क्रिमिनोलॉजी
2. पेनोलॉजी
3. आपराधिक न्यायशास्त्र
4. फोरेसनिक विज्ञान

**बौद्धिक संपदा अधिकार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा**

बौद्धिक संपदा एक प्रमुख तथा प्रभावी नीति साधन है, जो व्यापक रूप से सामाजिक-आर्थिक, प्रौद्योगिकी तथा राजनैतिक धारणाएँ और नीति निर्माताओं द्वारा प्रचार-प्रसार की जानेवाली आई पी शिक्षा से संबंधित व्यापक श्रेणी में है। ज्ञान अर्थव्यवस्था के अंशधारकों की आवश्यकताओं की पूर्ती के क्रम में आई पी आर में जीविका प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा की परिकल्पना की गयी, जिससे आई पी विश्लेषक, आई पी मुख्तार, आई पी परामर्शदाता, आई पी प्रबंधक और उसी प्रकार के क्षेत्रों में अवसर प्राप्त होते हैं।

**संकाय**

वर्तमान में विद्यापीठ में निम्नलिखित संकाय हैं:

**डॉ जी.सुब्बलक्ष्मी, पीएच.डी** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता : अनुसंधान प्रविधि व विधिक लेखन, श्रम व प्रशासन कानून, संविदा कानून, सांविधिक कानून, तुलनात्मक संविधान, बौद्धिक संपदा कानून, प्रतिस्पर्द्धा कानून

**सुश्री बी.सुजाता, एल.एल.एम.** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय) विधि में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-नेट

विशेषज्ञता : अंतर्राष्ट्रीय कानून, संवैधानिक व मानव अधिकार कानून, तुलनात्मक संविधान, संविदा कानून, न्यायशास्त्र तथा सार्वजनिक कानून, बैंकिंग कानून, बौद्धिक संपदा कानून

**सुश्री एस.चेम्मलर, एल.एल.एम. (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय),** कानून में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-नेट

विशेषज्ञता : अंतर्राष्ट्रीय कानून, संवैधानिक व मानव अधिकार कानून, संविदा कानून, क्रिमोनोलॉजी और अपराध कानून

**अतिथि संकाय**

**आचार्य शिजु एम.वी, एल.एल.एम.** (सी.यू.एस.ए.टी, कोच्चि), **एम.फिल.** (जे एन यू, नई दिल्ली)

ऊर्जा अनुसंधान संस्था विश्वविद्यालय, नई दिल्ली का सदस्य

विशेषज्ञता : पर्यावरणीय कानून, नियंत्रक और प्रतिस्पर्द्धा कानून और मूलसंरचनागत कानून

**आचार्य ए.के.दास**

विद्यापीठाध्यक्ष व सचिव, कानून संकाय, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता-700 019

**एस बद्रीनाथ, एल.एल.एम. (एन यू जे एस, कोलकाता)**

कार्यपालक (विधिक), बी एच ई एल, रानीपेट, तमिल नाडु

**ए के राजारामन, एल.एल.एम. (बौद्धिक संपदा अधिकार), (सी यू एस ए टी, कोच्चि)**

वकील, मद्रास उच्च न्यायालय, चेन्नै

**माधवी नेल्लूरी, एल.एल.एम. (वाणिज्यिक कानून) (दि यूनिवर्सिटी ऑफ कैब्रिज)**

वकील, बोंबे उच्च न्यायालय, मुंबई

**इसके पूर्व विशेष व्याख्यान प्रस्तुत करनेवाले प्रख्यात अतिथि और आचार्य**

**(समग्र सूची)**

**न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) डेविड अन्नौसामी**

न्यायाधीश (सेवानिवृत्त(, मद्रास उच्च न्यायालय, चेन्नै

**पद्म श्री श्री आचार्य एन आर माधव मीनन**

कुलपति, राष्ट्रीय शैक्षणिक योजना और प्रशासन विश्वविद्यालय, नई दिल्ली और कुलपति, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

आई बी ए-सी एल ई अध्यक्ष आचार्य, एन एल एस आई यू, बेंगलूरू और पूर्व उपकुलपति, एन एल एस आई यू, बेंगलूरू और एन यू जे एस, कोलकाता

**आचार्य एन एल मित्रा**

वरिष्ठ साझेदार, फाक्स मंडल लिटिल, बेंगलूरू और पूर्व उप कुलपति, एन एल एस आई यू, बेंगलूरू और एन एल यू, जोधपुर

**आचार्य ए.लक्ष्मीनाथ**

कुलपति, डीएसएनएलयू, विशाखपट्टणम और उप कुलपति, सीएनएलयू, पटना

**आचार्य तम्मा सूर्यनारायण शास्त्री**

आचार्य, विधि विभाग, सावित्री भाई फूले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

**इसबेल्ला मिकाली**

वरिष्ठ परिषद, विधिक उपाध्यक्ष, दि वर्ल्ड बैंक और ओ आई बी के वैज्ञानिक मंडल के सदस्य

न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) के चंद्रु

पूर्व न्यायाधीश, मद्रास उच्च न्यायालय, चेन्नै

**श्री रावीज रंजन, आई पी एस**

वरिष्ठ पुलीस अधीक्षक, पुदुच्चेरी सरकार

**सुश्री वी सोफना देवी**

जिला न्यायाधीश व यू टी पी एल एस ए, पुदुच्चेरी के सदस्य सचिव

**श्री राकेश भनोत**

सलाहकार, भारत का प्रतियोगिता आयोग, नई दिल्ली

साथ ही, 12वें वर्ष की योजना के तहत, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा केवल कानूनी विद्यापीठ के लिए कुल 7 नियमित पद (1 आचार्य, 2 सह-आचार्य और 4 सहायक आचार्य) मंजूर की गयी। इन पदों की भर्ती के लिए प्रक्रिया जारी है।

**अन्य विवरण के लिए संपर्क सूत्र :**

**आचार्य शिबनाथ देब**

विद्यापीठाध्यक्ष (प्रभारी), विधि विद्यापीठ

द्वितीय तल, डी डी ई भवन

पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय

आर वी नगर, कालपेट

पुदुच्चेरी – 605 014

ई मेल: schooloflawpu@gmail.com, head.sol@pondiuni.edu.in

दूरभाष सं. (+91) (0)413-2654910/11

# कारैकाल परिसर

दि.12 अक्तूबर, 2007 को एम.बी.ए. (बीमा प्रबंधन), एम.सी.ए. और एम.कॉम (व्यापार वित्त) तीन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के साथ पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के कारैकाल परिसर का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया गया। इस केंद्र में शैक्षणिक वर्ष 2013-14 से एम.एससी. (कंप्यूटर विज्ञान) से शुरू करके वर्तमान में चार पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। जून, 2012 में कारैकाल नगर के मध्य भाग में अपने निजी परिसर में इस केंद्र का स्थानांतरण किया गया। शैक्षणिक वर्ष 2009-10 के दौरान, नियमित तौर पर सोलह शिक्षण स्टॉफ की नियुक्ति की गयी और तब से परिसर से डॉक्टरल कार्यक्रम भी शुरू किए गए। प्रभावी रूप से परिसर में विभागों के प्रचालन हेतु विशाल कक्षाएँ तथा कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ उपलब्ध की गयी। इस केंद्र में छात्रों के लिए दो छात्रावास और छात्राओं के लिए एक छात्रावास हैं। मौजूदा मानकों के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा दिवा छात्रों के परिवहन के लिए परिवहन की व्यवस्था भी की गयी।

**आधारभूत संरचना का विकास**

परिसर में तीन कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ हैं। इस परिसर में सीमित वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध की गयी है। परिसर में जनरेटर की सुविधा सहित उच्च विभावी विद्युत हैं। यह सघन हराभरा परिसर है और प्लास्टिक मुक्त भी। विद्यार्थियों को वॉलीबाल, टेबुल टेनीस, बैडमिंटन आदि खेलने के लिए खेल सुविधाएँ भी उपलब्ध की गयी।

**सह-पाठ्यक्रम और पाठ्येतर गतिविधियाँ**

परिसर में विद्यार्थियों में निहित सह-पाठ्यक्रम और पाठ्येतर संबंधी प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए अवसर प्रदान किया जाता है। वर्ष 2016 से एन एस एस की एक पूर्ण इकाई चालू है। इस एन एस एस इकाई के माध्यम से सामाजिक सेवा और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विद्यार्थियों को कारैकाल के स्वच्छ भारत की पहल में सम्मिलित होते हुए राष्ट्रीय निर्माण में योगदान देने की दिशा में मार्गदर्शन दिया जाता है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नेट परीक्षा लिखने के इच्छुक विद्यार्थियों को परिसर में निःशुल्क शिक्षण की व्यवस्था है। इन कार्यक्रमों के अतिरिक्त, परिसर में फ्रेशर डे, महिला दिवस आयोजित किए जा रहे हैं। प्रतिवर्ष परिसर के लिए विद्यार्थियों के प्रतिनिधियों के चयन हेतु विद्यार्थी परिषद चुनाव भी आयोजित किया जाता है।

- **अध्ययन कार्यक्रम**

**वाणिज्य विभाग**

1. एम.कॉम (व्यापार वित्त)
2. पीएच.डी वाणिज्य – पूर्णकालीन व अंशकालीन

**कंप्यूटर विज्ञान विभाग**

1. एम.एससी. (कंप्यूटर विज्ञान)
2. एम.सी.ए.
3. पीएच.डी कंप्यूटर विज्ञान – पूर्णकालीन व अंशकालीन

**प्रबंधन विभाग**

1. एम.बी.ए. (बीमा प्रबंधन)
2. पीएच.डी (प्रबंधन) – पूर्णकालीन व अंशकालीन

**खेल कार्यकलाप और उपलब्धियाँ**

प्रतिवर्ष परिसर द्वारा अंतरविभागीय खेल बैठक यूनीस्पोफेस्ट आयोजित किया जाता है और पुदुच्चेरी परिसर में आयोजित किए जानेवाले अंतरमहाविद्यालय टूर्नामेंट्स में कारैकाल परिसर के विद्यार्थी भाग लेते हैं। विद्यार्थी कई राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किए हैं और सूचना प्रौद्योगिकी व प्रबंधन से संबंधित संगोष्ठियों में भाग लिए और पत्रिकाओं में आलेख प्रकाशन में सक्रिय है।

# प्रबंधन विभाग (कारैकाल परिसर)
## प्रबंधन विद्यापीठ

वर्ष 2009-10 में कारैकाल परिसर में प्रबंधन अध्ययन विभाग का शुभारंभ हुआ। इस विभाग में बीमा प्रबंधन में एम.बी.ए. और प्रबंधन में पीएच.डी पाठ्यक्रम हैं। पहले, अंशधारकों की ओर से क्षेत्रीय एम.बी.ए. कार्यक्रम के लिए बढ़ती आवश्यकता और दूसरे, वर्ष 2000 में भारत में क्षेत्र में उदारीकरण के पश्चात बीमा क्षेत्र की समृद्ध वृद्धि के दृष्टिगत पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय द्वारा बीमा प्रबंधन में एम.बी.ए. पाठ्यक्रम की शुरूआत की गयी।

युवावर्ग के ज्ञान तथा विकास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के साथ विभाग द्वारा निम्नलिखित लक्ष्यों पर कार्य किया जा रहा है:

- बीमा क्षेत्र में ज्ञान-केंद्र के रूप में विभाग को विकसित करना
- अनुसंधान गतिविधियों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं आदि के माध्यम से बीमा उद्योग में अनुसंधान को बढ़ावा देना।
- कौशल-विकास कार्यक्रम से जुड़े रहने, परामर्श करने और सहभागिता लेने आदि के माध्यम से उद्योग-संस्था अंतराफलक को सुदृढ़ बनाना

- **अध्ययन का विषय**

एम.बी.ए. (बीमा प्रबंधन)
पीएच.डी प्रबंधन

- **प्रवेश परीक्षा**

विश्वविद्यालय द्वारा एम.बी.ए. (बीमा प्रबंधन) पाठ्यक्रम के लिए निम्नलिखित विषयों में से प्रश्नों को शामिल करते हुए प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है:

| | | |
|---|---|---|
| अनुभाग –ए | अंग्रेजी ज्ञान | 20 अंक |
| अनुभाग-बी | परिणामात्मक क्षमता | 20 अंक |
| अनुभाग-सी | तार्किक सोच | 20 अंक |
| अनुभाग-डी | डाटा इंटरप्रिटेशन | 20 अंक |
| अनुभाग-ई | सामान्य ज्ञान | 20 अंक |

अभ्यर्थी द्वारा एम.बी.ए. (बीमा प्रबंधन) पाठ्यक्रम के लिए अलग से आवेदन प्रस्तुत किया जाना है। प्रतिभा तथा सांविधिक आरक्षण/सामान्य परामर्श के मानकों के आधार पर विश्वविद्यालय द्वारा चयन प्रक्रिया आयोजित की जाती है।

**प्रबंधन विभाग (कारैकाल परिसर) में प्रबंधन में पीएच.डी :**

प्रबंधन, सूचना प्रणालियाँ, प्रचालन अनुसंधान, अनुसंधान प्रविधि जैसे कार्यकारी विषयों को शामिल करते हुए 100 बहुविकल्पी प्रश्न युक्त प्रवेश परीक्षा के माध्यम से पीएच.डी पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।

**ध्यान केंद्रित अनुसंधान क्षेत्र**

1. विपणन
2. वित्त
3. मानव संसाधन प्रबंधन
4. आपूर्ती श्रृंखला प्रबंधन
5. प्रबंधन सूचना प्रणाली
6. बीमा प्रबंधन
7. बीमा और जीवनांकिकी
8. स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन

विभाग द्वारा अनुसंधान के क्षेत्र में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और आई सी एस एस आर से पीएच.डी उपाधि प्रदान करने, अनुसंधान प्रकाशन, अनुसंधान अनुदान में और विदेश में डॉक्टोरल फोलेशिप प्राप्त करने में उत्कृष्ट निष्पादन दिखाया गया है। विभाग के संकाय सदस्य द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रख्यात एमेराल्ड इनसाइट, सेज प्रकाशनों आदि पत्रिकाओं में प्रबंधन के विविध कार्यकारी विषयों में शोध आलेख प्रकाशित किए गए। पीरसन एजुकेशन, प्रिंटीसे हाल ऑफ इंडिया, लंबेर्ट अकडेमिक पब्लिशिंग, हिमालया पब्लिकेशन आदि प्रतिष्ठित प्रकाशकों द्वारा पुस्तकें प्रकाशित हैं।

**पाठ्यक्रम की विशिष्टताएँ**

एम.बी.ए. (बीमा प्रबंधन) (नियमित पद्धति में 2 वर्षों का पूर्णकालीन पाठ्यक्रम)

एम.बी.ए. (बीमा प्रबंधन) पाठ्यक्रम में प्रबंधन से जुड़े कार्यकारी विषय सहित बीमा से संबंधित विविध उप-विषय शामिल हैं। विभाग द्वारा विद्यार्थियों को बीमा नियंत्रण विकास प्राधिकरण (आई आर डी ए), भारतीय बीमा संस्था (आई आई आई), चार्टर्ड इंश्यूरेंस इनिस्टिट्यूट (सी आई सी, यु के), लाइफ ऑफीस मेनेजमेंट असोसियेशन (आई ओ एम.ए., यू एस ए), लाइफ इंश्यूरेंस

मार्केटिंग एण्ड रीसर्च असोसियेशन (एल आई एम आर ए, यू एस ए) आदि द्वारा आयोजित किए जानेवाले बीमा से संबंधित पेशेवार सर्टिफिकेट परीक्षाओं को लिखने की दिशा में अभिप्रेरित किया जाता है और अपेक्षित सुविधा प्रदान की जाती है।

**आधारभूत संरचनात्मक सुविधाएँ**

- प्रबंधन तथा बीमा के विविध विषयों से संबंधित कई पुस्तकें तथा पत्रिकाओं के साथ व्यवस्थित पुस्तकालय
  - इंटरनेट सुविधा के साथ केंद्रीकृत कंप्यूटर प्रयोगशाला
  - पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के प्रधान परिसर के केंद्रीय पुस्तकालय से रिमोट के माध्यम से पुस्तकालय के सभी संसाधनों की प्राप्ति हेतु सुविधा
  - छात्रों, छात्राओं और शोधार्थियों के लिए अलग से छात्रावास

**रोजगार**

बीमा क्षेत्र की प्रमुख कंपनियाँ और सभी प्रमुख बीमा परामर्शदात्री संस्थाएँ विभाग के विद्यार्थियों की भर्ती और इंटर्नशिप के लिए संस्थान में दौरा करती हैं। विभाग के 100% विद्यार्थी प्रतिवर्ष जीवन बीमा, सामान्य बीमा, परामर्श संस्थाओं, बैंक तथा बीमा ब्रोकिंग संस्थाओं में रोजगार पाते हैं।

**पूर्व विद्यार्थियों का सहयोग**

विभाग द्वारा पूर्व विद्यार्थियों के संघ का गठन किया गया है, जिसमें चयनित कार्यालय वाहक सहित सभी पूर्व विद्यार्थी आजीवन सदस्य है। पतिवर्ष दिसंबर माह में पूर्व विद्यार्थियों की बैठक आयोजित की जाती है। उद्योग में स्थित पूर्व विद्यार्थी सुदृढ़ संस्था-उद्योग नेटवर्क को निर्मित करने और सुदृढ़ बनाने में बड़ा सहयोग प्रदान कर रहे हैं। विभाग के पूर्व विद्यार्थी संघ आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को सहायता प्रदान करने के लिए धर्मार्थ निधि के सृजन हेतु योजना है।

**संकाय**

**आचार्य**

**ललिता रामकृष्णन, पीएच.डी ***(श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय, तिरुपति)

विशेषज्ञता : विपणन प्रबंधन, कार्यनीति प्रबंधन

**सह आचार्य व विभागाध्यक्ष**

**एस.ए. सेंथिल कुमार, पीएच.डी** (भारतीयार विश्वविद्याल्य, कोयंबत्तूर)

विशेषज्ञता : बीमा प्रबंधन, स्वास्थ्य बीमा, मानव संसाधन प्रबंधन और सेवा प्रबंधन

**सह आचार्य**

**एम. धर्मलिंगम, पीएच.डी** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता : परिमाणात्मक वित्त, जीवनांकिकी विज्ञान, डाटा मैनिंग और ग्राहक संबंध प्रबंधन

**सहायक आचार्य**

**डी एच मालिनी, पीएच.डी, एफ डी पी** (आई आई एम.ए.)(श्री कृष्णदेवराय विश्वविद्यालय, अनंतपुर)

विशेषज्ञता : विपणन प्रबंधन, जोखिम प्रबंधन व बीमा तथा वित्तीय सेवाएँ

**बैराम आनंद, पीएच.डी** (काकतीय विश्वविद्यालय, वरंगल)

विशेषज्ञता : बीमा कानून, हरित विपणन, ई-वाणिज्य और सेवा विपणन

**सी माधवय्या, पीएच.डी** (श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति)

विशेषज्ञता : विपणन प्रबंधन, प्रबंधन सूचना प्रणाली व जीवन बीमा

* अस्थायी रूप से पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विभाग को स्थानांतरित किया गया।

# वाणिज्य विभाग (कारैकाल परिसर)
## प्रबंधन विद्यापीठ

पुदुच्चेरी संघ शासित प्रदेश के कारैकाल पत्तन का एक व्यापार केंद्र बनने के कारण कारैकाल क्षेत्र की आवश्यकताओं की पूर्ती के लिए पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के कारैकाल परिसर में वर्ष 2007-08 में वाणिज्य विभाग की स्थापना की गयी। यह तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, उत्तर पूर्वी राज्य और ऐसे ही भारत के विविध प्रदेशों के विद्यार्थियों को आकृष्ट करता है। इस विभाग द्वारा व्यापार वित्त में स्नातकोत्तर और वाणिज्य में डॉक्टर ऑफ फिलासफी (पूर्णकालीन तथा अंशकालीन) पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। वाणिज्यिक क्षेत्र में वैचारिक और सैद्धांतिक ज्ञान विकसित करते हुए निगम तथा सार्वजनिक सेवाओं की आवश्यतकाओं की पूर्ती करना और सामाजिक संबंध रखनेवाले, स्वतंत्र परियोजनाएँ तथा परामर्शदात्री सेवाओं के साथ अनुसंधान कार्यकलाप आयोजित करना इस विभाग का लक्ष्य है।

समकानीलन मुद्दों पर व्याख्यान, परस्पर चर्चा सत्र, मामला विश्लेषण, सामूहिक चर्चा, इंटर्नशिप प्रशिक्षण व परियोजना कार्य, जीविका मार्गदर्शन व परामर्श, आई.सी.टी. का अनुप्रयोग, विश्वविद्यालय और अन्य संस्थाओं की शैक्षणिक गतिविधियों में सहभागिता तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नेट/सेट के इच्छुक विद्यार्थियों को मार्गदर्शन आदि विश्वविद्यालय की मुख्य विशेषताएँ हैं। विभाग में विद्यार्थियों की अंतर्गत प्रतिभा को निखारने के लिए उद्यमिता विकास क्लब, व्यापार क्विज क्लब, हरित पहल क्लब जैसे विविध विद्यार्थी क्लब भी हैं, ताकि व्यापार निर्णय लेने और देश के जिम्मेदार निगमित नागरिक बनने में विद्यार्थी दक्ष बन सकें।

- **अध्ययन-कार्यक्रम**

एम. कॉम (व्यापार वित्त)
पीएच.डी (वाणिज्य)

- **प्रवेश परीक्षा**

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा के आधार पर पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय तथा कारैकाल परिसर में पीएच.डी पाठ्यक्रम तथा एम कॉम (व्यापार वित्त) दोनों के लिए प्रवेश दिया जाता है।

**आधारभूत संरचनात्मक सुविधाएँ**

वर्तमान अध्ययन और अनुसंधान के लिए उपयुक्त रूप में विभाग में आवश्यक आधुनिक आधारभूत संरचनात्मक सुविधाएँ हैं। परिसर में वित्त, लेखाकरण और अन्य व्यापार प्रबंधन विषयों से संबंधित अधिक संख्या में पाठ्य पुस्तक तथा संदर्भ ग्रंथ युक्त पुस्तकालय हैं। विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों को अभिकलानात्मक सुविधा प्रदान करने के लिए उन्हें इंटरनेट सुविधा के साथ कंप्यूटर प्रयोगशाला उपलब्ध की गयी। शिक्षण के लिए, एल सी डी प्रोजेक्टर के साथ सुसज्जित कक्षाएँ और इंटरनेट सुविधा का प्रावधान है। विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए छात्रों तथा छात्राओं को अलग से छात्रावास की सुविधा भी उपलब्ध की गयी।

**रोजगार सहायता :**

इस परिसर के वाणिज्य विद्यार्थी विविध प्रमुख निगमित उपक्रमों के साथ विविध राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थाओं में नियुक्त हुए। विभाग द्वारा निगमित उपक्रमों में विद्यार्थियों की भर्ती के लिए रोजगार गतिविधियों की सुविधा प्रदान की जाती है।

**संकाय**

**आचार्य व विभागाध्यक्ष**

**एस अमिलन, पीएच.डी** (अलगप्पा विश्वविद्यालय, कारैकुडि(

विशेषज्ञता : अंतर्राष्ट्रीय वित्त, पोर्टफोलियो प्रबंधन व परिणामात्मक तकनीक

**सहायक आचार्य**

**वी अरुमुरुगन, पीएच.डी** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता : बैंकिंग, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, ई-वाणिज्य, लॉजिस्टिक्स, वाणिज्य विज्ञान, उद्यमिता, व्यापार अनुसंधान व विश्लेषिकी

**जी नरेश पीएच.डी** (मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता : निवेश, व्युत्पन्न व जोखिम प्रबंधन, परिसंपत्तियों का मूल्यांकन, मूलसंरचनागत वित्त व निजी ईक्विटी

# कंप्यूटर विज्ञान विभाग (कारैकाल परिसर)
# अभियांत्रिकी व प्रौद्योगिकी विद्यापीठ

कारैकाल परिसर में स्थित कंप्यूटर विज्ञान विभाग में दो स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रम, मास्टर ऑफ कंप्यूटर अप्लिकेशन (एम.सी.ए.) और दो वर्षों का विज्ञानाधि स्नातक पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। साथ ही, विभाग द्वारा कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी दोनों में पूर्णकालीन तथा अंशकालीन पद्धतियों में पीएच.डी पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है। विभाग के उद्देश्यों में विद्यार्थियों के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध करते हुए गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करना शामिल है।

- **अध्ययन के लिए पाठ्यक्रम**

एम.सी.ए. (3 वर्ष) कंप्यूटर अनुप्रयोग
एम.एससी. (2 वर्ष) कंप्यूटर विज्ञान
पीएच.डी कंप्यूटर विज्ञान व अभियांत्रिकी

- **प्रवेश परीक्षा**

**एम.एससी. कंप्यूटर विज्ञान :** एम.एससी. पाठ्यक्रम में नामांकन प्रवेश परीक्षा में उम्मीदरावों के निष्पादन के आधार पर किया जाता है। प्रवेश परीक्षा बहुविकल्पीय होता है। प्रश्न पत्र में सामान्य गणित और डाटा संरचना और कलन गणित, डिजिटल तार्किक और कंप्यूटर की व्यवस्था, प्रचालन प्रणालियाँ, सिस्टम सॉफ्टवेयर, माइक्रोप्रोसेसर्स, एस ए डी, डी बी एम.ए.स, ऑटोमटा, प्रोग्रामिक भाषा (सी व सी++) तथा कंप्यूटर विज्ञान संबंधी डोमैन में वर्तमान पद्धतियों से संबंधित प्रश्न शामिल होते हैं।

**एम.सी.ए. :** एम.सी.ए. पाठ्यक्रम में नामांकन प्रवेश परीक्षा में उम्मीदरावों के निष्पादन के आधार पर किया जाता है। प्रवेश परीक्षा बहुविकल्पीय होता है। प्रश्न पत्र में विशद और मौखिक क्षमता, विश्लेषण क्षमता, तार्किक सोच, गणितीय योग्यता और कंप्यूटर विज्ञान से संबंधित डोमैन में वर्तमान पद्धतियों से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं।

**पीएच.डी :** पीएच.डी पाठ्यक्रम में नामांकन प्रवेश परीक्षा में उम्मीदवारों के निष्पादन के आधार पर होता है। प्रवेश परीक्षा कंप्यूटर विज्ञान विषय से संबंधित सभी प्रमुख क्षेत्रों के बहुविकल्पीय प्रश्न होते हैं।

**आधारभूत संरचनात्मक सुविधाएँ :**

विभाग में सभी प्रकार के कार्यक्रमों के लिए अलग से उच्चतम प्रणालियों के साथ सुगठित प्रगत कार्यक्रम प्रयोगशाला है।

विद्यार्थियों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए हवादार और विशाल कमरे, अपेक्षित व्यवस्था युक्त संगोष्ठी भवन और पुस्तकालय की सुविधा है।

**विद्यार्थियों की गतिविधियाँ**

विभाग द्वारा विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्द्धात्मक बनाने के लिए अपने अनुभव तथा कार्य शैली सिखाने के लिए औद्योगिक पेशेवार तथा अत्यधिक प्रतिष्ठात्मक शिक्षा संस्थाओं के अभिसरण के लिए प्रोत्साहन दिया जाता है।

सम्मेलनों, कार्यशालाओं, समरोहों और विशेष व्याख्यानों तथा प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाया जाता है।

**पूर्वछात्र संघ**

विभाग द्वारा प्रतिवर्ष सिनर्जी के नाम से पूर्व छात्र की बैठक आयोजित की जाती है। विविध कंपनियों में नियुक्त पूर्व छात्र द्वारा वर्तमान में अध्ययन करनेवाले विद्यार्थियों के लिए विविध परियोजनाओं तथा जीविका की दिशा में सहायता प्रदान किया जाता है।

**अनुसंधान**

यह विभाग अनुसंधान विभाग है, इसमें कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी में पूर्णकालीन /अंशकालीन पद्धति में पीएच.डी प्रदान किया जाता है। शोधार्थियों के लिए विशेष कार्य क्षेत्र प्रदान किए गए हैं और शोधार्थी क्लउड कंप्यूटिग, डाटा विज्ञान अनुसंधान, डाटा मैनिंग और मशीन अधिगम क्षेत्र में कार्य करते हैं।

**रोजगार**

विश्वविद्यालय के रोजगार प्रकोष्ठ के संपूर्ण सहयोग से प्रख्यात कंपनियों में रोजगार प्राप्त करने की दिशा में सहायता प्रदान करने हेतु विभाग प्रतिबद्ध है। हमारे विद्यार्थी आई बी एम, एच सी एल, विप्रो, इनफोसिस, टी सी एस, अरिसेंट, एच पी, आई टी सी, सी टी एस, हनीवेल, पद्मी कंप्यूटर्स, आईगेट, आईपेक्स, सिसबिज, गो डिजिट, माइंडफायर, वेरिजन, अलक्रिती आदि जैसे बहुराष्ट्रीय कंपनियों में रोजगार प्राप्त करके अपनी क्षमता का परिचय देते हैं।

**संकाय**

**सह आचार्य**

**एस भुवनेश्वरी, पीएच.डी** )असाधारण छुट्टी पर) (भारतीदासन विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता : अभिकल्पनात्मक, बुद्धि, आर्टिफिशियल इंटिलिजेंस , व्यापार बुद्धि, सूचना प्रणाली, ज्ञान और अनुप्रयोग मंथन, हाइब्रिड सूचना प्रणाली, समकालीन कलन गणित

सहायक आचार्य व विभागाध्यक्ष (प्रभारी)

**जी.कुमारवेलन, पीएच.डी** (भारतीदासन विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता : मशीन अधिगम, डाटा विश्लेषण, मानव कंप्यूटर परस्पर चर्चा, डाटा मैर्निंग , प्राकृतिक भाषा प्रक्रिया

सहायक आचार्य

**जी.सुरेश कुमार, पीएच.डी** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता : इंटिलिजेंट इनफरमेशन रिट्राइवल, ज्ञान आधारित प्रणाली, बिग डाटा विश्लेषण, डाटा माइर्निंग

**के. वैदेगी, एम.टेक** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता : सूचना सुरक्षा, सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी

**आर.लक्ष्मी, पीएच.डी** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय)

विशेषज्ञता : जैवसूचनाविज्ञान, अनुवांशिकी कलन गणित

# पोर्ट ब्लेयर परिसर

## महासागर अध्ययन और समुद्री जीव विज्ञान विभाग

## जीव विज्ञान विद्यापीठ

वर्ष 2000 में समुद्र तथा द्वीप अध्ययन केंद्र की स्थापना की गयी तथा वर्ष 2004 में समुद्र अध्ययन और समुद्री जीव विज्ञान विभाग के तहत इसे पूर्ण विभाग का दर्जा दिया गया है। यह विभाग अंडमान निकोबार द्वीप समूह के सुरम्य राजधानी शहर पोर्ट ब्लेयर में 12.5 एकड़ के अपने निजी भूमि में व्यापक रूप से अवस्थित है। यह विभाग शैक्षणिक और अनुसंधान कार्यकलापों दोनों के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, डीएसटी तथा पृथ्वी- विज्ञान मंत्रालय द्वारा बाह्य निधियों के साथ प्रयोगशालाओं तथा उपस्कर युक्त मूलसंरचनागत सुविधाओं से लैस है। पोर्ट ब्लेयर में स्थित विभाग विशिष्ट प्रवाल, मैनग्रोव और द्वीप पर्यावरण प्रणालियों से अनुपम समुद्री पर्यावरण में है। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेनेवाले विद्यार्थियों को समुद्री जीव विज्ञान क्षेत्र में बृहद प्रशिक्षण दिया जाता है। इस पाठ्यक्रम के तहत स्थायी प्रबंधन और संरक्षण हेतु उनके जैविक संसाधनों तथा कार्यनीति के विकास हेतु इन पर्यावरण प्रणालियों के अन्वेषण करना अनिवार्य है।इस विभाग में अखिल भारतीय स्तर पर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जानेवाली प्रवेश परीक्षा के माध्यम से समुद्री जीव विज्ञान विषय में एम.एससी. तथा पीएच.डी दोनों के अध्ययन का प्रावधान है। प्रवेश परीक्षा में प्राप्त रैंक के आधार पर स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता है और इस पाठ्यक्रम के लिए नामांकन में पंजीकृत 70% उपस्थिति को सुनिश्चित करनेवाले सभी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के रूप में प्रति माह रु.1000/- दिए जाएँगे। प्रवेश परीक्षा में प्राप्त रैंक तथा साक्षात्कार में उनके निष्पादन के आधार पर पीएच.डी पाठ्यक्रम के लिए विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता है।

**आधारभूत संरचनात्मक सुविधाएँ**

यह विभाग समुद्री जीव विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षण और अनुसंधान व विकास कार्यकलापों के लिए अन्य अतिरिक्त उपकरणों के साथ प्रमुख उपस्कर सहित निम्नलिखित प्रयोगशाला आधुनिक सुविधाओं से लैस है।

**विभाग**

- स्वचालन मौसम केंद्र
- बी ओ डी इनक्यूबेटर
- इमेज विश्लेषक सहित माइक्रोस्कोप
- रोटरी वाष्पन
- सी एच एन एस ओ विश्लेषक
- सबमेर्सिबल फोरेसेन्स प्रोब
- जेल प्रलेखीकरण प्रणाली
- एच पी एल सी
- अल्ट्रा सेंट्रिफ्युज
- माइक्रोसेंट्रिफ्युज

**परियोजना**

- पी सी आर
- टी ओ सी विश्लेषक
- तत्व विश्लेषक
- विद्युत मापन
- सोनार

**अनुसंधान के लिए ध्यान केंद्रित क्षेत्र**

- समुद्री मछलियों का टेक्सोनॉमी और बार कोडिंग
- प्रवाल रीफ पर्यावरण अनुश्रवण और कार्बन प्रच्छादन
- तटीय जैव विविधता आंकलन और उनका संरक्षण
- मछलियों का जीव विज्ञान, पर्यावरणीय आकृति विज्ञान तथा स्टॉक आंकलन
- समुद्री जैव सक्रिय मिश्रण और उनका वर्गीकरण
- समुद्री सूक्ष्मकण प्रक्रियाएँ और समुद्री प्राकृतिक उत्पाद
- समुद्री बेंतिक परिस्थिती विज्ञान और टेक्सोनमी
- समुद्री सूक्ष्म पैथो बेंतोस और उनके पारिस्थितिक संबंध
- वैविध्यता और प्लाक्टन का वितरण

**संकाय**

आचार्य

**पी एम मोहन, पीएच.डी**

(कोच्चि यूनिवर्सिटी ऑफ साइंसेज एण्ड टेक्नॉलॉजी, कोच्चि)

विशेषज्ञता : समुद्री विज्ञान, प्रवाल रीफ पर्यावरणीय अनुश्रवण, मियोबेंठीक अध्ययन तथा तटीय प्रबंधन

**जयंत कुमार मिश्रा, एम.फिल.., पीएच.डी, डी एफ एस (जापान)**

बेरहमपुर विश्वविद्यालय, ओदिशा, नागसाकी विश्वविद्यालय, जापान)

विशेषज्ञता : समुद्री जैवप्रौद्योगिकी, समुद्री जैव सक्रिय मिश्रण, प्रेरित प्रजनन तथा लार्वल जीवों को आकृष्ट करने के लिए समुद्री रसायन पारिस्थितिक अकशेरु की विशेष संदर्भ, समुद्री जैव विविधता और संरक्षण

- **अध्ययन कार्यक्रम :**

एम.एससी. समुद्री जीव विज्ञान

पीएच.डी समुद्री जीव विज्ञान

- **प्रवेश परीक्षा**

**एम.एससी. – समुद्री जीव विज्ञान**

प्रश्न पत्र में बी एस सी स्तर के जीव विज्ञान क्षेत्र से संबंधित बहु विकल्प सहित 100 बहुविकल्पी प्रश्न होते हैं।

**पीएच.डी - समुद्री जीव विज्ञान**

प्रश्न पत्र में एम.एससी. स्तर के जीव विज्ञान क्षेत्र से संबंधित बहु विकल्प सहित 100 बहुविकल्पी प्रश्न होते हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/सी एस आई आर/डी एस टी इनस्पैर अधिछात्रवृत्ति – नेट उत्तीर्ण विद्यार्थियों को पीएच.डी में सीधे प्रवेश दिया जाता है।

**आचार्य व विभागाध्यक्ष**

**आर मोहनराजु, पीएच.डी** (अन्नामलै विश्वविद्यालय, चिदंबरम)

विशेषज्ञता : समुद्री जीव विज्ञान, माइक्रोबियल पारिस्थिती और प्रवाल, मैंग्रोव और गहरे समुद्र की पर्यावरणीय प्रणाली, समुद्री प्राकृतिक उत्पादों का बयोप्रोस्पेक्टिंग में समुद्री माइक्रोबियल प्रक्रियाएँ

सहायक आचार्य

**गादि पद्मावती, पीएच.डी, डीएफएस (जापान)** (बेरहमपुर विश्विद्यालय, ओडिशा, होकैदो विश्वविद्यालय, जापान)

विशेषज्ञता : समुद्री जीव विज्ञान,समुद्री प्लांकटन, मछलियाँ तथा मछली पालन

**एस वेणु, पीएच.डी**

(कोच्चि यूनिवर्सिटी ऑफ साइंसेज एण्ड टेक्नॉलॉजी, कोच्चि)

विशेषज्ञता : समुद्री जीव विज्ञान, मछली जीव विज्ञान, गहरा समुद्र तथा तटीय मछली टेक्सोनमी व बारकोडिंग, स्टॉक का आंकलन, प्रवाल रीफ रेजिलियन्स और मस्त्यपालन

**टी गणेश, पीएच.डी** (आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखपट्टणम)

विशेषज्ञता : समुद्री जीव विज्ञान, समुद्री ई आई ए अध्ययन, टेक्सानमी और समुद्री रसायन पारिस्थितिक अकशेरु और समुद्री घास पारिस्थितिकी प्रणाली

**के ए जयराज, पीएच.डी** (कोच्चि यूनिवर्सिटी ऑफ साइंसेज एण्ड टेक्नॉलॉजी, कोच्चि)

विशेषज्ञता : समुद्री जीव विज्ञान और बेंथिक पारिस्थिती

# तटीय आपदा प्रबंध विभाग

## भौतिक, रसायन और अनुप्रयोग विज्ञान विद्यापीठ

वर्ष 2007 में समुद्र अध्ययन और समुद्री जैविक विज्ञान विभाग में आपदा प्रबंधन में एम.एससी. पाठ्यक्रम का शुभारंभ हुआ और जून, 2010 में तटीय आपदा प्रबंध विभाग के रूप में अलग किया गया है तथा यह केंद्र पोर्ट ब्लेयर में अवस्थित है। यह विभाग विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा पूर्णतः समर्थित है। यह विभाग विश्व श्रेणी उत्कृष्टता के साथ आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम में स्नातकोत्तर उपाधि प्रदत्त करने के लिए शैक्षणिक उपलब्धि प्राप्त करने हेतु सैद्धांतिक पृष्ठभूमि सहित क्षेत्र स्तर पर प्रशिक्षण प्रदान कराने की दिशा में हर संभव प्रयास करता है।

- **अध्ययन-कार्यक्रम**

एम.एससी आपदा प्रबंधन

पीएच डी आपदा प्रबंधन

- **प्रवेश परीक्षा**

आपदा प्रबंधन में एम.एससी. स्नातक उपाधि के लिए प्रवेश परीक्षा में उम्मीदवारों के निष्पादन के आधार पर चयन किया जाता है। प्रवेश परीक्षा में बी एस सी स्तर में भौगोलिक, रसायनिक, भौतिक और भू विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, जीव विज्ञान में 80 बहु विकल्प प्रश्न तथा अंग्रेजी, तार्किक ज्ञान से 20 प्रश्न शामिल होंगे। पीएच.डी में प्रवेश के लिए एम.एससी. स्तर के 80 बहु विकल्प प्रश्न और अंग्रेजी, तार्किक ज्ञान से संबंधित 20 प्रश्न होंगे।

**विभाग का लक्ष्य :**

विभाग द्वारा विश्व श्रेणी के स्तर पर प्रशिक्षण सहित शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु आपदा प्रबंधक को तैयार करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाते हैं।

**विभाग का ध्येय :**

प्रतिवर्ष प्राकृतिक और मानव द्वारा किए जानेवाले क्रियाओं के कारण संभावित जोखिम बढ़ रहे हैं। क्षेत्रीय और वैश्विक रूप से प्राकृतिक और मानव द्वारा किए जानेवाले क्रियाओं के कारण संभावित जोखिमों की पहचान तथा उपचार के लिए त्वरित गति से उपाय लेना है। इस दिशा में आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय द्वारा बहु कुशलताओं के साथ शिक्षार्थियों के लिए उपयुक्त रूप से पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। बढ़ रहे प्राकृतिक और मानव निर्मित क्रियाओं के कारण संभावित जोखिम की संख्या कम करने की दिशा में घटाव, दोष, अस्थि-भंग, उप-सतह छेद, भूस्खलन प्रवण क्षेत्र, भूतल जल संसाधनों की पहचान; नमक जल अतिक्रमण एवं लीच एट प्लूम स्थानांतरण, जोखिम अपशिष्ट निपटान सुदूर संवेदन और अद्यतन आर्क जी आई एस सॉफ्टवेयर के साथ जी आई एस प्रयोगशाला तथा ई आर डी ए एस सुविधा सहित मानवशक्ति को विकसित करने के लिए इलेक्ट्रिकल रेसिस्टिविटी टोमोग्राफिक (ई आर टी) इमेजिंग; ग्राउंड पेनेट्रेटिंग राडार (जी पी आर); सिस्मिक इमेजिंग तथा ट्रांसियेंट इल्ट्रोमैग्नेटिक (टी ई एम) जैसे भूभौतिक तकनीकी का प्रयोग' सहित प्रशिक्षण का प्रावधान है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम द्वारा एम.एससी. विद्यार्थी क्षमता सहित आपदा से संबंधित समस्याओं को सुलझाने में उपयुक्त होगा।

**ध्यान केंद्रित क्षेत्र**

जी पी आर, टेर्रा टी ई एम, रेसिस्टिविटी इमेजिंग तथा रेसिस्टिविटी वेरियोमीटर, सुदूर सेनसिंग और जी आई एस की सुविधाओं से भूकंप, तटीय भूस्खलन, पालियोसेस्मोलॉजी साल्टवाटर इंट्रूजन, भूस्खलन घटनाएँ, सुनामी सैलाब, द्वीप का टेक्टोनिक सबसिडेन्स प्रभाव जैसी प्राकृतिक आपदाओं को कम करना।

**आधारभूत संरचनात्मक सुविधाएँ**

विभाग में एम.एससी. विद्यार्थियों और पीएच.डी शोधार्थियों के प्रायोगिक पाठ्यक्रम की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए विश्व श्रेणी के भूभौतिक और रिमोट सेनसिंग, जी आई एस और समुद्री तथा भूमि सर्वेक्षण उपकरण युक्त व्यवस्थित प्रयोगशाला है। विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपस्कर सुविधा इस प्रकार हैं:

- 12 चैनल के साथ सेस्मोग्राफ
- एस आई आर 2000 ग्राउंड पेनेट्रेशन राडार
- इलेक्ट्रिकल रेसिस्टिविटी इमेजिंग
- ट्रान्सियंट इलेट्रिमैग्नटिक (टेर्रा टी ई एम)
- कुल जैविक कार्बन विश्लेषक
- डिफरेंशियल ग्लोबल पोसिशनिंग प्रणाली (डी जी पी एस)
- स्वचालन मौसम केंद्र

- इमेज विश्लेषक के साथ माइक्रोस्कोप
- समुद्री उपकरण
- समुद्री मैग्नेटोमीटर
- साइड स्केन सोनार
- ईको साउंडर्स
- विद्युत मीटर

इनके अतिरिक्त ऐसी जटिल सुदूर सेनसिंग और आर्क जी आई एस सॉफ्टवेयर के साथ जी आई एस प्रयोगशाला तथा ई आर डी ए एस सुविधाएँ हैं। गणना और नेटवर्क सुविधा : इंटरनेट के साथ सुदूर सेनसिंग प्रयोगशाला में पर्याप्त संख्या में वैयक्तिक कंप्यूटर उपलब्ध हैं।

**क्षेत्र उपस्कर :**

पूरा स्टेशन प्रतिक्षेपक सहित है, स्टॉफ के साथ स्वचालित स्तर; वैश्विक स्थान प्रणाली; डिजिटल केमेरा; पत्थर तोड़नेवाले मशीन; स्वचालित सीवे शाकेर, सभी अंडमान व निकोबार द्वीप तथा तमिलनाडु के तटीय जिलों के लिए उपलब्ध हैं।

**अनुसंधान कार्यकलाप :**

विभाग के अनुसंधान कार्यकलापों द्वारा विशेष रूप से जी पी आर, टेर्रा टी ई एम, रेसिस्टिविटी इमेजिंग तथा रेसिस्टिविटी वेरियोमीटर की सहायता से भूकंप, तटीय भूस्खलन, पालियोसेस्मोलॉजिकल साल्टवाटर इंट्रूजन, सुनामी संकेतक और सुदूर सेनसिंग एवं जी आई एस जैसी प्राकृतिक आपदाओं को पहचानने और कम करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। भू विज्ञान मंत्रालय द्वारा द्वीपों में पालियोसेस्मोलॉजिकल

अन्वेषण हेतु 23,23,200 रुपए खर्च मंजूर किए गए। नेशनल रिमोट सेनसिंग सेंटर (एन आर एस सी), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार, हैदराबाद द्वारा अंडमान व निकोबार द्वीप में अच्छे आंकड़ों के संचयन और जल की गुणवत्ता का विश्लेषण के लिए "राजीव गाँधी राष्ट्रीय पेयजल" की योजना के लिए एक परियोजना का प्रायोजन किया गया।

**आयोजित/चालू परियोजनाएँ :**

1. जी पी आर और ई आर टी के माध्यम से दक्षिण अंडमान के फ्राक्चर्ड आक्युफेर मोडलिंग (बजट : 10,70,800/-) (वर्ष 2013-17)

**प्रधान अन्वेषक डॉ एस बालाजी**

2. जरावा पर ध्यान केंद्रित करते हुए अंडमान के पालियोसेस्मालॉजी, सक्रिय टेक्टोनिक और सक्रिय सेस्मिक जोखिम (अनुमान : 23,23,200/-) (वर्ष 2016-19)

**प्रधान अन्वेषक डॉ एस बालाजी**

3. रिमोट सेनसिंग और जी आई एस का उपयोग करते हुए दक्षिण अंडमान द्वीप चिडियटापु और वनदुर में तटीय पर्यावरणीय प्रणाली से संबंधित सोरेलाइन परिवर्तन और उसका प्रभाव (बजट : 20 लाख) (वर्ष 2015-19)

**प्रधान अन्वेषक डॉ के. धरणीराजन**

**संकाय सदस्य**

**सहायक आचार्य**

**एस बालाजी, पीएच.डी** (भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली)

विशेषज्ञता : पालियोसेस्मालॉजी, आपदा प्रबंधन, सक्रिय टेक्टोनिक्स, जल भूभौतिक

**सहायक आचार्य व विभागाध्यक्ष**

के धरणीराजन, पीएच.डी (अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नै)

विशेषज्ञता : भूभौगोलिक प्रौद्योगिकी प्रणाली (जी आई एस), सुदूर सेनसिंग, आपदा प्रबंधन और भू विज्ञान में सॉफ्टवेयर विकास

## एड-ऑन पाठ्यक्रम

(सायंकाल पाठ्यक्रम)

विश्वविद्यालय द्वारा संबद्ध विषयों में अन्य पूरक पाठ्यक्रम के तहत 9 स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। उदाहरण के लिए, 'सामाजिक सेवा में स्नातकोत्तर' विद्यार्थी अब औद्योगिक मनोविज्ञान में अतिरिक्त स्नातकोत्तर डिप्लोमा भी प्राप्त कर सकते हैं, जिससे उसे रोजगार संबंधी अवसर प्रदान करने में अतिरिक्त बल मिलेगा। वैसे ही जैव-विज्ञान में अध्ययन करनेवाला किसी विद्यार्थी को जैव-प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा को पूरक पाठ्यक्रम के रूप में चयन करने का विकल्प है, जिसकी माँग वर्तमान में ज्यादा है।

हमारे विद्यार्थियों को वैश्विक तौर पर उद्योग के अवसर प्रदान करने के आशय से विदेशी भाषाओं में भी 7 सर्टिफेकेट पाठ्यक्रम का प्रावधान है। अधिक संख्या में विद्यार्थियों को सक्षम बनाने हेतु विश्वविद्यालय के परिसर में अद्ययन करनेवाले अन्य राज्यों के विद्यार्थियों को तमिल में काम चलाऊ ज्ञान प्रदान करने के आशय से तमिल में विशेष रूप से सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम की भी तैयारी की गयी।

पुदुच्चेरी के सभी स्थानीय आबादी को उच्च शिक्षा प्राप्त करने की दिशा में अवसर बढ़ाने के आशय से सभी पूरक पाठ्यक्रम में दाखिल होने की व्यवस्था भी की गयी है।

| **स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम का समन्वयक** | |
|---|---|
| **स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम** | **समन्वयक का नाम** |
| कार्यकारी हिंदी व अनुवाद | डॉ पद्मप्रिया |
| पुस्तकालय स्वचालन व नेटवर्किंग | श्री एम लीलाधरण |
| जैवप्रौद्योगिकी | डॉ बी सुधाकर |
| मानव अधिकार | डॉ मोहनन भास्करन पिल्लै |
| शैक्षणिक कौशल | डॉ के चेल्लमनि |
| अंग्रेजी में व्यवसायिक संप्रेषण | डॉ बिनु जचरिया |
| पांडुलिपि विज्ञान व प्राचीन शिलालेखों का अध्ययन | डॉ सी एस राधाकृष्णन |
| महासागर अध्ययन | डॉ ए सुब्रमण्यम राजु |
| बहुभाषीय गणना और भाषा प्रौद्योगिकी | डॉ जय शंकर बाबु |

| सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम समन्वयक | |
|---|---|
| **पाठ्यक्रम** | **समन्वयक का नाम** |
| फ्रेंच, जापानी, चीनी, कोरियन, स्पानिश, जर्मन, अरबिक | डॉ एस पन्नीरसेल्वमे |
| महासागर अध्ययन | डॉ ए सुब्रमण्यम राजु |

| **प्रवेश के लिए योग्यताएँ** | | |
|---|---|---|
| **क्र सं** | **पाठ्यक्रम का नाम** | **प्रवेश के लिए पात्रता के मापदंड** |
| 1 | कार्यकारी हिंदी व अनुवाद | न्यूनतम 45% अंक सहित हिंदी में कोई स्नातक उपाधि या<br>भाग- I व II के तहत हिंदी एक विषय के रूप में कोई स्नातक उपाधि या<br>कोई स्नातक उपाधि के साथ दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा से राष्ट्रभाषा प्रवीण उपाधि |
| 2 | पुस्तकालय स्वचालन व नेटवर्किंग | न्यूनतम 50% अंक सहित स्नातक पूर्व उपाधि |
| 3 | शैक्षणिक कौशल | न्यूनतम 45% अंक के साथ स्नातक पूर्व /स्नातकोत्तर उपाधि |
| 4 | अंग्रेजी में व्यवसायिक संप्रेषण | |
| 5 | मानव अधिकार | |
| 6 | जैवप्रौद्योगिकी | न्यूनतम 45% अंक के साथ जैविक विज्ञान से संबंधित किसी शाखा में स्नातक उपाधि |
| 7 | पांडुलिपि विज्ञान व प्राचीन शिलालेखों का अध्ययन | भाग – I के रूप में संस्कृत भाषा के साथ कोई स्नातक उपाधि |

| | | |
|---|---|---|
| 8 | महासागर अध्ययन | न्यूनतम 50% अंक के साथ किसी भी विषय में स्नातक उपाधि। इसके अतिरिक्त, तट रक्षक बल और अन्य समरूप सेवाओं तथा नाविक गण के व्यक्ति सहित त्रि-सेवा से जुड़े हुए व्यक्तियों को प्राथमिकता दी जाएगी। |
| 9 | बहुभाषीय गणना और भाषा प्रौद्योगिकी | न्यूनतम 50% अंक से कोई भी विषय में स्नातक उपाधि |

| पात्रता | | |
|---|---|---|
| **क्र सं** | **पाठ्यक्रम का नाम** | **प्रवेश के लिए पात्रता** |
| 1 | फ्रेंच | उच्च माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष में उत्तीर्ण |
| 2 | जापानी | |
| 3 | चीनी | |
| 4 | कोरियन | |
| 5 | स्पानिश | |
| 6 | जर्मन | |
| 7 | अरबिक | |
| 8 | महासागर अध्ययन | न्यूनतम 50% अंक के साथ किसी भी विषय में स्नातक उपाधि। इसके अतिरिक्त, तट रक्षक बल और अन्य समरूप सेवाओं तथा नाविक गण के व्यक्ति सहित त्रि-सेवा से जुड़े हुए व्यक्तियों को प्राथमिकता दी जाएगी। |

सुचना:

- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को योग्यता परीक्षा में मात्र उत्तीर्णता पर्याप्त होगी।
- विश्वविद्यालय में एकीकृत पाठ्यक्रम में चौथा वर्ष/पाँचवा वर्ष में अध्ययन करनेवाले अभ्यर्थी भी इन पाठ्यक्रमों के अध्ययन के लिए पात्र होंगे।

**पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि :**

दो सत्रों (एक वर्ष) (डिप्लोमा और सर्टिफिकेट, दोनों पाठ्यक्रमों के लिए)

**पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए अधिकतम अवधि :**

चार सत्रों (दो वर्ष) (डिप्लोमा और सर्टिफिकेट, दोनों पाठ्यक्रमों के लिए)

शुल्क :

भारतीय विद्यार्थियों के लिए :

| | | प्रवेश | ट्यूशन शुल्क | पुस्तकालय | खाता संख्या |
|---|---|---|---|---|---|
| विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व कर्मचारियों के लिए : | 200 | 10,000 | - - | | |
| अन्यों के लिए : | 500 | 20,000 | 1000* | | 861201979 |

* विश्वविद्यालय पुस्तकालय से लाभ उठाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए विकल्प उपलब्ध है (मात्र संदर्भ के लिए)। ऐसे मामलों में अलग से पुस्तकालय कार्ड जारी किया जाएगा।

**विदेशी विद्यार्थियों के लिए :**

150 यू एस डॉलर प्रति सत्र

**परीक्षा शुल्क :**

डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए प्रति सत्र : 300/- और

सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के लिए प्रति सत्र : 250/-

| **चयन** | **परीक्षा पद्धति** |
|---|---|
| योग्यता उपाधि में प्राप्त अंकों के आधार पर प्रवेश | सी बी सी एस प्रणाली के अनुसार परीक्षा आयोजित की जाएगी, जबकि बाह्य परीक्षक का सहयोग अनिवार्य नहीं है। मूल्यांकन पूर्णतः अंक प्रणाली के आधार पर ही होगा। अध्ययन के संबद्ध मंडल द्वारा न्यूनतम उत्तीर्णता अंक निर्धारित किए जाएँगे; हालाँकि, वह 40% से कम नहीं होगा। |

| | |
|---|---|
| **समय** | |
| डिप्लोमा :<br>पाँच दिनों के लिए प्रति दिन दो घंटे यानि शाम :5.30 से 7.30 तक | |
| सर्टिफिकेट: | **कार्यक्रम समिति** |
| चार दिनों के लिए प्रति दिन 2 घंटे, सामनयतः, शाम 5.30 से 7.30 तक। अपने संबद्ध विभाग के विवेक से शनिवार और रविवार को आयोजित किया जा सकता है। | पाठ्यक्रम आयोजक विभाग/विद्यापीठ द्वारा चिह्नितानुसार प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक समन्वयक होंगे और पाठ्यक्रम का अध्ययन करनेवाले उम्मीदवारों की प्रगति के अनुश्रवण हेतु विशेष रूप से एक कार्यक्रम समिति होगी। |
| **उपस्थिति** | |
| परीक्षा लिखने के लिए न्यूनतम 70% उपस्थिति अपेक्षित है। | |

## रोजगार-सहायता प्रकोष्ठ

- विश्वविद्यालय और इसके संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को कैंपस साक्षात्कार के लिए अभिप्रेरित करना, प्रशिक्षण देना और तैयारी करना रोजगार प्रकोष्ठ की प्रमुख जिम्मेदारियों में शामिल हैं।
- विश्वविद्यालय और इसके संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को सफलतापूर्वक व्यवसाय में नियोजन हेतु परामर्श देने तथा मार्गदर्शन प्रदान करने में यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रमुख भूमिका निभाती है। अध्ययन संबंधी शैक्षणिक कार्यक्रम के विविध चरणों तथा उपयुक्त रोजगार में प्रवेश करने के बीच यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी है।

**रोजगार प्रकोष्ठ की प्रमुख गतिविधियाँ**

- कैंपस में या बाहर साक्षात्कार का आयोजन
- वैयक्तिक विकास कार्यक्रम, नमूना अभिक्षमता परीक्षाएँ, समूह चर्चा प्रशिक्षण, नमूना साक्षात्कार आदि जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन
- उद्योग संस्था के साथ परस्पर चर्चा का अवसर प्रदान करना
- औद्योगिक संगठनों के दौरे का समन्वय कार्य
- विद्यार्थियों के लिए परियोजना रोजगार का समन्वय
- विविध विभागों द्वारा आयोजित किए जानेवाले तकनीकी संगोष्ठियाँ/सम्मेलन/ कार्यशालाओं का समर्थन
- प्रमुख निगम के साथ विद्यार्थी कार्यशालाओं का आयोजन
- कंपनियों के सहयोग से संकाय सदस्यों के विकास हेतु कार्यक्रमों का आयोजन
- व्याख्यान हेतु विशेषज्ञों, परियोजना तथा प्रयोगशाला मूल्यांकन के पैनल के सदस्यों, चयन समिति के सदस्यों को आमंत्रित करते हुए उद्योग संस्थाओं के साथ परस्पर चर्चा की सुविधा का प्रावधान
- पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय से संभाव्यता के अनुरूप सहकार्य हेतु उद्योगों को आमंत्रित करना

**पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय में रोजगार – (शैक्षणिक वर्ष 2006-2007 से आज की तारीख तक)**

आयोजित साक्षात्कारों की संख्या : 390+

चयनित विद्यार्थियों की संख्या : 5100+

**निम्नलिखित कंपनियों में पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की भर्ती हुई**

भारतीय रिजर्व बैंक, काग्निजंट, एस्सेंट्यूर, एच सी एल, विप्रो, पत्नी कंप्यूटर्स, टी एस एस, इनफोसिस, सत्यम, एच पी, जी ई स्वास्थ्य सेवा, कीने, एल व टी इन्फोटेक, आई डी बी आई, एच एस बी सी, स्टांडर्ड चार्टेड, कोटक सेक्यूरिटीस, हनीवेल, हिंदुस्तान जिंक, रिलयेंस, आई सी आई सी आई बैंक, एल वी बी, सिंटेल, पोलरिस, कोक्स व किंग्स, हय टूर्स, बर्गर पेइंट्स, हाई डिजाइन, रॉयल बैंक ऑफ स्काटलैंड, बैंक ऑफ अमेरिका और बहुत सारे आदि....

**भर्ती करनेवालों के लिए संपर्क सूत्र :**

रोजगार समन्वयक

ईमेल : skvjey.csc@pondiuni.edu.in, skvjey@gmail.com

रोजगार प्रकोष्ठ/विद्यार्थी सेवा केंद्र पुदुच्चेरी केंद्रीय विश्वविद्यालय, आर वी नगर,

कालापेट, पुदुच्चेरी – 605014

## विद्यार्थी कल्याण प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय विभाग के विद्यार्थियों के कल्याण हेतु विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थी कल्याण प्रकोष्ठ गठित है।

विद्यापीठाध्यक्ष/अध्यक्ष

**डॉ डी लाजर**

आचार्य

वाणिज्य विभाग

पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय

सहायक विद्यापीठाध्यक्ष/अध्यक्ष

**डॉ ए शहीन सुल्ताना**

आचार्य

समाज सेवा विभाग

पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय

# फिजिकल एजुकेशन और खेल निदेशालय

**पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय में खेल गतिविधियों का विवरण :**

यह केंद्रीय विश्वविद्यालय खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है और छात्रों व कर्मचारियों के लिए सुविधाओं का विस्तार कर रहा है। खेल की सारी गतिविधियाँ कुलपति की अध्यक्षता में और विश्वविद्यालय के खेल विभाग की देखरेख में आयोजित की जाती हैं। निदेशालय के द्वारा शारीरिक शिक्षा और खेलों के लिए विशेष ध्यान दिया जाता है और हर साल पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय एवं उसके संबद्ध महाविद्यालयों के छात्रों के लिए अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट सहित विभिन्न खेल और फिजिकल एजुकेशन की गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। हर दिन छात्र, संकाय- सदस्य और अन्य कर्मचारी परिसर में उपलब्ध सभी सुविधाओं का उपयोग कर सकते हैं।

**खेलकूद की गतिविधियाँ**

- दक्षिण क्षेत्र और अखिल भारतीय स्तर पर अंतर-विश्वविद्यालय खेल प्रेतियोगिताओ का आयोजन करना ।
- विश्वविद्यालय के खिलाड़ीयों की अखिल भारतीय स्तर एवं दक्षिण क्षेत्र स्तर पर भागीदारी और पूरे भारत में एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली से संबद्ध सभी विश्वविद्यालयों के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन करना ।
- राष्ट्रीय स्तर पर पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के सिल्वर जुबली रोलिंग ट्रॉफी का आयोजन ।
- 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाना।
- 5 सितंबर को शिक्षक दिवक मनाना।
- संबद्ध महाविद्यालयों से शारीरिक शिक्षा के निदेशक और निदेशिकाओं की बैठक का आयोजन।
- पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय खेल बोर्ड की बैठक का आयोजन।
- विश्वविद्यालय परिसर के व 90 संबद्ध महाविद्यालयों के छात्रों के लिए अंतर- महाविद्यालय टूर्नमेंट (पुरुष और महिला) में लगभग 40 कार्यक्रमों (खेल-कूद संबंधी) का आयोजन।
- पांडिच्चेरी परिसर के छात्रों के लिए यूनिस्पोफेस्ट (अंतर-विभागीय खेल- समारोह) का आयोजन।
- कारैकाल परिसर के छात्रों के लिए यूनिस्पोफेस्ट (अंतर-विभागीय खेल- समारोह) का आयोजन।
- पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय परिसर के संकाय हेतु (शिक्षक और गैर-शिक्षक) खेल समारोह का आयोजन।
- कार्यशाला/ संगोष्ठी/ प्रशिक्षणशिविर/ स्वास्थ्यकार्यक्रम, एरोबिक्स, कराटे आदि कार्यक्रमों का आयोजन।

**खेल-निदेशालय के लक्ष्य एवं उद्देश्य :**

- छात्रों के बीच में खेल कौशल और स्वस्थ प्रतियोगिताओं को विकसित करना।
- खेल में भाग लेने के माध्यम से स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करना।
- खेल की श्रेणी में कौशल और तकनीक गतिविधियों को विकसित करना।
- खेल के माध्यम से समझ विकसित करना।
- सांस्कृतिक पहचान के वाहक के रूप में और संपूर्ण व्यक्तित्व को प्राप्त करने के लिए खेलों को बढ़ावा देना।
- खेलों में व्यापक संभव भागीदारी को प्रोत्साहित करना।

**परिसर में खेल-संबंधी सुविधाएँ :-**

सभी खेल मैदानों में बैठने की दीर्घाओं की सुविधा है।

राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम-मैदान टर्फ विकेट सहित।

तिरुवल्लुवर स्पोर्ट्स स्टेडियम - 400 मीटर सिंडर ट्रैक एंड फील्ड एवं मल्टी पर्पस।

टेनिस, बास्केटबॉल और वॉलीबॉल के लिए मल्टी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स।

पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग से मल्टी-जिम (फिटनेस सेंटर)।

पावर लिफ्टिंग, वेट लिफ्टिंग और बॉडी बिल्डिंग (प्रशिक्षण-प्रयोगशाला)

फुटबॉल मैदान - 3

हॉकी खेलने के मैदान - 3

वॉलीबॉल कोर्ट - 5

टेनिस कोर्ट - 2

कबड्डी कोर्ट - 2

खो-खो कोर्ट - 2

हैंडबॉल कोर्ट - 2

बास्केटबॉल कोर्ट - 3

क्रिकेट खेलने के लिए मैदान -3

क्रिकेट नेट- 2

बॉल-बैडमिंटन कोर्ट - 2

बैडमिंटन कोर्ट - 4 (आउटडोर)

टेबल टेनिस, शतरंज और कैरम के लिए इनडोर हॉल।

सभी हॉस्टल में टेबल टेनिस, शतरंज और कैरम खेलने के लिए इनडोर हॉल।

फिजिकल एजुकेशन और खेल निदेशालय टीम के सदस्य :

1. डॉ. डी. सुल्ताना - निदेशक (प्रभारी), फिजिकल एजुकेशन और खेल
2. डॉ. जी. शिवरामन् - सहायक निदेशक
3. डॉ. के. चंद्रशेखरन् - सहायक निदेशक

## विश्वविद्यालय अनुदान आयोग - मानव संसाधन विकास केंद्र

1987 में संस्थापित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग - मानव संसाधन विकास केंद्र, पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय द्वारा उन्मुखीकरण पाठ्यक्रम, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, अल्पकालिक कार्यक्रम, ग्रीष्मकालीन विद्यालय, पीएचडी शोध-छात्रों के लिए संपर्क कार्यक्रम, सामाजिक विज्ञान और विज्ञान के शोध-निर्देशकों व छात्रों के लिए कार्यशालाएँ तथा कॉलेज प्राचार्यों, शैक्षणिक प्रशासकों के लिए संबंधित विशेष कार्यक्रम / कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता रहा है। । इनके अलावा, "सूचना और संचार प्रौद्योगिकी और कंप्यूटर अनुप्रयोग '(आईसीटी), हरित प्रौद्योगिकी और ज्ञान प्रबंधन भी पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय का मानव संसाधन विकास केंद्र, पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के परिसर में स्थित है। कुछ वर्ष पहले विश्वविद्यालय ने 6.84 करोड़ रुपए की लागत से एक सुंदर शैक्षणिक कर्मचारी-महाविद्यालय भवन का निर्माण किया। यह उन मानव संसाधन विकास केंद्रों में से एक है, जो एक ही छत के नीचे सभी शैक्षणिक और प्रशासनिक सुविधाओं/गतिविधियों को शामिल करता है, जिससे इच्छुक प्रतिभागियों की अकादमिक उत्कृष्टता के लिए एक सुंदर अवसर प्रदान किया जाता है। मानव संसाधन विकास केंद्र का भवन स्वयं-शिक्षक कक्ष और आवासीय सुविधाओं सहित पुस्तकालय, कैंटीन और प्रशासनिक आवास आदि आदर्श प्रशिक्षण हेतु आवश्यक सभी सुविधाओं से युक्त है।

हमारे मानव संसाधन विकास केंद्र में 40-50 प्रतिभागियों के लिए बैठने की क्षमता के साथ उत्कृष्ट क्रॉस वेंटिलेशन से युक्त चार विशाल कक्षाएँ हैं। प्रतिभागियों के लिए मानव संसाधन विकास केंद्र के हाई-टेक क्लास रूम अधिक उपयोगी हैं।

एक विश्व स्तरीय मानव संसाधन विकास केंद्र तथा एक परिवर्तन-कार्यकर्ता बनकर उच्च शिक्षा व अनुसंधान के क्षेत्रों में गुणवत्ता और अधिगम की प्रक्रिया में उत्कृष्टता लाने का कार्य करते हुए अनुसंधान-योग्यता और सहयोगी अभिविन्यास के साथ स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक समुदाय की सेवा करना मानव संसाधन विकास केंद्र, पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय का लक्ष्य है।

# पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय कम्यूनिटी कॉलेज

पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय सामुदायिक महाविद्यालय (पीयूसीसी)- भारतीय विश्वविद्यालय प्रणाली में इस प्रकार का सर्वप्रथम महाविद्यालय है जो 16अक्टूबर 1995 को स्थापित है। यह पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के सामान्य, शैक्षणिक और प्रशासनिक पर्यवेक्षण के तहत कार्य करता है।

**लक्ष्य :**

उचित कौशल-प्रशिक्षण के माध्यम से कल के होनहार नागरिकों को प्रोत्साहित व प्रेरित करना, और उनकी आवश्यकताओं के अनुसार मूल्योन्मुख शिक्षा दिलाकर उन्हें समाज में प्रतिष्ठित नागरिकों के रूप में तैयार करना।

**उद्देश्य:**

पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय सामुदायिक महाविद्यालय निम्नलिखित बिंदुओं के तहत छात्र-सफलता के लिए प्रतिबद्ध है ।

• **सभी छात्रों के लिए करियर (रोजगार) कौशल** का बढ़ावा देना, और इस तरह गुणवत्ता कार्यबल के लिए मांग और आपूर्ति के बीच अंतर को मिटाकर कुशल जनशक्ति को तैयार करना जो बेरोजगारी को मिटा सके ।

• **अभिनव, कार्य-संबद्धी और रोजगारोन्मुख कार्यक्रम** तेजी से जटिल बनते जा रहे और तकनीक-आधारित आधुनिक समाज में छात्रों को कौशल विकसित करने में सक्षम बनाते हैं और उन्हें स्वतंत्र, स्वावलंबी जीवन बिताने के लिए तैयार करते हैं।

• **हमारे सभी व्यावसायिक कार्यक्रम में इंटर्नशिप सेवा का अनुभव** छात्रों को सैद्धांतिक स्तर पर उन्नत शिक्षा दिलाने के साथ-साथ प्रायोगिक व अनुप्रयोग के स्तर पर भी सक्षम बनाता है। हमारे औद्योगिक भागीदार अस्पतालों में पैरामेडिकल के क्षेत्र में विशेषज्ञ चिकित्सा दल द्वारा काम आधारित शिक्षा की सुविधा भी देते हैं ।

• **अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक अवसर** सामुदायिक महाविद्यालय पहल कार्यक्रम (सीसीआईपी) के माध्यम से छात्रों को प्राप्त है जो कि राज्य विभाग एवं शैक्षिक और सांस्कृतिक व्यवहार ब्यूरो, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा प्रायोजित है।

**देश में सामुदायिक महाविद्यालय मॉडल के अग्रदूत होने के नाते, और उत्कृष्टता के निरंतर प्रयासों के माध्यम से, हम उच्च शिक्षा में एक व्यवस्थित परिवर्तन लाने के लिए -यानी उच्च शिक्षा के व्यावसायीकरण के लिए कटिबद्ध हैं।**

**मिशन :**

व्यापक शैक्षिक आदर्श के माध्यम से युवाओं और महिलाओं- विशेषकर समाज के कम विशेषाधिकार प्राप्त वर्गों में 'क्षमता का निर्माण' करना हमारा मिशन है जो बौद्धिक विकास को बढ़ावा देता हो, और व्यावसायिक व जीवन कौशल का विकास करके, सामाजिक प्रतिबद्धता, भावनात्मक संतुलन और नैतिकता एवं बेहतर गुणवत्ता से युक्त जीवन सुनिश्चित करती हो।

**अध्ययन - कार्यक्रम**

**स्नातक कार्यक्रम** (अवधि: 3 वर्ष)

1. बीसीए
2. बी.एससी. जैव रसायन शास्त्र
3. बीएससी विज़ुअल कम्युनिकेशन
4. बीबीए

**स्नातक कार्यक्रम** (अवधि: 3 वर्ष)

**<u>व्यावसायिक धारा के अंतर्गत</u>**

**पैरामेडिकल पाठ्यक्रम**

5. रेडियोलॉजी और इमेजिंग प्रौद्योगिकी में बी वॉक
6. कार्डियक लैब टेक्नोलॉजी में बी वॉक
7. ऑप्टोमेट्री टेक्नोलॉजी में बी वॉक
8. ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी में बी वॉक

9. रनल डायलिसिस प्रौद्योगिकी में बी वॉक

**कंप्यूटर विज्ञान पाठ्यक्रम**

10. सॉफ्टवेयर विकास में बी वॉक

**प्रबंधन पाठ्यक्रम**

11. खुदरा प्रबंधन में बी वॉक
12. पर्यटन और सेवा उद्योग में बी वॉक

**उन्नत डिप्लोमा कार्यक्रम** (अवधि: 2 वर्ष)

**व्यावसायिक धारा के अंतर्गत**

13. कार्डियक लैब टेक्नोलॉजी में उन्नत डिप्लोमा
14. ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी में उन्नत डिप्लोमा

**डिप्लोमा कार्यक्रम** (अवधि: 2 वर्ष)

**व्यावसायिक धारा के अंतर्गत**

15. डिजिटल फोटोग्राफी में डी. वॉक.
16. 2 डी और 3 डी एनीमेशन में डी. वॉक.
17. वीडियो प्रोडक्शन और संपादन में डी. वॉक.
18. कैटरिंग और हॉस्पिटालिटी में डी. वॉक.

**स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम** (अवधि : 1 वर्ष)

19. अस्पताल प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
20. पोषण और आहार विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
21. योग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
22. कंप्यूटर एप्लीकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

**अध्ययन - कार्यक्रम**

**डिप्लोमा कार्यक्रम (अवधि : 1 वर्ष)**

23. लेखा और कराधान में डिप्लोमा
24. इलेक्ट्रो कैडियोग्राफिक तकनीकों में डिप्लोमा
25. स्वच्छता निरीक्षण में डिप्लोमा
26. फिजिशियन असिस्टेंस में डिप्लोमा
27. प्रमाणित रेडियोलॉजिकल सहायक में डिप्लोमा
28. अस्पताल प्रबंधन और प्रशासन में डिप्लोमा
29. ऑपरेशन थियेटर तकनीक में डिप्लोमा
30. मेडिकल रिकॉर्ड एंड एडमिनिस्ट्रेशन में डिप्लोमा
31. मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी में (2 वर्ष) डिप्लोमा
32. शिशु-देखभाल की देखभाल में डिप्लोमा

33.कार्यालय प्रबंधन और सचिवीय अभ्यास में डिप्लोमा

34. बीमा प्रबंधन में डिप्लोमा

35. सेल्स मैनेजमेंट में डिप्लोमा

36. सूचना प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा

37. ग्राफिक्स और एनिमेशन में डिप्लोमा

38.कंप्यूटर ग्राफिक्स और वेब प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा

39. हार्डवेयर प्रबंधन में डिप्लोमा

40. पर्यटन और टिकटिंग में डिप्लोमा

41. वीडियो प्रोडक्शन में डिप्लोमा

42. दस्तावेज़ लेखन में डिप्लोमा

**प्रमाणपत्र कार्यक्रम (अवधि : 6 महीने)**

43. मधुमेह-संरक्षण और प्रबंधन में प्रमाण पत्र

44. केंद्रीय स्टेराइल आपूर्ति और अस्पताल अपशिष्ट-प्रबंध में प्रमाण पत्र

45. मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी में (1 वर्ष) प्रमाण पत्र।

46. किशोर स्वास्थ्य और परामर्श में प्रमाण पत्र

47. मानसिक रूप से विकलांग विशेष बच्चों के संरक्षण में प्रमाणपत्र ।

48. खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन में प्रमाणपत्र

49. योग में प्रमाण पत्र

50. वयस्क नागरिकों के लिए योग में प्रमाणपत्र

51. इवेंट मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट

52. डेस्कटॉप पब्लिशिंग में सर्टिफिकेट

53. टैली में प्रमाण पत्र

54. डाटा एंट्री और प्रोसेसिंग में प्रमाण पत्र

55. कंप्यूटर ग्राफिक्स में प्रमाण पत्र

56. पर्यटन एवं पर्यटन-निर्देशन में प्रमाणपत्र एंड टूर गाइड

57. रेडियो जॉकी और समाचार-लेखन में प्रमाण पत्र

58. समाचार-लेखन और समाचार-प्रसारण में प्रमाण पत्र

59. फोटोग्राफी और  वीडियोग्राफर में प्रमाण पत्र

60. अंग्रेजी-संभाषण में प्रमाण पत्र

**ध्यान दें-**

क्रम संख्या 15 से 60 तक के सर्टिफिकेट / डिप्लोमा / स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में जब पर्याप्त संख्या में आवेदन प्राप्त हों और 20 उम्मीदवार भर्ती हुए हों तभी किसी पाठ्यक्रम का संचालन होगा।

# माहे केन्द्र कम्यूनिटी कॉलेज

पांडिच्चेरी केंद्र शासित प्रदेश के माहे क्षेत्र की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, सामुदायिक महाविद्यालय को स्थापित किया गया था। यह केंद्र रोजगार को दृष्टि में रखकर सामान्य रुचि की उच्च शिक्षा के साथ साथ व्यावसायिक और प्रमाणित कौशल प्रदान करता है।

**लक्ष्य :**

माहे केंद्र पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के सामान्य, शैक्षणिक और प्रशासनिक पर्यवेक्षण के तहत कार्य करता है और इसमें संचालित सभी पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यताप्राप्त और समर्थित हैं।

**उद्देश्य :**

वर्तमान भारत की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए युवाओं को तैयार करना, उन्हें सशक्त बनाने के लिए मूल्य आधारित समग्र शिक्षा और प्रशिक्षण देकर विभिन्न वाणिज्यिक, कृषि, सरकारी और शैक्षणिक संस्थानों के सदस्यों के रूप में आपसी सहयोग और संगठन के साथ उन्हें राष्ट्रीय विकास में भागीदार बनाना।

**मिशन :**

युवाओं और महिलाओं- विशेषकर समाज के कम विशेषाधिकार प्राप्त वर्गों में- बिना किसी लिंग-पक्षधरता के, पर्याप्त अभिक्षमता का निर्माण करना जो बौद्धिक विकास को बढ़ावा देता हो, और व्यावसायिक व जीवन कौशल का विकास करके, सामाजिक प्रतिबद्धता, भावनात्मक संतुलन और नैतिकता एवं बेहतर गुणवत्ता से युक्त जीवन सुनिश्चित करती हो।

**केंद्र अध्यक्ष :**

**डॉ. एस. अरुल सेल्वन्**

**अध्ययन के कार्यक्रम**

**स्नातक कार्यक्रम** (अवधि : 3 वर्ष- पार्श्व-प्रवेश और निकास और लंबवत गतिशीलता प्रावधानों के साथ)

1. रेडियोग्राफिक और इमेजिंग प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा / बी.वोक
2. पर्यटन और सेवा उद्योग में डिप्लोमा / बी.वोक
3. फैशन टेक्नोलॉजी में बी.वोक
4. पत्रकारिता और जनसंचार में बी.वोक

# दूरस्थ शिक्षा निदेशालय

जो लोग औपचारिक ढंग से / परिसर में रहकर उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकते हैं, उन लोगों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय ने 1995-96 में व्यावसायिक/रोजगारोन्मुख शैक्षिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में प्रवेश करने का निर्णय लिया था। संप्रति निदेशालय पाँच एमबीए, चार स्नाकोत्तर और दो स्नातक कार्यक्रम प्रस्तुत करता है।

संस्थान के दूरस्थ पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश-प्रक्रिया आमतौर पर शैक्षिक वर्ष जून-कैलेंडर वर्ष जनवरी में शुरू होती है और विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय पहचान और शैक्षणिक गुणवत्ता से आकृष्ट हो, एक पेशेवर डिग्री प्राप्त करने के अपने सपनों को साकार करने के लिए देश के सभी प्रदेशों व सभी क्षेत्रों से छात्र निदेशालय द्वारा संचालित कार्यक्रमों में भाग लेते हैं और पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय का हृदय से चयन करते हैं। इस प्रकार वर्षों से, दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम के सफल आयोजन में पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय ने अपने लिए एक विशिष्ट स्थान बनाया है।

पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय का दूरस्थ शिक्षा निदेशालय नवीन ट्विनिंग कार्यक्रम अवधारणा के लिए भी जाना जाता है, जिसमें प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ विश्वविद्यालय भी भागीदार हैं, जो पूरे देश में पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम से संबंधित गतिविधियों का आयोजन करते हैं।

**अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए छात्रवृत्तियाँ :**

इस निदेशालय में प्रवेश प्राप्त अनुसूचित जाति/अनुसूचित प्रजातियों के छात्र संबंधित राज्य सरकार / केंद्रशासित प्रदेश सरकार की विविध छात्रवृत्तियों का स्वयं लाभ ले सकते हैं

**शुल्क रियायत**

शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण व्यक्तियों के लिए 100% ट्यूशन शुल्क रियायत और 50% निम्नलिखित वर्गों के छात्रों के लिए ट्यूशन शुल्क रियायत का प्रावधान दिया गया है :

- पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय के गैर-शिक्षण कर्मचारी और उनकी संतान (वर्ग सी व डी)
- भारतीय सशस्त्र बलों में सेवारत रक्षा कर्मी
- विधवाएँ
- अनाथ महिलाएँ
- कैदी
- ट्रांसजेंडर

**पुस्तकालय**

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय डीडीई भवन में स्थित विशाल पुस्तकालय के साथ सुसंपन्न है। प्रबंधन और कंप्यूटर अनुप्रयोगों के विषयों में एक विस्तृत श्रृंखला की पुस्तकों के अलावा, पुस्तकालय में दूरस्थ शिक्षा निदेशालय की सभी अध्ययन सामग्री, प्रबंधन की मुख्य लोकप्रिय शोध-पत्रिकाएँ, एमबीए के परियोजना-प्रतिवेदन, स्नातकोत्तर छात्रों के असाइनमेंट, प्रश्न बैंक और अन्य दैनिक समाचार पत्रों और पत्रिकाओं आदि का संग्रह है।

**अध्ययन कार्यक्रम :**

**एम.बी.ए. कार्यक्रम (दो वर्ष - चार सत्र)**

एम.बी.ए. - मानव संसाधन विकास प्रबंधन

एम.बी.ए. - फाइनेंस

एम.बी.ए. - विपणन

एम.बी.ए. - अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

एम.बी.ए. - सामान्य

**स्नातकोत्तर कार्यक्रम (दो वर्ष - चार सत्र)**

एम.ए. - अंग्रेज़ी

एम.ए. - समाजशास्त्र

एम.ए. - हिंदी

एम.कॉम

**स्नातक कार्यक्रम (तीन वर्ष- गैर सत्रक)**

बी.बी.ए

बी.कॉम **

** सभी पाठ्यक्रम जनवरी 2019 से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो द्वारा अनुमोदित हैं।

**दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के अधिकारी एवं संकाय-सदस्य**

**निदेशक (प्रभारी)**

**आचार्य शिबनाथ देब पीएच.डी. डी.एससी.** (कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकता)

विशेषज्ञता : नैदानिक मनोविज्ञान, स्वास्थ्य मनोविज्ञान, बाल-संरक्षण, किशोर-प्रजनन स्वास्थ्य और अनुसंधान स्वास्थ्य।

**सहायक निदेशक**

**डॉ. अरविंद गुप्ता, पीएच.डी.** (महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान)

विशेषज्ञता: व्यवसाय प्रशासन, मानव संसाधन प्रबंधन

**सहायक आचार्य**

**पुनीता ए., पीएचडी,** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पांडिच्चेरी)

विशेषज्ञता: व्यावसायिक नैतिकता, मानव संसाधन-प्रबंधन, संगठनात्मक व्यवहार और व्यावसायिक वातावरण।

**उमाश्री वी., पीएचडी,** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पांडिच्चेरी)

विशेषज्ञता: लेखा और वित्त, वित्तीय प्रबंधन, सुरक्षा विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन।

**शेक एमडी. निज़ामुद्दीन, पीएचडी,** (पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पांडिच्चेरी) विशेषज्ञता: विपणन प्रबंधन, विज्ञापन, सेवा विपणन, व्यवसाय-विधि

कार्यक्रमों की अधिक जानकारी दूरस्थ शिक्षा निदेशालय की विवरणिका में और विश्वविद्यालय की वेबसाइट ww.pondiuni.edu.in की दूरस्थ शिक्षा लिंक पर भी उपलब्ध है।

**2019-20 के लिए विश्वविद्यालय कार्यक्रमों का शैक्षिक कैलेंडर@**

**(विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर/ स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रमों के लिए)**

**ग्रीष्म अवकाश के बाद 24 जून 2019, सोमवार को खुलेगा।**

| सत्र | विवरण | अवधि |
|---|---|---|
| **विषम सेमिस्टर**<br>**24-06-2019 से**<br>**29-11-2019 तक** | **परामर्श और पंजीकरण ***<br>नियमित कक्षाओं का आरंभ<br>शुल्क के भुगतान की अंतिम तिथि #<br>पाठ्यक्रम-समाप्ति की अंतिम तिथि<br>शैक्षणिक अनुभाग को पंजीकरण विवरण-प्रस्तुति<br>कक्षाओं का समापन<br>परीक्षाओं का आरंभ<br>परीक्षाओं की समाप्ति<br>अनंतिम परिणाम-घोषणा की अंतिम तिथि | 24.06.2019 से 28.06.2019 तक<br>01.07.2019 (सोमवार)<br>12.07.2019 (शुक्रवार)<br>15.07.2019 (सोमवार)<br>22.07.2019 (सोमवार)<br>13.11.2019 (बुधवार)<br>18.11.2019 (सोमवार)<br>29.11.2019 (शुक्रवार)<br>06.12.2019 (शुक्रवार) |
| **सत्र** | **विवरण** | **अवधि** |
| **सम-सेमिस्टर**<br>**11-12-2019 से**<br>**04-05-2020 तक** | **परामर्श और पंजीकरण ****<br>नियमित कक्षाओं का आरंभ<br>शुल्क के भुगतान की अंतिम तिथि #<br>पाठ्यक्रम-समाप्ति की अंतिम तिथि<br>शैक्षणिक अनुभाग को पंजीकरण विवरण-प्रस्तुति<br><br>**शीतकालीन अवकाश**<br>कक्षाओं का समापन<br>परीक्षाओं का आरंभ<br>परीक्षाओं की समाप्ति<br>अनंतिम परिणाम-घोषणा की अंतिम तिथि | **09.12.2019 से 13.12.2019 तक**<br>11.12.2019 (बुधवार)<br>16.12.2019 (सोमवार)<br>20.12.2019 (शुक्रवार)<br>27.07.2019 (शुक्रवार)<br><br>**25.12.2019 से 17.01.2020 तक**<br>15.04.2020 (बुधवार)<br>20.04.2020 (सोमवार)<br>04.05.2020 (सोमवार)<br>08.05.2019 (शुक्रवार) |

@ अस्थाई एवं परिवर्तन के अधीन

**ग्रीष्म अवकाश : 11.05.2020 (सोमवार) से 28.06.2020 (रविवार) तक**

**29.06.2020 (सोमवार) को विश्वविद्यालय पुनः खुलेगा।**

*विषम-सत्र के छात्रों के लिए

**सम-सत्र के छात्रों के लिए

# यदि अंतिम तिथि तक भुगतान नहीं किया जाता है, तो पहले 10 दिनों के लिए प्रतिदिन रू. 5/- और उसके बाद प्रति दिन 10 /-जिसमें शुल्क देय हो, उस महीने के अंतिम दिन तक जुरमाना देय है। उसके बाद पुनः-प्रवेश राशि रू.1000/- यूडीएफ रू. 500/- के जुरमाने के साथ बकाया शुल्क भुगतान किया जाना है। प्रवेश के लिए कुलपति की स्वीकृति की आवश्यकता होगी।

-किसी भी पाठ्यक्रम में 70% से कम उपस्थिति वाले छात्रों को अंतिम-सत्र की परीक्षाओं में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उस छात्र/छात्रा को जब उस पाठ्यक्रम की घोषणा अगली बार की जाएगी, तब पुनः उसमें प्रवेश लेना पडेगा।

## विश्वविद्यालय के एड-ऑन कार्यक्रमों के लिए शैक्षिक कैलेंडर 2019-20@

| सत्र | विवरण | अवधि |
|---|---|---|
| प्रथम सत्र (01.08.2019 से 13.12.2019) | प्रवेश- अधिसूचना | 10.07.2019 (बुधवार) |
| | भरे गये आवेदन स्वीकार करने की अंतिम तिथि | 22.07. 2019 (सोमवार) |
| | प्रवेश के लिए अंतिम तिथि | 26.07.2019 (शुक्रवार) |
| | कक्षाओं का आरंभ (प्रथम सत्र) | 01.08.2019 (गुरुवार) |
| | प्रवेश-प्राप्त छात्रों के पंजीकरण की शैक्षिक अनुभाग में प्रस्तुति | 07.08.2019 (बुधवार) |
| | परीक्षा-आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि | 20.11.2019 (बुधवार) |
| | कक्षाओं का समापन (प्रथम सत्र) | 06.12.2019 (शुक्रवार) |
| | परीक्षाओं का आरंभ | 09.12.2019 (सोमवार) |
| | परीक्षाओं का समापन | 13.12.2019 (शुक्रवार) |
| | परीक्षा-फल की घोषणा | 20.12. 2019 (शुक्रवार) |
| द्वितीय सत्र (20.01.2020 से 06.05.2020) | कक्षाओं का आरंभ (द्वितीय सत्र) | 20.01. 2020 (सोमवार) |
| | शुल्क-भुगतान की अंतिम तिथि# | 27.01. 2020 (सोमवार) |
| | परीक्षा-आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि | 06.04.2020 (सोमवार) |
| | कक्षाओं का समापन (द्वितीय सत्र) | 27.04.2020 (सोमवार) |
| | परीक्षाओं का आरंभ | 04.05.2020 (सोमवार) |
| | परीक्षाओं का समापन | 06.05.2019 (बुधवार) |
| | परीक्षा-फल की घोषणा | 08.05.2020 (शुक्रवार) |

@ अस्थाई एवं परिवर्तन के अधीन

**सूचना पट्ट :** किसी भी एड-ऑन पाठ्यक्रम में 70% से कम उपस्थिति वाले छात्रों को अंतिम-सत्र की परीक्षाओं में शामिल होने की अनुमति नहीं दी
जाएगी। उस छात्र/छात्रा को जब उस पाठ्यक्रम की घोषणा अगली बार की जाएगी, तब पुनः उसमें प्रवेश लेना पडेगा।

# यदि अंतिम तिथि तक भुगतान नहीं किया जाता है, तो पहले 10 दिनों के लिए प्रतिदिन रू. 5/- और उसके बाद प्रति दिन 10 /-जिसमें शुल्क देय हो, उस महीने के अंतिम दिन तक जुरमाना देय है। उसके बाद पुनः-प्रवेश राशि रू.1000/- यूडीएफ रू. 500/- के जुरमाने के साथ बकाया शुल्क भुगतान किया जाना है। प्रवेश के लिए कुलपति की स्वीकृति की आवश्यकता होगी।

## महत्वपूर्ण सूचना

I. विश्वविद्यालय यहाँ दी गई जानकारी में परिवर्तन करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। इसे किसी भी अनुमोदन के लिए उद्धृत नहीं किया जा सकता है।

II. विवरण-पत्रिका में दी गई जानकारी की परिगणना न करते हुए, अपने नियमों और विनियमों के अनुसार किसी भी मुद्दे पर निर्णय लेने का अंतिम अधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित है।

III. इस विवरण-पत्रिका में सूचीबद्ध कार्यक्रमों में परिवर्तन सहित अद्यतन जानकारी के लिए, विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.pondiuni.edu.in को समय-समय पर देखते रहें।

पुदुच्चेरी कुल सचिव

# संपर्क सूत्र

| | |
|---|---|
| पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय | EPBAX: 0413-2654300<br>FAX: 0413 - 2655734<br>academictwo@gmail.com www.pondiuni.edu.in |
| संबद्ध शैक्षिक- संस्थाओं में पीएच.डी कार्यक्रम | |
| भारतीदासन शासकीय महिला महाविद्यालय- पुदुच्चेरी | 0413-2213504<br>bgcw.puducherry.gov.in |
| एकोले फ्रांकेइस डी एक्स्ट्रीम- ओरिएंट- पुदुच्चेरी | 0413-2334539, 2332504<br>administration@efeo- pondicherry.org |
| कांची मामुनिवर स्नातकोत्तर-अध्ययन केंद्र<br>(के.एम.सी.पी.जी.एस.)- पुदुच्चेरी | 0413-2251687, 2251613<br>kmcpgs.puducherry.gov.in |
| पांडिच्चेरी इंजीनियरिंग कॉलेज (पी.ई.सी.)- पुदुच्चेरी | 0413-2655281www.pec.edu<br>आरक्षण केंद्र-शासित प्रदेश पुदुच्चेरी की नीति के अनुसार होगा। 75% सीटें केंद्र-शासित प्रदेश-पुदुच्चेरी के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं और 25% सीटें अन्य राज्यों/केंद्र-शासित प्रदेशों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं।<br>*** इसलिए आरक्षण का दावा अगर कोई हो, तो अलग से दिये गये लिंक-** www.pec.edu **पर प्रस्तुत किया जाना है।**<br>***साक्षात्कार के लिए कॉल पी.ई.सी. वेबसाइट में पोस्ट किया जाएगा। कोई अलग कॉल लेटर नहीं भेजा जाएगा।** |
| क्षेत्रीय चिकित्सा केंद्र (आर.एम.आर.सी.), पोर्ट ब्लेयर,<br>अंडमान और निकोबार द्वीप समूह | 03192-251158, 251043<br>www.rmrc.res.in |
| आई.सी.एम.आर.- वेक्टर कंट्रोल रीसर्च सेंटर<br>(वीसीआरसी)- पुदुच्चेरी | 0413-2272396/2279072<br>www.vcrc.res.in |
| भारतीय प्राणि सर्वेक्षण (जेड.एस.आई.), पोर्ट ब्लेयर,<br>अंडमान और निकोबार द्वीप समूह | 03192-233148/242390/237582<br>ईमेल: anrc@zsi.gov.in/anrsz- si@gmail.com |
| श्री मनकुल विनायगर इंजीनियरिंग कॉलेज, पुदुच्चेरी | 0413-2642000, 2641151<br>www.smvec.ac.in<br>ईमेल: smvec@smvec.ac.in |
| मदर तेरेसा स्नातकोत्तर चिकित्सा-विज्ञान एवं अनुसंधान<br>संस्थान, पुदुच्चेरी | फोन: 0413-2271200, 2275566 Fax:0413-2277594<br>deanmtihs@dataone.in http://mtihs.puducherry.gov.in |
| नर्सिंग महाविद्यालय, पांडिच्चेरी चिकित्सा विज्ञान संस्थाण,<br>पुदुच्चेरी | फोन: 0413-2656482,<br>2656541, 2656419<br>ईमेल: deancon@pimsm- mm.net |

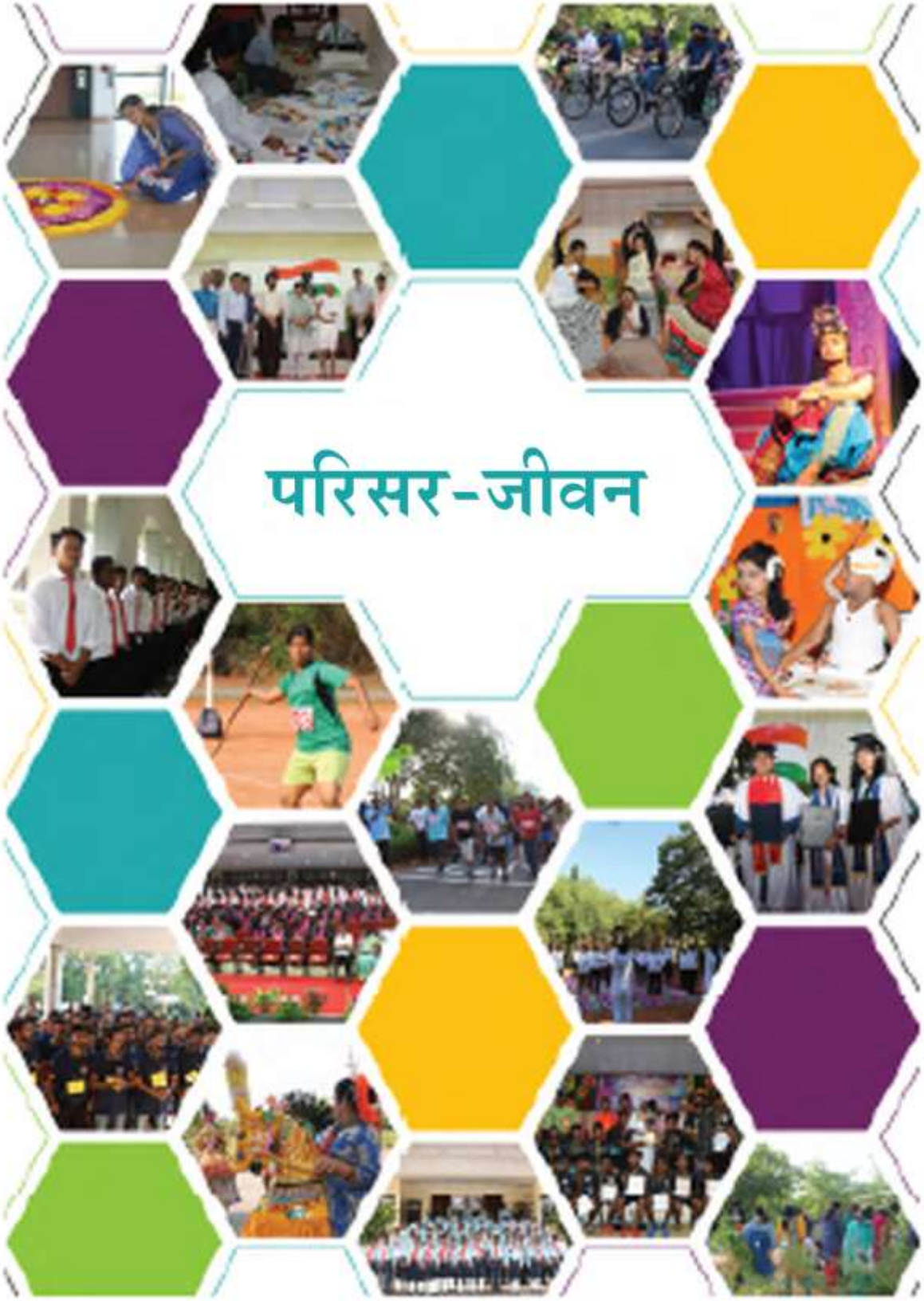
परिसर-जीवन

पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय

आर वेंकटरामन नगर, कालापेट

पुदुच्चेरी - 605014

www.pondiuniv.edu.in